ARAJI BOOJI

STORIES OF KING VIKRAMĀDITYA
as told in Mongolian
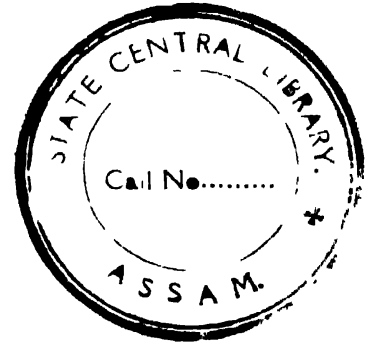
together with the unpublished Tibetan version

རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མ་ཨཱ་དི་ཏྱའི་སྒྲུང་པ་ཤིང་མི་དང་པོ་ནས་བཅུ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་
རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བུརྫི་དང་ཕན་ཚུན་སྦྲ་བར་བྱེད་པའི་ལོ་རྒྱུས་བཞུགས་སོ།།

by

Prof. Dr. Raghu Vira

ŚATA-PIṬAKA SERIES

INDO-ASIAN LITERATURES

Volume 15

Reproduced in original scripts and languages

Translated, annotated and critically evaluated

by

specialists of the East and the West

in a Series of Collectanea
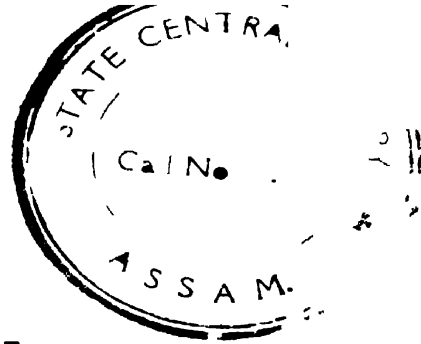
Founded by

RAGHU VIRA

M.A., Ph.D., D.Litt. et Phil., M.P.

EDITOR-IN-CHIEF

शतपिटक-माला

आचार्य-रघुवीर-समुपक्रान्तं

जम्बुद्वीप-राष्ट्राणां

(भारत-नेपाल-गान्धार-शूलिक-तुरुष्क-पारस-ताजक-

भोट-चीन-मोंगोल-मञ्जु-उदयवर्ष-

सिंहल-सुवर्णभू-श्याम-कम्बुज-

चम्पा-द्वीपान्तरादीनां)

एकैकेषां समस्रोतसां संस्कृति-साहित्य-समुच्चय-
सरितां सागरभूतं

शतपिटकम्

MONGOL-PIṬAKA

being
the Mongolian Collectanea
in
the series of Indo-Asian Literatures
forming
the Śatapiṭaka
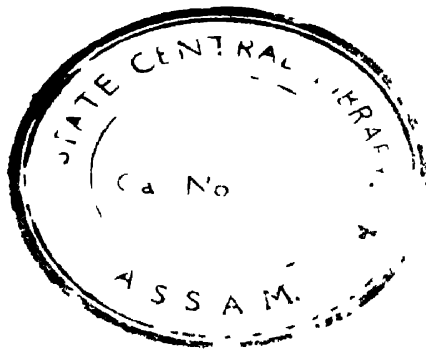
Vol. 4

ARAJI BOOJI

शतपिटके

मोंगोल-पिटकम्

तत्र

चतुर्थं प्रसूनं

विक्रमादित्यराजचरितम्

तच्च

आचार्य-रघुवीरेण सम्पादितमनूदितं च

आराजि बोजि

राजा विक्रमादित्य का चरित जो राजा भोज को काष्ठपुरुषों अर्थात् पुतलियों ने सुनाया

१. मोंगोल मूल, नागरी लिप्यन्तर, हिन्दी अनुवाद
तथा मोंगोल भाषा का व्याकरण

२. मोंगोल का अद्यावधि अप्रकाशित भोटानुवाद

आचार्य रघुवीर

स र स्व ती - वि हा र
ज२२, हौज़ खास एंक्लेव
नई दिल्ली १६
१९६१

हिमावृत घासभूमि में
वृकाजिनावृतशीर्ष लेखक

The author in the snow-covered grasslands of Mongolia
20.12.1955

समर्पण

श्रद्धा तथा भक्तिपूर्वक में इन मोंगोल-हिन्दी-भोट
कथाओं को मोंगोल राष्ट्र के प्रधानमन्त्री
महामान्य श्री त्सेदेन् बाल्
के करकमलों में
समर्पण करता हूं

रघुवीर

विषयसूची

महामान्य प्रधानमन्त्री श्री त्सेदन् बाल् मागोल मेघदूत दे रहे हैं

His Excellency Tseden Bal and the author exchange gifts
21.12.1955

PREFACE

Herewith we present two versions of the Vikramāditya stories, one in Mongolian and the other in Tibetan. The Tibetan is a rare example of a work translated from Mongolian. The Tibetan has never been published before. Its language and style are simple. In its opening paragraphs it has sought to integrate the two Mongol traditions, one of relating the stories to king Bhoja and the other to king Kṛṣṇa. Kṛṣṇa is said to have ruled over the great city of Gokula on the banks of Yamunā and to have succeeded king Bhoja.

King Kṛṣṇa appears in the bigger Mongolian version in place of king Bhoja. There he is described as living in the city of Vaiśālī on the banks of Yamunā and as having three wives, Gopī, Rādhā and Rukmiṇī. Obviously, he is the Kṛṣṇa of Mahābhārata and Gītagovinda. His divinity is described by *tümen ǰirγulang-tu Burqan* "Buddha of myriad joys". The reconstructed title of the Indian original is अयुतभोग-कृष्णराज-स्वर्णासन-प्राप्ति-जातक. It is said to have been translated into Mongolian by Pandit Bhagarāja in the town of Γurban Sayiqan, and completed in the fire-tiger year 1686 on the 18th day of the last summer month. The scribes are named: (1) Enghvang Lhungrub, (2) Lobsang Śirab, (3) Jimba, and (4) Biligtu Tüšimel Janggi Čoγtu.

The Vikrama stories, as told to king Bhoja, could have been composed only after the illustrious Bhoja of the eleventh century A.D. While all published and available Indian versions are either Śaiva, Vaiṣṇava or Jaina, a Buddhist version would have been most welcome. One would expect a Buddhist version to have been cast in a Buddhist region, probably Nepal, where Sanskrit has been combined with Buddhist faith till the present day.

This edition is designed to serve a great purpose, that of introducing Mongolian language to the Hindi speaking world. It is in fulfilment of a promise that I made to His Excellency Tseden Bal, the Prime Minister of Outer Mongolia. To him I dedicate this volume in gratitude for his many acts of kindness.

A Mongolian grammar has been added after the Hindi preface. It draws attention to the many features that are common between Hindi, Sanskrit and Mongolian.

We have also appended a table of dates showing the Bṛhaspati sixty-year

cycle and corresponding Christian dates. There are five sets of names for each year. The first set of names is constituted by a combination of five elements, fire, earth, iron, water and wood together with the names of twelve zodiac animals, hare, dragon, snake, horse, ram, ape, cock, dog, boar, mouse, ox and tiger. The second set is constituted by combining five colours, red, yellow, white, black and blue with the names of twelve zodiac animals. The third set is a translation from Tibetan into Mongolian. The fourth set are the Tibetan names, and the fifth are the Sanskrit originals, forming the basis of the third and fourth sets.

While collating the 3rd, 4th and 5th sets one is led to a few corrections. The eighth year is named *köke* "blue". It is a mistake, due to a confusion in the understanding of Tibetan. Tibetan has *dṅos. po* (pronounced *ṅoipo*) which is a correct translation of Sanskrit भाव. For" blue" the Tibetan is *sṅon.po* (pronounced *ṅompo*). The confusion is easy to understand. In place of *köke* Mongol should have *γaruγsan* or *boluγsan* (see our Mongol-Sanskrit Dictionary, 1959).

There has been an ugly cutting and mixing up of the names of 16th, 17th and 18th years. Original Sanskrit reads the 16th as चित्रभानु, 17th as सुभानु and 18th as तारण. The corresponding Mongolian names should have been *eldeb naran*, *sayin naran* and *getülgegči*. But instead of *eldeb naran* the 16th year is only *eldeb*, instead of *sayin naran* the 17th year is only *naran*, and finally, instead of simple *getülgegči* the 18th year is put down as *naran getülgegči*. The mistake had already occurred in Tibetan: *sna.chogs*, *ñi.ma*, *ñi.sgrol. byed*.

For the twentieth year, *baraši ügei* in Mongolian and *mi-zad* in Tibetan point to अव्यय in Sanskrit. Forty-sixth year in Sanskrit is परिधाविन्, while Mongolian *uγuγata bariγči* and Tibetan *yoṅs.ḥdzin* point unequivocally to परिधारिन्.

Baron A.v. Staël Holstein (Monumenta Serica, vol. I) and Kielhorn (Indian Antiquary, vol. 18) have the same list of Sanskrit names, except Kielhorn भृश्य for Holstein वृष, the 15th year.

I am grateful to my son, Dr. Lokesh Chandra, for his constant and untiring co-operation at all stages of this work which has occupied several years.

Siva-rātri,
the night of Lord Śiva
13. 2. 61

Raghu Vira

भूमिका

२४ दिसम्बर १९५५ का शीततम दिवस था। निरभ्र नीलाम्बर में भगवान् अंशुमाली सूर्यमणि के पूर्ण प्रकाशमान होते हुए भी शैत्यमात्रा का पारा शून्य से ४० अंश नीचे था। बाह्य मोंगोल राष्ट्र के प्रधानमन्त्री महामान्य श्री त्सेदेन् बाल् (=आयुष्मान् श्री) ने संसद्भवन में स्वागत किया—"शताब्दियों के पीछे भारतीय आचार्य मेरे शीत देश में पधारे हैं। एक छोटा सा उपहार स्वीकार हो, (त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये) यह आपकी वस्तु है। हमने इसको चिरकाल से स्नेह-श्रद्धापूर्वक पाला पोसा है। यह हमारी जाति का आमोद प्रमोद रहा है। हम इसे आपको अर्पित करते हैं। स्वीकार हो" और स्नेह भरे करकमलों से मेरे प्रसृत भिक्षुक हाथों में "बिर्कमिजिद् खागान् उ नाम्थार्" (विक्रमादित्यराज-चरित) प्रतिष्ठापित किया। आश्चर्यं भो आश्चर्यम्। मोंगोल तथा शिबिर (साइबीरिया) के साथ यह मेरी प्रथम भेंट।

अब मैं यह भेंट पांच वर्षों के सतत प्रयासों सहित भारत की जनता को देता हूं। जनता देखे, पढ़े, समझे और अनुभव करे। इसके अतिरिक्त भारत तथा दूरतम मोंगोल और शिबिर देश के ऐतिहासिक, धार्मिक, कलात्मक, ज्योतिषीय, आयुर्वेदीय एवं साहित्यिक सम्बन्धों पर दृष्टिपात करे और सखित्व, बन्धुता एवं ऐकात्म्य का परिचयपान करे।

ये कथाएं भारतीय मूल से ली गई हैं। भारतीय मूल किस भाषा में था, इसका रूप बौद्ध था अथवा मोंगोल लेखक ने बौद्ध रूप दिया—इत्यादि प्रश्नों का उत्तर तो मूल मिलने पर ही मिल सकता है। अभी तक जो कथाएं संस्कृत, नेवारी (नेपाल में), हिन्दी, बंगला आदि भारतीय भाषाओं में प्रकाशित हैं, वे मोंगोल अनुवाद से बहुत भिन्न हैं।

नेवारी शाखा

डेन्मार्क देश में, श्री हंस योर्गेन्-सेन् ने नेवारी भाषा की बतीस-पुत्रिका-कथा १९३९ में सम्पादन की थी। यह ग्रन्थ सर्वथा ही बौद्ध नहीं। इसका आरम्भ एवं है—"ओं श्रीगणेशाय नमः॥ पुरा पूर्बकालस। सिंहनाद पर्बतस समीपस चोङ। देश छ्-गुली दस्यं चोङ। थ्व देशया नाम श्री कण्ठपूरि धकं नाम प्रख्यान्ति याङं चोङ॥" (अर्थात् पुरा पूर्वकाल में सिंहनाद पर्वत के समीप कण्ठपुरी नाम का नगर था)। पुरा पूर्बकालस—ये दो शब्द ध्यान देने योग्य हैं। मोंगोल में भी कथा का प्रारम्भ "एर्थे उरिदु" से होता है। एर्थे=पुरा, उरिदु=पूर्बकाल। नेवारी की बतीस-पुत्रिका-कथा में स्थान स्थान पर "हरि हरि बिष्णु बिष्णु शिब शिब" यह वाक्य आता है। बुद्ध, बोधिसत्त्व, शून्यता आदि का कहीं नाम नहीं।

संस्कृत शाखाएं

संस्कृत में ये कथाएं विक्रमचरित अथवा सिंहासन-द्वात्रिंशिका आदि नामों से प्रचलित हैं। अभी तक पांच शाखाएं प्रकाशित हुई हैं। इनके प्रारम्भिक वाक्य नीचे देते हैं।

(क) दाक्षिणात्या शाखा जो सबसे अधिक प्रचलित है—

गजाननाय महते प्रत्यूह-तिमिर-च्छिदे।
अपार-करुणा-पूर-तरङ्गित-दृशे नमः॥
श्रीपुराणपुरुषं पुरातनं पद्मसंभवमुमापतिं मया।
संप्रणम्य सुभगां सरस्वतीं विक्रमार्कचरितं विरच्यते॥

पुरा कलाशशिखरमासीनं परमेश्वरं जगदम्बिका प्रणम्यावदत्।

(ख) गद्यमयी शाखा—

पुरा लङ्केश्वरभुजाकेयूरनिकषोपले।
शैले शैलेन्द्रसुतया जगदे जगदीशिता॥

(ग) संक्षिप्ता शाखा—

यं ब्रह्म वेदान्तविदो वदन्ति परं प्रधानं पुरुषं तथान्ये।
विश्वोद्गतेः कारणमीश्वरं वा तस्मै नमो विघ्नविनाशनाय॥

(घ) जैन शाखा—

अनन्तशब्दार्थगतोपयोगिनः पश्यन्ति पारं न हि यस्य योगिनः।

(ङ) वररुचि-शाखा—

नमो गुरूणां चरणाम्बुजेभ्यः।

जैन शाखा विद्यमान है, सो आश्चर्य नहीं कि बौद्ध शाखा की भी रचना हुई हो।

ये कथाएं महाराजा भोज के काल (१०१८ से १०६० ईसवी) अथवा उसके पीछे की लिखी हुई हैं, जब भारत में बौद्ध ग्रन्थों की रचना की धारा प्रायः विच्छिन्न हो चुकी थी। केवल नेपाल ही ऐसा प्रदेश है जहां वर्तमान समय तक बौद्ध धर्म तथा साहित्य चले आए हैं। सो यदि मोंगोल रूप का मूल कहीं मिलने की आशा है तो वह नेपाल में ही है। चाहे संस्कृत हो अथवा नेवारी।

मोंगोल शाखाएं

मोंगोल जातियों में सिंहासन-द्वात्रिंशिका की कथाओं के अनेक हस्तलेख और शाखाएं हैं। केवल कोपेन्-हेगेन् (डेन्मार्क) के राजकीय पुस्तकालय में ही १४ भिन्न शाखाएं हैं।

(क) जो ग्रन्थ हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं उसके मोंगोल संस्करण के पृष्ठावरण पर निम्न सूचना मुद्रित है—

"मोङ्गोल् उलुस् उन् आर्बान् नाइमादुग़ार् ओन् यिसुन् सारा दु उलाग़ान् बाग़ाथुर् ख़ोथान् दाखि मोङ्गोल् उसुग् उन् खेब्लेल् उन् ख़ोरिया दुग़ार् ११८६ ॥ बुगुदे थाबुन् मिङ्ग़ान् देब्थेर् इ खेब्लेन् ग़ार्ग़ाबाइ ॥ उने १ थोगोरिग् २ मोङ्गु ॥"

अर्थात्—मोंगोल राष्ट्र के १८वें वर्ष में नवें मास में (सितम्बर १९२९) उलाग़ान् बाग़ाथुर् (=उलान् बाथर्) नगर के मोंगोलाक्षरों के मुद्रण के बाड़े (अर्थात् मुद्रणालय) की (ग्रन्थसंख्या) ११८६ ॥ समस्त ५००० प्रतियां मुद्रण कर प्रकाशित कीं ॥ मूल्य १ थोगोरिग् २ मोङ्गु ॥ (१ थोगोरिग् लगभग १ रुपये के तुल्य है। १ मोङ्गु लगभग १ पैसे के तुल्य है। एक थोगोरिग् में १०० मोङ्गु होते हैं)

यद्यपि कथाएं भारतीय हैं और भारतीय मूल से अनुवाद की गई हैं तथापि यत्र तत्र मोंगोल वातावरण का अन्तर्निवेश किया गया है—

"मोंगोल घर जितनी बड़ी रत्नों की ढेरी लगा कर।"

"दायिछिङ उलुस्" = दायिछिङ प्रजा अर्थात् महती प्रजा।

"पैर भारी हो गये" अर्थात् गर्भवती हो गई।

"थाङ थायिसुङ राजा के नगर में।"

"चिड़िया खेल रहे थे।" चिड़िया मोंगोल खेल है।

"आकाश और भूमि कभी नहीं मिलते।" क्या यह उपमा भारतीय मूल में थी।

इस पुस्तक में ३२ में से केवल १३ पुतलियों की कथाएं हैं। कोपेन्-हेगेन् का "**मोंगोल ११७**" संख्यक हस्तलेख हमारे प्रकाशित संस्करण से बहुत मिलता है। इसका शीर्षक ध्यान देने योग्य है—"बिकर्मिजिद् ख़ाग़ान् उ थेरिगुन् देब्थेर् उलिगेर्" अर्थात् राजा विक्रमादित्य की प्रथम भाग की कथाएं। इससे स्पष्ट है कि १३ से आगे की कथाएं दूसरे अथवा दूसरे और तीसरे भाग में होंगी।

(ख) श्री मोस्तेर्त ने ओर्दो मोंगोल की आराजि-बोजि-कथाएं प्रकाशित की हैं। श्री मोस्तेर्त ने इनका फ्रांसीय भाषा में अनुवाद भी प्रकाशित किया है—**Monumenta Serica**, भाग १ तथा ११, पेकिंग १९३७, १९४७; **Folklore Ordos, Textes Oraux Ordos.**

(ग) आराजि बोजि की कथाओं का एक और भी बृहत्संग्रह विद्यमान है। इसमें राजा भोज के स्थान में राजा कृष्ण का नाम है। इनका प्रकाशन आभ्यन्तर मोंगोल में हुआ है। आवरण-पृष्ठों पर निम्न सूचना है—

"गुछिन् ख़ोयार् मोदुन् खुमुन् उ उलिगेर् ॥

"खेब्लेखुलुग्सेन् नि—ओबुर् मोङ्गोल् उन् आराद् उन् खेब्लेल् उन् ख़ोरिया ॥

"खेब्लेग्सेन् नि—छिग़ुलुल्थु ख़ाग़ाल्ग़ा यिन् एदुर् उन् सोनिन् उ खेब्लेखु उइलेद्बुरि ॥

"थार्खागासान् नि—ओबुर् मोङगोल् उन् शिन् खुवा नोम् उन् देल्गेगुर् ॥
"१६५८ ओन् उ ६ सारा थु छिगुलुल्थु खागाल्गा खोथाना आङसथुगार् खेब्लेल् उन् खोयादुगार् दारुमाल् ४००१—१२००० ॥
"उने ५५ मोङ्गु ॥"

अर्थात्—३२ पुतलियों की कथाएं ॥
प्रकाशक—आभ्यन्तर मोंगोल का जनता-मुद्रणालय ॥
मुद्रक—छिगुलुल्थु खागाल्गा (नगर) का दैनिक-समाचार-मुद्रण-कार्यालय ॥
प्रसारक—आभ्यन्तर मोंगोल का शिन् खुवा (=नवपुष्प) पुस्तक-भण्डार ॥
१६५८ वर्ष के नवम मास में छिगुलुल्थु खागाल्गा नगर में प्रथम संस्करण का दूसरा मुद्रण ४००१—१२००० ॥
मूल्य ५५ मोङ्गु ॥

इसकी ५ कथाएं श्री लाउफ़र् ने जर्मन भाषा में अनुवाद की हैं—**Zeitschrift der Deutschen Morgenländischen Gesellschaft**, भाग ५२, पृष्ठ २८३, **B. Laufer, Fünf Indische Fabeln aus dem Mongolischen.**

इसमें ३२ कथाध्याय हैं। प्रत्येक अध्याय में दो २ कथाएं हैं। इसका आरम्भ इस प्रकार है—
"प्रकाशक की भूमिका (खेब्लेन् नेयिथेलेग्छि एछे)—अयुत-भोगवान् (थुमेन् जिर्गुलाङ थु) कृष्णराज-स्वर्णामन-प्राप्ति-जातक नाम की पुस्तक को भगराज (मोंगोल में—बागाखान्) पंडित ने भारतीय भाषा से मोंगोल-भाषा में १६६८ (१६८६ चाहिये) वर्ष में गुर्बान् सायिखान् नामक स्थान में अनुवाद कर पूरा किया ॥
"मूल प्रारम्भिक शब्द—प्राचीन असंख्य कल्पों (असङकि ग़लब्) से विक्रमादित्य बोधिसत्त्व राजा और अयुत-भोगवान् कृष्ण बुद्ध, इन दोनों की पूर्ण अर्थवती कथा की ओर, प्रभु छिङगिस् खागान् के वंश से जन्म लिये, दान-भक्ति-शान्ति-श्री-संयोग-सम्पन्न जासाग् छोयिबाल् एर्देनि दायिछिङ नोयान्, इस दिशा के देश में ३२-काष्ठपुरुष-स्वर्णासन-कथा के अभाव के कारण, महती आवश्यकता कह कर प्रेरणोन्मुख हुए ॥
"सुमेरु पर्वत के सामने की दिशा में, जम्बुद्वीप की नाभि के मध्य में, शाक्यमुनि की जन्मभूमि, भारत की गंगा नदी पर वाराणसी-नगर-निवासी महाब्राह्मण (मोंगोल में—महाब्रह्म) के समस्त शास्त्र शुद्ध परम्परागत शशी (मोंगोल में—साशि) पंडित के भगराज पंडित ने, भारतीय भाषा से मोंगोल भाषा में अग्नि-शार्दूल वर्ष (अर्थात् १६८६) के ग्रीष्म के अन्तिम मेष मास की अष्टादशी, ग्रह बृहस्पति, ज्योतिष नक्षत्र के अनुसार वृषभाधिष्ठित दिन को, गुर्बान् सायिखान् नामक स्थान में अनुवाद किया। अनुवाद किये हुए को लिपिकार भिक्षु गेलुङ एङह्लाङ ल्ह्ङरब्, गेलुङ

लोब्साङ शिराब्, बन्दि जिम्बा, बिलिग्थु थुशिमेल् जाङ्ग्रि छोग्थु इत्यादि ने लिखा ।।

"कृष्णराजा का अध्याय—ओं श्री स्वस्ति मङ्गलम् । प्राचीन काल में सुमेरुपर्वत के होने से पूर्व, भारत देश में यमुना नाम की नदी पर वैशाली नगर में अयुत-भोगवान् कृष्ण नामक राजा कुशल मंगल से रहते थे। उस राजा की गोपीजन (मोंगोल में—गोबिजिन्), राधा और रुक्मिणी (मोंगोल में—उर्कुम्जि) नामक तीन रानियां थीं।"

(घ) सिंहासन-द्वात्रिंशिका के अतिरिक्त राजा विक्रमादित्य की जीवनकथा "एनेद्खेग् उन् ग़ाजार् उन् बिकर्मिजिद् ख़ाग़ान् उन् थुग़ुजि ओरुशिबा" उलान् बाथर् में १६२४ में प्रकाशित हुई थी। इसमें बाल्यकाल से ८० वर्ष की आयु तक मृत्युपर्यन्त राजा विक्रमादित्य की जीवनकथा है। इसमें भी ३२ अध्याय हैं। किन्तु इसमें कहानियां सुनाने का काम पुतलियां नहीं करतीं। विक्रमादित्य की मृत्यु के पश्चात् इन्द्र भगवान् सिंहासन की रक्षा का प्रबन्ध करते हैं और सिंहासन पर ३२ पुतलियां बिठा देते हैं। प्रयोजन यह कि भविष्य में जो कोई इस सिंहासन पर बैठना चाहे उसको ये पुतलियां विक्रमादित्य का चरित सुनाएं ।।

मोंगोल में भारतीय शब्द

इस पुस्तक में अनेक नाम आते हैं, राजाओं के, रानियों के, राककुमारों के, मन्त्रियों के। इसी प्रकार नगरों और पहाड़ों आदि के, कुछ नाम संस्कृत के हैं, जो मोंगोल उच्चारण में विकृत हो गए हैं। कुछ नाम अनुवाद के रूप में हैं। चीनी, भोट (तिब्बत की भाषा), मोंगोल और मंजु (मंचूरिया की भाषा), इन चार भाषाओं का यह सामान्य नियम था कि वैयक्तिक और भौगोलिक नामों का भी अपनी भाषा में अर्थानुसार रूपान्तर कर लेते थे। केवल कहीं कहीं संस्कृत नाम रख छोड़ते थे। चीनी और भोट की अपेक्षा मोंगोल में संस्कृत नाम अधिक मिलते हैं। एक प्रकार से यह आश्चर्य है। मोंगोल भाषा में संस्कृत के शब्द मध्य एशिया और तुर्की भाषा द्वारा गए हैं। मोंगोल लिपि भी वीगूर अथवा तुर्की लिपि का एक रूप है। इस्लाम के पूर्व मध्य एशिया की अनेक तुर्क जातियां बौद्ध थीं।

मोंगोल में लिखे भारतीय नामों को पहचानने के लिये हम सामान्य मोंगोल वर्णमाला का वर्णन देते हैं।

ह्रस्व और दीर्घ स्वरों का भेद नहीं। प्रायः ह्रस्व स्वर लिखते हैं किन्तु उच्चारण कहीं ह्रस्व कहीं दीर्घ करते हैं। देवनागरी लिप्यन्तर में दीर्घ आ लिखा गया है किन्तु दूसरे स्वरों में ह्रस्व लिखा है।

संस्कृत शब्दों के अन्तिम अ को कई बार इ कर देते हैं। जैसे भोज के स्थान में बोजि। एवं जालि (जाल), एर्देनि (रत्न), खिनारि (किन्नर), आसुरि (असुर)।

ए ऐ का भेद नहीं। कई परिस्थितियों में अ और ए का भी भेद नहीं। यदि शब्द के

आरम्भ में ए हो तो उसी शब्द के मध्य और अन्त में आने वाले अ को भी ए ही पढ़ते हैं। संस्कृत ए के स्थान में इ भी आ जाता है अथवा इ के स्थान में ए।

उ ओ औ लिखने में प्रायः भेद नहीं। औ बताने के लिए कभी २ दो ओ लिख देते हैं।

क ख ग घ के लिए दो ही चिह्न हैं। इनमें से एक को प्रायः ख अथवा ग और दूसरे को ख़ अथवा ग़ पढ़ते हैं।

संस्कृत ह के लिए ख़ अथवा ग़ का प्रयोग कर लेते हैं। संस्कृत ह के लिए अलग अक्षर भी है। उसका प्रयोग मंत्रों के लिखने में होता है। भोट तथा अन्य विदेशी शब्दों के लिए भी उस ह का प्रयोग कर लेते हैं। ङ के लिए अलग रूप है।

च और छ के लिए एक ही रूप है। इसको ज भी पढ़ लेते हैं। आद्य य को भी ज पढ़ लेते हैं। कई स्थानों में य और इ में भेद करना सम्भव नहीं होता।

टवर्ग नहीं।

संस्कृत त थ द ध के लिए एक ही अक्षर से काम चला लेते हैं। मूर्धन्य और दन्त्य अनुनासिकों के स्थान में केवल एक न है।

प्रायः प ब मे भेद नहीं कर सकते। प फ ब भ, इन चारों के लिए एक ही अक्षर आता है। व के लिए उआ, ओआ, उवा भी लिख देते हैं। बोदिसदुआ = बोधिसत्त्व।

श ष स में सदा भेद नहीं करते ॥

राजाओं के नामों में से भोज और विक्रमादित्य तो पुस्तक के शीर्षक में ही निहित हैं। ग़ालिरुबा और गलिङ्दर—ये कालरूप और कलिङ्गधर स्पष्ट हैं। उदयन स्पष्टतम है। ख़लश—यह कलश प्रतीत होता है किन्तु निश्चय करना अभी सम्भव नहीं। शक्तिशाली शक महाराजा के लिए अनुवाद-पद छिदाग़्छि (= शक) आया है। अन्य राजाओं के नाम हैं—छोग़्यु इलाग़ुसान् = श्री-विजयी। गेरेल् उन् दुवाछा = प्रभाध्वज। शाशिन् देल्गेरेग्मेन् = धर्मविपुल। शाशिन् इ एदेलेग्छि = धर्माचार।

ओग्यु छिखि थु राजकुमार का नाम है। इसका संस्कृत रूप हरिताश्मकर्ण हो सकता है। सारान् और ख़ारा मन्त्रियों के नाम है। सारान् का अर्थ चन्द्र और ख़ारा का अर्थ कृष्ण है। ग़ाल्बामा का मूल रूप कालपाश अथवा कलभाष हो सकता है।

बुद्ध का सामान्य नाम बुर्ख़ान् है। बुर्ख़ान् "बुद्ध ख़ागान्" से बना है। ख़ागान् का अर्थ है राजा। ख़ागान् का संक्षिप्त रूप ख़ान् बन गया। पठानों के नामों में ख़ान् अभी तक प्रचलित है। ख़ान् मोंगोल शब्द है, अरबी अथवा फ़ारसी का नहीं। गौतम भी दो तीन बार आया है। इसका मोंगोल उच्चारण है—ग़ोदाम्, ग़ोओदाम्। अमिताभ के लिए आबिदा है तथा शाक्यमुनि के स्थान में साग्यमुनि। विपश्यी के स्थान में बिब्शि।

एक कुमार का नाम थुसा बुथु गेग्छि आया है। यह सिद्धार्थ का अनुवाद प्रतीत होता है। योग नाम स्पष्ट ही है।

विश्वकर्मा का लिप्यन्तर बिशिउगाराम् है। तथा सुखावती का सुगावादि और राजगृह का रान्छागाराग्। मोंगोल और रूसी आदि भाषाओं में ह के लिये ग़ लिखना सामान्य नियम है। थुशिद्= तुषित (लोक)। जाद् बाबु ताद् बाबु=यद् भावि तद् भावि। छासु थु आग़ुला—यह हिमाचल का अनुवाद है, हिमालय का नहीं। आयुशि (=आयुष) एक नरक का नाम है। एर्देनि जिरुखेन्=रत्नगर्भ, पर्वत का नाम है। खोसेल् खानुग़सान् एक सरोवर का नाम है। इसका मूल भारतीय नाम पूर्णकाम हो सकता है। किन्नर और गन्धर्व के मोंगोल रूप खिनारि तथा ग़ङ्दर्ब हैं। ऋषि के लिए अर्शि रूप आता है। ब्राह्मण के लिए बिर्मान्। अवधूत के लिए आवादुदि। आचार्य के लिए आजार्।

भारत का सामान्य मोंगोल नाम एनेद्खेग् है। इसका सम्बन्ध सिन्धु, हिन्दु, इन्दु से प्रतीत होता है। जम्बुद्वीप (छाम्बुदिब्) शब्द भी बारबार आता है। इस पुस्तक में भारत के सम्बन्ध में एक दो बातें लिखी हैं। उनको यहां देते हैं—

> "भारतवर्ष में भेड़िए के बच्चे को शाल्‌ु कहते हैं" (पृष्ट ६१)। पृष्ठ १६० में शालु शब्द का प्रयोग भेड़िए के लिए भी किया गया है। यह बात अन्वेषण करने योग्य है कि भारत की किस भाषा में शालु का अर्थ भेड़िया, भेड़िए का बच्चा अथवा भेड़िए द्वारा पाला हुआ मनुष्य का बच्चा है। पृष्ठ २७१ में लिखा है कि भारत देश से सात आचार्य चलते २ वहां पहुंचे। पृष्ठ २७२ पर लिखा है कि इन सात आचार्यों ने कहा कि भारतवर्ष में विहार और चैत्य नष्ट हो गए, इस कारण हम दान मांगने आए हैं।

शाक्यमुनि के समान छिन्दाम्रनि रूप है। इसका अर्थ है चिन्तामणि। इसको छिन्दामुनि एर्देनि (चिन्तामणिरत्न) भी कहा गया है। आमुरि असुर के लिए आया है। दाखिनि=डाकिनि अच्छे और बुरे दोनों ही अर्थों में विद्यमान है।

वनस्पति जगत् में से जन्दन्=चन्दन, थाला=तालवृक्ष, बाद्मा=पद्म, देल्=तिल उल्लेखनीय हैं। सुगन्धियों में से गुगुल्=हिन्दी गूगुल, संस्कृत गुग्गुलु।

समयवाची शब्दों में से एक ओर गाल्बा=कल्प और दूसरी ओर ग्शिन्=क्षण। दक्षिण दिशा के साथ मलाया=मलय शब्द आया है।

पक्षियों में से ग़लिबङ्ग=कलविङ्क आया है। इसके साथ थोथि शब्द उल्लेखनीय है। यह मोंगोल शब्द है और भारतवर्ष में इसका प्रचार तोता के रूप में हुआ है। और भी अनेक शब्द हैं जो भारत में प्रचलित हुए हैं। जैसे माल (पशु तथा धन), बाग़ाथुर्=बहादुर (शूरवीर), एल्छि (दूत)।

अब कुछ और भारतीय शब्द देते हैं—

बोदि=बोधि। शास्थिर्=शास्त्र। उबादिस्=उपदेश,मन्त्र। थार्नि=धारणी। थार्निदाजु=धारणी पढ़ कर अर्थात् मंत्र फूंक कर। शिलुग्=श्लोक। राशियान्=रसायन अर्थात् अमृत। रिदि=ऋद्धि। मान्दाल्=मण्डल। निर्वान्=निर्वाण। जालि=जाल, माया। शाशिन्=शासन अर्थात् धर्म। शा-

ग़शाबाद्=शिक्षापद। थिब्=द्वीप। आराजि=राजा। छाम्=ध्यान। बादार्=पात्र अर्थात् भिक्षा। व्छिर=वज्र।

खोर्मुस्दा=शतक्रतु। खोर्मुस्दा पुरानी फ़ारसी का अहुर्मज़्दा (= असुर महत्) है। मुङ्ख्ला-रामुइ=मोहयुक्त हो जाती हैं (मुङ्ख्ला=मोह)। लाग्शान्=लक्षण।

मोंगोल जाति यायावर (nomad) है। मोंगोल घरों में नहीं रहते, नमदे के बने हुए तम्बुओं में रहते हैं। इनको मोंगोल में गेर् कहते हैं। गेर् का घर शब्द से ध्वन्यात्मक गाढ सामीप्य है॥

मोंगोल वाक्यरचना

हिन्दी तथा मोंगोल वाक्यरचना में बहुत साम्य है। यह साम्य तब स्पष्ट होता है जब हम मोंगोल वाक्य के नीचे आंगल तथा हिन्दी दोनों भाषाओं के अनुवाद रखें और तुलना करें।

एनेद्खेग्	उन्	ओरोन्	दुर्	आराजि	बोजि	नेरे	थु	निगेन्	येखे	खाग़ान्	बुलुगे।
भारत	के	देश	में	राजा	भोज	नाम	वाले	एक	महान्	राजा	थे।
India	of	land	in	king	Bhoja	name	possessing	one	great	king	was.

वाक्यांशों में अद्भुत समानता है—

१. निगेन् आदालि
एक समान
one like (=exactly alike)

२. निगे निगे बेर्
एक एक से (संस्कृत में भी तृतीया विभक्ति—एकैकेन) अर्थात् एक एक करके
one one by (=one by one)

३. गेर् गेर् थुर्
घर घर में
house house in (=in each and every house)

४: याबुजु खुरुगेद्
जा पहुंचे
going arrived (=arrived)

जा पहुंचे—इसके समान दो २ क्रियाओं का प्रयोग मोंगोल में बहुत है। यदि पाठक वर्ग चाहेंगे तो इस पुस्तक में से महती सूची बना सकेंगे॥

आराजि बोजि का भोटानुवाद

भोटानुवादक ने ग्रन्थ का आरम्भ इस प्रकार किया है—

"मञ्जुघोषगुरवे नमः। वे सर्व देश काल में हम पर कृपा करें। प्राचीन काल में त्रयस्त्रिंश स्वर्ग में

देवेन्द्र शतक्रतु ने स्वर्गलोक के कलाकार को नाना रत्नमय आसन बनाने का आदेश दिया। विश्वकर्मा बनाने लगे। प्रतिदिन उनकी पत्नी काष्ठपुत्तलिका बनाकर उसके हाथ भोजन भेजने लगी। प्रतिदिन विश्वकर्मा पुत्तलिका को सिंहासन के पांव में जड़ देते। एवं ३२ दिन में ३२ पांवों में एक एक पुत्तलिका जड़ी गई।

"शतक्रतु के वंश में पाल राजा हुए। उसके पश्चात् ३२ पाद स्वर्गासन विक्रमादित्य का हो गया। विक्रमादित्य महाराज महासम्मत तथा महारानी लक्ष्मी के पुत्र थे। विक्रमादित्य सिंहासन पर दो जन्म तक बैठे। यह आसन इन्द्र ने अपनी कन्या सहित विक्रमादित्य को दिया था और कहा था—जम्बुद्वीप में ले जाओ और प्राणिमात्र का हित करो। पीछे जा कर यह आसन भारत की विशाल भूमि पर राजा भोज को प्राप्त हुआ। उन्होंने इस पर बैठना चाहा पर १३ पुतलियों ने रोका और बैठने नहीं दिया।

"तत्पश्चात् प्रकाश से उत्पन्न, अवतार, बलशाली महाराज कृष्ण हुआ जो यमुना के तट पर स्थित महानगर गोकुल में राज्य करता था। उसके मन्त्री गज (अथवा हस्ती) ने बच्चों को खेलते देख कर अपने राजा से निवेदन किया। राजा को आसन पर बैठने का विचार हुआ। मन्त्रियों से पुतलियों की बात हुई।

"उत्तर के प्राणिमात्र के नाथ धर्मसूर्य के उज्ज्वल करने वाले, जेब्छुन् लोत्साङ दम्बा के जीवन-काल (१६३५–१७२३) में भारत से पंडित आचार्य भगराज आए। उन्होंने जेब्छुन् दम्बा को ३२ पुतलियों की कथा भारतीय भाषा से मोंगोल में अनुवाद करके सुनाई।

"यह बात जेब्छुन् दम्बा की मोंगोल भाषाकृत जीवनी में लिखी है। इन कथाओं का भोट में अनुवाद नहीं है, यह विचार कर मोंगोल से भोट में अनुवाद कर रहे हैं॥"

* * *

इस पुस्तक का प्रकाशन उत्तरप्रदेश के मुख्यमन्त्री डॉ. श्री सम्पूर्णानन्द जी के सौजन्य तथा औदार्य से प्रारम्भ हुआ। आपने शासन की ओर से एक तिहाई व्यय अनुदान के रूप में दिया। शेष की पूर्ति श्री जयदेव जी डालमिया ने की। मैं दोनों महानुभावों का परम कृतज्ञ हूं।

मोंगोल के पश्चात् भोटानुवाद संनिर्विष्ट करने का प्रस्ताव मेरे सुपुत्र डॉ. लोकेशचन्द्र का है। उन्होंने ही भोट के ईक्ष्य पढ़े हैं। सामान्यरूप से मुद्रण तथा प्रकाशन के सभी प्रक्रमों में इनका सहयोग रहा है।

यह पहला मोंगोल ग्रन्थ है जो व्याकरण, नागरी लिप्यन्तर, शब्दानुवाद तथा वाक्यानुवाद सहित हिन्दी में प्रस्तुत किया जा रहा है। जो सज्जन मोंगोल सीखने के इच्छुक होंगे, उनके लिए यह सहायक होगा। भारत तथा मोंगोल देशों के प्राचीन सांस्कृतिक सम्बन्धों का पुनर्नवीकरण अपरिहार्य है। दो वर्ष हुए हमने मोंगोल-संस्कृत संस्कृत-मोंगोल शब्दाभिधान विद्वज्जगत् को अर्पित किया था। अब यह हमारा दूसरा पुरस्कार है। अपनी दासता की निरन्तर शताब्दियों में भारत अपने सखा बन्धु तथा शिष्यों को भुला बैठा है। अब स्वतन्त्रता का युग उदित हुआ है। सो यह स्वाभाविक है कि हम अपनी स्मृति को नव जीवन दें॥

रघुवीर

मोंगोल-भाषा का व्याकरण

रचयिता

आचार्य रघुवीर

किञ्चित् प्रास्ताविकम्

मोंगोल नाम के आज दो देश हैं। एक आभ्यन्तर मोंगोल के नाम से प्रसिद्ध है और दूसरा बाह्य मोंगोल के नाम से। आभ्यन्तर मोंगोल चीन का प्रान्त है। बाह्य मोंगोल स्वतन्त्र है। इसका अपना नाम—बुगुदे नाइराम्दाखु मोंग़ोल् आराद् उलुस्। बुगुदे का अर्थ सर्व, नाइराम्दाखु का अर्थ संयुक्त, आराद् का अर्थ जाति और उलुस् का अर्थ राष्ट्र अथवा राज्य है। बाह्य मोंगोल का क्षेत्रफल ६ लाख वर्गमील से ऊपर है। यद्यपि देश विशाल है किन्तु जनसंख्या बहुत थोड़ी है। केवल दस लाख अर्थात् दिल्ली की जनसंख्या से भी आधी। बाह्य मोंगोल रूस और चीन के बीच स्थित है। यहां १९२४ में साम्यवादी शासन की स्थापना हुई थी। आभ्यन्तर और बाह्य मोंगोल में निवास करने वाली विभिन्न मोंगोल जातियों का महायान बौद्ध धर्म है। बौद्ध धर्म के कारण इनकी भाषा और साहित्य में बौद्ध शब्दों और विचारों की भरमार है।

मोंगोल में अनेक उपभाषाएं मिलती हैं। इनमें से सबसे बड़ी और महत्त्वपूर्ण खाल्खा, बुर्यात और खाल्मुख हैं। इन्ही तीनों उपभाषाओं में साहित्य है। खाल्खा बाह्य मोंगोल की भाषा। बुर्यात बाह्य मोंगोल से ऊपर बैकाल झील के पश्चिमोत्तर और पूर्वदक्षिणा के बुर्यात राज्य की भाषा है। ये शिबिर प्रदेश के मध्य में स्थित है। शिबिर, जो यहां का स्वदेशी नाम है वह अंग्रेजी में साइबीरिया उच्चारण किया जाना है। शिबिर शब्द का अर्थ संस्कृत में तम्बू है। मोंगोल जातियां तम्बुओं में रहती हैं।

खाल्मुख भाषी वोल्गा नदी के तट पर और काश्यप समुद्र (Caspian sea) के पश्चिमोत्तर तट पर द्वितीय महायुद्ध तक निवास करते थे। यहां पर ही खाल्मुख गणराज्य था।

इनके अतिरिक्त आभ्यन्तर मोंगोल में छाहार और ओर्दोस उपभाषाएं चलती हैं। चीन, मध्य एशिया तथा अफ़ग़ानिस्तान में भी मोंगोल उपभाषाएं बोलने वालों की बस्तियां हैं।

जिस भाषा का व्याकरण हम उपस्थित कर रहे है वह साहित्यिक मोंगोल है। यह साहित्य संसार के महान् साहित्यों में से है। इस साहित्य का सर्वश्रेष्ठ और विशालतम संग्रह कंजूर और तंजूर के नाम से प्रसिद्ध है। यह साहित्य भारत, भोट और मोंगोल के ऐतिहासिक सम्पर्क और सहयोग का परिणाम है। मोंगोल जातियों के इतिहास और विकास को समझने के लिए इस साहित्य का अध्ययन परम आवश्यक है। भारतवर्ष के बाहर उत्तर की ओर चार विशाल सम्पूर्ण बौद्ध साहित्यसंग्रह हैं। सर्वप्रथम चीनी, तत्पश्चात् भोट (तिब्बती), तत्पश्चात् मोंगोल, तत्पश्चात् मंजु (Manchurian)। इनके साथ साथ शीश्या और वीगूर के साहित्य भी थे। किन्तु अब वे खण्डों में उपलब्ध हैं। मंजु के

कंजूर और तंजूर भी आज कहीं पूरे उपलब्ध नहीं।

भारतवर्ष की दृष्टि से मोंगोल जातियों, उनके देश, भाषा और साहित्य का इतिहास बहुत प्राचीन नहीं। विक्रम संवत् १२६३ में छिङ्गिस् खान् का अभिषेक हुआ। उन्होंने छोटी छोटी तुर्की और मोंगोल जातियों को, जो सदा से आपस में लड़तो भिड़ती आई थीं, अपने बाहुबल और संगठन से एक छत्र के नीचे खड़ा किया। मोंगोल विश्व की महती विजयिनी शक्ति बन गए। छिङ्गिस् तथा उसके उत्तराधिकारी पुत्र ओगेदेइ ने एशिया और यूरोप के अधिकांश भागों को पददलित किया। यूरोप कांप उठा। मोंगोल योद्धा और उनके घोड़े अदम्य थे। किन्तु १२९८ विक्रम संवत् में जब ओगेदेइ का देहान्त हुआ, मोंगोल सेनाएं यूरोप से लौटीं। मोंगोल सामन्तों में सम्राट् बनने की स्पर्धा, साम्राज्य प्रतिष्ठापन और संधारण की अपेक्षा कहीं अधिक बलवती थी।

कुछ वर्ष पीछे खुबिलाइ खान् ने चीन में प्रथम मोंगोल वंश की स्थापना की (विक्रम संवत् १३१७)। खुबिलाइ खान् बौद्ध थे। इनसे पूर्व ही मोंगोल जातियों में बौद्ध धर्म का प्रवेश हो चुका था। किन्तु पूर्णरूप से बद्धमूल होने के लिए बौद्ध धर्म को विक्रम सं० १६३४ तक प्रयास करना पड़ा। तत्पश्चात् धर्म की गति शीघ्रता से हुई। धर्मभक्त, साहित्यप्रिय सम्राट् लेग्दान् खान् (१६६१–१६९१ विक्रम संवत्) ने मोंगोल कञ्जूर के निर्माण का कार्य प्रारम्भ कराया। लगभग एक शताब्दी के पश्चात् अर्थात् संवत् १७७७ में सम्पूर्ण कञ्जूर का पेकिंग में प्रकाशन हुआ। २० वर्ष व्यतीत होने पर तंजूर का कार्य आरम्भ हुआ और ८, ९ वर्ष में ही सम्पूर्ण तञ्जूर का संवत् १८०६ में पेकिंग से प्रकाशन हुआ।

कञ्जूर की भाषा साहित्यिक मोंगोल का आधार है। वही भाषा थोड़े बहुत परिवर्तनों के साथ आज तक चली आ रही है।

कञ्जूर से पूर्व मोंगोल साहित्य नगण्य है। मोंगोल का सर्वप्रथम ग्रन्थ "मोंगोलुन् निगुछा थोब्छा-ग़ान्" अर्थात् मोंगोलों का निगूढ ऐतिह्य है। यह १३वीं शताब्दी में रचा गया। यह वास्तव में बौद्ध धर्म का इतिहास है।

मोंगोल साहित्य का सुवर्णयुग १७, १८ और १९ वीं शताब्दियां हैं।

मोंगोल जातियों द्वारा बौद्ध धर्म तथा साहित्य मञ्जु (Manchuria) से वोल्गा नदी तक पहुंचा। मोंगोलों ने शिबिर (Siberia) में भी पताकाएं लहराईं॥

* * *

हमारा प्रयास है कि भारतीय विद्यार्थी मोंगोल भाषा में प्रवेश करने में न्यूनातिन्यून कठिनाई का सामना करें। इस दृष्टि से हमने अपने और अपने शिष्यों के अनुभव से यह आवश्यक समझा कि मोंगोल लिपि का परिचय तो पहिले पाठ से करा देवें किन्तु उसका भार नव शिशिक्षु पर न डालें। अतः व्याकरण में आदि से अन्त तक मोंगोल शब्द नागरी लिपि में ही दिए गए हैं।

मोंगोल व्याकरण में संस्कृत, हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के साथ इतनी समानताएं हैं कि

आश्चर्य होता है, प्रसन्नता होती है और सीखने में सुविधा भी पड़ती है। इन समानताओं का निर्देश हमने स्थान २ पर किया है।

मोंगोल आल्थाइ परिवार की भाषा है। इस परिवार में तुर्की और मञ्जु भाषाएं सम्मिलित हैं। मोंगोल भाषा में उपसर्ग नहीं होते। प्रत्ययों की संख्या बहुत बड़ी है। संस्कृत के समान सात विभक्तियां हैं। संस्कृत के समान लम्बे लम्बे वाक्यों की रचना मोंगोल साहित्यिक भाषा का अलङ्कार है।

मोंगोल राष्ट्र के उपप्रधानमन्त्री श्री जग्वाल तथा राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य मोंगोल मित्रों का आग्रह रहा है कि भारत और मोंगोल को पुनरपि एक दूसरे के समीप आना चाहिए। मोंगोल देश में बच्चा बच्चा जम्बुद्वीप की कहानियों को जानता है।

अभी तक मोंगोल देश का सम्बन्ध केवल रूस और चीन के साथ था। अब भारतवर्ष के साथ जुड़ने लगा है। इससे उनके हृदय में नया उल्लास और स्फूर्ति जागृत हुई है। यह उल्लास और स्फूर्ति भारत की जनता में भी मोंगोल के लिए जागृत हो, भारतीय जनता अपने प्राचीन सम्बन्धों को जानने में समर्थ हो और उसके आधार पर वर्तमान और भविष्य सम्बन्धों को बढ़ाने के लिए उत्साहित हो—इस भावना को ले कर यह सूत्रपात किया गया है। हमारे विश्वविद्यालयों में इसका प्रवेश हो, हमारे ऐतिहासिकों का क्षितिज विस्तृत हो। हम साक्षात् दर्शन करें उन सीमाओं का जो भारत की परतन्त्रता और दीन हीन अवस्था की शताब्दियों में दनदनाती हुई आगे बढ़ती जा रही थीं। ये धर्म की, कहानियों की तथा सामान्य जीवनदर्शन की सीमाएं हैं जिनको मोंगोल जातियों ने बांधा था। भारत अशक्त पड़ा हुआ था। न क्षात्र बल था, न ब्राह्म तेज, न वैश्यों के उत्साही साहसी सार्थवाह जो देशदेशान्तरों में अपना संदेश पहुंचाते। १७,१८,१९वीं शताब्दियों में जब अंग्रेजों ने भारत को नीचे दबाया हुआ था उन्हीं शताब्दियों में मोंगोल जातियों ने प्रशान्त महासागर से वोल्गा और काश्यपसागर तक के हिमाच्छादित जंगलों, मरुस्थलों और घासभूमियों को "आगच्छ आगच्छ भगवति मामभिलम्भ स्वाहा" ऐसे २ सहस्रों मन्त्रों से गुंजाया था॥

रघुवीर

प्रथम पाठ—स्वर

मोंगोल भाषा में सात स्वर हैं। आ इ उ उॖ ए ओ ओॖ। इनका क्रम नागरी से भिन्न है। प्रत्येक स्वर के तीन रूप हैं—आदि, मध्य तथा अवसान।

	आदिरूप	मध्यरूप	अवसानरूप
आ			
ए			
इ			
उ, ओ			
उॖ, ओॖ			

उच्चारण

लिखित भाषा में ह्रस्व तथा दीर्घ का भेद नही दिखाया जाता।

आ विवृत उच्चारण का द्योतक है, दीर्घत्व का नहीं। इसी प्रकार ए ओ ओॖ, जो संस्कृत में दीर्घ माने जाते है, वे मोंगोल में कभी ह्रस्व तथा कभी दीर्घ उच्चारण किये जाते हैं।

यद्यपि देवनागरी में हमने ह्रस्व इ उ उॖ का प्रयोग किया है, उच्चारणावस्था में वे कभी ह्रस्व तथा कभी दीर्घ होते हैं।

इया इये में आ तथा ए सदा दीर्घ उच्चारण होते हैं। आग़ा आगु एगे एगु में द्वितीय स्वर आ उ ए उॖ सदा दीर्घ बोले जाते हैं।

दीर्घ स्वर का निर्देश करने के लिये मोंगोल लिपि में कभी २ स्वर दो बार लिखा जाता है—बुउ (तोप)=बू। यह निर्देश विरले शब्दों में किया जाता है।

उॖ तथा ओॖ का उच्चारण विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है। ये तालव्य उ ओ कहे जा सकते हैं। जिह्वा को इ की स्थिति अर्थात् तालु में रख कर ओष्ठों को उ की स्थिति में रखने अर्थात् गोल करने से उॖ की ध्वनि बनती है। इसी प्रकार जिह्वा को ए की स्थिति में तथा ओष्ठों को ओ की स्थिति में रखने से ओॖ की ध्वनि बनती है।

ओ का उच्चारण कभी सामान्य हिन्दी ओ और कभी हिन्दी "और" में आने वाली विवृत ऑ ध्वनि के समान होता है।

सन्ध्यक्षर आकारान्त, इकारान्त, उकारान्त, ुउकारान्त होते हैं।

उआ में आ का उच्चारण दीर्घ तथा उ का ह्रस्व होता है। ग़ुआ (सुन्दरी)।

आइ उइ ुउइ एइ ओइ में इ का उच्चारण ह्रस्व तथा पूर्ववर्ती आ उ ुउ ए ओ का दीर्घ होता है। नोख़ाइ (कुत्ता)। ख़ाराङग़ुइ (अन्धेरा)। थेदुइ (इतना)। मेनेखेइ (मेंडक)। शिरोइ (मिट्टी)।

आउ एुउ में उ तथा ुउ का उच्चारण दीर्घ होता है। थाउलाइ (शश)। थेुउखे (इतिहास)॥

स्वरसाहचर्य

आ उ ओ पृष्ठ्य स्वर कहलाते हैं। ुउ ए ओ̤ अग्र्य स्वर कहलाते हैं।

प्राचीन काल में इ के दो रूप थे, एक पृष्ठ्य एक अग्र्य। अब केवल एक ही रूप है।

यदि किसी शब्द में प्रथम स्वर पृष्ठ्य हो तो शेष स्वर भी पृष्ठ्य ही होंगे। आख़ा (बड़ा भाई)। ख़ोला (दूर)।

यदि प्रथम स्वर अग्र्य हो तो शेष स्वर अग्र्य होंगे। एने (यह)। ुउनेन् (सत्य)। पृष्ठ्य तथा अग्र्य स्वरों का एक ही मोंगोल शब्द में आना सम्भव नहीं।

इ पृष्ठ्य तथा अग्र्य दोनों के साथ आ सकता है। ख़ोरिन् (बीस)। ुउनिये (गौ)।

इस नियम का नाम स्वरसाहचर्य-नियम है। यह नियम सभी मोंगोल उपभाषाओं में वर्तमान है। तथा तुर्की,मञ्जु और तुङगुस् भाषाओं में भी।

प्रत्यय, संज्ञा तथा धातुओं के अंग माने जाते हैं। इसलिए प्रायः प्रत्येक प्रत्यय के दो रूप हैं, एक पृष्ठ्य स्वर वाला, दूसरा अग्र्य स्वर वाला—आछा/एछे (अपादान कारक का प्रत्यय)॥

द्वितीय पाठ—व्यञ्जन

मोंगोल भाषा में बीस व्यञ्जन हैं—

ख ख़ ग ग़ ङ। छ ज। थ द न।

फ ब म। य र ल व। श स ह।

मोंगोल व्यञ्जनों का क्रम भी नागरी से भिन्न है—

	आदिरूप	मध्यरूप	अवसानरूप
न्			
ख्			
ग्			
ब्			

	आदिरूप		मध्यरूप			अवसानरूप		
प्, फ्								
स्								
श्								
थ्, द्								
ल्								
म्								
छ्								
ज्								
य्								
ख्, ग्								
र्								
व्								
ह्								
ङ्								
भोट ཧ								

एक लिपि-चिह्न के अनेक अर्थ

कई बार एक ही चिह्न अनेक अक्षरों का काम देता है। यथा—

१. आदिवर्ती आ।
२. मध्यवर्ती ख्। यदि व्यञ्जन के पूर्व आए तो ग्।

१. आदिवर्ती ए।
२. मध्यवर्ती, स्वरसाहचर्य-नियमानुसार, आ अथवा ए।
३. मध्यवर्ती स्वर के पश्चात् तथा व्यञ्जन से पूर्व, न्।

१. अवसानवर्ती, व्यञ्जन के पश्चात्, आ अथवा ए।
२. ,, स्वर के पश्चात्, न्।

जब शब्द के पश्चात्, अलग लिखा हो, तो आ अथवा ए।

१. आदिवर्ती य् अथवा ज्।
२. मध्यवर्ती, यदि दोनों ओर स्वर हों, तो य्।
३. ,, यदि दोनों ओर व्यञ्यन हों, तो इ।

१. आदिवर्ती तथा मध्यवर्ती, व्यञ्जन से पूर्व ग्।
२. अवसानवर्ती, व्यञ्जन के पश्चात्, इ।
३. जब शब्द के पश्चात् अलग लिखा हो, तो य्।

१. आदिवर्ती तथा मध्यवर्ती, ब्।
२. अन्तवर्ती उ, उु।

१. मध्यवर्ती, व्यञ्जन से पूर्व, द्।
२. ,, व्यञ्जन से पूर्व, ओन्, उन्, उुन्।

१. अवसानवर्ती, स्वर के पश्चात्, द्।
२. ,, व्यञ्जन के पश्चात्, उन्, उुन्।

अवसानवर्ती ख़ ग़ विशेष ध्यान देने योग्य है—

ग़्।

ख़ा।

गा।

उच्चारण और प्रयोग

ख़ और ग़ का उच्चारण फ़ारसी ख़ ग़ के समान है।

ग का उच्चारण क तथा ग के बीच का है। सुनने में कभी क तथा कभी ग सुनाई पड़ता है। इसका कारण यह है कि मोंगोल ग अघोष है।

इसी प्रकार द और ब। ये भी अघोष वर्ण हैं।

ख़ तथा ह का उच्चारण लगभग एक जैसा है।

फ़ व ह का प्रयोग केवल विदेशी शब्दों में होता है। याम्फ़ाइ (छत वाला तोरण द्वार)—यह चीनी का शब्द है। वजिर् (वज्र), विदुरिय (वैडूर्य), विवङ्खिरिद् (व्याकृति "भविष्य वाणी"), हरि (हरि "हरा"), महागाल (महाकाल)—ये संस्कृत के शब्द हैं।

र मोंगोल शब्दों के आरम्भ में नहीं आता। राशियान् "रसायन" का रूपान्तर है। खनिज जल जो चिकित्सा के लिए प्रयोग में आता है उसको आर्शान्, आराशान् (अर्थात् रसायन) कहते हैं। अरत्नदर=रत्नधर। अरत्नशिरि=रत्नश्री।

ख़ ग़ केवल पृष्ठ्य स्वरों के साथ आते हैं, अग्र्य के साथ कभी नहीं आते। ख़ोयार् (दो)। ग़ाजार् (स्थान)।

ख़ ग़ तथा ख ग के साथ निम्न स्वरों का योग होता है—

ख़ा ख़ि ख़ु ख़ो । ग़ा ग़ि ग़ु गो ।

खि खु खे खो । गि गु गे गो ।

संयुक्त व्यञ्जन केवल शब्द के मध्य में आते हैं। आदि अन्त में नहीं। तुलेम्जि (अधिक)।

विदेशी शब्दों में संयुक्त व्यञ्जन आदि तथा अवसान में भी आते हैं। ब्लामा (गुरु)—यह शब्द भोट का है। बोदिस्द्व (बोधिसत्त्व)—यह संस्कृत से है॥

गालिख अथवा मोंगोलीय संस्कृत-वर्णमाला

संस्कृत के मन्त्र लिखने के लिए मोंगोल में सम्पूर्ण वर्णमाला है। इसको गालिख (क-लेख) कहते हैं।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ

ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण त थ द ध न

प फ ब भ म य र ल व

श ष स ह क्ष
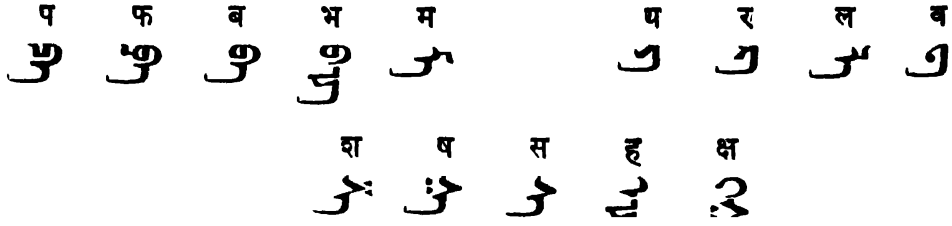
तृतीय पाठ

कर्तृकारक

मोंगोल में सात विभक्तियां हैं। इनमें से कर्ता में प्रायः प्रत्यय नहीं लगता। कई बार अन्तिम न् का लोप हो जाता है। मोरिन् अथवा मोरि (घोड़ा), मोदुन् अथवा मोदु (वृक्ष)।

हिन्दी "ने" के समान मोंगोल में भी पांच कर्तृवाची शब्द हैं। ये सदा संज्ञा के पीछे आते हैं। विशेष कर यदि कर्ता सर्वनाम अथवा विशेषण हो—

(१) **बेर**। ओद्ख़ान् ख़ोबेगुन् बेर् बार्स् इ उजेबेइ। ख़ोबेगुन् उ एखे बेर् खाथुन् बुलुगे।
छोटे लड़के ने व्याघ्र को देखा। लड़के की माता रानी थी॥

मूलरूप से बेर् करण-कारक का प्रत्यय है। इसका अर्थ "द्वारा"।

(२) **इनु** (३) **आनु**। बासा ख़ोयार् आखा नार् आनु ओगुलेबेइ।
तब दो बड़े भाइयों ने कहा॥

बोदिसदुअ नार् उन् याबुदाल् आनु येयिमु बुइ।
बोधिसत्त्वों के चरित ऐसे हैं॥

इनु का मूल अर्थ "उसका" और आनु का मूल अर्थ "उनका" है। यह अर्थ अब भी किसी २ प्रसंग में लगता है। इनु, आनु में आद्य इ "वह" तथा आ "वे" प्रातिपदिक हैं। नु सम्बन्धवाची प्रत्यय है।

एबुल् इनु माशि खुइथेन् जुन् आनु माशि ख़ालागुन् आमुइ।
जाड़ा बहुत ठंडा, ग्रीष्म बहुत उष्ण होता है॥

(४) **बोल्बासु**। इसका मूल अर्थ है "यदि होवे"।

मोंगोल् उलुस् बोल्बासु आगुउ येखे आमुइ।
मोंगोल देश विशाल महान् है॥

(५) **बुगेसु**। इसका भी मूल अर्थ है "यदि होवे"।

ख़ाग़ान् ख़ाथुन् बुगेसु बुगुदेगेर् माशि बायास्बाइ ।
राजा रानी दोनों बहुत प्रसन्न थे ।।

कर्मकारक

हलन्त संज्ञाओं के पश्चात् इ, तथा अजन्त के पश्चात् यि प्रत्यय आता है। उलुस् इ (लोगों को), नोखोर् इ (मित्र को), आख़ा यि (बड़े भाई को), नोखाइ यि (कुत्ते को)।

कुछ नकारान्त शब्दों के न् का विकल्प से लोप भी हो जाता है। मोरिन् इ, मोरि यि (घोड़े को), मोदुन् इ, मोदु यि (वृक्ष को), सायिन् इ उइलेद्खु (शुभकर्म को करना), खोबेगुन् बेर् बार्स् इ उजेमुइ (लड़के ने व्याघ्र को देखा)।

कभी २ कर्म में कोई प्रत्यय नहीं लगता। जैसे हिन्दी में "को" सदा नहीं लगता इसी प्रकार मोंगोल में भी इ/यि सदा नहीं लगता। बार्स् मिखा इदेमुइ, बार्स् बेर् मिखा यि इदेमुइ (व्याघ्र मांस खाता है)। थेगुन् इ उजेबे (उसको देखा)। एने सेल्मे यि आब् (इस तलवार को लो)। छिङ्गिस् ख़ान् इ उजेबे (छिङ्गिस् ख़ान् को देखा)।

छिमा यि यागु आञ्खु बुइ खेमेन् ख़ाग़ान् आसागुमुइ।
तुम को क्या लेना है, यह राजा पूछेगा ।।

अब प्रत्यय-हीन कुछ और उदाहरण देंगे—उसु उगुखु (पानी पीना, जल-पान)। बि मोरि उनुजु इरेबे (मैं घोड़ा चढ़ कर आया)।
बि खोबेगुन् देगेन् ख़ाथुन् एरिजु याबुमुइ।
मैं पुत्र अपने के लिये स्त्री ढूंढने जाता हूं ।।

नोम् उङशि (पुस्तक पढ़)। बिछिग् बिछि (पत्र लिख)। खेले सुर् (भाषा सीख)। मोरि उनु (घोड़ा चढ़)। उनिये साग़ा (गाए दुह)।

संस्कृत के समान समयवाची शब्दों के साथ कर्म का प्रयोग होता है—गुर्बान् सारा याबुखु (तीन मास चलना)। बि ओङ्गेरेग्सेन् जिल् इरेबेइ (मैं गत वर्ष आया)। बाग़्शि इरेखु जिल् इरेमुइ (गुरु आगामी वर्ष आएगा) ।।

सामान्य करणकारक

हलन्त संज्ञाओं के पश्चात् इयार्/इयेर् तथा अजन्त के पश्चात् बार्/बेर् प्रत्यय आता है। ग़ार् इयार् (हाथ से), खोल् इयेर् (पाओं से), खिथुग़ा बार् (छुरी से), खेले बेर् (जिह्वा से), ओबेर् उन् छिसुन् इयार् (अपने लहू से)।

नकारान्त के दो रूप हैं—मोरिन् इयार्, मोरि बार् (घोड़े से), मोदुन् इयार्, मोदु बार् (वृक्ष से) ॥

सहभावी करण

यह मोंगोल में नई विभक्ति है। इसका प्रत्यय लुग़ा/लुगे है। आख़ा लुग़ा (बड़े भाई के साथ), ख़ाग़ान् लुग़ा (राजा के साथ), आल्थान् लुग़ा आदालि (सुवर्ण के साथ समान)।

ध्यान दीजिए कि समान, सदृश, तुल्य आदि शब्दों के साथ संस्कृत में भी करण का प्रयोग होता है ॥

सम्प्रदानाधिकरण

मोंगोल में सम्प्रदान तथा अधिकरण दोनों कारकों के लिए एक ही प्रत्यय है। गत्यर्थक क्रियाओं के साथ भी इस कारक का प्रयोग होता है।

अजन्त तथा ङकारान्त, नकारान्त, मकारान्त और लकारान्त संज्ञाओं से दुर्/दुर् प्रत्यय लगता है—ओइ दुर् ओद् बाइ (जंगल में/को गया)।

शेष संज्ञाओं से थुर्/थुर् प्रत्यय लगता है—निगेन् ग़ाजार् थुर् (एक देश में), थेरे छाग् थुर् (उस समय पर), थेरे जुग् थुर् (उस दिशा में)।

हलन्त, तथा इकारान्त सन्ध्यक्षर जिनके अन्त में हों, ऐसी संज्ञाओं से साहित्यिक तथा प्राचीन भाषा में आ/ए प्रत्यय का भी प्रयोग होता है—निगेन् ग़ाजार् आ (एक देश में), एदुर् ए (दिन में), याबुख़ुइ आ (जाने के लिए), थाउलाइ आ (शशे को)।

साहित्यिक भाषा के बाहर दा/दे, था/थे, दु/दु, थु/थु का भी प्रयोग है—मोरिन् दा, मोरिन् दु (घोड़े में) ॥

चतुर्थ पाठ

अपादानकारक

प्रत्यय आछा/एछे—ख़ोला आछा (दूर से), गेर् एछे (घर से, तम्बू से), नादा आछा खुछुथेइ (मेरे से शक्तिशाली)।

तुलना करने में हिन्दी के समान अपादान का प्रयोग होता है। संस्कृत तरप् तमप् के समान मोंगोल में तुलना वाले प्रत्यय नहीं हैं।

साहित्यिक भाषा से पूर्व की अवस्था में छा/छे रूप भी मिलते हैं। वास्तव में आछा/एछे दो

प्रत्ययों का संयोग है—सम्प्रदानाधिकरणवाची आ/ए तथा अपादानवाची छा/छे । अतः आछा/एछे का मूलार्थ है "में से, पर से" । मोरिन् छा (घोड़े से), मोरिन् आछा (घोड़े पर से) । गेर् छा (तम्बू से), गेर् एछे (तम्बू में से) । आधुनिक भाषा में आछा/एछे का आसा/एसे रूपान्तर हो गया है—उसुन् आसा (जल से) ।

खाग़ान् आछा आबुबा (राजा से लिया) । गेर् एछे ग़ारुबा (घर से निकला) ।।

खाग़ान् उ खाथुन् आछा निगेन् खोबेगुन् थोरोबेइ ।

राजा की रानी से एक पुत्र जन्मा ।।

जोबालाङ आनु निस्वानिस् आछा बोलुमुइ ।

दुःख आसक्ति से होता है ।।

जिर्गालाङ बुयान् आछा बोलुमुइ । छाइ आछा उगुबा ।

सुख पुण्य से होता है । चाए से पी (अर्थात् चाए पी) ।।

थेगुन् एछे गादान् आ । याबुखु आछा बुसु आर्गा उगेइ ।

उस से बाहर मे (अर्थात् अतिरिक्त) । जाने से भिन्न उपाय नहीं ।।

थेगुन् एछे खोयिशि, थेगुन् एछे उरिदा ।

इस से पीछे, इस से पूर्व ।।

ओङ्गेरेग्सेन् थाबुन् जिल् एछे । मार्गाशि यिन् एदुर् एछे एखिलेन् ।

पिछले पाच वर्ष से । कल के दिन से आरम्भ कर ।।

थेगुन् इ मोङगुन् एछे ओग्बे ।

इस को रुपये से दिया ।।

कई धातुओ के साथ अपादान का प्रयोग होता है—आयि, आयु—(किसी से) डरना । आसागु—(किसी से) पूछना । इछे—(किसी बात से) लज्जित होना । उया—(किसी से) बांधना । एल्गु—(किसी से) लटकना । थाथा—(किसी को) खींचना । यहां हिन्दी में कर्म है, मोंगोल में अपादान । दाबा—(नियमादि को) उल्लंघन करना । यहां भी हिन्दी में कर्म है । सुर्—(किसी से) पूछना ।।

सम्बन्ध

अजन्त संज्ञाओं से यिन् प्रत्यय लगता है । आखा यिन् (बड़े भाई का), एरे यिन् (पुरुष का), आगुला यिन् (पर्वत का), दालाइ यिन् (सागर का) ।

नकारान्त संज्ञाओं से उ/ü लगता है—खाग़ान् उ (राजा का), नोयान् उ (सामन्त का), सुन् उ (दूध का) ।

अन्य हलन्त संज्ञाओं से उन्/ün प्रत्यय लगता है—ग़ाल् उन् (अग्नि का), बार्स् उन् (व्याघ्र

का), उलुस् उन् (राज्य का), एम् उन् (औषध का)।

मोंगोल का प्रयोग संस्कृत और हिन्दी के समान है, अंग्रेजी के नहीं—

ख़ागान् उ ग़ुर्बान् ख़ोबेगुन् बुलुगे।

राजा के तीन लड़के थे।

King of three sons were.

किन्तु सामान्य अंग्रेज़ी का वाक्य है—The King had three sons. संस्कृत, हिन्दी के समान मोंगोल में "have" वाची धातु का प्रयोग नहीं। उसके स्थान में सम्बन्ध कारक तथा भू-अर्थक धातु का प्रयोग है।

मोरिन् उ एजेन् (घोड़े का स्वामी)। किन्तु अंग्रेज़ी में master of the horse क्रम भिन्न है, तथा of का प्रयोग horse के पूर्व है पश्चात् नहीं।

मोदुन् उ दर्ख़ान् (लकड़ी का कर्ता अर्थात् बढ़ई)। तर्खान् शब्द पंजाबी में बढ़ई अर्थ में प्रयोग होता है।

निदुन् उ एम्छि (आंखों का वैद्य), खेलेन् उ सुर्ग़ाग़ुलि (भाषाओं की पाठशाला), ख़ोयार् दाग़ुन् उ ग़ाजार् (दो क्रोश का अन्तर)। दाग़ुन् का अर्थ है ध्वनि। जितने दूर से मनुष्य की ध्वनि सुनी जाती है उसको क्रोश (हिन्दी में कोस) कहते हैं। क्रोश का अर्थ है चिल्लाना, पुकारना, ध्वनि। ख़ोयार् दाग़ुन् उ ग़ाजार् संस्कृत गव्यूति (दो कोस) का प्रतिरूप है।

जाग़ुन् जिल् उन् उये (शत वर्ष का काल), ओलान् जुइल् उन् आमिथान् नुग़ुद् (बहुत विध के जीव वर्ग)। थेदेन् उ निगेन् (तेषाम् एकः, उनमें से एक)—यहां सम्बन्ध का प्रयोग संस्कृत के समान है।

थाबुन् ख़ुबि यिन् निगेन् (पञ्च-भागानाम् एकः, पांच भागों में से एक अर्थात् एक बटा पांच), आर्बान् उ निगेन् ख़ुबि (दशानाम् एको भागः, दश में से एक भाग अर्थात् एक बटा दस), एरे यिन् सायिन् (मनुष्याणां श्रेष्ठः, मनुष्यों में अच्छा)। सायिन् का अर्थ अच्छा है। मोंगोल में, हिन्दी के समान, तरप्-तमप्-वाची प्रत्यय नहीं होते।

हिन्दी के समान अन्दर, बाहर, ऊपर, नीचे, पास, पीछे, आगे आदि के साथ सम्बन्ध का प्रयोग होता है—गेर् उन् देर्गेदे (घर के पास), आग़ुला यिन् ख़ोयिन् आ (पर्वत के पीछे में अर्थात् पीछे)।।

* * *

पञ्चम पाठ

पूर्ण संज्ञारूप

	आखा (ज्येष्ठ भ्राता)	एखे (माता)	नोखाइ (कुत्ता)
कर्ता	आखा	एखे	नोखाइ
कर्म	आखा यि	एखे यि	नोखाइ यि
करण	आखा बार्	एखे बेर्	नोखाइ बार्
सहवाची करण	आखा लुगा	एखे लुगे	नोखाइ लुगा
सम्प्रदानाधिकरण	आखा दुर् आखा दु	एखे दुर्, एखे द	नोखाइ दुर्, नोखाइ दु
अपादान	आखा आछा	एखे एछे	नोखाइ आछा
सम्बन्ध	आखा यिन्	एखे यिन्	नोखाइ यिन्

	उलुस् (लोग, राज्य)	गाजार् (भूमि,स्थान)	जोबालाङ (दुःख)
कर्ता	उलुस्	गाजार्	जोबालाङ
कर्म	उलुस् इ	गाजार् इ	जोबालाङ इ
करण	उलुस् इयार्	गाजार् इयार्	जोबालाङ इयार्
सहवाची करण	उलुस् लुगा	गाजार् लुगा	जोबालाङ लुगा
सम्प्रदानाधिकरण	उलुस् थुर्, उलुस् थु, उलुस् आ	गाजार् थुर्, गाजार् थु, गाजार् आ	जोबालाङ दुर्, जोबालाङ दु, जोबालाङ आ
अपादान	उलुस् आछा	गाजार् आछा	जोबालाङ आछा
सम्बन्ध	उलुस् उन्	गाजार् उन्	जोबालाङ उन्

	बुलाग् (कुआ,झरना)	छाग् (समय, ऋतु)	गेर् (तम्बू,घर)
कर्ता	बुलाग्	छाग्	गेर्
कर्म	बुलाग् इ	छाग् इ	गेर् इ
करण	बुलाग् इयार्	छाग् इयार्	गेर् इयेर्
सहवाची करण	बुलाग् लुगा	छाग् लुगा	गेर् लुगे
सम्प्रदानाधिकरण	बुलाग् थुर्, बुलाग् थु, बुलाग् आ	छाग् थुर्, छाग् आ	गेर् थुर्, गेर् ए
अपादान	बुलाग् आछा	छाग् आछा	गेर् एछे
सम्बन्ध	बुलाग् उन्	छाग् उन्	गेर् उन्

	खोबेगुन् (पुत्र)	मोदुन् (वृक्ष, काष्ठ)	मोरिन् (घोड़ा)
कर्ता	खोबेगुन्	मोदुन्, मोदु	मोरिन्, मोरि
कर्म	खोबेगुन् इ	मोदुन् इ, मोदु यि	मोरिन् इ, मोरि यि
करण	खोबेगुन् इयेर्	मोदुन् इयार्, मोदु बार्	मोरिन् इयार्, मोरि बार्
सहवाची करण	खोबेगुन् लुगे	मोदुन् लुग़ा	मोरिन् लुग़ा
सम्प्रदानाधिकरण	खोबेगुन् दुर्, खोबेगुन् ए	मोदुन् दुर्, मोदुन् आ	मोरिन् दुर्, मोरिन् दु
अपादान	खोबेगुन् एछे	मोदुन् आछा	मोरिन् आछा
सम्बन्ध	खोबेगुन् उ	मोदुन् उ	मोरिन् उ

षष्ठ पाठ

द्विविभक्ति-प्रयोग

हिन्दी के समान मोंगोल में भी दो दो विभक्तियां प्रयोग होती हैं।

(१) यिन् दुर् (के में, के को)—बाग्शि यिन् दुर् (गुरु के मे/को), एखे यिन् दुर् (माता के में/को)।

(२) थाछा, दाछा, थेछे, देछे (सम्प्रदानाधिकरण प्रत्यय था/दा, थे/दे+अपादान प्रत्यय छा/छे—उमुन् दा छा (पानी में से), गेर् थे छे (घर में से), मोरिन् दा छा (घोड़े पर से)।

(३) लुगा बार् (सामान्य करण तथा सहवाची करण के प्रत्यय)—नोयान् लुग़ा बार् (सामन्त के साथ से), बाग्शि लुग़ा बार् (गुरु के साथ से)॥

स्व-युक्त संज्ञारूप

कर्म। इ/यि के आगे स्वार्थक बान्/बेन् लग जाता है। गार् इ बान् (अपने हाथ को), नाग़ाछु यि बान् (अपने मामा को)। कर्म के स्वयुक्त रूप सम्बन्ध के रूपों के समान भी होते हैं—खाग़ान् युग़ान्, खागान् इयान्।

करण। करण प्रत्यय के आगे इयान्/इयेन् लग जाता है। जिदा बार् इयान् (अपने बर्छे से), खोल् इयेर् इयेन् (अपने पाओं से)।

सहवाची करण। कर्म के समान स्वार्थक बान्/बेन् लग जाता है। नाग़ाछु लुग़ा बान् (अपने मामा के साथ), एमे लुगे बेन् (अपनी पत्नी के साथ)।

सम्प्रदानाधिकरण। दुर्/दुर्, थुर्/थुर् के आगे इयान्/इयेन् लग जाता है। दु/दु, थु/थु के आगे बान्/बेन् लगता है। नाग़ाछु दुर् इयान् (अपने मामा को), ग़ार् थुर् इयान् (अपने हाथ में), नाग़ाछु

दु बान् (अपने मामा को), ग़ार् थु बान् (अपने हाथ में) ।

प्राचीन सम्प्रदानाधिकरण प्रत्यय दा/दि, था/थे और प्राचीन सम्बन्धवाची स्व-युक्त प्रत्यय ग़ान्/गेन् के संयोग से दाग़ान्/दिगेन्, थाग़ान्/थेगेन् प्रत्यय बना है । यह प्रत्यय सामान्यत: प्रयोग में आता है । एख़े देगेन् (अपनी मां को), गेर् थेगेन् (अपने घर में), ग़ार् थाग़ान् (अपने हाथ में), नाग़ाछ़ु दाग़ान् (अपने मामा को) ।

थाग़ान्/थेगेन् का प्रयोग ग ग़ द ब र स इन व्यञ्जनान्त संज्ञाओं के साथ होता है।

अपादान । आछ़ा/एछ़े के आगे बान्/बेन् अथवा ग़ान्/गेन् का प्रयोग होता है । नाग़ाछ़ु आछ़ा बान्, नाग़ाछ़ु आछ़ाग़ान् (अपने मामा से), गेर् एछ़े बेन्, गेर् एछ़ेगेन् (अपने घर से) ।

सम्बन्ध । उ/उु के आगे बान्/बेन् लगता है । मोरिन् उ बान् (अपने घोड़े का) । उन्/उुन्, यिन् के आगे इयान्/इयेन् लगता है । गेर् उुन् इयेन् (अपने घर का), नाग़ाछ़ु यिन् इयान् (अपने मामा का) ।

हलन्त संज्ञाओं के आगे बान्/बेन् तथा अजन्त संज्ञाओं के आगे इयान्/इयेन् लगता है । नाग़ाछ़ु बान् (अपने मामा का), ग़ार् इयान् (अपने हाथ का), गेर् इयेन् (अपने घर का) ।

युग़ान्/युगेन् सभी अजन्त अथवा हलन्त संज्ञाओं के आगे लग सकता है । गेर् युगेन् (अपने घर का), ग़ार् युग़ान् (अपने हाथ का), नाग़ाछ़् युग़ान् (अपने मामा का) ॥

स्व-युक्त संज्ञाओं के पूर्ण रूप

कर्म	आख़ा यि बान्	एख़े यि बेन्
	आख़ा बान्	एख़े बेन्
	आख़ा युग़ान्	एख़े युगेन्
करण	आख़ा बार् इयान्	एख़े बेर् इयेन्
सहवाची करण	आख़ा लुग़ा बान्	एख़े लुगे बेन्
	आख़ा थाइ बान्	एख़े थेइ बेन्
	आख़ा थायिग़ान्	एख़े थेयिगेन्
सम्प्रदानाधिकरण	आख़ा दुर् इयान्	एख़े दुर् इयेन्
	आख़ा दु बान्	एख़े दु बेन्
	आख़ा दाग़ान्	एख़े देगेन्
अपादान	आख़ा आछ़ा बान्	एख़े एछ़े बेन्
	आख़ा आछ़ाग़ान्	एख़े एछ़ेगेन्
सम्बन्ध	आख़ा यिन् इयान्	एख़े यिन् इयेन्
	आख़ा बान्	एख़े बेन्
	आख़ा युग़ान्	एख़े युगेन्

कर्म	मोरिन् इ बान्	ग़ाजार् इ बान्
	मोरि इ बान्	ग़ाजार् इयान्
	मोरि युग़ान्	
करण	मोरिन् इयार् इयान्	ग़ाजार् इयार् इयान्
	मोरि बार् इयान्	
सहवाची करण	मोरिन् लुग़ा बान्	ग़ाजार् लुग़ा बान्
	मोरि थाइ बान्	ग़ाजार् थाइ बान्
	मोरि थायिग़ान्	ग़ाजार् थायिग़ान्
सम्प्रदानाधिकरण	मोरिन् दुर् इयान्	ग़ाजार् थुर् इयान्
	मोरिन् दु बान्	ग़ाजार् थु बान्
	मोरिन् दाग़ान्	ग़ाजार् थाग़ान्
अपादान	मोरिन् आछा बान्	ग़ाजार् आछा बान्
	मोरिन् आछाग़ान्	ग़ाजार् आछाग़ान्
सम्बन्ध	मोरिन् उ बान्	ग़ाजार् उन् इयान्
	मोरिन् इयान्	ग़ाजार् इयान्
	मोरिन् युग़ान्	ग़ाजार् युग़ान्

सप्तम पाठ

सर्वनाम

	बि (मैं)	बा (हम, केवल हम, तुम सम्मिलित नहीं)	बिदा (तुम और हम)
कर्ता	बि	बा	बिदा
कर्म	नामा यि	मान् इ	बिदान् इ
करण	नामा बार्, नादा बार्	मान् इयार्	बिदान् इयार्
सहवाची करण	नामा लुग़ा	मान् लुग़ा	बिदान् लुग़ा, बिदेन् लुगे
सम्प्रदानाधिकरण	ना दुर्	मान् दुर्	बिदान् दुर्
		मान् आ	बिदान् आ
अपादान	नामा आछा, नादा आछा	मान् आछा	बिदान् आछा
सम्बन्ध	मिमु	मानु	बिदान् उ

	छि (तू)	था (तुम)	इ (वह)	आ (वे)
कर्ता	छि	था		
कर्म	छिमा यि	थान् इ	इमायि	—
करण	छिमा बार्	थान् इयार्	इमा बार्	—
सहवाची करण	छिमा लुगा	थान् लुगा	इमा लुगा	—
सम्प्रदानाधिकरण	छिमा दुर्	थान् दुर्, थान् आ	इमा दुर्	—
अपादान	छिमा आछा	थान् आछा	इमा आछा	—
सम्बन्ध	छिनु	थानु	इनु, नि	आनु

आनु को छोड कर आ के अन्य रूप प्रयोग में नही। बिदा का दूसरा रूप बिदा नार्। था का दूसरा रूप था नार्। आधुनिक भाषा मे था एक व्यक्ति को सम्बोधन करते समय तथा था नार् अनेक व्यक्तियों को सम्बोधन करते समय प्रयोग मे आता है।

	एने (यह)	एदे (ये)	एदेगेर् (ये)
कर्ता	एने	एदे	एदेगेर्
कर्म	एगुन् इ	एदेन् इ	एदेगेर् इ
करण	एगुन् इयेर्, एगुनेर्	एदेन् इयेर्	एदेगेर् इयेर्
सहवाची करण	एगुन् लुगे	एदेन् लुगे	एदेगेर् लुगे
सम्प्रदानाधिकरण	एगुन् दुर्, एगुन् ए	एदेन दुर्, एदेन् ए	एदेगेर् थुर्
अपादान	एगुन् एछे, एगुन्छे	एदेन् एछ	एदेगेर् एछे
सम्बन्ध	एगुन् उ	एदेन् उ	एदेगेर् उन्

	थेरे (वह)	थेदे (वे)	थेदेगेर् (वे)
कर्ता	थेरे	थेदे	थेदेगेर्
कर्म	थेगुन् इ	थेदेन् इ	थेदेगेर् इ
करण	थेगुन् इयेर्, थेगुनेर्	थेदेन् इयेर्	थेदेगेर् इयेर्
सहवाची करण	थेगुन् लुगे	थेदेन् लुगे	थेदेगेर् लुगे
सम्प्रदानाधिकरण	थेगुन् दुर्, थेगुन् ए	थेदेन् दुर् थेदेन् ए	थेदेगेर् थुर्
अपादान	थेगुन् एछे, थेगुन्छे	थेदेन् एछे	थेदेगेर् एछे
सम्बन्ध	थेगुन् उ	थेदेन् उ	थेदेगेर् उन्

	एयिमु (ऐसा)	थेयिमु (वैसा)
कर्ता	एयिमु	थेयिमु
कर्म	एयिमु यि	थेयिमु यि

करण	एयिमु बेर्	थेयिमु बेर्
सहवाची करण	एयिमु लुगे	थेयिमु लुगे
सम्प्रदानाधिकरण	एयिमु दुर्	थेयिमु दुर्
अपादान	एयिमु एछे	थेयिमु एछे
सम्बन्ध	एयिमु यिन्	थेयिमु यिन्

	खेन् छु (कोई)	यागुन् छु (कुछ)
कर्ता	खेन् छु	यागुन् छु
कर्म	खेन् इ छु	यागुन् इ छु
करण	खेन् इयेर् छु	यागुन् इयार् छु, यागुन् बार् छु
सहवाची करण	खेन् लुगे छु	यागुन् लुगा छु
सम्प्रदानाधिकरण	खेन् दुर् छु, खेन् ए छु	यागुन् दुर् छु, यागुन् आ छु
अपादान	खेन् एछे छु	यागुन् आछा छु
सम्बन्ध	खेन् उ छु	यागुन् उ छु

खेन् (कौन), यागुन् (क्या) के रूप तो ऊपर आ ही गए।

आलिन् का अर्थ है कौनसा। आलिन् छु=कोई सा। आलिन् छु के रूप यागुन् छु के समान चलते हैं। किन्तु करण में दो रूप नहीं, केवल एक रूप आलिन् इयार् छु होता है।।

संयुक्त सर्वनाम-रूप

	बि	छि	था
कर्म	नामा युगान्	छिमा युगान्	थान् युगान्
करण	नामा बार् इयान्	छिमा बार् इयान्	थान् इयार् इयान्
सहवाची करण	नामा लुगा बान्	छिमा लुगा बान्	थान् लुगा बान्
सम्प्रदानाधिकरण	नादुर् इयान्	छिमादुर् इयान्	थान् दुरियान्
	नामादागान्	छिमादागान्	थान् दागान्
अपादान	नामा आछागान्	छिमा आछागान्	थान् आछागान्
सम्बन्ध	मिनु बान्	छिनु बान्	थानु बान्
	मिनु युगान्	छिनु युगान्	थानु युगान्

	एमे	एबे
कर्म	एगुन् युगेन्, एगुन् इ बेन्	एदेन् युगेन्, एदेन् इ बेन्
करण	एगुन् इयेर् इयेन्, एगुबेर् इयेन्	एदेन् इयेर् इयेन्

सहवाची करण	एगुन् लुगे बेन्	एदेन् लुगे बेन्
सम्प्रदानाधिकरण	एगुन् देगेन्, एगुन् दुर् इयेन्	एदेन् देगेन्, एदेन् दुर् इयेन्
अपादान	एगुन् एछेगेन्, एगुन् एछे बेन्	एदेन् एछेगेन्, एदेन् एछे बेन्
सम्बन्ध	एगुन् युगेन्	एदेन् युगेन्

थेरे के रूप एने के समान तथा थेदे के रूप एदे के समान चलते हैं—थेगुन् युगेन्, थेदेन् युगेन् इत्यादि।

	ओबेर् इयेन् (वह स्वयं)	ओबेसुद् इयेन् (वे स्वयं)
कर्ता	ओबेर् इयेन्	ओबेसुद् इयेन्
कर्म	ओबेर् इयेन्	ओबेसुद् इयेन्
करण	ओबेर् इयेर् इयेन्	ओबेसुद् इयेर् इयेन्
सहवाची करण	ओबेर् लुगे बेन्	ओबेसुद् लुगे बेन्
सम्प्रदानाधिकरण	ओबेर् थेगेन्	ओबेसुद् थेगेन्
अपादान	ओबेर् एछेगेन्	ओबेसुद् एछेगेन्
सम्बन्ध	ओबेर् उन्	ओबेसुद् उन्

अन्य सर्वनाम

आलि (कौनसा), आलिन् छु (कोई भी), आलि बेर् (कोई भी), आलिबा (कोई भी)।

एले (यह)—इसके रूप नहीं चलते। यह अव्यय है।

एदुइ (इतना)—इसका बहुवाची रूप एदुन् है।

खेन् (कौन)—एकवचन। इसका बहुवचन—खेद्।

एकवचन		बहुवचन	
खेन् बा	—	खेद् बा	कोई भी
खेन् बेर्	—	खेद् बेर्	
खेन् छु	—	खेद् छु	

खेदुइ (कितना)—एकवचन। बहुवचन—खेदुन्।

खेदुइ बा, खेदुइ बेर्, खेदुइ छु—कितना भी।

खेर् (कैसे, किस प्रकार)—अव्यय।

खेलि (कब)—अव्यय। इसका प्रयोग प्राचीन भाषा में होता है। खेजिय् ए—इसका अर्थ भी कब है।

यागुन् (क्या, जो)। यागुन् बा, यागुबा, यागुन् बेर्, यागुन् छु—कुछ भी, जो भी। यागुमा (कुछ, कुछ भी)।

याम्बार् (क्या)—अव्यय। याम्बार् बा, याम्बार् बेर्, याम्बार् छु—कुछ भी।

बा, बेर्, छु वाले सर्वनामों के साथ नञर्थ उुगेइ का प्रयोग होता है। खेन् बा उुगेइ, खेन् बेर् उुगेइ, खेन् छु उुगेइ—कोई नहीं। यागुन् बा उुगेइ, यागुन् बेर् उुगेइ, यागुन् छु उुगेइ—कुछ नहीं।

एने, थेरे आदि के खेन् प्रत्यय वाले रूप भी बनते हैं। एनेखेन् (यह), थेरेखेन् (वह)।

बि, छि आदि के सम्बन्धप्रत्ययान्त मिनु, छिनु आदि रूपों से खाइ प्रत्यय लगा कर सम्बन्धवाची सर्वनाम बनते हैं। ये संस्कृत मदीय, त्वदीय आदि के समान हैं। बि (मैं)—मिनु (मेरा)—मिनुखाइ (मदीय)। छि (तू)—छिनु (तेरा)—छिनुखाइ (त्वदीय)। बिदा (हम)—बिदान् उ (हमारा)—बिदानुखाइ (अस्मदीय)। बा (हम)—मानु (हमारा)—मानुखाइ (अस्मदीय)। था (तुम)—थानु (तुहारा)—थानुखाइ (युष्मदीय)। तदीय के लिये एकवचन में थेगुनुखेइ और बहुवचन में थेदेनुखेइ प्रयोग होते हैं॥

अष्टम पाठ

संख्या

निगेन् मुदुर् (एक सूत्र), खोयार् गार् (दो हाथ), गुर्बान् एर्देनि (त्रि-रत्न), दोर्बेन् एरिखेन् (चार मालाएं), थाबुन् गेर् (पांच घर), जिर्गुगान् छेछेग् (छः फूल), दोलोगान् एम्छि (सात वैद्य), नाइमान् दुवाजा (आठ ध्वज), यिसुन् दाइसुन् (नौ शत्रु), आर्बान् मान्छि (दस गवाले)।

आर्बान् निगेन् खिथुगा (११ छुरियां), खोरिन् खुन्द छेछेग् (२० कुन्द-पुष्प), गुछिन् जिल् (३० वर्ष), दोछिन् लोछावा (४० अनुवादक), थाबिन् शाबि (५० विद्यार्थी), जिरान् बाग्शि (६० अध्यापक), दालान् बान्दिथ (७० पण्डित), नायान् आसुरि (८० असुर), येरेन् एमे (९० स्त्रियां), जागुन् उुगे (१०० शब्द)।

मिङगान् बुर्खान् (१००० बुद्ध), थुमेन् मोरिन् (१०,००० घोड़े), बुम् खुमुन् (एक लाख पुरुष), साया मोदुन् (दस लाख वृक्ष)।

आर्बान् खोयार् (१२), खोरिन् थाबुन् (२५), नायान् नाइमान् (८८), जागिन् यिसुन् (९९), गुर्बान् जागुन् गुछिन् थाबुन् (३३५), दोलोगान् मिङगान् नाइमान् जागुन् थाबिन् दोर्बेन् (७८५४), खोयार् थुमेन् थाबुन् जागुन् दोछिन् निगेन् (२०५४१)॥

उच्च संख्या

जिउआ (१० लाख), थुङसुर् (१ करोड़), थिर्बुम् (१० करोड़), येखे थिर्बुम् (एक अरब), थेग् थिग् (१० अरब), येखे थेग् थिग् (१०० अरब)। राब्थाम् ($१०^{११}$), येखे राब्थाम् ($१०^{१२}$),

थाम् ($१०^{१४}$), येस्वे थाम् ($१०^{१५}$), देग्रिग्व ($१०^{१६}$)।

संख्यावाची शब्दों के रूप सामान्य संज्ञाओं के समान चलते हैं—बि ख़ोयार् इ आबुबाइ (मैंने दो को लिया है) ।।

समूहवाची संख्या

जिरिन् ख़ाथुद् (दो रानियां), ख़ोयागुला आख़ा (दोनों बड़े भाई)। गुर्बागुला एमे (तीनों स्त्रियां), दोर्बेगुले मोरिन् (चारों घोड़े), थाबुगुला गेर् (पांचों घर), जिर्गुगुला उलिगेर् (छओं कहानियां), दोलोगुला एर्देनि (सातों रत्न), नाइमागुला नोखाइ (आठों कुत्ते), यिसुगुले एर्देनि (नौ के नौ रत्न), आर्बागुला सुरुरिछ़ (दसों विद्यार्थी)।

ओलागुला (बहुत से एक साथ, सबके सब), ख्वेदुगुले (एक साथ कितने) ।।

क्रमवाची संख्या

निगेदुगेर् देब्थेर् (प्रथम पुस्तक), ख़ोयादुग़ार् सुदुर् (द्वितीय सूत्र)। गुर्बादुग़ार् थार्नि (तृतीय धारणी), गुथुगार् दन्द्र (तृतीय तन्त्र)। दोर्बेदुगेर् गेर् (चतुर्थ घर), दोथुगेर् शाबि (चतुर्थ शिष्य)। थाबुदुगार् ग़ाजार् (पञ्चम देश), थाब्थागार् बिछिग् (पञ्चम पत्र)। जिर्गुदुग़ार् जिल् (षष्ठ वर्ष), दोलोदुगार् एदुर् (सप्तम दिन), नाइमादुग़ार् सारा (अष्टम मास), यिसुदुगेर् ख़ोथा (नवम नगर), आर्बादुगार् ख़ाग़ान् (दशम राजा)।

आङख़ान् (आरम्भ), आङख़ादुगार् प्रथम। थेरिगुन् (सिर, आरम्भ, प्रथम)।
नोगुगे (द्वितीय, अगला, अनुवर्ती), देद् (द्वितीय, अनुवर्ती)।
ख्वेदुन् (कितने), ख्वेदुदगेर् (कितनवां) ।।

कृत्वार्थ संख्या

निजिगेद् (एक २ करके, एकशः), ख़ोशियाग़ाद् (दो २ करके, द्विशः), गुर्बाग़ाद् (तीन २ करके, त्रिशः), दोर्बेगेद् (चार २ करके, चतुःकृत्वः), थाबुग़ाद् (पांच २ करके, पञ्चकृत्वः), जिर्गुग़ाद् (छः २ करके, षट्कृत्वः), दोलोग़ाद् (सात २ करके, सप्तकृत्वः), नाइमाग़ाद् (आठ २ करके, अष्टकृत्वः), यिसुगेद् (नौ २ करके, नवकृत्वः), आर्बाग़ाद् (दस २ करके, दशकृत्वः) ।।

बार-वाची संख्या

निगे, निगेन्थे (एक बार), ख़ोयार्, ख़ोयार्था (दो बार), गुर्बा, गुर्बान्था (तीन बार)। दोर्बेन्थे (चार बार), थाबुन्था (पांच बार), ओलान्था (बहुत बार), ख़ेदुन्थे (कितनी बार) ।।

केवल-वाची संख्या

निगेखेन् (केवल एक), खोयार्खान् (केवल दो), गुर्बाखान् (केवल तीन)।
ग़ारछा गेर्गेइ थु (केवल एक पत्नी वाला), ग़ारछा मोरि थु (केवल एक घोड़े वाला)।
ग़ारछा (अकेला), ओरुगेसुन् (दो में से एक)। खाग़ास्, ओरुगेले (आधा)॥

नवम पाठ

बहुवचन

मोंगोल में बहुवाची प्रत्यय का प्रयोग बहुत थोड़ा करते हैं। केवल वहां जहां आवश्यकता हो। बहुवाची विशेषण के साथ बहुवाची प्रत्यय का प्रयोग नहीं होता। खोयार् बाल्ग़ाद् (दो नगर), ओलान् बार्स् (बहुत से व्याघ्र)। यहां बाल्ग़ाद् और बार्स् का बहुवचन प्रयोग नहीं किया गया।

मोंगोल भाषा में बहुवचन के अनेक प्रत्यय हैं।

(१) भाई पुत्र आदि सम्बन्धियों, प्रतिष्ठित पुरुषों तथा देवताओं के वाची अजन्त शब्दों के आगे नार्/नेर् लगता है। आखा नार् (बड़े भाई), देगुउ नेर् (छोटे भाई), एगेछि नेर् (छोटी बहिनें), आछि नेर् (पौत्र), जिछि नेर् (प्रपौत्र), गुछि नार् (प्रपौत्र के बच्चे), दोछि नेर् (प्रपौत्र के पौत्र), जिगे नेर् (बहिन के लड़के), बोले नेर् (बहिन के बच्चे), आबाग़ा नार् (चाचे), नाग़ाछु नार् (मामे), असुरि नार् (असुर-गण), आबुग़ाइ नार् (भद्रलोक), खिया नार् (रक्षक-गण), गाब्जु नार् (विद्वान् भिक्षु-गण), बाग़िश नार् (अध्यापक-गण), बान्दि नार् (शिशिक्षु-गण), बान्दिथा नार् (पण्डित-गण), बोगे नेर् (शामान्-गण), ब्लामा नार् (लामा-गण), लोछावा नार् (प्रतिष्ठित अनुवादक-गण), शाबि नार् (विद्यार्थि-गण), थिङ् नार् (देवता-गण)।

एखे नेर् का अर्थ केवल माता है। एखे का बहुवचन एखेस् (माताएं) होना है।

नार्/नेर् के स्थान में नाद्/नेद् का प्रयोग गुप्त-मोंगोल-इतिहास में हुआ है। कहीं कहीं माद्/मेद् का प्रयोग भी हुआ है।

(२) सामान्य रूप से अजन्त संज्ञाओं के आगे स् लगता है। आखास् (बूढ़े लोग, गुरुजन), आग़ुलास् (पर्वत), उगेस् (शब्द), उरेस् (फल), एखेस् (माताएं), एमेस् (स्त्रियें). एरेस् (पुरुष), ग़ाखास् (सूअर, एकवचन ग़ाखाइ), निल्खास् (बच्चे), नोखास् (कुत्ते, एकवचन नोखाइ), बाखास् (मेंडक), मोग़ास् (सांप, एकवचन मोग़ाइ), खुमुस् (लोग, एकवचन खुमुन्)।

(३) नकारान्त संज्ञाओं के आगे प्रायः द् प्रत्यय लगता है। उसुन् (पानी)—उसुद्। एबुगेन् (वृद्ध पुरुष)—एबुगेद्। खेउखेन् (बच्चा, लड़की)— खेउखेद् (बच्चे अथवा एकवाची लड़का)।

खागान् (राजा)—खागाद्। खाथुन् (रानी)— खाथुद्। नोयान् (राजन्य)—नोयाद्। बायान् (धनी)—बायाद्। सायिन् (अच्छा)—सायिद् (किन्तु इसका अर्थ है मन्त्री)। बुर्खान् (बुद्ध)—बुर्खाद्। मोदुन् (वृक्ष)—मोदुद्। मोरिन् (घोड़ा)—मोरिद्। शिबागुन् (पक्षी)—शिबागुद्।

नकारान्त के अतिरिक्त रकारान्त लकारान्त संज्ञाओं से भी द् प्रत्यय लगता है। ग़ाजार् (देश)—ग़ाजाद्। नोखोर् (मित्र)—नोखोद्। शिखुर् (छत्र)—शिखुद्। शिङ्खुर् (श्येन)—शिङ्खुद्। मोर् (मार्ग)—मोद् (प्राचीन काल में)। थुशिगुल् (गुप्तचर)—थुशिगुद् (प्राचीन काल में)। थुशिमेल् (अधिकारी)—थुशिमेद्।

कंजूर की भाषा में द् के पूर्व सुन् का लोप हो जाता है। नुगुसुन् (कारण्डव)—नुगुद्। गुब्छासुन् (परिधान)—गुब्छाद्। बाल्गासुन् (नगर)—बाल्गाद्।

कुछ अजन्त संज्ञाओं से भी द् लगता है। बुसु (दूसरा)—बुसुद्। बेरि (साली)—बेरिद्।

छि, ग़ाछि/गेछि, ग़्छि/ग्छि अन्त वाली संज्ञाओं से द् अथवा न् लगता है। आदुगुछि (साईस)—आदुगुछिद्, आदुगुछिन्। एल्छि (राजदूत)—एल्छिद्, एल्छिन्। एम्छि (वैद्य)—एम्छिद्। खोदेल्मुरिछि (कर्मी)— खोदेल्मुरिछिन्। बिछिगेछि (लिपिक)—बिछिगेछिद्, बिछिगेछिन्। सुरुग़्छि(शिष्य)—सुरग़्छिद्।

(४) थाइ/थेइ प्रत्ययान्त शब्दों से बहुवाची न् लगता है। न् से पूर्व इ का लोप हो जाता है। एर्देम्थेइ (गुणवान्)—एर्देम्थेन्। मोरिथाइ (अश्वारोही)—मोरिथान्।

प्राचीन ग्रन्थों में आइ/एइ, उइ/उइ अन्त वाले शब्दों के इकार का बहुवाची न् प्रत्यय के पूर्व लोप हो जाता है। खुलागाइ (चोर)— खुलागान्। ग़ाखाइ (सूअर)—ग़ाखान्। मागुइ (दुष्ट)—मागुन् याबुखुइ (जाने वाला)—याबुखन्।

(५) नकारान्त के अतिरिक्त अन्य हलन्त संज्ञाओं से उद्/उद् प्रत्यय लगता है। उलुस् (लोग)—उलुस् उद्। छेरिग् (योद्धा)—छेरिग् उद्। थोलुब् (रूप)—थोलुब् उद्। बिछिग् (पत्र, चिट्ठी)—बिछिग् उद्। बुलाग् (कुआ, निर्झर)—बुलाग् उद्। देब्थेर (पंजिका)—देब्थेर् उद्। नोम् (पुस्तक)—नोम् उद्।

१७वीं शताब्दी तक अजन्त तथा नकारान्त संज्ञाओं से गुद्/गुद् प्रत्यय लगता था। आलाग़्छि (रंगबिरंगा धनुष्)—आलाग़्छिगुद्। थाइजि (राजपुत्र)—थाइजिगुद् (एक जाति का नाम)। हिन्दी में भी राजपूत एक जाति का नाम हैं। छाग़ाग़्छिन् (श्वेत घोड़ी)— छाग़ाग़्छिगुद्।

(६) नुगुद्/नुगुद् सामान्य बहुवाची प्रत्यय है। अजन्त तथा हलन्तादि की विशेषता नहीं। उखेर् (वृषभ)—उखेर् नुगुद्। ओलान् (बहुत)—ओलान् नुगुद् (बहुत सारे, सब के सब)। खुमुन् (पुरुष)—खुमुन् नुगुद्। जाग़ान् (हाथी)—जाग़ान् नुगुद् (हस्तिघटा)। दालाइ (सागर)—दालाइ नुगुद्। नागुर् (झील)—नागुर् नुगुद्। नोखाइ (कुत्ता)— नोखाइ नुगुद्। बिछिग् (पत्र)—बिछिग् नुगुद्।

(७) पुरुषवाची अजन्त, नकारान्त, लकारान्त संज्ञाओं से छुद्/छुद् लगता है। बाग़ा (छोटा)—

बाग़ाछुद् (बच्चे)। जालागु (छोटा)— जालागुछुद् (युवकगण)। बुसुगुइ (स्त्री)— बुसुगुइछुद्। बायान् (धनी)—बायाछुद्। मोञ्ग़ोल्—मोञ्ग़ोल्छुद्।

(८) कभी २ भिन्न प्रत्ययों के लगने से अर्थ में परिवर्तन हो जाता है। आख़ा—आख़ा नार् (बड़े भाई), आख़ास् (older people, बड़े, गुरुजन), आख़ामाद् (seniors, authorities, बड़े अधिकारी)।

कभी २ एक ही संज्ञा से दो २ प्रत्यय लग जाते हैं। ब्लामा नार् उद्। ख़ाग़ाद् उद् (द्+उद्)। बाग़ाद् उद् (बच्चे)। नोयाद् उद् (सामन्त-गण)। ख़ाग़ाद् उद् (राजे)। एरेस् उद् (स्+उद्, मनुष्य-गण)॥

दशम पाठ

क्रिया

मध्यमपुरुष— आदेश

इसमें कोई प्रत्यय विशेष नहीं होता। मूल धातुरूप का ही प्रयोग होना है। इरे—आ (एकवचन), आओ (बहुवचन)। उङ्शि—पढ़ (एकवचन), पढ़ो (बहुवचन)। खेले—कह (एकवचन), कहो (बहुवचन)। याबु—जा (एकवचन), जाओ (बहुवचन)।

आदेश देने के लिये ग़ाराइ/गेरेइ का भी प्रयोग होता है। यह आदेश बहुत हलका है। व्यक्ति इस आदेश का पालन चाहे तत्काल करे चाहे भविष्य में। खेलेगेरेइ (कहो), याबुगाराइ (जाओ)॥

मध्यमपुरुष—विनीत याचना

ग्थुन्/ग्थ्युन् का प्रयोग एकवचन तथा बहुवचन दोनों के लिये होता है। ग्थुन्/ग्थुन् में नकार आदरार्थ बहुवाची है (ग्थुइ/ग्थुइ+न्)।

हलन्त धातुओं के आगे और प्रत्यय से पूर्व उ/ु का आदेश हो जाता है। ओग् (दे)— ओगुग्थुन् (दीजिये)। खेले (कह)—खेलेग्थुन् (कहिये)। याबु (जा)— याबुग्थुन् (जाइये)। याबुगुल् (भेज)— याबुगुलुग्थुन् (भेजिये)।

प्राचीन भाषा में प्रत्यय द्खुन्/द्खुन् था। खेलेद्खुन् (कहिये), याबुद्खुन् (जाइये)।

ग्थुइ/ग्थुइ का प्रयोग अधिकांश बुरियात् के हस्तलेखों में मिलता है। खेलेग्थुइ (कहिये), याबुग्थुइ (जाइये)।

मूलरूप से ये एकवचन के रूप हैं। किन्तु आजकल इनका प्रयोग बहुवचन में भी होता है।

प्रथमपुरुष—आदेश

इसका प्रत्यय है थुग़ाइ/थुगेइ। खेले थुगेइ—वह कहे, उसको कहना ही होगा। याबुथुग़ाइ—वह जाए, उसको जाना ही होगा ।।

उत्तमपुरुष—इच्छा

इसका प्रत्यय है सुग़ाइ/सुगेइ। प्राचीन भाषा में केवल सु/सु। इसका प्रयोग केवल एकवचन में होता है। खेलेसुगेई—मुझे कहने दो, मैं कहूं। याबुसुग़ाइ—मुझे जाने दो, मैं जाऊं।

आधुनिक पुस्तकों में थुग़ाइ/थुगेइ का भी प्रयोग होता है।

बहुवचन में या/ये का प्रयोग करते हैं। खेलेये—हमें कहने दो, हम कहें। याबुया—हमें जाने दो, हम जाएं ।।

अभावी कामना

जो कामना प्रायः पूरी नहीं हो सकती उसके लिये प्रथम, मध्यम, उत्तम अर्थात् सभी पुरुषों और वचनों में ग़ासाइ/गेसेइ का प्रयोग होता है। खेलेगेसेइ—हा, यदि वह कह देता। याबुग़ासाइ—हा, यदि वह चला जाता ।।

अनिष्टाशंका

प्रत्यय ग़ुजाइ/गुजेइ। खेलेगुजेइ—यदि कहीं वह कह बैठा। याबुग़ुजाइ—यदि कहीं वह चला गया ।।

वर्तमान तथा भावी

सर्वसाधारण प्रत्यय मुइ/मुइ है। खेलेमुइ— वह कहता है, वह कहेगा। याबुमुइ— वह जाता है, वह जाएगा। इसी का प्रश्नात्मकरूप मुउ/मुउ अथवा मुइ-उउ/मुइ-उउ है। याबुमुइ-उउ,याबुमुउ—क्या वह जाता है, क्या वह जाएगा।

प्राचीन भाषा में मुइ/मुइ के स्थान में म् अथवा मु/मु प्रत्यय थे। याबुम्, याबुमु—वह जाता है, वह जाएगा।

साधारण पुस्तकों में नाइ/नेइ का प्रयोग होता है। इसका प्रश्नात्मक रूप नुउ/नुउ है। खेले-नेइ—वह कहता है, वह कहेगा। याबुनाइ—वह जाता है, वह जाएगा। याबुनुउ—क्या वह जाता है, क्या वह जाएगा।

केवल वर्तमान में नाम्/नेम् का प्रयोग भी मिलता है। इसका प्रयोग साहित्यिक भाषा में अधिक नहीं। खेलेनेम्—वह कहता है। याबुनाम्—वह जाता है ।।

अनुवर्ती वर्तमान

प्रत्यय—यु/यु । मेदेयु—अतः वह जानता है । याबुयु—अतः वह जाता है ॥

भूत

(१) समीपवाची भूत के लिये बा/बे, बाइ/बेइ प्रत्यय लगते हैं। बकारान्त तथा रकारान्त धातुओं के आगे उ/उ योजक स्वर लग जाता है । आबुबा, आबुबाइ—उसने ले लिया है । आसाग़बा, आसाग़बाइ—उसने पूछ लिया है । इरेबे, इरेबेइ—वह आ गया है। ओद्दा, ओद्दाइ—वह चला गया है ।

प्रश्नात्मक रूप बा-उउ और बुउ/बुउ हैं । याबुबा-उउ, याबुबुउ—क्या वह चला गया है।

(२) साहित्यिक भाषा में लुग़ा/लुगे स्वयमनुभूत, स्वयंदृष्ट अथवा निश्चित रूप से स्वयंज्ञात भूतार्थ में प्रयोग होता है । इस प्रत्यय के प्राचीन रूप लुग़ाइ/लुगेइ तथा कभी २ लाग़ा/लेगे थे । आधुनिक भाषा में ला/ले, लाइ/लेइ प्रयोग में आते हैं । इनके प्रश्नात्मक रूप ला-उउ/ले-उउ, लुउ/लुउ हैं । मेदेलुउ—क्या वह जानता था । उुखुलुगेइ—वह मर गया है । याबुलुग़ा—वह चला गया है ।

(३) तीसरा भूत प्रत्यय जुखुइ/जुखुइ है । ग ग़ द ब र स अन्त वाले धातुओं से छुखुइ/छुखुइ । उुखुजुखुइ—वह मरा हुआ मिला । ग़ार्छुखुइ—वह बाहर गया हुआ मिला।

प्राचीन भाषा में जुग़ु/जुगु, जुग़ुइ/जुगुइ (छुग़ु/छुगु, छुग़ुइ/छुगुइ), जिग़ाइ/जिगेइ—ये रूप मिलते हैं । याबुजुगु, याबुजुग़ुइ, याबुजिग़ाइ—वह गया हुआ मिला ।

साहित्यिक तथा आधुनिक भाषा में केवल आजुग़ु (वह था) यह रूप मिलता है ।

आधुनिक भाषा में जि/छि प्रायशः मिलता है। ग़ार्छि—वह बाहर गया हुआ मिला। याबुजि—वह गया हुआ मिला॥

एकादश पाठ

कृदन्त

(१) करण अथवा कर्ता अर्थ में ग़िछ/ग्छि का प्रयोग होता है । बहुवचन का रूप ग़िछन्/ग्छिन्, ग़िछद्/ग्छिद् होता है । खेलेग्छि—कथनं, कथयिता (कहना, कहने वाला)—खेलेग्छिद्, खेलेग्छिन् (बहुवचन) । याबुग़िछ—गमनं, गन्ता (जाना, जानेवाला) ।

(२) शत्रर्थ प्रत्यय इ । आयिस् (आना)—आइसुइ (आगच्छन् । आता हुआ) । ओद् (जाना)—ओदुइ (गच्छन् । जाता हुआ) ।

(३) स्वाभाविक अथवा प्रायिक होने वाले के अर्थ में दाग़्/देग् आता है। खेलेदेग्—प्रायःकथनं (प्रायः कहते रहना), प्रायःकथयिता (प्रायः कहने वाला), प्रायः कथयति (प्रायः कहता रहता है) ।

याबुदाग्—प्रायोगमनं (प्रायः जाते रहना), प्रायोगन्ता (प्रायः जाने वाला), प्रायो गच्छति (प्रायः जाता रहता है) ।

(४) खु/खु भविष्यार्थक प्रत्यय है । खेलेखु—भविष्ये कथनं (भविष्य में कहना), भविष्ये कथयिता, कथयिष्यन् (भविष्य में कहने वाला), कथयिष्यति (वह कहेगा) । याबुखु—भविष्ये गमनं (भविष्य में जाना), भविष्ये गन्ता, गमिष्यन् (भविष्य में जाने वाला), गमिष्यति (वह जाएगा) ।

(५) खुइ/खुइ । खेलेखुइ—कथनं (कहना) । याबुखुइ—गमनं (जाना) ।

प्राचीन भाषा में खु/खु और खुइ/खुइ समानार्थक थे । प्राचीन भाषा में खुइ/खुइ का बहुवचन खुन्/खुन् था । खेलेखुन्—कथयिष्यन्तः (जो कहेंगे) । याबुखुन्—गमिष्यन्तः (जो जाएंगे) ।

(६) ग़ा/गे अपूर्णभूतवाची है । याबुग़ा—चलता हुआ । खेलेगे उगेइ—न कहता हुआ (जिसने अभी कुछ नहीं कहा) । प्रत्यय का प्राचीन रूप गाइ/गेइ है ।

(७) ग़सान्/ग्सेन् पूर्ण भूतवाची है । खेलेग्सेन्—कथितवान् (जो कह चुका है) । याबुग़सान्—गतवान् (जो जा चुका है) ।

(८) बासु/बेसु यदा-वाची अथवा यदि-वाची प्रत्यय है । वर्तमान और भविष्य में यदि-वाची तथा भूत में यदा-वाची । आबुबासु—यदि वह लेवे, जब उसने लिया । ओग्बेसु—यदि वह देवे, जब उसने दिया ।

प्राचीन तथा साहित्यिक मोंगोल में बेर् जोड़ने से अर्थ में परिवर्तन नहीं होता । किन्तु आधुनिक मोंगोल में बेर् जोड़ने से यदि और यदा का अर्थ यद्यपि हो जाता है । याबुबासु बेर्—यद्यपि वह जाता है, यद्यपि वह गया ।

साधारण भाषा में बाला/बेले और गासु/गेसु का भी प्रयोग होता है । याबुबाला, याबुबासु—यदि वह जावे, जब वह गया ।

(९) बाछु/बेछु यद्यपि-वाची है । खेलेबेछु—यद्यपि वह कहता है । याबुबाछु—यद्यपि वह जाता है ।

साधारण भाषा में बाछि/बेछि । कभी २ छु को क्रिया के पूर्व भी रख देते हैं । याबुबाछि—यद्यपि वह जाता है । थेरे छु खेलेबे—यद्यपि वह कहता है ।

(१०) जु/जु क्त्वा-वाची है । ग ग़ द ब र स अन्त वाले धातुओं के आगे छु/छु । आब्छु (ले कर), ओल्जु (पा कर), ओग्छु (दे कर) ।

असाहित्यिक भाषा में जि/छि भी मिलता है । बोस्छि (उठ कर), याबुजि (जा कर) ।

(११) न् क्रियाविशेषक रूप में प्रयोग होता है । निसुन् (उड़ता हुआ), निसुन् इरेबे (उड़ता हुआ आया, उड़ आया) । गुयिन् (दौड़ता हुआ), गुयिन् ग़ारुबा (वह दौड़ता हुआ बाहर आया, वह बाहर दौड़ गया) । बहुवचन में न् का द् बन जाता है ।

(१२) ग़ाद्/गेद् क्त्वा-वाची है । खेलेगेद् (कह कर), याबुग़ाद् (जा कर) ।

(१३) थाला/थेले "करते करते" और "करने तक" अर्थों में आता है। लेलेथेले (उसके कहते कहते, उसके कहते हुए), याबुथाला (जब तक वह जावे, उसके जाने तक)।

(१४) मर्यादा तथा प्रवर्तमान अर्थों में ग़साग़ार्/ग्सेगेर् का प्रयोग होता है। थोरोग्सेगेर् (जब से वह जन्मा), याबुग़साग़ार् (जब वह जा रहा था)।

(१५) अनन्तर क्रियावाची माग़्छा/मेग्छे। इरेमेग्छे (वह आया ही था कि, उसके आते ही), ओरोमाग़्छा (उसने प्रवेश किया ही था कि, उसके प्रवेश करते ही)।

सामान्य भाषा में माछि/मेछि। बारिमाछि (उसके पकड़ते ही)।

(१६) आरम्भानन्तर प्रत्यय खुला/खुले। इसका प्रयोग साहित्यिक भाषा में नहीं होता। याबाखुला (उसके चलना आरम्भ करते ही)।

(१७) तदर्थ प्रत्यय रा/रे। तुजेरे (दर्शनार्थ, देखने के लिये), याबुरा (गमनार्थ, जाने के लिये)।

(१८) तत्परिणामस्वरूप प्रत्यय रुन्/रुन्। इसका प्रयोग अधिकांश निम्न धातुओं से होता है—उगुले (कहना), तुजे (देखना), खेमे, गेमे (कहना), जालिग़् बोल् (आदेश देना), बु (होना), बोल् (होना)। खाग़ान् जालिग़् बोलुरुन् (राजा के आदेश देने के परिणामस्वरूप)। बारिरुन् (लेने के परिणामस्वरूप)। जोबागुलुरुन् (दु:खी करने के परिणामस्वरूप), बोलग़ारुन् (करने के परिणामस्वरूप)।

आरुन् आ धातु का रूप है। इसका प्रयोग केवल प्राचीन भाषा में मिलता है। बुरुन् बु धातु का रूप है। केवल प्राचीन तथा साहित्यिक भाषा में॥

द्वादश पाठ

सम्पूर्ण क्रियारूपों के उदाहरण

आ (होना), इरे (आना), ओग् (देना), ओद् (बाहर जाना), ओरो (प्रवेश करना)

आदेश और इच्छा

मध्यमपुरुष आदेश—इरे। ओग्। ओद्। ओरो। आ का यहां प्रयोग नहीं।

विनीत याचना—आग़थुन्, आद्खुन् (प्राचीन भाषा में)। इरेग्थुन्। ओग्गुग्थुन्। ओदुग्थुन्। ओरोग़थुन्।

उत्तमपुरुष एकवचन इच्छा—आसुग़ाइ। इरेसुगेइ। ओग्सुगेइ। ओद्सुग़ाइ। ओरोसुग़ाइ। आसु।

उत्तमपुरुष बहुवचन इच्छा—आया (प्राचीन भाषा में) । इरेये । ओग्गुये । ओदुया । ओरोया ।

प्रथमपुरुष आदेश—आथुग़ाइ । इरेथुगेइ । ओग्थुगेइ । ओद्थुगाइ । ओरोथुग़ाइ ।

अभावी कामना—आग़ासाइ । इरेगेसेइ । ओग्गुगेसेइ । ओदुग़ासाइ । ओरोग़ासाइ ।

अनिष्टाशंका— इरेगुजेइ । ओग्गुगुजेइ/ओदुगुजाइ । ओरोगुजाइ ।।

कालवाची

साधारण वर्तमान और भविष्य—आमुइ । इरेमुइ । ओग्गुमुइ । ओदुमुइ । ओरोमुइ ।

केवल वर्तमान—इरेनेम् । ओग्गुनेम् । ओदुनाम् । ओरोनाम् ।

अनुवर्ती वर्तमान—आयु (प्राचीन भाषा में) । इरेयु । ओग्गुयु । ओदुयु । ओरोयु ।

समीप भूत—आबा, आबाइ । इरेबे । ओग्बे । ओद्बा । ओरोबा ।

स्वयमनुभूत भूत—आलुग़ा (प्राचीन भाषा में) । इरेलुगे । ओग्गुलुगे । ओदुलुग़ा । ओरोलुग़ा ।

तथाप्राप्त भूत—आजुगु, आजुगुइ (प्राचीन भाषा में) । इरेजुखुइ । ओग्छुखुइ । ओद्छुखुइ । ओरोजुखुइ ।।

धातुज संज्ञा

कर्तृ-संज्ञा—आग्छि । इरेग्छि । ओग्गुग्छि । ओदुग़्छि । ओरोग़्छि ।

प्रायिक-संज्ञा—इरेदेग् । ओग्गुदेग् । ओदुदाग् । ओरोदाग् ।

भावि-संज्ञा—आखु, आखुइ, आखुन् (बहुवचन, प्राचीन भाषा में) । इरेखु, इरेखुइ । ओग्खु, ओग्खुइ । ओद्खु, ओद्खुइ । ओरोखु, ओरोखुइ ।

अपूर्णभूत-संज्ञा—आग़ा (प्राचीन भाषा में) । इरेगे । ओग्गुगे । ओदुग़ा । ओरोग़ा ।

पूर्णभूत-संज्ञा—आग्सान् । इरेग्सेन् । ओग्गुग्सेन् । ओदुग़्सान् । ओरोग़्सान् ।।

सहक्रिया

यद्वाची—आबासु । इरेबेसु, इरेबेले । ओद्बेसु, ओग्बेले । ओद्बासु, ओद्बाला । ओरोबासु, ओरोबाला ।

यद्यपिवाची—आबाछु । इरेबेछु । ओग्बेछु । ओद्बाछु । ओरोबाछु ।

अपूर्ण—आजु, आजि, (असाहित्यिक पुस्तकों में) । इरेजु । ओग्छु । ओद्छु । ओरोजु ।

विशेषक—(आ का रूप नहीं होता) । इरेन् । ओग्गुन् । ओदुन् । ओरोन् ।

क्त्वावाची—आग़ाद् । इरेगेद् । ओग्गुगेद् । ओदुग़ाद् । ओरोग़ाद् ।

अवधिवाची— आथाला । इरेथेले । ओग्थेले । ओद्थाला । ओरोथाला ।

मर्यादावाची—आऽसाऽार्। इरेग्सेगेर्। ओग्गुस्गेर्। ओदुऽसाऽार्। ओरोऽसाऽार्।

अनन्तरवाची—(आ का रूप नहीं होता)। इरेमेग्छे। ओग्गुमेग्छे। ओदुमाग्छा। ओरोमाग्छा।

आरम्भानन्तर—आखुला (यद्वाची के अर्थ में प्रयुक्त)। इरेखुले। ओग्खुले। ओद्खुला। ओरोखुला।

तदर्थ—इरेरे। ओग्गुरे। ओदुरा। ओरोरा।

बु धातु के केवल निम्न रूप मिलते हैं—बुलुगे (असाहित्यिक पुस्तकों में बिले)। बुजुगु, बुजुखुइ (प्राचीन प्रयोग)। बुग्सेन् (प्राचीन प्रयोग)। बुखु, बुखुइ (बहुवचन बुखुन्— प्राचीन प्रयोग)। बुगेसु। बुगेद्। बुगेथेले।

बोल् (होना) के सभी रूप अन्य धातुओं के समान होते हैं। विशेष रूप हैं— बोलुइ, बोलाइ (वह है)।

बुइ धातु का केवल एक रूप है—बुइ। इसके तीन अर्थ हैं—अस्तित्व, वर्तमान, है। अनुवर्ती वर्तमान में इसका रूप बुयु है। बुइ के अन्य रूप बि, बेइ, बाइ हैं।।

त्रयोदश पाठ

प्रयोजक क्रिया

(१) प्रत्यय ग़ा/गे अजन्त तथा र, ल अन्त वाले धातुओं से लगता है। उना (गिरना)—उनाग़ा (गिराना)। उन्थारा (बुझना)—उन्थाराग़ा (बुझाना)। उलेदे (पीछे रहना)—उलेदेगे (पीछे छोड़ना)। खाथा (सूखना)—खाथाग़ा (सुखाना)। खुर् (पहुंचना)—खुर्गे (पहुंचाना)। खोदेल् (हिलना)—खोदेल्गे (हिलाना)। गेथुल् (नदी पार करना)—गेथुल्गे (नदी पार कराना)। ग़ार् (बाहर जाना)—ग़ार्ग़ा (बाहर निकालना)। जोबा (दु:खी होना)— जोबाग़ा (दु:खी करना)। बुथु (सिद्ध होना)— बुथुगे (सिद्ध करना)। बोल् (होना)— बोल्गा (बनाना, करना)।

(२) द ब स अन्त वाले धातुओं से खा/खे लगता है। उसाद् (नाश होना)—उसाद्खा (नाश करना)। ओस् (बहुत उत्पन्न होना)—ओस्खे (पशुपालन, to breed cattle)। छाद् (सन्तुष्ट होना) —छाद्खा (सन्तुष्ट करना)। बोस् (उठना)--बोस्खा (उठाना)।

(३) अजन्त धातुओं से गुल्/गुल् प्रत्यय लगता है। इदे (खाना)—इदेगुल् (खिलाना)। उखु (मरना)--उखुगुल् (मरवाना)। उजे (देखना)—उजेगुल् (दिखाना)। ओरो (प्रवेश करना)—ओरोगुल् (प्रवेश कराना)। ग़ार्ग़ा (बाहर लाना)—ग़ार्ग़ागुल् (बाहर लिवाना)। बायि (होना)—बायिगुल् (स्थापित करना)।

(४) ग़ा गु अन्त वाले धातुओं से ल् प्रत्यय लगता है। यह प्रत्यय केवल प्राचीन भाषा में

मिलता है। उगु (पीना)—उगुल् (पिलाना)। सागु (बैठना)—सागुल् (बिठाना)।

आजकल ल् के स्थान में ल्गा/ल्गे का प्रयोग होता है। यह एकाक्षरी धातुओं, तथा आयि ग़ा ग़ु गु अन्त वाले धातुओं से लगता है। खि (करना)—खिल्गे (कराना)। खारायि (कूदना)—खारायिल्गा (कुदाना)। नेगु (प्रवास करना, घूमते फिरना, to nomadize)—नेगुल्गे (प्रवास कराना)। बाग़ु (उतरना)—बाग़ुल्गा (उतारना)। बायि (होना)—बायिल्गा (होने देना, करना)। शिथाग़ा (जलने देना)—शिथाग़ाल्गा (जलाने देना)। सागु (बैठना)—सागुल्गा (बिठाना, रखना)॥

कर्मवाच्य

(१) अजन्त तथा लकारान्त धातुओं से ग्दा/ग्दे लगता है। आला (मारना)—आलाग़्दा (मारा जाना)। उजे (देखना)—उजेग्दे (देखा जाना)। बारि (पकड़ना)—बारिग़्दा (पकड़ा जाना)। थायिल् (व्याख्या करना)—थायिलुग्दा (व्याख्या किया जाना)। याबु (जाना)—याबुग़्दा (जाना पड़ना)।

(२) लकारान्त धातुओं से दा/दे भी लगता है। ओल् (पाना)—ओल्दा (पाया जाना)। बोल् (होना)—बोल्दा (होना पड़ना)।

(३) ग द ब र स अन्त वाले धातुओं से था/थे लगता है। आब् (लेना)—आब्था (लिया जाना)। ओ्ग् (देना)—ओग्थे (दिया जाना)। ओल् (पाना)—ओल्दा (पाया जाना)॥

मिथोवाची क्रिया

प्रत्यय ल्दु/ल्दु। आला (मारना)—आलाल्दु (एक दूसरे को मारना)। खार्बु (बाण चलाना)—खार्बुल्दु (एक दूसरे पर बाण चलाना)॥

सहकारी क्रिया

प्रत्यय ल्छा/ल्छे। इदे (खाना)—इदेल्छे (इकट्ठे खाना, सहभोज करना)। उङशि (पढ़ना)—उङशिल्छा (इकट्ठे पढ़ना)। साग़ (बैठना)—साग़ुल्छा (दूसरों के साथ बैठना, सम्मेलन में सम्मिलित होना)। सुर् (सीखना)—सुरुल्छा (इकट्ठे सीखना)॥

बहुवाची क्रिया

प्रत्यय छाग़ा/छेगे। उङशि (पढ़ना)—उङशिछाग़ा (बहुतों का पढ़ना)। याबु (जाना)—याबुछाग़ा (बहुतों का जाना)॥

प्रत्यय-माला

धातु से दो और कभी २ तीन प्रत्यय भी लग जाते हैं।

(१) प्रयोजक का प्रयोजक रूप। बोस् (खड़ा होना)—बोस्खा (खड़ा करना)—बोस्खागुल्

(खड़ा कराना)। छाद् (तृप्त होना)—छाद्खा (तृप्त करना)—छाद्खागुल् (तृप्त कराना)। बायि (होना)—बायिगुल् (स्थापित करना)—बायिगुल्गा (स्थापित कराना)।

(२) प्रयोजक का कर्मवाच्य रूप। बायि (होना)—बायिगुल् (स्थापित करना)—बायिगुलुग़दा (स्थापित किया जाना)। बोल् (होना)—बोल्गा (करना, बनाना)—बोल्गा़दा (किया जाना, बनाया जाना)।

(३) कर्मवाच्य का प्रयोजक रूप। आला (मारना)—आलाग़दा (मारा जाना)—आलाग़दागुल् (मरवाया जाना)। उुजे (देखना)—उुजेग्दे (देखा जाना)—उुजेग्देगुल् (दिखलाया जाना)।

(४) मिथोवाची का प्रयोजक रूप। बारि (पकड़ना)—बारिल्दु (मल्लयुद्ध करना)—बारिल्दुगुल् (मल्लयुद्ध कराना)। बायि (खड़ा होना)—बायिल्दु (लड़ना)— बायिल्दुगुल् (लड़ाई कराना)।

(५) सहवाची का प्रयोजक रूप। इदे (खाना)—इदेल्छे (इकट्ठे खाना)—इदेल्छेगुल् (इकट्ठे खिलाना)। सागु (बैठना)—सागुल्छा (इकट्ठे बैठना, उपस्थित होना)—सागुल्छागुल् (इकट्ठे बिठाना, उपस्थित कराना) ॥

वारंवारवाची क्रिया

प्रत्यय ल्। छोखि (मारना)—छोखिल् (वारंवार मारना, पीटना)। छाखि (रगड़ से अग्नि-जनन करना)—छाखिल् (वारंवार चमकना)। दुसु (बूंद गिरना)—दुसुल् (बूंदें टपकना) ॥

स्वयंवाची क्रिया

प्रत्यय रा/रे। आस्खा (to spill, गिरना)—आस्खारा (अपने आप गिर जाना)। एब्दे (टूटना)— एब्देरे (अपने आप टुकड़े हो जाना) ॥

सन्तत क्रिया

(१) प्रत्यय बाल्जा, ग़ाल्जा। आनि (आंखे मीचना)—आनिबाल्जा (आंखें मूंदते खोलते रहना)। साना (सोचना)—सानाग़ाल्जा (सोचते रहना)।

(२) प्रत्यय ल्जा/ल्जे गत्यर्थक क्रियाओं से लगता है। ग़ाङखु, नायिगु (झूलना)—ग़ाङखुल्जा, नायिगुल्जा (ऊपर नीचे झूलते जाना) ॥

चतुर्दश पाठ

नाम-धातु

(१) प्रत्यय छिला/छिले। खाबेगून् (पुत्र)—खोबेगुन्छिले (पुत्र बनाना)। बोगोल् (दास)—बोगोल्छिला (दास बनाना)।

(२) प्रत्यय द्। उथुं (लम्बा)—उथुंद् (लम्बा होना)। ओर्गेन् (विशाल)—ओर्गेद् (विशाल होना)। बोगोनि (छोटा)—बोगोनिद् (छोटा होना)। सुला (दुर्बल)—सुलाद् (दुर्बल होना)।

(३) प्रत्यय दा/दे। दागुन् (ध्वनि)—दागुदा (बुलाना)। बुउ (बन्दूक)—बुउदा (बन्दूक चलाना)। देगेर्मे (डाका)—देगेर्मेदे (डाका डालना)।

(४) प्रत्यय जि। आमुर् (विश्राम, शान्ति)—आमुर्जि (शान्ति से रहना)। उुरे (वंशज)—उुरेजि (बढ़ना)। बायान् (धनी)—बायाजि (धनी होना)।

(५) प्रत्यय जिरा/जिरे। आङ्गि (अलग)—आङ्गिजिरा (अलग होना)। मागु (बुरा)—मागु-जिरा (बुरा होना, बिगड़ना)। सायिन् (अच्छा)—सायिजिरा(अच्छा होना, सुधरना)।

(६) प्रत्यय ला/ले। आल्थान् (सोना)—आल्थाला (सोना चढ़ाना)। उसुन् (पानी)—उसुला (पानी देना)। एमेगेल् (काठी)—एमेगेल्ले (काठी लगाना)। खुर्दुन् (शीघ्र)—खुर्दुला (शीघ्रता करना)। गेर् (घर)—गेर्ले (विवाह करना, घर बसाना)। शिबागुन् (पक्षी)—शिबागुला (पक्षियों का आखेट करना)।

(७) प्रत्यय ना/ने ङकारान्त तथा मकारान्त धातुओं से लगता है। आङ (मृग)—आङना (मृगया करना)। एम् (औषध)—एम्ने (चिकित्सा करना)।

(८) प्रत्यय रा/रे। उुगेइ (निर्धन)—उुगेइरे (निर्धन होना)। खोखे (नीला)—खोखेरे (नीला होना)। खोग्शिन् (बूढ़ा)—खोग्शिरे (बूढ़ा होना)।

(९) रकारान्त धातुओं से ला/ले लगता है। शिरा (पीला)—शिराला (पीला होना)।

(१०) र्खा/र्खे से पूर्व शब्द का अन्त्य न् लुप्त हो जाता है। एजेन् (स्वामी)—एजेर्खे (प्रभुत्व जमाना)। छिलेगेन् (रोग)—छिलेगेर्खे (रोगी होना)। बायान् (धनी)—बायार्खा (धन का अभिमान करना)।

(११) प्रत्यय शि। आल्दार् (वैभव)—आल्दार्शि (वैभवशाली होना)। नुथुग् (देश)—नुथुग्शि (बस जाना)। सागुरि (आसन)—सागुरिशि (बैठे रहते जीवन व्यतीत करना)।

(१२) प्रत्यय शिया/शिये। जोब् (ठीक)—जोब्शिये (सहमत होना)। सायिन् (अच्छा)—सायिशिया (अनुमोदन करना)। आल्दार् (कीर्त्ति)—आल्दार्शिया (कीर्त्ति करना)। मागु (बुरा)—मागुशिया (निन्दा करना)।

(१३) प्रत्यय था/थे। खिर् (मैल)—खिर्थे (मैला होना)। गेम् (हानि)—गेम्थे (हानि होना)।

(१४) प्रत्यय थु/थु । ओयिरा (समीप)—ओयिराथु (समीप जाना) ॥

सर्वनाम-धातु

एयिमु (ऐसा)—एयि (इस प्रकार आचरण करना) । थेयिमु (तैसा)—थेयि (तिस प्रकार आचरण करना) । यागुन् (क्या)—यागाखि, येखि, येयि (क्या करना) ॥

विशेषण-धातु

(१) प्रत्यय छि । खेम्खे (खण्डश., टुकडे २)—खेम्खेछि (टुकड़े २ करना) । थासु (अलग) —थासुछि (टुकडे २ करना) । सागु (परे, बाहर)—सागुछि (परे करना, बाहर निकाल लेना) ।

(२) प्रत्यय ल । खगु (अलग)—खगुल् (अलग २ करना, तोडना) । थासु—थासुल् (टुकड़े २ करना) । सागु—सागुल् (परे करना, बाहर निकाल लेना) ।

(३) प्रत्यय रा/रे । खागा (अलग)—खागारा (फूट पडना) । थासु—थासुरा (अलग २ किया जाना) । मुगु—मुगुरा (बाहर गिरना) ॥

शब्दानुकारी क्रिया

(१) प्रत्यय छिगिना/छिगिने । थार्—थार्छिगिना (थार् थार् करना) । शार्—शार्छिगिना (शार् २ करना) ।

(२) प्रत्यय गि । छुउ—छुउगि (ध्वनि करना) । शा—शागि (शा २ करना) ।

(३) प्रत्यय गिना/गिने । खाङ—खाङ्गिना (ध्वनि करना) । गिङ—गिङ्गिने (ध्वनि करना) ।

(४) प्रत्यय खिरा खिरे । खाम्—खाम्खिरा (चिल्लाना) । बार्—बार्खिरा (गरजना) ॥

क्रिया-विशेषण

(१) प्रत्यय आ/ए । यह प्राचीन सम्प्रदानाधिकरण प्रत्यय है । इलाङगुइ (विशेष)—इलाङगुइ आ (विशेष प्रकार से) । खाथागुइ (निर्दय)—खाथागुइ आ (निर्दयता से) । मागुइ (बुरा)—मागुइ आ (बुरे प्रकार से) ।

(२) प्रत्यय छार्/छेर् । बुमु (दूसरा)—बुमुछार् (अन्यथा, दूसरी प्रकार से) ।

(३) प्रत्यय दा/दे ।

स्थानवाची क्रियाविशेषण

एन्दे (यहां)—एन्देछे (यहां से) । थेन्दे (वहां)—थेन्देछे (वहा से) । खोथाला (समान, साधारण)—खोथालादा (सर्वत्र) । देर्गे—देर्गेदे (पास, पास में) ॥

समयवाची क्रियाविशेषण

उरि— उरिदा (पुरा, पूर्वकाल में)। उर्थु (लम्बा)— उर्थुदा (सदा, चिरकाल)। ओनि (प्राचीन)—ओनिदे (प्राचीन काल में)। खेजिय् ए (कब)—खेजियेदे (सदा)। नासुन् (आयु)—नासुदा (सदा)। मार्गाशि—मार्गादा (कल) ।।

प्रकारवाची क्रियाविशेषण

बाथु (दृढ)—बाथुदा (दृढतापूर्वक)। नुथा (दृढ)—नुथादा (दृढतापूर्वक)। ग़ुउआ (सुन्दर)—ग़ुउआदा (सुन्दरता से)। माशि (बहुत)—माशिदा (अधिकता से) ।।

स्थानवाची क्रियाविशेषण

(४) प्रत्यय गा/गे। *गादा—ग़ादागा (बाहर)। *खामि—खामिगा (कहां) ।।

समयवाची क्रियाविशेषण

*एदु—एदुगे (अब)। *खेदि—खेदिगे (कब) ।।

विभिन्न क्रियाविशेषण

(५) प्रत्यय गार्/गेर्। खोथाला—खोथालागार् (सर्वत्र)। ग़ाग्छा (अकेला)—ग़ाग्छाग़ार् (अकेला)। बुसु (दूसरा)—बुसुगार् (अन्यथा)। मानान् (प्रातः की धुंद)—मानाग़ार् (श्वः, कल)। योसुन् (नियम)—योसुगार् (के अनुसार) ।।

स्थानवाची क्रियाविशेषण

(६) प्रत्यय ग़िश/ग्शि। इना (इस ओर)—इनाग्शि (इस ओर)। *छिना (उस ओर)—छिनाग़िश (उस ओर)। *देगे (ऊपर)—देगेग्शि (ऊपर को, ऊपर)। *दोथो (अन्दर)—दोथोग़िश (अन्दर)। *दोग़ो (नीचे वाला, अधीन)—दोग़ोग़िश (नीचे) ।।

विभिन्न क्रियाविशेषण

(७) प्रत्यय ग़ुर्/गुर्। यह प्रत्यय केवल आधुनिक भाषा में काम आता है। खोयिग़ुर् (पीछे)। देगेगुर् (ऊपर)। दोग़ोग़ुर् (नीचे)। उुर् (अरुणिमा)—उुर्लुगे (प्रातः)। उुग्लुगे (प्रातः)—उुग्लुगेगुर् (बहुत प्रातः)।

(८) प्रत्यय ना/ने। एछिने (गुप्त रूप से)। एमुने (सामने)—एमुने एछे (सामने से)। खोयिना

(पीछे)—खोयिना आछा (पीछे से)। ग़ादाना (बाहर)—ग़ादाना आछा (बाहर से)।

(९) रा/रे। देगेरे (ऊपर), दोओरा (नीचे), दोथोरा (अन्दर)।

(१०) प्रत्यय रु/रू। आसुरु (बहुत), इनारु (पहले), छिनारु (पीछे), थेड्रु (तद्विरुद्ध)।

(११) प्रत्यय शि। खामिग़ा (कहां)—खामिग़ाशि (कहां को)। खोयिना (पीछे)—खोयिशि (पीछे को)। एयिन् (एवं)—एयिशि (इधर को)। थेयिन् (तिस प्रकार)—थेयिशि (उधर को)। मार्ग़ादा—मार्ग़ाशि (कल, श्वः)। मानाग़ार्—मानाग़ार्शि (कल, श्वः)।

(१२) प्रत्यय था/थे। उगुग़ाथा (पूर्णतया), गेनेद्‌थे (एक साथ, सहसा, अचानक), जोरिगुथा (जान बूझ कर)।

(१३) शब्द के प्रथम अक्षर को दुहराकर ब् लगाने से पूर्णता की अभिव्यक्ति की जाती है। आब् आलि (कोई भी, सब कोई), उब् उलाग़ान् (सर्वथा लाल), खाब् खारा (सर्वथा काला), खाब् खाराङगुई (सर्वथा अन्धेरा), खुब् खुरेन् (सर्वथा भूरा), खेब् खेजिये (सदा), खोब् खोखे (सर्वथा नीला), गेब् गेनेद्‌थे (सर्वथा अकस्मात्), छाब् छाग़ान् (सर्वथा श्वेत), दुब् दुगुइ (सर्वथा चुपचाप), नोब् नोगुग़ान् (सर्वथा हरा), शिब् शिरा (सर्वथा पीला)॥

अनुसंज्ञ

हिन्दी के समान मोंगोल भाषा में भी अनुसंज्ञ हैं। ये संज्ञा के पीछे लगते हैं। यहां कुछ उदाहरण देते हैं। उछिर् (कारण)—उछिरा (के कारण से)। खुर्थेले (तक), थुला, थुलादा (के लिये), देगेरे (ऊपर), दोथोरा (अन्दर), बोल्थाला (तक)। शिल्थाग़ान् (कारण)—शिल्थाग़ाबार् (के कारण से)॥

॥ इति मोंगोल-भाषा-व्याकरणं समाप्तम् ॥

षष्टि-वार्षिक बृहस्पति-संवत्सर

भोट में इस संवत्सर का प्रारम्भ १०२७ से हुआ।

यहां दी हुई सारणी में २३ स्तम्भ हैं। प्रथम और सप्तम स्तम्भ में वर्षांक हैं।

दूसरे स्तम्भ में पञ्चभूत (अग्नि, भू, अयस्, वारि, काष्ठ) तथा द्वादश प्राणियों (शश, नाग, सर्प, अश्व, मेष, प्लवंग, कुक्कुट, श्वा, वराह, मूष, वृष, शार्दूल) के नामों को मिला कर वर्षों के नाम बनाए गए हैं। इन वर्षों के इसी प्रकार के चीनी तथा भोट नाम भी हैं। हमने यहां केवल मोंगोल नाम दिये हैं। चीनी तथा भोट छोड़ दिये हैं। अग्नि, भू, अयस्, वारि तथा काष्ठ वाची मोंगोल शब्दों के स्थान में कभी २ चीनी गा, यि, बिङ, दिङ, उ का भी प्रयोग कर लेते हैं। दूसरे स्तम्भ वाले नामों का मोंगोल साहित्य में पर्याप्त प्रयोग हुआ है। ये नाम पुल्लिग माने जाते हैं।

तीसरे स्तम्भ में पञ्चवर्ण (रक्त, पीत, शुक्ल, कृष्ण, नील) तथा पूर्वोल्लिखित द्वादश प्राणियों (एक बार पुरूप में, दूसरी बार स्त्रीरूप में) के नामों को मिला कर वर्षों के नामों की दूसरी सूची है। रक्त, पीत, शुक्ल, कृष्ण तथा नील के स्थान में कभी २ चीनी गि, गिङ, मिन्, शिम् तथा गुइ का भी प्रयोग होता है। तीसरे स्तम्भ वाले नामों का मोंगोल साहित्य में अधिक प्रयोग नहीं हुआ। इनमें से छः नाम "एरे" पुमान् हैं और छः "एमे" स्त्री हैं।

चौथे स्तम्भ में बार्हस्पत्य संवत्सर के संस्कृत नामों का मोंगोल अनुवाद है। यह अनुवाद भोट द्वारा किया गया। इनको मोंगोल लोग रब्जुङ कहते हैं। रब्जुङ प्रथम वर्ष का भोट नाम है। कभी २ हस्तलेखों में संस्कृत तथा भोट नामों का भी प्रयोग दिखाई पड़ता है। साथ में मोंगोलानुवाद नाम भी दे देते हैं। पांचवें स्तम्भ में भोट नाम दिये हैं। ये संस्कृत के अनुवाद हैं। छठे स्तम्भ में मोंगोल और भोट के मूल संस्कृत नाम है। जहां संस्कृत, भोट और मोंगोल में कुछ अन्तर है वहां अभिवार में जतला दिया गया है।

आठवे से २३वें स्तम्भ ईसवी वर्षों के हैं। १०२७ से आज तक १५ वृहस्पति-संवत्सर बीत कर १६वां बृहस्पति-संवत्सर चालू है। आठवे स्तम्भ में पहला बृहस्पति संवत्सर १०२७-१०८६ तक। नवें में दूसरा १०८७ से ११४६ तक इत्यादि। २३वें स्तम्भ में १६वां रब्जुङ १९२७ से १९८६ तक॥

वर्षांक	भूत-प्राणि-निष्ठित नाम	वर्ण-प्राणि-निष्ठित नाम	बार्हस्पत्य मोंगोल नाम	बार्हस्पत्य भोट नाम	बार्हस्पत्य संस्कृ नाम
१	ग़ाल् थाउलाइ (अग्नि-शश)	उलागाग्छिन् थाउलाइ (रक्ता शशी)	मायिथुर् ग़ारुस्मान्, सायिथुर् बोलुग़ान्	= रब.ब्युङ	= प्र-भव
२	शिरोइ लू (भू-नाग)	शिरा लू (पीन नाग)	थेयिन् गारुस्मान्	= नंम. अव्युङ	= वि-भव
३	शिरोइ मोगाइ (भू-सर्प)	शिराग्छिन् मोगाइ (पीना मर्पी)	छाग़ान्	= दकर.पो	= शुक्ल
४	थेमुर् मोरिन् (अयो-ऽश्व)	छाग़ान् मोरिन् (शुक्ल अश्व)	माशि मोग्थाङ्गि (=प्र-मद)	रब म्योम (=प्र-मद)	प्र-मोद
५	थेमुर् खोनिन् (अयो-मेष)	छाग़ारिछन् खोनिन् (शुक्ला मेषी)	थोरोल् उन् एजेन्, थोरोल्खिथेन् उ एजेन्	= स्क्येस.बदग	= प्रजा-पति
६	उसुन् बेछिन् (वारि-प्लवंग)	खारा बेछिन् (कृष्ण प्लवंग)	मागु बेयेयु (=कु-शरीर=कुबेर)	अङ.गि.र	= अङ्गिरस्
७	उसुन् थाखिया (वारि-कुक्कुट)	खाराग्छिन् थाखिया (कृष्णा कुक्कुटी)	छोग् निगुर्थु	= दपल.गदोङ	= श्री-मुख
८	मोदुन् नोखाइ (काष्ठ-श्वा)	खोखे नोखाइ (नील श्वा)	खोखे (=सङोन.पो=नील)	दङोस.पो	= भाव
९	मोदुन् ग़ाखाइ (काष्ठ-वराह)	खोखेरिछन् ग़ाखाइ (नीला वराही)	इदेर् थेगुल्देर्	= न.छोद.ल्दन	= युवन्
१०	ग़ाल् खुलुग़ाना (अग्नि-मूष)	उलागान् खुलुगाना (रक्त मूष)	बारिग्छि (=धृन्वन्)	अज़िन.ब्येद (=धृन्वन्)	धातृ
११	ग़ाल् उखेर् (अग्नि-वृष)	उलारिछन् उखेर् (रक्ता गौ)	एर्खेथु	= दबङ.पयुग	= ईश्वर
१२	शिरोइ बार्स् (भू-शार्दूल)	शिरा बार्स् (पीत शार्दूल)	ओलान् उरेथु	= अब्रु.मङ.पो	= बहु-धान्य
१३	शिरोइ थाउलाइ (भू-शश)	शिराग्छिन् थाउलाइ (पीता शशी)	सोग़थाखु थेगुन्देर् (=प्र-मादिन्)	म्योस.ल्दन (=प्र-मादिन्)	प्र-माथिन्
१४	थेमुर् लू (अयो-नाग)	छाग़ान् लू (शुक्ल नाग)	वाग़ाथुर्, थेयिन् दारुग्छि	= नंम.गनोन	= वि-क्रम
१५	थेमुर् मोग़ाइ (अयः-सर्प)	छाग़ाग्छिन् मोग़ाइ (शुक्ला सर्पी)	सुरुग् उन् मङ्गलइ (=यूथ-नायक)	ख्यु.मछोग	= वृष
१६	उसुन् मोरिन् (वारि-अश्व)	खारा मोरिन् (कृष्ण अश्व)	एन्देब् (=चित्र)	स्न.छोगम (=चित्र)	चित्र-भानु
१७	उसुन् खोनिन् (वारि-मेष)	खाराग्छिन् खोनिन् (कृष्णा मेषी)	नागान् (=भानु)	ञि.म (=भानु)	सु-भानु
१८	मोदुन् बेछिन् (काष्ठ-प्लवंग)	खोखे बेछिन् (नील प्लवंग)	नारान् गेथुल्गेग्छि (=भानु-तार)	ञि.स्ग्रोल ब्येद (=भानु-तार)	तारण
१९	मोदुन् थाखिया (काष्ठ-कुक्कुट)	खोखेग्छिन् थाखिया (नीला कुक्कुटी)	गाजार् थेद्खुग्छि (=भू-पाल)	स.स्क्योङ (=भू-पाल)	पार्थिव
२०	ग़ाल् नोखाइ (अग्नि-श्वा)	उलागान् नोखाइ (रक्त श्वा)	वाराशि उगेइ (=अव्यय)	मि.ज़द (=अव्यय)	व्यय
२१	ग़ाल् ग़ाखाइ (अग्नि-वराह)	उलाग़ाग्छिन् ग़ाखाइ (रक्ता वराही)	उलु बारागदाखु, खामुग् इ नोमोग़ादखारिछ	= थमस.चद. अदुल	= सर्व-जित्
२२	शिरोइ खुलुग़ाना (भू-मूष)	शिरा खुलुग़ाना (पीत मूष)	खोथाला यि बारिग्छि	= कुन. अज़िन	= सर्व-धारिन्
२३	शिरोइ उखेर् (भू-वृष)	शिराग्छिन् उखेर् (पीता गौ)	खागिलाल्थु	= अगल. ब	= विरोधिन्
२४	थेमुर् बार्स् (अयः-शार्दूल)	छाग़ान् बार्स् (शुक्ल शार्दूल)	थेयिन् उर्बाग्छि	= नंम. अग्युर	= वि-कृत

वर्षांक	प्रथम संवत्	द्वितीय संवत्	तृतीय संवत्	चतुर्थ संवत्	पञ्चम संवत्	षष्ठ संवत्	सप्तग संवत्	अष्टम संवत्	नवम संवत्	दशम संवत्	एकादश संवत्	द्वादश संवत्	त्रयोदश संवत्	चतुर्दश संवत्	पञ्चदश संवत्	षोडश संवत्
१	१०२७	१०८७	११४७	१२०७	१२६७	१३२७	१३८७	१४४७	१५०७	१५६७	१६२७	१६८७	१७४७	१८०७	१८६७	१९२७
२	१०२८	१०८८	११४८	१२०८	१२६८	१३२८	१३८८	१४४८	१५०८	१५६८	१६२८	१६८८	१७४८	१८०८	१८६८	१९२८
३	१०२९	१०८९	११४९	१२०९	१२६९	१३२९	१३८९	१४४९	१५०९	१५६९	१६२९	१३८९	१७४९	१८०९	१८६९	१९२९
४	१०३०	१०९०	११५०	१२१०	१२७०	१३३०	१३९०	१४५०	१५१०	१५७०	१६३०	१६९०	१७५०	१८१०	१८७०	१९३०
५	१०३१	१०९१	११५१	१२११	१२७१	१३३१	१३९१	१४५१	१५११	१५७१	१६३१	१६९१	१७५१	१८११	८८७१	१९३१
६	१०३२	१०९२	११५२	१२१२	१२७२	१३३२	१३९२	१४५२	१५१२	१५७२	१६३२	१६९२	१७५२	१८१२	१८७२	१९३२
७	१०३३	१०९३	११५३	१२१३	१२७३	१३३३	१३९३	१४५३	१५१३	१५७३	१६३३	१६९३	१७५३	१८१३	१८७३	१९३३
८	१०३४	१०९४	११५४	१२१४	१२७४	१३३४	१३९४	१४५४	१५१४	१५७४	१६३४	१६९४	१७५४	१८१४	१८७४	१९३४
९	१०३५	१०९५	११५५	१२१५	१२७५	१३३५	१३९५	१४५५	१५१५	१५७५	१६३५	१६९५	१७५५	१८१५	१८७५	१९३५
१०	१०३६	१०९६	११५६	१२१६	१२७६	१३३६	१३९६	१४५६	१५१६	१५७६	१६३६	१६९६	६७५६	१८१६	१८७६	१९३६
११	१०३७	१०९७	११५७	१२१७	१२७७	१३३७	१३९७	१४५७	१५१७	१५७७	१६३७	१६९७	१७५७	१८१७	१८७७	१९३७
१२	१०३८	१०९८	११५८	१२१८	१२७८	१३३८	१३९८	१४५८	१५१८	१५७८	१६३८	१६९८	१७५८	१८१८	१८७८	१९३८
१३	१०३९	१०९९	११५९	१२१९	१२७९	१३३९	१३९९	१४५९	१५१९	१५७९	१६३९	१६९९	१७५९	१८१९	१८७९	१९३९
१४	१०४०	११००	११६०	१२२०	१२८०	१३४०	१४००	१४६०	१५२०	१५८०	१६४०	१७००	१७६०	१८२०	१८८०	१९४०
१५	१०४१	११०१	११६१	१२२१	१२८१	१३४१	१४०१	१४६१	१५२१	१५८१	१६४१	१७०१	१७६१	१८२१	१८८१	१९४१
१६	१०४२	११०२	११६२	१२२२	१२८२	१३४२	१४०२	१४६२	१५२२	१५८२	१६४२	१७०२	१७६२	१८२२	१८८२	१९४२
१७	१०४३	११०३	११६३	१२२३	१२८३	१३४३	१४०३	१४६३	१५२३	१५८३	१६४३	१७०३	१७६३	१८२३	१८८३	१९४३
१८	१०४४	११०४	११६४	१२२४	१२८४	१३४४	१४०४	१४६४	१५२४	१५८४	१६४४	१७०४	१७६४	१८२४	१८८४	१९४४
१९	१०४५	११०५	११६५	१२२५	१२८५	१३४५	१४०५	१४६५	१५२५	१५८५	१६४५	१७०५	१७६५	१८२५	१८८५	१९४५
२०	१०४६	११०६	११६६	१२२६	१२८६	१३४६	१४०६	१४६६	१५२६	१५८६	१६४६	१७०६	१७६६	१८२६	१८८६	१९४६
२१	१०४७	११०७	११६७	१२२७	१२८७	१३४७	१४०७	१४६७	१५२७	१५८७	१६४७	१७०७	१७६७	१८२७	१८८७	१९४७
२२	१०४८	११०८	११६८	१२२८	१२८८	१३४८	१४०८	१४६८	१५२८	१५८८	१६४८	१७०८	१७६८	१८२८	१८८८	१९४८
२३	१०४९	११०९	११६९	१२२९	१२८९	१३४९	१५०९	१४६९	१५२९	१५८९	१६४९	१७०९	१७६९	१८२९	१८८९	१९४९
२४	१०५०	१११०	११७०	१२३०	१२९०	१३५०	१४१०	१४७०	१५३०	१५९०	१६५०	१७१०	१७७०	१८३०	१८९०	१९५०

२५	थेमुर् थाउलाइ (अयः-शश)	छागाग्छिन् थाउलाइ (शुक्ला शशी)
२६	उसुन् लू (वारि-नाग)	खारा लू (कृष्ण नाग)
२७	उसुन् मोगाइ (वारि-सर्प)	खारागिछन् मोगाइ (कृष्णा सर्पी)
२८	मोदुन् मोरिन् (काष्ठ-अश्व)	खोखे मोरिन् (नील अश्व)
२९	मोदुन् खोनिन् (काष्ठ-मेष)	खोखेग्छिन् खोनिन् (नीला मेषी)
३०	गाल् बेछिन् (अग्नि-प्लवंग)	उलागान् बेछिन् (रक्त प्लवंग)
३१	गाल् थाखिया (अग्नि-कुक्कुट)	उलाग्छिन् थाखिया (रक्ता कुक्कुटी)
३२	शिरोइ नोखाइ (भू-श्वा)	शिरा नोखाइ (पीत श्वा)
३३	शिरोइ गाखाइ (भू-वराह)	शिरागिछन् गाखाइ (पीता वराही)
३४	थेमुर् खुलुगाना (अयो-मूष)	छागान् खुलुगाना (शुक्ल मूष)
३५	थेमुर् उुखेर् (अयो-वृष)	छागागिछन् उुखेर् (शुक्ला गौ)
३६	उसुन् बार्स् (वारि-शार्दूल)	खारा बार्स् (कृष्ण शार्दूल)
३७	उसुन् थाउलाइ (वारि-शश)	खारागिछन् थाउलाइ (कृष्णा शशी)
३८	मोदुन् लू (काष्ठ-नाग)	खोखे लू (नील नाग)
३९	मोदुन् मोगाइ (काष्ठ-सर्प)	खोखेग्छिन् मोगाइ (नीला सर्पी)
४०	गाल् मोरिन् (अग्नि-अश्व)	उलागान् मोरिन् (रक्त अश्व)
४१	गाल् खोनिन् (अग्नि-मेष)	उलागिछन् खोनिन् (रक्ता मेषी)
४२	शिरोइ बेछिन् (भू-प्लवंग)	शिरा बेछिन् (पीत प्लवंग)
४३	शिरोइ थाखिया (भू-कुक्कुट)	शिरागिछन् थाखिया (पीता कुक्कुटी)
४४	थेमुर् नोखाइ (अयः-श्वा)	छागान् नोखाइ (शुक्ल श्वा)
४५	थेमुर् गाखाइ (अयो-वराह)	छागागिछन् गाखाइ (शुक्ला वराही)
४६	उसुन् खुलुगाना (वारि-मूष)	खारा खुलुगाना (कृष्ण मूष)
४७	उसुन् उुखेर् (वारि-वृष)	खारागिछन् उुखेर् (कृष्णा गौ)
४८	मोदुन् बार्स् (काष्ठ-शार्दूल)	खोखे बार्स् (नील शार्दूल)

एल्जिगेन्	= बोङ.बु	= खर
बायास्खुलाङ	= दगअ.ब	= नन्दन
थेयिन् इलागुग्छि, थेयिन् इलागुसान्	= नंम.ग्यल	= वि-जय
इलागुसान्	= ग्यल.ब	= जय
गाल्जागुरागुलुग्छि	= म्योस.ब्येद	= मन्मथ
मागु निगुर्थु	= गदोङ.ङन	= दुर्-मुख
आन्थान् शांजिल्गाखु	= गसेर.अफ्यङ	= हेम-लम्ब
थेयिन् उजिल्गाखु	= नंम.अफ्यङ	= वि-लम्ब
उर्बागुलुग्छि	= स्युर.ब्येद	= वि-कारिन्
खोथाला थेगुस् (=मर्वपूर्ण, सर्विन्)	कुन.ल्दन (=सर्विन्)	शर्वरिन्
छोगेबुरि	= अफर.ब	= प्लव
बुयान् उुइलेदुग्छि, साइजिरागुलुग्छि	= दगे.ब्येद	= शुभ-कृत्
उुजेस्खुलेङ बोल्गारिछ	= मज़ेस.ब्येद	= शोभन्
खिलिङ थेइ, खिलिङथु एखे, एमे (=क्रोधिनी)	खो.मो (=क्रोधिनी)	क्रोधिन्
एल्देब् एर्देनिथु	= स्न.छोगस.दब्यिग	= विश्वा-वसु
मुर् इयेर् दारुग्छि	= ज़िल.गनोन	= परा-भव
बेछिन्	= स्प्रेउ	= प्लवंग
गादामुन्	= फुर.बु	= कीलक
?	ज़ि.ब	= सौम्य
येहदे	= थुन.मोङ	= साधारण
आङ्गिजिरागिछ, खाशिलागिछ	= अगयल.ब्येद	विरोध-कृत्
उुगाथा बारिग्छि, बुगुन् इ बारिग्छि (=परि-धारिन्)	योङ्स.अ़्जिन (=परि-धारिन्)	परि-धाविन्
सेरेम्जि उुगेइ	= बग.मेद	= प्र-मादिन्
खोथाला बायास्खुलाङ	= कुन.दगअ	= आ-नन्द

२५	१०५१	११११	११७१	१२३१	१२९१	१३५१	१४११	१४७१	१५३१	१५९१	१६५१	१७११	१७७१	१८३१	१८९१	१९५१
२६	१०५२	१११२	११७२	१२३२	१२९२	१३५२	१४१२	१४७२	१५३२	१५९२	१६५२	१७१२	१७७२	१८३२	१८९२	१९५२
२७	१०५३	१११३	११७३	१२३३	१२९३	१३५३	१४१३	१४७३	१५३३	१५९३	१६५३	१७१३	१७७३	१८३३	१८९३	१९५३
२८	१०५४	१११४	११७४	१२३४	१२९४	१३५४	१४१४	१४७४	१५३४	१५९४	१६५४	१७१४	१७७४	१८३४	१८९४	१९५४
२९	१०५५	१११५	११७५	१२३५	१२९५	१३५५	१४१५	१४७५	१५३५	१५९५	१६५५	१७१५	१७७५	१८३५	१८९५	१९५५
३०	१०५६	१११६	११७६	१२३६	१२९६	१३५६	१४१६	१४७६	१५३६	१५९६	१६५६	१७१६	१७७६	१८३६	१८९६	१९५६
३१	१०५७	१११७	११७७	१२३७	१२९७	१३५७	१४१७	१४७७	१५३७	१५९७	१६५७	१७१७	१७७७	१८३७	१८९७	१९५७
३२	१०५८	१११८	११७८	१२३८	१२९८	१३५८	१४१८	१४७८	१५३८	१५९८	१६५८	१७१८	१७७८	१८३८	१८९८	१९५८
३३	१०५९	१११९	११७९	१२३९	१२९९	१३५९	१४१९	१४७९	१५३९	१५९९	१६५९	१७१९	१७७९	१८३९	१८९९	१९५९
३४	१०६०	११२०	११८०	१२४०	१३००	१३६०	१४२०	१४८०	१५४०	१६००	१६६०	१७२०	१७८०	१८४०	१९००	१९६०
३५	१०६१	११२१	११८१	१२४१	१३०१	१३६१	१४२१	१४८१	१५४१	१६०१	१६६१	१७२१	१७८१	१८४१	१९०१	१९६१
३६	१०६२	११२२	११८२	१२४२	१३०२	१३६२	१४२२	१४८२	१५४२	१६०२	१६६२	१७२२	१७८२	१८४२	१९०२	१९६२
३७	१०६३	११२३	११८३	१२४३	१३०३	१३६३	१४२३	१४८३	१५४३	१६०३	१६६३	१७२३	१७८३	१८४३	१९०३	१९६३
३८	१०६४	११२४	११८४	१२४४	१३०४	१३६४	१४२४	१४८४	१५४४	१६०४	१६६४	१७२४	१७८४	१८४४	१९०४	१९६४
३९	१०६५	११२५	११८५	१२४५	१३०५	१३६५	१४२५	१४८५	१५४५	१६०५	१६६५	१७२५	१७८५	१८४५	१९०५	१९६५
४०	१०६६	११२६	११८६	१२४६	१३०६	१३६६	१४२६	१४८६	१५४६	१६०६	१६६६	१७२६	१७८६	१८४६	१९०६	१९६६
४१	१०६७	११२७	११८७	१२४७	१३०७	१३६७	१४२७	१४८७	१५४७	१६०७	१६६७	१७२७	१७८७	१८४७	१९०७	१९६७
४२	१०६८	११२८	११८८	१२४८	१३०८	१३६८	१४२८	१४८८	१५४८	१६०८	१६६८	१७२८	१७८८	१८४८	१९०८	१९६८
४३	१०६९	११२९	११८९	१२४९	१३०९	१३६९	१४२९	१४८९	१५४९	१६०९	१६६९	१७२९	१७८९	१८४९	१९०९	१९६९
४४	१०७०	११३०	११९०	१२५०	१३१०	१३७०	१४३०	१४९०	१५५०	१६१०	१६७०	१७३०	१७९०	१८५०	१९१०	१९७०
४५	१०७१	११३१	११९१	१२५१	१३११	१३७१	१४३१	१४९१	१५५१	१६११	१६७१	१७३१	१७९१	१८५१	१९११	१९७१
४६	१०७२	११३२	११९२	१२५२	१३१२	१३७२	१४३२	१४९२	१५५२	१६१२	१६७२	१७३२	१७९२	१८५२	१९१२	१९७२
४७	१०७३	११३३	११९३	१२५३	१३१३	१३७३	१४३३	१४९३	१५५३	१६१३	१६७३	१७३३	१७९३	१८५३	१९१३	१९७३
४८	१०७४	११३४	११९४	१२५४	१३१४	१३७४	१४३४	१४९४	१५५४	१६१४	१६७४	१७३४	१७९४	१८५४	१९१४	१९७४

४९ मोदुन् थाउलाइ (काष्ठ-शश,	खोखेग्छिन् थाउलाइ (नीला शशं	ङगुस्	= स्रिन.बु	= राक्षस
५० ग़ाल् लू (अग्नि-नाग)	उलागान् लू (रक्त नाग)	ग़ाल्	= मे	= अनल
५१ ग़ाल् मोग़ाइ (अग्नि-सर्प)	उलाग़्छिन् मोग़ाइ (रक्ता सर्पी)	उलाबिर् शिराथु (=आरक्त-पीत)	= दमर.सेर.चन	= पिंगल
५२ शिरोइ मोरिन् (भू-अश्व)	शिरा मोरिन् (पीत अश्व)	छाग् उन् जारुदासुन्, छाग् उन् एलिछ (=काल-दूत)	दुस.क्यि.फो.ञा. (=काल-दूत)	काल-युक्त
५३ शिरोइ खोनिन् (भू-मेष)	शिराग़्छिन् खोनिन् (पीता मेषी)	थुसा बुथुग्सेन्, बुथुगेग्छि	= दोन.ग्रुब	= सिद्धार्थिन्
५४ थेमुर् बेछिन् (अयः-प्लवंग)	छागान् बेछिन् (शुक्ल प्लवंग)	दाशिन्	= द्रग.पो	= रौद्र
५५ थेमुर् थाखिया (अयः-कुक्कुट)	छाग़ाग़्छिन् थाखिया (शुक्ला कुक्कुटी)	?	ब्लो.ङन	= दुर्-मति
५६ उसुन् नोखाइ (वारि-श्वा)	खारा नोखाइ (कृष्ण श्वा)	येखे खेगुर्गे, येखे खेङगेर्गे	= ङ.छेन	= दुन्दुभि
५७ उसुन् ग़ाखाइ (वारि-वराह)	खाराग़्छिन् ग़ाखाइ (कृष्णा वराही)	छिमुन् बोगेल्जिग्छि	= ख्राग.स्क्युग	= रुधिर-उद्गारिन्
५८ मोदुन् खुलुग़ाना (काष्ठ-मूष)	खोखे खुलुगाना (नील मूष)	उलागान् निदुथु	= मिग.दमर	= रक्ताक्ष
५९ मोदुन् उखेर् (काष्ठ-वृष)	खोखेग्छिन उखेर् (नीला गौ)	खिलिङथु	= खो.बो	= क्रोधन
६० ग़ाल् बार्स् (अग्नि-शार्दूल)	उलागान् बार्स् (रक्त शार्दूल)	बाराग़दाखु	= ज़द.प	= क्षय

४९	१०७५	११३५	११९५	१२५५	१३१५	१३७५	१४३५	१४९५	१५५५	१६१५	१६७५	१७३५	१७९५	१८५५	१९१५	१९७५
५०	१०७६	११३६	११९६	१२५६	१३१६	१३७६	१४३६	१४९६	१५५६	१६१६	१६७६	१७३६	१७९६	१८५६	१९१६	१९७६
५१	१०७७	११३७	११९७	१२५७	१३१७	१३७७	१४३७	१४९७	१५५७	१६१७	१६७७	१७३७	१७९७	१८५७	१९१७	१९७७
५२	१०७८	११३८	११९८	१२५८	१३१८	१३७८	१४३८	१४९८	१५५८	१६१८	१६७८	१७३८	१७९८	१८५८	१९१८	१९७८
५३	१०७९	११३९	११९९	१२५९	१३१९	१३७९	१४३९	१४९९	१५५९	१६१९	१६७९	१७३९	१७९९	१८५९	१९१९	१९७९
५४	१०८०	११४०	१२००	१२६०	१३२०	१३८०	१४४०	१५००	१५६०	१६२०	१६८०	१७४०	१८००	१८६०	१९२०	१९८०
५५	१०८१	११४१	१२०१	१२६१	१३२१	१३८१	१४४१	१५०१	१५६१	१६२१	१६८१	१७४१	१८०१	१८६१	१९२१	१९८१
५६	१०८२	११४२	१२०२	१२६२	१३२२	१३८२	१४४२	१५०२	१५६२	१६२२	१६८२	१७४२	१८०२	१८६२	१९२२	१९८२
५७	१०८३	११४३	१२०३	१२६३	१३२३	१३८३	१४४३	१५०३	१५६३	१६२३	१६८३	१७४३	१८०३	१८६३	१९२३	१९८३
५८	१०८४	११४४	१२०४	१२६४	१३२४	१३८४	१४४४	१५०४	१५६४	१६२४	१६८४	१७४४	१८०४	१८६४	१९२४	१९८४
५९	१०८५	११४५	१२०५	१२६५	१३२५	१३८५	१४४५	१५०५	१५६५	१६२५	१६८५	७४५	८०५	१८६५	१९२५	१९८५
६०	१०८६	११४६	१२०६	१२६६	१३२६	१३८६	१४४६	१५०६	१५६६	१६२६	१६८६	७४६	८०६	१८६६	१९२६	१९८६

षष्टि-वार्षिक बृहस्पति-संवत्सर के संस्कृत, भोट तथा मोंगोल नामों के अतिरिक्त चीनी सम्राटों के शासन वर्षों (न्येन्-हाओ) के अनुसार भी तिथियां दी जाती हैं। चीन के मञ्जु (Manchurian) सम्राट् तो मोंगोल जाति के ही थे। उनको मोंगोल अपना ही उत्तराधिकारी मानते थे। चीनी सम्राटों के चीनी और मोंगोल नाम नीचे देते हैं—

नुर्हाछि	थेङि् यिन् सुल्देथु	१६०६-१५
	थेङि् देछे जियागाथु	१६१६-२६
आबाखाइ	सेछेन् खान्	१६२७-३५
	देगेदु एर्देम्थु	१६३६-४३
शुन्-छि	एयेबेर् जासाग्छि	१६४४-६१
खाङ-शि	एङखे आमुगुलाङ	१६६२-१७२२
युङ-छङ	नाइराल्थु थोब्	१७२३-३५
छयेन्-लुङ	थेङि् यिन् थेद्खुग्सेन्	१७३६-९५
छया-छिङ	साइशियाल्थु इरुगेल्थु	१७९६-१८२०
ताओ-क्वाङ	थोरो गेरेल्थु	१८२१-५०
श्येन्-फङ	थुगेमेल् एल्बेग्थु	१८५१-६१
थुङ-छि	बुरिन्थु जासाग्छि	१८६२-७४
क्वाङ-शु	बादारागुल्थु थोरो	१८७५-१९०८
श्वेन्-थुङ	खेब्थु योसुन्	१९०९-११
(उर्गा का शासन)	ओलान् आ एर्गु ग्देग्सेन्	१९११-२४
मिन्-कुओ	इर्गेन् उलुस्, दुम्दाथु आराद्	१९१२-
ग्वान् शि खाइ	युखे थेम्देग्लेल्थु	१९१५-१६
काङ ते	एङखे एर्देम्थु	१९३४-४५

टीला
सिंहासन
पुतलियां
राजा भोज
राजा विक्रमादित्य

बिर्कमिजिद् खाग़ान् उ नाम्थार् इ
आराजि बोजि खाग़ान् दुर्
मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन्
उलिगेर् उद् ओरुशिबाइ

राजा विक्रमादित्य का चरित
जो
राजा भोज को
काष्ठपुरुषों अर्थात् पुतलियों ने सुनाया

एर्थे उरिदु एनेंद्खेग् उ॒न्॒ ओरोन् दुर् आराजि बोजि नेरे थ॒ु निगेन् येखे ख़ाग़ान् बु॒लु॒गे । थेरे ख़ाग़ान् उ ख़ोरियान् उ उलुस् उन् खेउ॒खेद् । थुगुल् ख़ारिगुलुन् नाग़ाद्खुइ दाग़ान् । निगेन् दोबुछाग़् थोलुग़ाइ देगेरे ग़ार्छु बु॒गु॒देगेर् उरुल्दुजु । आलि ग़ारुस़ान् आनु । मो॒न् खु॒ थेरे एदु॒र् ए ख़ाग़ान् बोलुन् साग़ुग़ाद् । बुसु खेउ॒खेद् आनु । साियिद् । थु॒शिमेद् । खिया नार् बोलुन् बायिखु बु॒लु॒गे । थेरे ख़ाग़ान् बोलुन् नाग़ाद्दुग़िछ खेउ॒खेद् उ॒न् देर्गेदे खु॒मु॒न् उ॒जेरे इरेबेसु बेर् । मो॒र्गु॒खु॒ बा । सोगु॒द्खु॒ खिगेद् । योसुछिलान् खु॒न्दु॒लेखु॒ योसुग़ार् आयुन् एमियेन् खेलेन् उ॒लु॒ छिदाखु आजुग़ु । थेरे खेउखेन् उ॒ सु॒र् सु॒ल्दे येखे यिन् थुला । ख़ाग़ान् लुग़ा निगेन् आदालि बु॒लु॒गे । थेयिमु॒ याबुदाल् इ इनु । उछाराजु उ॒जेग्सेन् खु॒मु॒न् । थेरे उलुस् इ इल्ग़ाग़िछ। आराजि बोजि ख़ाग़ान् दुर् आयिलाद्ख़ाग्मान् दुर् । ख़ाग़ान् खेलेबेइ । निगेन् खो॒बेगु॒न् एदु॒र् बु॒रि ख़ाग़ान् बोल्जु साग़ुख़ुला । थेगु॒न् इ बोदिसदअ खेमेये । ओल्लान् खेउ॒खेद् बु॒रि यि आलि छोग़् जालि थाइ आनु ख़ाग़ान् बोल्खुइ यि उजेबेमु । मो॒न् खु थेरे दोबुछाग़् थोलुग़ाइ यिन् शिल्थाग़ान् बुइ जा खेमेबे । थेयिन् आथाला । [illegible]

एर्थे उरिदु—प्राचीन काल में

एनेंद्खेग्—भारत

उ॒न्—के

ओरोन्—देश

दुर्—में

आराजि—राजा

बोजि—भोज

नेरे थु॒—नाम वाला (नेरे—नाम)

निगेन्—एक

येखे—महान्

ख़ाग़ान्—राजा

बु॒लु॒गे—था

थेरे—उस

ख़ाग़ान् उ—राजा की

ख़ोरियान् उ—राजसभा के

उलुस् उन्—जनों के

खेउ॒खेद्—बच्चे (बहुवचन)

थुगुल्—बछड़े

ख़ारिगुलुन्—चराते हुए

नाग़ाद्खुइ दाग़ान्—खेल के अनुसार

दोबुछाग़्—छोटे से

थोलुग़ाइ—टीले

देगेरे—पर

ग़ार्छु—(सर्व प्रथम) पहुंचने (के लिये)

बु॒गु॒देगेर्—सब के सब

उरुल्दुजु—(सर्व प्रथम) दौड़ कर (अर्थात् दौड़ते थे)

आलि—जो

ग़ारुस़ान्—पहुंचता, आगे निकलता

आनु—उनमें से

मो॒न् खु॒—वह ही

थेरे एदु॒रे—उस दिन में

बोलुन्—बन, बनकर

साग़ुग़ाद्—बैठकर, बैठ जाता, बैठता

बुसु–अन्य
सायिद्–सामन्त (बहुवचन)
थुशिमेद्–मंत्री (बहुवचन)
खिया नार्–अंगरक्षक-गण
बोलुन् बायिखु बुलुगे–बन जाते थे
थेरे–उन
नागाद्दुग्छि–खेलने वाला
देर्गदे–पास
खुमुन्–पुरुष
उजेरे–मिलने के लिये
इरेबेसु बेर्–जब आने
मोर्गुखु–प्रणाम करने
बा–और
सोगद्खु–घुटनों के बल बैठने
खिगेद्–और
योमुछिल्लान्–विधिपूर्वक
खुन्दुलेखु–आदर करते
योसुगार्–तदनुसार
आयुन् एमियेन्–भयभीत होकर
खेलेन्–बोल
उलु–न
छिदाखु–सकने
आजगु–थे
थेरे–उस
खेउखेन् उ–बच्चे का
सुर्–तेज
सुन्दे–ओज "spiritual strength and power which is believed to be left behind by ancestors"—Boberg
येखे यिन्–अधिक (होने) के
थुला–कारण
खागान् लुगा–राजा के
निगेन् आदालि–एकसमान, एकरूप
थेयिमु–ऐसे
याबुदाल् इ–चरित को
इनु–उसके
उछाराजु–मिल कर
उजेग्सेन्–देखे हुए
खुमन्–पुरुषों ने
उलुस् इ–देश के (इ–को)
इल्गाग्छि–शासक (शासन करने वाले)
खागान् दर्–राजा के पास
आयिल्दाद्खासान् दुर्–प्रतिवेदन करने पर
खेलेबेइ–बोला
खाबेगन्–लड़का
एदुर् बुरि–प्रति दिन
बोल्ज–होकर
सागुखुला–यदि बैठे तो
थेगन् इ–उसको
बोधिसद्अ–बोधिसत्त्व
ओलान्–बहुत
बरि यि–प्रत्येक को
आलि–जो
छोग्–थी
जालि थाइ–माया युक्त (थाइ–युक्त)
बोल्खुइ यि–बनने को
उजेबेसु–यदि देखे
मोन् खु–उसी

थोलुग़ाइ यिन्–टीले का
शिल्थाग़ान्–परिणाम
बुइ जा–निश्चित है, है ही
खेमेबे–कहा, इति
थेयिन् आथाला–ऐसा होने तक अर्थात् इस समय
आल्बाथु–प्रजाजन

प्राचीन काल में भारत देश में राजा भोज नाम वाले एक महान् राजा थे। उस राजा की सभा के जनों के बच्चे बछड़े चराते हुए खेल के अनुसार एक छोटे से टीले पर सर्वप्रथम पहुंचने के लिये सब के सब दौड़ लगाते। उनमें से जो आगे निकलता, वह ही उस दिन राजा बन बैठता। अन्य बच्चे सामन्त, मन्त्री और अंगरक्षक बन जाते थे। उन राजा बन कर खेलने वाले बच्चों के पास जब कोइ मिलने आते तो प्रणाम करते, घुटने टेकते, विधिपूर्वक आदर करते और तदनुसार भयभीत होकर बोल न सकते थे। उस बालक के तेज और ओज के अधिक होने के कारण वह राजा के एकसमान हो जाता। उसके ऐसे चरित को आंखों से देखने वाले लोगों ने, उस देश के शासक राजा भोज से (प्रतिवेदन किया)। प्रतिवेदन करने पर राजा बोले–यदि एक ही लड़का प्रतिदिन राजा बन बैठता तो मैं उसको बोधिसत्त्व कहता। परन्तु जब उन बच्चो में से प्रत्येक को ही श्री और माया युक्त बना देखता हूं तो निश्चित (यह) उसी छोटे से टीले का परिणाम है। इति।

उस समय उस महान् राजा के एक प्रजाजन ने

दालाइ दुर् एर्दैनि आबुरा ओद्दुग्सान् बुलुगे । निगेन् थानिखु खुमुन् ओरोजु इरेखुइ दुर् । निगेन् एर्दैनि यि मिनु गेर् थु एमे खेउखेद् थुर् ओग् खेमेन् ओग्छु इलेगेबे । थेरे खुमुन् इरेगेद् एमे उरे दु आनु ओग्गुग्सेन् उगेइ । ओबेर् इयेन् खुदाल्दाजु इदेग्सेन् आजुगु । एर्दैनि आबुरा ओदुग्सान् खुमुन् इरेगेद् । एमे एछे गेन् । योग नेरे थु खुमुन् इयेर् एर्दैनि इलेगेग्सेन् बुलुगे । ओग्बेउ खेमेन् आसागुग्सान् दुर् । एमे इनु ओग्गुग्सेन् उगेइ खेमेग्सेन् उ थुला । एर्दैनि इलेगेग्सेन् इयेन् एमे खेउखेद् थेगेन् एसे ओग्गुग्सेन् उ उछिर् इ खागान् दागान् आयिलादखाबासु । योग नेरे थु खुमुन् इ दागुदागुल्बाइ । थेरे खुमुन् ओबेर् उन् बुरुगु उछिर् इयान् मेदेगेद् । खोयार् येखे थुशिमेल् दुर् खेगेलि ओग्छु । था खोयार् उन् एमुने थुशियाजु थेरे एर्दैनि यि ओग्गुले खेमेन् जोब्लेगेद् इरेग्सेन् दुर् । खागान् योग नेरे थु खुमुन् एछे । एने खुमुन् उ एर्दैनि यि एमे उरे दुर् आनु ओग्बेउ छि खेमेन् आसागुग्सान् दुर् । थेरे खोयार् थुशिमेल् उन् एमुने ओगुले खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खोयार् थुशिमेल् एछे आसागुबासु । योग यिन् उगे आदालि उगुलेग्सेन् इ इनु उनेन् बोलाग् शिगुगेद् खारिगुल्बा । दोर्बेगुले खाम्थु बुछाजु इरेथेले । थेरे एदुर् उन् खागान् बोल्जु

दालाइ दुर्—समुद्र में
एर्दैनि—रत्न
आबुरा—लेने के लिये
ओद्दुग्सान् बुलुगे—गया हुआ था
थानिखु—परिचित
ओरोजु इरेखुइ दुर्—लौट आने वाले को
एर्दैनि यि—रत्न को
मिनु—मेरे
गेर् थु—घर वाले
एमे—स्त्री
खेउखेद् थुर्—बच्चों को
ओग्—दे देना
खेमेन्—इति
ओग्छु—देकर
इलेगेबे—भेजा (दूत के रूप में भेजा)
इरेगेद्—आ कर
उरे दु—बच्चों को
ओग्गुग्सेन्—दिये
उगेइ—बिना
ओबेर् इयेन्—स्वयं
खुदाल्दुजु—बेच कर
इदेग्सेन् आजुगु—खा गया
एमे एछे गेन्—अपनी (गेन्) स्त्री (एमे) से (एछे)
खुमुन् इयेर्—पुरुष द्वारा
इलेगेग्सेन् बुलुगे—भेजा था
ओग्बेउ—दिया क्या (उ)
आसागुग्सान् दुर्—पूछने पर
इनु—उसकी
खेमेग्सेन् उ थुला—कहे हुए के कारण
एर्दैनि इलेगेग्सेन् इयेन्—अपने (इयेन्) भेजे हुए (इलेगेग्सेन्) रत्न को

एमे खेउ्खेद् थेगेन्–अपने (थेगेन्) स्त्री बच्चों को
एसे ओग्गुग्सेन् उ उछिर् इ–न (एसे) दिए हुए के कारण (उछिर्) को
खाग़ान् दाग़ान्–अपने (दाग़ान्) राजा को
आयिलाद्ख़ाबासु–जब प्रतिवेदन किया
दागुदागुल्बाइ–बुलवाया
ओबेर् उन्–अपनी
बुरुगु–अपराध
उछिर् इयान्–स्थिति (उछिर्) को
मेदेगेद्–जान कर
ख़ोयार्–दो
येखे थुशिमेल् दुर्–बडे मन्त्रियों को
खेगेल्रि–घूस
ओग्लु–दे कर
था खोयार् उन एमुने–आप (था) दोनों (खोयार्) के सामने (एमुने)
थुशियाजु–सौंप कर
ओग्गुले–दिया
जोब्लेगेद–षडयन्त्र रचकर

इरेग्सेन् दुर्–आने पर
एने–इस
एमे उरे दुर्–स्त्री बच्चों को
छि–तुमने
खेमेन् आसाग़ुसान् दुर्–यह (खेमेन्) पूछने पर
खेमेग्सेन् दुर्–कहने पर
आसागुवासु–जब पूछा
उगे–वचन, शब्द
उगलेग्सेन् इ–कहे हुए को
उनेन्–सत्य
बोल्गान्–बना
शिगुगेद्–निर्णय कर
खारिगुल्बा–लौटा दिया
दोर्बेगल्ने–चारों
खाम्थु–साथ
बुछाजु–लौट कर
इरेथेले–आने तक
खागान् बोल्जु–राजा बन कर

जो समुद्र में से रत्न लेने गया हुआ था, एक परिचित पुरुष को, जो लौट कर आने वाला था, कहा–इस रत्न को मेरे घर में स्त्री बच्चों को दे देना। और रत्न देकर उसको भेज दिया। उस पुरुष ने आकर उसके स्त्री बच्चों को रत्न न दिया। स्वयं बेच कर खा गया। रत्न लेने गये हुए पुरुष ने आकर अपनी स्त्री से पूछा–मैंने योग नाम वाले व्यक्ति द्वारा रत्न भेजा था, उसने दिया है क्या। यह पूछने पर उसकी पत्नी ने कहा–दिया नहीं। ऐसा कहने के कारण–(मैंने) रत्न भेजा (और वह) स्त्री बच्चों को नही दिया गया–यह बात जब अपने राजा से कही, (राजा) ने योग नाम वाले व्यक्ति को बुलवाया। वह पुरुष अपनी अपराध-स्थिति को जानता था। (उसने) दो बड़े मन्त्रियों को घूंस दी (और) "आप दोनों के सम्मुख वह रत्न सौंप कर दिया है," यह षड्यन्त्र रचकर आ गया। राजा ने योग नाम वाले पुरुष से पूछा–क्या इस व्यक्ति के रत्न को तुमने इसके स्त्री बच्चों को दिया (अथवा

नहीं)। इन दोनों मन्त्रियों के सामने दिया है – ऐसा कहने पर जब (राजा) ने उन दोनों मन्त्रियों से पूछा, उन्होंने योग के समान वचन कहा। राजा ने उसको सत्य मान निर्णय करके (सबको) लौटा दिया। जब चारों साथ घर लौट आ रहे थे, तब उस दिन के राजा बनकर

* * *

[illegible]

नाग़ाद्खु ख़ान् खोबेगुन् उ देर्गेदेगुर् ग़ार्बाइ। थेरे खेउखेद् थेदेन् इ दागुदाजु आबाछाराबासु। दोर्बेगुले इरेगेद् खेदु खेदुन् थे मोर्गुबेसु। ख़ान् खेउखेन् आसागुरुन्। था याम्बार् उछिर् थाइ याबुखु उलुस् बुइ खेमेन् आसागुरसान् दुर्। थेरे दोर्बेगुले जार्गु यिन् शिल्थाग़ान् इ बुरिद्खेन् आयिलाद्खाग्सान् दुर्। ख़ान् खेउखेन् उगुलेरुन्। थान् उ खाग़ान् उ शिगुग्सेन् इयेर् उलु बोल्खु। बि दाखिजु शिगुये। था बोल्खु बुयु खेमेबेसु। थेरे खेउखेन् ख़ाग़ान् उ छोग़ जालि येखे यिन् थुला। आयुखु मेथु खाग़ान् उ जार्लिग् इयार् बोलुया खेमेबेसु। थेरे खुमुन् इ दोर्बेन् जुग् थुर् सागुल्गाग़ाद्। दोर्बेन् बोगेरुङ्गुइ शिरुइ ओग्बे।
एर्देनि इलेगेबे गेग्छि खुमुन्। आब्छु इरेग्छि खुमुन्। ओग्खु आब्खु यि उजेग्छि खोयार् थुशिमेल् थेइ। था दोर्बेगुले बुल्थु ग़ारछा एर्देनि यि उजेग्सेन् उ थुला। एर्देनि बेन् खेब् खेब् इयेर् शिरुइ बार् खिजु इरेग्थुन् खेमेन् इलेगेग्सेन् दुर्। इलेगेग्छि। आबाछाराग़्छि खोयागुला आदालि खिजु इरेबेइ। उगे जोब्लेग्छि खोयार् थुशिमेल् उजेग्सेन् उगेइ यिन् थुला। निगेन् इनु मोरिन् उ थोलुग़ाइ मेथु एर्देनि गेले खिजु गेबे। निगेन् इनु खोनिन् उ

नाग़ाद्खु–खेलने वाले
ख़ान् खोबेगुन् उ देर्गेदेगुर्–बाल-राजा के सामने से
ग़ार्बाइ–निकले
दागुदाजु आबाछाराबासु–जब बुला लिया
खेदु खेदुन् थे–कई२ बार
मोर्गुबेसु–जब प्रणाम किया
याम्बार उछिर् थाइ–किस कारण युक्त
याबुखु उलुस्–जाने वाले पुरुष
बुइ–है
जार्गु यिन्–अभियोग के
शिल्थाग़ान् इ–कारण अथवा परिणाम को
बुरिद्खेन्–पूर्णरूप से, विस्तार से
आयिलाद्खाग्सान् दुर्–प्रतिवेदन करने पर
उगुलेरुन्–कहा
थान् उ खाग़ान् उ–आप के राजा के
शिगुग्सेन् इयेर्–निर्णीत द्वारा अर्थात् निर्णय से
उलु बोल्खु–नही बनेगा
बि–मैं
दाखिजु–पुन:
शिगुये–निर्णय करूंगा
था बोल्खु–आप सहमत होंगे क्या
खेमेबेसु–जब कहा अर्थात् कहने पर
आयुखु मेथु–भयानक
जार्लिग् इयार्–आदेश से
बोलुया–सहमत होंगे
जुग् थुर्–दिशाओं में
सागुल्गाग़ाद्–बिठा कर
बोगेरुङ्गुइ शिरुइ–मिट्टी की गोलियां
ओग्बे–दीं
एर्देनि इलेगेबे गेग्छि–रत्न भेजा (यह) कहने वाला
आब्छु इरेग्छि–ले आने वाला

ओग्खु –देने
आब्खु यि–लेने को
उजेग्छि–देखने वाले, साक्षी
खोयार्–दोनों
थुशिमेल्–मन्त्री
बुत्थु–सब ने
ग़ारछा–केवल एक
उजेग्सेन् उ थुला–देखे हुए के कारण
एर्देनि बेन्–रत्न को
खेब् खेब् इयेर्–ठीक प्रतिरूप
शिरुइ बार्–मिट्टी से
खिजु इरेग्थुन्–बना कर आइये
खेमेन्–यह कह कर
इलेगेग्मेन् दुर्–भेजने पर
इलेगेग्छि–भेजने वाला
आबाछारारिछ–लाने वाला
खोयागुला–दोनों
आदालि–समान
उगे जोब्लेग्छि–षड्यन्त्रकारी
उजेग्सेन् उगेइ यिन् थुला–न देखे हुए के कारण
निगेन् इनु–इनमें से एक ने
मोरिन् उ थोऊग़ाइ–घोड़े का सिर
गेले–कहा गया
खिजु–बनाकर
गेबे–कहा
खोनिन्–भेड़

खेलने वाले बाल-राजा के सामने से निकले। उसने उनको बुलाया। चारों आए और जब बारम्बार प्रणाम कर चुके तो बाल-राजा ने पूछा–आप किस काम से जा रहे हैं। ऐसा पूछने पर उन चारों ने अभियोग के परिणाम को विस्तार से प्रतिवेदन किया। बाल-राजा बोले–आपके राजा के निर्णय से (काम) नहीं बनेगा। मैं दोबारा निर्णय करूंगा। आप सहमत होंगे क्या? उस बाल-राजा की श्री और माया के अधिक होने के कारण–भयानक राजा के आदेश से हम सहमत होंगे। यह उत्तर देने पर (बाल राजा ने) उन मनुष्यों को चारों दिशाओं में बिठा कर चारों को मिट्टी की गोलियाँ दीं। रत्न भेजा, यह कहने वाला पुरुष, ले आने वाला पुरुष, देने लेने को देखने वाले दोनों मंत्री, आप सब चारों ने केवल एक रत्न को देखा है। इसलिये आप इस मिट्टी से रत्न का ठीक प्रतिरूप बनाकर आइये। यह कह कर उनको भेज दिया।

भेजने और लाने वाले दोनों समान प्रतिरूप बनाकर आ गए। षड्यंत्रकारी दोनों मंत्रियों में से, न देखने के कारण, एक ने कहा–घोड़े के सिर के समान रत्न कहा गया था सो मैंने वैसा ही बना दिया है। दूसरे ने कहा–भेड़ के

थोलुग़ाइ मेथु एर्दैनि गेले बिजु गेबे। दोर्बेगुले यि ग्वाग़ान् उ देगेंदे दाग़ुदाजु इरेगेद्। खान् खेउखेन् जार्लिग् बोलुरुन्। येरु बि इल्लाबासु। इलेगेग्छि खुमुन्। आबाछारारिछ खुमुन् खोयार् निगे एर्दैनि यि उजेग्सेन् उ थुल्ग। खेन् इ निगेन् आदालि खिजुखुइ। था खोयार् थुशिमेल्। उजेग्सेन् उगेइ यिन् थुला। मोरिन् उ थोलुग़ाइ। खोनिन् उ थोलुग़ाइ मेथु एर्दैनि बुइ गेले गेजु खिजुखुइ। थुशिमेद् उन् योसु। खाग़ान् उ थोरु दुर् उनेन् इयेर् थुशिखु एछे ओबेरे। खुदाल् खागुर्माग् इयार् याबुखु थुशिमेल् उगेइ खेमेन् जान्दाजु बारिगुल्बा। बासा योग नेरे थु खुमुन् इ मोन् खु बारिगुल्बा। बारिग़सान् उ खोयिना। खोयार् थुशिमेल् उगुलेरुन्। योग नेरे थु खुमुन् आमिन् ग़ारुया खेमेन् गुयुग़सान उ थुला। खुदाल् इयार् गरेछि बोल्गुग़सान् बिले खेमेबे। योग नेरे थु खुमुन्। एर्दैनि यि एमे खेउखद् थुर् आग्गुग्सेन् उगेइ। बि ओबेर् इयेन् खुदाल्दुजु इदेग्मेन् उनेन् खेमेमुइ। थेरे उलुस् इ छोम् थोदोर्खाइ बिछिग्लेगेद्। खुदाल् इयार् गेरेछिलेग्छि खोयार् थुशिमेल्। एर्दैनि आबुग़िछ गुर्बान् खुमुन् इ बारिग़ाद् आराजि बोजि खाग़ान् दुर् आयिलाद्खाना खेमेन् एयिन् खु जाखिजु

दाग़ुदाजु–बुला कर
इरेगेद्–आ गये
जार्लिग् बोल्गुरुन्–आदेश दिया अर्थात् कहा
बि इल्ग़ाबासु–यदि मैं विवेचन करूं
खेब् इ–प्रतिरूप को
निगेन् आदालि–एकसमान
खिजुखुइ–बनाया है
एर्दैनि बुइ–रत्न है
गेले–(ऐसे) कहे (को)
गेजु–कह कर
थुशिमेद् उन् योसु–मन्त्रियों का नियम (है)
थोरु दुर्–शासन में
उनेन् इयेर्–सत्य से
थुशिखु एछे–सहारे से
ओबेरे–भिन्न
खुदाल्–असत्य
खागुर्माग् इयार्–धोखे से
याबुखु–काम करने वाला
जान्दाजु–डाँट कर
बारिगुल्बा–पकड़वा दिया
बासा–फिर
मोन् खु–उसी प्रकार
बारिग़सान् उ खोयिना–पकड़े जाने के पश्चात्
आमिन् ग़ारुया–मेरे प्राण निकल जाएंगे
गुयुग़सान् उ थुला–प्रार्थना करने के कारण
गेरेछि–साक्षी
बोलुग़सान् बिले खेमेबे–बन गए यह कहा
ओबेर् इयेन्–स्वयं से अर्थात् स्वयं
खेमेमुइ–कहता हूँ
छोम्–सब, पूर्णरूप से
थोदोर्खाइ–स्पष्ट
बिछिग्लेगेद्–लिखवा कर
गेरेछिलेग्छि–साक्ष्य देने

आबुग़िछ–लेने वाले

गुर्बान्–तीनों

बारिग़ाद्–पकड़ लिया

आराजि बोजि ख़ाग़ान् दुर्–राजा भोज के पास

आयिलाद्ख़ाना–में प्रतिवेदन करूँगा

एयिन् ख़ु–यही (निम्नलिखित)

जाखिजु–उपदेश देकर, कह कर

सिर के समान रत्न कहा गया था सो मैं ने वैसा बना दिया है। चारों को राजा के सामने बुलाया गया और वे आ गये। बाल-राजा ने कहा–यदि मैं सामान्य रूप से विवेचन करूं तो भेजने वाले और लाने वाले दोनों पुरुषों ने एक ही रत्न को देखा है और इसलिये प्रतिरूप भी एकसमान बनाया है। आप दोनों मंत्रियों ने रत्न को नहीं देखा और इसलिये घोड़े के सिर के समान तथा भेड़ के सिर के समान जैसा भी सुना था वैसा रत्न बनाया है। मंत्रियों का नियम है कि राजा के शासन में सत्य के सहारे से भिन्न असत्य और धोखे से काम करनेवाला मंत्री नहीं (होता)–इस प्रकार डांट कर (उनको) पकड़वा दिया। फिर उसी प्रकार योग नामक व्यक्ति को पकड़वा दिया। पकड़े जाने के पश्चात् दोनों मन्त्री बोले–योग नामक व्यक्ति ने प्रार्थना की थी–मेरे प्राण निकल जाएंगे इति। इस कारण असत्य साक्षी बन गये इति। योग नामक पुरुष ने कहा–मैं ने रत्न स्त्री बच्चों को नहीं दिया। मैं ने स्वयं बेच कर खा लिया–सच कहता हूं। (बाल-राजा ने) इन लोगों से (यह) सब स्पष्ट लिखवा लिया। (और) असत्य साक्ष्य देने वाले दोनों मन्त्रियों और रत्न लेने वाले, इन तीनों पुरुषों को पकड़ लिया। राजा भोज के पास प्रतिवेदन करूंगा यह कह कर (राजा भोज के लिये) निम्नलिखित उपदेश दे कर

इलेगेबे । थोरु शाशिन् खोयार् इ बारिसान् खाग़ान् दुर् एयिमु योमु उगेइ । येखे बाग़ा खेरेग् उन् याबुदाल् इ थोदोर्खाइ इल्याल् उगेइ । उनेन् खुदाल् खोयार् इ जोखिजु मेदेल् उगेइ शिगुबेमु । बेये खिगेद् । सुनेसुन् इ छिनु याबुदाल् जोखिस् उगेइ बोल्खु यिन् थुला । खाग़ान् बोल्खु यि बायिखुला जोखिस् थाइ बुइ जा । खाग़ान् बोलुया गेखुले नादा लुग़ा आदालि निरथालान् शिगुबेसु जोखिखु खेमेन् बिछिग् इलेगेबे । खाग़ान् बिछिग् इ उजेगेद् । एने यागुन् जिग् थु उखाग़ान् थु यागुमा बिले । निगन् खेउखेद् एदुर् बुरि एयिमु बोल्खु बोल्बा गेम् बोदिसदुअ बुर्खान् मेथु सानाया । एदुर् बुरि बुसु खेउखेद् सागुबासु । मोन् आदालि बायिनाम् । एने इनु उजेबेसु । थेरे दोबुछाग् थोलुग़ाइ यिन् दोथोरा । बुर्खान् बोदिमदुअ आमिथान् दुर् नोम् नोम्लारसान् ओगेन् बोल्बाउ । एमेबेसु खुमुन् उ उखाग़ान् इ थोरोगुलुग्छि एर्देनि बुइ बोल्बाउ । थेरे थोङ जुगेर् ग़ाजार् बुसु खेमेगेद् । मोन् थेरे एदुर् एछे खान् खेउखेन् उ शिगुसेन् योमुग़ार् इल्याजु बाराबाइ । आराजि बोजि खाग़ान् उ निगेन् थुशिमेल् उन् गारछा खोबेगुन् बुलुगे । थेरे खोबेगुन् इनु छेरिग् थु मोर्दोजु । खोयार् जिल् बोल्जु बागुजु इरेबे ।

इलेगेबे–भेज दिया
थोरु–शासन
शाशिन्–धर्म
बारिसान्–धारण किये हुए
खाग़ान् दुर्–राजा के लिये
एयिमु योमु उगेइ–यह विधि नहीं
बाग़ा–छोटी
खेरेग् उन् याबुदाल् इ–बातों की चर्या को अर्थात् घटनाओं को
इल्याल्–विशेष, भेद
उगेइ–बिना
जोखिजु–विवेचन करके
मेदेल् उगेइ–समझे बिना, जाने बिना
शिगुबेमु–यदि निर्णय करेंगे
बेये–शरीर, अथवा इस जन्म में
सुनेसुन् इ–आत्मा अथवा जन्मान्तर में
छिनु–तुम्हारे
जोखिस् उगेइ–अयुक्त
बोल्खु यिन् थुला–होने के कारण
खाग़ान् बोल्खु यि–राजा रहने को
बायिखुला–छोड़ना
जोखिस् थाइ–उचित
बुइ जा–होगा ही
बोलुया गेखुले–रहना चाहते हो
नादा लुग़ा आदालि–मेरे समान
निरथाल्रान्–सावधानी करके
शिगुबेसु–यदि निर्णय करोगे
खेमन् बिछिग्–यह पत्र
उजेगेद्–देख कर
यागुन्–कितना
जिग् थु–आश्चर्यजनक
उखाग़ान् थु–विद्यावान्, बुद्धिमान्, तर्कशील
यागुमा–वस्तु (व्यक्ति, घटना)
बिले–है

एयिमु–इस प्रकार
बोल्खु बोल्बा–व्यवहार करता
गेम्–कहते
बुर्खान्–बुद्ध
सानाया–हम मान लेंगे
सागुबासु–जब बैठते है
मोन् आदालि–उसी के समान
बायिनाम्–होता है
दोथोरा–अन्दर
नोम्–धर्म
नोम्लाग़सान्–उपदेश किए हुए (का)
ओरोन्–स्थान
बोल्बाउ–हैं क्या (उ)
एसेबेसु–यदि नही
उखागान् इ–बुद्धि को
थोरोगुलुग्छि–जन्म देने वाला
बुइ बोल्बाउ–है क्या
थोङ जुगेर्–सर्वथा साधारण
ग़ाजार्–स्थान
बुसु–नहीं
खेमेगेद्–कह कर
मोन् थेरे–उसी
एदुर् एछे–दिन से
शिगुग्सेन् योसुग़ार्–निर्णयानुसार
इल्गाजु–विवेचन करके
बाराबाइ–निर्णय करने लगा
छेरिग्–सेना
छेरिग् थु–सेना वाला अर्थात् युद्ध
मोर्दोजु–प्रस्थान करके
जिल्–वर्ष
बोल्जु–हो कर
बागुजु–घर लौट कर

चलता किया। "शासन और धर्म दोनों को धारण करने वाले राजा के लिये यह विधि नहीं। बड़ी और छोटी घटनाओं में स्पष्ट भेद (किये) बिना, सत्य और असत्य दोनों को विवेचन पूर्वक जाने बिना, यदि आप निर्णय करेंगे तो इस जन्म तथा जन्मान्तर में आपके चरित अयुक्त हो जाएंगे। अतः राजा बने रहने को छोड़ना ही उचित होगा। यदि राजा बने रहना चाहते हो, तो यदि मेरे समान सावधानी करके निर्णय करोगे तो युक्त होगा।" यह पत्र भेज दिया। राजा ने पत्र देख कर कहा–यह कितना आश्चर्यजनक बुद्धिमान् व्यक्ति है। यदि एक (अर्थात् वेही) बच्चे प्रतिदिन इस प्रकार व्यवहार करते तो कहते–बोधिसत्व (अथवा) बुद्ध के समान हम मान लेंगे। किन्तु जब प्रतिदिन और २ बच्चे बैठते हैं (तब भी) उसी के समान होता है। जब इस को देखते (विचारते) हैं (तो) क्या उस छोटे से टीले के अन्दर, बुद्ध (अथवा) बोधिसत्त्व के प्राणियों को धर्मोपदेश किये हुए का स्थान है। यदि नहीं तो पुरुष की बुद्धि को जन्म देने वाला रत्न है क्या। यह सर्वथा साधारण स्थान नहीं है। इति।

उसी दिन से (राजा भोज) बाल-राजा के निर्णयानुसार विवेचन करके निर्णय करने लगा॥

राजा भोज के एक मन्त्री का इकलौता पुत्र था। वह पुत्र युद्ध में चला गया। दो वर्ष होने पर घर लौटा।

थेरे थुशिमेल् ग़ागछा खो़बेगुन् इयेन् छेरिग् एछे बागुबा खेमेन् । बायार् उन् खुरिम् खिजु सागुथाला । बासा निगेन् आदालि खो़बेगुन् इरेबे । उरिदा इरेग्सेन् खो़बेगुन् । ख़ोजिम् इरेग्सेन् खो़बेगुन् खोयागुला यिन् जिसु ओङ्गे खेब् । उनुग़सान् मोरि । एमुसुग्सेन् देबेल् । आग़साग़सान् सागादाग् । खेलेखु आयाल्गु आब् आलि आदालिखान् थुला । एछिगे एखे एमे खो़बेगुन् आखा देगू बुगुदेगेर् इल्गान् एसे थानिबासु बार् । इरेग्छि ख़ोयार् खो़बेगुन् । एछिगे एखे एमे खो़बेगुन् मिनुखि मिनुखि खेमेन् खेरेल्दुगेद् । खाग़ान् दुर् जाग़ाल्दुरा ओदुग़सान् दुर् । खाग़ान् थानिन् एसे छिदाग़सान् दुर् । एछिगे एखे एमे खेउखेन् इ इनु दागुदाजु । आलिन् आनु थान् उ खो़बेगुन् बुइ । एमे एछे आलि आनु छिनु एरे बुइ खेमेबेसु । इल्ग़ान् थानिखु उगेइ । ख़ोयागुला बुरि आदालि खेमेग्सेन् दुर् । खागान् छोम् इ ग़ार्ग़ाग़ाद् । ख़ोयार् खो़बेगुन् इ निगे निगे बेर् ओरोगुलुन् एलुङछेग् खोञाङछग् । एद्रुगे एछिगे एछे इनाग़िश । एद्रुगे बोल्थाला ओरोजु ग़ार्छु याबुग़सान् उछिर् शिल्थाग़ान् इ निगे निगे बेर् ोग़ालान् आसागुबासु । निगे इनु शिम्नुम् आछा एन्देरेगुल्जु खुबिलुग़सान् खो़बेगुन् उ थुला । एलुङछेग् एछे इनाग़िश एद्रुगे

बागुबा–घर लौटा है

खेमेन्–इति

बायार् उन् खुरिम्–प्रसन्नता का उत्सव

खिजु सागुथाला–करने बैठने तक,
अर्थात् करने बठे थे कि

बासा–पुनः अर्थात् एक और

निगेन् आदालि–(उसी के) एकसमान
अर्थात् सदृश

उरिदा–पूर्व

ख़ोजिम्–पश्चात्, पीछे

जिसु–रंग

ओङ्गे–रूप

खेब्–मूर्ति

उनुग़सान् मोरि–आरूढ अश्व अर्थात्
सवारी का घोड़ा

एमुसुग्सेन्–पहिने हुए

देबेल–कपडे

आग़साग़सान्–लटके हुए

सागादाग्–धनुष-तूणीर

खेलेखु–बातचीत

आयाल्गु–स्वर

आब् आलि–सब कुछ

आदालिखान् थुला–समान होने के
कारण

एछिगे एखे–पिता माता

एमे–स्त्री

आखा देगू–बड़े भाई, छोटे भाई,
अथवा भाई बहन

बुगुदेगेर्–सब के सब

इल्ग़ान्–भेद करके

एसे थानिबासु बार्–जब न जान पाए

इरेग्छि–आने वाले

मिनुखि–मदीय, मेरे

खेरेल्दुगेद्–झगड़ा करके

जाग़ाल्दुरा–न्याय के लिए

ओदुग़सान् दुर्–पहुंचने पर

थानिन्–जानने

एसे छिदाग़सान् दुर्–अशक्त होने पर

आलिन् आनु–इनमें से कौनसा

थान् उ–आपका

बुइ–है

छिन् उ–तुम्हारा

एरे–पति

बुरि–पूर्णरूप से, सर्वथा

छोम् इ–सब को

ग़ार्ग़ाग़ाद्–निकाल कर

निगे निगे बेर्–एक २ करके, अलग २

ओरोग़ुलुन्–प्रवेश करा कर अर्थात् बुला कर

एलुङछेग्–वृद्ध प्रपितामह

खोलाङछेग्–प्रपितामह

एबुगे एछिगे एछे इनाग़िश–वृद्ध पिता अर्थात् पितामह से इस ओर

एदुगे बोल्थाला–वर्तमान हुए तक

ओरोजु–प्रवेश करके

ग़ार्छु–निकल कर

याबुग़सान्–किये हुए, चरित

उछिर्–कारण, परिस्थिति

शिल्थाग़ान् इ–परिणाम को

निगे निगे बेर् थोग़ालान्–एक २ गिन कर

आसाग़ुबासु–जब पूछा

शिम्नुस् आछा–भूत से

एन्देरेगुल्जु–धोखा देकर, धोखे से

खुबिलुग़सान्–परिवर्तित

वह मन्त्री–अपना इकलौता बेटा युद्ध से घर लौटा है–इस प्रसन्नता का उत्सव करने लगा ही था कि एक और उसी के सदृश लड़का आ पहुंचा। पहले और पीछे आए हुए दोनों लड़कों के रंग, रूप, मूर्ति, सवारी के घोड़े, पहिने हुए कपड़े, लटके हुए धनुष–तूणीर, बातचीत के स्वर, सब कुछ एकसमान थे। अतः पिता माता, स्त्री बच्चे, भाई बहन–जब सभी भेद न जान पाए, तब आए हुए दोनों लड़के झगड़ा करने लगे–पिता माता, स्त्री पुत्र मेरे हैं मेरे हैं। और न्याय के लिये राजा के पास पहुंचे। राजा जान न सका, तब इनके पिता माता, स्त्री बच्चों को बुला कर पूछा। (पिता माता से पूछा) इनमें से कौनसा आपका पुत्र है। स्त्री से पूछा–इनमें से कौनसा तुम्हारा पति है। "हम भेद नहीं जान पाए हैं। दोनों सर्वथा समान हैं।" यह कहने पर राजा ने सबको बाहर कर दिया और दोनों लड़कों को अलग २ बुला कर वृद्ध प्रपितामह, प्रपितामह, और पितामह से लेकर वर्तमान तक प्रवेश और निकल कर किये हुए, कारण और परिणाम को एक २ गिन कर पूछा। इनमें से एक धोखा करके भूत से लड़के में परिवर्तित हो गया था। इस कारण वृद्ध प्रपितामह से लेकर वर्तमान

खुर्थेले याबुदाल् इयान् एन्देगुरेल् उगेइ थोग़ालाबाइ । छुखुम् खोबेगुन् इनु एबुगे एछिगे एछे इनाशि़श यि मेदेगेद् । एलुङछेग् इ एसे मेदेग्सेन् उ थुल। । एछिगे एखे एमे खोबेगुन् इ मान् खेमेन् ओग्बे । खोबेगुन् दुर् जार्गु ओग्बे । शिम्नुस् उन् खोबेगुन् बायासुन् ग़ार्छु याबुथाला । छुखुम् खोबेगुन् इनु एछिगे एखे एमे खोबेगुन् इयेन् शिम्नुस् दुर् आब्थाग़ाद् । आजु थोरोखु ग़ाजार् आ एसे ओलुग़ाद् । एछिगे एखे एमे खोबेगुन् इयेन् दाग़ाजु उयिलान् याबुथाला । नाग़ादुग़िछ खान् खेउखेन् उजेगेद् । था यागुन् दु एरे एमे येखे बाग़ा यागुन् इ बुलियाल्दुग़्मान् बुइ खेमेन् आसागुग़्सान् दुर् । बुगुदेगेर् छोग़् जालि आछा आयुग़ाद् सोगुद्दुन् मोर्गुजु । उछिर् शिल्थाग़ान् याबुदाल् इयान् खोयार् खोबेगुन् सोगुद्दुन् आयिल्लाद्खाग़्सान् दुर् खान् खेउखेन् जार्लिंग् बोलोरुन् । आराजि बोजि खाग़ान् उ शिगुग्सेन् इयेर् उलु बोलुमुइ । बि एब्देजु शिगुमुइ खेमेग्सेन् दुर् । येखे खाग़ान् उ जार्लिंग् इयार् बोलुया खेमेगेद् मोर्गबेइ । खेउखेन् खान् एमुने बेन् थाल्बिग़्सान् खोम्खान् इ बारिग़ाद् । था खोयार् खोबेगुन् उ । मान् थान् उ । एने खोम्खान् दुर् बाग़्थाजु ओरोबामु । एमे खोबेगुन् इ थान् इ ओगुनेम् । एमे बाग़्थाग़्सान् थान् इ बायिथुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । छुखुम् खोबेगुन् उ बेये बायिगुगाइ । खुरुगुन् इनु एसे बाग़्थानाइ ।

खुर्थेले–तक

एन्देगुरेल् उगेइ–बिना त्रुटि

थोग़ालाबाइ–गिना दिये

छुखुम्–वास्तविक

मान् खेमेन्–वास्तविक कह कर

जार्गु ओग्बे–निर्णय दिया

बायासुन्–प्रसन्न हो कर

याबुथाला–जाने तक

आब्थाग़ाद्–लिये जाने पर

आजु थोरोखु–आजीविका के लिये

ओलुग़ाद्–पा कर

दाग़ाजु–अनुसरण करके, पीछे २

उयिलान्–रोते हुए

यागुन् दु–किस बात के लिये

एरे एमे–पुरुष स्त्री

येखे बाग़ा–बड़े छोटे

बुलियाल्दुग़्मान् बुइ–लड़ रहे हो

जार्लिंग् बोलोरुन्–आदेश दिया, कहा

एब्देजु–नष्ट करके, हटा कर

एमुने बेन्–अपने (बेन्) सामने

थाल्बिग़्सान्–रखे हुए

खोम्खान् इ–कलश को

बारिग़ाद्–ले कर

मान् थान् उ–आपमें से उसी को

बाग़्थाजु ओरोबामु–जो छोटा बन कर प्रवेश करेगा

ओगुनेम्–दूगा

बायिथुगाइ–रहना पड़ेगा

खुरुगुन्–अंगुलि

तक बिना त्रुटि के (सब) चरित गिना दिये। वास्तविक पुत्र पितामह से इधर तक (ही) जानता था। वृद्ध प्रपितामह को न जानता था। अतः (भूत से परिवर्तित लड़के को) वास्तविक कह कर पिता माता, स्त्री बच्चे को सौंप दिया। लड़के के सम्बन्ध में इस प्रकार निश्चय देने पर भूत का लड़का प्रसन्न हो कर बाहर निकला और वास्तविक पुत्र अपने पिता माता, स्त्री बच्चे को भूत के हाथ में खो कर, और आजीविका के लिये स्थान न पा कर, अपने पिता माता, स्त्री बच्चे के पीछे २ रोते हुए चलने लगा। तब खेलने वाले बाल-राजा ने देखा और पूछा—आप पुरुष और स्त्री, बड़े और छोटे, किस लिये और क्यों लड़ रहे हो। सब ने (उसकी) श्री और माया से डर कर घुटनों क बल बैठ कर नमस्कार किया। दोनों लड़कों ने घुटने टेक कर अपने हेतु, परिणाम तथा चरित का प्रतिवेदन किया। तिस पर बाल-राजा ने कहा—राजा भोज के निर्णय से (काम) नहीं बनेगा। मैं (उस निर्णय को) हटा कर (दोबारा) निर्णय दूंगा। इस पर—"(हम) महाराज के आदेश को मानेंगे, यह कह कर (लड़कों ने) नमस्कार किया। बाल-राजा ने सामने रखे हुए कलश को हाथ में ले कर कहा—आप दोनों लड़कों में से, जो इस कलश के अन्दर छोटा बन कर घुस जाएगा, उसी को स्त्री तथा बच्चा दूगा। जो छोटा न हो सकेगा उसको रहना पड़ेगा अर्थात् कुछ न मिलेगा। इति। वास्तविक लड़के का शरीर तो रहा, उसकी अंगुलि भी प्रवेश न कर सकी।

नोगुगे खोबेगुन् इनु । शिम्नुस् बुखुइ यिन् थुला । जालि यिन् बेये बेर् खुबिलुग़ाद् ओरोबाइ । थेरे नाग़ादुग़िछ खान् खोबेगुन् । ञ्छिर् इयार् आम्सार् इ दारुग़ाद् । आराजि बोजि ख़ाग़ान् दुर् थेरे शिम्नुस् इ एल्देन् बार्खिरागुलुग़सागार् इलेगेबेइ । दाखिन् एयिन् जाखिरुन् । आराजि बोजि ख़ाग़ान् छि थोरु शाशिन् बारिग़सान् येखे ख़ाग़ान् गेग्छि छिनु एने बुयु । ओबेर् उन् आल्बा थु युग़ान् एमे उुरे यि शिम्नुस् थु ओग्गुगेद् । आल्बा थु युग़ान् खोगेग्छि छिनु जोब् बुयु । याम्बार् ख़ाग़ान् बोल्खुला । नादा लुग़ा आदालि निग़थालाजु इल्ग़ा । छिदाल् उुगंइ बुगेसु । आमिथान् उ इल्ग़ाल् इ उुलु मेदेन् । उलुस् इ जोबाग़ाजु । ख़ाग़ान् बोल्खु खेरेग् उुगेइ खेमेन् जाखिजु इलेगेग्सेन् दुर् । आराजि बोजि ख़ाग़ान् । थेरे शिम्नुस् इ थुइमेर्थेजु आलाग़ाद् । छुखुम् खोबेगुन् दुर् नेयिलेगुलुगेद् । थेरे खेउुखेन् इ माशि ग़ायिखाजु । एने यागुथाइ जिग् थु खेउुखेन् बिले ग़ाग़छा खेउुखेन् एयिमु उख़ाग़ान् थु बोल्ख़ुला । बर्खान् बोदिसदुअ खेमेजु । खेउुखेद् बुरि उरुल्दुग़ाद् आलि ग़ारुग़सान् आनु । छेछेन् मेर्गेन् उख़ाग़ान् थु बोल्खु आजुगु । एगुन् इ शिजिलेबेसु । खेउुखेद् उुन् उख़ाग़ान् बुसु । दोबुछाग् थोलुगाइ यिन् उछिर् बुइ जा खेमेगेद् सायिद् । थुशिमेद् इयान् दागागुल्जु ओगेदे बोलुग़ाद् । थेरे खेउुखेद् खान् बांरुन् नाग़ादुग़िछ

नोगुगे–दूसरा
बुखुइ यिन् थुला–होने के कारण
जालि यिन् बेये बेर्–माया के शरीर द्वारा
खुबिलुग़ाद्–परिवर्तन कर
ञ्छिर् इयार्–वज्र द्वारा
आम्सार् इ दारुगाद्–मुंह बन्द कर दिया
एल्देन्–मारपीट कर, गत बना कर, रगड़ कर, मलाई करके (चमड़ा कमा कर)
दाखिन्–पुनः, फिर
एयिन्–एवं
जाखिरुन्–आदेश दिया
गेग्छि–कहलाने वाले
ओबेर् उन्–स्वयं की
युग़ान्–अपनी
खोगेग्छि–भगा देने वाले
छिनु–तुम्हारा, तुम्हारे लिये

जोब् बुयु–ठीक है क्या
निग़थालाजु–सावधानी करके
इल्ग़ा–विवेचन करो, निर्णय करो
छिदाल्–शक्ति, सामर्थ्य
आमिथान् उ इल्ग़ाल् इ–प्राणियों के भेद को
उुलु मेदेन्–न जान कर
जोबाग़ाजु–दुःख देते हुए
खेरेग्–आवश्यक
थुइमेर्थेजु–जला कर
आलाग़ाद्–मार डाला
नेयिलेगुलुगेद्–परिवार से मिला दिया
माशि ग़ायिखाजु–बहुत चकित हुए
यागुथाइ जिग् थु–कैसा आश्चर्यजनक
छेछेन्–चतुर
मेर्गेन्–पंडित
एगुन् इ–इस (बात) को

शिजिलेबेसु—यदि अन्वेषण करें	ले कर
खेमेगेद्—यह कह कर	ओगेदे बोलुग़ाद्—ऊपर पहुंच गया,
दाग़ागुल्जु—अनुसरण करा कर अर्थात् साथ	ऊपर चढ़ गया

इनमें से दूसरे लड़के ने, भूत होने के कारण माया-शरीर परिवर्तन कर (कलश में) प्रवेश कर लिया। उस खेलने वाले बाल-राजा ने वज्र द्वारा (कलश का) मुंह बंद कर दिया। और मार पीट से चिल्लाते दहाड़ते हुए भूत को राजा भोज के पास भेज दिया। (और) पुनः यह आदेश दिया – हे राजा भोज, तुम शासन तथा धर्म के धारण करने वाले महाराजा कहलाने वाले, क्या ऐसे हो कि स्वयं अपनी प्रजा के स्त्री बच्चे को भूत को दे कर अपनी प्रजा को भगा देने वाले बन गए हो। यह तुम्हारे लिये ठीक है क्या। कैसे राजा हो। मेरे समान सावधानी करके निर्णय करो। यदि सामर्थ्य नहीं है तो प्राणियों के भेद को न जान कर लोगों को दुःख देते हुए राजा बने रहना आवश्यक नहीं – यह आदेश भेजा

राजा भोज ने उस भूत को जला कर मार डाला। और वास्तविक पुत्र को (परिवार से) मिला दिया। उस बाल-राजा के सम्बन्ध में राजा भोज बहुत चकित हुए – यह कैसा आश्चर्य-जनक बालक है। यदि एक ही बालक ऐसा बुद्धिमान् होता तो उसको बुद्ध बोधिसत्व कहते। बच्चों में से जो भी दौड कर आगे निकलता है वही चतुर, पंडित तथा बुद्धिमान् हो जाता है। यदि इस बात का अन्वेषण करें तो यह बच्चों की बुद्धि नहीं (किन्तु) छोटे से टीले का ही परिणाम है – यह कह कर (राजा भोज) अपने सामन्तों और मन्त्रियों को साथ ले कर (टीले के) ऊपर चढ़ गया। जहां वे बच्चे राजा बन कर खेलते थे,

दोबुछाग् थोलुगाइ यि एब्देखुले दूरा आछा निगेन् आल्थान् शिरेगे गार्वाइ । थेरे शिरेगेन् उ गुछिन् खोयार् गिस्खेगुर् थुर् आनु । गुछिन् खोयार् मोदुन् खुमुन् इ निजिगेद् खादागसान् आजुगु । खागान् उजेगेद् माशि बायास्छु । शिरेगेन् इ ओबेर् उन् खोथान् दुर् इयान् जालागाद् । ओलान् खुम्राग् उद् इयार् छाङ खेङ्गेर्गे देलेद्खुइ खिगेद् । बिलेर् बिशिगूर् थाथागुल्जु । ओल्जेइ खुथुग् ओरुशिगुलुन् । एदुर् उन् सायिन् इ सोङगुगुल्जु । ओबेर् उन् बेये देगेन् जायागा थाइ शिरेगेन् ओल्बा खेमेन् सागुया गेजु गार्थाला । गिस्खेगूर् थुर् खादागसान् मोदुन् खुमुन् । खोयिथु आनु खोर्मोइ आछा थाथागाद् । उरिदु मोदुन् खुमुन् इनु एब्छिगुन् एछे थुल्खिगेद् येखेदे इनियेबेइ । खागान् आयुजु गेदेर्गु बेन् उखुरागाद् । एने यागुन् जिग् थु मोदुन् इयार् खिग्सेन् खुमुन् । निगेन् इनु एमुनेछे थुल्खिजु । निगेन् इनु खोयिनाछा थाथागाद् इनियेदेग् बिले खेमेखुइ दुर् । निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेरुन् । आराजि बोजि खागान् बायिजा । छि । एने शिरेगेन् देगेरे सागुन् उलु छिदाखु । एने शिरेगे गेग्छि । एर्थे उरिदु छाग् थु ।

खागान् खोर्मुस्दा यिन् सागुग्मान् शिरेगे बुलुगे । थेगून् उ खोयिना

बिर्कामिजिद् खागान् सागुग्मान् शिरेगे बुलुगे । थेयिमु यिन् थुला । आमि बेये बेन् उलु खायिरालाखु बोल्खुला सागु । उगेइ बोल्खुला वायिथुगाइ । बांग्दा बिर्कामिजिद् खागान् मेथु बोल्खला सागु । बुमु बोल्खुला सागुखु उलु बोल्खु खेमेन् थेयिन् उगुलेग्सेन् दुर् । खागान् खिगेद् खामुग् बुगुदेगेर् मांगुदछु मोर्गग्सेन् दुर् । निगेन् मोदुन् खुमुन् एयिन् उगुलेबेइ । खागान् एखिलेर् बुगुदेगेर् बू आयुरयुन् । बि थेदुइ एर्थ उरिदु बोग्दा बिर्कामिजिद् खागान् उ याबुग्मान् याबुदाल् इ उगलेमुगेइ खेमेग्सेन् ।

एब्देखुले—खोदा, खोद कर देखा

दूरा आछा—अन्दर से

आल्थान् शिरेगे—सुवर्ण-सिंहासन

गुछिन् खोयार्—तीस दो (३२)

गिस्खेगुर् थुर्—पायों पर

मोदुन् खुमुन्—काष्ठ पुरुष अर्थात् पुतलियां

निजिगेद्—एक २ करके

खादाग्सान् आजुगु—जड़ी हुई थीं

ओबेर् उन् खोथान् दुर् इयान्—अपने दुर्ग में

जालागाद्—प्रतिष्ठापित किया

खुम्राग् उद् इयार्—मंत्रों द्वारा

छाङ खेङ्गेर्गे—झांझ और भेरी

देलेद्खुइ—वादन

बिलेर् बिशिगूर् (बिस्खिगुर्)—बांसुरी और तुरई

थाथागुल्जु—बजवाई

ओल्जेइ खुथुग्—मंगल

ओरुशिगुलुन्—प्रतिष्ठान कराया

सायिन्—शुभ

सोङगुगुल्जु—निकलवाया, छंटवाया

जायागा थाइ—सौभाग्यमय

ओल्बा—प्राप्त किया है, मिला है

सागुया–मैं बैठूं
गंजु ग़ार्थाला–कह कर बैठने ही लगा था कि
ख़ोयिथु आनु–इसके पीछे वाली
ख़ोर्मोइ आछा–पल्ले से
थाथाग़ाद्–खींचा
उरिदु–सामने वाली
एब्छिगुन् एछे–छाती से, सामने से
थुल्खिगेद्–धक्का दे कर
येखेदे–बहुत
इनियेबेइ–हंसी
आयुजु–डर कर
गेदेर्गु बेन् उखुरागाद्–पीछे हट गया
मोदुन् इयार्–लकड़ी से
खिग्सेन्–बनी
खमन्–पुरुष अर्थात् पुतली
इनिग्रेदेग् बिले–हंसने वाली है, हंसती हैं
बायिजा–ठहरो
शिरेगे गेग्छि–सिहासन नामवाला अर्थात्
सिंहासन
छाग् थु–काल में
ख़ोर्मुस्दा–शतक्रतु ।
Walter Eugene Clark की पुस्तक Two Lamaistic Pantheons, 1937, में ख़ोर्मुस्दा का संस्कृत प्रतिशब्द शतक्रतु आया है ।
आमि–प्राण
उल्नु ख़ायिरालाखु बोल्खुला–यदि मोह नहीं है तो
उगेइ बोल्खुला–यदि (यह बात) नहीं है तो
बायिथुग़ाइ–रहने दो
बोग्दा–पुण्यवान्, पवित्र, महात्मा
सागुखु–बैठना
एखिलेन्–आरम्भ करके, आदि
बुगुदेगेर्–सब के सब
बू आयुग़थुन्–मत डरो
थेदुइ–अभी
याबुग़सान् याबुदाल् इ–किये हुए कामों को

(वहां) उस छोटे से टीले को खोद कर देखा । अन्दर से एक सुवर्ण-सिंहासन निकला । उस सिंहासन के ३२ पायों पर ३२ पुतलियां एक २ करके जड़ी हुईं थीं । राजा देखकर अत्यन्त प्रसन्न हुआ । सिंहासन को अपने दुर्ग में प्रतिष्ठापित किया । बहुत से संघों द्वारा झांझ और भेरी वादन कराया । बांसुरी तथा तुरइयां बजवाईं । मंगल प्रतिष्ठान कराया । शुभ दिन निकलवाया । अपने शरीर के लिये अर्थात् अपने लिये सौभाग्यमय सिंहासन मिला है सो मैं बैठूं–यह कह कर (राजा) बैठने ही लगा था कि पाये पर जड़ी पुतली ने पीछे पल्ले से खींचा और सामने वाली पुतली सामने से धक्का दे कर बहुत हंसी । राजा डर कर पीछे हट गया । "यह कितनी आश्चर्यजनक लकड़ी से बनी पुतलियां हैं । इनमें से एक ने सामने से धक्का दिया, एक ने पीछे से खींचा और हंसती है ।"–ऐसा कहने पर एक पुतली बोली–राजा भोज, ठहरो । तुम इस सिंहासन पर न बैठ सकोगे । यह सिंहासन प्राचीन काल में राजा शतक्रतु के बैठने का सिंहासन था । उसके पश्चात् राजा विक्रमादित्य के बैठने का सिंहासन था । अत: यदि अपने प्राण और शरीर से मोह नहीं तो (इस सिंहासन पर) बैठो । नहीं तो रहने दो । यदि महात्मा विक्रमादित्य राजा के समान हो तो बैठो । यदि नहीं हो तो (तुम्हारा) बैठना न होगा ।"

इस प्रकार कहने पर राजा तथा अन्य सबने घुटने टेके और नमस्कार किया। एक पुतली बोली—राजा आदि सब जन, मत डरो। मैं अभी प्राचीन काल में महात्मा विक्रमादित्य राजा के किये हुए कामों को बतलाऊंगी ॥

* * *

निगेदुगेर् बोलुग्

एर्थे उरिदु छाग् थुर् । ग़ुङदर्व नेरे थु येखे ख़ाग़ान् वुलुगे । ग़लिङदर् नेरे थु येखे ख़ाग़ान् उ उजेस्खुलेङ थु ग़ूआ ओखिन् इ आबुग़ाद् । यिर्थिञ्छु यिन् शाशिन् थोरु यि बाथुलान् बारिग़ाद् सागुथाला । उरे उगेइ यिन् थुला । बुर्ख़ान् थ्ङि यि जाल्बारिन् । सेद्खिल् इयेन् जोबाजु याबुखुइ दुर् । उजेस्खुलेङ ग़ूआ ख़ाथुन् । ख़ाग़ान् दाग़ान् आयिल्गाद्ख़ाबाइ । ख़ाग़ान् मिनु उरे उगेइ यिन् थुला । सेद्खिल् इयेन् जोबाजु याबुख़ारा । निगेन् ख़ाथुन् आबुसाइ उरे थेइ बोल्खु छु बुइ जा खेमेखुइ दुर् । ख़ाग़ान् जोब्शियेंगेद् । आल्बा थु आछा सोङग़ुजु निगेन् सायिन् ओखिन् इ आबुबाइ । थेरे ख़ाराछु ख़ाथुन् उदाल् उगेइ निगेन् खोबेगुन् थोरोबेइ । उरे थु ख़ाथुन् दाग़ान् ख़ाग़ान् माशि इनाग् बोलुग़सान् उ थुला । उजेस्खुलेङ थु ख़ाथुन् सेद्खिल् इयेन् छिलेजु एयिन् सेद्खिरुन् । एछिगे यिन् मिनु खुछुन् इयेर् ख़ाग़ान् बोलुलुग़ा । मिनु खुछुन् इयेर् ख़ाथुन् आबुलुग़ा । नामायि ख़ेरेग्लेखु उगेइ बोल्बाछु याग़ाखिम् । ख़ोयिथु ख़ादान् दुर् । निगेन् अर्शि ब्लामा बुइ बुलुगे । थेगुन् दुर् ओद्छु मोर्गुन् नामाञ्छिलाग़ाद् । उरे यिन्

निगेदुगेर् बोलुग्–प्रथम अध्याय

ग़लिङदर्–कलिङ्गधर ?

उजस्खुलेङ थु ग़ूआ–रुचिर-ललिता

सस्कृत का नाम क्या था, यह तभी निश्चय हो सकता है जब इन कहानियों का मूल संस्कृत ग्रन्थ उपलब्ध हो जाए।

उजेस्खुलेङ थु और ग़ूआ दोनों शब्दों के संस्कृत प्रतिशब्द कजूर तथा भद्रकल्पिक में आए हैं –

उजेस्खुलेङ–रुचि, भ. क. ३६४
–चारु, भ. क. ५२४

उजेस्खुलेङ थेइ–ललित, भ. क. ८०६
–ओज, भ. क. ४६७

उजेस्खुलेङ थु–रुचिर, कं. ३८९, ५६०
–लडित (ललित), भ. क. ७८७, ८१८
–विभ्राजत्, भ. क. १४६

ग़ूआ–प्रिय, भ. क. ७५६
–लडित, भ. क. ५५७

ओखिन् इ आबुग़ाद्–पुत्री को लिया अर्थात् पुत्री से विवाह किया

यिर्थिञ्छु यिन्–संसार के

बाथुलान्–दृढता-पूर्वक

बारिग़ाद् सागुथाला–धारण किये हुए थे

उरे उगेइ यिन् थुला–सन्तानाभाव के कारण

बुर्ख़ान्–बुद्ध

थ्ङि–देवता

जाल्बारिन्–प्रार्थना करते

सेद्खिल्–चित्त

जोबाजु–दुःखी हो कर

याबुखुइ दुर्–रहने पर

ख़ाथुन्–राणी

याबुख़ारा–रहने की अपेक्षा

आबुसाइ–ले लीजिये

ठुरे थेइ–सन्तानयुक्त
बोल्खु–होना
छु बुइ जा–हो ही जाएगा
जोञ्शियेगेद्–स्वीकार कर लिया
आल्बा थु आछा–प्रजा में से
सोङगुजु–चुन कर
सायिन्–अच्छी, सुन्दर
आबुबाइ–ले लिया, विवाह कर लिया
खाराछु–साधारण
उदाल् ठुगेइ–अविलम्ब
थोरोबेइ–जन्म दिया
ठुरे थु–सन्तानयुक्त
दाग़ान्–के प्रति
माशि–अधिक
इनाग्–स्निग्ध
छिलेजु–अवसन्न हो कर
एयिन् सेद्खिरुन्–ऐसे सोचा
खुछुन् इयेर्–प्रभाव से
बोलुलुग़ा–बने
आबुलुग़ा–प्राप्त की
खेरेग्लेखु–आवश्यकता
याग़ाखिम्–क्या करूं
खोयिथु–पीछे वाली
खादान् दुर्–पहाड़ी में
अर्शि–ऋषि
ब्लामा–लामा, गुरु
बुइ बुलुगे–रहता है
थेगुन् दुर्–उसके पास
ओद्छु–जा कर
मोर्गुन् नामाञ्छिलाग़ाद्–हाथ जोड़ कर प्रणाम करके
ठुरे यिन्–सन्तान के

प्रथम अध्याय

पूर्व काल मे गन्धर्व नामक महान् राजा थे। इन्होंने कलिङ्गधर नामक महाराज की रुचिर-ललिता पुत्री से विवाह किया। ये संसार के धर्म तथा शासन को दृढतापूर्वक धारण किये हुए थे। (किन्तु) सन्तानाभाव के कारण ये बुद्ध तथा देवताओं से प्रार्थना करते तथा अपने चित्त में दुःखी रहते। रुचिर-ललिता राणी ने अपने राजा से निवेदन किया – मेरे राजा, सन्तानाभाव के कारण चित्त में दुःखी रहने की अपेक्षा, एक और राणी ले लीजिये। (वह) सन्तानयुक्त हो ही जाएगी। ऐसा कहने पर राजा ने स्वीकार कर लिया (और) प्रजा में से चुन कर एक अच्छी लड़की को ले लिया। इस साधारण राणी ने अविलम्ब एक पुत्र को जन्म दिया। सन्तानयुक्त राणी के प्रति राजा बहुत स्निग्ध हो गए। अतः रुचिर-ललिता राणी चित्त में अवसन्न हो कर ऐसे सोचने लगी – मेरे पिता के प्रभाव से ये राजा बने, मेरे प्रभाव से राणी प्राप्त की, (अब) मेरी आवश्यकता नहीं रही, मैं क्या करूं। पीछे वाली पहाड़ी में एक ऋषि गुरु रहता है। उसके पास जा कर, हाथ जोड़ कर प्रणाम करके सन्तान के

खुथुग् इ गुयुजु इरेये खेमेगेद् । थाबुन् दाग़ागुलि बान् दाग़ागुल्जु । छाब् छाइ थेरिगुथेन् इ बेलेद्छु । ब्लामा यि जोरिन् खुर्छु मोर्गुगेद् । उछिर् इयान् आयिलाद्खाबासु । ब्लामा थुग़दाम् सेद्खिग्सेन् उ थुला । एर्गेजु याबुथाला । उदे यिन् छाग़् थुर् ब्लामा उजेगेद् । येखे खाथुन् मिनु यागुन् दु सेद्खिल् इयेन् जोबाजु सुसुलेन् मोर्गुब्रेइ खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् उरे यिन् खुथुग् इ गुयुनाम् खेमेन् आयिलाद्खाबा । ब्लामा ग़ायिगुइ उरे थेइ बोल्थुग़ाइ खेमेन् निगेन् आद्खु गिरुइ यि आदिस्लान् ओग्बेइ । एगुन् इ माग़ाजिन् थोसुन् इयार् शिने छाग़ाजाङ दुर् जिगुर्छु इदे खेमेन् जालिग् बोलुग्मान् दुर् । खाथुन् माशि बायासुन् खारिजु इरेगेद् । शिने छाग़ाजाङ दुर् जिगुराबासु आर्बाइ यिन् गुलिर् बोल्बा । जोग़ोग़ालाग़ाद् । छाग़ाजाङ इयान् ओग्बेसु । निगेन् खेउखेन् शाब्खुरु यि इनु दोलियाजु इदेबेइ । खाथुन् उदाल् उगेइ दाब्खुर् बोलुग़ाद् सारा गुइछेजु उजेग्देखुइ दुर् । एल्देब् ओलान् बेल्गेस् ग़ारुग़ाद् । ग़रिबङ्ग ओलान् सायिखान् शिबागुद् उन् दागुन् ग़ार्छु । थ्डिङ एछे छेछेग् उन् खुरा ओरोग़ाद् । सायिखान् ओनुर् आङ्गिलुन् निगेन् खोबेगुन् थोरोग्सेन् दुर् खाग़ान् माशि बायास्छु एछिगे बोलुग़सान् अशि ब्लामा आछा

खुथुग्–आशिष्

इरेये–जाऊं

थाबुन्–पांच

दागागुलि बान्–अपनी अनुचरियों से

दाग़ागुल्जु–अनुसरित हो कर, साथ ले कर

छाब्–भोजन

थेरिगुथेन् इ–आदि को

बेलेद्छु–बना कर

ब्लामा यि जोरिन् खुर्छु–गुरु के पास पहुंची

उछिर् इयान्–अपनी स्थिति को

आयिलाद्खाबासु–जब निवेदन किया

थुग़दाम् सेद्खिग्सेन्–ध्यानमग्न

एर्गेजु (एर्गिजु) याबुथाला–जब प्रदक्षिणा कर रही थी

उदे यिन् छाग़् थुर्–दोपहर (उदे) के समय में

सुसुलेन्–भक्तिपूर्वक

ग़ायिखुइ–कोई बात नहीं, चिन्ता न करो

आद्खु–मुट्ठी

आदिस्लान्–फूंक कर, फूंक मार कर

माग़ाजिन् थोसुन् इयार्–अलसी के तेल से

शिने छाग़ाजाङ दुर्–नये पात्र में

जिगुर्छु–घोल कर

इदे–खा लो

जालिग् बोलुग़सान् दुर्–आदेश देने पर अर्थात् आदेश दिया

माशि बायासुन्–बहुत प्रसन्न हो कर

खारिजु इरेगेद्–लौट आई

जिगुराबासु–घोलने पर, गूंधने पर

आर्बाइ यिन् गुलिर्–जौ का सत्तू

बोल्बा–बन गया

जोग़ोग़ालाग़ाद्–खा लिया

खेउखेन्–लड़की

शाब्खुरु यि इनु–उसके शेष को
दोलियाजु–चाट कर
इदेबेइ–खा लिया
दाब्खुर् बोलुग़ाद्–गर्भवती हो गई
सारा–मास
गुइछेजु–पूरे हो गये
उजेग्देखइ दुर्–प्रसवचिह्न दिखाई पड़ने लगे
एल्देब् ओलान्–विविध और अनेक
बलगम्–लक्षण
ग़ारुग़ाद्–उत्पन्न हुए
सायिखान्–सुन्दर
शिबागुद् उन् दागुन्–पक्षियों के शब्द
ग़ार्छु–सुनाई पड़े
ख्डि एछे–आकाश से
छेछेग् उन् खुरा–पुष्पों की वर्षा
ओरोग़ाद्–पड़ी, हुई
सायिखान् ओनुर्–मधुर सुगन्ध
आङ्गिलुन्–फैली

आशिष् के लिये प्रार्थना करने जाऊं इति। अपनी पांच अनुचरियों को साथ ले कर, भोजन और चाय आदि बना कर गुरु के पास पहुंची और नमस्कार करके अपनी स्थिति का निवेदन किया। गुरु ध्यान में मग्न था अतः राणी ने उस की प्रदक्षिणा की। दोपहर के समय गुरु ने उस को देखा और कहा – मेरी महाराणी, तुम चित्त में दुःखी हो कर, किस कारण भक्तिपूर्वक मुझे नमस्कार कर रही हो। राणी ने निवेदन किया – बच्चे की आशिष् मांगने आई हूं। गुरु ने कहा – कोई बात नहीं, तुम सन्तानयुक्त हो जाओगी। यह कह कर फूंक मार कर एक मुट्ठी मिट्टी दे दी और आदेश दिया – इसको नये पात्र में अलसी के तेल में घोल कर खा लो। राणी बहुत प्रसन्न हुई और (घर) लौट आई। नये पात्र में घोलने पर जौ का सत्तू बन गया। उसको राणी ने खा लिया। और अपना पात्र दे दिया। एक लड़की ने उस (पात्र) के शेष को चाट कर खा लिया। अविलम्ब ही राणी गर्भवती हो गई, मास पूरे हो गये और प्रसवचिह्न दिखाई पड़ने लगे। विविध और अनेक लक्षण उत्पन्न हुए। कलविङ्क जैसे अनेक सुन्दर पक्षियों के शब्द सुनाई पड़ने लगे। आकाश से पुष्पों की वर्षा हुई। मधुर सुगन्ध फैल गई और एक लड़के का जन्म हुआ। राजा को बहुत आनन्द हुआ। पिता बने ऋषि गुरु से

जायाग़ान् इ आसागुजु इरे खेमेन् बाग़ा खाथुन् थेरिगुथेन् निगेन् खेदुन् थुशिमेद् थेइ इलेगेबे। ब्लामा दुर् खुछुं खोबेगुन् थोरोम्सेन् एल्देब् बेल्गेम् थेम्देग् बोलुग़सान् इ आयिलाद्खाग़ाद्। जायाग़ान् इ आसागुग़सान् दुर्। ब्लामा बिशिल्गाल् दुर् साग़ाथामुइ खेमेन् ओलान् जार्लिग् बोलुल् उगेइ थेरे खेउखेन् उ येखे बोलुग़सान् उ खोयिना। इदेखु इदेगेन् दुर् नेयिलेगुल्खु निगेन् मिङग़ान् थाबुन् जागुन् खासाग् दाबुसु ओरोखु खेमेन् जोग् थु जार्लिग् आछा ओबेरे निगेखेन् बेर् जार्लिग् उगेइ यिन् थुला। खाथुन् खिगेद् थुशिमेद् बुगुदे ग़ायिखान् खेलेल्छेजु इरेगेद्। खाग़ान् दाग़ान् आयिलाद्खाबा। खाग़ान् आनु एसे मेदेन् सेद्खिल् इयेन् जोवाजु। यागुन् जिग् थु उलिगेर् बिले। माग़ाद् छिद्खुर् एने बुइ जा खेमेन् खामुग् उल्लुस् इयान् छुग़लागुल्जु जार्लिग् बोलोरुन्। एने खेउखेन् उ इदेशिन् दुर् निगे मिङग़ान् थाबुन् जागुन् खासाग् दाबुसु ओरोखु गेनेम्। निगे खुमुन् ग़ारछा इदेखु एछे बायिथुग़ाइ। ओलान् खुमुन् नासु बारुथाला इदेजु बाराखु बुयु। एने लाब् शिम्नुस् बुइ जा। एगुन् इ आला खेमेग्सेन् दुर्। थुशिमेद् ग़ायिखारुन्। एजेन् उ उरे यि याग़ाखिजु आलाखु बुइ। खोदेगे दुर् आबाछिजु शिगुइ मोदुन् दुर् ओखिगुलुया। याम्बार्

जायाग़ान् इ–भाग्य को	जागुन्–सौ
आसागुजु इरे–पूछ कर आओ	खासाग्–गाड़ियां
थेरिगुथेन्–आदि, प्रमुख	दाबुसु–लवण
निगेन् खेदुन्–कुछ	ओरोखु–पड़ेगा
थुशिमेद् थेइ–मन्त्रियुक्त	जोग् थु–आश्चर्यजनक
ब्लामा दुर् खुछुं–गुरु के पास पहुंच कर	जार्लिग् आछा ओबेरे–वचन के अतिरिक्त
थेम्देग्–चिह्न, शकुन	निगेखेन् बेर्–एक भी
बोलुग़सान् इ–हुए हुओं को	जार्लिग् उगेइ यिन् थुला–वचन नहीं के कारण
बिशिल्गाल् दुर् साग़ाथामुइ–ध्यान में मग्न बैठा था	बुगुदे–सभी
	ग़ायिखान्–चकित हो कर
ओलान् जार्लिग् बोलुल् उगेइ–बहुत बातें किये बिना	खेलेल्छेजु–चर्चा करते हुए
	एसे मेदेन्–न समझ कर
येखे बोलुग़सान् उ खोयिना–बड़े होने के पश्चात्	यागुन् जिग् थु–कैसी विचित्र
इदेखु–खाने (के)	उलिगेर्–कहानी
इदेगेन् दुर्–भोजन में	बिले–है
नेयिलेगुल्खु–मिलाने के लिये	माग़ाद्–निश्चय ही
मिङग़ान्–सहस्र	छिदखर–भत

एने–यह
बुइ जा–है ही
खामुग्–सब
उलुस् इयान्–अपनी प्रजा को
छुग़लागुल्जु–इकट्ठा करके
इदेशिन् दुर्–भोजन में
गेनेम्–इति
ग़ाग़छा–अकेला
इदेखु एछे बायिथुगाइ–खाने से रहा
नासु बारुथाला–जीवन रहने तक, जीवन
भर
इदेजु बाराखु वुयु–खा कर समाप्त कर सकते हैं
लाब्–वास्तव में
आला–मार डालो
याग़ाखिजु–क्या करके, किस प्रकार
आलाखु बुइ–मारना हो
खोदेगे दुर्–बाहर में
आबाछिजु–ले जा कर
शिगुइ मोदुन् दुर्–जगल में
ओखिगुलुया–छोड़ दे

भाग्य पूछ कर आओ – यह कह कर छोटी राणी और कुछ मंत्रियों को भेजा। वे गुरु के पास आये और लड़के के जन्म पर हुए नाना लक्षणों और चिह्नों का निवेदन किया तथा भाग्य के संबंध में पूछा। गुरु ध्यान में मग्न बैठा था इसलिए बहुत नहीं कह सका। (केवल इतना ही कहा) – जब यह बालक बड़ा हो जाएगा तब इसके खाने के भोजन में एक सहस्र पाँच सौ गाड़ी लवण मिलाया जाएगा। इस आश्चर्यजनक वचन के अतिरिक्त उसने और कुछ नहीं कहा। अतः राणी और मंत्री सभी चकित हो कर चर्चा करते हुए लौट आये और अपने राजा से प्रतिवेदन किया। राजा न समझ पाया। अपने मन में दुःखी हुआ और कहा – कैसी विचित्र कहानी है। निश्चय ही यह भूल है। यह कह कर अपनी सब प्रजा को इकट्ठा किया और कहा – यह कहा गया है कि इस बच्चे के भोजन में एक सहस्र पाँच सौ गाड़ी लवण पड़ेगा। एक पुरुष अकेला खाने से रहा, बहुत से पुरुष भी जीवन भर खा कर क्या (इतना लवण) समाप्त कर सकते हैं। यह वास्तव में भूल है। इसको मार डालो। यह कहने पर मंत्री चकित हुए और बोले – हम स्वामी की सन्तान को किस प्रकार मार सकते हैं। हम इसको बाहर ले जाएं और जंगल में छोड़ दें। यह कैसा होगा।

खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् जोब्शियेगेद् । खोयार् थुशिमेल् आबुन् ओद्छु येखे शिगुइ दुर् ओर्खिग़ाद् इरेथेले । खेउुखेन् इनु । खोयार् थुशिमेल् इ दागुदाजु बायिजा । थुशिमेल् । निगे उुगे खेलेये खेमेन् दागुदाग़सान् दुर् । थुशिमेद् बायिजु माशि ग़ायिखाग़ाद् छिङनाबा । थेरे खेउुखेन् एयिन् जार्लिग् बोलोरुन् । था खाग़ान् दाग़ान् ओछिजु मिनु उुगे यि सायिथुर् खुर्गे । थोगुस् शिबागुन् थोरोखु जुल्जाग़ा आनु । ओस्खुइ देगेन् खोखे जिसु बेर ओस्देग् गेले । येखे बोलुग़सान् खोयिना आल्था थु थोगुस् बोल्दाग् गेले । थेगुन् दुर् आदालि । खाग़ान् खुमुन् एछे खोबेगुन् थोरोखु । थोरोग्सेन् उु खोयिना ओस्खुइ दुर् इयेन् एछिगे एखे खिगेद् । येखे उलुस् थुर् इयान् थुशिजु ओस्देग् गेले । येखे बोलुग़सान् उ खोयिना । दोर्बेन् थिब् इ एजेलेग्छि खाग़ान् बोल्बा गेम् नि । दोर्बेन् थिब् उुन् येखे खाग़ाद् उद् इ थेग्शि छुग़लागुल्जु इरेगुलुगेद् । थेगुन् दुर् येखे नोम् उन् खुरिम् खिबेसु थेगुन् दुर् ओरोखु निगे मिङग़ान् थाबुन् जागुन् खासाग् दाबुसु आछा बायिथुग़ाइ । निगे थुमेन् खासाग् दाबुसु खुर्खु बुयु गेजु खेलेरेइ । थोथि शिबागुन् ओङदोग्लेजु ओम्दोगेन् एछे नेञ्छिगेद् । ओस्खुइ देगेन् शिबागुन् उ दुरि बेर्

जोब्शियेगेद्—स्वीकार कर लिया
आबुन् ओद्छु— ले जा कर
शिगुइ दुर्—जंगल में
ओर्खिग़ाद्—छोड़ कर
इरेथेले—जब लौट रहे थे, लौटते समय
दागुदाजु—पुकारा
बाइजा—ठहरो
खेलेये—मैं कहूंगा
बायिजु—ठहर गए, ठहर कर
छिङनाबा—सुनने लगे
ओछिजु—जा कर
सायिथुर्—अच्छी प्रकार
खुर्गे—निवेदन कर देना
थोगुस् शिबागुन्—मोर पक्षी
थोरोखु—उत्पन्न
जुल्जाग़ा—बच्चा
ओस्खुइ देगेन्—अपने बढ़ने में
खोखे जिसु बेर्—नीले रंग से
ओस्देग् गेले—बढ़ता हुआ कहा जाता है
आल्था थु—सुवर्णमय
बोल्दाग् गेले—बना हुआ कहा जाता है
थेगुन् दुर् आदालि—उसी के समान
ओस्खुइ दुर् इयेन्— अपने बढ़ने में
येखे उलुस्—राष्ट्र, मातृभूमि
थुशिजु—सहारा ले कर
थिब्—द्वीप
एजेलेग्छि—प्रभुत्व वाला
बोल्बा गेम् नि—बन जाए तो
खाग़ाद् उद् इ—राजाओं को
थेग्शि—समान रूप से
छुग़लागुल्जु—निमन्त्रण दे कर
इरेगुलुगेद्—बुलाए
थेगुन् दुर्—उन के लिये
नोम् उन् खुरिम्—धर्मोत्सव

खिबेसु–यदि करे
थेगुन् दुर् ओरोखु–उनके लिये उपयुक्त
बायिथुग़ाइ–रहने दो
निगेन् थुमेन्–एक अयुत (१०,०००)
खुर्खु बुयु–पर्याप्त होगा क्या
गेजु खेलेरेइ–इति कह देना

थोथि–तोता, शुक
ओड्डदोग्लेजु–अंडा देता है
ओम्दोगेन् एछे–अंडे से
नेब्छिगेद्–बच्चा निकलता है
दुरि बेर्–रूप में

यह कहने पर राजा ने स्वीकार कर लिया। दो मंत्री (बच्चे को) ले जा कर बड़े जंगल में छोड़ कर जब लौट रहे थे तब बच्चे ने दोनों मंत्रियों को पुकारा – ठहरो, मंत्रियो। मैं एक बात कहूंगा। पुकारे जाने पर मंत्री ठहर गये और बहुत चकित हो कर सुनने लगे। बच्चे ने इस प्रकार कहा – तुम अपने राजा के पास जा कर मेरे शब्द अच्छी प्रकार निवेदन कर देना। मोर पक्षी से उत्पन्न हुआ बच्चा बढ़ते समय नीले रंग से बढ़ता हुआ कहा जाता है। बड़े होने के पश्चात् सुवर्ण-मय बना हुआ कहा जाता है। उसी के समान राजपुरुष से पुत्र की उत्पत्ति है। जन्म के पश्चात् बच्चा बढ़ता हुआ अपने पिता माता और राष्ट्र का सहारा ले कर बढ़ता हुआ कहा जाता है। यदि बड़े होने के पश्चात् चारों द्वीपों के प्रभुत्व वाला राजा बन जाए और चारों द्वीपों के महाराजाओं को समान रूप से निमंत्रण दे कर बुलाऐ और यदि उनके लिये एक महान् धर्मोत्सव करे तो उनके उपयोग के लिये एक सहस्र पांच सौ गाड़ी लवण तो परे रहा, क्या दस सहस्र गाड़ी लवण भी पर्याप्त होगा। शुक पक्षी अंडा देता है। अंडे से बच्चा निकलता है। बड़ा हो कर पक्षी का रूप

याबुखु। येखे बोल्गुमान् उ खोयिना। आमिथान् उ खेले सुरुगाद् एर्देम् बिलिग् इ थेगुस् सुरुन् गेले। थेगुन् दुर् आदालि। खागान् खुमुन् एछे खोबेगुन् थोरोखु। थोरोग्सेन् उ खोयिना। ओस्खुइ दुर् इयेन् एछिगे एखे खिगेद्। एङ येखे उलुस् बुगुदे यि थुशिजु ओस्देग् गेले। येखे बोल्गुमान् उ खोयिना। थ्ङ्रि। गाजार् खिगेद्। दोर्बेन् थिब् इ एजेलेग्छि खागान् बोल्बा गेम्। थ्ङ्रि नेर गाजार् खिगेद्। थिब् उन् खाद् बा। दोर्बेन् थिब् उन् बोदिसदुअ नार् खुवाराग् उद् इ थेग्शि बेर् छुग्लागुल्जु। थेगुस् नोम् उन् खुरिम् खिखुले। थेगुन् दुर् नेयिलेगुल्खु। निगे मिङगान् थाबुन् जागुन् खासाग् दाबुसु आछा बायिथुगाइ। थुमेन् खासाग् दाबुसु खुर्खु बुयु गेजु खागान् दागान् खेलेरेइ् खेमेग्सेन् दुर्। खोयार् थुशिमेल् इनु यागारान् खुर्छु इरेगइ्। खेउखेन् उ खेलेग्सेन् उगे यि छोम् बुरिन् ए आयिलाद्खाग्सान् दुर्। खागान् सोनुसुगाद्। आलागा बान् देलेद्छु। बोसुन् गुयुजु बोग्दा बोदिसदुअ मिनु छिमायि युगान् ऐसे थानिबाइ खेमेबेसु। उनेन् आजुगु। याबु याबु। खेउखेन् इ मिनु आब्छु इरेथुगेइ खेमेन्। खागान् एखिलेन् खामुग् बुगुदेगेर् गुयुल्दुबेइ। खुर्छु उजेबेसु। ओखिग्सान् गाजार् आ।

याबुखु—चलना है, धारण करता है

आमिथान् उ खेले—प्राणियों की भाषा

सुरुगाद्—सीख कर

एर्देम् बिलिग् इ—गुण (और) प्रजा को

थेगुस्—पूर्ण रूप से

सुरुन् गेले—सीखना हुआ कहा जाता है

एङ—विशाल

थ्ङ्रि गाजार्—स्वर्गलोक (और) भूलोक

खुवाराग् उद् इ—भिक्षुसंघों को

थेग्शि बेर्—समान रूप से अर्थात् बिना अपवाद के

खिखुले—करे, मनाए

थेगुन् दुर् नेयिलेगुल्खु—उनके लिये इकट्ठा करना

बायिथुगाइ—रहने दो

गेजु—इति

यागारान्—शीघ्रता से

खुर्छु इरेगेद्—लौट कर आये

छोम् बुरिन् ए—सब पूर्ण रूप से

सोनुसुगाद्—सुना

आलागा बान् देलेद्छु—अपनी ताली बजा कर

बोसुन्—उठ कर

गुयुजु—भागा

थिमायि युगान्—अपने तुमको

एसे थानिबाइ—नहीं पहिचाना

खेमेबेसु—यदि यह कहूं

उनेन् आजुगु—(तो) सच होगा

आब्छु इरेथुगेइ—ले कर आओ

एखिलेन्—आदि

खामुग् बुगुदेगेर्—सब के सब

गुयुल्दुबेइ—भागे

खुर्छु उजेबेसु—पहुंच कर जब देखा

ओखिग्सान् गाजार् आ—जिस स्थान पर छोड़ा था वहां

धारण करता है। बड़ा होने के पश्चात् प्राणियों की भाषा सीख कर गुण और प्रज्ञा को पूर्ण रूप से प्राप्त कर लेता है। ऐसा कहा जाता है। उसी के समान राजपुरुष के बच्चे का जन्म है। जन्म के पश्चात् बढ़ते हुए बच्चा पिता माता और विशाल राष्ट्र, सभी का सहारा ले कर बढ़ता है। यदि बड़ा होने के पश्चात् वह स्वर्गलोक भूलोक और चारों द्वीपों का प्रभु राजा बन जाता है और स्वर्गलोक भूलोक तथा द्वीपों के राजाओं और चारों द्वीपों के बोधिसत्त्वों और भिक्षुसंघों को समान रूप से निमंत्रित करता है और संपूर्ण धर्मोत्सव मनाता है तो उनके लिये एक सहस्र पांच सौ गाड़ी लवण से तो क्या, दस सहस्र गाड़ी लवण भी पर्याप्त न होगा। यह अपने राजा से (जा कर) कह दो। दोनों मंत्री शीघ्रता से लौट कर आये और बालक के कहे हुए सब वचनों को संपूर्ण रूप से प्रतिवेदन किया। राजा ने सुना, अपनी ताली बजाई और उठ कर भागा—मेरे महात्मन् बोधिसत्त्व, यदि मैं कहूं कि मैंने तुमको नहीं पहिचाना तो यह सत्य होगा। जाओ, जाओ, मेरे बच्चे को ले कर आओ। यह कह कर राजा आदि सब के सब भागे। पहुंच कर देखा तो जिस स्थान पर (बालक को) छोड़ा था वहां

खेउुखेन् उुगेइ आजुगु । खाग़ान् उखिलाजु उछुगुखेन् आबुरा था । आसारारि़छ बोदिसदुअ मिनु । निल्ख़ा आछा एयिमु उद्ख़ा थु उुगे यि आयिलादुन् जालिग़् बोलुगि़छ बोदिसदुअ मिनु छिमायि युग़ान् याग़ाखिन् एन्देगुरेलुगे । एन्दे ओर्खिग़्सान् ग़ाजार् आछा खामिग़ाशि ओद्बा खेमेन् उखिलाजु याबुन् आथाला । खादा यिन् खोन्देइ दोथोरा । खेउुखेन् गिङ्गेस् गेजु उखिलाखुइ दुर् । गुयुन् खुरुन् गेखुले । थेरे खेउुखेन् इ नाइमान् लूस् उन् येखे खाद् इरेजु । लिङखुआ छेछेग् इयेर् खुछिलाा खिगेद् । आमान् दुर् आनु बाल् खोखुगुलुन् । एमुने इनु सोगुद्दुन् नामान्छिलान् मोर्गुजु बायिन् बुलुगे । खाग़ान् इ खुर्बुइ दुर् उलु उुजेग्देन् ओद्बाइ । खाग़ान् । खेउुखेन् इयेन् आबुग़ाद् ओरोइ देगेरे बेन् थाल्बिजु नामान्छिलान् मोर्गुगेद् । आसारारि़छ बोदिसदुअ खोबेगुन् मिनु । आबु छिनु बि बुरुगु सेद्खिजु आल्दाल् खिबे । आल्दाल् इयान् नामान्छिळाग़ाद् गेर् थेगेन् जालाजु इरेगेद् । आल्बा थु युग़ान् खुरियाजु येखे खुरिम् उइलेद्दुगेद् । बोग़्दा बिर्कामिजिद् खान् खोबेगुन् खेमेन् नेरेयिद्बे । आराजि ब्रोजि खाग़ान् छि आनु । मिनु थेरे बोग़्दा बिर्कामिजिद् खाग़ान् निल्ख़ा बुबुइ दुर् इयेन् थेयिमु उद्ख़ा थु उुगेस् इ जालिग़् बोलुग़ाद् । एछिगे युग़ान् मोर्गुगुलुग़्सेन् थेयिमु येखे बोग़्दा बुलुगे । छि थेरे मेथु खाग़ान् बोल्बा गेम् । एने शिरेगेन् देगेरे सागु । थेयिमु बुसु बोल्खुला साग़ुजु उुलु बोल्मुइ । खारि खेमेगेद् ॥

उखिलाजु–रोते हुए
उछुगुखेन् –छोटे होते हुए (भी)
आबुरा था–तुम बचाओ
आसारारि़छ–मैत्रेय, कृपालु
निल्ख़ा आछा–बचपन से
एयिमु उद्ख़ा थु–इस प्रकार के अर्थयुक्त
उुगे यि आयिलादुन्–वचन बोल कर
जालिग़् बोलुगि़छ–आदेश देने वाले
छिमायि युगान्–तुम्हारे विषय मे
याग़ाखिन्–कैसे
एन्देगुरेलुगे–भ्रम हो गया
एन्दे–यहां, इस
ओर्खिग़्सान् ग़ाजार् आछा–छोड़े हुए स्थान से
खामिग़ाशि ओद्बा–किधर चले गये थे
खेमेन् उखिलाजु याबुन् आथाला–इस प्रकार रोते जाते हुए
खादा यिन् खोन्देइ दोथोरा–चट्टान की गुफा के अन्दर
गिङगेस् गेजु–चिल्ला कर
उखिलाखुइ दुर्–रोने पर
गुयुन् खुरुन् गेखुले–भाग कर पहुंचना चाहा
नायिमान्–आठ
लूस् उन् येखे खाद्–नागों के महान् राजाओं ने
इरेजु–आ कर
लिङखुआ छेछेग् इयेर खुछिलाा–पद्मपुष्पों से ढक दिया था
आमान् दुर् आनु–इसके मुख में
बाल् खोखुगुलुन्–मधु चाटने को दे दिया था
एमुने इनु सोगुद्दुन्–इसके सामने घुटने टेक कर

नामान्छिलान् मोर्गुजु बायिन् बुलुगे–हाथ जोड़ कर प्रणाम कर रहे थे
खाग़ान् इ खुर्खुइ दुर्–राजा के पंहुचने पर
उुलु उुजेग्देन् ओद्बाइ–अदृश्य हो गये
ओरोइ देगेरे बेन्–अपने सिर पर
थाल्बिजु –रख कर, रखा
आबु छिनु बि–पिता तुम्हारा मैं
बुरुगु सेद्खिजु–दुष्ट चिन्तन करके
आल्दाल् खिबे–पाप किया
आल्दाल् इयान् नामान्छिलाग़ाद्–अपने पाप का पश्चात्ताप करके
गेर् थेगेन् जालाजु इरेगेद्–घर अपने आमन्त्रित करके ले आया अर्थात् अपने घर ले आया
आल्बा थु युग़ान् खुरियाजु–अपनी प्रजा को इकट्ठा करके
येखे खुरिम् उुइलेद्दुगेद्–महोत्सव रच कर
नेरेयिद्बे–नाम रखा
निल्खा बुखुइ दुर् इयेन्–अपने बालक होने में अर्थात् बचपन में
एछिगे युग़ान् मोर्गुगुलुग्सेन्–अपने पिता से प्रणाम करवाया
देरेगु सागु–पर बैठो
थेयिनु बुसु बोल्खुला–ऐसे नहीं हो
सागुजु उुलु बोलुमुइ–तो नहीं बैठ सकोगे
खारि–लौट जाओ
खेमेगेद्–कहा, इति

बालक न था। राजा ने रोते हुए कहा – छोटे होते हुए (भी) तुम बचाओ। कृपालु बोधिसत्त्व मेरे, बचपन से इस प्रकार के अर्थयुक्त वचन बोल कर आदेश देने वाले, मेरे बोधिसत्त्व, तुम्हारे विषय में मुझे कैसे भ्रम हो गया। इस स्थान से, जहां तुम को छोड़ा गया था, तुम किधर चले गये हो – इस प्रकार जब (राजा) रोते हुए चलने लगे, तब चट्टान की गुफा के अन्दर बच्चे के चिल्ला कर रोने पर, राजा ने भाग कर पहुंचना चाहा। उस बच्चे को, नागों के आठ महान् राजाओं ने आ कर पद्म पुष्पों से ढक दिया था और इसके मुख में मधु चाटने को दे दिया था। (वे) इसके सामने घुटने टेक कर हाथ जोड़ कर प्रणाम कर रहे थे।

राजा के पहुंचने पर (नागराज) अदृश्य हो गये। राजा ने अपने बच्चे को पा कर अपने सिर पर रखा और हाथ जोड़ कर प्रणाम किया – कृपालु बोधिसत्त्व बालक मेरे, तुम्हारे पिता मैं ने दुष्ट चिन्तन करके पाप किया।

अपने पाप का पश्चात्ताप करके (बालक को) अपने घर ले आया। अपनी प्रजा को इकट्ठा किया और महोत्सव रच कर "महात्मा विक्रमादित्य राजकुमार" यह नाम रखा।

राजा भोज, मेरे महात्मा विक्रमादित्य राजा ने अपने बचपन में (ही) इस प्रकार अर्थयुक्त (सारवान्) वचन कहे कि इसने अपने पिता से प्रणाम करवाया। ये इस प्रकार के बड़े महात्मा हुए। यदि तुम इसके समान राजा हो तो इस सिंहासन पर बैठो। यदि इसके समान नहीं हो तो नहीं बैठ सकोगे। लौट जाओ। इति ॥

खोयादुगार् बोलुग्

निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

आराजि बोजि खागान् दुर् । मोन् खु शिरेगेन् उ निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेहुन् । खागान् छि बायिजा । बि छिमा दुर् एसे खेलेलू । बोरदा बिकर्मिजिद् खागान् निल्खा बुखुइ छाग् थागान् खोदेगे गाजार् आ ओर्खिरदागसान् दुर् इयान् उद्खा थु जालिग् बोलुगसान् दुर् । एछिगे इनु गङदर्व नेरे थु खागान् खिगेद् । खामुग् येखे उलुस् इ मोर्गुगुलुग्सेन् थेरे उछिर् इ खेलेग्सेन् बुलुगे । एदुगे बिकर्मिजिद् खागान् उ ओसुग्सेन् छाग् थागान् याबुगसान् याबुदाल् इ खेलेये । खागान् खिगेद् । खामुग् बुगुदेगेर् सोनुस् । बोरदा बिकर्मिजिद् खागान् उ बागा छाग् थुर् एछिगे इनु गङदर्व खागान् । शिम्नुस् उन् छेरिग् लुगे बायिल्दुरा ओद्खुइ दागान् ओबेर् उन् माखाबुद् बेये बेन् शिथुगेन् बुर्खान् उ देर्गेदे थाल्बिगाद् । खी सुनेसुन् इयेर् थ्डिङ् लुगे आदालि बोल्जु ओगेदे बोलुगसान् उ खोयिना । खाराछु बागा खाथुन् आनु । येखे उजेस्खुलेङ थु गूआ खाथुन् दागान् इरेजु । मान् उ खागान् । मान् लुगा सागुखुइ दुर् । खुमुन् उ दुरि बेर्

खोयादुगार्—द्वितीय
मोन् खु—उसी
बायिजा—ठहरो
एसे खेलेलू—नहीं कहा था क्या (उ)
छाग् थागान्—काल में
खोदेगे गाजार् आ—निर्जन स्थान में
ओर्खिरदागसान् दुर् इयान्—अपने छोड़े जाने पर
मोर्गुगुलुग्सेन्—प्रणाम करवाया था
थेरे उछिर् इ—इस बात को
खेलेग्सेन् बुलुगे—कहा जा चुका है
एदुगे—अब
ओसुग्सेन् छाग् थागान्—अपने वृद्धि के समय
याबुगसान् याबुदाल्—किये हुए काम, चरित
खेलेये—कहूंगी
सोनुस्—सुनो
बागा छाग् थुर्—छोटे (होने के) समय में, शैशव काल में

छेरिग् लुगे—सेना के साथ
बायिल्दुरा—युद्ध करने के लिये
ओद्खुइ दागान्—अपने जाने (पर), जाता हुआ
ओबेर् उन्—स्वयं के, अपने
माखाबुद्=महाभूत
बेये बेन—अपने शरीर को
शिथुगेन् बुर्खान्—बुद्ध की मूर्ति अथवा रक्षक बुद्ध
थाल्बिगाद्—छोड़ गया
खी सुनेसुन् इयेर्—प्राणों से, आत्मा द्वारा
थ्डिङ् लुगे आदालि बोल्जु—देवता के समान बन कर
ओगेदे बोलुगसान् उ खोयिना—प्रस्थान करने के पश्चात्
मान् लुगा—हमारे साथ
सागुखुइ दुर्—रहने पर, रहते समय
दुरि बेर्—रूप से, रूप में

द्वितीय अध्याय

एक (दूसरी) पुतली की कथा।

भोज राजा को उसी सिंहासन की एक (और) पुतली ने कहा – राजन् तुम ठहरो। मैंने तुम से नहीं कहा था क्या।

महात्मा विक्रमादित्य राजा ने अपने शिशुकाल में निर्जन स्थान में छोड़े जाने पर अर्थवान् वचन कह कर अपने गन्धर्व नामक पिता राजा तथा समस्त राष्ट्र से प्रणाम करवाया था। इस बात को कहा जा चुका है।

अब विक्रमादित्य राजा के वृद्धि के समय के चरित को कहूंगी। राजन् और अन्य सब सुनो। महात्मा विक्रमादित्य राजा के शैशव काल में इसका पिता गन्धर्व राजा भूतों की सेना के साथ युद्ध करने के लिये जाता हुआ अपने महाभूतमय शरीर को बुद्ध-मूर्ति के सामने छोड़ गया, और देवता के समान बन कर, केवल आत्मा द्वारा प्रस्थान किया। तत्पश्चात् सामान्य (वंश की) छोटी राणी बड़ी राणी रुचिरललिता के पास आई और बोली – हमारे राजा जब हमारे साथ रहते थे तो मनुष्य के रूप में

बुलुगे । एदुगे मोर्दोखुइ दुर् इयान् उुजेस्खुलेङ सायिखान् गेरेल् ओ़ङ्गे थेइ मोर्दोलुग़ा । बिदा लुग़ा सागुखुइ दाग़ान् थेयिमु सायिखान् बोलुसाइ खेमेन् आयिलाद्खाम्सान् दुर् । उुजेस्खुलेङ गूआ खाथुन् इनियेजु जार्लिग् बोलोरुन् । छि बाग़ा खुमुन् उु थुला । उुलु मेदेमुइ । इर् थु मेसेन् उु उुजेगुर् थुर् माखाबुद् बेये बेन् एब्देरेनेम् खेमेजु । खी सुनेसुन् इयेर् । थ्ङि यिन् दुरि बेर् ओ़गेदे बोलुलुग़ा खेमेग्सेन् दुर् । खाराछु खाथुन् एयिन् सेद्खिरुन् । खाग़ान् उु थाल्बिरसान् खेगुर् इ थुलेबेसु । इरेग्सेन् खोयिना मो़न् थेरे सायिखान् बेये बेर् बायिखु बुइ जा खेमेन् सेद्खिगेद् । शिथुगेन् उु सुमे दुर् ओरोजु । खाग़ान् उ थाल्बिरमान् खेगुर् इ आबुग़ाद् । ओलान् दाग़ागुल् ओ़खिद् इयेर् चन्दन् मोदुन् इ जो़गेल्गेजु खेगुर् इ इनु थुलेबेइ । थेयिन् आथाला । ओ़रथार्गुइ बार् खाग़ान् इरेगेद् आग़ार् इयार् एयिन् जार्लिग् बोलोरुन् । खामुरुन् खुरियाग्सान् उलुम् खिगेद् । खायिरालान् थेजियेग्सेन् खाथुद् बा । खायिरान् बेये एछे बेन् खाग़ाछाबाइ बि । थान् इ मिनु दोलुग़ान् खोनुग् उन् एछुस् थुर् शिम्नुस् उन् छेरिग् इरेजु । शिर्मेन् मो़न्दो़र् उनाग़ाजु । थान् इ मिनु इदेखु बुयु । था दोलुग़ान् खोनुग् उन् उरिदा दुथाग़ाजु ग़ार्बासु

मोर्दोखुइ दुर् –प्रस्थान करते हुए
गेरेल्–प्रभा
मोर्दोलुग़ा–प्रस्थान किया है
बिदा लुग़ा–हमारे साथ
इनियेजु–हँस कर
जार्लिग् बोलोरुन्–बोली
इर् थु–तीक्ष्ण
मेसेन् उु उुजेगुर् थुर्–तलवारों की धार पर
एब्देरेनेम्–टुकड़े २ हो जाना
ओ़गेदे बोलुलुग़ा–प्रस्थान किया है
एयिन् सेद्खिरुन्–इस प्रकार सोचा
खेगुर् इ–शव को
थुलेबेसु–यदि जला देवे
बायिखु बुइ जा–रहा ही करेंगे
सुमे दुर् ओरोजु–मन्दिर में पहुंच गई
ओलान–बहुत सी

दाग़ागुल् ओ़खिद् इयेर्–अनुचरी लड़कियों द्वारा
जो़गेल्गेजु–इकट्ठा करवा कर
थुलेबेइ–जला दिया
थेयिन् आथाला–इतने में
ओ़रथार्गुइ बार्–आकाश द्वारा
खामुरुन् खुरियाग्सान्–विश्वासपूर्ण संगृहीत
खायिरालान् थेजियेग्सेन्–स्नेहपूर्ण पोषित
खायिरान् बेये एछे बेन्–अपने प्रिय शरीर से
खाग़ाछाबाइ बि–मैं पृथक् हो गया हूं
दोलुग़ान्–सात
खोनुग्–दिन रात
एछुस्–अन्त
शिर्मेन् मो़न्दो़र्–हिमयुक्त आंधी
इदेखु बुयु–खा जाएगी
दुथाग़ाजु ग़ार्बासु–यदि भाग निकलेंगे

रहते थे। अब प्रस्थान करते हुए (इन्होंने) रमणीय, सुन्दर, प्रभावान् वर्ण वाले (शरीर से) प्रस्थान किया है। हमारे साथ रहते हुए यदि ऐसे सुन्दर होते (तो कितना अच्छा होता)। यह कहने पर रुचिर-ललिता राणी हँस कर बोली – तुम छोटे घर की हो, इस कारण नहीं समझतीं। तीक्ष्ण तलवारों की धार पर महाभूतमय शरीर टुकड़े २ हो जाता, इसलिये केवल आत्मा से देवता-रूप में प्रस्थान किया है। साधारण घर की राणी ने इस प्रकार सोचा – यदि राजा के छोड़े हुए शव को जला देंं तो लौटने के पश्चात् उसी सुन्दर शरीर से रहा ही करेंगे। यह सोच कर रक्षक बुद्ध के मन्दिर में पहुंच गई और राजा के छोड़े हुए शव को ले आई। और बहुत सी अनुचरी लड़कियों द्वारा चन्दन-काष्ठ इकट्ठा करवा कर शव को जला दिया। इतने में आकाश द्वारा राजा आ गए और आकाश से ही इस प्रकार बोले – विश्वासपूर्ण संगृहीत प्रजा से, स्नेहपूर्ण पोषित राणियों से और अपने प्रिय शरीर से मैं पृथक् हो गया हूं। आप मेरे (जनों) के पास सात दिन रात का अन्त होने पर भूतो की सेना आएगी, हिम-पात होगा और आंधी चलेगी और तुम मेरे जनों को खा जाएगी। यदि आप सात दिन रात के पूर्व भाग निकलेंगे

जोखिखु खेमेन् जार्लिग् बोलुग़ाद् । निर्वान् दुर् ओगेंदे बोल्बाइ । खाथुन् खिगेद् । खिया नार् थुशिमेद् बा । खामुग् येखे उलुस् बुगुदे खाग़ान् उ सायिन् याबुदाल् इ दुरादुन् उखुद्गेजु ग़ासालाखुइ दुर् । उजेस्खुलेङ ग़ूआ खाथुन् जार्लिग् बोलोरुन् । ग़ासाल्बाछु थुसा उगेइ । ग़ायिखाम्शिग् थाइ खाग़ान् उ जार्लिग् इयार् । एने निगेन् खेउखेन् इ ग़ार्ग़ाबासु सायिन् खेरेग् बुइ जा खेमेगेद् । थाबुन् दाग़ागुल् इयान् दाग़ागुल्जु ग़ारुन् याबुबाइ । दोलुग़ान् खोनुग् याबुथाला निगेन् ओखिन् इनु निरायिलाबाइ । खाथुन् जार्लिग् बोलोरुन् । आबाइ ओखिन् खुमुन् बोलुग़ाद् याबुदाल् दुर् आनु साग़ाद् गेग्छि नि यागुबेइ खेमेग्सेन् दुर् । ओखिन् उगुलेरुन् । खाथुन् आ बि एरेस् लुगे नेयिलेग्सेन् बुसु । खाथुन् उ जोग़ोग्लाग़सान् । ब्लामा यिन् आदिस् थु इदेगेन् उ उलेग्सेन् शाब्खुरु यि आम्सुग़सान् आछा बोलुलुग़ा खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् जार्लिग् बोलोरुन् । ब्लामा यिन् आदिस् आछा बोलुग़सान् खेउखेन् इ याग़ाखिजु ओखिमुइ । आब्छु याबुया खेमेग्सेन् दुर् । बुसु ओखिद् उगुलेरुन् । उरिदा यिन् खेउखेन् इ आरायिखान् आब्छु याबुथाला । एदुगे निल्खा छिसु थाइ यि याग़ाखिन् आब्छु याबुखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । जोब् खेमेल्दुगेद् छिनोआ यिन् नुखेन् दु ओखिबाइ थेगुन् एछे

जोखिखु–तो ठीक होगा
खेमेन् जार्लिग् बोलुग़ाद्–यह कह कर
निर्वान् दुर् ओगेंदे बोल्बाइ–निर्वाण को प्राप्त हो गये
दुरादुन्–स्मरण करके
उखुद्गेजु–मूर्छित हो कर
ग़ासालाखुइ दुर्–शोक करने पर
ग़ासाल्बाछु–शोक करना
थुसा उगेइ–लाभ नहीं, व्यर्थ (है)
ग़ायिखाम्शिग् थाइ–आश्चर्यजनक
जार्लिग् इयार्–आदेशानुसार
ग़ार्ग़ाबासु–यदि बचा लेवें, निकाल लेवें
सायिन् खेरेग्–अच्छी बात
थाबुन् दाग़ागुल् इयान् दाग़ागुल्जु–पांच अनुचरियों द्वारा अनुचरित होकर अर्थात् साथ ले कर
ग़ारुन् याबुबाइ–निकल गई
निरायिलाबाइ–बच्चे को जन्म दिया
आबाइ ओखिन्–हे कुमारि
खुमुन् बोलुग़ाद्–पुरुष से सम्बन्ध करके
याबुदाल् दुर्–यात्रा में
साग़ाद्–बाधा, विलम्ब
गेग्छि–करने वाली
यागुबेइ–क्या किया
खाथुन् आ–हे राणी
एरेस् लुगे–पुरुषों के साथ
नेयिलेग्सेन् बुसु–सम्पृक्त नहीं, (मैंने) सम्पर्क नहीं किया है
जोग़ोग्लाग़सान्–खाये हुए
आदिस् थु–प्रसाद वाले
इदेगेन् उ–भोजन के
उलेग्सेन् शाब्खुरु यि–अवशिष्ट भाग को
आम्सुग़सान् आछा–चाट लेने से
बोलुलुग़ा–हुआ है

यागाखिजु ओखिमुइ—कैसे छोड़ें
आञ्छु याबुया—ले चलेंगे
बुसु—अन्य
ओखिद्—लड़कियों ने
आरायिखान्—कठिनाई से
आञ्छु याबुथाला—ले कर चल रहे हैं
निल्खा—नवजात शिशु को
छिसु थाइ—रुधिरयुक्त, लहू से सने हुए
यागाखिन्—कैसे
आञ्छु याबुखु बुइ—ले जाना होगा, ले चलेंगे
जोब् खेमेल्दुगेद्—ठीक कह कर
छिनोआ यिन्—भेड़िये की
नुखेन् दु—मांद में
ओखिबाइ—छोड़ दिया
थेगुन् एछे—वहां से

तो ठीक होगा। यह कह कर निर्वाण को प्राप्त हो गये। राणी, अंगरक्षक, मंत्री और राष्ट्र, सब राजा के सुन्दर चरित को स्मरण कर के मूर्च्छित हुए और शोक करने लगे। तब रुचिरललिता राणी ने आदेश दिया – शोक करना व्यर्थ है, आश्चर्यजनक राजा के आदेशानुसार यदि इस एक बच्चे को बचा लेवें तो अच्छी बात होगी। यह कह कर पांच अनुचरियों को साथ ले कर राणी निकल गई। सात दिन रात व्यतीत होने पर एक लड़की ने एक बच्चे को जन्म दिया। राणी बोली – हे कुमारि, पुरुष से संबंध करके यात्रा में विघ्न डालने वाली बन कर तुमने क्या किया। इस पर लड़की बोली – हे राणी, मैंने पुरुषों के साथ सम्पर्क नही किया है। राणी के खाये हुए गुरु के प्रसाद रूपी भोजन के अवशिष्ट भाग को चाट लेने से (यह बालक जन्मा) है। इस पर राणी ने आदेश दिया – गुरु के प्रसाद से जन्मे हुए बालक को हम कैसे छोड़ें। हम इसको साथ ले चलेंगे। तिस पर दूसरी लड़कियों ने कहा – पहले वाले लड़के को कठिनाई से ले कर चल रहे हैं, अब लहू से सने हुए नवजात शिशु को कैसे ले चलेंगे। ठीक है, यह कह कर उसको भेड़िये की मांद में छोड़ दिया और वहां से

छिनाग़िश याबुजु। खुनेसु बेन बाराजु याबुग़साग़ार् खुछुन् छिदाग़िछ येखे खाग़ान् उ खोथान् दुर् ओयिरा खुर्छु। थारियान् उ देर्गेदे साग़ुखुइ दुर्। थारियान् उ उलुस् बुगुदे खुराजु। उजेस्खुलेङ खाथुन् इ सायिखान् इ ग़ायिखाजु याबुदाल् इ आसाग़ुन् बायिथाला। येखे खाग़ान् थारियान् इ उजेरे याबुग़साग़ार् ओलान् खुमुन् छुग़लाग़सान् इ उजेगेद्। इरेजु यागुबेइ खेमेन् आसाग़ुग़सान् दुर्। निगेन् खुमुन् इरेगेद्। निगेन् येखे खाग़ान् उ खाथुन् गेनेम्। शिम्नुस् आछा आयुजु याबुनाम्। खाग़ान् आनु निर्वान् उ दुरि उजेगुल्बे खेमेमुइ खेमेग्सेन् दुर्। खाग़ान् इरेजु। खाथुन् आछा उछिर् इ आसाग़ुग़सान् दुर्। खाथुन्। खाग़ान् उ निर्वान् बोलुग़सान्। बाग़ा खाथुन्। खेगुर् इ थुलेग्सेन्। खेउखेद् इयेन् शिम्नुस् आछा बुरुगुलुग़सान् जेर्गे याबुदाल् इ बुरिन् ए आयिलाद्खाग़सान् दुर्। खाग़ान् सोनुसुग़ाद् थेयिमु सायिखान् खाग़ान् इ खोओर्लाग़िछ एमे यिन् जेद्खेर् यागु थाइ खेछेगू बुलुगे खेमेन् ग़ोमुदुग़ाद्। एने खेउखेन्। खाथुन् खोयार् यागु थाइ जोबालुग़ा खेमेन्। निगेन् थुशिमेल् दुर् इयेन् जार्लिग् बोल्बा। एने खाथुन्। खेउखेन् थेइ यि आबाछिजु। शिने बायिशिङ दुर् ओरोग़ुल्जु। खुनेसु येखे ओग्छु बेइ खेमेगेद् ओबेर् इयेन् ओर्दु

छिनाग़िश याबुजु—आगे चल कर
खुनेसु—खाद्य पदार्थ, पाथेय
बाराजु याबुग़साग़ार्—जब समाप्त होने जा रहे थे
खुछुन् छिदाग़िछ—बलवान् शक
खोथान् दुर् ओयिरा—नगर के निकट
खुर्छु—पहुंचे
थारियान् उ देर्गेदे—खेत के पास
साग़ुखुइ दुर्—बैठने पर, बैठे थे कि
खुराजु—इकट्ठे हो गये
सायिखान् इ ग़ायिखाजु—सौन्दर्य को सराहने लगे
याबुदाल् इ—काम के सम्बन्ध में
आसाग़ुन् बायिथाला—पूछ ही रहे थे
उजेरे—देखने के लिये
छुग़लाग़सान् इ—एकत्रित हुओं को
इरेजु—आ कर
यागुबेइ—यह क्या है
गेनेम्—कही जाती है
याबुनाम्—जा रही है
निर्वान् उ दुरि उजेगुल्बे—निर्वाण का रूप देखा है अर्थात् निर्वाण हो चुका है
बुरुगुलुग़सान्—बचाया, बचाने को
जेर्गे—क्रम से
याबुदाल् इ—घटनाओं को
बुरिन् ए—पूर्ण रूप में
खोओर्लाग़िछ—हानि पहुंचाने वाली
एमे यिन् जेद्खेर्—स्त्री के कृत्य
यागु थाइ खेछेगू—कितने भयंकर
ग़ोमुदुग़ाद्—दुःखी हुआ
जोबालुग़ा—दुःख पाया है
आबाछिजु—ले जा कर
शिने बायिशिङ दुर्—नये घर में
ओरोग़ुल्जु—ठहरा कर अर्थात् ठहरा दो

खुनेसु–खाद्य पदार्थ

येखे ओग्छु बेइ–बहुत दे दो

ओर्दु खार्शि दाग़ान्–अपने प्रासाद को

आगे चल कर जब खाद्य पदार्थ समाप्त होने जा रहे थे, वे बलवान् शक-महाराज के नगर के निकट पहुंचे। वे खेत के पास बैठे थे कि खेत के सब लोग इकट्ठे हो गये और रुचिरललिता राणी के सौंदर्य को सराहने लगे। वे उसके काम के संबंध में पूछ ही रहे थे कि महाराजा ने, खेतों को देखने के लिये जाते हुए बहुत से पुरुषों को इकट्ठे हुए देखा और आ कर पूछा–यह क्या है। एक पुरुष आया और बोला–यह एक बड़े राजा की राणी कही जाती है। भूत से डर कर जा रही है। इसके राजा का निर्वाण हो चुका है। राजा (पास) आया और राणी से (सब) बात पूछी। राणी ने राजा के निर्वाण होने को, छोटी राणी के शव जलाने को और अपने बच्चे को भूत से बचाने को – क्रम से (इन सब) घटनाओं को पूर्ण रूप में निवेदन किया। राजा ने सुन कर कहा – ऐसे भले राजा को हानि पहुंचाने वाली स्त्री के कृत्य कितने भयंकर हुए। और दुःखी हुआ। इस बच्चे और राणी ने किस प्रकार दुःख पाया है – यह कह कर अपने एक मंत्री को आदेश दिया – बालक सहित इस राणी को ले जा कर नये घर में ठहरा दो और खाद्य पदार्थ बहुत दे दो। यह कह कर अपने प्रासाद

खाशि दाग़ान् खारिबाइ । थेरे थुशिमेल् । खाथुन् । खेउखेन् थेइ यि जालाजु । खाग़ान् उ जालिग्
इयार् येखे खुन्दुलेल् इयेर् सागुल्लाबाइ ।
बिर्कामिजिद् खान् खोबेगुन् उ बेये ओस्छु । एर्देम् थेन् एछे एर्देम् सुर्बा । जालिछिन् आछा
जालि सुर्बाइ । खुदाल्दुग़ाछिन् आछा खुदाल्दुग़ा सुर्बा । खुलाग़ायिछिन् आछा खुलाग़ाइ सुर्बा ।
उने येखे ओल्बा । थेदुइ सागुन् आथाला । थाबुन् जागुन् खुदाल्दुग़ाछिन् एर्देनि आबुरा
ओदुग़ाद् । इरेखुइ देगेन् छिनोआ यिन् नुखेन् एछे जुल्जाग़ा लुग़ा निगेन् खोबेगुन् नाग़ाद्छु
याबुखुइ यि उजेगेद् खेलेल्छेरुन् । छिनोआ यिन् जुल्जाग़ा लुग़ा याग़ाखिग़्सान् खुमुन् उ खोबेगुन्
नाग़ादुमुइ खेमेल्दुगेद् । आबालाजु बारिग़ाद् आसागुरुन् । छि याग़ाखिग़्सान् खुमुन् उ खोबेगुन् छिनोआ
लुग़ा याबुमुइ । मान् लुग़ा याबु खेमेग्सेन् दुर् । थेरे । बि छिनोआ यिन् खोबेगुन् खेमेगेद् ।
था नामायि बारिग़्सान् खोयिना । मिनु जोरिग् इयार् बोलुमु खेमेग्सेन् दुर् । खुदाल्दुग़ाछिन् उ नोयान्
ग़ाल्बासा उगुलेरुन् । खुमुन् । खुमुन् लुगे बेन् याबुखु बुइ जा । छिनोआ लुग़ा याबुखु जोखिस् उगेइ खेमेगेद्
आबाछिबा । थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् खुमुन् । छिदाग़िछ खाग़ान् उ ओयिरा खुर्छु । निगेन् ग़ोओल् उन् थोखोइ
दुर् खोनबाइ । छिनोआ इरेजु उलिबाइ । एनेद्खेग् छिनोआ यिन् खोबेगुन् शालु खेमेदेग् बुलुगे

खारिबाइ—लौट आया
खेउखेन् थेइ—बालक सहित
जालाजु—ले जा कर
येखे खुन्दुलेल् इयेर्—बड़े सम्मान पूर्वक
सागुल्लाबाइ—बिठा दिया अर्थात् ठहरा दिया
बेये ओस्छु—शरीर बड़ा हुआ
एर्देम् थेन् एछे—गुणवानों से, विद्वानों से
एर्देम्—गुण, विद्या
सुर्बा—सीखी
जालिछिन् आछा—मायावियों से, जादूगरों से
जालि सुर्बाइ—माया, जादू सीखा
खुदाल्दुग़ाछिन् आछा खुदाल्दुग़ा—व्यापारियों से व्यापार
खुलागायिछिन् आछा खुलाग़ाइ—चोरों से चोरी
उने येखे ओल्बा—धन बहुत प्राप्त किया, बहुत धन कमाया
थेदुइ सागुन् आथाला—इतने में
थाबुन् जागुन्—पांच सौ
नुखेन् एछे—मांद के पास
जुल्जाग़ा लुग़ा—बच्चे के साथ
नाग़ाद्छु याबुखुइ—खेलते हुए
खेलेल्छेरुन्—आपस में बोले
याग़ाखिग्सान्—कैसे
नाग़ादुमुइ—खेल सकता है
खेमेल्दुगेद्—यह कह कर
आबालाजु बारिग़ाद्—पीछा करके पकड़ लिया
याबुमुइ—जाते हो, रहते हो
मान् लुग़ा याबु—हमारे साथ चलो
था नामा यि बारिग़्सान् खोयिना—आप मुझ को पकड़ने के पश्चात्

मिनु जोरिग़् इयार्–मेरी इच्छानुसार
बोलुमु– होंगे क्या, काम करेंगे क्या (उ)
नोयान्–अध्यक्ष
ग़ाल्बासा–यह मोंगोल नाम नहीं, भारतीय नाम है। किन्तु इसका मूल रूप क्या होगा, निश्चय नहीं किया जा सकता – कालपाश, खलपाश, कलभाष, अथवा कुछ और।
आबाछिबा–ले गया, साथ ले गया
खुमुन्–यहां "खुछुन्" चाहिये। यह शब्द पहले आ चुका है
ग़ोओल् उन् थोखोइ दुर्–नदी के बाहु में अर्थात् मोड़ में
खोनुबाइ–रात बिताई
उलिबाइ–रोए, रोने लगे
शालु–संस्कृत कोशों में शालु शब्द है, किन्तु इसका अर्थ "भेड़िये का पाला हुआ नर-बालक" कहीं नहीं मिला।

में लौट आया। उस मंत्री ने बालक सहित राणी को ले जा कर, राजा के आदेशानुसार बड़े सम्मान पूर्वक ठहरा दिया। विक्रमादित्य राजकुमार का शरीर बड़ा हुआ। विद्वानों से उसने विद्या सीखी, मायावियों से माया सीखी, व्यापारियों से व्यापार सीखा, चोरों से चोरी सीखी। बहुत धन कमाया। इतने में पांच सौ व्यापारी, जो रत्न लेने के लिये गये हुए थे, लौटते समय भेड़िये की मांद के पास (भेड़िये के) बच्चे के साथ एक (मनुष्य के) बच्चे को खेलते हुए देख कर आपस में बोले – भेड़िये के बच्चे के साथ मनुष्य का बच्चा कैसे खेल सकता है। यह कह कर पीछा करके पकड़ लिया और पूछा – तुम मनुष्य के बालक हो कर भेड़िये के साथ किस प्रकार रहते हो; हमारे साथ चलो। यह कहने पर उस बालक ने कहा – मैं भेड़िये का लड़का हूं। आप मुझको पकड़ने के पश्चात् मेरी इच्छा के अनुसार काम करेंगे क्या। व्यापारियों के अध्यक्ष कलभाष ने कहा – मनुष्य अपने मनुष्यों के साथ रहते है, उनका भेड़ियों के साथ रहना उचित नहीं। यह कह कर वह उसको साथ ले गया। वे व्यापारी बलवान् शकराज के (नगर के) पास पहुंचे और एक नदी के मोड़ में रात बिताई। भेड़िये आ कर रोने लगे।

भारत मे भेड़िये के (पाले हुए) नर-बालक को शालु कहते है

गेजि । थेरे खेउखेन् इ शालु खेमेन् नेरेयिद्छु । थेरे छिनोआ यागुन् इ खेलेमुइ खेमेन् आसागुबासु । शालु उगुलेरुन् । थेरे छिनोआ मिनु एछिगे एखे बुयु । थाबु जिर्गुगान् ओखिद् इरेगेद् । छिमायि थोरोजु ओर्खिंग़सान् इ बिदे थेजिगेजु येखे बोल्गालुगा । मान् उ आछि यि सानाल् उगेइ खुमुन् लुगे खानिलाबाइ छि । एने सोनि बोरुगान् ओरोजु । एने गोओल् येखे उयेर्लेखुइ दुर् । एने खुदाल्दुगाछिन् दागारिग़दाबासु उखुखु बुइ जा । छि मिनु गार्छु इरे । देर्गेदे छिनु खुलागायिछि गेथेजु बायिनाम् खेमेग्सेन् दुर् । बिकर्मिजिद् खान् खोबेगुन् खुलागाइ खिरे ओयिरा गेथेजु सागुसान् आजुगु । शालु नोखुद् थुर् इयेन् छिनोआ यिन् उगे यि खेलेखुइ यि सोनुसुगाद् । एने छिनोआ यिन् खेले यि मेदेखु उथेले खुमुन् बुसु । बोरुगान् ओरोखु खुदाल् बोल्थुगाइ । मिनु गेथेजु बायिखु यि यागाखिजु मेदेबे खेमेन् खारिखुइ दागान् छिमायि सोनि बुरि गेथेखु खेमेन् जानुगाद् याबुबाइ । थेरे खुदाल्दुगाछिन् छिनोआ यिन् उलिग़सान् उगे यि शालु मेदेग्सेन् इयेर् नेगुजु निगेन् दोरोल्जि आगुलान् दुर् बागुबाइ । थेरे सोनि बोरुगान् ओरोजु । गोओल् येखे उयेर्लेग्सेन् दुर् । थेरे खुदाल्दुगाछिन् शालु आछा ओबेरे । उखुखु बुलुगे खेमेल्दुगेद् ।

गेजि—इसलिये
नेरेयिद्छु—नाम दिया
खेलेमुइ—कह रहे हैं
बुयु—हैं
जिर्गुगान्—छः
ओखिद्—लड़कियां
छिमायि—तुम को
थोरोजु—जन्म दे कर
ओर्खिग़सान् इ—छोड़े हुए को
बिदे—हम ने
थेजिगेजु—पाल पोस कर
येखे बोल्गालगा—बड़ा किया
मान् उ आछि यि—हमारी कृपा को
सानाल् उगेइ—स्मरण न (करके), भूल कर
खानिलाबाइ छि—मित्रता की तुम ने
एने सोनि—इस रात को, आज रात को
बोरुगान् ओरोजु—वर्षा होगी
उयेर्लेखुइ दुर्—बाढ़ आने पर, बाढ़ आयेगी
दागारिग़दाबासु—यदि (बाढ़ के) मार्ग में आ गये
उखुखु बुइ जा—निश्चय (जा) मृत्यु होगी
गार्छु इरे—निकल आओ
देर्गेदे—पास ही
खुलागायिछि—चोर
गेथेजु बायिनाम्—छिपा है
खान् खोबेगुन्—राजकुमार
खुलागाइ खिरे—चोरी करने के लिये
गेथेजु सागुसान् आजुगु—छिप कर बैठा हुआ था
नोखुद् थुर् इयेन्—अपने साथियों को
खेलेखुइ यि—बतलाते हुए
मेदेखु—समझने वाला
उथेले—साधारण
खुदाल् बोल्युगाइ—झूठ हो सकता है

गेथेजु बायिखु यि–छिपे हुए होने को

यागाखिजु मेदेबे–कैसे जाना

खारिखुइ दागान्–लौटते समय

गेथेखु–छिपूंगा, छिप कर देखूंगा

जानुगाद् याबुबाइ–धारण कर चला गया

उलिग्सान् जुगे यि–रोदन शब्दों को

नेगुजु–स्थान छोड़ दिया

दोरोल्जि–अल्पोन्नत, छज्जे के समान

आगुलान् दुर्–पहाड़ी पर

बाग्गुबाइ–डेरा लगा लिया

शालु आछा ओबेरे–शालु के बिना

उखुखु बुलुगे–मरना होता, मर जाते

खेमेल्दुगेद्–कहा

इसलिये इस बालक को (उन्होंने) शालु नाम दिया। जब उन्होंने उससे पूछा – वे भेड़िये क्या कह रहे हैं, तो शालु ने उत्तर दिया – वे भेड़िये मेरे पिता और माता हैं, (वे कह रहे हैं कि) पांच छः लड़कियां आईं थीं, वे तुमको जन्म दे कर छोड़ गईं थीं। (इस प्रकार छोड़े हुए तुमको) हमने पाल पोस कर बड़ा किया। हमारी कृपा को भूल कर अब तुम ने मनुष्यों से मित्रता की है। आज रात को वर्षा होगी। इस नदी में बहुत बड़ी बाढ़ आएगी। यदि ये व्यापारी इस बाढ़ के मार्ग में आ गये तो निश्चय (इनकी) मृत्यु होगी। तुम हमारे (लाल) निकल आओ। पास ही तुम्हारे लिये चोर छिपा है। इति।

विक्रमादित्य राजकुमार चोरी करने के लिए पास ही छिप कर बैठा हुआ था। (उसने) अपने साथियों को भेड़िये के वचन बतलाते हुए शालु को सुना (और सोचा–) यह भेड़ियों की भाषा को समझने वाला साधारण व्यक्ति नहीं। वर्षा होगी, यह झूठ हो सकता है (किन्तु) मेरे छिपे हुए होने को कैसे जाना। इति। लौटते समय – तुमको प्रतिरात्रि छिप कर देखूंगा – यह धारण कर (विक्रमादित्य) चला गया। उन व्यापारियों ने, शालु के ज्ञान द्वारा भेड़िये के रोदन शब्दों को (समझ कर वह) स्थान छोड़ दिया और एक छज्जे के समान पहाड़ी पर डेरा लगा लिया। उस रात्रि को वर्षा हुई। नदी में बहुत बाढ़ आई। उन व्यापारियों ने कहा– शालु के बिना हम मर जाते।

शालु यि एर्देनि बेर् येखे शाङनावाइ। खोयिथु सोनि बासा निगेन् थोखोइ दुर् खोनुखु दु बिर्कमिजिद् खान् खोब्रेगुन् इरेगेद् गेथेजु बायिथाला। मोन् उरिदा यिन् खोयार् छिनोआ इरेजु उलिबाइ। शालु आछा। खुदाल्दुग़ाछिन् आसागुरुन्। थेरे छिनोआ यागुन् खेलेनेम् खेमेग्सेन् दुर्। शालु उगुलेरुन्। थेरे मिनु एछिगे एखे छिनोआ बुयु। बिदे एदुयि छिनेगेन् ओस्खेन् थेजियेग्सेन् बुलुगे। थेरे आछि यि मान् उ सानाल् उगेइ। खुमुन् लुगे ओद्खु छिनु बुयु। एगुन् एछे खोयिना। बिदे इरेखु उगेइ बुयु खेमेमु। इजि मिनु छि एने सोनि बू उन्थाराइ एने बागुग़सान् ग़ोओल् इयार् निगेन् उखुग्सेन् खुमुन् उ खेगुर् उरुस्छु इरेमुइ। थेगुन् इ थोस्छु बारिग़ाद्। गुयान् दुर् छिन्दामुनि एर्देनि यि खेन् आबुग़सान् खुमुन्। दोर्बेन् थिब् इ एजेलेग्छि खाग़ान् बोल्खु। बासा निगेन् खुलाग़ायिछि गेथेजु बायिनाम् खेमेग्सेन् दुर् बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन्। शालु यिन् उगे यि सोनुसुग़ाद्। खुलाग़ाइ खिखु बेन् बायिजु ग़ोओल् उन् देगेगुर् थोस्छु बायिथाला उखुग्सेन् खुमुन् उरुस्छु इरेखुइ दुर्। उग़थुजु बारिग़ाद् बारागुन् गुया यि खाग़ालाजु छिन्दामुनि एर्देनि यि आबुग़ाद्। एयिन् सेद्खिरुन्। एने शालु खोबेगुन् इ आराग़ालाजु आबुमुग़ाइ खेमेन् खारिबाइ। थेरे गोओल् उन् दोथोरा। खुदाल्दुग़ाछिन् थोस्छु। खुमुन् उ खेगुर् इ आब्छु

शाङनाबाइ—पुरस्कृत किया
एदुयि छिनेगेन्—इतना बड़ा
ओस्खेन्—पाल कर
थेजियग्सेन् बुलुगे—पोषित किया
आछि—भलाई
सानाल् उगेइ—स्मृति नहीं, भूल गये
ओद्खु छिनु बुयु—जाना तुम्हारा हुआ,
अर्थात् चल दिये
एगुन् एछे खोयिना—आज के पीछे
विदे इरेखु उगेइ बुयु—हमारा लौटना न होगा,
हम न लौटेंगे
खेमेमु—कहते हैं, कहा
इजि, इछि—माता, दक्षिण (हाथ अथवा
पार्श्व), अन्त, मूर्ति। परन्तु यहां इसका
अर्थ नहीं बनता। दूसरे ग्रन्थ में पाठ
"आइ आ" है। उसका अर्थ है – हे।

उन्थाराइ—सोना
बागुग़सान्—डेरा लगाई हुई
उखुग्सेन् खुमुन् उ खेगुर्—मरे हुए पुरुष का
शव
उरुस्छु इरेमुइ—बहता हुआ आएगा
थोस्छु—रोक कर
बारिग़ाद्—पकड़ लेना
गुयान् दुर्—जंघा में
खेन्—जो कोई
एजेलेग्छि—शासन करने वाला, स्वामी
बोल्खु—बन जाएगा
खुलाग़ाइ खिखु बेन्—अपना (बेन्)
चोरी करना (खिखु)
बायिजु—छोड़ कर
देगेगुर्—पर
थोस्छु बायिथाला—रोकने के लिये खड़ा ही

हुआ था
उरुस्छु इरेखुइ दुर्–बह कर आने पर, बह कर आया
उग्थुजु–आगे बढ़ कर
बारिग़ाद्–पकड़ लिया
बारागुन्–दक्षिण
ख़ाग़ालाजु–चीर कर
एयिन् सेद्खिरुन्–इस प्रकार विचार किया
आराग़ालाजु (=आर्ग़ालाजु)–उपाय करके, उपाय द्वारा
आबुसुग़ाइ–लूंगा
ख़ारिबाइ–लौट गया

(उन्होंने) शालु को रत्नों द्वारा बहुत पुरस्कृत किया। अगली रात फिर एक नदी-बाहु में रात बिताते हुए (व्यापारियों के पास) विक्रमादित्य राजकुमार आ कर छिप गया। इसी समय वे ही पूर्व के दोनों भेड़िये आ कर रोने लगे। व्यापारियों ने शालु से पूछा – ये भेड़िये क्या कहते हैं। शालु ने कहा–ये भेड़िये मेरे पिता और माता हैं। (ये कहते हैं) हमने पाल पोस कर तुमको इतना बड़ा किया। हमारी इस भलाई को तुम भूल गये और पुरुषों के साथ चल दिये। आज के पीछे हम न लौटेंगे। हे हमारे बालक, आज रात तुम मत सोना। इस डेरा लगाई हुई नदी के द्वारा एक मरे हुए पुरुष का शव बहता हुआ आएगा। उसको रोक कर पकड़ लेना। (उसकी) जंघा में से चिन्तामणि रत्न को जो कोइ पुरुष ले लेगा वह चारों द्वीपों का स्वामी बन जाएगा। (आज) फिर एक चोर छिपा हुआ है। इति।

विक्रमादित्य राजकुमार शालु के वचनों को सुन कर अपना चोरी करना छोड़ कर नदी पर (चला गया) और रोकने के लिये खड़ा ही हुआ था कि मरा हुआ पुरुष बह कर आया। (विक्रमादित्य ने) आगे बढ़ कर पकड़ लिया और दक्षिण जंघा को चीर कर चिन्तामणि रत्न ले कर इस प्रकार विचार किया–इस शालु लड़के को उपाय द्वारा लूंगा। (यह सोच कर) घर लौट गया।

(तत्पश्चात्) व्यापारी (शव को) रोकने के लिये उस नदी में (पहुंचे और) पुरुष के शव को पकड कर

उुजेबेसु । छिन्दामुनि यि खुमुन् आब्छु ओछिग़सान् इ मेदेजु ग़ोमुदुल्छाबा । बिर्कमिजिद् खारिग़ाद् । छेङमे । बोस् ओर्मुग् थेरिगुथेन् उु जिखा जिखा दुर् आनु बिछिग् ब्रिछिजु थेम्देग् खिगेद् । खुदाल्दुग़ाछिन् दु आबाछिजु । खुदाल्दुग़ा खिखुइ दुर् खेरुगुल् खिग्सेन् मेथु देमेइ बालाइ आग़ासुलाजु छेङमे । ओर्मुग् थेरिगुथेन् इ । जालि बार् मोन् खुदाल्दुग़ाछिन् उ गेर् गेर् थुर् थाल्बिग़ाद् खारिजु इरेगेद् । खुछुन् छिदारिछ खाग़ान् दुर् आयिलाद्खाबा । थाबुन् जागुन् खुदाल्दुग़ाछिन् लुग़ा नोखुर्लेजु ओदुग़सान् बुलुगे बि । नामायि एल्देजु खोगेगेद् । मिनु खोयिना आछा नेखेजु । इरेजु मिनु खुबि यिन् छेङमे । ओर्मुग् थेरिगुयेन् इ बुलियाजु आबाछिबा खेमेन् एल्छि गेरेछि यि गुयुग़सान् दुर् खाग़ान् । खोयार् थुशिमेद् एखिलेन् । खोयार् जागुन् छेरिग् ओग्छु इलेगेखुइ दुर् । एयिन् जाखिरुन् । थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् । बिर्कमिजिद् उन् छेङमे बा । ओर्मुग् इ उुनेगेर् खुलागुग़सान् बुगेसु । बुगुदे यि खिदुजु ओर्खि । उुगेइ बुगेसु । बिर्कमिजिद् येखे याला थाइ बुइ खेमेग्सेन् दुर् बिर्कमिजिद् सोगुदुन् । खाग़ान् दुर् । आयिलाद्खाग़सान् आनु मिनु ओर्मुग् छेङमे यिन् जिखा दुर् छोम् बिछिग् बुइ खेमेग्खुइ दुर् । थेम्देग्लेगेद् याबुबाइ। खाग़ान् उ एल्छि नेर् थाबुन् जागुन् खुदाल्दुग़ाछिन् दुर् खुरुगेद् । एयिन् उुगुलेवेइ । एने बिर्कमिजिद् खेउुखेन् उु एद् बाराग़ान् इ था बुलियाजु आबुबा गेनेम् । बासा

आब्छु ओछिग़मान् इ मेदेजु–ले कर चाट गये को जान कर, अर्थात् ले कर चाट गया है यह जान कर

ग़ोमुदुल्छाबा–परस्पर विलाप किया, दुःखी हुए

छेङमे–भोटदेशीय ऊनी वस्त्रों

बोस्–मूती वस्त्रों

आर्मुग्–मोटे ऊनी वस्त्रों

जिखा जिखा दुर्–प्रान्त २ पर

थेम्देग् खिगेद्–चिह्न लगा दिये

आबाछिजु–ले गया

खुदाल्दुग़ा खिखुइ दुर्–लेन देन करने पर

खेरुगुल् खिग्सेन् मेथु–झगड़ा करने के समान

देमेइ–व्यर्थ

बालाइ–अन्धा, मूर्ख

आग़ासुलाजु (=आग़ाशिलाजु) – रौद्र रूप दिखा कर

गेर् गेर् थुर्–एक २ घर में

थाल्बिग़ाद्–छोड़ कर

खारिजु इरगेद्–लौट आया

नोखुर्लेजु ओदुग़सान् बुलुगे–मित्रता करने गया था

एल्देजु खोगेगेद्–मार भगाया

खोयिना आछा नेखेजु–पीछा किया

मिनु खुबि यिन्–मेरे भाग के

बुलियाजु आबाछिबा–छीन कर ले लिया, छीन लिया

एल्छि गेरेछि यि–दूत (और) साक्षी

गुयुग़सान् दुर्–प्रार्थना करने पर, प्रार्थना की

एखिलेन्–मुखिया बना कर

छेरिग्–सैनिक

ओग्छु–दे कर
इलेंगेखुइ दुर्–भेजने पर, भेजते समय
एयिन् जाखिरुन्–यह आदेश दिया
ठुनेंगेर्–वस्तुत:, सचमुच
खुलागुसान् बुगेस्–यदि चुराए हों
खिदुजु ओर्खि–मार छोड़ो, मार डालो
याला थाइ बुइ–दण्डयुक्त होगा, अर्थात् दण्ड दिया जाएगा
छोम्–सब, सभी
थेम्देग्लेगेद्–चिह्न बता कर
एद् बाराग़ान्–धन सम्पत्ति
बुलियाजु आबुबा–छीन लिया है
गेनेम्–यह कहा गया है अर्थात् हम को बताया गया है
बासा–पुनश्च

जब देखा तो पाया कि चिन्तामणि को (कोई) पुरुष ले कर चाट गया है। यह जान कर (वे लोग) दु:खी हुए। विक्रमादित्य घर लौट आया। भोटदेशीय ऊनी वस्त्रों, सूती वस्त्रों और मोटे ऊनी वस्त्रों के प्रान्त २ पर अक्षर लिख कर चिह्न लगा दिये (और इनको) व्यापारियों के पास ले गया। लेन देन करने पर झगड़ा करने के समान व्यर्थ मूर्खवत् रौद्र रूप दिखा कर ऊनी और सूती आदि कपड़ों को माया द्वारा उन्हीं व्यापारियों के एक २ घर में छोड़ कर लौट आया और बलवान् शकराज के पास प्रतिवेदन किया– मैं पांच सौ व्यापारियों के साथ मित्रता करने गया था (पर उन्होंने) मुझे मार भगाया, मेरा पीछा किया (और) आ कर मेरे भाग के ऊनी, सूती आदि वस्त्रों को छीन लिया। यह कह कर (उसने) दूत और साक्षी (भेजने के लिये राजा से) प्रार्थना की। राजा ने दो मंत्रियों को मुखिया बना कर दो सौ सैनिक दे कर भेजते समय यह आदेश दिया–यदि व्यापारियों ने विक्रमादित्य के ऊनी और सूती कपड़े सचमुच चुराए हों तो सबको मार डालो। यदि न चुराए हों तो विक्रमादित्य को बहुत दण्ड दिया जाएगा। ऐसा कहने पर विक्रमादित्य ने झुक कर राजा से निवेदन किया–मेरे सभी ऊनी और सूती कपड़ों के प्रांतों पर लिखा हुआ है। यह कह कर और चिह्न बता कर चला गया। राजा के दूत पांच सौ व्यापारियों के पास पहुंचे और इस प्रकार कहा–इस विक्रमादित्य बालक के धन और सम्पत्ति को तुमने छीन लिया है, यह हमको बताया गया है। पुनश्च

थेरे यागुमान् उ जिखा जिखा दुर् थेम्देग् बिछिग् बुइ गेनेम् । येखे खागान् आछा गेरेछि एल्छि आब्छु मान् इ आबाछिराबा । बिदेन् उ येखे खागान् उ जालिग् थान् इ उनेगेर् खुलागुसान् बोल्बासु । छोम् खिदुजु ओर्खि खेमेग्सेन् बुलुगे खेमेखुइ दुर् । खुदाल्दुगाछिन् उगुलेरुन् । एने खेउखेन् लुगे नोखुर्लेखु छु बायिथुगाइ । जिसु यि इनु उजेग्सेन् उगेइ खेमेगेद् बासा उगुलेरुन् । बिदे उनेगेर् खुलागुग्मान् बोल्बा गेम् । खागान् उ जालिग् इयार् उखुमुइ । उगेइ बोल्खुला एने खेउखेन् गिम्दा गार्खु बुयु खेमेग्सेन् दुर् । थुशिमेद् याम्बार् बोल्बाछु । बिदं नेङजिमुइ खेमेगेद् नेङजिबेसु । जिखा जिखा दु आनु बिछिग् थेइ ओर्मुग् छेङमे इ गेर् गेर् एछे इनु ओल्जु आबुबासु । खुदाल्दुगाछिन् खुलागाइ खिग्सेन् मान् नि उगेइ बुलुगे । उखुल् खुर्खुइ दुर् थिङ् खिबेउ । छिद्खुर् खिबेउ । उनेगेर् उइले खुर्बे खेमेन् उखिलाल्छान् बायिखुइ दुर् खागान् उ एल्छि नेर् उगुलेरुन् । थान् दुर् उखिलाखु खेरेग् उगेइ । थान् इ छोम् आलामुइ खेमेग्सेन् दर् । बिर्कामिजिद् खेउखेन् उगुलेरुन् । थान् इ आलागुल्जु यागुन् खिमुइ । था एने शालु यि आछा खेमेखुइ दुर् ओग्खये खेमेबे । ओग्खुइ दुर् इयेन् । खुदाल्दुगाछिन् । शालु दुर् उगुलेरुन् । शालु छि मान् इ आमिन् दुर् एगन् थेइ खोयार् उदागा थुसा ओल्गुबाइ । छिमाथि

यागुमान्–वस्तुओं
थेम्देग् बिछिग्–चिह्न (रूपी) लेख
बिदेन् उ–हमारे
खेमेखुइ दुर्–यह कहने पर
नोखुर्लेख छु बायिथुगाइ–मैत्री करना तो रहा
जिसु यि इनु–इसका मुख
खुलागुग्मान् बोल्बा गेम्–यदि चुराया है
उखुमुइ–तो हम मरेंगे अर्थात् मरने को
  उद्यत हैं
उगेइ बोल्खुला–यदि नहीं
गिम्दा–सरलता से
गार्खु बुयु–बच जाएगा क्या
याम्बार् बोल्बाछु–कुछ भी हो
नेङजिमुइ–हम ढूंढेंगे
नेङजिबेसु–जब ढूंढा
ओल्जु आबुबासु–प्राप्त कर लाए, ले आए

खुलागाइ खिग्सेन्–चोरी किया हुआ
मान् नि उगेइ बुलुगे–हमारा नही है,
  अर्थात् चोरी हमने नहीं की
उखुल् खुर्खुइ दुर्–मृत्यु निकट आने पर,
  अर्थात् मृत्यु निकट आ गई है
थिङ् खिबेउ–भगवान् ने किया है क्या
  (उ)
छिद्खुर् खिबेउ–भूतों ने किया है क्या
उइले खुर्बे–भाग्य अर्थात् दुर्भाग्य आ पहुंचा है
उखिलाल्छान् बायिखुइ दुर्–रो कर होने पर
  अर्थात् जब (सब) रोने लगे
थान् दुर्–तुम्हारे लिये
उखिलाखु–रोना
खेरेग् उगेइ–व्यर्थ है
आलामुइ–मारेंगे
आलागुल्जु–मरवा कर

यागुन् खिमुइ–क्या करेंगे
आछा–दे दो
ओग्खुये–हम दे देंगे
खेमेबे–कहा
एगुन् थेइ–इस सहित अर्थात् इस बार को
मिल कर
खोयार् उदाग्गा–दो बार
आमिन् दुर् थुसा ओलगुबाइ–प्राण बचाए हैं
(आमिन् दुर्–प्राणों के लिये। थुसा–
हित। ओलगुबाइ–प्राप्त किया है)

हमको (यह भी) बताया गया है कि इन सब वस्तुओं के प्रान्त २ पर चिह्नरूपी लेख हैं। महाराज से साक्षी और दूत ले कर हमको (विक्रमादित्य कुमार) ले आया है। हमारे महाराज का आदेश है–यदि आपने सचमुच ही चोरी की है तो सबको मार डालो। यह कहने पर व्यापारी बोले–इस कुमार के साथ मैत्री करना तो रहा, हमने तो इसका मुख भी नहीं देखा। और फिर बोले–यदि हमने सचमुच चुराया है तो हम राजा के आदेशानुसार मरने को उद्यत हैं, यदि नहीं तो क्या यह कुमार सरलता से बच जाएगा। मंत्रियों ने कहा–कुछ भी हो, हम ढूढ़ेंगे। यह कह कर जब उन्होंने ढूढा तो प्रान्त २ पर लेखयुक्त ऊनी और सूती कपड़ों को घर २ से ले आए। व्यापारी रोने लगे। चोरी हमने नहीं की, मृत्यु निकट आ गई है, क्या यह भगवान् ने किया अथवा भूतों ने किया। सचमुच हमारा दुर्भाग्य आ पहुंचा है। यह कह कर जब (सब) रोने लगे तो राजदूतों ने कहा–तुम्हारे लिये रोना व्यर्थ है। हम तुम सबको मारेंगे। इस पर कुमार विक्रमादित्य ने कहा–तुमको मरवा कर क्या करेंगे। तुम इस शालु को दे दो। इस पर (व्यापारियों ने) कहा–हम दे देंगे। देते हुए व्यापारियों ने शालु से कहा–शालु तुमने हमारे प्राणों को इस बार को मिला कर दो बार बचाया है। यदि तुम्हारा

युग़ान् सायिन् याबुखु बोल्बासु । आल्बा देगेजि बेन् बारिजु याबुया । मान् उ आमिन् उ थुला । एने खुमुन् लुगे ओद्खु खेमेन् उगुलेबे । शालु उगुलेरुन् । थाबुन् जागुन् खुमुन् उ आमिन् दुर् ओरोग्सान् इयार् । नादुर् थुसा बोल्खु बुइ जा खेमेगेद् । बिर्कमिजिद् लुग़ा याबुबाइ । बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् । खुदाल्दुग़ाछिन् इ याला उगेइ थाल्बिजु इलेगेलुगे । बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् । शालु यि आब्छु इरेबेसु । एखे इनु उजेस्खुलेङ गूआ खाथुन् उगुलेरुन् बिर्कमिजिद् छि खामिग़ा ओछिलुग़ा । एने खोबेगुन् खेन् उ बुइ खेमेग्सेन् दुर् । बिर्कमिजिद् उगुलेरुन् । इजि मिनु छि बुसुनिन् दुथाग़ाजु याबुखुइ दाग़ान् । निगेन् थान् इ थोरोजु । ओखिग्सान् गेनेम् खेमेखुइ दुर् । खाथुन् जालिग् बोलोरुन् । मान् उ निगेन् ओखिन् जागुरा थोरोजु ओखिलुग़ा । थेरे छु बुइ जा खेमेबेसु । बिर्कमिजिद् उगुलेरुन् थेरे बोल्खुला । एखे इनु सुन् ओरोथुग़ाइ । खेउखेन् इनु शालु उलेम्जि सायिखान् बोल्थुग़ाइ खेमेन् इरुगेल् थाल्बिबाइ । एखे दुर् आनु सुन् ओरोग़ाद् । शालु उलाम् इयार् सायिखान् बोलोलुग़ा । बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् एखे देगेन् आयिलाद्खारुन् । इजि मिनु एन्दे सायिखान् इयार् आमुर् साग़ु । बि शालु युग़ान् दाग़ागुल्जु । एछिगे खाग़ान् उ साग़ुरसान् खोथान् दुर् एर्गेजु उजेये खेमेबेसु ।

युग़ान्–अपना
सायिन्–कुशल, कुशलता पूर्वक
याबुखु–रहना
बोल्बासु–यदि हो
आल्बा–कर
देगेजि बेन्–अपने (बेन्) प्रथम फल
बारिजु याबुया–देते रहेंगे
ओद्खु–जाओगे
आमिन् दुर् ओरोग्सान् इयार्–प्राण बचाने से
नादुर्–मेरे लिये, मेरा
थुसा–भला
बोल्खु बुइ जा–होना होगा ही अर्थात् होगा ही
याला उगेइ–दण्ड (दिये) बिना
थाल्बिजु–छोड़ दिया
खुदाल्दुग़ाछिन् इ इलेगेलुगे–व्यापारियों को भेज दिया, जाने दिया

खामिग़ा–कहां
ओछिलुग़ा–गये थे
खेन् उ–किसका
इजि मिनु–मां मेरी
बुसुनिन्–आपत्ति में पड़ कर
दुथाग़ाजु याबुखुइ दाग़ान्–भाग रहे थे
निगेन् थान् इ–तुम्हारे में से एक ने
थोरोजु–बच्चे को जन्म दे कर
ओखिग्सान्–छोड़ दिया था
गेनेम्–(ऐसा यह बालक) कहता है
जागुरा–मार्ग में
थेरे छु–वह ही
बुइ जा–निश्चित रूप से (जा) होगा (बुइ)
थेरे बोल्खुला–यदि वह है
सुन् ओरोथुग़ाइ–दूध उतर आए
उलेम्जि सायिखान्–अधिक सुन्दर

बोल्थुग़ाइ–बन जाए
इरुगेल् थाल्बिबाइ–प्रार्थना की
उलाम् इयार्–धीरे २
एन्दे–यहां
सायिखान् इयार्–आनन्द से, सुख से
आमुर् सागु–शान्त बैठो
शालु युग़ान् दाग़ागुल्जु–अपने शालु को साथ ले कर
सागुसान् खोथान् दुर्–(जिस नगर में गद्दी पर) बैठा था (उस) नगर में, अर्थात् राजधानी में
एर्गेजु उुजेये–भ्रमण कर के देखूगा

अपना कुशलता पूर्वक रहना हो तो (हम तुमको) अपने कर और प्रथम फल देते रहेंगे। हमारे प्राणों के लिये तुम इस पुरुष के साथ जाओगे। शालु ने कहा–पांच सौ पुरुषों के प्राण बचाने से मेरा भला होगा ही। यह कह कर वह विक्रमादित्य के साथ चला गया। विक्रमादित्य राजकुमार ने दण्ड दिये बिना व्यापारियों को छोड़ दिया और जाने दिया।

जब विक्रमादित्य राजकुमार शालु को ले कर घर आया उसकी माता रुचिरललिता राणी ने पूछा–विक्रमादित्य, तुम कहां गये थे और यह लड़का किसका है। विक्रमादित्य ने उत्तर दिया–मां मेरी, जब तुम (लोग) आपत्ति में पड़ कर भाग रहे थे, उस समय तुम्हारे में से एक ने बच्चे को जन्म दे कर छोड़ दिया था, ऐसा यह बालक कहता है। राणी बोली–हमारी एक लड़की ने मार्ग में बच्चे को जन्म दे कर छोड़ दिया था, वह ही यह निश्चित रूप से होगा। विक्रमादित्य ने कहा–यदि वह है तो इसकी मां को दूध उतर आए और यह बालक शालु से अधिक सुन्दर बन जाए। यह कह कर विक्रमादित्य ने प्रार्थना की। (शालु की) मां को दूध उतर आया। शालु धीरे धीरे सुन्दर बन गया।

विक्रमादित्य राजकुमार ने अपनी मां से कहा–मां मेरी, तुम यहां सुख से शान्त बैठो। मैं अपने शालु को साथ ले कर पिता राजा की राजधानी में भ्रमण करके देखूंगा।

एखे इनु उगुलेरुन् । बिकर्मिजिद् खान् खोबेगुन् मिनु । ग़ाजार् इयेर् खोला । खोओर्थान् इयेर् ओलान् छि मिनु याग़ाखिजु खुर्खु खेमेबेसु । बिकर्मिजिद् खान् खोबेगुन् उगुलेरुन् । ग़ाजार् खोला बोल्बासु याबुजु खुरुये । दायिमुन् ओलान् ब्रोल्बासु दारुजु मेदेये खेमेगेद् । इजागुर् उन् खोथा दाग़ान् जोरिन् ओगेदे बोल्बा । याबुन् खुरुन् गेखुले । खलश नेरे थु खाग़ान् ग़ङदरब नोग्छिजु गेनेम् । एखे आल्बा थु आनु बुरिल्जु खेमेन् सोनुसुग़ाद् नेगुजु । ग़ङदरब खाग़ान् उ खोथा यि एजेलेये खेमेन् इरेग्सेन् आजुगु । शिम्नुस् खारिन् खलश खाग़ान् इ ओरोगुल्जु आबुग़ाद् आल्बा आब्खु आनु । निगेन् एदुर् । निगेन् थायिजि थेरिगुलेन् जागुन् खुमुन् इ आब्खु बुलुगे । बिकर्मिजिद् खान् खोबेगुन् खुरुग्सेगेर् जिखा यिन् निगेन् गेर् थु ओरोबासु । निगेन् एमेगेन् उरुगु बान् खेब्थेजु निगुर् इयान् माग़ाजिलान् उसु बेन् ओग्थेगेजु उनेसु शिरुइ ओम्खुल्जु ग़ासालाङ बायिखुइ दुर् । बिकर्मिजिद् खान् खोबेगुन् । एमेगेन् इ देगेग्शि थाथाग़ाद् एमेगेन् छि यागुन् ग़ासालाङ ग़ाशिगुदाबा खेमेन् आसागुग्मान् दुर् । एमेगेन् उगुलेरुन् । था खेउखेन् मिनु मेदेखु उगेइ । मिनु खोयार्खान् ओखिन् बिले । मान् उ खलश खाग़ान् । ग़ङदरब खाग़ान् उ खोथा यि

ग़ाजार् इयर्–स्थान
यहां इयेर् का प्रयोग कर्तृ-कारक के अर्थ में है ।
खोला–दूर
खोओर्थान् इयेर्–हिंमक
ओलान्–अनेक
याग़ाखिजु खुर्खु–कैसे पहुंचोगे
दायिमुन्–शत्रु
दारुजु मेदेये–दमन करता चलूंगा
इजागुर् उन् खोथा दाग़ान्–अपने वंश के नगर को
जोरिन् ओगेदे बोल्बा–प्रस्थान किया
याबुन् खुरुन् गेखुले–पहुंचा ही था कि
नोग्छिजु गेनेम्–मर गया कहा जाता है
बुरिल्जु–आपत्ति में है
खेमेन् सोनुसुग़ाद्–यह सुन कर
नेगुजु–आ पहुंचा था
एजेलेये–स्वामी बनूगा
इरेग्सेन् आजुगु–आया था
खारिन्–किन्तु
ओरोगुल्जु आबुग़ाद्–जीत कर ले लिया, पराजित किया
आल्बा–बलि
थायिजि–सामन्त
थेरिगुलेन्–अधिष्ठित
खुरुग्सेगेर्–पहुंच कर
जिखा यिन्–सीमा के
ओरोबासु–जब प्रवेश किया
एमेगेन्–वृद्धा
उरुगु बान् खेब्थेजु–नीचे मुंह के बल लेटी हुई थी
निगुर् इयान्–अपने मुख को
माग़ाजिलान्–नोच कर
उसु बेन्–अपने केशों को

ओग्थेगेजु–खींच कर
तुनेसु–भस्म, राख
ओम्खुल्जु–मुंह में डाल कर
ग़ासालाङ बायिखुइ दुर्–शोक करने पर
देगेग्शि थाथाग़ाद्–ऊपर उठाया
यागुन् ग़ासालाङ ग़ाशिगुदाबा–क्यों शोक से शोकित हो
खोयार्खान्–दो ही
ओखिन्–लड़कियां। यहां "खेउखेन्" (लड़के) शब्द चाहिये।

उसकी मां ने कहा–मेरे राजकुमार विक्रमादित्य। स्थान दूर है। हिंसक अनेक हैं। तुम मेरे (प्यारे वहां) कैसे पहुंचोगे। विक्रमादित्य राजकुमार ने उत्तर दिया–यदि स्थान दूर है तो चल कर पहुंच जाऊंगा। यदि शत्रु बहुत हैं तो दमन करता चलूंगा। यह कह कर अपने वंश के नगर को प्रस्थान किया। (वह) वहां पहुंचा ही था कि (पता लगा कि) गंधर्व राजा को मरा सुन कर और प्रजा को बड़ी आपत्ति में जान कर कलश नाम का राजा आ पहुंचा था। गंधर्व राजा के नगर का स्वामी बनूंगा, इस विचार से कलश राजा आया था। किन्तु भूतों ने कलश राजा को पराजित किया और उससे बलि लेने लगे–एक दिन में एक सामन्त और उससे अधिष्ठित सौ पुरुष।

जब विक्रमादित्य राजकुमार ने (नगर में) पहुंच कर सीमा के एक घर में प्रवेश किया तो एक वृद्धा मुह के बल नीचे लेटी हुई थी। वह अपने मुह को नोच कर, अपने केशों को खींच कर और भस्म तथा मिट्टी मुह में डाल कर शोक कर रही थी। विक्रमादित्य राजकुमार ने उसको ऊपर उठाया और पूछा–वृद्धे, तुम क्यों शोकार्त हो। वृद्धा ने कहा–मेरे बच्चे। तुम नहीं समझ पाओगे। मेरे दो ही बच्चे थे। मेरा कलश राजा, गंधर्व राजा के नगर पर

एजेलेखु गेजि इरेगेद् । ख़ारिन् शिम्नुस् थुर् एजेलेग्देगेद् । निगेन् एदुर् निगेन् थायिजि थाइ । जागुन् खुमुन् उ आल्बा बारिदाग् बायिना । निगेन् खोबेगुन् इ मिनु उरिद् आल्बान् दुर् ओग्बे । एदुगे गाग़्छा उलेग्सेन् खेउखेन् इ मिनु ओग्खु खेमेन् आबाग़ाछिबा । थेयिमु यिन् थुला । ग़ाग़्छा बेये बेन् उलेजु । उखुखु गेजि खेब्थेमुइ खेमेखुइ दर् । बिर्कमिजिद् ख़ान् खोबेगुन् जालिग् ब्रोलोरुन् । एमेगेन् छि उखुखु बेन् बायिगा । छिनु खोबेगुन् इ बि ग़ार्ग़ाजु आब्छु इलेगेये । ओरोन् दुर् आनु बि बेये बेन् इदेगुलेसु खेमेबेसु । एमेगेन् उगुलेरुन् । आबाइ ख़ोङगुर् मिनु बायिगा । बि दागुमुरसान् खुमुन् । छि मिनु ओछिखुला । नादुर् आदालि एमेगेन् एखे छिनु ग़ासाल्जु सागुनाम् जा खेमेखुइ दुर् । बिर्कमिजिद् ख़ान् खोबेगुन् उगुलेरुन् । एमेगेन् । ग़ाइ उगेइ । खोबेगुन् इ छिनु बि इलेगेजु एसे छिदाबामु । छि खेउखेन् इयेन् ओरोन् दुर् । मिनु एने देगू यि खेउखेन् खिजु सागु खेमेगेद् । खलश ख़ाग़ान् उ गेर् थु ओरोन् गेखुले । निगे थायिजि थेरिगुलेन् । जागुन् खुमुन् इ खुरियाजु ग़ाशिगुथान् खेलेल्छेजु सागुन् आजिगु । बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् इ उजेगेद् । थेरे खेन् उ खोबेगुन् बुइ खेमेन् आसागुबामु ।

गेजि इरेगेद्—के लिये आया था
ख़ारिन्—उल्टे
शिम्नुस् थुर् एजेलेग्देगेद्—भूतों से अभिभूत हो गये, भूतों ने उस पर आधिपत्य कर लिया
थायिजि थाइ—सामन्त सहित
आल्बा बारिदाग् बायिना—बलि लेते हैं
उलेग्सेन्—अवशिष्ट
ओग्खु खेमेन्—देना इति अर्थात् देने के लिये
आबाग़ाछिबा—ले गये हैं
ग़ाग्छा बेये बेन् उलेजु—अकेला अपना शरीर बच गया अर्थात् अकेली रह गई
उखुखु गेजि—मरने के लिये
खेब्थेमुइ—लेटी हुई हूं, पड़ी हुई हूं
उखुखु बेन् बायिगा—अपना मरना रहने दो
ग़ार्ग़ाजु आब्छु इलेगेये—निकाल ला दूंगा
ओरोन् दुर् आनु—उसके स्थान में
बेये बेन्—अपने शरीर को
इदेगुलेसु—खिलवा दूंगा
आबाइ ख़ोङगुर् मिनु—हे प्यारे मेरे
बायिगा—रहने दो
दागुमुरसान्—समाप्त
ग़ासाल्जु सागुनाम् जा—दुःखी (शोकार्त) हो बैठेगी
ग़ाइ उगेइ—कोई बात नही
इलेगेजु एसे छिदाबामु—यदि बचा न सका (एसे—न । छिदाबामु—यदि सका)
खेउखेन् इयेन्—अपने लड़के के
खेउखेन् खिजु सागु—लड़का बना बैठना, लड़का बना लेना
ओरोन् गेखुले—ज्यों ही प्रवेश किया
खुरियाजु—इकट्ठे हो कर
ग़ासिगुथान्—शोकपूर्ण
खेलेल्छेजु सागुन् आजिगु—परस्पर बातचीत करते हुए बैठे थे

आधिपत्य करने के लिये आया था। उल्टे, भूतों ने (उस पर) आधिपत्य कर लिया। प्रतिदिन (भूत) एक सामन्त सहित सौ पुरुषों की बलि लेते हैं। अपने एक लड़के को पहले ही बलि मे दे चुकी हू। आज एकमात्र अवशिष्ट, मेरे (दूसरे) लड़के को (बलि) देने के लिये ले गये है। अत. मै अकेली रह गई और मरने के लिये पड़ी हुई हू। ऐसा कहने पर विक्रमादित्य राजकुमार बोला – वृद्धे, तुम अपना मरना रहने दो। मै तुम्हारे पुत्र को निकाल ला दूगा। उसके स्थान मे अपने शरीर को खिलवा दूगा। इस पर वृद्धा बोली – हे मेरे प्यारे, रहने दो। मैं समाप्त (हो चुकी हूं)। तुम मरे (प्यारे), यदि जाओगे तो मेरे समान तुम्हारी वृद्धा माता दुःखी हो बैठेगी। इस पर विक्रमादित्य राजकुमार ने कहा – वृद्धे, कोई बात नही। यदि मै तुम्हारे लड़के को न बचा सका, तो तुम अपने लड़के के स्थान मे मेरे इस छोटे भाई को अपना लड़का बना लेना।

यह कह कर ज्यो ही (विक्रमादित्य ने) कलश राजा के घर मे प्रवेश किया, एक सामन्त और इकट्ठे हुए सौ पुरुष शोकपूर्ण परस्पर बातचीत करते हुए बैठे थे। इन्होने विक्रमादित्य राज-कुमार को देखा और पूछा – आप किस के पुत्र है।

बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि गऊदर्व खाग़ान् उ खोबेगुन् बुलुगे । एछिगे युगेन् ओङगेरेग्सेन् उ खोयिना । शिम्नुस् आछा आयुन् दुथाग़ाग़ाद् । ग़ाग़छा देगू बेन् दाग़ाग़ुल्जु एने खोथा बान् एङखेबेउ खेमेन् एर्गेजु उजेये खेमेन् इरेग्सेन् बुलुगे खेमेबेसु । खलश खाग़ान् जालिग् बोलोरुन् । खोयिथु इरेग्सेन् छिमा आछा बायिथुग़ाइ । उरिदा इरेग्सेन् बि जोबालाङ थु बोल्जु । निगेन् एदुर् ए निगेन् थायिजि थेरिगुलेन् जागुन् खुमुन् उ आल्बा बारिजु खेब्थेनेम् बिदे खेमेबेसु । खान् खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि इरेजु निगेन् एमेगेन् एछे सोनुस्बा । एमेगेन् उ ग़ासाल्खु यिन् येखे दु । थेगुन् उ खोबेगुन् उ ओरोन् दुर् बेये बेन् ओछिसु गेजु इरेलुगे खेमेबेसु । खलश खाग़ान् जालिग् बोलोरुन् । छि शिम्नुस् थुर् ओद्छु थेस्खु उगेइ । इदेखु एछे ओबेर् यागुमा उगेइ खेमेबेसु । खान् खोबेगुन् जालिग् बोलोरुन् । खुमुन् उ ओरोन् दुर् बेये बेन् इदेगुल्बेसु । खोयिथु थोरोल् देगेन् एगुन् एछे देगेरेखेन् थोरोमु खेमेन् इरेलुगे खेमेबेसु । खाग़ान् ओछिथुग़ाइ खेमेबे । एमेगेन् उ खोबेगुन् इ ग़ार्ग़ाग़ाद् । जागुन् खुमुन् इयेन् आबुन् । छाम् खारायिखु यिन् दुरि बेर् याबुरसान् दुर् । खलश खाग़ान् खोयिनाछा खाराग़ाद् ग़ायिखाजु उगुलेरुन् ।

ओङगेरेग्सेन् उ खोयिना—मरने के पश्चात्
ग़ाग़छा—एकमात्र
दाग़ाग़ुल्जु—साथ ले कर
एने खोथा बान्—इस अपने नगर को
एङखेबेउ—शान्ति अर्थात् कुशल मंगल (एङखे) रहा क्या (उ)
खेमेन्—इस लिये
इरेग्सेन् बुलुगे—आया था
जोबालाङ थु—दुःखयुक्त, दुःखी
आल्बा बारिजु खेब्थेनेम्—बलि भरनी पड़ती है
बिदे—हम
ओछिसु गेजु इरेलुगे—देने के लिये आया हूं
ओद्छु—जा कर
थेस्खु उगेइ—सहन नहीं (कर सकोगे)
इदेखु एछे ओबेर्—भक्षण के अतिरिक्त
यागुमा उगेइ—कुछ नहीं
इदेगुल्बेसु—यदि खिलवा दूं
खोयिथु थोरोल् देगेन्—अपने अगले जन्म में
एगुन् एछे देगेरेखेन्—इस से ऊपर
थोरोमु—जन्म लूंगा
ओछिथुग़ाइ—यह अवश्य जाए, इसको अवश्य जाने दो
खेमेबे—कहा
ग़ार्ग़ाग़ाद्—निकाल दिया
आबुन्—ले कर
छाम् खारायिखु यिन्—छाम् नृत्य के
दुरि बेर्—रूप से, प्रकार से
याबुरसान् दुर्—जाने पर
खोयिनाछा खाराग़ाद्—पीछे से देखा
ग़ायिखाजु—चकित हो कर

विक्रमादित्य राजकुमार ने कहा – मैं गन्धर्व राजा का पुत्र हू। अपने पिता के मरने के पश्चात् भूतों से डर कर भाग गया था। एकमात्र अपने छोटे भाई को साथ ले कर इस अपने नगर को, कैसा कुशल मंगल रहा, यह भ्रमण कर देखूं, इस लिये आया था। इस पर कलश राजा ने कहा – पीछे आए हुए तुम से तो रहा, (तुम्हारे मे) पहिले आया हुआ मै दुःखी हूं। हम को प्रति दिन एक सामन्त और सौ पुरुषों की बलि भरनी पड़ती है। राजकुमार ने कहा – (यह) मैंने आते ही एक वृद्धा से सुना है। वृद्धा का शोक बहुत अधिक है अतः उसके पुत्र के स्थान में अपने शरीर को देने के लिये आया हूं। इस पर कलश राजा बोले – तुम भूतों के पास जा कर सहन नही कर सकोगे। भक्षण (किये जाने) के अतिरिक्त (और) कुछ नहीं (होगा)। इस पर राजकुमार ने कहा – (वृद्धा के) पुत्र के स्थान में अपने शरीर को यदि खिलवा दू तो अपने अगले जन्म में इस मे ऊपर (की योनि में) जन्म लूंगा, यह (सोच कर) आया हूं। इस पर राजा ने कहा – इस को अवश्य जाने दो। और वृद्धा के लड़के को निकाल दिया।

अपने सौ व्यक्तियों को ले कर छाम् नृत्य करता हुआ (विक्रमादित्य) चला गया। कलश राजा ने पीछे से देखा और चकित हो कर कहा –

निगेन् बोल्खुला मान् इ आबुराग़िछ बुर्खान् बुइ जा। उगेइ बोल्खुला मान् इ आलाग़िछ छिद्खुर् लुगे नेमेरि इरेग्सेन् बुइ जा। यागुन् छु बोल्बा बुगुदेगेर् छुग़लाजु खोनुया खेमेन् छुग़लाजु खोनुबा। बिकर्मिजिद् खान् खोबेगुन्। जागुन् खुमुन् इयेन् दाग़ागुलुग़साग़ार् थेरे येखे खोथान् दुर् ओरोबासु। निगेन् उलेम्जि ओर्दु खार्शि बुइ आजिगु। थेगुन् उ दोथोरा निगेन् आर्स्लान् थु थाब्छाङ बुइ आजिगु। थेगुन् उ देगेरे खान् खोबेगुन् ग़ार्छु साग़ुग़ाद्। आइ खोगेरुखुइ। एछिगे मिनु एङखेजु साग़ुथाला बुसुनिन् ओदुग़सान् इ उजेबेसु। ओर्छिलाङ उन् खोगुसुन् इ याग़ाखिया खेमेन् उखिलाग़ाद्। शिम्नुस् छि। खोगेरुखुइ। उरिदा जागुन् खुमुन् इ इदेखुइ दुर् यागुन् सानादाग् बोल्बा खेमेन् उखिलाग़ाद्। शिम्नुस् छिनु उरे यि एसे थासुल्खुला गेजु जानुग़ाद्। जागुन् खुमुन् इयेन् गेर् गेर् थु इनु खारिगुल्बा। खाग़ान् दु जाखिबा। शिम्नुस् इ छिनु नोमुग़ाद्खाग़सुग़ाइ। मिनु देर्गेदे जागुन् बुथुङ आरिखि थाल्बि खेमेग्सेन् इ खलश खाग़ान् सोनुसुग़ाद् बायार्लान् उगुलेग्सेन् योसुग़ार् थाल्बिबाइ। शिम्नुस् उन् छेरिग् इरेजु। दोर्बेन् जागुन् बुथुङ आरिखि यि ओरोब्खिन् जालिगजु ओर्खिग़ाद् सोग़थोगुरान् खेब्थेखुइ दुर्।

निगेन् बोल्खुला–एक हुआ, एक ओर
आबुराग़िछ–बचाने वाला
उगेइ बोल्खुला–नहीं हुआ, दूसरी ओर
आलाग़िछ–मारने वाला
नेमेरि–वृद्धि अर्थात् नया
यागुन् छु बोल्बा–कुछ भी हो
छुग़लाजु–एकत्र हो कर
खोनुया–रात बिताएं
दाग़ागुलुग़साग़ार्–को साथ ले कर, के साथ
ओरोबासु–जब प्रवेश किया
उलेम्जि–अति सुन्दर
ओर्दु खार्शि–महल
बुइ आजिगु–था
आर्स्लान् थु–सिंहयुक्त
थाब्छाङ–आसन
ग़ार्छु साग़ुग़ाद्–चढ़ कर बैठ गया
आइ–हा
खोगेरुखुइ–कष्ट
एङखेजु साग़ुथाला–इस प्रकार राज्य करते समय
बुसुनिन् ओदुग़सान् इ–दुःखमयी स्थिति को
उजेबेसु–यदि देखता
ओर्छिलाङ उन्–संसार की
खोगुसुन् इ–शून्यता को
याग़ाखिया–क्या करूं
उखिलाग़ाद्–विलाप करने लगा
यागुन् सानादाग् बोल्बा–क्या सोचता होगा
छिनु उरे यि–तुम्हारी सन्तति को
एसे थासुल्खुला–यदि समाप्त न कर दूं
जानुग़ाद्–धमकी दी
जाखिबा–सन्देश दिया
नोमुग़ाद्खाग़सुग़ाइ–दमन करूंगा
बुथुङ आरिखि–कूपी मदिरा, मदिरा की कुपियां

एक ओर (तो) हम को बचाने वाला बुद्ध हो सकता है, और दूसरी ओर हम को मारने वाला एक नया भूत। कुछ भी हो, सब एकत्र हो कर रात बिताएं। (और सब ने) इकट्ठी रात बिताई।

विक्रमादित्य राजकुमार ने अपने सौ पुरुषों के साथ महान् नगर में प्रवेश किया। (वहां) एक अति सुन्दर महल था। उसके अन्दर एक सिंहासन था। राजकुमार उस पर चढ़ कर बैठ गया, और बोला – हा कष्ट। यदि राज्य करते समय मेरा पिता इस दुःखमयी स्थिति को देखता (तो) संसार की शून्यता को (प्रत्यक्ष करता)। क्या करूं – (इस प्रकार) विलाप करने लगा। "तुम भूतो, हा कष्ट, जब तुमने पहिले सौ पुरुषों को खाया होगा तब (मेरा पिता) क्या सोचता होगा" (इस प्रकार) विलाप किया। (और) "भूतो, तुम्हारी संतति को यदि मैं समाप्त न कर दूं . . .।" यह धमकी दी। और सौ पुरुषों को अपने २ घर भेज कर राजा (कलश) को संदेश दिया – (मैं) तुम्हारे भूतों का दमन करूंगा। मेरे सामने (चार) सौ कूपी मदिरा रखवा दो। यह सुन कर कलश राजा प्रसन्न हुआ और कथितानुसार (चार सौ कूपियां) रखवा दीं। भूतों की सेना ने आ कर मदिरा की चार सौ कूपियां पेट भर पी लीं और उन्मत्त हो कर लेट गये।

खान् खोबेगुन् थेदेगेर् इ छोम् छाब्छिजु आलागाद् मागुथाला। शिम्नुम् उन् खागान् मेदेगेद् इरेजु। इन्दुन् इयेन् गार्गान् दाब्बिन् खूछं इरेखुइ दुर्। खान् खोबेगुन् उगुलेरुन्। बायिछा शिम्नुस् उन् खागान्। देर्गेदे बेलेदुग्मेन् इदेगेन् इ उरिदा इदे। बाराबामु बि छिन् जारुछा बोलुया। एमे बाराबामु छि मिनु जारुछा बोल् खेमेग्सेन् दुर्। शिम्नुम् उन् खागान् जाल्गिगाद् सोग्थोजु उनाग्मान् दुर्। खान् खोबेगुन् एयिन् मेद्खिरुन्। आर्गा बार् आल्लाग्सान् नेरे गछे खुछुन् इयेर् आल्लाग्सान् नेरे येखे देगेरे बुइ जा खेमेन् खुलियेजु बायिथाला। शिम्नुस् उन् खागान् सेर्गुगेद् बोमुन् इरेग्सेन् दुर्। खान् खोबेगुन् खोयार् खागास् थामु छाब्छिबा। खोयार् शिम्नु बोलुन् नोछुल्दुबाइ। दाबन् आङ्गि थामु छाब्छिबा। दोर्बेन् बेये बोलुन् नोछुल्दुबाइ। नाइमान् आङ्गि थामु छाब्छिबा। नाइमान् खुमुन् बोलन् इरेबेइ। खान् खोबेगुन् नाइमान् आम्लोन् बोलुगाद्। थेम्खिन् दागुन् गार्छु थामुछिन् आल्लाखुट दुर्। आगुला नुगाजु थाला बोल्बा। थाला देल्बेर्छे उमुन् गार्बा। खल्श खागान् उ उलुम् छोम् उग्यदगेजु उनाबाइ। शिम्नुस् उन् खान् इ आल्लागाद् माइ थाल्बिजु। गाजार् इ थोग्थागान्। उलुम् बुगुदे यि जिर्गाल्लान् थान् बोल्गाबाइ। खल्श खागान् थेग्गिलेन्। उलुम् बुगुदेगेर् बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् इ शियुलुगे। बोरदा बायिरा बिर्कमिजिद् खागान्। खाथुन् एखे खिगेद्। खामुग् उलुस् इयान् थेग्गि जिर्गागुलुबाइ। छि येरे मेथ बोल्खुला एने गिरेगेन् द मागु। बिशि बोल्खुला मागुजु उलु छिदाखु खेमेबे॥

छाब्छिजु आल्लागाद् मागुथाला—काट कर मार बैठा ही था।

इन्दुन् इयेन् गार्गान्—अपनी तलवार निकाल कर

दाब्बिन् खूछं इरेखुइ दुर्—भागते हुए आ पहुंचने पर, भागता हुआ आया

बायिछा—ठहरो

बेलेदुग्मेन्—सिद्ध हुए, तय्यार

बाराबामु—यदि पूरा खा लोगे

जारुछा—दाम

जाल्गिगाद्—हड़प कर लिया

सोग्थोजु—उन्मत्त हो कर

उनाग्मान् दुर्—गिर पड़ने पर, गिर पड़ा

आर्गा बार्—चतुराई मे, धोखे मे

नेरे—नाम, कीर्ति

खुछुर् इयेर्—शक्ति द्वारा

येखे देगेरे—अधिक ऊंची

खुलियेजु बायिथाला—प्रतीक्षा कर ही रहा था

सेर्गुगेद्—जाग कर, चेतन हो कर

बोमुन् इरेग्सेन् दुर्—उठ आने पर, उठ आया

खागास्—आधा भाग, भाग

थामु छाब्छिबा—काट कर विच्छेद कर दिया

नोछुल्दुबाइ—लड़ने लगे

आङ्गि = अङ्ग, भाग

थेम्खिन् दागुन्—गर्जन-ध्वनि

गार्छ—निकाल कर, करके

थासुछिन्–टुकड़े २ करके
आलाखुइ दुर्–मारने पर, मार डाला
आगुला नुराजु–पर्वत विध्वस्त हो कर
थाला बोल्बा–स्थली बन गये
देल्बेर्छु–फट कर
उसुन् ग़ार्बा–जल निकल आया
उलुस् छोम–प्रजा सब अर्थात् सब प्रजा
उखुद्गेजु उनाबाइ–मूर्छित हो कर गिर पड़ी
साङ थाल्बिजु–धूप जलाई
ग़ाजार् इ थोरथाग़ान्–भूमि को स्थिर किया
जिर्ग़ालाङ थान्–सुखी, प्रसन्न
बोल्गाबाइ–बनाया, किया
शिथुलुगे–आश्रय लिया
बायिरा = वीर
थेग्शि जिर्ग़ागुलुबाइ–पूर्ण रूप से सुखी बनाया
बिशि बोल्खुला–यदि नही हो
सागुजु उलु छिदाखु–न बैठ सकोगे

राजकुमार उन सब को काट कर मार बैठा ही था कि भूतराज को पता लगा और वह आ पहुंचा। वह अपनी तलवार निकाल कर भागता हुआ आया। राजकुमार ने कहा – भूतराज, ठहरो। सामने (पड़े हुए) तय्यार भोजन को पहले खाओ। यदि पूरा खा लोगे मैं तुम्हारा दास बन जाऊंगा। यदि पूरा नहीं खाओगे तो तुम मेरे दास बनोगे। यह कहने पर भूतराज ने (सब) हड़प कर लिया और उन्मत्त हो कर गिर पड़ा। राजकुमार ने ऐसा सोचा – धोखे से मारने की कीर्त्ति से तो शक्तिद्वारा मारने की कीर्ति निश्चित रूप से अधिक ऊंची है। यह विचार कर प्रतीक्षा कर ही रहा था कि भूतराज चेतन हो कर उठ आया। राजकुमार ने दो भागों में काट कर (उसका) विच्छेद कर दिया। (दोनों भाग) दो भूत बन कर लड़ने लगे। (दोनों को) चार भागों में काट कर विच्छेद किया। (चारों भाग) चार शरीर बन कर लड़ने लगे। (चारों को) आठ भागों में काट कर विच्छेद किया। (आठों भाग) आठ पुरुष बन आए। राजकुमार ने आठ सिंहों का रूप धारण कर लिया और गर्जन-ध्वनि करके टुकड़े २ करके मार डाला। पर्वत विध्वस्त हो कर स्थली बन गये। स्थली फट कर जल निकल आया। कलश राजा की सब प्रजा मूर्छित हो कर गिर पड़ी।

(राजकुमार ने) भूतराज को मार कर धूप जलाई, भूमि को स्थिर किया और समस्त प्रजा को प्रसन्न किया। कलश राजा और समस्त प्रजा ने विक्रमादित्य राजकुमार का आश्रय लिया। महात्मा वीर विक्रमादित्य राजा ने राणी माता तथा अपनी समस्त प्रजा को पूर्ण रूप से सुखी बनाया।

यदि तुम (भी) इसके समान हो तो इस सिंहासन पर बैठो। यदि नहीं हो तो न बैठ सकोगे। इति ॥

गुथागार् बोलुग

निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेग्सेन्।

आराजि बोजि खागान्। थेरे शिरेगेन् दुर् बासा सागुसुगाइ खेमेग्सेन् दुर्। निगेन् मोदुन् खुमुन्। खागान् छि बायिछा। सागुजु उलु बोलुमुइ। बोग्दा बिर्कमिजिद् खागान् उ निगेन् याबुदाल् इ उगुलेसुगेइ खेमेन् एने उलिगेर् इ उगुलेहन्। बोग्दा बिर्कमिजिद् खागान् खामुग् उलुस् इयान् जिर्गागुलुन् मागुथाला। ओबेर् निगेन् येखे खागान् बेर् निर्वान् बोल्गाद्। थेगुन् उ शिरेगेन् दुर् खान् मागुखु उरे उगेइ यिन् थुला। उलुस् आछा निगेन् सायिन् खोबेगुन् इ मोङगुजु सागुल्गाबाछु एदुर् मागुगाद् सोनि उखुजु बायिखु यिन् थुला। येखे [उलुस्] एमियेन् जोबाजु बायिखुइ यि बोग्दा बिर्कमिजिद् खागान् [आयिल्ादुन्] थेगुन् इ थुसालारा गाल्ु बान् दागागुल्जु गुयिलिङछि बोलुन् खुबिल्ाजु ओदुगाद् खुरुन् गेखुले। निगेन् गेर् थुर् ओरोबासु। एबुगेन् एमेगेन् खोयार् निगेन् जिसु सायि थु खोबेगुन् दुर् शिरेगे जासाजु खुन्दुलेन् गाशिगुदाजु सागुखुइ दुर्। था यागुन् दु गाशिगुदानाम्। खेमेन् आसागुग्सान् दुर्। खागान् मान् उ नामुन् ओङगेरेग्सेन् खिगेद्।

जिर्गागुलुन् मागुथाला—सुखी कर बैठ रहा था अर्थात् सुखी रख रहा था

ओबेर्—दूसरे

बेर्—न

निर्वान् बोल्गाद्—निर्वाण हो गया अर्थात् निर्वाण प्राप्त किया

खान् सागुखु—राजा (के रूप मे गद्दी पर) बैठने के लिये

उरे—सन्तान

माङगुजु—चुन कर

सागुल्गाबाछु— (सिंहासन पर) बिठा देते थे

एमियेन् जोबाजु—चिन्तित और दुःखी

आयिल्ादुन्—जान कर

थुसालारा—सहायता के लिये

गुयिलिङछि बोलुन् खुबिल्ाजु—भिखारी बन परिवर्तन करके अर्थात् भिखारियों का रूप धारण करके

ओदुगाद—चल दिये

खुरुन् गेखुले—जब (वहा) पहुचे

एबुगेन्—वृद्ध पुरुष

एमेगेन्—वृद्धा स्त्री

खोयार्—दोनों, और

जिसु सायि थु—सुन्दर रूप वाले

खोबेगुन् दुर्—कुमार के लिये

जासाजु—सज्ज करके

खुन्दुलेन् गाशिगुदाजु सागुखुइ दुर्—सत्कार पूर्वक शोक मे बैठे हुए थे

यागुन् दु—किस लिये

नोमुन् ओङगेरेग्सेन्—मर गये हैं

तृतीय अध्याय

एक और पुतली की कथा

भोजराज ने कहा – फिर भी मैं इस सिंहासन पर बैठूंगा। इस पर एक और पुतली बोली – राजन्, तुम ठहरो। तुम न बैठोगे। महात्मा विक्रमादित्य राजा के एक चरित को मैं बतलाऊंगी। यह कह कर उसने एक कहानी सुनाई –

महात्मा विक्रमादित्य राजा अपनी सब प्रजा को सुखी रख रहा था कि एक दूसरे महाराजा ने निर्वाण प्राप्त किया। उसके सिंहासन पर राजा (के रूप में) बैठने के लिये (कोई) सन्तान न थी। अतः प्रजा में से (प्रतिदिन) एक सुन्दर बालक को चुन कर (सिंहासन पर) बिठा देते थे। जो दिन में गद्दी पर बैठता था (वह) रात को मर जाता था। अतः महात्मा विक्रमादित्य राजा, महती (प्रजा) को चिन्तित और दुःखी हुई (जान कर), उसकी सहायता के लिये अपने शालु को साथ ले कर, भिखारियों का रूप धारण करके आए। जब (वहां) पहुंचे और एक घर में प्रवेश किया तो एक वृद्ध और वृद्धा एक सुन्दर रूप वाले कुमार के लिये सिंहासन सज्ज करके, सत्कार पूर्वक शोक में बैठे हुए थे। (विक्रमादित्य राजा) ने पूछा – आप किस लिये शोकातुर हैं। (वृद्ध और वृद्धा ने उत्तर दिया –) हमारे राजा मर गये हैं और

उरे उगेइ यिन् थुला । उलुस् उन् जिसु सायि थु खोबेगुन् बाराग़दाखु यि खेलेगेद् । मिनु ग़ाग़छा खोबेगुन् दुर् । एने एदुर् शिरेगेन् दुर् सागुखु खुबि खुछुं उखुखु खेमेन् ग़ासालानाम् खेमेग्सेन् दुर् । बिदे ख़ोयार् ग़ुयिलिङछि उखुल् उगेइ यिन् थुला । निगेन् ख़ोनुग़् छिनु थोलोगे खाग़ान् बोल्जु उखुये खेमेन् उगुलेखुइ दुर् । एब्रुगेन् उगुलेरुन् । बिदे उलु मेदेखु ।
एने येखे खेरेग् इ दाग़ाग़ाग़सान् ग़ुर्बान् उखाग़ान् थु थुशिमेल् मेदेखु खेमेन् थेदेन् दुर् आयिलाद्ख़ाया खेमेगेद् । ग़ुर्बान् उखाग़ान् थु थुशिमेल् दुर् ओद्छु । ख़ोयार् ग़ुयिलिङछि खोबेगुन् उ उगेस् इ बुरिन् ए खेलेब्रेसु । थुशिमेल् उगुलेरुन् । गुयिलिङछि नार् निगेन् एदुर् ए खाग़ान् साग़ुजु उखुये खेमेग्सेन् इनु । जोब् बोल्लुना आब्छु इरे खेमेगेद् आब्छिराजु शिरेगेन् दुर् साग़ुल्याग़ाद् । खाग़ान् खेमेन् नेरेयिद्छु थार्खाखुइ दुर् इयान् । ओल्गान् येखे इर्गेन् दुर् जार्लोबा । एदुर् बुरि निगेन् खाग़ान् उ यासु बारिदाग् आजिगु । माग़ाथा ख़ोयार् ख़ाग़ान् उ यासु बारिखु यिन् थुला । एर्थेलेजु छुग्ला खेमेगेद् थार्खाबाइ । बिकर्मिजिद् ख़ाग़ान् शिरेगेन् दु साग़ुग़ाद् शिजिलेन् उजेबेसु । उरिदा थेरे खाग़ान् । थ्ङि । ग़ाजार् ख़िगेद् उमुन् उ एजेद्

बाराग़ाद्खु यि खेलेगेद्—समाप्ति को कह कर अर्थात् समाप्त हो गये हैं यह कह कर

साग़ुखु—बैठना

खुबि खुछुं—भाग्य में आया है

उखुखु—मरना

खेमेन् ग़ासालानाम्—इसलिये हम दुःखी हैं

उखुल् उगेइ—मरते (ही) नहीं

ख़ोनुग़्—दिन रात

थोलोगे—स्थान में

उखुये—मरेंगे

दाग़ाग़ाग़सान्—अधिकृत

थेदेन् दुर्—उनके पास

आयिलाद्ख़ाया—प्रतिवेदन करेंगे

जोब् बोलुना—ठीक है

थार्खाखुइ दुर् इयान्—अपने लौटने पर अर्थात् लौट गये

इर्गेन् दुर्—जनता को

जार्लोबा—घोषणा की

यासु बारिदाग् आजिगु—अन्त्येष्टि संस्कार होता था

माग़ाथा—कल

एर्थेलेजु—शीघ्रता करके, शीघ्र ही

छुग्ला—इकट्ठे होना

थार्खाबाइ—चले गये

शिजिलेन्—गवेषणा करके

थ्ङि—देवता

ग़ाजार् ख़िगेद् उमुन् उ एजेद्—स्थल तथा जल के अधिपति अर्थात् नाग और वरुण

सन्तान न होने के कारण प्रजा के सुन्दररूप बालक समाप्त हो गये हैं। मेरे इकलौते पुत्र के लिये आज सिंहासन पर बैठना और मरना भाग्य में आया है। इसलिये हम दुःखी हैं। यह कहने पर (दोनों कुमार) बोले – हम दोनों भिखारी मरते (ही) नहीं इसलिये एक दिन रात तुम्हारे स्थान में राजा बन कर मरेंगे। वृद्ध ने कहा – हम नहीं जानते। इस बड़ी बात के अधिकृत तीन बुद्धिमान् मन्त्री जानते हैं। इसलिये हम उनके पास प्रतिवेदन करेंगे। वे तीनों बुद्धिमान् मन्त्रियों के पास चले गये और दोनों भिखारी लड़कों की बात को पूर्ण रूप से बतलाया। मन्त्री बोले – भिखारी एक दिन राजा बनेंगे, बन कर मर जाएंगे, यह ठीक है। (इनको) ले आओ।

(इनको) बुला कर सिंहासन पर बिठा दिया और राजा इति आदर सत्कार करके लौट गये और विशाल महती जनता को घोषणा की – प्रतिदिन एक राजा का अन्त्येष्टि - संस्कार होता था, कल दो राजाओं का अन्त्येष्टि होगा। इसलिये शीघ्र ही इकट्ठे होना। यह कह कर चले गये।

विक्रमादित्य राजा ने सिंहासन पर बैठ कर गवेषणा की और देखा कि पहले राजा, स्थल और जल के अधिपति

नाइमान् आयिमाग़् उद् थुर् सोनि बुरि दोथुग़ादु बालिङ थाखिल् इ ओग्गुदेग् आजिगु। खोयिथु साग़ुसान् खाद् उद् इ थेदे खोओर्लाजु उखुगुल्देग् इ मेदेगेद्। बोग़दा बिकर्मिजिद् ख़ान् खोबेगुन्। थेरे खाग़ान् आछा उलेम्जि बालिङ बेलेद्छु। थेदेन् इ छुग़लागुल्जु ओग्गुसेन् दुर्। थेदे येखे बायास्छु। मोङग़ोल् गेर् उन् थेदुइ एर्देनि यि ओबोग़ालान् ओग्गुगेद् खारिबाइ। मार्ग़ाथा एर्थे इनु। खोयार् खाग़ान् उ यासु बारिमु खेमेन् मोदु थुलेये आबुन् छुग़लाबासु। खाग़ान् उखुग्सेन् उगेइ बुगेद्। गुर्बान् थुशिमेल् थेरिगुलेन्। खामुग़् येखे बाग़ा उलुस् इ जिङ नेरे थु एर्देनि बेर् खानुथाला शाङनाग़ाद्। खामुग़् बुगुदे खुवाराग़् इ छुग़लागुलुन् ओल्जेइ खुथुग़् इ ओरुशिगुलुन् जिर्ग़ाजु बोग़दा बिकर्मिजिद् खाग़ान् खेमेन् नेरेयिद्छु मोर्गुगेद् थार्खाबाइ। थेदुइ बोग़दा बिकर्मिजिद् खाग़ान् जिर्ग़ान् सागुथाला। निगेन् बुरुगु याबुदाल् इयार् याबुसान् थुशिमेल इ जोबाग़ाखुइ दुर् आनु। बुसु थुशिमेल् बुरुगुशियान् आलाया खेमेन् आयिलाद्खाग़सान् दुर्। खाग़ान् खोगेरुखुइ यि आलाजु याग़ुन् खिखु। खोला खोगेसुगेइ खेमेग्सेन् दुर्। खोगेजु इलेगेबेसु। थेरे थुशिमेल् सारा बुरि यिन् गुर्बान् सायिन् एदुर् ए शग़शाबद्

आयिमाग़्–भाग, वर्ग, प्रकार
दोथुग़ादु–आभ्यन्तर
बालिङ = बलि
थाखिल्–पूजा, दान
ओग्गुदेग् आजिगु–दिया करते थे
सागुसान्–गद्दी पर बैठने वाले
खोओर्लाजु–हानि पहुंचाने
उखुगुल्देग्–मार देने लगे
मेदेगेद्–जान कर
बेलेद्छु–सज्ज की
थेदुइ–जितनी बड़ी
ओबोग़ालान्–ढेरी लगा कर
मार्ग़ाथा एर्थे–अगले दिन प्रातः
यासु बारिमु खेमेन्–संस्कार करने के लिये
मोदु–लकड़ी, इन्धन
थुलेये–जलाएंगे
आबुन्–ला कर
छुग़लाबासु–जब इकट्ठ हुए
खानुथाला–सन्तुष्ट होने तक, अर्थात् जितने रत्नों से उनकी सन्तुष्टि हुई उतने रत्न
शाङनाग़ाद्–पुरस्कार दिया
ओल्जेइ खुथुग़्–मंगल स्वस्ति
ओरुशिगुलुन्–करवाया
जिर्ग़ाजु–सहर्ष
नेरेयिद्छु–सम्मान कर
मोर्गुगेद् थार्खाबाइ–प्रणाम करके चले गये
जिर्ग़ान् सागुथाला–जब सहर्ष राज्य कर रहे थे
बुरुगु याबुदाल् इयार् याबुसान्–दुष्ट कर्म से आचरण करने वाले
जोबाग़ाखुइ दुर्–दण्ड देने पर
बुसु–दूसरे
बुरुगुशियान्–अपराधी ठहराया
आलाया–(इसको) मार दें

खोगेरुखुइ यि—बेचारे को | खोला खोगेसुगेइ—दूर निर्वासन कर दो
आलाजु यागुन् खिखु—मार कर क्या करेंगे | शशाबद् = शिक्षापद, व्रत

आठ प्रकार के देवताओं को प्रतिरात्रि आभ्यन्तर बलि और दान दिया करते थे। पीछे गद्दी पर बैठने वाले राजाओं को (बलि न देने के कारण) ये देवता हानि पहुंचाने और मार देने लगे। यह जान कर महात्मा विक्रमादित्य राजकुमार ने उन (पहले) राजाओं से अधिक बलि सज्ज की और उन (देवताओं) को इकट्ठा करके (बलि का) प्रदान किया। वे (देवता) बहुत प्रसन्न हुए और मोंगोल घर जितनी बड़ी रत्नों की ढेरी लगा कर और विक्रमादित्य को दे कर चले गये।

अगले दिन प्रातः दोनों राजाओं का संस्कार करने के लिये इन्धन ला कर जब (प्रजाजन) इकट्ठे हुए, तब राजा मरे न थे। (वे जीवित थे)। उन्हों ने तीनों मन्त्रियों तथा बड़े छोटे सब प्रजाजनों को जिङ नाम के रत्नों के पुरस्कार से सन्तुष्ट किया।

सब संघों को बुला कर मंगल स्वस्ति करवाया। (संघों ने) सहर्ष "महात्मा विक्रमादित्य-राज" इस प्रकार सम्मान कर प्रणाम किया और चले गये।

जब महात्मा विक्रमादित्य राजा सहर्ष राज्य कर रहे थे, एक दुष्ट कर्म आचरण करने वाले मन्त्री को दण्ड दिया गया। दूसरे मन्त्रियों ने (उसको) अपराधी ठहराया और कहा—इसको मार दें। (किन्तु) राजा (ने कहा)—बेचारे को मार कर क्या करेंगे। दूर निर्वासन कर दो। इस पर (उस मन्त्री को) निर्वासित करके निकाल दिया गया।

वह मन्त्री प्रतिमास तीन शुभ दिन (अमावास्या, पूर्णिमा,...) व्रत

साखिदाग़् बुलुगे। आर्बान् थाबुन् दु बाछाग़् बारिग़ाद्। खुनेसु बेन् बाराजु। यागुन् बेर् उगेइ आजिगु। निगेन् बिछाखान् उुलेग्सेन् गुलिर् थोसुन् इयार् उछुखेन् बालिङ जुला खिजु निगेन् छिलागु बार् शिरेगे बोल्ाजु। थेरे देगेरे थाल्बिग़ाद् सागुथाला उुदे बोल्जुखुइ। छाब् आबुल् उुगेइ उुलु बोलुमुइ। छाब् आब्खु यागुमा उुगेइ यिन् थुला। इनादु जिखा यिन् बालिङ इ इदेये खेमेन् बारिखुला बारिग़दाखु उुगेइ दुथागान्। बिशि बालिङ उन् छागाना गार्बा। बासा बुसुद् इ बारिया खमेब्रेसु। छोम् दुथागाखु यिन् थुला। थुशिमेल् एयिन् सेद्खिरुन्। मिनु खिग्सेन् बाल्लिङ बोलुग़ाद्। शिरेगेन् देगेरे एछे दुथाग़ामुइ खेमेगेद्। बुल्थु यि छोम् इदेये खेमेजु खाब्मुरुन् थेब्रेरेबेसु। छिलागुन् शिरेगे थेइ छोम् दुथागान् ओद्बाइ। थुशिमेल् खोयिना आछा खोगेग्सेगेर् निगेन् खादा यिन् खोन्देइ बेर् ओरोगुल्जु। मोन् थेरे खोन्देइ बेर् दागाजु ओरोथाला। खोन्देइ यिन् आम्मार् देगेरे बायिग़सान् खोयार् छिल्लागुन् खुछा उुजेगेद् एयिन् उुगुलेरुन्। एने मू यि उुजे। छि बू ओरो। एने खोन्देइ यिन् दोथोरा श्क्ङ्रि यिन् नारान् दाखिनि थुग़्दुम् दुर् सागुनाम्।

साखिदाग़् बुलुगे–पालन करता था
आर्बान् थाबुन् दु–पञ्चदशी में अर्थात् पूर्णिमा को
बाछाग़् बारिग़ाद्–व्रत धारण किया
खुनेसु बेन् बाराजु–अपना अन्न समाप्त कर-के अर्थात् सब अन्न समाप्त हो चुका था
यागुन् बेर्–कुछ भी
उुगेइ आजिगु–नही था
निगेन् बिछाखान्–कुछ थोड़े से
उुलेग्सेन् गुलिर्–अवशिष्ट सत्तू
बालिङ जुला–आटे का दीपक
छिलागु बार्–पत्थर से
शिरेगे बोल्ाजु–वेदी बनाई
थेरे देगेरे–उसके ऊपर
थाल्बिग़ाद्–रख कर
सागुथाला–बैठा ही था कि
उुदे बोल्जुखुइ–दोपहर हो गया

छाब् आबुल् उुगेइ–भोजन लिये बिना
उुलु बोलुमुइ–नहीं रहा जाएगा
यागुमा उुगेइ यिन् थुला–कुछ न होने के कारण
इनादु जिखा यिन्–इस ओर की, अन्दर की ओर की
बारिखुला–पकड़ने लगा, उठाने लगा
बारिग़दाख् उुगेइ–पकड़ी न जा कर, पकड़ में न आ कर
दुथाग़ान्–भाग गई
बिशि–दूसरी
छाग़ाना ग़ार्बा–ओट में चली गई, छिप गई
बासा–फिर
बुसुद् इ–दूसरों को
मिनु खिग्सेन्–मेरी बनाई हुई
शिरेगेन् देगेरे एछे–वेदी पर से
बुल्थु यि छोम्–सब को

ख़ाब्सुरुन्—इकट्ठा करके
थेबेरेबेसु—जब बाहुओं में उठाना चाहा
शिरेगे थेइ—वेदी सहित
दुथाग़ान् ओद्बाइ—भाग निकलीं
खोयिना आछा खोगेम्सेगेर्—पीछा किया
ख़ादा—पहाड़ी
दाग़ाजु—अनुसरण करके, पीछा करके

आम्सार् देगेरे—मुख के ऊपर
बायिरसान्—स्थित
खुछा—मेंढों ने
मू—दुष्ट
दाखिनि=डाकिनी
थुरदुम् दुर् सागुनाम्—ध्यान में बैठी है

पालन करता था।

(उसने) पूर्णिमा को व्रत धारण किया (किन्तु) सब अन्न समाप्त हो चुका था, कुछ भी नहीं था। उसने कुछ थोड़े से अवशिष्ट सत्तू और मक्खन से छोटा सा आटे का दीपक बनाया और एक पत्थर से वेदी बनाई। उसके ऊपर (दीपक) रख कर बैठा ही था कि दोपहर हो गया। भोजन लिये बिना नहीं रहा जाएगा और भोजन लेने के लिये कुछ नहीं है इसलिये अन्दर की ओर की बलि को खाने के लिये उठाने लगा। किंतु बलि पकड़ में न आ कर भाग गई और दूसरी बलियों की ओट में छिप गई। फिर जब दूसरों को पकड़ने लगा तो सब की सब भाग निकलीं। मंत्री ने सोचा – ये मेरी बनाई हुई बलियां हैं। वेदी पर से भाग रही हैं। अतः मैं इन सबको खा जाऊंगा। यह कह कर जब उसने इनको इकट्ठा करके अपने बाहुओं में उठाना चाहा तो पत्थर की वेदी सहित सब भाग निकलीं। मंत्री ने पीछा किया और एक पहाड़ी की गुफा तक पहुंचा। जब वह उस गुफा में पीछा करके घुसने लगा तो गुफा के मुख के ऊपर स्थित दो पत्थर के मेंढों ने उसको देखा और ऐसे कहा – इस दुष्ट को देखो। तुम अन्दर मत घुसो। इस गुफा के भीतर स्वर्गलोक की सूर्य-डाकिनी ध्यान में बैठी है।

१८ थेगुन् इ खेन् खोयार् ुये दागुन् गार्गाबासु आब्बु जायागा थु बुइ। छि दागुन् गार्गाया गेजु इरेबेसु। छिमा आछा बायिथुगाइ। थाबुन् जागुन् खाद् उन् खेुखेद् दागुन् गार्गाजु एसे छिदागाद् खारिन् छिलागुन् गेर् थुर् खोरिरदाजु खेब्थेनेम् खेमेगेद्। एबेर् इयेर् इयेन् एल्गुजु खायाबाइ। थेरे थुशिमेल् खेयिसुजु ओछिगाद्। बोगदा बिर्कमिजिद् उन् ओबांर् देगेरे उनागसान् दुर्। खागान् जालिग् बोलोरुन्। एने याला थु थुशिमेल् यागुन् दुर् इरेबे खेमेग्सेन् दुर्। थुशिमेल् इयेन् बुरिन् ए उगुलेजु। नारान् दाखिनि यि मेदेग्सेन् इयेन् आयिलाद्खागसान् दुर्। खागान् जालिग् बोलोरुन्। शालु खिगेद् गुर्बान् उखागान् थु थुशिमेल् बिदे थाबुगुला याबुया खेमेन् याबुजु खुरुगेद्। खोयार् छिलागुन् खुछा यि बारिगाद्। शालु खिगेद् गुर्बान् उखागान् थु थुशिमेल् दुर् जालिग् बोलोरुन्। दोर्बेगुले ओरोजु। नारान् दाखिनि यिन् शिरेगे। एर्ग्वे। खोम्खा। जुला। थेरे दोर्बे दुर् खुबिल्। बि खोयिना ओरोगाद्। एर्थेन् उ खाउलि यि उगुलेये। था दोर्बेगुले ुलिगेर् इ मिनु बुरुगु शिगुजु खेमेगेद् इलेगेबे। थेरे दोर्बेगुले जालिग् उन् योमुगार् खुबिल्बाइ। खागान् खोयिना आछा इनु ओरोगाद् जालिग् बोलोरुन्। बि चम्बुदिब् उन् एजेन् खागान् बुलुगे। थिङ् यिन् नारान् दाखिनि खाथुन् खेमेखुइ दुर्। जोल्गुया

उसको जो कोई (खेन्) दो बार (उये) शब्द निकलवा सकेगा वह उसको विवाह करने (आब्बु) का भाग्यशाली (जायागा थु) होगा। यदि तुम "शब्द निकलवाऊंगा" इस विचार से आए हो तो (इरेबेसु) तुमसे तो होने से रहा, पांच सौ राजकुमार शब्द न (एसे) निकलवा (गार्गाजु) सके (छिदागाद्), उल्टे (खारिन्) शिलामय (छिलागुन्) घर (गेर्) में बन्दी हो कर (खोरिरदाजु) पड़े हैं (खेब्थेनेम्)—यह कह कर अपने सींगों से (एबेर् इयेर्) उठा कर (एल्गुजु) फेंक दिया (खायाबाइ)। वह मन्त्री उड़ (खेयिसुजु) जा कर (ओछिगाद्) भगवान् विक्रमादित्य की गोद (ओबांर्) में (देगेरे) गिर पड़ा (उनागसान् दुर्)। राजा बोला—यह अपराधी मन्त्री किस (यागुन्) लिये (दुर्) आया है (इरेबे)। ऐसा कहने (खेमेग्सेन्) पर (दुर्) मन्त्री ने विस्तार पूर्वक (बुरिन् ए) सूर्य-डाकिनी के बारे में जो कुछ जानता था (मेदेग्सेन्) सो कहा। प्रतिवेदन करने (आयिलाद्खागसान्) पर (दुर्) राजा ने कहा—शालु और तीनों बुद्धिमान् मन्त्री, हम (बिदे) पांचों (थाबुगुला) चलें (याबुया)—यह कह कर (खेमेन्) वहां जा (याबुजु) पहुंचे (खुरुगेद्) और दोनों पाषाणमय मेंढों को पकड़ लिया। शालु और तीनों बुद्धिमान् मन्त्रियों से कहा—तुम चारों प्रवेश करो (ओरोजु) और सूर्य-डाकिनी के आसन, माला, कलश और दीपक में प्रवेश हो जाओ (खुबिल्)। पीछे से मैं आ कर (ओरोगाद्) प्राचीन काल (एर्थेन्) की कथा (खाउलि) सुनाऊंगा। तुम चारों मेरी कथा पर अशुद्ध (बुरुगु) निर्णय देना (शिगुजु)। यह कह कर (खेमेगेद्) भेज दिया। वे चारों आदेश के अनुसार (योमुगार्) प्रवेश कर गये। राजा ने इनके पीछे (खोयिना) से (आछा) प्रवेश कर कहा—मैं जम्बुद्वीप का स्वामी (एजेन्) राजा हूं और दिव्य सूर्य-डाकिनी रानी कहलाने वाली को मिलने (जोल्गुया)

३८ खेमेन् इरेलुगे खेमेबेसु । नारान् दाखिनि ख़ाथुन् यागुन् इयार् दागुन् एसे ग़ार्बासु । ख़ाग़ान् बासा उुगुलेरुन् । एने इरेग्सेन् उछिर् थुर् । बि निगेन् उुल्गिेर् इ खेलेये । एसे बुगेसु ।
नारान् दाखिनि निगेन् उुल्गिेर् इ उुगुले खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् दागुन् एसे ग़ार्बाइ । शिरेगे इनु उुगुल्रेरुन् । बोदु थाइ आछा नारान् ख़ाथुन् दागुन् ग़ार्खु योसु उुगेइ । बोदा उुगेइ एछे शिग्गे बि दागुन् ग़ार्खु उुगेइ बुलुगे । थेयिन् बोल्बाछु । बोग़दा खाग़ान् ओगेंदे बोल्जु इरेगेद् उुल्गिेर् खेलेये गेथेले दागुन् एसे ग़ार्बासु जोग्खिखु उुगेइ । शिरेगे बि खेल्येये गेबेसु । नारान् ख़ाथुन् एदुर् सांनि देगेरे मिनु बिशिल्ग़ाल् बिशिल्ग़ाखु यिन् थुला । दोथोरा मिनु छिल्गुगे उुगेइ बुइ । ख़ाग़ान् निगेन् उुल्गिेर् इ आयिलाद् खेमेग्सेन् दुर् । नारान् ख़ाथुन् शिरेगे बेन् उुजेगेद् मागुबाइ ।
बोग़दा ख़ागान् एने उुल्गिेर् इ उुगुलेरुन् । एर्थे उरिदु छाग् थुर् । दोर्बेन् आयिल् उन् दोर्बेन् खेउुखेद् इनु । आदुगु बान निगेन् ग़ाजार् बोल्जोजु मानादाग् बुलुगे । निगेन् इनु उरिद् इरेगेद् । बुसुद् इयान् खुल्यिेबेस । इरेग्सेन् उुगेइ यिन् थुला । ख़ारिखुइ दाग़ान् निगेन् मोदु बार् एमे खुमन् खिजु थाल्बिग़ाद् ओद्बा । निगेन् इनु इरेगेद् नामायि उुजेजु

के लिये (खेमेन्) आया हूं (इरेल्गुगे) । यह कहा तो (खेमेबेसु) सूर्य-डाकिनी रानी ने किसी प्रकार भी (यागुन् इयार्) शब्द नही निकाला । राजा फिर (बासा) बोला—इस (एने) आगमन (इरेग्सेन्) अवसर (उछिर्) पर (थुर्) मैं एक कहानी कहूंगा, नहीं तो (एसे बुगेसु) सूर्य-डाकिनी एक कथा सुनाए । यह कहने पर रानी कुछ न बोली । उसके (इनु) आसन ने कहा—प्राणवन्तों में से सूर्यरानी का बोलने का नियम (योसु) नहीं और प्राणहीनों में से मैं आसन बोल सकता नहीं । ऐसा (थेयिन्) होने पर भी (बोल्बाछ) महात्मा राजा पधारे है (ओगेंदे बोल्जु इरेगेद्) और कह चुके हैं (गेथेले) कि मैं कथा सुनाऊंगा तो कुछ न कहना उचित (जोग्खिखु) न होगा । यदि मैं आसन कहूं (गेबेसु) कि मैं [कहानी] सुनाऊंगा [तो स्थिति यह है] कि सूर्यरानी के दिन (एदुर्) रात (सोनि) मेरे (मिनु) ऊपर (देगेरे) ध्यान-मग्न रहने के कारण मेरा आभ्यन्तर (दोथोरा) व्यवस्थित (छिल्गुगे) नहीं रहा, सो राजन् आप ही एक कहानी सुनाइये (आयिलाद्) । ऐसा कहने पर सूर्यरानी अपने (बेन्) आसन की ओर देख कर [चकित हो कर] बैठी रही ।

महात्मा राजा ने यह कहानी सुनाई—प्राचीन (एर्थे उरिदु) समय में चार गांव (आयिल्) के चार बच्चे अपने (बान्) अश्वसमूहों (आदुगु) को, एक स्थान निश्चित करके (बोल्जोजु), रात को देख भाल करते (मानादाग्) थे (बुलुगे) । [एक बार] इनमें से एक पहले आ गया और दूसरों की प्रतीक्षा करता रहा (खुल्यिेबेसु) । [दूसरों के] न आने के कारण अपने (दाग़ान्) लौटते हुए (ख़ारिखुइ) एक लकड़ी से स्त्रीजन (एमे खुमुन्) बना कर (खिजु) छोड़ (थाल्बिग़ाद्) गया (ओद्बा) ।

इनमें से एक [और] आया और कहा—मुझे देख कर

४० इनियेजु बायिना खेमेगेद् । शिरि बुदाग् ओरोगुलुन् ओद्बा । निगेन् इनु इरेगेद् इनियेन् बायिजु लाग्शान् बेल्गे थेगुस्खेगेद् ओद्बा । निगेन् इनु आमिन् ओरोगुलुगाद् आब्खुइ दुर् । जुजेस्खुलेङ थु सायिखान् एमे बोलुलुगा । थेरे एमे यि दोर्बेगुले बुलियाल्दुनाम् । निगेन् इनु आङखान् उ मोदु बार् ग्विग्सेन् खेमेम् । निगेन् इनु बि ओङ्गे ओरोगुल्बा खेमेमु । निगेन् इनु बि लाग्शान् बेये थेगुस्खेबे खेमेम् । खोयिथु आनु बि एदेगेबे खेमेन् बुलियाल्दुनाम् । एगुन् इ खेन् दुर् आनु ओग्खु बुइ खेमेबेस् । नारान् खाथुन् उ गार् थुर् बारिग्सान् एरिखे इनु एयिन् दागुन् गार्बा । बोदि थाइ आछा नारान् खाथुन् दागुन् गार्दाग् उगेइ बोल्बाछु । येखे खागान् इरेगेद् उलिगेर् उगुलेन् । खुबियारि यि आमागुखुइ दुर् । दागुन् उगेइ यागाग्विजु बायिनाम् । नारान् खाथुन् एदुर् सोनि उगेइ थार्नि थोगालाजु । थोलुगाइ मिनु एर्गेग्सेन् उ थुला । दोथोर् मिनु गेगे उगेइ बायिखु यिन् थुला । जोखिस् थाइ इल्गाखु उगेइ बोल्बाछु । आङ्खान् उरिदा ग्विग्मेन् खुमुन् आबुल् थाइ आजि खेमेखुइ दुर् । नारान् खाथुन् । शिरेगे । एरिखे खोयार् इयान् उजेगेद् एयिन् जालिग् बोलोरुन् । बोदा उगेइ था खोयार् आछा बायिथुगाइ । बोदाथाइ बि दागुन् उलु गार्दाग् बलुगे । थान् उ सायि यिन् गार्खु

हंस रही है । यह कह कर रंग (शिरि बुदाग्) चढ़ा कर (ओरोगुलुन्) चला गया (ओद्बा) ।

इनमें से एक और आया और हंसते (इनियेन्) हुए (बायिजु) लक्षण चिह्न (लाग्शान् बेल्गे) पूरे करके (थेगुस्खेगेद्) चला गया । फिर एक और आया और प्राण डाल कर उसको ले लिया । वह रूपवती सुन्दर स्त्री बन गई । उस स्त्री के लिये चारों आपस में लड़ने लगे (बुलियाल्दुनाम्) । एक ने कहा—पहले (आङ्खान् उ) मैंने ही तो लकड़ी से इसको बनाया था । दूसरे ने कहा—मैंने रंग चढ़ाया था । तीसरे ने कहा—मैंने शरीर के लक्षण अंग (बेये) पूरे किये थे । अन्तिम ने (खोयिथु) कहा—मैंने इसको जीवित किया था (एदेगेबे) । यह कह कर लड़ने लगे । इसको (एगुन् इ) [इनमें से] किसको दिया जाए (ओग्खु बुइ) ।

यह कहने पर (खेमेबेमु) सूर्यरानी के हाथ में पकड़ी हुई (बारिग्सान्) माला ने ऐसे कहा (दागुन् गार्बा)—यद्यपि प्राणवन्तों में से सूर्यरानी कुछ नहीं बोलती तथापि महाराज ने आ कर कहानी सुनाई है और अब निर्णय (खुबियारि) पूछ रहे हैं । कहे (दागुन्) बिना (उगेइ) कैसे (यागाग्विजु) रहें (बायिनाम्) । सूर्यरानी दिन रात के [भेद] बिना मन्त्र (थार्नि) जपती रहती हैं (थोगालजु), मेरा सिर (थोलुगाइ) घूम गया है (एर्गेग्सेन्), अतः (उ थुला) मेरा आभ्यन्तर प्रकाश (गेगे) हीन (उगेइ) हो गया है । अतः मैं उचित (जोखिस्थाइ) निर्णय (इल्गाखु) नहीं दे सकती । सबसे पहले (आङ्खान् उरिदा) बनाने वाला व्यक्ति [इस स्त्री को] लेने वाला (आबुल्थाइ) बनेगा न (आजि) । यह कहने पर सूर्यरानी अपने सिंहासन और माला दोनों की ओर देख कर ऐसे बोली—तुम दोनों प्राणहीनों को तो रहने दो, मैं प्राणवती हो कर भी कुछ नहीं बोली । तुम्हारे अब के (सायि यिन्) कहे हुए (गार्खु)

४१ दागुन् । जोब् दागुन् उुलु ग़ार्खु बुयु खेमेन् जालिग् बोलोरुन् । सायि गेग्छि खुमुन् एछिगे बुइ । बुदाग् ओरोगुलुग्छि खुमुन् एखे बुइ । लाग्शान् बेये थेगुस्खेग्छि खुमुन् ब्लामा बुइ । आमि ओरोगुलुजु आबुग्मान् खुमुन् खारिया थु एरे इनु थेरे बिशि उ खेमेन् दागुन् ग़ार्वाइ । खाग़ान् जालिग् बोलोरुन् । बोदा थाइ आछा नारान् खाथुन् दागुन् ग़ार्बा । बोदा उगेइ शिरेगे एरिखे खोयार् दागुन् गार्बा । था निगेन् उुलिगेर् खेले खेमेग्सेन् दुर् । नारान् खाथुन् यागुन् बेर् दागुन् एसे ग़ारुन् सागुथाला । खोम्खा उुगुलेरुन् । दोथोरा मिनु देगुरेथेले राशियान् खिगेद् । उद्खा दुगुरेग्मेन् उ थुला । खेलेन् उुलु छिदामु । खाग़ान् निगेन् उुलिगेर् खेले खेमेग्सेन् दुर् । नारान् खाथुन् खोम्खा वान् उुजेगेद् सागुथाला ।
बोरदा खाग़ान् एने उुलिगेर् इ उुगुलेरुन् । एर्थे निगेन् छाग् थुर् एरे एमे ग्वोयार् आयिल्छिलाजु खादा यिन् इरुग़ार् इयार् याबुथाला । खादा यिन् देगेरे उयाराखु मेथु सायिखान् दागुन् मोनुस्दाजु खुमुन् एछे बायिथुग़ाइ । उनुग़सान् मोरिन् छिङ्नाबा । एमे इनु खारान् सेद्खिजु । एयिमु सायिखान् दागु थु एरे दु उछारासाइ खेमेन् ओनि याबुथाला । निगेन् उमु थाइ खुद्दुग् उछाराग़सान्

शब्द (दागुन्) ठीक (जोब्) नहीं (उुलु) निकले (ग़ार्खु) । अभी निर्दिष्ट (गेग्छि) पुरुष तो पिता है । रंग चढ़ाने वाला पुरुष माता है । लक्षण अंग पूरे करने वाला पुरुष गुरु (ब्लामा) है । प्राण डाल कर लेने वाला (आबुग़सान्) पुरुष उसका उचित पति नहीं (बिशि) है क्या (उ) । यह शब्द कहते ही राजा बोल पड़े—प्राणवन्तों में से सूर्यरानी बोली हैं । प्राणहीनों में से सिंहासन और माला दोनों बोले हैं । अब आप (में से कोई) एक कहानी सुनाए । ऐसा कहने पर सूर्यरानी ने कोई भी (यागुन् बेर्) शब्द न कहा । तब पात्र बोला—मेरे अन्दर कण्ठ तक (देगुरेथेले) अमृत (राशियान्=रसायन) और धूम्र (उद्खा) भरा होने के कारण मैं बोलने में असमर्थ हूं । राजन्, आप ही कहानी सुनाइये ।

सूर्यरानी ने अपने पात्र की ओर देखा और [चुप] बैठी रही ।

महात्मा राजा ने यह कहानी सुनाई—पूर्वकाल में एक समय पुरुष और स्त्री दोनों [किसी को] मिलने (आयिल्छिलाजु) जा रहे थे । जब वे गिरिपाद (खादा यिन् इरुग़ार्) के पास से जा रहे थे (याबुथाला) तो पर्वत में से करुणाजनक सुन्दर ध्वनि सुनी । मनुष्यों को तो रहने दो सवारी के (उनुग्मान्) घोड़े भी कान लगा कर सुनने लगे (छिङ्नाबा) । स्त्री के मन में दुष्ट (खारान्) विचार आया—ऐसी सुन्दर ध्वनि वाला पुरुष मुझे मिलना चाहिये । कुछ दूर (ओनि) जाकर वे एक पानी वाले (उमु थाइ) कुएं (खुद्दुग्) पर पहुंचे ।

४२ दुर्। एमे इनु एरे देगेन् उसुन् आछा उउगुया उम्दागासुनाम् खेमेग्सेन् दुर् । एरे इनु बागुजु उसुन् दुर् उलु खुरुन् देगुलेजु खेब्थेथेले । एमे इनु बागुगाद् खोयार् खोल् इ इनु बारिगाद् । एरे युगेन् उसुन् दुर थुल्खिजु आलान् । थेरे मायिखान् दागुन् इ एरिजु ओछिथाला खुलुगाना यारा दुर् बोग्सेन् बेये बेन् बारिग़दागसान् खुमुन् योयिलाग्सान् आनु । खादा यिन् दागुरियान् लुग़ा खोलिछान् सायिखान् सोनुस्दागसान् आजुगु । एमे उजेन् ग़ायिखाजु । एयिमु जोबालाङ थु यिन् दागुन् इ सोनुसुग़ाद् । सायिन् एरे युगेन् आलालुगा बि । एने गेम् थु एरे दुर् उछारागसान् मिनु आछि उरे खेमेन् । थेरे एबेद्छि थु खुमुन् इ एगुछु याबग्मागार खाथाजु शिनेजु उखुग्सेन् आजुगु । एने सायिन् एमे बुयु खेमेन् आसागुग्सान् दुर् । नारान् खाथुन् इयेर् दागन् एसे ग़ार्बासु । जुला उगुलेरुन् । नारान् खाथुन् एदुर् सोनि उगेइ जुला शिथागाजु बायिखु बुगेद् । जुला मिनु शिल्जिखुइ ओयिराथुग्सान् उ थुला । इल्गाजु खेलेखु छिलुगे उगेइ बायिनाम् । थेयिन् बोल्बाछु । ओबेर् उन् एरे युगान् आलागाद् । एबेद्छि थु एरे यि ओलुग्सान् इयान् मागु गेजु ओर्खिग्सान् उगेइ यि उजेबेसु । सायिन् एमे बोलोल् थाइ खेमेखुइ दुर् । नारान् खाथुन् खोम्खा जुला युगान् उजेगेद् एयिन् दागुन् गारुन् उगुलेरुन् । बोदा उगेइ था दोर्बेगुले

तब पत्नी ने अपने पति से कहा—मैं पानी पीऊंगी (उउगुया), प्यामी हूं (उम्दागासुनाम्) । पति उतरा (बागुजु) किन्तु पानी तक न पहुच सका (उलु खुरुन्) । जैसे ही पसर कर (देगुलेजु) लेटा (खेब्थेथेले), पत्नी नीचे उतरी और दोनों पांव (खोल्) पकड़ कर अपने (युगेन्) पति को पानी में धकेल कर (थुल्खिजु) मार डाला (आलान्) । और उस सुन्दर ध्वनि को ढूढने हुए (एरिजु) जब पहुंची (ओछिथाला) तो फोडों में (खुलुगाना यारा) ग्रस्त (बारिग्दागसान्) कटिभाग (बोग्सेन् बेये) वाले मनुष्य की कराहट (योयिलाग्सान्) पहाडी की गूज (दागुरियान्) के साथ (लुगा) मिल कर (खोलिछान्) मधुर सुनाई (सोनुस्दागसान्) पड़ती थी (आजुगु) । स्त्री देख कर (उजेन्) चकित हो गई (ग़ायिखाजु) । ऐसे दुःखी (जोबालाङ थु) की ध्वनि को सुन कर मैंने अपने सुन्दर पति को मार दिया और उसका कर्म-फल (आछि उरे) मुझे यह रोगी (गेम् थु) पुरुष मिला है (उछारागसान्) । उस रुग्ण (एबेद्छि) पुरुष को पीठ पर उठा कर (एगुछु) चलते चलते (याबुग्सागार्) सूख कर (खाथाजु) विलाप करती हुई (शिनेजु) मर गई । क्या यह अच्छी स्त्री थी—ऐसा पूछने पर सूर्यरानी कुछ न बोली । दीपक बोला—सूर्यरानी दिन रात के [भेद] बिना मुझ दीपक को जलाती (शिथागाजु) रहती है (बायिजु) और मुझ दीपक को, मृत्यु के (शिल्जिखुइ) निकट होने (ओयिराथुग्सान्) के कारण, विवेक पूर्वक (इल्गाजु) कहने का (खेलेखु) अवकाश (छिलुगे) नहीं है (बायिनाम्) । तथापि (थेयिन् बोल्बाछु) अपने (ओबेर् उन्) पति को मार कर रुग्ण पुरुष को प्राप्त करके उसको बुरा (मागु) कह कर (गेजु) छोड़ा (ओर्खिग़सान्) नहीं—यह देख तो (उजेबेसु) यह अच्छी स्त्री होनी चाहिये (बोलोल्थाइ)—ऐसा कहने पर सूर्यरानी ने अपने पात्र और दीपक की ओर देखकर यह कहा—प्राणहीन तुम चारों को

⁴¹ आछा बायिथुगाइ । बेये बेर् बि दागुन् ठुलु गार्कुइ दुर् । था नार् जोब् ठुलु खेलेखु बयु । खादा यिन् दागुग्यिान् लुगा नोखुछिम्सेन् उरान् दागुन् इ सोनुस्छु । उछारासान् एरे युगान् आलागाद् । एबेद्छि थु एरे यि एगुछुं । आर्गा बान् आल्दार्छु उखुग्सेन् एमे दुर् । यागुन् उ सायिन् बयु खेमेबे । था मागु सेद्खिल् थु । थेरे एमे शिम्नु बुइ जा खेमेन् दागुन् गारुसान् दुर् । बोग्दा बिर्कामिजिद् खागान् बोस्छु । नारान् खाथुन् छिमाइ खोयार् दागुन् गार्गाबासु आब्छु बुलुगे खेमेगेद् । खाथुन् इ आब्छु शालु खिगेद् । गुर्बान् थुशिमेद् इयेन् दागागुलुन् । खादान् दुर् खोरिसान् थाबुन् जागुन् खागाद् उद् उन् खेजुखेद् इ गार्गागाद् ओरोन् दागान् ओगेदे बोलुन् खुरुगेद् । दायिछिङ उलुस् इयान् छुग्लागुल्जु । दारुइ देगेरे शाशिन् नोम् इयान् देल्गेरेगुलुन् शिथुजु । सायिन् मागु यि बेर् । सानागान् दुर् खुर्थेले जिर्गागुलुगाद् । जायागा थु बोग्दा बिर्कामिजिद् खागान् । दाखिन् नि ओरुशियेग्छि खाथुन् लुगा बान् बाथुदा एने शिरेगेन् दुर् मागुलुगा । आराजि बोजि खागान् छि । थेयिमु थोरु शाशिन् खोयार् इ थेग्शि बारिग्छि खागान् बोल्खुला मागु । बुसु बोल्खुला बायिगि खेमेन् खोरिसान् निगेन् मोदुन् खुमुन् उ ठुलिगेर् ठुगुलेग्मेन् ।

तो रहने दो । मै स्वयं (बेये बेर्) कुछ नहीं बोली । पर तुमने ठीक नहीं कहा न । पर्वत की प्रतिध्वनि से मिश्रित (नोखुछिम्सेन्) मधुर (उरान्) ध्वनि को सुनकर (सोनुस्छु), अपने विवाहित (उछारासान्) पति को मार कर, रुग्ण पुरुष को पीठ पर चढ़ा कर (एगुछुं), उपाय खो कर (आल्दार्छु), मृत स्त्री में किस बात की (यागुन् उ) अच्छाई है । यह दुष्ट चित्त वाली स्त्री अवश्य दैत्य है ।

जब सूर्यरानी यह कह चुकी तब विक्रमादित्य राजा ने उठ कर (बोस्छु) कहा—सूर्यरानी, यदि कोई तुमको दो बार बुलवा दे तो वह तुमको लेने का [अधिकारी] होगा । यह कह कर उसने रानी को ले लिया और शालु तथा तीन मन्त्रियों को साथ ले कर, पर्वत में बन्दीकृत (खोरिसान्) पांच सौ राजकुमारों को निकाल कर, अपने स्थान पर (ओरोन्) प्रस्थान कर (ओगेदे बोलुन्) पहुंचा (खुरुगेद्) । उसने अपनी दायिछिङ प्रजा को इकट्ठा किया । तुरन्त (दारुइ) परम (देगेरे) धर्म (शाशिन्=शासन) और शास्त्र (नोम्) को विस्तारित किया । [और उसकी] पूजा की (शिथुजु) । अच्छे बुरे को यथा सन्तोष (सानागान् दुर् खुर्थेले) सुखी किया (जिर्गागुलुगाद्) । भाग्यवान् (जायागा थु) महात्मा विक्रमादित्य राजा डाकिनी करुणामयी (ओरुशियेग्छि) अपनी रानी के साथ दृढ़ता पूर्वक (बाथुदा) इस सिंहासन पर बैठा । राजा भोज, यदि तुम भी इसी प्रकार शासन (थोरु) और धर्म (शाशिन्) दोनों के समान (थेग्शि) पालक (बारिग्छि) राजा हो तो (बोल्खुला) इस सिंहासन पर बैठो (सागु) । नहीं हो तो रहने दो (बायिगि) । इस प्रकार रोकने वाली (खोरिसान्) एक पुतली की कही हुई यह कहानी है ॥

निगेन् मोदुन् उ जुगुलेग्सेन् जुलिगेर् ।

आराजि बोजि खाग़ान् उ दालान् निगेन् खाथुन् बुलुगे । निगेन् खाथुन् इयान् बुर्खान् उ शिरेगेन् दुर् मोर्गु गुलुगेद् आदिस् आबुया खेमेन् शिरेगेन् दुर् ओयिरा इरेबेसु निगेन् मोदुन् खुमुन् । ओइ खाथुन् बायिजा छि थोलुग़ाइ बान् एने शिरेगेन् दुर् बुउ खुर्गे । एर्थे बोदा बिर्कमिजिद् खान् उ छेछेग् बोजिग्छि खाथुन् आनु एरे एछेगेन् एथेगेद् बुरुगु सानादाग् जुगेइ बुलुगे । छि थेरे मेथु खाथुन् बोल्बागेम् । खुर्छु आदिस् आब् । बुसु बोल्खुला बायिगि खेमेगेद् । थेगुन् एछे बायिथुग़ाइ । दालान् थोथि यिन् जुलिगेर् इ जुगुलेसुगेइ खेमेन् एने जुलिगेर् इ जुगुलेबेइ । एर्थे उरिदु निगेन् खाग़ान् उ खाथुन् एबेद्दुग्सेन् दुर् । एम्छि नेर् बेर् एम्नेन् एसे छिदाग़ाद् निगेन् शिबागुन् उ थारिखि इदेग्सेन् एछे उलाम् एबेद्छिन् इनु इलारि ग़ायिगुइ बोलुग़सान् उ थुला । येखे उलुस् आछा शिबागुन् उ आल्बा आब्खु बोलुग़सान् दुर् निगेन् उरिखाछि खुमुन् इ दागुदाजु इरेगेद् छि सारा दुर् दालान् निगेन् शिबागुन् उ थारिखि ओल्जु

चौथा अध्याय

एक और पुतली की कही हुई कहानी ।

राजा भोज की ७१ रानियां थीं । उनमें से एक रानी से, बुद्धासन को प्रणाम करा प्रसाद (आदिस्) लूं, इति आसन के समीप (ओयिरा) [वह रानी] पहुंची ही थी कि एक पुतली बोली—हे (ओइ) रानी, ठहरो । तुम अपने सिर से (थोलुग़ाइ बान्) इस आसन का स्पर्श न करोगी (बुउ खुर्गे) । प्राचीन महात्मा राजा विक्रमादित्य की पुष्पनर्तकी (छेछेग् बोजिग्छि) रानी ने कभी अपने पति के प्रति (एरे एछेगेन्) कोई दूसरे (एथेगेद्) दुष्ट (बुरुगु) विचार (सानादाग्) नहीं किये थे । यदि तुम उसके समान रानी हो तो (बोल्बागेम्) आओ (खुर्छु) और प्रसाद लो (आब्) । यदि नहीं हो तो रहने दो (बायिगि) । इसको छोड़ कर (बायिथुग़ाइ) मैं तुमको ७१ शुकों की कहानी सुनाऊंगी (जुगुलेसुगेइ) । यह कह कर उसने निम्नलिखित कहानी सुनाई ।

प्राचीन काल में एक राजा की रानी रोगी हो गई (एबेद्दुग्सेन् दुर्) । वैद्य लोग (एम्छि नेर्) चिकित्सा (एम्नेन्) न (एसे) कर सके । किन्तु एक पक्षी का मस्तिष्क (थारिखि) खाने (इदेग्सेन्) से धीरे धीरे (उलाम्) इसके रोग का शमन (इलारि) हो गया । अच्छा (ग़ायिगुइ) होने (बोलुग़सान्) के कारण राजा अपनी महती प्रजा से पक्षी रूप में कर (आल्बा) लेने (आब्खु) लगा (बोलुग़सान् दुर्) । एक जाल वाले (उरिखाछि) व्यक्ति को बुला लिया (दागुदाजु इरेगेद्) और कहा—तुम मास (सारा) में ७१ पक्षियों के मस्तिष्क प्राप्त कर (ओल्जु)

४५ इरेबेसु शाङनामु एसे ओल्बासु याल्लालामुइ खेमेग्सेन् दुर् थेरे उरिखाछि आर्गा उगेइ बोल्जु निगेन् मोदुन् दुर् दालान् निगेन् थोथि खोनुदाग् आजुगु थेगुन् दुर् उरिखा थाल्बिया खेमेगेद् । थेरे मोदुन् दुर् ओछिजु उरिखा थाल्बिग्सान् दुर् । थेरे थोथि यिन् निगेन् उखागान् थु थोथि बुइ आजुगु । थेरे उखागान् थु थोथि बुसु नोखुद् देगेन् खेलेबे । एने मोदुन् दुर् जेद्खेर् ओरोबा । बिदे छिलागुन् दुर् खोनुया खेमेगेद् दोर्बे थाबु खोनुग्सान् उ खोयिना । थेरे खुमुन् उरिखान् इयान् छिलागुन् दुर् थाल्बिबासु । उखागान् थु थोथि नोखुद् थेगेन् खेलेबे । एने छिलागुन् दु बासा खु जेद्खेर् ओरोबा । बुसु गाजार् आ ओदुया खेमेबेसु । नोम्बुद् इनु आगुर्लाजु इजागुर् उन् मोदुन् दुर् जेद्खेर् ओरोबा खेमेन एने छिलागुन् दुर इरेबे । एदुगे बासा छिलागुन् दुर् जेद्खेर् गेनेम् छि खामिगा ओदुमु । उजेबेसु खारिन् छिमा दुर् जेद्खेर् ओरोजुखुइ खेमेबेसु । उखागान् थु थोथि उगुलेरुन् । नादुर् जेद्खेर् ओरोबामु गारछा बेये दुर् बुइ जा आ । दालान् निगेन् इ थोगालाखु जेद्खेर् खुरुबेसु गेम् । बुगुदेगेर् थुर् खुखुं बुइ जा आ मेदेग्सेन् इयेर् बि गारछागार् गार्छु यागुन् बोलुमा । एसे मेदेग्सेन् दुरा बार्

लाओगे तो पुरस्कार दूगा (शाङनामु), यदि प्राप्त न करोगे तो दण्ड दूगा (याल्लालामुइ) । जालिक निरुपाय (आर्गा उगेइ) हो गया । एक वृक्ष पर ७१ शुक रात बिताते (खोनुदाग्) है (आजुगु) । उस पर जाल (उरिखा) बिछाऊंगा (थाल्बिया)—यह सोच कर उस वृक्ष पर पहुंचा (ओछिजु) और जाल फैलाया । उन शुकों में एक बुद्धिमान् शुक था । उस बुद्धिमान् शुक ने अपने दूसरे (बुसु) साथियों (नोखुद्) से कहा—इस वृक्ष में एक दैत्य (जेद्खेर्) प्रवेश कर गया है । हम पहाडी पर रात बसेरा करेंगे (खोनुया) । चार पांच रात बसेरा करने के पश्चात् उस पुरुष ने अपना जाल पहाडी पर बिछा दिया । बुद्धिमान् शुक ने अपने साथियों से कहा—दैत्य इस पहाड़ी पर भी (बासा खु) आ गया है । चलो दूसरे स्थान पर चलें (ओदुया)। उसके साथी रुष्ट हो गये (आगुर्लाजु) और बोले—मूल (इजागुर्) के वृक्ष पर दैत्य आ गया, इस लिये हम इस पहाड़ी पर आये । अब (एदुगे) कहते हो (गेनेम्) कि इस पहाड़ी पर भी दैत्य आ गया । कहां (खामिगा) जाएं (ओदुमु) । यदि देखें तो उल्टा तुम में दैत्य प्रवेश कर गया है (ओरोजुखुइ) । बुद्धिमान् शुक ने कहा—यदि मुझ में दैत्य प्रवेश करता तो अकेले (गारछा) मुझ (बेये) में होना । किन्तु यदि ७१ को एक २ करके गिनने वाला (थोगालाखु) दैत्य आ गया (खुरुबेसु) तो हम सब पर आपत्ति (गेम्) आएगी । अपने ज्ञान (मेदेग्सेन्) से मै अकेला बच निकलूं, यह कैसे (यागुन्) होगा (बोलुमा) । न (एसे) जानने (मेदेग्सेन्) के रूप से (दुरा बार्)

४६ बुगुदेगेर् थुर् गेम् बोलुम्जा खेमेगेद् । मोन् छिलागुन् दाग़ान् ख़ोनुग़ाद् उरिखान् दुर् थोरुथाबाइ । थोरुथाजु खेब्थेखुइ देगेन् बुमुद् आनु उुगुलेरुन् । उखाग़ान् उुगेइ मान् उ थुला । उखाग़ान् थु छि मिनु ख़ायिरान् आमि खेमेन् उखिलाल्दुग़ाद् । उखाग़ान् थु थोथि आछा आसागुरुन् । उरिखान् उ एजेन् थेरे खुमुन् शिदाम् बारिजु इरेनेम् । छिमा दुर् आर्ग़ा बुइ बुयु खेमेबेमु । उखाग़ान् थु थोथि उुगुलेरुन् दुथाग़ाखु आछा इलेगू आर्ग़ा उुगेइ खेमेगेद् । थेयिमु बोल्बाछु । बिदे बुगुदेगेर् उुखुग्सेन् उु योसुग़ार् खेब्थेये । गेदेगुं उरुगु ख़ाबिर्ग़ा बार् खेब्थेये । आमिदु यि आलाखु गेजु छोखिखु बुइ जा । उुखुग्सेन् इ यागुन् दु छोखिखु बुइ मिखान् इ बिदेन् उु थुला । आलाखु बुइ जा आ ग़ार् थुर् ओरोग़सान् ख़ोयिना खेब्थेखु एछे ओबेर् खेरेग् उुगेइ बुइ जा एने ख़ादा यि उुजेबेसु खाब्छाग़ाइ बायिना छिर्छु बागुवामु उुलु दाग़ाखु यिन् थुला । मान् इ थोग़ालाजु ओर्खिखु बुइ जा । उरिद् उरिद् उन् ओर्खिग्मान् मान् इ उुखुग्सेन् मेथु खेब्थे । थेरे थोग़ालाग्साग़ार् दालान् निगे खेमेमेग्छे । जेर्गे बोमुन् निसुये खेमेगेद् खेब्थेबेइ थेरे खुमुन् इरेजु उुजेगेद् । आइ मू आर्ग़ायु थोथि नार् इ उुजेग्वु

सबको (बुगुदेगेर् थुर्) कष्ट (गेम्) होगा ही (बोलुम्जा) । यह कह कर [सबने] उसी (मोन्) पहाड़ी पर रात बिताई (खोनुग़ाद्) और जाल में फंस गये (थोरुथाबाइ) । फंस कर लेटे हुए (खेब्थेखुइ) दूसरों (बुसुद्) ने कहा—हम बुद्धिहीनों (उखागान् उुगेइ) के कारण बुद्धिमान् तुम, हमारे प्रिय (खायिरान्) प्राण —यह कह कर रोने लगे (उखिलाल्दुगाद्) । और बुद्धिमान् शुक से पूछा—जाल का स्वामी, वह व्यक्ति डण्डा (शिदाम्) ले कर (बारिजु) आयेगा (इरेनेम्) । क्या तुम्हारे पास (छिमा दुर्) कोई उपाय है (बुइ बुयु) । बुद्धिमान् शुक बोला— भागने से बढ़कर (दुथाग़ाखु आछा इलेगु) कोई उपाय नहीं । तथापि हम सब मरे हुए के समान (उुखुग्सेन् उु योसुग़ार्) लेट जाएं (खेब्थेये) । [कुछ] चित्त (गेदेगुं), [कुछ] पेट के बल (उरुगु) [और कुछ] करवट ले कर (ख़ाबिर्ग़ा बार्) लेट जाएं । प्राण वालों को (आमिदु यि) मारने के लिए (आलाखु गेजु) पीटेगा (छोखिखु) ही (बुइ जा), किन्तु मरे हुओं को क्यों (यागुन् दु) पीटेगा । हमारे मांस के लिए हमको मारेगा ही (आलाखु बुइ जा आ) । हाथ में लिए जाने के पश्चात् (ओरोग्सान् ख़ोयिना) लेटने से अन्य (ओबेर्) उपाय (खेरेग्) नहीं है । इस पहाड़ी को देखें तो (उुजेबेसु) यह संकीर्ण (खाब्छाग़ाइ) है (बायिना) । यदि घसीट कर (छिर्छु) उतारे तो (बागुवामु) उठा न सकेगा (उुलु दाग़ाखु) । इस कारण हमको गिनकर (थोग़ालाजु) नीचे फेंकना जाएगा (ओर्खिखु बुइ जा) । पहले पहले के (उरिद् उरिद् उन्) फेंके हुए (ओर्खिग्मान्) हमको मरे हुए के समान लेटे रहना चाहिये । जब वह (थेरे) गिनते गिनते (थोगालाग्साग़ार्) ७१ कहे तो एक साथ (जेर्गे) उठ कर (बोमुन्) उड़ जाना चाहिये (निसुये) । यह कहते ही (खेमेगेद्) सब लेट गये (खेब्थेबेइ) । उस पुरुष ने आ कर देखा (इरेजु उुजेगेद्)— ओहो (आइ), दुष्ट (मू) चतुर (आर्ग़ायु) शुकवर्ग को देखना,

४७ थान् इ उुजेखु एने बुइ जा। एन्दे थेन्दे आर्गालान् याबुजु जोबागारसान् आनु येखे बुलुगे खेमेन् इल्जेरे छोखिलाया गेजु इरेथेले। गेदेगु उरुगु उनाजु उखुरसेन् इ उुजेगेद् उखुरसेन् आजि एगुन् इ बुल्थु यि गाजार् खाब्छागाइ थुला दूरा थोगालान् ओर्खिजु खोयिना आबुया खेमेन् थोगालान् ओर्खिखुइ दुर् एछुस् सेगुल् दुर् आनु उखागान् थु थोथि उुलेरसेन् आजुगू। थोगालाजु दालान् निगे खेमेन् उुगुल्थेले बुसे दुर् खाब्छिगुलुरसान् बिलगू आनु खेर्छिगिनेजु उनाखुइ दुर् बुसुद् आनु दालान् निगे गुइछेबे खमेन् बुगुदेगेर् निसुन् ओदुरसान् दुर् उखागान् थु थोथि खुमुन् उु गार् थुर् खोछोरारसान् दुर् उरिखाछि उुगुलेरुन्। एने थोथि नार् थेदुइ एछे एदुगे खुर्थेले आर्गालारमागार् आजिगु एने उलेरसेन् थोथि यि गेर् थेगेन् आबाछिजु आमिदु वार् आनु शिल्जार्थाला आलाया खेमेखु दुर् उखागान् थु थोथि उुगुलेरुन्। बि छिमाइ थिङ्गेजु आलारमान् बोल्बाला। एदुगे छिनु खारिगु आलाखु जोब्। खेर्बे ओशिये उुगेइ बोल्बामु बि बासा निगेन् छाग् थुर् खारिगु यि छिमा आछा आब्खु उुगेइ बयु। छि मान् इ आलागाद्। खागान् आछा बान् शाङ आबुया गेखु बोल्बाछु। बिदे आमिन् इयान् आर्गालारसान्

तुमको यह देखना ही था (उुजेखु एने बुइ जा)। इधर उधर (एन्दे थेन्दे) चतुराई करके (आर्गा-लान्) निकल कर (याबुजु) तुमने बहुत सताया था (जोबागारसान्)। चूरा चूरा करके (इल्जेरे) तुमको पीटूगा (छोखिलाया)—ऐसा कहता आया था कि (गेजु इरेथेले) पीठ के बल, पेट के बल (उरुगु) गिर कर (उनाजु) मरे हुओं को देखा। मर चुके (उखुरसेन्) हैं (आजि)। इन सबको (एगुन् इ) स्थान तंग (खाब्छागाइ) होने के कारण नीचे (दूरा) गिन कर (थोगालान्) फेंक दूंगा (ओर्खिजु) और पीछे (खोयिना) उठा लूगा (आबुया)। यह कह कर गिन गिन कर डालता गया और सबके अन्त (एछुस् सेगुल्) में बुद्धिमान् शुक शेष (उुलेरसेन्) रह गया (आजुगु)। गिनते गिनते ७१ कहने तक (उुगुल्थेले) पेटी में (बुसे दुर्) रखी हुई (खाब्छिगुलुरसान्) शाणपत्थरी (बिल्गु) खट से (खेर्छिगिनेजु) नीचे गिर पड़ी (उनाखुइ दुर्)। दूसरे (बुसुद्), ७१ पूरे हो गये (गुइछेबे), यह सोच कर सब उड़ गये (निसुन् ओदुरसान् दुर्)। केवल बुद्धिमान् शुक उस मनुष्य के हाथ में रह गया (खोछोरारसान् दुर्)। जाल वाले ने कहा—यह शुकवर्ग तब से (थेदुइ एछे) अब तक (एदुगे खुर्थेले) चतुराई करते (आर्गालारसागार्) रहे हैं (आजिगु)। इस बचे हुए शुक को अपने घर ले जा कर (आबाछिजु), जीवित को (आमिदु बार्) उबाल उबाल कर (शिल्जार्थाला) मारूंगा (आलाया)। यह कहने पर बुद्धिमान् शुक बोला—मैंने तुमको वैसे (थिङ्गेजु) मारा होता तो (आलारमान् बोल्बाला) अब (एदुगे) तुम्हारा, बदले में (छिनु खारिगु) मुझको मारना ठीक होता (जोब्)। यदि (खेर्बे) [हमारा तुम्हारा] वैर (ओशिये) नहीं तो (बोल्बासु) में पुनः एक समय क्या तुम्हारे से (छिमा आछा) बदला (खारिगु यि) न लूगा (आब्खु बयु)। तुम मुझको मार कर, अपने राजा से उपहार लूगा (शाङ आबुया)—ऐसा [सोचते] हो तो (गेखु बोल्बाछु), यदि हमने (बिदे) अपने प्राण चतुराई से बचाए [तो क्या बुरा किया]।

४८ जा । एदुगे नामायि एल्देब्छिलेन् आलाबाछु गार्छु ओछिग़सान् दालान् थोथि इरेखु उुगेइ यिन् थुला । नामायि छि निगेन् बायान् खुमुन् दुर् खुदाल्दु । बि जागुन् लाङ दुर् खुर्खु बुइ । दालान् निगेन् लाङ इयार् आनु । दालान् निगेन् शिबागुन् आञ्छु खाग़ान् दाग़ान् बारि । उुलेग्सेन् खोरिन् यिसुन् लाङ इयार् बेये खिगेद् एमे युग़ान् थेजियेखुले । मागु बुयु खेमेखुइ दुर् । थेरे खुमुन् जोब् खमेन् सेद्खिगेद् । खुदाल्दुजु जागुन् लाङ आबुबा । थोथि यि आबुग़्छि बायान् खुमुन् । आलिबा उुइलेस् थुर् जारुबासु । ओबेर् उुन् बेये लुग़ा इल्गाल् उुगेइ खेरेग् इयेन् बुथुगेन् याबुन् आथाला । थेरे खुमुन् थोथि दुर् इयान् उुगुलेबेइ । बि दालान् निगेन् खोनुग् उन् ग़ाजार् आ ओछिखु खेरेग् बुइ आथाला । मिनु एमे इनु खुयाल् बुगेद् । थेरे एरेस् थुर् इयेन् । एद् बाराग़ान् इ मिनु ओग्छु बाराखु यिन् थुला । बि ग़ारुल् उुगेइ बायिमुइ । देगू मिनु छि एने बेर्गेन् इयेन् खादाग़ालाजु छिदाखु बुयु । छिदाखु बुगेसु बि ओछिजु खेरेग् इयेन् बुथुगेजु सेद्खिल् इयेन् आमुर् इरेये खेमेग्सेन् दुर् थोथि बि छिमायि इरेथेले खादाग़ालाजु छिदाखु बुइ खेमेखुइ दुर् । जा सायिन् देगू मिनु सेद्खिल् आमुराबा खेमेन् याबुग़्सान् उ खोयिना । एमे इनु बोसुग़ाद्

अब (एदुगे) मुझको नाना प्रकार से (एल्देब्छिलेन्) मारोगे तो भी (आलाबाछु) निकल कर गये हुए (ओछिग़सान्) ७० शुक आएंगे नहीं (इरेखु उुगेइ) । इस कारण मुझको तुम एक धनी (बायान्) पुरुष के पास बेच दो (खुदाल्दु) । मेरे बेचने से १०० मुद्राएं (लाङ) मिलेंगी (खुर्खु बुइ) । ७१ मुद्राओं से ७१ पक्षी ले कर अपने राजा को दे देना (बारि) । शेष (उुलेग्सेन्) २९ मुदाओं से अपने और अपने परिवार का पालन करना । क्या यह बुरा होगा । उस पुरुष ने [इस बात को] ठीक समझ कर (सेद्खिगेद्), [शुक को] बेच कर (खुदाल्दुजु), १०० मुद्राएं प्राप्त कीं (आबुबा) ।

शुक को लेने वाला (आबुग़्छि) धनी पुरुष [शुक को] जिस किसी (आलिबा) काम में लगाता (उुइलेस् थुर् जारुबासु), अपनी आत्मा मे (ओबेर् उुन् बेये लुग़ा) अभिन्न (इल्गाल् उुगेइ) वह शुक उस काम को (खेरेग्) सिद्ध करता रहता था (बुथुगेन् याबुन् आथाला) । [एक बार] उस पुरुष ने अपने शुक से कहा—मुझे ७१ रात की दूरी के स्थान पर काम है (बुइ आथाला), किन्तु मेरी पत्नी दुराचारिणी (खुयाल्) है । वह पुरुषों पर मेरे धन (एद्) सम्पत्ति को (बाराग़ान् इ) लगाकर (ओग्छु) समाप्त कर देगी (बाराखु) । इस लिये मै जा नहीं रहा (ग़ारुल् उुगेइ बायिमुइ) । तुम मेरे छोटे भाई (देगू) हो । क्या तुम अपनी भाभी (बेर्गेन्) की देखभाल (खादागालाजु) कर सकते हो (छिदाखु बुयु) । यदि सकते हो तो (छिदाखु बुगेसु) मै जा कर (ओछिजु) अपना काम पूरा करके (बुथुगेजु) शान्त चित्त से (सेद्खिल् इयेर् आमुर्) लौट आऊंगा (इरेये) । यह कहने पर शुक ने कहा—मैं आपके आने तक (छिमायि इरेथेले) देखभाल कर सकूंगा (खादाग़ालाजु छिदाखु बुइ) । अच्छा (जा), मेरे भले छोटे भाई, अब मेरा मन शान्त है (आमुराबा)—यह कह कर वह चला गया (याबुग़सान्) । तत्पश्चात् उसकी पत्नी उठ कर (बोसुग़ाद्)

४९ जामाल् उन् खुब्छासुन् इयान् एमुस्छु । खाङ्गादाखु खेमेन् गार्थाला थोथि इरेजु । गार् देगेरे इनु सागुजु । गेर्गेइ बायिजा । एमे खुमुन् एरे युगेन् छिलुगेन् दुर् ।
एद् बारागान् इयान् खादागालान् सागुदाग् आछा ओबेरे । देमेइ आयिल्छिल्दाग् यौसु जुगेइ बिशिउ खेमेबेसु । एमे जुगुलेरुन् आइ मू थोथि मिनु खुदाल्दुजु आबुरसान् थोथि बोलुगाद् ।
नामायि खोरिजु जिर्गाल् इ मिनु सागाथागुलुया गेखु यि जुजे खेमेबेसु । थोथि जुगुलेरुन् ।
छिनु एरे नामायि खादागालाजु सागु खेमेग्सेन् । छिमायि बारिबास् खुछुन् जुगेइ खोरिबासु मिनु जुगे यि जुलु सोनुसुमुइ । छि थेइमु बोल्बाछु । निगेन् बि जुलिगेर् खलेये । छि सोनुस्खु बुयु खेमेबेसु । एमे सागुगाद् छि जुलिगेर् इयेन् खुर्दुन् खेले खेमेग्सेन् दुर् ।
थोथि जुगुलेरुन् ।
एर्थे छाग् थुर् । छोग् थु इलागुरमान् खागान् उ नारान् गेरेल् थु ओखिन् बुलुगे । थेरे ओखिन् इ खुमुन् जुजेबेले खोयार् निदुन् इ इनु उखुजु आब्खु । एरे खुमुन् गेर् थुर् आनु ओरोबासु खोयार् खोल् इ इनु ओरथोल्खु । थेयिमु छागाजा खाथागु खागान् आरसान् बुलुगे । थेरे नारान्

अपने (इयान्) शृंगार (जामाल्) के वस्त्रों को (खुब्छामुन्) पहन कर (एमुस्छु) भोग विलासके लिये (खाङ्गादाखु खेमेन्) जाने लगी ही थी (गार्थाला) कि शुक आकर (इरेजु) उसके हाथ पर (देगेरे) बैठ गया (सागुजु) और कहने लगा—बहू (गेर्गेइ) रुक जाओ (बायिजा) । स्त्रीजन (एमे खुमुन्) का अपने पति की (एरे युगेन्) अनुपस्थिति में (छिलुगेन् दुर्) अपनी धन सम्पत्ति (एद् बारागान्) की देखभाल कर (खादागालान्) रहने के (सागुदाग् आछा) अतिरिक्त (ओबेर्), व्यर्थ (देमेइ) घूमने का नियम (आयिल्छिल्दाग् यौसु) नहीं । क्या ऐसा नहीं । स्त्री बोली— हाय मेरे दुष्ट (मू) शुक, तुम मेरे मोल लिए हुए (खुदाल्दुजु) हो कर (बोलुगाद्) मुझको रोक रहे हो (खोरिजु) और मेरी प्रसन्नता में (जिर्गाल् इ मिनु) बाधा डालना चाहते हो (सागाथागुलुया) । सो देखो । शुक बोला—तुम्हारे पति ने मुझको तुम्हारी देखभाल करने के (खादागालाजु) लिये कहा है । तुमको पकड़ू तो (बारिबासु) शक्ति (खुछुन्) नही । रोकू तो (खोरिबासु) मेरी बात को (मिनु जुगे यि) न सुनोगी (सोनुसुमुइ) । तथापि तुमको मै एक कहानी सुनाऊंगा । क्या तुम सुनोगी (सोनुस्खु बुयु) । स्त्री बैठ गई और बोली— तुम शीघ्रता (खुर्दुन्) से अपनी कहानी कहो (खेले) ।

शुक बोला—प्राचीन समय में श्री (छोग् थु) विजयी राजा की (इलागुरसान् खागान् उ) सूर्यप्रभा (नारान् गेरेल् थु) कन्या थी । उस कन्या को यदि कोई पुरुष देख लेता (जुजेबेले) तो उसके दोनों नेत्र (खोयार् निदुन् इ) निकाल लेते (उखुजु आब्जु) । यदि कोई पुरुषजन (एरे खुमुन्) उसके घर में प्रवेश करता तो उसके दोनों पांव काट लेते (ओरथोल्खु) । ऐसा (थेयिमु) कठोर शासन वाला (छागाजा खाथागु) राजा था (आरसान् बुलुगे) ।

५० गेरेल् थु ओखिन् एछिगे देगेन् आयिलाद्खारुन् खुमुन् माल् आदुगुसुन् इ ठुजेखु ठुगेइ यिन् थुला। आर्बान् थाबुन् एदुर् थुर् ग़ादाग़िश ग़ार्छु यागुमा ठुजेये खेमेन् आयिलाद्खारसान् दुर्। खागान् जोञ्शियेगेद्। जासाल् उन् यागुमा यि बुरिन् ए ग़ार्ग़ाजु देल्गे। माल् बुगुदे यि दोथोरिश ओरोग़ुल्। एरे खुमुन् खिगेद् एखेनेर् बा। छोङख़ु एगुदे बेन् बोग्लेजु ग़ादाग़िश बू ग़ारुग़थुन्। खेबें ग़ार्छु ठुजेबेसु। खुन्दु यालाबार् यालालाखु खेमेन् थार्खाग़ाबाइ। मोन् आर्बान् एदुर्। शिल् थेर्गेन् दुर् साग़ुजु। ओलान् ओखिद् एमेस् इयेर् खुरियेलेगुल्हुन् एर्गेगुल्जु। एद् बाराग़ान् इ ठुजेजु याबुथाला। निगेन् सारान् थुशिमेल् गेग्छि। ओखिन् इ ठुजेये गेजु निगेन् आसार् देगेरे ग़ार्छु ठुजेजु बायिथाला। नारान् खेउखेन् थेगुन् इ खाराग़ाद्। निगेन् खुरुगु बान् ग़ोजोयिल्ग़ाबा। नोगुगे ग़ार् इयार् ग़ादाग़ुर् एर्गेगुल्बे। बासा ग़ार् इयान् आद्खुजु थाल्बिबा। खोयार् खुरुगु बान् खाम्थुद्खान् दाल्खुर्लाग़ाद्। गेर् जुग् इयेन् दोखिरसान् दुर् सारान् थुशिमेल् याग़ारान् बाग़ुजु आयुन् गुयुग्सेगेर् गेर् थेगेन् खुरुन् गेखुले। एमे इनु आमागुरुन् नारान् खेउखेन् इ ठुजेबेउ खेमेग्सेन् दुर् ठुजेबे। नामायि मागु दुर्

उस सूर्यप्रभा कुमारी ने अपने पिता से निवेदन किया—मैं नर, पशु (माल्) घोड़ों [आदि] को [कभी] नहीं देखती, इस कारण पञ्चदशी अर्थात् पूर्णिमा को बाहर निकल कर (ग़ादाग़िश ग़ार्छु) कुछ (यागुमा) देखना चाहती हूं (ठुजेये)। राजा ने मान लिया (जोञ्शियेगेद्) और आदेश दिया—शृंगार (जासाल्) की सामग्री (यागुमा) को पूर्णरूप से (बुरिन् ए) निकाल कर (ग़ार्ग़ाजु) फैला दो (देल्गे)। सब पशुओं को बाड़े में बन्द कर दो (दोथोरिश ओरोग़ुल्)। पुरुष जन और स्त्री वर्ग (एखे नेर्) अपने (बेन्) खिड़की (छोङख़्) और द्वार (एगुदे) बन्द करके (बोग्लेजु) बाहर न निकलें (ग़ादाग़िश बू ग़ारुग़थुन्)। यदि निकल कर देखेंगे तो भारी (खुन्दु) दण्ड से (याला बार्) दण्डित होंगे (यालालाखु)—यह घोषणा की (थार्खाग़ाबाइ)। उसी १५ वें दिन कांच (शिल्) के रथ (थेर्गेन्) में बैठ कर बहुत लड़कियों और स्त्रियों से घिरी हुई (खुरियेल्गुल्हुन्) को घुमाया गया (एर्गेगुल्ज्)। धन सम्पत्ति को देखती जा रही थी (ठुजेजु याबुथाला) कि एक चन्द्र (सारान्) नामक (गेग्छि) मन्त्री—कन्या को देखूगा इति एक अट्टालिका पर (आसार् देगेरे) चढ़ कर (ग़ार्छु) देख रहा था (ठुजेजु बायिथाला) कि सूर्यकुमारी ने उसको देख लिया (खाराग़ाद्)। अपनी एक अंगुलि को (खुरुगु बान्) खड़ा किया (ग़ोजोयिल्ग़ाबा) और दूसरे (नोगुगे) हाथ को उसके चारों ओर (ग़ादाग़ुर्) घुमाया (एर्गेगुल्बे)। फिर अपनी मुट्ठी बांध (ग़ार् इयान् आद्खुजु) छोड़ी (थाल्बिबा)। अपनी दो अंगुलियों को मिलाकर (खाम्थुद्खान्) एक के ऊपर दूसरी को रखा (दाल्खुर्लाग़ाद्)। फिर अपने घर की दिशा में संकेत किया (दोखिरसान् दुर्)। चन्द्रमन्त्री शीघ्र (याग़ारान्) उतर कर (बाग़ुजु) भयभीत हो कर (आयुन्) दौड़ते दौड़ते (गुयुग्सेगेर्) जब अपने घर पहुंचा (खुरुन् गेखुले) तो इसकी पत्नी ने पूछा—क्या तुमने सूर्यकुमारी को देखा। उसने कहा—हां देखा। उसने मुझको बुरी प्रकार से (मागु दुर्)

४१ जानुबा । यागाखिखु बुइ खेमेबेसु । एमे इनु छिमायि यागाखिन् जानुबा खेमेग्सेन् दुर । नारान् खेउखेन् उ दोखिया यि बुरिन् ए खेलेग्सेन् दुर् । एमे इनु उगुलेरुन् । छिमायि जानुग्मान् बुसु । दागुदाग्सान् दोखिया बुइ जा निगेन् खुरुगु बान् गोजोयिल्नाग्सान् आनु । गेर् उन् देर्गेदे गाग्छा मोदुन् बुइ खेमेजुखुइ ।
गादागुर् थोगुरिगुलुग्छि आनु खुरिये बुइ जा गार् इयान् आद्खुगाद् थाल्बिग्छि आनु ।
छेछेग् उन् खुरियेन् दुर् इरे खेमेग्सेन् बुइ । खोयार् खुरुग् बान् खाब्मुग्ग्मान् आनु । छिमा लुगा नेयिलेये खेमेग्सेन् आजुगु । ओछि खेमेग्मेन् दुर् । मारान् थुशिमेल् उगुलेरुन् । छोग् थु इलागुग्सान् खागान् उ छागाजा खोर्छा बिशि बयु खेमेखुइ दुर् । एमे इनु उगुलेरुन् । खाथुन् खेउखेन् इरे गेखु दु उलु ओछिखु बयु । ओछि एने एर्देनि यि आब्छु याबु एरे खुमुन् दु एर्देनि थुसा थाइ बइ खेमेन् इलेगेबे । मारान् थुशिमेल् ओछिजु छेछेग् उन् खोरियान् दुर् ओरोगाद् । मोदुन् उ इरुगार् थूर् मागुथाला । नारान् खेउखेन् गार्छु इरेगेद् । खोयागुला जिर्गाल्दुजु । नारान् मान्दाथाला उन्थाजु खेब्थेग्सेगेर् । खुरिये खादागालाग्सान् जाङ्गि । जागुन् खुयाग् थु उजेग्देग्मेन् दुर् । जाङ्गि खुयाग थाइ मारान् थुशिमेल् खेउखेन् खोयागुला यि थानिगाद् ।

धमकाया (जानुबा) । अब क्या करूं (यागाखिखु बुइ) । उसकी पत्नी ने कहा—तुमको कैसे (यागाखिन्) धमकाया । [पति ने] सूर्यकुमारी के संकेतों (दोखिया) को पूर्णरूप से कह सुनाया । पत्नी बोली—तुमको धमकाया नहीं । ये बुलाने (दागुदाग्सान्) के संकेत है । एक अंगुलि को खड़ा करके (गोजोयिल्नाग्सान्) घर के पास (देर्गेदे) एक अकेला (गाग्छा) पेड़ है यह बताया (खेमेजुखुइ) । बाहर (गादागुर्) घुमाया (थोगुरिगुलुग्छि), सो वाटिका (खुरिये) है [यह बताया] । मुट्ठी बांध कर छोड़ दी, सो पुष्प-वाटिका में आओ (इरे), यह कहा । अपनी दो अंगुलियों को मिलाया सो तुम्हारे साथ मिलना अर्थात् सोना चाहती हूं (नेयिलेये) [यह कहा] । सो तुम जाओ (ओछि) ।

चन्द्रमन्त्री ने कहा—क्या श्रीविजयी राजा के आदेश (छागाजा) प्रचण्ड (खोर्छा) नहीं हैं । इस पर पत्नी बोली—जब राजकुमारी कहती है "आओ" (इरे), तो क्या तुम नहीं जाओगे (उलु ओछिखु बयु) । जाओ । इस रत्न को [साथ] ले जाओ (आब्छु याबु) । नरजन के लिये (दु) रत्न हितकारी (थुसा थाइ) होता है । यह कह कर चलता किया ।

चन्द्रमन्त्री ने प्रस्थान किया और पुष्प-वाटिका में पहुंचा । पेड़ की जड़ (इरुगार्) में बैठा ही था कि सूर्यकुमारी निकल आई । दोनों ने आनन्द मनाया (जिर्गाल्दुजु) । सूर्योदय तक (नारान् मान्दाथाला) [दोनों] सोये पड़े रहे (उन्थाजु खेब्थेग्सेगेर्) । वाटिका-रक्षक (खुरिये खादागालाग्सान्) अधिकारी (जाङ्गि) १०० सिपाहियों सहित (खुयाग् थु) दिखाई पड़ा (उजेग्देग्सेन्) । अधिकारी और सिपाहियों ने चन्द्रमन्त्री और कुमारी दोनों को पहचान लिया (थानिगाद्)

५२ ख़ाम्थु बार् इ बारिजु । ख़ारा गेर् थुर् ओरोगुल्बाइ । थेरे उछिर् थु ख़ाग़ान् एछिगे इनु गेर् थेगेन् एजेगुइ बुलुगे । बारिग़सान् जाङ्कि उगुलेरुन् एने खेउुखेन् इ उुजेग्सेन् खुमुन् खेदुइ छिनेगे एसे ओग्गुलुगे । एदुगे नारान् गेरेल् खेउुखेन् उुखुखुइ दुर् ओयिराथुबा । ओलान् उलुस् उन् उुखुल् उुन् छिलुगे बोलुयाम् । एने खेउुखेन् इ उुजेग्सेन् खुमुन् उु निदुन् इ उखुजु आब्खु । ओयिरा ओछिग़सान् खुमुन् उु खोल् इ ख़ुग़ुल्खु बुलुगे खेमेन् बायिथाला । नारान् खेउुखेन् । सारान् थुशिमेल् एछे छिमा दुर् आग़ा बुइ बुयु खेमेबेसु । थुशिमेल् आग़ा उुगेइ खेमेग्सेन् दु । छि मिनु दोखियान् इ याग़ाखिन् मेदेबे खेमेबेसु । बि मेदेग्सेन् उुगेइ । मिनु एमे येखे उख़ाग़ान् थु आजुगु खेमेगेद् । एमे छिनु छिमा दु यागुमा ओग्बेउु खेमेबेसु ओबेर् याग़मा उुगेइ । ग़ारछा एर्देनि यि ओग्बे । बासा उुगे खलेबेउु खेमेबेसु । उुगेइ खेमेबे । नारान् खेउुखेन् थेरे एर्देनि यि आबुग़ाद् । ख़ारा गेर् उुन् छोङखु बार् शिग़ाजु । मान् इ ख़ादाग़ालारिछ उलुस् एने एर्देनि यि आब् । उुखुखु खुमुन् दु एर्देनि खेरेग् उुगेइ । आमिदु उलुस् थान् दुर् खेरेग् थेइ । एगुन् इ आबुग़सान् खुमुन् ओछिजु । शारा थुशिमेल् उुन् ख़ाग़ाल्ग़ान् इ गुर्बान् था थोरिग़शजु गुर्बान् था एर्गेजु इरे खेमेग्सेन् दुर् निगेन् खुमुन् एर्देनि यि आबुग़ाद् ओछिजु ।

[और दोनों को] एक साथ (ख़ाम्थु बार्) पकड़ कर (बारिजु) काली कोठरी में डाल दिया । इस घटना के समय (उछिर् थु) पिता राजा घर में उपस्थित न (एजेगुइ) था ।

पकड़ने वाले अधिकारी ने कहा—इस कुमारी को देखने वाले व्यक्ति कितनी (खेदुइ) संख्या में (छिनेगे) नही मारे गये (ओग्गुलुगे) । अब सूर्यप्रभा कुमारी मृत्यु के निकट पहुंची है (ओयिराथुबा) । अब बहुत पुरुषों का मृत्यु (उुखुल्) से छुटकारा होगा (छिलुगे बोलुयाम्) । इस कुमारी को देखने वाले पुरुषों की आंखें निकाल लेते रहे हैं (उखुजु आब्खु), समीप (ओयिरा) आने वाले पुरुषों के पांव तोड़ देते रहे हैं (ख़ुग़ुल्खु बुलुगे) । जब वह ऐसा कह रहा था तो सूर्यकुमारी ने चन्द्रमन्त्री से पूछा—क्या तुम्हारे पास कोई उपाय है । मन्त्री ने कहा—कोई उपाय नहीं । तुमने मेरे संकेतों को कैसे समझा (याग़ाखिन् मेदेबे) । मन्त्री ने कहा—मैंने नहीं समझा । मेरी पत्नी बहुत बुद्धिमती है । क्या तुम्हारी पत्नी ने तुमको कुछ दिया था (यागुमा ओग्बेउु) । मन्त्री ने उत्तर दिया—और कुछ नहीं (ओबेर् यागुमा उुगेइ), केवल एक रत्न दिया है । कुमारी ने पूछा—क्या कोई शब्द भी कहे थे । मन्त्री ने कहा—नहीं। सूर्यकुमारी ने उस रत्न को ले कर काली कोठरी की खिड़की से निकाल कर कहा—हमारी रक्षा करने वाले (ख़ादाग़ा-लारिछ) जन (उलुस्), इस रत्न को ले लो (आब्) । मरते हुए जन को रत्न से क्या काम । यह तुम्हारे जीवित जन के काम आएगा । इसको लेने वाला जन, जा कर (ओछिजु), चन्द्रमन्त्री के द्वार (ख़ाग़ाल्ग़ान्) को तीन बार (गुर्बान् था) खटखटाकर (थोरिग़शजु), तीन बार परिक्रमा कर (एर्गेजु), लौट आये (इरे) । यह कहने पर एक पुरुष ने रत्न को लिया और चला गया ।

५१ शारा थुशिमेल् उन् एगुदेन् इ गुर्बान् था थोरिशगाद् । गुर्बान् था एर्गेजु इरेबे । शारा यिन्
एमे । एरे युगेन् बारिदारसान् इ मेदेगेद् । एल्देब् जासाल् उन् छिमेगे उद् एमुस्छु । येखे
खारा मालागा बान् एमुस्गेद् । एर्देनि यिन् पिलान् दुर् एल्देब् जिमिस् दुगुर्गेज् बारिगाद् । याला थु
ख्मुन् इ खोरिगिछ खुरियेन् उ खागाल्गान् इ एरिग्सेगेर् इरेजु । एरे युगेन् खागाल्गान् दुर्
खुरुगेद् । जाङ्गि दुर् खेलेबे । एरे मिनु येखंदे एबेद्दुग्सेन् उ थुला । एम्छि यिन् जार्लिग्
इयार् । एने जोबालाङ थु उलुस् थुर् इदेगेन् ओग्बेसु सायिन् खेमेग्सेन् उ थुला । इरेवे
खेमेग्सेन् इयेर् । जाङ्गि उगुलेरुन् । एमे खुमुन् दु ओलान् उगे खेरेग् उगेइ । खुर्दुन् ओरोजु ।
इदेगे वेन् थुगेगेजु ओग्गुगेद् खारि खेमेग्सेन् दुर् । एमे ओरोगाद् । नारान् गेरेल् दुर् ।
ओबेर् उन् खुब्छिद् इयान् एमुस्खेजु गार्गागाद् सागुथाला खागान् खुर्छु इरेबेइ । जाङ्गि ।
नारान् खेउखेन् । शारा थुशिमेल् खोयार् इ बारिग्सान् इयान् आयिलाद्खाग्मान् दुर् । खागान् येखंदे
आगुर्लाजु
इल्दु जेगुजु इरेगेद् । थेरे खोयार् इ गार्गा खेमेग्सेन् दुर् आब्छु इरेबेसु । खागान्
उजेगेद् । नारान् गेरेल् थु दु आलि खेमेग्सेन् दुर् । थेरे एमे बिदे खोयागुला । मेदेग्वु उगेइ

चन्द्रमन्त्री के द्वार को तीन बार खटखटा कर, तीन बार परिक्रमा करके लौट आया (एर्गेजु इरेबे) । चन्द्रमन्त्री की पत्नी ने अपने पति को पकड़ा हुआ (बारिग्दारसान्) जान लिया (मेदेगेद्) । नाना (एल्देब्) शृंगार के अलंकार (छिमेगे उद्) पहन कर (एमुस्छु), बड़ी काली टोपी (मालागा) लगा कर (एमुस्गेद्), रत्नों की पात्री (पिलान्) में नाना फल (जिमिस्) भर कर (दुगुर्गेज्), हाथ में लिये (बारिगाद्) हुए, अपराधी (याला थु) जनों के कारावास (खोरिगिछ) बाड़े (खुरियेन्) के द्वार को ढूढती हुई (एरिग्सेगेर्) आ पहुंची (इरेजु) । अपने पति के द्वार पर पहुंच कर रक्षी से कहा—मेरा पति बहुत (येखंदे) रोगी (एबेद्दुग्सेन्) है । इसलिये वैद्य (एम्छि) के आदेश (जार्लिग्) मे यदि इन दुःखी (जोबालाङ थु) लोगों को (उलुस् थुर्) भोजन (इदेगेन्) दे दू तो (ओग्बेसु) वह अच्छा (सायिन्) हो जाएगा । इसलिये मै आई हूं । अधिकारी ने कहा—स्त्रीजन को अधिक शब्दों की आवश्यकता नही । शीघ्र (खुर्दुन्) प्रवेश करके (ओरोजु) अन्न (इदेगे) बांट कर (थुगेगेजु) दे दो (ओग्गुगेद्) और लौट आओ (खारि) । स्त्री ने प्रवेश किया । सूर्यप्रभा को अपने (ओबेर् उन्) वस्त्र (खुब्छिद्) पहना कर (एमुस्खेजु) बाहर निकाल दिया (गार्गागाद्) । वह वहां बैठी ही थी (सागुथाला) कि राजा आ पहुंचे । अधिकारी ने सूर्यकुमारी और चन्द्रमन्त्री दोनों के पकड़ने का वृत्तान्त सुनाया । राजा बहुत रुष्ट हुआ (आगुर्लाजु) और तलवार (इल्दु) लटका कर (जेगुजु) आ पहुंचा, और कहा—इन दोनों को निकालो । निकाल कर बाहर लाये । राजा ने देखा और कहा—सूर्यप्रभा कहां है (आलि) । स्त्री ने कहा—हम दोनों नहीं जानते ।

५४ खेमेग्सेन् दुर् । था यागुन् दु बारिदाबा खेमेखुइ दुर् थुशिमेल् उगुलेरुन् । मिनु एमे ।
खागान् उ छेछेग् इ उजेये खेमेखुइ दुर् । उजेगुलेरे आबाछिगाद् खोनुग्सान् बुलुगे खेमेग्सेन्
दु । खागान् जालिग् बोलोरुन् । एरे एमे खोयार् खामिगा छु खोनुबा बारिखु खेरेग् उगेइ
बुयु खेमेगेद् । जाङ्गि थेरिगुलेन् जागुन् खुयाग् थाइ यि शारा थुशिमेल् दुर् मेदेल् ओग्बे ।
थेरे जाङ्गि । खागान् दुर् आयिलाद्खागाद् । सायि बारिखुइ दुर् । मान् उ नारान् खेउखेन् मोन् बिले ।
आराइ बि एगुन इ थानिखु उगेइ । उखुल् ओबेर् बिशि यिन् थुला । नारान् खेउखेन् इ उखेर्
आर्बाइ दुर् आमाल्दागुलुगाद् उखुये खेमेग्सेन् दुर् । खागान् जोब्शियेगेद् नारान् खेउखेन् इ उखेर्
आर्बाइ दु आमाल्दा खेमेन् जालिग् बोल्बाइ । थेरे उखेर् आर्बाइ दु खारा खिग्सेन् खुमुन् आमाल्दाबासु ।
साछागु येखे बोल्खु आजुगु । उनेन् आरिगुन् बोल्बासु उलु ओस्खु आजुगु । नारान् खेउखेन् ।
एछिगे देगेन् आयिलाद्खारुन् । छिनु गागछा खेउखेन् बोलुगाद् । एने यागुन् दु आमाल्दाखु बुयु
गेजु उलुस् शिगुलेखु । आरिगुन् बुजार् बोल्बाछु । ओलान् उ एमुने आमाल्दाया खेमेखुइ दुर् ।
जोब्शियेगेद् । बुगुदे यि छुग्लागुलुग्सान् दुर् । शारा थुशिमेल् उन् एमे मेदेजु एरे युगेन्
बेये यि बेखे बेर् बुदौजु । खारा ओङ्गे थेइ बोल्गागाद् मू सायिन् उनुर् इ थुर्खेजु ।

इस पर राजा ने पूछा—तुम क्यों पकड़े गये । मन्त्री ने उत्तर दिया—मेरी पत्नी राजा के फूलों को देखना चाहती थी । मै उसको दिखाने (उजेगुलेरे) ले आया (आबाछिगाद्) और वहां पर ही रात बिताई (खोनुग्सान् बुलुगे) । राजा ने कहा कि पति पत्नी दोनों कही भी (खामिगा छु) रात बिताएं, पकड़ने की (बारिखु) आवश्यकता (खेरेग्) नही होती । यह कह कर अधिकारी आदि (थेरिगुलेन्) १०० सिपाहियों (खुयाग्) को चन्द्रमन्त्री के (दुर्) अधिकार में दे दिया (मेदेल् ओग्बे) । उस अधिकारी ने राजा से निवेदन किया—अभी अभी (सायि) पकड़ते समय (बारिखुइ दुर्) हमारी सूर्यकुमारी सचमुच (मोन्) थी (बिले) । कही (आराइ) मैने इसको पहचाना नही (थानिखु उगेइ), [ऐसी बात नही] । मरने के अतिरिक्त (उखुल् ओबेर्) कुछ नही (बिशि) रहा, अतः सूर्यकुमारी को महायव (उखेर् आर्बाइ) पर शपथ दिला कर (आमाल्दागुलुगाद्) मरूंगा (उखुये) । राजा ने मान लिया (जोब्शियेगेद्) और सूर्यकुमारी को आदेश दिया—महायव पर शपथ लो (आमाल्दा) । उस महायव पर यदि अपराधी (खारा खिग्सेन्) जन शपथ ले (आमाल्दाबासु) तो वह एक समान बड़ा (साछागु येखे) हो जाता था (बोल्खु आजुगु) । यदि व्यक्ति सत्य, शुद्ध हो तो वह नही बढ़ता (ओस्खु) था । सूर्यकुमारी ने अपने पिता से कहा—मैं तुम्हारी इकलौती बेटी हूं । सो कैसे शपथ लूगी (आमाल्दाखु बुयु) । लोग चर्चा करेंगे (शिगुलेखु) । चाहे मै शुद्ध हूं चाहे दोषी (बुजार्), सब के (ओलान् उ) सामने (एमुने) शपथ लूगी (आमाल्दाया) । राजा ने मान लिया । सब को इकट्ठा किया गया । चन्द्रमन्त्री की पत्नी को भी पता लगा । उसने अपने पति के शरीर को मसी (बेखे) से रंग दिया (बुदाजु) । कृष्णवर्ण (ओङ्गे थेइ) बना कर (बोल्गागाद्) बुरी (मू) अच्छी गन्ध (उनुर्) का उस पर लेप किया (थुर्खेजु) ।

५५ मूखाइ उनुर् थु बोल्लागाद् । एयिन् जाखिरुन् । नारान् गेरेल् इ बोस्छु आर्बाइ यि नेगेगेजु आमाल्दाखु छाग् थुर् निगे निदु बेन् आनि । निगे खोल् इयेन् दोगुला । देमेइ बालाइ इनियेजु निगे थायाग् मोदुन् इ बारिजु । ओलान् उलुस् छुग्लासान् उ दोथोरा । मागु आगाशि बार् याबु । थेरे छाग् थुर् । नारान् खेउखेन् निगेन् आर्गा यि ओल्खु बुइ जा । खागान् खिगेद् । खाराछुस् उलुस् उन् इदेखु यि बुलियाल्दुजु याबु खेमेन् इलेगेबे । थेयिन् याबुन् आथाला । खागान् जार्लिग् बोलोरुन् । एने जिग्शिखु आयुखु मेथु तुजेशि तुगेइ आगाशि थु आमिथान् इ खोला बोल्गा खेमेग्सेन् दुर् । थुशिमेद् जिग्शिगुर्छु खोलाखान् थुल्खिलेजु याबुथाला । नारान् खेउखेन् बोस्छु इरेगेद् । एछिगे देगेन् आयिलाद्खारुन् । नामायि गेम् तुगेइ आथाला । एने जाङ्गि गोर्लेबे । थेयिमु बोल्बाछु । निगेन् एरे बेल्गे थु दु यि जिगाजु आमाल्दाया । एने तुखेर् आर्बाइ दु । बिदे येरु जालाग् खुमुन् गेग्छि । खुलागाइ खुयालि उगुगाथा तुगेइ खेमेन् नेरेलेजु आमाल्दाग्वु योसुन् तुगेइ खेमेगेद् । आनायिखान् सायि यिन् सायिन् खुमुन् इ बारिजु आमाल्दाखुला । बासा नामायि थेगुन् लुगे खोछिलाखु बुइ जा । थेरे एबेद्छि थु खुमुन् इ जिगाजु आमाल्दाया खेमेबेइ । खागान् जोब् । खेले खेमेबे । खामुग् थुशिमेद् मायिद् थेयिमु बुजार् आमिथान् इ खेउखेन् यागाखिन् जिगाजु आमाल्दाखु

दुर्गन्ध वाला (मूखाइ उनुर् थु) बना कर (बोल्गागाद्) उसको यू समझाया (जाखिरुन्)—जब सूर्यप्रभा जौ को खोले (नेगेगेजु) और शपथ ले, उस समय एक आख मूद कर (आनि) और एक पैर से लंगड़ा कर (दोगुला), यो ही (देगेइ) भद्दे रूप से (बालाइ) हंस कर एक सहारे का डंडा (थायाग् मोदुन्) पकड़ कर, इकटठे हुए बहुत से लोगो के बीच अभद्र (मागु) व्यवहार (आगाशि) करते जाना (याबु)। उस समय सूर्य-कुमारी कोई (निगेन) उपाय ढूंढ निकालेगी (ओल्खु बुइ जा)। राजा और प्रजाजन (खाराछुस् उलुस्) के भोजन की (इदेखु यि) छीन झपट करते जाना (बुलियाल्दुजु याबु)—यह कह कर भेज दिया। वह वैसे ही आचरण (याबुन्) कर रहा था (आल्थाला) कि राजा ने आदेश दिया—इस घृणित (जिग्शिखु) भयानक (आयुखु मेथ), अदृश्य (तुजेशि तुगेइ) व्यवहार वाले (आगाशि थु) प्राणी (आमिथान्) को दूर करो (खोला बोल्गा)। अधिकारी घृणापूर्वक (जिग्शिगुर्छु) उसको दूर (खोलाखान्) धकेल रहे थे (थुल्खिलेजु याबुथाला) कि सूर्यकुमारी उठ आई (बोस्छु इरेगेद्) और अपने पिता से कहने लगी—मेरे निर्दोष (गेम् तुगेइ) होते हुए भी (आथाला) इस अधिकारी ने झूठा आरोप लगाया है (गोर्लेबे), तथापि किसी पुरुष-चिह्न वाले को (एरे बेल्गे थु दु यि) सकेत कर (जिगाजु) शपथ लूगी (आमाल्दाया)। इस महायव पर हम साधारण (येरु) युवजन (जालागु खुमुन्) कहलाने वालों का—चोरी (खुलागाइ), दुराचार (खुयालि) सर्वथा (उगुगाथा) नही किया—यह कह कर नाम ले कर (नेरेलेजु) शपथ लेने का हमारा नियम नही। साधारण (आनायिखान्) सुन्दर से सुन्दर पुरुष को ले कर शपथ लू तो मेरी उसके साथ निन्दा (खोछिलाखु) होगी। सो इस रोगी जन को संकेत कर (जिगाजु) शपथ लूगी। राजा ने कहा—ठीक है। कहो। सब मन्त्रियों और सामन्तों ने चर्चा की—ऐसे मलिन जन को (बुजार् आमिथान् इ) संकेत कर कुमारी कैसे शपथ ले रही है।

५६ बुइ खेमेन् खेलेल्छेबे । नारान् खेउखेन् उगुलेरुन् । थेगुन् दु ग़ाइ उगेइ । उनेगेर् ख़ानिलाजु बिलू । ख़ोगुसुन् आमा बार् खेलेखु दु यागु बिले खेमेगेद् बोसुन् एयिन् उगुलेरुन् । उछुखेन् एछे एदुगे बोल्थाला । एछिगे यिन् नेरे यि गुथाग़ाजु याबुग्सान् उगेइ बुलुगे । ग़ारछा ख़ानिलाग़सान् एरे मिनु । थेरे एबेद्छि थु खुमुन् बुइ जा । एगुन् एछे ओबेर् खुमुन् लुगे एरे गेजु याबुग़सान् उगेइ खेमेन् आमा आमाल्दाबाइ । उनेन् इयेर् ख़ानिलाग़सान् उ थुला । आर्बाइ आछा थेम्देग् ग़ारुग़सान् उगेइ दुर् ख़ाग़ान् एखिलेन् ख़ामुग़ उलुस् बुगुदेगेर् । नारान् खेउखेन् इ इथेगेजु जाङ्गि यि उगेइ बोल्ग़ाबा । शारा थुशिमेल् उन् थेरे एमे इरेगे एदुइ यि उग़थुजु मेदेगेद् बुलुगे । गेर्गेइ छि । थेरे शारा थुशिमेल् उन् एमे दुर् आदालि एरे देगेन् इथेगेल् थु बोल्बा गेम् । नाग़ाल्दुरा ओछिथुगाइ । थेयिम् बुमु बोल्खुला । ओछिजु उलु बोल्खु खेमेन् थोथि खेलेग्सेन् दुर् । थेरे एमे आयिल्छिलान् ओछिखु बान् बायिबाइ । आराजि बोजि ख़ाग़ान् छिनु एने ख़ाथुन् बोरदा बिर्कमिजिद् खागान् उ छेछेग् बोजिग्छि ख़ाथुन् आछा बायिथुग़ाइ । थेरे थुशिमेल् उन् एमे आदालि । ख़ाथुन् बोल्बा गेम् । एने शिरेगेन् दुर् मोर्गुथुगेइ । बुसु वाल्खुला उलु बोल्खु । ख़ारि खमेन् खोगेबेद् ।

सूर्यकुमारी ने कहा—इसमें कोई बुराई (ग़ाइ) नही । वास्तव में (उनेगेर्) तो संगमन नहीं किया न (ख़ानिलाजु बिलू) । शून्य (ख़ोगुसुन्) मुख (आमा) से कहने में (खेलेखु दु) क्या होता है (यागु बिले) । यह कह कर वह उठी (बोसुन्) और बोली—शैशव (उछुखेन्) से अब तक (एदुगे बोल्थाला) पिता के नाम को कलंकित (गुथागाजु याबुग्सान्) नही किया । केवल (ग़ारछा) इस रोगी जन से मेरा संगम हुआ है (ख़ानिलाग्सान) । इससे भिन्न जन के साथ मैने पति (एरे) के समान आचरण नहीं किया—इन शब्दों से शपथ ली (खेमेन् आमा आमाल्दाबाइ) ।

मन्य संगमन के कारण जौ से चिह्न (थेम्देग्) न निकलने पर राजा आदि समस्त प्रजा ने सूर्यकुमारी पर विश्वास किया (इथेगेजु) और अधिकारी को प्राण दण्ड दिया (उगेइ बोल्गाबा) ।

चन्द्रमन्त्री की वह पत्नी अभूत (इरेगे एदुइ) को पहले से (उग्थुगु) जान लेती थी । बहू जी (गेर्गेइ), यदि तुम भी इस चन्द्रमन्त्री की पत्नी के समान अपने पति के प्रति सतीसाध्वी (इथेगेल् थु) हो तो (बोल्बा गेम्) आनन्द के लिये (नाग़ाल्दुरा) जा सकती हो (ओछिथुग़ाइ) । यदि वैसी नहीं हो तो तुम्हारा जाना नही हो सकता । शुक के ऐसा कहने पर उस स्त्री ने अपना (बान्) मिलने के लिये (आयिल्छि-लान्) जाना (ओछिख़) छोड़ दिया (बायिबाइ) । हे राजा भोज, यदि तुम्हारी यह रानी, महात्मा विक्रमादित्य की पुष्पनर्तकी रानी को तो रहने दो (बायिथुग़ाइ), इस मन्त्री की पत्नी के समान भी हो तो इस सिंहासन को वह नमस्कार कर सकती है । यदि नहीं तो (बुसु बोल्खुला) वह नमस्कार न कर सकेगी । पीछे लौट जाओ (ख़ारि)—ऐसा कह कर उस को भगा दिया (खोगेबेद्) ।

निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

आराजि बोजि खागान् । थेरे शिरेगेन् दुर् एल्देब् थाखिल् इ गुइछेगेगेद् । थेरे शिरेगेन् दुर् ओलान् बान्दिथा नार् इयार् आर्बानाइ खिल्गेजु । बुरिये बिशिगूर् थाथाजु मोर्गुगेद् । निगेन् खिस्खेगुर् थुर् गार्थाला । निगेन् मोदुन् खुमुन् गारुगाद् । ओयि छि याम्बार् खुमुन् बुइ । थ्ङ्स् उन् एर्खे थु खोर्मुस्दा थ्ङ् यिन् सागुसान् शिरेगे बुइ । थेगुन् उ खोयिना बोग्दा बिर्कमिजिद् उन् सागुसान् शिरेगे बोलाइ । थेरे मेथु । बोग्दा बागाथुर् । ओबेर् उन् आमिन् इयान् उलु खायिर्लान् । आमिथान् उ थुसा यि सानाग्छि थेयिमु खागान् बोल्खुला सागु । थेयिमु खागान् एसे बोल्खुला । सागुजु उलु बोल्खु यिन् थुला । थोलुगाइ छिनु मिङ्गान् खेसेग् खागार्खु बोलुमुइ खेमेन् उगुलेग्सेन् दुर् । खागान् एखिलेन् बन्दिथा नार् । सायिद् थुशिमेद् । खागाद् उद् उन् उरुग् उद् माशि ओलान् उलुस् इर्गेन् एमियेन् गायिखाजु । थेरे खुमुन् इनु । बोग्दा बिर्कमिजिद् उन् याबुदाल् इ छिमा दुर् उगुलेसुगेइ । छि सोनुस् । एर्थे उरिदु । खोर्मुस्दा थ्ङ् । आसुरि

पञ्चम अध्याय

एक और पुतली की कथा

राजा भोज ने उस सिंहासन के लिये नाना पूजा (थाखिल्) कराई (गुइछेगेगेद्) । उस सिंहासन के लिये बहुत से पंडितों से (बान्दिथा नार् इयार्) प्रतिष्ठा करवाई (आर्बानाइ खिल्गेजु) । शंख (बुरिये) और शहनाई (बिशिगूर्) बजवा कर (थाथाजु) आदर सत्कार किया (मोर्गुगेद्) ।

एक सीढ़ी (खिस्खेगुर्) पर चढ़ते ही (गार्थाला) एक पुतली निकली और बोली—अरे तुम कैसे जन हो । यह देवताओं के राजा इन्द्रदेव (खोर्मुस्दा थ्ङ्) के बैठने का (सागुसान्) सिंहासन था । उसके पश्चात् यह महात्मा विक्रमादित्य के बैठने का सिंहासन बना । यदि तुम उसके समान महात्मा शूरवीर, अपने प्राणों से प्रेम न करके (खायिर्लान्), प्राणियों के हित (आमिथान् उ थुसा) को सोचने वाले (सानाग्छि) राजा हो तो [इस सिंहासन पर] बैठो (सागु) । यदि उनके समान राजा नहीं हो तो [तुम्हारा] बैठना नहीं हो सकेगा (सागुजु उलु बोल्खु) । तुम्हारे सिर (थोलुगाइ) के टूट कर (खागार्खु) एक सहस्र (मिङ्गान्) खण्ड (खेसेग्) हो जाएंगे ।

ऐसा कहने पर राजा से आरम्भ करके (एखिलेन्) पंडित वर्ग, सामन्त, मन्त्री, राजा के परिवार जन (खागाद् उद् उन् उरुग् उद्) तथा सुमहती (माशि ओलान्) प्रजा और जनता (उलुस् इर्गेन्) भयभीत (एमियेन्) और चकित (गायिखाजु) हुई ।

और पुतली ने कहा—मैं तुमको महात्मा विक्रमादित्य का चरित सुनाऊंगी । सो सुनो (सोनुस्) ।

प्राचीन काल में इन्द्रदेव असुरों के

५८ नार् उन् ओरोन् दुर् । आर्बान् खोयार् जिल् बोल्थाला । बायिल्दुग़सान् थेरे छिलुगेन् दुर् । खोर्मुस्दा यिन् बाग़ा ख़ाथुन् आनु । खोर्मुस्दा यिन् बाग़ा खोबेगुन् इ उरिग़ाद् । बोजिग् छेङ्गेल् नाग़ादुम् खुरिम् इ उइलेद्दुगेद् । दुराशियाखु यिन् सेद्खिल इ सेद्खिग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेरुन् । ध्धिङ् । ग़ाजार् खोयार् उलु नेयिलेखु । खोर्मुस्दा आनु । ग़ुर्बान् छाग् उन् बुर्खान् लुग़ा आदालि । जोङ बिलिग् थु यिन् थुला । बोल्जु उजु बोल्खु । निगेन् छाग् थु उछार्माग़्छा खेमेगेद् दुयाग़ान् खारिबाइ । थेरे ख़ाथुन् आग़ुर्लाजु । एल्जिगेन् उ खोबेगुन् बोल्जु थोरो खेमेन् इरुगेबेइ । खोयिना थेरे ख़ाथुन् बुर्खान् बोलुग़ाद् । दूरा छम्बुदिब् उन् निगेन् येखे ख़ाग़ान् ग़ालिरुबा उरे उगेइ यिन थुला । खुथुग़् ग़ुयुग़सान् इयार् । गोओआ उजेस्खुलेङ थु सेद्खिल् दुर् थाग़ालाग़दाखु मेथु । सायिन् उनुर् आङ्गिलुग़सान् । थेयिमु ग़ायिखाम्शिग् थु निगेन् ओखिन् थोरोबेइ । थेरे छाग् थुर् । ख़ाग़ान् उ निगेन् मोदुछि खुमुन् एल्जिगेन् दुर् खोल्गोलेजु याबुथाला । थेरे एल्जिगे इनु बुखामुग़ाद् खोबेगुन् थोरोबेइ । थोरोग्सेन् दुर् थेगुन् उ देगेरे छेछेग् उन् खुरा ओरोबाइ । ग़ाजार् खोदेलुगेद् । आलिबा सायिन् दाग़ु थु शिबाग़ुन् दाग़ुन् ग़ारुग़ाद् । ओलान् इरुआ बेल्गेस्

लोक (ओरोन्) में १२ वर्ष तक (बोल्थाला) युद्ध करते रहे (बायिल्दुग़सान्) । इस बीच में (थेरे छिलुगेन् दुर्) इन्द्र की छोटी रानी ने इन्द्र के छोटे पुत्र को बुला कर (उरिग़ाद्) नृत्य (बोजिग्), क्रीड़ा (छेङ्गेल्), व्यायाम (नागादुम्) और उत्सव (खुरिम्) रचा (उइलेद्दु गेद्) । अनुराग (दुराशियाखु) की भावना (सेद्खिल्) को प्रकट करने (सेद्खिग्सेन्) पर लड़के ने कहा—आकाश और भूमि कभी नहीं मिलते (नेयिलेखु) । इन्द्र, त्रिकाल [दर्शी] बुद्धों के समान, अदृश्य-ज्ञानी (जोङ बिलिग्) हैं । अतः यह नही हो सकता । एक समय मिलेंगे (उछार्माग़्छा)—यह कह कर लड़का भाग निकला (दुयाग़ान् ख़ारिबाइ) । वह रानी रुष्ट हो गई (आग़ुर्लाजु) और शाप दिया (इरुगेबेइ)—गधे (एल्जिगेन्) के बच्चे बन कर जन्म लो (थोरो) ।

तत्पश्चात् वह रानी मर गई (बुर्खान् बोलुग़ाद्) । नीचे (दूरा) जम्बुद्वीप के कालरूप नामक एक महाराज के कोई सन्तान (उरे) न थी । वर (खुथुग़्) मांगने पर (ग़ुयुग्सान् इयार्) सुन्दरी (ग़ोओआ), दर्शनीया (उजेस्खुलेङ थु), मनोहरी (सेद्खिल् दुर् थाग़ालाग़दाखु मेथु), सुगन्धित (सायिन् उनुर्), सुवासित (आङ्गिलुग़सान्), ऐसी अद्‌भुत (ग़ायिखाम्शिग्) एक कन्या जन्मी (थोरोबेइ) । उसी समय राजा का एक लकड़हारा* (मोदुछि खुमुन्) गधी पर (एल्जिगेन् दुर्) सवार हो कर जा रहा था (खोल्गोलेजु याबुथाला) । वह गधी गर्भवती थी (बुखामुग़ाद्) । उसने एक लड़के को जन्म दिया । जन्म होने पर उसके ऊपर (देगेरे) पुष्पों की (छेछेग् उन्) वर्षा हुई (खुरा ओरोबाइ) । भूमि-कम्पन हुआ (खोदेलुगेद्) । नाना (आलिबा) सुन्दर ध्वनि वाले (दाग़ु थु) पक्षियों ने गान किया (दाग़ुन् ग़ारुग़ाद्) । बहुत से लक्षण (इरुआ) और शकुन (बेल्गेस्)

* श्री बॉडेन् ने मोदुछि का अनुवाद बढ़ई किया है । यहां यह अर्थ ठीक नहीं ।
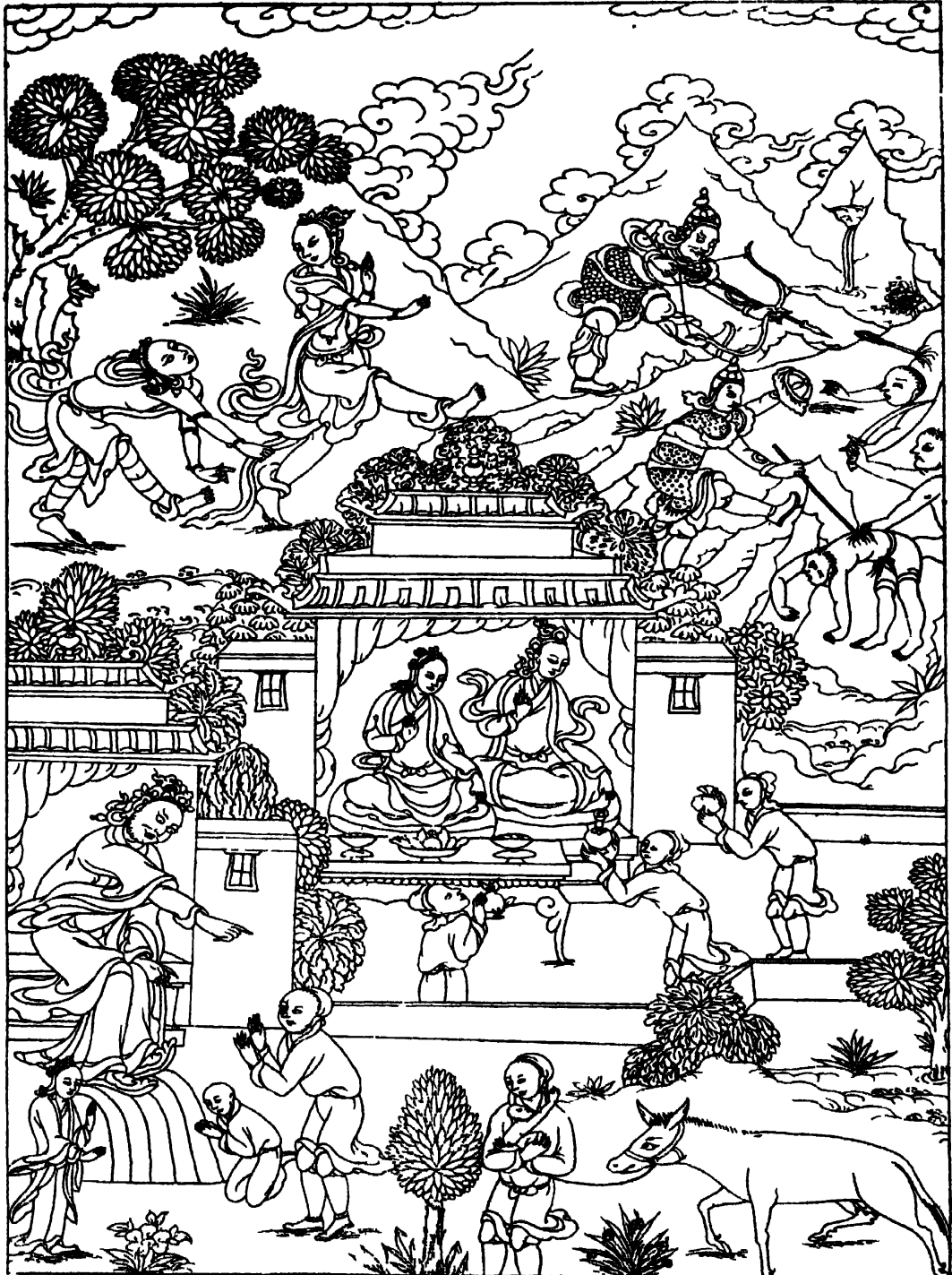
"सत्यबुद्ध" लकड़हारा "गधे के बच्चे बन कर जन्म लो"

(पृष्ठ १३६ के सामने)

५६ बोल्बाइ । थेरे खुमुन् इनु ग़ायिखाग़ाद् बायास्छु । थेरे खुमुन् उुरे उुगेइ यिन् थुला । ध्छि, बुर्खान् उ खुछुन् इयेर् नादुर् खोबेगुन् बोल्बाइ खेमेगेद् । थेरे खोबेगुन् इ आल्खुइ दुर् इयान् । एयिन् उुगुलेरुन् । खामुग् उलुस् नामायि खोछिलाबासु । उुनेन् आरिग़ुन् बुइ जा । आयिल् खोथा उलुस् इर्गेन् । एमे खेउुखेद् एल्देब् इयेर् खेलेगेद् एलिग्लेबेसु । थेरे मोदुछि उुगुलेरुन् । खुन्दु छिलागुन् उसुन् दु उुलु खोबुखु । सार्मागिछन् बोदि मोदुन् उ उुजेगुर् खारायिजु उुलु बोल्खु । थेगुन् दुर् आदालि । मिनु उुगे यि खेन् इथेगेनेम् । खेमेगेद् आमाल्दाबाइ । बि उुनेन् आरिग़ुन् खेमेग्सेन् दुर् । खामुग् इयार् उुनेन् आरिग़ुन् खेमेन् नेरेयिद्बेइ । खोयिना थेरे खोबेगुन् येखे बोलुग़ाद् । एल्देब् एर्देम् बिलिग् इ थेगुस् सुर्बाइ । खाग़ान् उ आबाखाइ येखे बोलुस़ान् दुर् । खाग़ान् खामुग् उलुस् इयान् खुरियाजु । खुर्गेन् बोल्गाखु खुमुन् इ एसे ओल्बाइ । खोयिना मोदुछि एछिगे । खोबेगुन् खोयार् आल्बान् उ मोदु खुर्गेजु इरेग्सेन् दुर् । खाग़ान् उ आबाखाइ । थेरे खोबेगुन् इ उुजेगेद् । मांशि बायास्छु । एयिमु लाग्शान् बिलिग् थु ग़ोओम्रा उुजेस्खुलेङ थु खोबेगुन् बोलाइ खेमेगेद् । गेर् थेगेन् बायाल्गासाग़ार् ओरोबाइ । खाग़ान् । खाथुन्

हुए । लकड़हारा चकित और प्रसन्न हुआ (बायास्छु) । उसने कहा—मेरे कोई सन्तान न थी । इसलिये देवताओं और बुद्धों की शक्ति से मेरे पुत्र हुआ है । उसने उस पुत्र को ले लिया और कहा—चाहे सब लोग मेरा उपहास करें तो भी (खोछिलाबासु) मैं सत्य शुद्ध हूं ।

ग्राम (आयिल्) और नगर के (खोथा) लोग और जनता (इर्गेन्), स्त्री और बच्चे नाना प्रकार के (एल्देब् इयेर्) वचन कह कर उपहास करने लगे (एलिग्लेबेसु) । लकड़हारे ने कहा—भारी पत्थर (खुन्दु छिलागुन्) पानी पर नहीं तैरता (खोबुखु) । बन्दर (सार्मागिछन्) बोधिवृक्ष के शिखर पर (उुजेगुर्) छलांगे नहीं मार (खारायिजु उुलु) सकता (बोल्खु) । उसी के समान मेरे शब्दों पर कौन (खेन्) विश्वास करेगा (इथेगेनेम्) । यह कह कर उसने शपथ ली (आमाल्दाबाइ)—मै सत्य शुद्ध हूं । इस पर सबने [उस बालक को] सत्यशुद्ध यह नाम दिया ।

वह बालक बड़ा हुआ । नाना गुण (एर्देम्) और विद्याएं (बिलिग्) पूर्ण रूप से सीखे (थेगुस् सुर्बाइ) । राजकुमारी (खाग़ान् उ आबाखाइ) भी बड़ी हुई । राजा ने अपनी सब प्रजा को इकट्ठा किया (खुरियाजु) । वर (खुर्गेन्) बनाने योग्य (बोल्गाखु) कोई जन न पाया (ओल्बाइ) । तत्पश्चात् लकड़हारा पिता और पुत्र दोनों कर रूप लकड़ी पहुंचाने आये (खुर्गेजु इरेग्सेन् दुर्) । राजकुमारी ने उस लड़के को देखा । बहुत प्रसन्न हुई । इस प्रकार लक्षण लिङ्ग युक्त सुन्दर अभिरूप कुमार है—यह कह कर प्रसन्न होती हुई (बायाल्गासाग़ार्) ने अपने घर में प्रवेश किया । राजा और रानी ने

६० नार् । आखाइ मिनु यागुन् उ थुला बायार्लाबाइ खेमेन् उुगुलेग्सेन् दुर् । आबाखाइ उुगुलेरुन् । मोदुछि यिन् खोयिना आछा आनु दागारसान् थेरे ग्वोबेगुन् इ खागान् उ आयागा बारिगुल्बासु । जोखिस् थाइ खेमेन् सानागाद् बायार्लाबाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ग्वोबेगुन् इ ओरोगुलुगाद् साछा । उुजेजु गायिग्वागाद् । लाग्शान् बेल्गेस् इनु थेगुसुग्सेन् । छोग् जिब्खुलाङ थु एयिमु ग्वोबेगुन् इ ओल्बाइ खेमेन् बायार्लागाद् । थेरे मोदुछि यि इरे खेमेग्सेन् दुर्। मोदुछि इरेजु खागान् दुर् बार्गाल्खान् सागुबाइ । खागान् जार्लिग् बोलोरुन् । एने ग्वोबेगुन् इयेन् नादुर् आछा खेमेग्सेन् दुर् । थेरे मोदुछि एयिन् उुगुलेरुन् । एने खोबेगुन् बायिथुगाइ । मिनु बेये । खागान् थान् उ बुलुगे । थेयिन् आथाला एने ग्वोबेगुन् एल्जिगेन् एछे थोरोग्सेन् उ थुला । बि मेदेखु उुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् आगुर्लाजु एगुन् इ आलागाद् आबुबासु । मिनु जोरिग् बुइ जा खेमेन् मानाबा । थेरे खोबेगुन् बोसुगाद् सोगुद्छु मोर्गुन् एयिन् आयिलाद्खारुन् । बि एछिगे उुगेइ एल्जिगेन् एछे थोरोग्सेन् उ थुला । एने आसुरुन् थेजियेग्सेन् बुलुगे । एगुन् इ आलागाद् नामायि खायिरालासान् आछा एछिगे यि जिर्गागुलुगाद् । नामायि खायिरालाबासु सायिन् बुइ जा खेमेग्सेन् दुर् । खागान् । मिनु सानागान् इ मेदेबे गेजु बायार्लागाद्

पूछा—मेरी बेटी (आखाइ), तुम किस कारण इतनी प्रसन्न हो । बेटी बोली—लकड़हारे के पीछे पीछे जो उसका लड़का आया था यदि उसको राजा का पात्रधारी अर्थात् जामाता बना दें तो (आयागा बारिगुल्बासु) उचित (जोखिस् थाइ) होगा । यह सोच कर मै प्रसन्न हो रही थी । यह कहने पर उस लड़के को अन्दर बुलाया गया (ओरोगुलुगाद्) और एकाएक (साछा) देख कर चकित हो गये । लक्षण लिङ्ग से युक्त (थेगुसुग्सेन्), तेजस्वी (छोग्), ओजस्वी (जिब्खुलाङ थु), इस बालक को पाया है (ओल्बाइ), इति (खेमेन्) प्रसन्न हो कर उस लकड़हारे से कहा—आओ (इरे) । लकड़हारा आया और राजा के पास मिल कर (बार्गाल्खान्) बैठ गया । राजा ने कहा—यह लड़का हमको दे दो (आछा) । लकड़हारे ने उत्तर दिया—इस लड़के की तो बात ही क्या, मैं स्वयं (मिनु बेये) भी आपका हूं । स्थिति यह है (थेयिन् आथाला) कि यह लड़का गधी से उत्पन्न है । अतः मे अज्ञानी हूं । ऐसा कहने पर राजा रुष्ट हुआ । उसने सोचा—यदि मं इस लकड़हारे को मार कर इसके लड़के को ले लू (आबुबासु) तो मेरी इच्छा पूरी हो जाएगी (जोरिग् बुइ जा) । लड़का उठा (बोसुगाद्) । घुटने टेक कर (मोगुद्छु), नमस्कार करके निवेदन किया—मेरा पिता नहीं है । मेरा जन्म गधी से हुआ है । अतः इसने दया करके (आसुरुन्) मेरा पालन पोषण किया है (थेजियेग्सेन् बुलुगे) । इसको मार कर मुझ पर स्नेह करने (खायिरालासान्) की अपेक्षा मेरे पिता को सुखी करके मुझ पर कृपा करना ठीक होगा । राजा प्रसन्न हुआ और कहा—तुमने मेरे मन के विचारों को जान लिया ।

६१ थेरे खुमुन् दुर् उलुस् । माल् ओग्गुगेद् । आल्बान् आछा ग़ार्ग़ाजुखुइ । खाग़ान् आनु । थेरे खोबेगुन् इ खुर्गेन् बोल्गाखु यिन् थुला । खारिया थु उलुस् इयान् खुरियाजु । येखे खुरिम् इ उइलेदुगेद् । थेरे खोबेगुन् इ खुर्गेन् बोल्गाख़सान् दुर् । खामुग् उलुस् थाग़ान् । खाग़ान् जार्लिग् बोलोरुन् । एने खोबेगुन् इ खाग़ान् ओरोन् आ सागुल्ग़ाया खेमेन् जार्लिग् बोलुग़ाद् गङदरस्ब खाग़ान् खोबेगुन् खेमेन् नेरेयिद्बेइ । थेरे खान् खोबेगुन् । दोथुग़ादु बुर्खान् उ शाशिन् इ नारान् मेथु गेयिगुलुगेद् । ग़ादाग़ादु थोर् यि खास् खादा मेथु बायिगुलुग़ाद् । खामुग् इयार् जिर्ग़ान् सागुबाइ । एछिगे खाग़ान् । एखे खाथुन् खोयार् निर्वान् बोल्बाइ । थेरे गङदरस्ब खाग़ान् । आसुरि यिन् आयिमाग् इरेजु । छम्बुदिब् उन् आमिथान् दुर् खूर् उइलेद्खुइ दुर् । ग़ङदरस्ब खाग़ान् बेये एछेगेन् रिदि खुबिल्ग़ान् उ ओलान् छेरिग् इ ग़ार्ग़ाग़ाद् आसुरि नार् थाइ बायिल्दुग़ाद् दारुजु याबुग्सान् बुलुगे । थेरे खाग़ान् उरे उगेइ यिन् थुला । देगेरे बुर्खान् । ध्यिङ् नेर् इ जाल्बारिबासु उलु बोलुन् । खाथुन् । खाग़ान् दाग़ान् आयिलाद्खाबा । छि बोग़दा थोरोल्खि थु खाग़ान् मोन् उ थुला । ओलान् खाथुन् इ आबुबासु निगेन् खोबेगुन् थोरोखु बुइ जा खेमेन् आयिलाद्खाग्सान् दुर् । खाग़ान् जोब्शियेद् । थुशिमेल् जारुजु । गोओआ उजेस्खुलेङ थु बेये बिल्दार् सायिथु

उस पुरुष को प्रजा और धन दिया तथा कर (आल्बान्) से (आछा) मुक्त कर दिया (ग़ार्ग़ाजुखुइ) । उस लड़के को वर (खुर्गेन्) बनाने के लिये (बोल्गाखु यिन् थुला) अपनी प्रजा के लोगों को इकट्ठा करके महान् उत्सव (खुरिम्) रचा (उइलेदुगेद्) । उस लड़के को अपना वर बना कर राजा ने अपनी सब प्रजा को आदेश दिया—मैं इस लड़के को राजासन पर (खाग़ान् ओरोन् आ) बिठाऊंगा (सागुल्ग़ाया) । यह कह कर उसने उसको "गन्धर्व राजकुमार" यह नाम दिया ।

राजकुमार ने आभ्यन्तर में (दोथुग़ादु) बुद्ध के शासन को सूर्य के समान चमका कर (गेयिगुलुगेद्), बाह्य में (ग़ादाग़ादु) शासन (थोर्) को हरित मणि (खास् खादा) के समान प्रतिष्ठापित किया (बायिगुलुग़ाद्) । सब सुखपूर्वक रहने लगे ।

पिता राजा तथा माता रानी दोनों का निर्वाण हुआ । असुरों की सेना (आयिमाग्) ने आ कर (इरेजु) जम्बुद्वीप के प्राणियों को कष्ट (खूर्) दिया (उइलेद्खुइ) । गन्धर्व राजा ने अपने शरीर से (बेये एछेगेन्) ऋद्धि सिद्धि (रिदि खुबिल्ग़ान्) द्वारा बहुत सेना (छेरिग्) को निकाल कर, असुरों से युद्ध कर (बायिल्दुग़ाद्) उनका दमन किया ।

उस राजा की कोई सन्तान न थी । अतः परम (देगेरे) बुद्धों और देवताओं को प्रार्थना का (जाल्बारिबासु) । पर कुछ न बना (उलु बोलुन्) । रानी ने राजा से निवेदन किया—आप धर्मात्मा ऊंचे कुल (थोरोल्खि थु) के राजा हैं । इसलिये यदि बहुत सी रानियों से विवाह करोगे तो एक लड़का उत्पन्न हो ही जायेगा । ऐसा निवेदन करने पर राजा मान गये और मन्त्री को आदेश दिया (जारुजु) कि एक सुन्दरी दर्शनीय-शरीरवती और रूपवती (बिल्दार्) अच्छी (सायिथु)

६२ ओखिन् ओल्जु आबाछिरा खमेग्सेन् दुर् । थेरे थुशिमेल् एरिजु ओल्जु आछिग़ाद् । खाग़ान् दाग़ान् बारिबाइ । थेरे । खाग़ान् उ खाथुन् बोलुग़ाद् । उदाल् उुगेइ खोल् खुन्दु बोल्बाइ । छाग़् थाग़ान् खुरुगेद् खोबेगुन् मेन्दुलेबेइ । खाग़ान् एखिलेन् गुर् येखे उलुस् बायास्खुलाङ थु खुरिम् खिबेइ । थेरे खाग़ान् बेर् मोन् खु थेरे खाथुन् दुर् इयान् खायिर् थाइ इनाग़् बोलुग़ाद । नोगुगे खाथुन् दागान् खायिर् उगेइ बोलुग़सान् दुर् । खाथुन् इयेर् दोथोरा बान् एयिन् सेद्खिरन् । एने मेथु एछिगे यिन् खायिर् बार् खाग़ान् बोलुग़सान् बुलुगे । मिनु खुछुन् इयेर् खाथुन् आबुग़सान् बोलाइ । थेयिमु आछि यि उुलु सानान् खारिन् नामायि जोबाग़ानाम् गेजु सेद्खिल् इयेन् जोबानिन् याबुबाइ

थेरे गाजार् थुर् । जोङ बिलिग् थु एर्देम् येखे थु आर्शि बुइ बुलुगे । थेरे आर्शि दुर् । खाथुन् थाबुन् दाग़ागुल् इयान् दाग़ागुलुन् आन्छु एल्देब् थाखिल् उन् याग़ुमा यि बेलेद्छु आबुग़ा मोगुरे ओद्बाइ । थेरे आर्शि दुर् खुरुगेद् । छिगुल्ग़ान् उ थाखिल् इ एर्गुजु । एल्देब् खोग् दागुन् इयार् बोजिग्लेजु जाल्बारिबामु बार् । थेरे आर्शि उुदे बोल्थाला दागुन् एसे ग़ार्बाइ । उुदे यिन् छाग़् थुर् निदु बेन् खाराग़सान् दु । थेरे खाथुन् छाब् एर्गुगेद् । मान्दाल् एर्गुजु

लडकी को ढूंढकर (ओल्जु) ले आओ (आबाछिरा) । वह मन्त्री ढूंढ कर (एरिजु) पाकर ले आया (आछिग़ाद्) [और उसको] अपने राजा को दे दिया (बारिबाइ) । वह राजा की रानी बन गई और अविलम्ब (उदाल् उुगेइ) उसके पैर भारी हो गये अर्थात् गर्भवती हो गई । समय पूरा होने पर लड़के को जन्म दिया । राजा तथा राष्ट्र (गुर्) और महती जनता, सबने प्रसन्नता का उत्सव (खुरिम्) मनाया । राजा उसी (मोन् खु) रानी से बहुत प्रेम और स्नेह करने लगा (इनाग़् बोलुग़ाद्) । दूसरी (नोगुगे) रानी से उसका प्रेम न रहा । दूसरी रानी ने अपने मन में (दोथोरा बान्) सोचा— मेरे पिता के स्नेह से यह राजा बना और मेरे प्रयत्नों द्वारा इसको दूसरी रानी मिली । इस भलाई (आछि) को न सोच कर (सानान्) यह राजा उल्टा मुझको ही सता रहा है (जोबाग़ानाम्) । इस विचार से वह दु:खी बनी रही (जोबानिन् याबुबाइ) ।

उस देश में अदृश्य (जोङ) ज्ञानी अतिगुणी एक ऋषि था । उस ऋषि के लिये, रानी ने अपनी पाच अनुचरियों (दागागुल्) को साथ ले कर (दागागुलुन्), नाना पूजा की सामग्री (याग़ुमा) बना कर (बेलेद्छु), और ले कर प्रणाम करने गई । ऋषि के पास पहुंच कर, गण पूजा (छिगुलग़ान् उ थाखिल्) चढ़ा कर (एर्गुजु), नाना बाजो की ध्वनि (खोग् दागुन्) से नाच कर (बोजिग्लेजु) प्रणाम किया (जाल्बारिबासु), किन्तु उस ऋषि ने मध्याह्न (उुदे) तक कोई शब्द न निकाला । मध्याह्न काल में उसने अपनी आंखे खोली (खाराग़सान्) । रानी ने अन्न चढ़ा कर (छाब् एर्गुगेद्) मण्डल उपस्थापित किया

११ मोर्गु बेसु । थेरे आर्शि जार्लिग् बोलोरुन् । यागुन् उ थुला गेम्शिजु मोर्गु बेइ खेमेग्सेन् दुर्
खाथुन् आयिलाद्खारुन् । तुरे तुगेइ यिन् थुलादा । तुरे यिन् खुथुग् इ गुयुजु आयिलाद्खानाम्
खेमेग्सेन् दुर् । थेरे आर्शि बेर् निगेन् आद्खु शिरुइ आब्छु थार्निदाजु । खाथुन् दुर्
खायिर्लबाइ । ओनुखे छिद्खुग़सान् शिने छाग़ाजाङ दुर् देल् उन् थोसुन् इयार् जिग़ुर्छु इदेबेसु
तुरे बोल्खु खेमेन् जार्लिग् बोल्बाइ । थेरे शिरुइ इनु आर्त्राइ यिन् गुलिर् बोल्बाइ । थेरे खाथुन्
थुर्गेन् ए याग़ारान् खारिग़ाद् । छाग़ाजाङ खिखु खुमुन् । खिगेद् देल् उन् थोसुन् खिग्छि खुमुन् दुर् ।
दाग़ाल्था खोयार् ओखिन् इयेन् इलेगेग्सेन् दु । थेरे खोयार् खुमुन् बिदे तुरे तुगेइ बुलुगे । खाथुन्
थेरे आदिस् इयान् जोग़ोग़लाग़ाद् । बिदे खोयार् उन् गेर्गेइ दुर् खायिरालामु खेमेन् था खोयार् खाथुन् दाग़ान्
आयिलाद्खा खेमेग्सेन् दुर् । खोयार् ओखिन् बुछाग़ाद् । खाथुन् दाग़ान् आयिलाद्खारसान् दुर् । खाथुन्
आनु ब्लामा यिन् आदिस्थिद् इ खायिरालाग्वु तुगेइ ओग्सुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् याग़ाराजु
खिगेद् । खोयार् एमेस् इयेर् बारिग़ुल्बा । खाथुन् इयेर् जोग़ोग्लाग़ाद् । खोयार् एमे दुर् खिशिग्
इयेन् ओग्बेइ । थेगुन् एछे छाग़ाजाङ दु नाग़ाल्दुजु तुलेग्सेन् इ निगेन् दाग़ाल्था ओखिन् इदेबेइ

और प्रणाम किया । ऋषि ने कहा—तुम किस लिये दुःखी हो (गेम्शिजु) और प्रणाम कर रही हो । रानी ने निवेदन किया—सन्तान न होने के कारण मैं सन्तान का वर (खुथुग्) मांगने (गुयुजु) की प्रार्थना कर रही हूं । उस ऋषि ने एक मुट्ठी भर (आद्खु) मिट्टी (शिरुइ) ले कर उस पर मन्त्र फूंका (थार्निदाजु) और रानी को दे दी (खायिर्लबाइ) । अभी (ओनुखे) बनाए (छिद्खुग़सान्) नये (शिने) चीनी के कटोरे (छाग़ाजाङ) में तिल (देल्) के तेल (थोसुन्) से मिश्रित करके (जिग़ुर्छु) यदि खा लोगी तो (इदेबेसु) सन्तान हो जायेगी । वह मिट्टी जौ का आटा (गुलिर्) बन गई । रानी शीघ्रता से (थुर्गेन् ए) लपक कर (याग़ारान्) लौटी । कटोरी (छाग़ाजाङ) बनाने वाले पुरुष (खिखु खुमुन्) तथा तिल का तेल बनाने वाले (खिग्छि) पुरुष के पास अपनी दो दासी (दाग़ाल्था) लड़कियों (ओखिन्) को भेजा (इलेगेग्सेन् दु) । उन दोनों पुरुषों ने कहा—हम दोनों के भी सन्तान नहीं । रानी उस प्रसाद (आदिस्) को खा कर (जोग़ोग़लाग़ाद्) हम दोनों की पत्नियों (गेर्गेइ) को भी कुछ दे देवे (खायिरालामु) । यह बात तुम दोनों अपनी रानी से निवेदन कर देना (आयिलाद्खा) । यह कहने पर दोनों दासियों ने लौट कर (बुछाग़ाद्) अपनी रानी को कह सुनाया । रानी ने कहा—मैं लामा के प्रसाद (आदिस्थिद्) को कंजूसी किये (खायिरालाखु) बिना दूंगी । उन पुरुषों ने शीघ्रता से (याग़ाराजु) [कटोरा और तेल] बना कर अपनी स्त्रियों द्वारा (एमेस् इयेर्) [रानी को] भेज दिये (बारिग़ुल्बा) । रानी ने खा कर शेष (खिशिग) उन दोनों स्त्रियों को दे दिया । उससे पात्र में चिपके हुए शेष (तुलेग्सेन्) को एक दासी कन्या ने खा लिया ।

६४ ख़ाथुन् खोल् खुन्दु बोलुग़ाद् । ख़ोयार् एमेस् इयेर् मोन् खु शिल्थाग़ा थाइ बोल्बाइ । थेरे ख़ाथुन् इयेर् मेन्दुलेखु छाग़् बोलुग़सान् उ थुला । ख़ाग़ान् आनु आसुरान् थेजिगेखु नाइमान् एखेस् इ आब्छु इरेबेइ । इरेस्सेन् उ ख़ोयिना ख़ाथुन् मेन्दुलेबेइ । मेन्दुलेखु छाग़् थुर् । ओलान् थ्डिङ् नेर् इरेजु छेछेग् उन् खुरा यि ओरोगुल्बाइ । एबुल् बुगेथेले । खोखे नोगुग़ा उर्गुग़ाद् । गुर्गुल्दाइ दोङ्ङारू । शाङशिन्दुआ । ग़ालिबिङ्ङा । ग़ालिङदाखा । शिन् नाइमान् शिबागुद् सायिख़ान् दागुन् ग़ार्बाइ । दाखिनिस् ओग्थार्गुइ बार् इरेगेद् ग़ङदरसुन् बोजिग् इयेर् माग्थान् छेङ्ङेन्दुबेइ । लूस् इयेर् इरेगेद् । लिङखुआ छेछेग् बारिग़ाद् ग़ायिख़ाल्दुबाइ । थेयिमु उजेख् मेथु ग़ायिख़ाम्शिग़् थु यि ख़ाग़ान् । ग़्खिलेन् । गुर् येखे उलुस् उजेगेद् ग़ायिख़ाजु बिशिरेबेइ । थेरे ख़ाग़ान् । खोबेगुन् उ सायिन् मागु शिन्जि यि । थेरे आर्शि दुर् । आयिलादख़ाखु यिन् थुला बागा ख़ाथुन् इयान् इलेगेबे । खुरुगेद् । याम्बार् इरुआ बेल्गे बोलुग़सान् उछिर् इ देल्गेरेङगुइ ए आयिलादख़ाबासु थेरे आर्शि बेर् आय् आ थेयिमु ग़ायिख़ाम्शिग़् थु बुइ आजुगु । थेगुन् उ एर्देम् इ यागुन् उगुलेनेम् । येरु थेगुन् उ इदेखु इदेगेन् दुर् मिङ्ङान थाबुन् जागुन् ख़ासाग़् दाबुसु

रानी के पैर भारी हो गये । दूसरी दोनों स्त्रियां भी सिद्धार्थ (शिल्थाग़ा थाइ) हुई । उस रानी का प्रसव काल हो जाने के कारण राजा पालन पोषण करने वाली (आसुरान् थेजिगेखु) आठ धात्रियों (एखेस्) को लेकर आया । आने के पश्चात् ही रानी ने जन्म दिया । जन्म के समय बहुत से देवताओं ने आ कर पुष्प-वर्षा (खुरा) वर्षाई (ओरोगुल्बाइ) । शीतकाल (एबुल्) होते हुए भी नीचे (ख़ोखे) अर्थात् हरे कोंपल (नोगुग़ा) उग आये (उर्गुग़ाद्) । कोकिल (गुर्गुल्दाइ), क्रौञ्च (दोङ्ङारू), जीवंजीव (शाङशिन्दुआ), कलविंक, कलन्दक अथवा बया आदि आठ पक्षियों ने सुन्दर गान किया । डाकिनियां आकाश द्वारा (ओग्थार्गुइ बार्) आईं । गन्धर्वों ने नृत्य द्वारा स्तुति की (माग्थान्) और प्रसन्नता मनाई (छेङगेल्दुबेइ) । नागों (लूस्) ने आकर पद्म (लिङखुआ) पुष्प दिये और चकित हुए । ऐसे दर्शनीय (उजेखु मेथु) आश्चर्यपूर्ण (ग़ायिख़ाम्शिग़् थु) शिशु को राजा, राष्ट्र और महती प्रजा ने देखा और चकित हो कर पूजा सत्कार किया (बिशिरेबेइ) ।

राजा ने शिशु के अच्छे और बुरे लक्षणों (शिन्जि) को ऋषि के पास निवेदन करने के लिये छोटी रानी को भेजा । रानी आई और विस्तारपूर्वक सुनाया कि कैसे (याम्बार्) लक्षण (इरुआ) और शकुन (बेल्गे) हुए तथा क्या क्या घटनाएं (उछिर्) हुई । ऋषि ने कहा—आहा ! इतना आश्चर्यजनक शिशु है । उसके गुणों को क्या कहूं । साधारणतया (येरु) उसके खाने के भोजन (इदेखु इदेन्) में एक सहस्र पांच सौ गाड़ी (ख़ासाग़्) लवण (दाबुसु)

९५ ओरोखु खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ख़ाथुन् इयेर् माशि आयुग़ाद् । ख़ोथा दाग़ान् याग़ारान् ख़ारिग़ाद् । ख़ाग़ान् । ख़ाथुन् ख़ोयार् थुर् आयिलादख़ाबा । ख़ाग़ान् बेर् सोनुसुग़ाद् गुनिग़ाराजु गेदेगुं खेब्येबेइ । ख़ाथुन् आयुग़ाद् । एने यागुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् ख़ाग़ान् जालिग़् बोलोरुन् । येरु ग़ारछा ख़ुमुन् उ इदेखु मिङग़ा थाबुन् जागुन् ख़ासाग़् दाबुसु बुगेसु । दोर्बेन् दिब् उन् आमिथान् खेमेन् नेरेयिदखु उगेइ खेमेग्सेन् दुर् । ख़ाथुन् इयेर् याग़ाखिखु बुइ खेमेग्सेन् दु ख़ाग़ान् एगुन् इ ओइ यिन् दोथोर। आबाछिजु ओर्खि गेबेसु । निगेन् थुशिमेल् थेगुन् इ आबाछिग़ाद् । ओइ यिन् दोथोरा ओर्खिग़सान् दुर् । थेरे खेजुखेन् उगुलेरुन् । आइ थुशिमेल् सोनुस् । थोगुस् शिबागुन् ओम्देगेन् थोरोखु । ओम्देगेन् देल्गोरेगेद् ओस्खुइ दुर् इयेन् । ख़ोखे ओङ्गे थेइ बायिखु । ओसुग्सेन् उ ख़ोयिना । आल्थान् ओङ्गे थेइ बोलुमुइ । थेगुन् दुर् आदालि यिर्थिन्छु यि एजेलेग्छि ख़ाग़ान् थोरोबेसु । उछुखेन् बुखुइ दुर् इयेन् । एछिगे एखे दुर् । थुशिमुइ जा । येखे बोलुग़ाद् । ख़ाग़ान् ओरोन् इ बारिखुइ छाग़् थुर् । दोर्बेन् थिब् इ एजेलेग्छि छागार्वादि ख़ाग़ान् बोल्बासु । थेगुन् दुर् येखे दालाइ मेथु खुराग़िछ्ठ बोर्साङ ख़ुवाराग़् उद् बा । थुग् थुमेन् ख़ाग़ाद् छुग्लाबा

पड़ेगा (ओरोखु) । रानी बहुत डरी और नगर को शीघ्रता से लौटी । राजा और रानी को सब बात कह सुनाई । राजा सुन कर चिन्तित हो कर (ग़ुनिग़ाराजु) पीठ के बल (गेदेगुं) लेट गया । रानी डर गई और पूछा—यह क्या है । राजा ने कहा—यदि केवल एक पुरुष के खाने के लिये एक सहस्र पांच सौ गाड़ी लवण चाहिए तो चारों द्वीपों (दिब्) के प्राणियों का नाम लेना ही नहीं चाहिये । रानी ने पूछा—अब क्या करना है । राजा ने कहा—इसको जंगल के भीतर ले जा कर छोड़ दो (ओर्खि) । यह कहने पर (गेबेसु) एक मन्त्री शिशु को ले गया और जंगल के भीतर छोड़ दिया । बालक बोला—अरे मन्त्री सुनो (सोनुस्) । मयूर (थोगुस्) पक्षी अण्डा देता है (ओम्देगेन् थोरोखु) । अण्डा फूट कर (देल्गोरेगेद्) बच्चा बड़ा होने पर (ओस्खुइ दुर्) नीले रंग का हो जाता है । पूरे प्रमाण के (ओसुग्सेन्) पश्चात् स्वर्ण के रंग का बन जाता है । इसी प्रकार संसार का स्वामी राजा जब जन्म लेता है तो बाल्यकाल में पिता माता के सहारे रहता है (थुशिमुइ जा) । बड़ा हो कर राजासन ग्रहण करने के समय यदि चारों द्वीपों का स्वामी चक्रवर्ती राजा बन जाता है तो उस समय महान् समुद्र के समान इकट्ठे होने वाले (ख़ुराग़िछ) संन्यासी (बोर्साङ) साधु (ख़ुवाराग़्) और अयुतों राजाओं के इकट्ठा होने पर,

६६ गेम् । थेगुन् दुर् छाब् खिगेद् । खुरिम् उुइलेद्खुइ दुर् । मिङग़ा थाबुन् जाग़ुन् खासाग़् दाबुसुन् आछा बायिथुग़ाइ । थुमेन् खासाग़् दाबुसु खुर्खु बयु । थोथि थोरोखुइ दुर् इयेन् शिबागुन् दाग़ु थु बुगेथेले । ओस्खु छाग़् थुर् इयान् खुमुन् उ खेले यि मेदेजु माशि मेर्गेन् बोलुग़्छि । थेगुन् दुर् आदालि । निगेन् खान् खोबेगुन् थोरोबेसु । बाग़ा बुखुइ दुर् इयेन् थोरु यि थुशिजु येखे वोलुग़ाद् । गुर्बान् मिङग़ान् यिर्थिन्छु यि एजेलेग्छि खाग़ान् बोल्बा गेम् । थेगुन् दुर् बुर्खान् बोधिसदुआ नार् खुराखु बा । थ्डिङ् खुमुन् छुग़्लाग़ाद् एर्गुबे गेम् । निगेन् एदुर् थु मिङ्ग़ान् थाबुन् जाग़ुन् खासाग़् दाबुसुन् आछा छु बायिथुग़ाइ । थुमेन् खासाग़् दाबसु खुर्खु बुयु ख्मेन् उुगुलेग्सेन् दुर् । थेरे थुशिमेल् याग़ाराजु खारिग़ाद् । उछिर् बुखुन् इ । खाग़ान् । खाथुन् दाग़ान् आयिलाद्खाबा । खाग़ान् । खाथुन् एखिलेन् उलुस् बुखुन् थेरे उुनेन् बुलुगे खेमेगेद् गुयुल्छेबे । थेरे खोबेगुन् इ ग़ाजार उन् एजेद् आबुग़ाद् । लिङखुआ छेछेग् इयेर् खुछिजु । आमान् दुर् आनु बाल् इ खोखुगुल्बेइ । खागान् । खाथुन् इयेर् खुरुगेद् । थेरे ओर्खिग्सान् ग़ाजार् इ एसे ओल्जु । बुगुदेगेर् एरिग्सेगेर् याबुथाला । खेउुखेन् उ उखिलाखु दागुन् इ सोनुसुग़ाद् । खाग़ान् । खेउुखेन् इ एर्गुजु उुगे आसाग़ुबामु । दाग़ुन् एसे ग़ार्बाइ । खाग़ान् एखिलेन् खामुग़्

उनके लिये भोजन (छाब्) और उत्सव (खुरिम्) मनाने के लिये एक सहस्र पांच सौ गाड़ी लवण से क्या बनेगा (आछा बायिथुग़ाइ), दस सहस्र (थुमेन्) गाड़ी लवण भी पर्याप्त (खुर्खु) होगा क्या(बुयु) । जब शुक उत्पन्न होता है तो उसकी ध्वनि पक्षी की ध्वनि होती है । किन्तु बड़ा होने के समय पुरुष की भाषा को जान कर बहुत बुद्धिमान् बन जाता है । इसी प्रकार जब राजकुमार उत्पन्न होता है तो शैशव में (बाग़ा बुखुइ दुर्) राष्ट्र का सहारा लेता है (थोरु यि थुशिजु) । बड़ा होने पर तीन सहस्र लोकों का स्वामी राजा बन जाता है । तब उसके पास बुद्ध, बोधिसत्त्वगण इकटठे हो जाएं, देवजन आ जाएं (छुग़्लाग़ाद्) और उसके लिये उत्सव किया जाए (एर्गुबे गेम्). तो एक दिन में एक सहस्र पांच सौ गाड़ी लवण से तो क्या, दस सहस्र गाड़ी लवण भी पर्याप्त होगा क्या ।

ऐसा कहने पर मन्त्री शीघ्रता से (याग़ाराजु) लौटा (खारिग़ाद्)। सम्पूर्ण घटना अपने राजा रानी को सुनाई । राजा रानी और सब प्रजा ने कहा—यह सच है । और यह कह कर वे दौड़े (गुयुल्छेबे) ।

उस बालक को क्षेत्रपति (ग़ाजार उन् एजेद्) ले कर पद्म पुष्पों से ढक कर (खुछिजु) उसके मुह में (आमान् दुर्) मधु (बाल्) चुसा रहे थे (खोखुगुल्बेइ) । राजा रानी आये और जिस स्थान पर बालक छोड़ा था वहां उसको न पाकर सबके सब इधर उधर ढूंढते जा रहे थे (एरिग्सेगेर् याबुथाला) कि बालक के रोने (उखिलाखु) की ध्वनि सुनाई पड़ी। राजा ने बच्चे को उठाया (एर्गुजु) और पूछा । बच्चे ने उत्तर नहीं दिया । राजा और सब

६७ उलुस् ग़ायिख़ाल्दुबाइ। एने खोबेगुन् इ थारोख़ुइ छाग़् थुर् एल्देब् बेल्गेस् येरु बोलुग़सान्।
निल्ख़ा बुख़ुइ दुर् गुन् उख़ागान् थु एयिमु उगे उगुलेख़ुइ बोलुग़ाद्। एदुगे बोल्बामु
लिङख़ुआ छेछेग् इयेर् ख़ुछिजु। आमान् दुर् बाल् खोख़ुगुलुग़सेन् इ उजेख़ुले। एयिमु ग़ायिख़ाम्शिग़्
थु बुगेथेले। बिदे एसे मेदेग़सेन् इयेन् नामान्छिलामु खेमेगेद्। गेर् थुर् इयेन् आबाछिग़ाद्।
दालाइ मेथु येखे ख़ुरिम् खिबेइ। बोग़दा खोबेगुन् दुर्।
बोग़दा बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् खेमेन् नेरेयिद्बेइ। मिनु बिर्कमिजिद् ख़ाग़ान् थेयिमु ग़ायिख़ाम्शिग़्
थु बुलुगे। छि थेरे मेयु बुयु खेमेग़सेन् दुर्। आराजि ब्रोजि ख़ाग़ान् गेर् थुर् इयेन् ख़ारिबाइ।

प्रजा चकित हुए। इस बालक के जन्म समय में नाना शकुन और लक्षण हुए थे। शिशु (निल्ख़ा) होते हुए भी इसने गम्भीर (गुन्), बुद्धियुक्त (उख़ागान् थु) ऐसे शब्द कहे थे। और अब हम इस को पद्मपुष्पों से ढका हुआ तथा मुख में मधु चूसता हुआ देखते हैं। हम पश्चात्ताप करते हैं (नामान्छिलामु) कि इस आश्चर्यजनक बालक को हमने नही पहचाना। यह कह कर बालक को घर ले गये। समुद्र के समान महान् उत्सव मनाया और महात्मा बालक को 'महात्मा विक्रमादित्य राजकुमार" यह नाम दिया।

मेरा विक्रमादित्य राजा ऐसा अद्भुत था। क्या तुम उसके समान हो। यह सुन कर राजा भोज अपने घर लौट गये।

बासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेस्सेन्

बासा आराजि बोजि खागान् । निगेन् ओल्जेइ थु एदुर् ए इरेगेद् । ओल्जेइ खुथुग् ओरुशिगुल्जु थेरे शिरेगेन् दुर् गार्खुइ दुर् । उरिद् योसुगार् निगेन् मोदुन् खुमुन् गारुगाद् उगुलेरुन् । मिनु बोरदा बिर्कमिजिद् बागाथुर् सुर् जिब्खुलाङ थु । आउगा खुछु दु आदालि बोल्बासु सागु । उगेइ बुगेसु सोनुस् गेबे । थेरे खागान् उरिद् योसुगार् सोनुस्बा । थेरे खोबेगुन् इ दोलुगान् नासुन् खुर्थेले एर्गु गेद् । गङदरस्ब खागान् गुर् येखे खुरिम् उइलेदुगेद् । मोन् बोरदा खोबेगुन् दुर् । बिर्कमिजिद् खान् खोबेगुन् खेमेन् नेरेयिद्बेइ । थंगुन् दुर् आदालि थोरोग्सेन् शागाजिन्छि खुमुन् । देल् उन् थोसुन् गेग्छि खोयार् उन् खोबेगुन् दुर् निगेन् उ नेरे योगि । निगेन् उ नेरे दिलाबा खेमेन् नेरे ओग्बेइ । थेरे छाग् थुर् यग्छस् उन् छेरिग् उद् छम्बुदिब् उन् आमिथान् दुर् मोर्दोसान् दु । गङदरस्ब खागान् खेगुर् इयेन् शिथुगेन् उ देर्गेदे थाल्बिगाद् । यग्छस् इ ओलान् छेरिग् इयेर् दारुजु याबुथाल् । बागा खाथुन् आनु । येखे खाथुन् दागान्

छठा अध्याय

एक और पुतली की कथा

फिर राजा भोज एक पुण्य दिन आने पर मंगल (ओल्जेइ खुथुग्) स्थापना करा कर, उस आसन पर चढ़ने लगा । उस समय पहले के समान (उरिद् योसुगार्) एक पुतली निकल कर बोली—यदि मेरे महात्मा विक्रमादित्य वीर के समान ओजस्वी, तेजस्वी (सुर् जिब्खुलाङ थु), प्रभावशाली, शक्तिमान् हो तो सिंहासन पर बैठो । यदि नहीं हो तो सुनो । राजा ने पहले के समान सुना ।

उस बालक को सात वर्ष की आयु (नासुन्) तक (खुर्थेले) पाल कर (एर्गु गेद्) गन्धर्व राजा ने बहुत बड़ा (गुर् येखे) उत्सव रचा (खुरिम् उइलेदुगेद्) और उस (मोन्) महात्मा बालक को "विक्रमादित्य राजकुमार" यह नाम दिया । उसी के समान उत्पन्न, कटोरे वाले (शागाजिन्छि) और तिल का तेल पीड़ने वाले दोनों के बालकों को भी नाम दिये, एक को योगी और दूसरे को तैलप (?) । उस समय यक्षों (यग्छस्) की सेना ने जम्बुद्वीप के प्राणियों पर चढ़ाई की (मोर्दोसान् दु) । गन्धर्व राजा ने अपने शरीर को (खेगुर्) पूजागृह (शिथुगेन्) में छोड़ दिया और यक्षों का दमन करने के लिये बहुत बड़ी सेना ले कर चला गया । छोटी रानी बड़ी रानी से

६६ आयिलाद्खारुन् । मान् उ एने बोरदा खागान्। मान् लुगा सागुखुइ दुर् । खुमुन् उ दुरि बेर् बुगेथेले । मोर्दोखु छाग् थुर् इयान् गूआ उजेस्खुलेङ थु । सेद्खिल् बुलियाखु थेयिमु सर् जिव्खुलाङ थाइ मोरिलाबा । उर्गुलिजि देर्गेदे इनु थेरे दुरि यि उजेजु सेद्खिल् खानुजु । मागुसाइ नि खेमेगेद् उखिलाखुइ दुर् । येखे खाथुन् आनु इनियेगेद् उगुलेरुन् । थेरे खागान् उ बेये यिन् खेगुर् शिथुगेन् उ देर्गेदे थाल्बिजु । खूर् थान् दायिसुन् इ दारुखु यिन् थुला । थिङस् उन् दुरि बेर् खुबिलुगसान् बुइ जा खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् आनु दोथोर् इयान् एयिन् सेद्खिरुन् । खागान् उ थेरे खेगुर् इ खायिलुगाद् । थुङगाल्गान् बेये लुगे खाम्थु सागुबासु । जोखिस् थाइ बुइ जा गेजु सानागाद् शिथुगेन् नि दुर् ओरोजु । खुरियागसान् चन्दन् मोदुन् इयार् गाल् थुलेगेद् । खेगुर् इ इनु खायिल्बाइ । खागान् बेर् मेदेगेद् येखे गाशिगुदान् । सेद्खिल् जोबानिल् थोरोगेद् । निगेन् ग्शिन् दुर् यागारान् खुछुं इरेगेद् । खेगुर् इयेन् खायिलुगसान दुर् । खाथुन् दागान् एयिन् जालिग् बोलोरुन् । आसारान् खायिरालागसान् खाथुद् खेउखेद् खिगेद् । खामुर् उन् खुरियागसान् खान् खाराछु । खामुग् उलुस् इर्गेन् बिदेन् इ । आसुरि नार् उन् इदेशि बोल्बाइ खेमेगेद् । एने बेये बेर् सागुजु उलु बोल्खु । दोलुगान् खोनुग् बोल्थाला छिलागुन् मोन्दोर् ओरोगाद्

बोली—हमारा यह महात्मा राजा हमारे साथ रहते समय (सागुखुइ दुर्) पुरुष के रूप (दुरि) में रहता है (बुगेथेले), किन्तु चढ़ाई करते समय इसने सुन्दर, अभिरूप, चित्त-हारी (सेद्खिल् बुलियाखु थेयिमु), ओजस्वी, तेजस्वी हो कर प्रस्थान किया है (मोरिलाबा) । सदा (उर्गुलिजि) उसके पास (देर्गेदे इनु) इस रूप को देखते हुए सन्तुष्ट हो कर (सेद्खिल् खानुजु) यदि हम रह सकें (मागुसाइ नि)—यह कह कर रोने लगी (उखिलाखुइ दुर्) । बड़ी रानी मुस्कराई और बोली—राजा ने अपने (बेये यिन्) शरीर को मन्दिर में छोड़ कर दुष्ट (खूर् थान्) शत्रुओं (दायिसुन्) के दमन (दारुखु) के लिये देवताओं का रूप धारण किया है (खुबिलुगसान् बुइ जा) । इस पर छोटी रानी ने अपने मन में यों सोचा—राजा के इस शव को जला कर (खायिलुगाद्) स्वच्छ (थुङगाल्गान्) शरीर के साथ (बेये लुगे खाम्थु) रहूंगी तो (सागुबासु) उचित होगा । यह सोच कर मन्दिर के अन्दर (दुर्) जा कर इकट्ठे किये (खुरियागसान्) चन्दन काष्ठ से आग जला कर (गाल् थुलेगेद्) उस शव को जला दिया (खायिल्बाइ) । जब राजा को पता लगा वह बहुत व्याकुल हुआ (गाशिगुदान्) । उसके चित्त में दुःख (जोबानिल्) उत्पन्न हुआ । एक क्षण में (ग्शिन् दुर्) शीघ्रता करके वह आ पहुंचा (खुछुं इरेगेद्) । उसका शरीर जल चुका था । अपनी रानियों से कहा—मेरे पाले पोसे (आसारान्), स्नेह किये हुए (खायिरालागसान्) रानी और बच्चो, मेरे संभाल कर इकट्ठे किये (खुरियागसान्) राजा और प्रजा (खाराछु), और सम्पूर्ण जनता, हम असुरगण के भोजन (इदेशि) बन गये है। मै इस शरीर में नहीं रह सकता । सात दिनरात के पश्चात् पत्थर (छिलागुन्) के ओले (मोन्दोर्) गिरेंगे (ओरोगाद्) ।

७० आसुरि इरेजु एब्देखु बोलुगे । थेयिमु यिन् थुलादा । खाथुद खेउखेद् । एने खोथान् आछा गार्छु । थुर्गेन् दुथागा खेमेगेद् । थाबुन् ओङ्के यिन् सोल्मोङगा थाथाजु । ओरथार्गुइ दुर् गार्छु ओद्बाइ । खाथुद खेउखेद् उलुस् इर्गेन् बुगुदेगेर् उखुद्गेजु उनाबाइ । उनारसान् इयान् सेर्गुजु बोसुगाद् एनेलुन् गामुलाल्छाजु उखिलाबाइ । येखे खाथुन् उगुलेरुन् । सानाजु गासुलाबाछु थुसा उगेइ । दुथागाबामु जोखिमुइ खेमेगेद् । थावुन् दागागुल् इयान् आबुगाद् । खेउखेद् इयेन् एगुर्गेगेद् गासुलारसागार् खोथान् एछेगेन् गारुन् याबुबाइ । बागा खाथुन् । खेउखेद् । उलुस् इर्गेन् । खोथान् दुर् इयान् गामुलाल्छान् सागुबाइ । येखे खाथुन् दोलुगान् खोनुग् याबगाद् निगेन् दागाल्था ओखिन् इनु । शिल्थागा थाइ यिन् थुला । याबुन् एसे छिदाबासु । खाथुन् इयेर् । ओखिन् दुर् एयिन् उगुलेरुन् । जोबाजु याबुखुइ दुर् ओखिन् खुमुन् बोलुगाद् । एयिमु शिढिशग् थु बुयु खेमेधुइ दुर् । ओखिन् उगुलेरुन् । उरिदाखि आर्शि ब्लामा यिन् खायिरालारसान् छागाजाङ उन् शाब्खुरू माल्थाजु इदेग्सेन् एछे बुसु । यिर्थिन्छु यिन् उइले खिग्सेन् उगेइ बुइ खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् इयेर् थेगुन् इ शालु यिन् नुखेन् दुर् खोङ्गेजिगुलुगेद् । थेरे खेउखेन् इ आबुया खेमेग्सेन् दु । ओखिन् उगुलेरुन् । एगुन् इ आन्खु आछा बायिथुगाइ । खान् खोबेगुन् इ ओर्खिखु छाग् ओयिरा

अमुर आ कर विध्वंस करेंगे (एब्देखु बोलुगे) । अतः मेरी रानियों और बच्चो, इस नगर से निकल कर शीघ्र (थुर्गेन्) भाग जाओ (दुथागा) । यह कहने पर पांच रंग का धनुष् (सोलोङ्गा) छा गया और राजा आकाश में लीन हो गया ।

रानी, बच्चे और प्रजा सब मूर्छित हो कर (उखुद्गेजु) गिर पडे । सचेत हो कर (सेर्गुजु) उठे तो (बोसुगाद्) शोक (एनेलुन्) और पश्चात्ताप करते हुए (गासुलाल्छाजु) रोने लगे (उखिलाबाइ)। बड़ी रानी ने कहा—चिन्ता और शोक से कोइ लाभ नहीं (थुसा उगेइ) । भाग जाना (दुथागाबामु) उचित है । पांच दासियों को ले कर, बच्चों को पीठ पर उठवा कर (एगुर्गेगेद्), विलाप करती हुई (गासालुरसागार्) नगर से चली गई । छोटी रानी, बच्चे तथा प्रजा नगर में ही शोक करते बैठे रहे ।

बड़ी रानी के सात दिन रात यात्रा करने के पश्चात् एक दासी लड़की गर्भवती (शिल्थागा थाइ) होने के कारण चलने में असमर्थ हो गइ । रानी ने दासी से कहा—दुःखमयी (दोबाजु) यात्रा (याबखुइ) में कुमारी-जन हो कर ऐसी अभद्र (शिढिशग् थु) हो । इस पर दासी बोली— पूर्व के ऋषि लामा के दिये हुए (खायिरालारसान्) कटोरे के बचे हुए को कुरेद कर (माल्थाजु) खाने से भिन्न (बुसु) सांसारिक कर्म (यिर्थिन्छु यिन् उइले) मैंने नहीं किया (खिग्सेन् उगेइ बुइ) । रानी ने उसको शालु के बिल में (नुखेन् दुर्) प्रसूति कराई (खोङ्गेजिगुलुगेद्) और कहा—इस बालक को साथ ले चलेंगे। पर दासी बोली—इसको ले जाना तो रहा, राजकुमार को भी छोड़ने का (ओर्खिखु) समय निकट आ गया है ।

७१ बोल्बाइ खेमेगेद् ग़ासुलाग्सागार् याबुबाइ । थेरे ओर्खिग्सान् खेउुखेन् इ शालु आबुग़ाद् । नुखेन् दुर् इयेन् ओरोगुल्बाइ । थेरे शालु उन्थाग्सान् उ खोयिना । थेरे खेउुखेन् खोख् यि खोखुग्सेन् दुर् शालु खोख् बेन् खोखुग्सेन् इ मेदेगेद् । ओबेर् उुन् जुल्जाग़ा लुग़ा इल्याल् उुगेइ थेजियेबेइ । खाथुन् उम्दाग़ासाजु ओलुसुग्सेगेर् । निगेन् खाग़ान् उ थारियान् उ देर्गेदे खुर्बेसु । थेरे थारियाछिन् इयेर् । खाथुन् खेउुखेद् इ उुजेगेद् । खानुगि उुगेइ सायिखान् उ थुलादा । खुरियेलेजु सागुग़ाद् । उम्दा खोगुला मुङ्दाशि उुगेइ ओग्बेइ । थेन्दे बेन् सागुथाला । थेरे खाग़ान् आनु । आबालारा मोर्दोग़ाद् याबुथाला । थेरे थारियाछिन् उ दोथोरा गिल्बेलेग्सेन् छिमेग् थेइ ओलान् उलुम् इयार् खुरियेलेगुल्जु सागुखुइ यि खाग़ान् बेर् उुजेगेद् । थेरे यागुन् बुइ । थगुन् इ उुजेजु इरे खेमेन् निगेन् खुमुन् इ इलेगेबे । थेरे खुमुन् उुजेगेद् ग़ायिखाजु खाग़ान् दुर् इयान् एयिन् उुगुलेबेइ । निगेन् खाथुन् बायिना । आल्थान् छिमेग् थेइ । देल्गेर् सारान् मेथु ग़ोओआ उुजेस्खुलेङ थु खोबेगुन् थेइ । थाबुन् दाग़ागुल् थाइ खाथुन् बायिना गेजु आयिलादखाबा । खाग़ान् इरेगेद् मोरिन् आछा बागुजु । खाथुन् उ देर्गेदे सागुजु । ग़ायिखाम्शिग् थु थेरे खाथुन् इ उुजेगेद् । आलि ग़ाजार् आछा इरेग्सेन् । खेनुगि बुलुगे खेमेन् आसागुग्मान् दुर् । खाथुन् आलिबा उछिर्

यह कह कर विलाप करती चली गई (गासुलाग्साग़ार् याबुबाइ) ।

उस छोड़े हुए बच्चे को शालु ने ले लिया और अपने बिल में घुस गया । शालु के सो जाने (उन्थाग्मान्) के पश्चात् बच्चे ने उसके स्तन (खोख्) को चूमा (खोखुग्सेन् दुर्) । शालु को चूसे हुए स्तन का पता लग गया । उसने अपने बच्चे से (जुल्जाग़ा लुग़ा) अभिन्न (इल्याल् उुगेइ) उस बच्चे का पालन किया (थेजियेबेइ) ।

जब रानी प्यासी (उम्दागासाजु) और भूखी हो कर (ओलुसुग्सेगेर्) एक राजा के खेत के पास (थारियान् उ देर्गेदे) पहुची तो किसान (थारियाछिन्) रानी और बच्चों को देख कर अनुपम (खानुशि उुगेइ) सौंदर्य के कारण उसको घेर बैठे (खुरियेलेजु सागुग़ाद्) । पेय (उम्दा) और भोजन (खोगुला) पेट भर (मुङदागि उुगेइ) दिया । जब वे लोग वहां बैठे थे, उनका राजा आखेटार्थ (आबालारा) सवार हो कर (मोर्दोग़ाद्) जा रहा था । उसने किसानों के बीच में चमकते हुए (गिल्बेलेग्सेन्) आभूषणयुक्त और बहुजन-परिवृत उस रानी को बैठे देखा । उसने कहा—यह कौन है । इसको देख कर आओ । यह कह कर एक पुरुष को भेजा । उस पुरुष ने देख कर चकित हो कर राजा को इस प्रकार कहा—एक रानी है । स्वर्णमय आभूषणों से युक्त है । पूर्णचन्द्र (देल्गेर् सारान्) के समान सुन्दर अभिरूप उसका बालक है । पांच दासियां हैं । यह निवेदन करने पर राजा आया । घोड़े से उतरा (बागुजु) । रानी के पास बैठा । आश्चर्यपूर्ण रानी को देखा । और उससे पूछा—किस देश से आई हो तथा किस की (खेनुगि) हो । रानी ने सब (आलिबा) घटनाओं को (उछिर्)

७२ इयान् देलगेरेङगुइ ए खेलेग्सेन् दुर् । थेरे खागान् आनु सोनुसुगाद् । जिरुखेन् आल्दाजु निदुन् एछेगेन् निल्बुसुन् गार्गाजु । थेरे खाथुन् दुर् मोर्गु गेद् खाथुन् । खेउखेद् इ खोथा दागान् आबाछिजु । निगेन् सायिन् बायिशिङ दुर् सागुल्गाबाइ । बिकर्मिजिद् मायिमा खुदाल्दुगान् इ गेजु सुरुगाद् । खोन्जिजु आबुगसान् ओर्थेग् इयेर् येखे साङ थु बोल्बाइ । एर्देम् थेन् मेर्गेद् इ दागाजु एर्देम् बिलिग् इ सुर्बाइ । उरान् दार्खान् इ दागाजु दार्खान् बोल्बाइ । जिल्विछिन् इ दागाजु जिल्वा सुर्बाइ । खुलागायिछिन् इ दागाजु खुलागाइ सुरुन् याबुगाद् बिशि सुरुगसान् एर्देम् ओरि थोलोगे थेइ बुइ जा । थोलोगे उगेइ आबुया खेमेन् खुलागाइ खिरे याब्रथाला । एर्देनि यिन् खोयिग् दु ओछिगसान् थाबुन् जागुन् खुदाल्दुगाछिन् जाम् जागुरा इरेख्इ दुर् निगेन् खोबेगुन् । शालु यिन् बेल्थुर्गे खेउखेद् थेइ थोगलान् बायिखुइ यि उजेगेद् । एने शालु गोरुगेसुन् बुगेथेले । खोबेगुन् खानिछान् थोगलाजु बायिख् आनु यागुन् बुइ खेमेगेद् ओछिबाइ । थेरे खोबेगुन् एछे । छि यागुन् खोबेगुन् बुइ खेमेबेसु । थेरे खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि शालु यिन् खोबेगुन् गेबे एने शालु गोरुगेसुन् बुगेथेले । छि यागुन् उ थुला खुमुन् दुरि थु बुइ खेमेग्सेन् दुर् खोबेगुन् बि

विस्तार से कह सुनाया । राजा ने सुना । उसका हृदय (जिरुखेन्) दुःखी हुआ (आल्दाजु) । उस की आंखों से आसू बह निकले (निल्बुमुन् गार्गजु) । उसने रानी को नमस्कार किया तथा रानी और बच्चों को अपने नगर में ला कर एक सुन्दर घर में (बायिशिङ दुर्) ठहराया ।

विक्रमादित्य ने लेन देन व्यापार (मायिमा खुदाल्दुगान्) करना (गेजु) सीखा (सुरुगाद्) । लाभ रूप में (खोन्जिजु) मिले मूल्य (ओर्थेग्) से बहुत बड़ी निधि वाला (साङ थु) बन गया । गुणवान् विद्वानों का अनुसरण करके गुण और ज्ञान सीखा । कुशल कलाकारों (उरान् दार्खान्) का अनुसरण करके कलाकार बन गया । जादूगरों (जिल्विछिन्) का अनुसरण करके जादू सीखा । डाकुओं (खुलागायिछिन्) की सेवा करके डाका सीखा । अन्य सीखे हुए (बिशि सुरुगसान्) गुणों में पहले (ओरि) रुपया लगाना पड़ता है । बिना रुपया लगाये हुए [सब कुछ] मिल जाए इति डकैती करने चल पड़ा ।

रत्नों के द्वीप (खोयिग्) में गये हुए (ओछिगसान्) ५०० व्यापारी मार्ग के बीच में (जाम् जागुरा) चले आ रहे थे (इरेखुइ दुर्) । उन्होंने एक लड़के को शालु के पिल्ले (बेल्थुर्गे) बच्चों के साथ खेलते हुए (थोगलान् बायिखुइ) देखा । शालु के वन्य पशु (गोरुगेसुन्) होते हुए भी मनुष्य के बच्चे का इनके साथ मिल कर (खानिछान्) खेलते होना (थोगलाजु बायिखु) कैसे सम्भव है—यह सोच कर पास आए (ओछिबाइ) और उस बच्चे से कहा—तुम कैसे लड़के हो । लड़के ने उत्तर दिया—मैं शालु का बच्चा हूं । और फिर पूछा—शालु तो वन्य पशु है । फिर तुम किस कारण मनुष्य रूपधारी हो । लड़के ने कहा—मैं

७३ याम्बार् उछिर् इ मेदेखु उुगेइ खेमेबे । बासा थेरे उलुस् ुुगुलेरुन् । शालु गोरुगेसुन् इयेर् याग़ाखिजु याबुखु बुइ छि माल् इयार् याबुखुला जोखिखु बुइ गेखुइ दुर् । बोलुना ओछिया खेमेन् याबुबाइ । थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् जागुरा निगेन् ग़ोओल् दु बागुबाइ । शालु इरेगेद् बार्खिरान् दागुदाबासु । थेरे उलुस् । खोबेगुन् एछे आसागुबा । थेरे शालु यागुन् खेलेनेम् खेमेबेसु । थेरे खोबेगुन् ुुगुलेरुन् । थेरे । मिनु एखे बायिनाम् । नामायि ओर्खिग़ाद् यागुन् उ थुला इरेबेइ । छिमाइ एने उलुस् बुलियाजु आबाछिराबाउ । छि ओबेर् इयेन् इरेबेउ । याबुदासुन् थाबु जिर्ग़ुग़ान् एमेस् । मिनु नुखेन् देगेरे ओर्खिरसान् इ बि थेजियेजु एदुइ बोल्ग़ारसान् आछि यि मिनु ुुलु सानाखु बुयु छि । ओनो ए सोनि ुुयेर् बोलुग़ाद् एने उलुस् ुुखुने । थेह्नेगु थु छि ुुलु ुुखुखु बुयु । ओद्थेर् खारिजु इरे । निगेन् खलागायिछि गेथेजु बायिनाम् गेजु खेलेम्इ खेमेखु दु । थेरे उलुस् आयुग़ाद् । आछिग़ालाजु निगेन् आगुलान् दु ग़ार्छु याबुथाला । खेम्जिये ुुगेइ येखे बोरुग़ान् ओरोबाइ । खुदाल्दुग़ाछिन् आगुलान् देगेरे खोनुग़ाद् ओर्लोगे बोस्छु खाराबासु । आगुला यिन् खोयार् खाजिगु बार्

क्या कारण है (याम्बार् उछिर् इ) यह नहीं जानता । फिर उन लोगों ने कहा— तुम इन वन्य पशु शालुओं के साथ कैसे रहते हो । तुम हमारे साथ (माल् इयार) चलो तो ठीक होगा । लड़के ने कहा— ठीक है (बोलुना), चलूगा (ओछिया), यह कह कर वह उनके साथ चल पड़ा ।

मार्ग में (जागुरा) वे व्यापारी एक नदी पर ठहरे । शालु भी आ पहुंची और चिल्ला चिल्ला कर (बार्खिरान्) बुलाने लगा (दागुदाबासु) । उन लोगों ने लड़के से पूछा—यह शालु क्या कह रही है । लड़के ने कहा—यह मेरी माता है । यह कह रही है—मुझ को छोड़ कर तुम किस लिये चले गये । तुम को ये लोग छीन कर (बुलियाजु) ले आए हैं क्या (आबाछिराबाउ) अथवा तुम स्वयं आए हो । जाती हुई (याबुदासुन्) पांच छः स्त्रियां (एमेस्) मेरे बिल के पास तुम को छोड़ गई थीं और मैंने तुम को पाल कर (थेजियेजु) इतना बड़ा (एदुइ) बनाया (बोल्ग़ारसान्) । मेरे उपकार (आछि) को क्या तुम नही सोचते (ुुलु सानाखु बुयु छि) । आज (ओनो ए) रात को बाढ़ (ुुयेर्) आएगी (बोलुग़ाद्) और ये लोग मर जाएंगे (ुुखुने) । किन्तु तुम चतुर हो इसलिये नहीं मरोगे । अभी अभी (ओद्थेर्) लौट आओ । एक डाकू ताक लगाए है—यह कहती है । इस पर वे लोग डर गये । सम्भार लाद कर (आछिगालाजु) एक पर्वत पर चढ़े ही थे (आगुलान् दु ग़ार्छु याबुथाला) कि अपरिमित (खेम्जिये ुुगेइ) महती वर्षा (बोरुग़ान्) पड़ी (ओरोबाइ) । व्यापारियों ने पहाड़ पर रात बिताई । प्रातः (ओर्लोगे) उठ कर (बोस्छु) देखा तो (खाराबासु) पहाड़ के दोनों ओर (खाजिगु बार्)

७४ येखे उुयेर् उरुस्खारसान् आजुग़ु । थेगुन् इ उुजेगेद् । थेरे उलुस् येखेदे अ'युजु । एने खोबेगुन् एछे बुसु । बिदे छोम् एने सोनि उुखुखु बिले गेजु थेरे खोबेगुन् दु येखे यागुमा ओग्बेइ । बिदे याम्बार् ओल्जा ओल्बासु खुबियादाग़् बिले । एने खोबेगुन् इ खेन् बिदेन् इ आब्खु बुइ गेजु खेलेल्छेग्सेन् दुर् । थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् उ आग्वा आबुबाइ । थेगुन् उु खोयिथु सोनि बासा निगेन् गोओल् दुर् खोनुबाइ । बिकर्मिजिद् बामा गेथेजु बायिथाला । शालु इरेगेद् दागुदाबाइ । मोन् उलुस् यागुन् खेलेनेम् खेमेबेसु । खोबेगुन् उुगुलेरुन् । थेरे शालु मिनु । नामायि ओर्खिखु छिनु एने बुयु । एने सोनि ओलान् देगेरेम् इरेगेद् एने खु खुदाल्दुग़ाछिन् इ खिदुखु दु छिमायि आलाल्छाखु बुयु । ओद्थोर् खारिजु इरे गेनेम् गेजु खोबेगुन् खेलेबे । थेह्वेमेग्छे थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् आयुन् याग़ाराजु आछिग़ालान् निगेन् जिगेस् थुर् ओरोगाद् छेरिग् इयेन् ग़ार्ग़ाजु बायिथाला । ओलान् देगेरेम्छिन् इरेगेद् आलाल्दुजु खुछुन् एसे खुरुगेद् खारिबाइ । थेरे खोबेगुन् इ खुदाल्दुग़ाछिन् उ नोयान् बोलग़ाया खेमेल्छेगेद् । थेगुन् एछे खोयिना बासा निगेन् ग़ोओल् दु बागुबाइ । खोनुग़सान् सोनि बासा बिकर्मिजिद् गेथेजु बायिथाला । शालु दागुन् ग़ार्बाइ । थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् आसागुरुन् । शालु दागुन् ग़ारुमुइ । यागुन् खेलेनेम् ।

बहुत बाढ़ बह चुकी थी (उरुस्खारसान् आजुगु) । उसको देखकर वे लोग बहुत डरे और बोले—यह बालक न होता तो हम सब (छोम्) इस रात को मरे होते । यह कह कर उन्होंने उस लड़के को बहुत उपहार (यागुमा) दिये ।

हम जितना लाभ (ओल्जा) पाते हैं (ओल्बासु), सो बांट लेते (खुबियादाग़्) हैं । इस लड़के को हम में से कौन लेगा—यह चर्चा करने पर (खेलेल्छेग्सेन् दुर्) उन व्यापारियों के मुखिया ने ले लिया । उससे अगली रात फिर एक नदी पर डेरा डाला । विक्रमादित्य फिर ताक में था (गेथेजु बायिथाला) । शालु आई और चिल्लाने लगी । वे लोग पूछने लगे—यह क्या कहती है । लड़के ने कहा—यह मेरी शालु कहती है— हम को छोड़ देना (नामायि ओर्खिखु), तुम्हारा यही (छिनु एने) है क्या (बुयु) । इस रात को बहुत से डाकू (देगेरेम्) आएंगे और इन व्यापारियों को मार डालेंगे (खिदुखु) । तुम भी अपने आप को मरवाओगे (आलाल्छाखु) क्या । अभी लौट जाओ—यह कहती है। इतने में ही वे व्यापारी डर कर शीघ्रता से सम्भार लाद कर (आछिग़ालान्) एक वेत्रवन में (जिगेस् थुर्) घुस गये और अपनी सेना को बाहर खड़ा कर दिया । बहुत से डाकू (देगेरेम्छिन्) आये और युद्ध किया (आलाल्दुजु) । अपर्याप्त (एसे खुरुगेद्) शक्ति होने के कारण लौट गये । इस लड़के को व्यापारियों का मुखिया बना दें (बोल्ग़ाया)—यह परस्पर चर्चा हुई (खेमेल्छेगेद्) । इसके पश्चात् फिर एक नदी पर डेरा डाला । जब वे रात बिता रहे थे तब विक्रमादित्य फिर ताक लगा रहा था । शालु चिल्लाई । व्यापारियों ने पूछा—शालु चिल्ला रही है । क्या कहती है ।

७५ खोबेगुन् सोनुस् गेबे । खोबेगुन् उुगुलेङन् । थेरे । मिनु एखे बायिनाम् । नामायि औखिखु
छिनु एनु बुयु गेजु एनेलेन् ग़ासुलाजु उखिलाग़ाद् । एने सोनि ओओर् छायिखुइ छाग़् थुर् ।
एने उसुन् दुर् निगेन् खुमुन् उरुस्छु इरेखु बुइ । थेगुन् इ बारागुन् गुयान् दु छिन्दामुनि बुइ ।
थेगुन् इ आबुग़सान् खुमुन् दोर्बेन् थिब् इ एजेलेग्छि छगर्वदि खाग़ान् बोल्खु खेमेमुइ । एगुन् एछे
खोयिना बि इरेखु उुगेइ खेमेगेद् खारिबाइ एखे मिनु खेमेग्सेन् दुर् । थेरे उलुस् गोलेम्
थोस्छु । ओओर् छायिथाला साखिजु बायिबासु । बिकर्मिजिद् थेदेन् एछे उरिद् थेरे ग़ोओल् दु
थोस्छु बायिग़ाद् । उुखुग्सेन् खुमुन् इ आब्छु गुया यि खाग़ालग़ाद् छिन्दामुनि यि आबुबाइ । थेरे
खुदाल्दुग़ाछिन् उुखुग्सेन् खुमुन् इ थोस्छु ओलुग़ाद् । छिन्दामुनि यि एसे ओल्बाइ । बिकर्मिजिद् खारिग़ाद्
जिल्विछिन् लुगे खानिलाजु ल्खिब् थोर्ग़ा । छेङमे बोस् एद् बुगुदे दुर् बिछिग् बिछिगेद् ।
थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् दुर् आबाछिजु खुदाल्दुन् देमेइ बालाइ छाल्छिन् खेरेल्दुगेद् खारिजु इरेगेद् ।
थेरे ल्खिब् थोर्ग़ा । छेङमे बोस् थेरिगुथेन् इ मोन् सोनि मायिमाछिन् उ उउथान् दुर् खिजु
खारिजु इरेगेद् । मोन् सोनि खाग़ान् दुर् ओछिजु । ल्खिब् थोर्ग़ा छेङमे बोस् थेरिगुथेन् इ
खुदाल्दुग़ाछिन् खुलाग़ाइ । खिजु आबाछिबा खेमेन् मेदेगुल्जु । छेरिग् ओग्गुन् सोयोर्ख़ा खेमेग्सेन्

तुम सुनो। लड़के ने कहा—यह मेरी माता है। मुझको छोड़ कर तुम ऐसे बन गये क्या, कि मैं दुःखी हो विलाप करती और रोती रहूं (उखिलाग़ाद्)। आज रात को उषा प्रभात (ओओर् छायिखुइ) के समय इस जल में एक व्यक्ति बह कर (उरुस्छु) आएगा। उसकी दक्षिण (बारागुन्) जंघा (गुयान्) में चिन्तामणि है। उसको लेने वाला व्यक्ति चतुर्द्वीपों का स्वामी चक्रवर्ती राजा बनेगा। इसके पीछे मैं नहीं आऊंगी। यह कह कर मेरी मां चली गई है।

इस पर उन लोगों ने जाल (गोलेम्) फैलाया (थोस्छु)। उषा प्रभात तक (ओओर् छायिथाला) देखते रहे (साखिजु बायिबासु)। विक्रमादित्य उनसे भी पहले उस नदी में ताक (थोस्छु) पर था। मरे हुए मनुष्य को पकड़ जंघा को चीर कर (खाग़ालग़ाद्) उसने चिन्तामणि को ले लिया। व्यापारियों ने मरे पुरुष को पकड़ उठाया (थोस्छु ओलुग़ाद्), किन्तु चिन्तामणि को न पाया।

विक्रमादित्य लौट कर जादूगरों के साथ मिल कर सूक्ष्म और स्थूल कौशेय (ल्खिब् थोर्ग़ा), ऊनी (छेङमे) और सूती (बोस्) वस्त्रादि (एद्) सब पर चिह्न (बिछिग्) अंकित कर दिये (बिछिगेद्), और उन व्यापारियों के पास ले आया और बेच कर (खुदाल्दुन्) व्यर्थ में (देमेइ बालाइ) झगड़ा करके (छाल्छिन्), लड़ाई करके (खेरेल्दुगेद्) लौट आया। उन सूक्ष्म और मोटे कौशेय, ऊनी और सूती वस्त्रों आदि को उसी (मोन्) रात व्यापारियों (मायिमाछिन्) के बोरों (उउथान्) में डाल कर (खिजु) लौट आया। उसी रात राजा के पास गया और कहा (मेदेगुल्जु)—कौशेय ऊनी सूती आदि वस्त्रों को व्यापारियों ने चोरी कर लिया है। सो सेना देने की कृपा करें (ओग्गुन् सोयोर्ख़ा)।

७९ दुर्। खाग़ान् आर्लिग् बोलोरुन् । लाब्था छिनु याग़ुमा यि आबुग़सान् बुगेसु छेरिग् ओग्सुगेइ थेरे उलुस् इ आलाखु बुइ जा । खेबें एसे ग़ार्बागेम् । छिमा दुर् याला बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । बिर्कामिजिद् उुगुलेरुन् । लाब्था आबुग़सान् उुनेन् । मेदेग्सेन् उछिर् मिनु । खुदाल्दुग़ा खिजु खेरुल्दुग्सेन् दुर् । खोयिना आछा मिनु दाग़ाजु इरेगेद् आबाछिग़सान् इ बि मेदेबे खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् बेर् खेङ्गेर्गे देलेदुगेद् । छेरिग् उद् खुराग़सान् इयार् । खाग़ान् जार्लिग् बोलोरुन् । एने बिर्कामिजिद् उुन् एद् थावार् इ थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् खुलागुजु आबुबाइ गेनेम् । था ओद्छु खुदाल्दुग़ाछिन् इ नेङ्जिगेद् । आबुग़सान् बोल्बासु । गुर्बान् जागुन् खुमुन् उु थोलुग़ाइ यि ओग़थोलुग़ाद् आब्छु इरे । खेबें एसे ओल्बासु । एने खोबेगुन् उु थोलुग़ाइ यि आब्खु बुइ एगुन् इ एद् थावार् बुगुदे बिछिग् थेइ गेनेम् । थेम्देग् इनु थेरे गेजु जार्लिग् बोल्बाइ । थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् दुर् । था एने खुमुन् इ ओछोग्दुर् खुदाल्दुग़ा खिजु खेरेल्दुगेद् । एगुन् उु एद् थावार् इ दाग़ाजु ओछिग़ाद् खुलागुजु आबुग़सान् दुर् । थान् इ नेङ्जिनेम् खेमेखुइ दुर् थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् उुगुलेरुन् । बिदे एगुन् इ यागुमा यि थोङ उुलु आब्खु खेमेगेद् नेङ्जि खेमेग्सेन् दुर् ।

इस पर राजा ने कहा—यदि सचमुच (लाब्था) तुम्हारी वस्तुओं (याग़ुमा) को लिया है तो मैं सेना दूंगा और तुम पुरुषों को मार डालना । किन्तु यदि (खेबें) तुम्हारी वस्तुएं न ली हों तो (ग़ार्बागेम्) तुमको दण्ड मिलेगा । इस पर बिक्रमादित्य ने कहा—उन्होंने मेरी वस्तुओं को लिया है यह सच है । मेरे जानने का कारण यह है कि व्यापार करते समय झगड़ा होने पर (खेरुल्दुग्सेन् दुर्) वे लोग मेरे पीछे पीछे आए और ले गये (आबाछिग़सान्) । यह मैं जानता हूं । इस पर राजा ने दगाड़ा बजवाया (खेङ्गेर्गे देलेदुगेद्) । सेना इकट्ठी हो गई और राजा ने आदेश दिया—इस बिक्रमादित्य की धन सम्पत्ति को व्यापारी चुरा कर ले गये । तुम जा कर व्यापारियों की छानबीन करो (नेङ्जिगेद्) । यदि उन्होंने वस्तुएं ली हैं तो पांच सौ पुरुषों के सिरों को काट कर लाओ । यदि वस्तुएं न मिलें तो (ओल्बासु) इस लड़के के सिर को ले आओ । इसकी धन सम्पत्ति सब अंकित कही जाती है और चिह्न उसका यह है ।

उन्होंने व्यापारियों को कहा—तुमने इस पुरुष से कल (ओछोग्दुर्) व्यापार करते हुए झगड़ा किया और इसके धन सम्पत्ति को पीछे से (दाग़ाजु) जा कर (ओछिग़ाद्) चोरी कर लिया (खुलागुजु आबुग़सान्) । हम तुम्हारी छानबीन करेंगे । ऐसा कहने पर वे व्यापारी बोले—हमने इसकी वस्तुओं को सर्वथा नहीं (थोङ उुलु) लिया । तुम ढूंढ लो ।

७७ एगुन् उ एद् उन् थेम्देग् छोम् बिछिग् थेइ बुइ खेमेजु नेङजिगेद् ग़ाग़िसान् दुर् । गुर्बान्
जागुन् खुमुन् इ आलाखु यिन् थुलादा । थोङ आबुसान् उगेइ बिले । यागुन् उ जिग् बोल्बाइ ।
थ्ङि् । छिद्खुर् आबाछिर्बाउ । जिल्विछिन् आबाछिराबाउ । खेमेगेद् खोङगेरेस्थेले ग़ासुल्बाइ थेरे
छेरिग् उन् खुमुन् खेलेबे । खेन् छु बोल्बा । थान् उ उखुल् खुछि खेमेगेद् । थेरे छेरिग् उद्
याग़ाखिजु आलाखु बुइ खेमेजु बायिखुइ दुर् । बिर्कमिजिद् उगुलेरुन् । थाबुन् जागुन् खुमुन्
थान् उ आमिन् इ बि आबुराया । एने शालु खोबेगुन् इ नादुर् ओग् । खेबे एसे ओग्बेसु ।
थान् उ उखुखु थेरे बुइ जा । खेमेग्सेन् दुर् थेरे शालु खोबेगुन् उगुलेरुन् । उरिदा बि थान् उ
आमिन् दुर् खोयार् उये थुसा बोलुलुग़ा । ओनो ए थान् इ आमिन् इ थुसालाखु यिन् थुला ।
बि ओछिमुग़ाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुदाल्दुग़ाछिन् । मान् उ आमिन् दुर गुर्बान् उये येखे
थुसा खिबेइ । एगुन् एछे खोयिना बिदे सायिन् बोल्खुला । आल्बाथान् इर्गेन् छिनु बोल्सुग़ाइ । मागु
बुगेसु । छिमायि खामिग़ा याबुसान् ग़ाजार् थुर् एद् थावार् खुर्गेजु ओग्सुगेइ खेमेल्छेगेद्
ग़ामुलाग़साग़ार् खारिबाइ । बिर्कमिजिद् । थेरे खोबेगुन् इ गेर् थेगेन् आबाछिग़ाद् । एखे इनु आसागुरुन् ।
एने यागुन् खोबेगुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । बिर्कमिजिद् उगुलेरुन् । थान् इ इरेखुइ छाग् थुर् दाग़ाल्था

इसकी सब (छोम्) वस्तुओं पर चिह्न है । यह कह कर उन्होंने ढूंढा और निकाल लिया । तीन सौ लोगों को मार देंगे, इस कारण वे गूंज उठने तक (खोङ्गेरेस्थले) चिल्लाने लगे (ग़ामुल्बाइ)—हमने सर्वथा (थोङ) नहीं लिया । यह क्या धोखा (जिग्) है । दानव (छिद्खुर्) ले आये क्या (आबाछिर्बाउ) अथवा जादूगर ले आये क्या ।

सेना के लोगों ने कहा—कुछ भी हो (खेन् छु बोल्बा), तुम्हारी मृत्यु आ गई है (उखुल् खुछि) । सैनिक यह कह ही रहे थे कि कैसे (याग़ाखिजु) मारेंगे (आलाखु) कि विक्रमादित्य बोल पड़ा—तुम ५०० पुरुषों के प्राण में बचा दूंगा (आबुराया) । इस शालु लड़के को मुझे दे दो । यदि नहीं दोगे तो तुम्हारी मृत्यु होगी ही । शालु लड़के ने कहा—पहले मैंने तुम्हारे प्राणों को दो बार (उये) लाभ पहुंचाया है (थुसा बोलुलुग़ा) । अब (ओनो ए) तुम्हारे प्राणों के लाभ के लिये (थुसालाखु यिन् थुला) मैं जाता हूं (ओछिमुग़ाइ) । व्यापारी बोले—हमारे प्राणों के लिये तीन बार बड़ा उपकार किया है । अब से आगे यदि हमारा कुशल रहा तो हम कर देने वाली (आल्बाथान्) तुम्हारी प्रजा (इर्गेन्) बन जाएंगे (बोल्सुग़ाइ) । किन्तु यदि अकुशल हुआ तो जहां भी जाओगे, उसी स्थान में धन सम्पत्ति पहुंचाते रहेंगे (खुर्गेजु ओग्सुगेइ) । यह कहते कहते (खेमेल्छेगेद्) विलाप करते (ग़ामुलाग़साग़ार्) चले गये ।

विक्रमादित्य उस लड़के को अपने घर ले गया । मां ने पूछा—यह कौन लड़का है । विक्रमादित्य ने कहा—तुम्हारे आते समय, दासी (दाग़ाल्था)

७८ आछा थोरोग्सेन् बुयु । उगेइ बुयु खेमेग्सेन् दुर् । थोरोग्सेन् ओखिन् उगुलेरुन् ।
जागुरा मिनु थोरोग्सेन् खोबेगुन् बोल्बाउ खेमेखुइ दुर् । थेरे खोबेगुन् एखे बेन् थानिग़ाद् । उखिलान्
ओछिबासु । एखे यिन् शिर्गेग्सेन् खोखु इनु साग़ाम्शिग़ाद् । खोबेगुन् खाग़ाछाग़सान् बुगेथेले ।
खोखुग्सेन् इयेर् । खोबेगुन् उ बेये यिन् मूखाइ उसु उनाग़ाद् । आर्छिग़सान् थोलि मेथु ओङ्गे
थेइ बोल्बाइ । थेरे खोबेगुन् इ उरिदा ओखिग़सान् इयान् गेम्शिजु उखिलाग़ाद् । बायासुल्छाजु सेद्खिल्
इयेन् खानुग़सान् दुर् । बिर्कमिजिद् उरिदा एछिगे यिन् खोथान् दुर् मागु इरुआ बोलुग़सान् इ
सोनुसुग़ाद् । एखे दुर् इयेन् आयिलाद्खारुन् । बि थेरे खोथान् दुर ओछिया खेमेग्सेन् दुर्
एखे इनु एयिन् जालिग् बोलोरुन् । थेरे ग़ाजार् आ खोला बोलुग़ाद् । जागुरा आनु खोओर्थान् ओलान्
बुइ । याग़ाखिजु याबुखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । बिर्कमिजिद् उगुलेरुन् । ग़ाजार् आ खोला बोल्बासु
याबुन् मेदेये । खोओर्थान् दायिसुन् ओलान् बोल्बामु दारुजु उजेये । खोयार् थुमा यि सानाखु
छाग् बोल्बाइ जा । आइ एखे मिनु बू खोरि गेबे । एखे इनु एयिन् सेद्खिरुन् । एगुन् इ
थोरोग्वुइ छाग् थुर् एल्देब् इरुआ बेल्गेस् बोलुग़्मान् बुलुगे । खोयिना जोबाजु याबुखुइ दुर् ।

से कोई जन्मा था अथवा नहीं । यह कहने पर जन्म देने वाली लड़की बोली—मेरे मार्ग में उत्पन्न होने वाला यह लड़का है क्या इनि । लड़के ने अपनी मां को पहचान लिया (थानिग़ाद्) और रोते हुए (उखिलान्) उसके पास गया तो (ओछिबासु) मां के सूखे (शिर्गेग्सेन्) स्तन (खोखु) में दूध भर आया (साग़ाम्शिग़ाद्) । लड़का [अब तक] वियुक्त (खाग़ाछाग़सान्) रहा था । मां का दूध पीने से (खोखुग्सेन् इयेर्) लड़के के शरीर के भद्दे (मूखाइ) बाल (उसु) गिर गये । लड़का मार्जित दर्पण (आर्छिग़सान् थोलि) के समान रंग वाला बन गया । लड़के को पहले छोड़ दिया था, इसलिये [मां ने] पश्चात्ताप किया और रोई । फिर प्रसन्नता मनाई और अपने चित्त को सन्तुष्ट किया (खानुग़सान्) ।

विक्रमादित्य ने पहले अपने पिता के नगर में बुरे शकुनों (इरुआ) के होने को सुन कर अपनी माता को कहा—मै उस नगर में जाऊंगा । मां ने कहा—वह स्थान दूर (खोला) है और उसके मार्ग में बहुत हिंसक (खोओर्थान्) हैं । तुम कैसे जाओगे । विक्रमादित्य ने कहा—यदि स्थान दूर है तो मैं चल कर देखूंगा । यदि हिंसक शत्रु बहुत हैं तो दमन करके देखूंगा । दो हितों को सोचने का समय हो गया है । हे मेरी मातः, मत रोको (खोरि) । मां ने ऐसे सोचा—इसके जन्म के समय नाना लक्षण शकुन हुए थे । पीछे से जब कष्ट उठा कर (जोबाजु) चल रहे थे तब

७९ छिन्दामुनि एर्देनि थेरिगुलेन् एल्देब् एद् थावार् ओबेसुबेन् खुराग़सान् आनु । एने खोबेगुन् उ खुछुन् बुइ जा गेजु सानाग़ाद् । छि ओबेर् इयेन् मेदे गेबे बिर्कर्मिजिद् । शाल्‌ु यि आबुन् योछिबाइ ।
बिर्कर्मिजिद् । शाल्‌ु खोबेगुन् इयेन् आबुग्सान् । खिगेद् । निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्मेन् बोलाइ ।

चिन्तामणि रत्न आदि नाना धन सम्पत्ति इसने स्वयं (ओबेसुबेन्) एकत्र किये थे (खुराग़सान्)। यह लड़का अवश्य शक्तिशाली है। यह सोच कर माता ने कहा—तुम स्वयं जानो (मेदे)।

इस पर विक्रमादित्य शाल्‌ु को ले कर चल दिया (योछिबाइ)। यह एक पुतली की कहानी है—कि विक्रमादित्य शाल्‌ु लड़के को ले कर इत्यादि।

बासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

बासा आराजि बोजि खागान् ओल्जेइ थु एदुर् ए । ओल्जेइ खुथुग् ओरुशिगुल्जु । थुग् गिउर् खाद्खुजु ।
बुरिये बिशिगूर् थाथाजु । छाङ खेङ्गेर्गे देलेद्छु । शिरेगेन् देगेरे
गारुया खेमेख्वुइ दुर् निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेरुन् ।
बोग्दा बिर्कमिजिद् बागाथुर् बिशि । थेरे मेथु आउगा खुछु थु आर्गा बिलिग् थु बोलाइ ।
छि । सोनुस् थेरे गङदरस्व खागान् उ गाजार थुर् आनु । एबुल् खाबुर् गेखु जुइल् उगेइ
खोखे नोगुगा उर्गुजु । मुङदाशि उगेइ ओलान् जिमिस् उर्गुमुइ । थेरे गाजार् उन् खुमुन्
दु एबेद्छिन् थाखुल् इयेर् छु उगेइ । थेयिमु जिर्गालाङ थु येरु ग्वाब्थागाइ उलुस् आल्दार्शिजु
सोनुसुरसान् बुलुगे । थेरे छाग् थुर् खिजागार् गाजार् थुर् निगेन् गाल्ामा नेरे थु खागान् बुलुगे ।
थेरे खोरिन् दोर्बेन् उछुखेन् खाद् इ एजेलेग्सेन् । खागान् थेरे खाद् थुर् जारा याबुगुलुगाद् एयिन्
उगलेरुन् थेरे गङदरस्व खागान् उ थेरे खोथान् दुर् थेयिमु ओल्जेयि थु गाजार् आ गेनेम् ।
बिद बुगुदेगेर् थेरे गाजार् थुर् नेगुजु ओछिगाद् । थेरे खोथान् इ एजेलेये गेजु जारा याबुगुल्बा

सातवां अध्याय

फिर एक पुतली बोली

फिर राजा भोज ने एक शुभ दिन स्वस्ति मंगल स्थापना कर (ओरुशिगुल्जु), ध्वज (थुग्) पताका (गिउर्) खड़े कर (खाद्खुजु), शंख (बुरिये) शहनाई (बिशिगूर्) बजवा कर, करताल (छाङ) ढोल (खेङ्गेर्गे) पिटवा कर (देलेद्छु) कहा—मैं सिंहासन पर बैठूंगा । इस पर एक पुतली बोली—तुम महात्मा बिक्रमादित्य शूरवीर नहीं (बिशि) हो । उसके समान विशाल शक्तिशाली उपाय-ज्ञानवान् हो तो सुनो—उस गन्धर्व-राज के देश में शीत (एबुल्), वसन्त (खाबुर्) कहने का भेद नहीं था । नीला घास (खोखे नोगुगा) उगता था (उर्गुजु) । पर्याप्त (मुङदाशि उगेइ) नाना फल उगते थे । उस देश के व्यक्तियों को रोग और ज्वर (थाखुल्) भी न होते थे । इस प्रकार सुखी साधारण सामान्य (येरु खाब्थागाइ) जनता की प्रसिद्धि (आल्दार्शिजु) सुनी जाती (सोनुसुरसान्) थी । उस समय सीमा (खिजागार्) देश में एक कलश नाम का राजा था । वह २४ छोटे राजाओं का प्रभु था । राजा ने छोटे राजाओं को आदेश (जारा) भेजा (याबुगुलुगाद्) और कहा—उस गन्धर्व के नगर को ऐसा समृद्धिशाली मानते है (गेनेम्) । हम सब उस देश में उठ चले (नेगुजु ओछिगाद्) और उस नगर के स्वामी बन जाएं ।

८१ खाद् उद् जोञ्शियेजु गुञ्छि बेर् नेगुजु । थेरे ग़ाजार् थुर् ओछिग़ाद् सागुथाला । आसुरि नार् उन् छेरिग् इरेगेद् । थेरे खोथा यि एजेलेजु । खाग़ान् आछा आल्बा आल्खुइ दाग़ान् निगेन् एदुर् ए । निगेन् नोयान् थेरिगुलेन् जागुन् खुमुन् इ इदेखु बुलुगे । जिगुदाजु बोल्खु उुगेइ । थेयिमु यिन् थुला । येखे ग़ाशिगुन् जोबालाङ थु बोल्बाइ । थेरे छाग् थु बोग़दा बिर्कमिजिद् मोन् खु खुछुं इरेबेसु । निगेन् एमेगेन् गेदेगुं उरुगु उनाजु शिरुइ ओम्खुल्जु । आबुराग़्छि उुगेइ । थोनिलाखु उुगेइ गेजु बार्खिराजु खेब्थेग्सेन् दुर् । आइ एखे मिनु यागुन् उ थुला ग़ासुलाबाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे एमेगेन् उुगुलेरुन् । बिदेन् उु एने ग़ाजार् थुर् । ओलान् खाद् उद् इरेग्सेन् बुलुगे । बि । खोयार् खोबेगुन् थेइ बुइ बिले । मान् उ एने ग़ाजार् आ आदास् छिद्खुर् ओलान् बुइ यिन् थुला । उरिद् निगेन् खोबेगुन् इ आबाछिरसान् । ओनो ए बासा निगेन् खोबेगुन् इ मिनु बासा आबाछिबा । थेयिमु यिन् थुला ग़ासुलाबाइ । खेमेग्सेन् दुर् । बिर्कमिजिद् थेरे खोबेगुन् इ छिनु ओरोन् दुर् आनु बि ओछिग़ाद् । खोबेगुन् इ छिनु ग़ार्ग़ागुल्सु खेमेखुइ दुर् । एमेगेन् उुगुलेरुन् । आइ आ ग़ायिखाम्शिग् थु खोबेगुन् छिनु एखे एने मेथु ग़ासुलाजु एनेलेखु बुइ जा । थेयिमु यिन् थुला बायिगि । बि दागुसुरसान् इयार् दागुसुया खेमेग्सेन् दुर्

राजाओं ने मान लिया (जोञ्शियेजु)। सब (गुञ्छि बेर्) उठ कर उस देश में जा बैठे । असुरों की सेना आई और उस नगर पर प्रभुत्व जमा लिया । राजा से कर लेने के रूप में प्रतिदिन एक मुखिया और सौ पुरुष खा जाते थे । भाग निकलना (जिगुदाजु) सम्भव न था । इस कारण बहुत कष्ट और दु:ख में थे । उस समय महात्मा विक्रमादित्य स्वयं वहां पहुंचे । एक बुढ़िया (एमेगेन्) पीठ के बल (गेदेगुं), पेट के बल (उरुगु) गिर कर (उनाजु) मिट्टी (शिरुइ) मुंह में भर कर (ओम्खुल्जु) "अनाथ (आबुराग्छि उुगेइ) हूं, मुक्ति नहीं (थोनिलाखु उुगेइ)" यह चिल्ला कर (बार्खिराजु) लेटी हुई थी। हाय मेरी मां तुम किस लिये दु:खी हो—यह पूछने पर बुढ़िया बोली—हमारे इस देश में बहुत से राजा आए हैं । मेरे दो पुत्र थे । हमारे इस देश में दैत्य (आदास्) और भूत (छिद्खुर्) बहुत हैं । इस कारण पहले एक लड़के को ले गये । अब (ओनो ए) फिर मेरे दूसरे लड़के को ले गये हैं । इस कारण मैं दु:खी हूं । इस पर विक्रमादित्य बोला—तुम्हारे लड़के के स्थान में मैं जाऊंगा और तुम्हारे लड़के को निकाल लाऊंगा (ग़ार्ग़ागुल्सु) । इस पर बुढ़िया ने कहा— हे अपूर्व बालक, तुम्हारी माता मेरे समान विलपेगी और दु:खी होगी । इसलिये तुम रहने दो । मैं नष्ट हूं ही, सो नष्ट हो जाऊंगी (दागुसुया) । इस पर

८२ खोबेगुन् उुगुलेरुन् । आइ आ एखे मिनु बिथेगेइ ग़ासुला । खोबेगुन् इ छिनु बि इलेगेसुगेइ । खेर्बे एसे इलेगेबेसु । मिनु एने दागाऱसान् खोबेगुन् छिमायि एर्गुथुगेइ । खेमेग्सेन् दुर् एमेगेन् बायार्लाबाइ थेन्देछे बिकर्मिजिद् । ओलान् छुग़लाऱसान् उलुस् थुर् ओछिबासु । थेरे गुछिन् दोर्बेन् खाद् उद् इयेर् । एदुर् सोनि उुगेइ येखेदे खोङ्गरेस्थेले ग़ासुलान् बायिखुइ दुर् । बिकर्मिजिद् । थेरे खाग़ान् उ गेर् थु ओरोबासु । खाग़ान् । खाथुद् इयेर् बोसुग़ाद् । एने खोबेगुन् इ ओरोखुइ दुर् । बिदे यागुन् उ थुला बोस्बाइ । एने खोबेगुन् येखे छिनार् थु बुइ जा । एने खुरान् छिगुलुग्मान् उ दोथोरा एयिमु ग़ायिखाम्शिग् थु खुमुन् उुगेइ बुलुगे । छि आलि ग़ाजार् आछा इरेग्सेन् बिले । खेनुगेइ बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उुगुलेरुन् । बि ग़ङदरस्ब खागान् उ बुलुगे । एछिगे उुगेइ । उुगेगू । यादागु यिन् थुला । निगेन् देगू बेन् दाग़ागुलुन् याबुऱसान् बिले बि थेरे देगू दुर् इयेन् निगेन् एमेगेन् उ खू यि । एन्दे आल्बान् दुर् इरेग्सेन् दु । उुने खुदाल्दुग़ान् इ आब्छु । थेरे देगू दुर् ओगुये खेमेन् इरेग्सेन् बुलुगे । खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् एयिन् सेद्खिरुन् । एगुन् उ उुगे बोल्बासु । खुमुन् उ आमिन् उ थुला ।

लड़के ने कहा—हे मेरी माता, मत (बिथेगेइ) विलाप करो (ग़ासुला) । तुम्हारे लड़के को मै भेज देता हूं (इलेगेसुगेइ) । यदि (खेर्बे) नहीं भेजूगा तो मेरे इस साथी (दागाऱसान्) लड़के को तुम पाल लेना (एर्गुथुगेइ) । ऐसा कहने पर बुढ़िया प्रसन्न हुई ।

तब विक्रमादित्य बहुत इकट्ठे हुए पुरुषों में चला गया । वे ३४ (गुछिन् दोर्बेन्) राजा दिन रात के भेद बिना, बहुत बड़ी गज उठने तक (खोङ्गरेस्थेले), विलाप कर रहे थे (ग़ासुलान् बायिखुइ) । विक्रमादित्य उस राजा के घर में गया । राजा और रानी उठे । इस बालक के प्रवेश करने पर हम किस लिये उठे । यह बालक बड़ा ओजस्वी (छिनार् थु) है । इन इकट्ठे हुए (खुरान् छिगुलुऱसान्) पुरुषों के बीच में ऐसा अपूर्व व्यक्ति नही है ।

तुम किस देश से आये हो और किसके (खेनुगेइ) हो । इस पर लड़के ने कहा—मैं गन्धर्व-राज का [पुत्र] हूं । पितृहीन, दीन (उुगेगू), दरिद्र (यादागु) होने के कारण अपने छोटे भाई को साथ ले कर जा रहा था । उस छोटे भाई के स्थान में एक बुढ़िया के लड़के (खू) को, जो यहां कर के रूप में आया हुआ है, मूल्य (उुने) दे कर (खुदाल्दुग़ान्) लिया है (आब्छु) । अपने भाई को देने के लिये आया हूं । इस पर राजा ने सोचा—इसके शब्दों से लगता है कि दूसरों के प्राणों के लिये

८१ ओबेर् उुन् आमिन् इयान् ओग्खु एयिमु यि सानाबासु । लाब्था मान् इ
आबुराग़्छि बुइ जा । येखे छोग़् जिब्खुलाङ थु बोलुग़ाद् । लाग्शान् बेल्गे थु बायिनाम् गेजु
सानाग़ाद् । एने आसुरि यिन् छेरिग् थु सोनि बुरि जागुन् खुमुन् इ इदेदेग् बुलुगे । छि
थेगुन् दुर् थेस्खु बुयु खेमेग्सेन् दुर् । आमिथान् उ आमिन् इ आबुराग़्सान् इयार् । निगेन् सायिन्
थोरोल् इ ओल्खु बुइ जा । बि नोयान् बोल्जु ओछिसुग़ाइ खेमेग्सेन् दुर् । ख़ाग़ान् बेर् जोब्
गेजु आयिलादुग़्सान् दुर् । खोबेगुन् उुगुलेरुन् । मिनु ओनो ए एदुर् खेलेग्सेन् उुगे बेर्
बोल्खु बुयु खेमेग्सेन् दुर् । ख़ाग़ान् बोलुया गेबे । थेरे खोबेगुन् । जागुन् खुमुन् इ
दाग़ागुलुग़ाद् याबुखुइ दुर् । थेरे खोबेगुन् गिल्बाल्जाजु छोग़् थाइ आ याबुखुइ दुर् । थेरे ख़ाद् उद्
बुगुदेगेर् ख़ाराग़ाद् ग़ायिख़ाजु । मान् उ जोबालाङ आछा आबुराग़्छि इथेगेल् बुइ जा खेमेगेद् ।
बुगुदेगेर् ख़ोयिनाछा आनु मोर्गुगेद् । एने छुग़्लाग़्साद् थुर् । मान् इ आबुराग़्छि बोल्बासु ।
एने सोनि निगेन् थेम्देग् बोल्खु बुइ आ जा गेजु खेलेल्छेगेद् । बू थार्ख़ाया खेमेल्छेगेद् बायिबा ।
बिर्कमिजिद् । थेरे खोथान् दुर् ओरोग़ाद् शिन्जिलेन् उुजेबेस । थेरे ख़ोथा मेयु जोखिस् थाइ

अपने प्राणों को देने को तत्पर है (सानाबासु) । निश्चय ही (लाब्था) यह हमारा रक्षक बनेगा । बहुत श्री-युक्त, तेजस्वी (जिब्खुलाङ थु) तथा लक्षण-चिह्न-युक्त है । यह सोचकर उसने कहा— ये असुरों के सैनिक प्रतिरात्रि (सोनि बुरि) सौ पुरुषों को खा जाते हैं । क्या तुम इसको सहोगे (थेस्खु बुयु) । यह कहने पर उसने कहा—प्राणियों के प्राणों की रक्षा द्वारा अच्छे जन्म को पा सकता हूं । इसलिये मैं अध्यक्ष (नोयान्) बन कर (बोल्जु) जाऊंगा (ओछिसुग़ाइ) । राजा ने कहा—ठीक है । लड़का बोला—आज के दिन मेरे कहे (खेलेग्सेन्) आदेश (उुगे) चलेंगे क्या (बोल्खु बुयु) । इस पर राजा ने कहा—हां चलेंगे ।

लड़का सौ पुरुषों को साथ ले कर चला गया । लड़का चमकता हुआ (गिल्बाल्जाजु) और (छोग़् थाइ) श्री-सम्पन्न जा रहा था (याबुखुइ दुर्) । राजा, सब के सब, देख कर (ख़ाराग़ाद्) चकित हो रहे थे और कह रहे थे—हमारी दुःखों से रक्षा करने वाला निश्चय रूप से यह हमारा नाथ (इथेगेल्) है । सबने उसको पीछे से नमस्कार किया और कहा—यदि इस समूह के लिये यह प्राणों का रक्षक बनेगा तो इस रात को शकुन होगा । उन्होंने चर्चा की—हम न लौटेंगे, इकट्ठे ही रहेंगे ।

विक्रमादित्य ने नगर में प्रवेश किया और जब ध्यान से देखा (शिन्जिलेन् उुजेबेसु) तो वह नगर के समान उचित रूप से

८४ बारिग़सान् आजुग़ु । थेरे दोथोरा । खुमुन् उ यासुन् इयार् दुगुर्गेद् । एछिगे एखे यिन् साग़ुग़सान् शिरेगे । खामुग़् बुगुदे यि उजेगेद् । येखेदे उयाराजु खायिलुग़ाद् । येरु एने ओर्छिलाङ उन् आमिथान् दुर् मोह्ल़े बुसु गेग्छि एने बायिना । येरु एने खोथान् दुर् आमाराग़लान् खायिरालाग़सान् खाथुद् खेउखेद् । खामुरुन् खुरियाग़सान् उलुस् इर्गेन् । दोथोनालान् खुरियाग़सान् एद् थावार् बाराग़ान् बुइ बोल्बासु । खोग़ुसुन् खुराग़सान् खुदाल्दुग़ान् उ खुराल् मेथु थार्खान् ओद्बाइ गेजु सानाग़ाद् । सेद्खिल् इयेन् ग़ुनिग़ारान् । थेरे जाग़ुन् खुमुन् दुर् इयेन् जार्लिग़् बोलोरुन् । था बुछाग़ाद् । खाग़ान् दाग़ान् एयिन् खेले । एने दोर्बेन् खाग़ाल्ग़ान् दुर् । दोर्बेन् जाग़ुन् इर्गे । दोर्बेन् जाग़ुन् माहि उखेर् । दोर्बेन् जाग़ुन् खुबिङ बुदाग़ा । दोर्बेन् जाग़ुन् लोङखो आरिखि यि दोर्बेन् खाग़ाल्ग़ान् दुर् आनु थाल्बि । मिनु देर्गेदे । निगेन् जाग़ुन् शार् निगे जाग़ुन् इर्गे । निगे जाग़ुन् माहि उखेर् निगे जाग़ुन् खुबिङ बुदाग़ा बेलेद्छु थाल्बि खेमेन् खेले गेजु याबुग़ुल्बाइ । थेरे उलुस् उन् खाद् उद् थुर् इयान् खेलेबेसु । थेरे खाद् उद् इयेर् उछिर् शिल्थाग़ान् बुइ बुइ जा गेजु बायार्लाजु खेलेल्छेगेद् । थेरे खोबेगुन् याग़ाखिजु साग़ुना खेमेन् आसाग़ुबासु । थेरे उलुस् उगुलेरुन् । थेरे खोथा दोथोरा निगेन् येखे सुमे बायिना । थेगुन् उ दोथोरा । निगे येखे आर्सालान् थु थाब्छाङ बुइ । थेरे खोबेगुन्

बना हुआ था । उसके अन्दर मनुष्यों की हड्डियां भरी हुई थीं (दुगुर्गेद्) । पिता माता के बैठने का राजासन तथा अन्य वस्तुओं को देखा और बहुत व्याकुल हो कर (उयाराजु) रोया (खायिलुग़ाद्) । और सोचा—साधारणतया इस जगत् (ओर्छिलाङ) के प्राणियों में अनित्यता (मोह्ल़े बुसु) नामक यह वस्तु है (गेग्छि एने बायिना) । साधारणतया नगर में प्रेम (आमाराग़लान्) और ध्यान से रखी हुई (खायिरालाग़सान्) रानियां और बच्चे, इधर उधर से (खामुरुन्) इकट्ठी हो गई (खुरियाग़सान्) जनता और प्रजा, अपनाई हुई (दोथोनालान्) और संगृहीत धन सम्पत्ति सामग्री (बाराग़ान्), जो कुछ भी थी (बुइ बोल्बासु), वह सूने (खोग़ुसुन्) एकत्रित (खुराग़सान्) मेले (खुदाल्दुग़ान् उ खुराल्) के समान तितर बितर हो गई (थार्खान् ओद्बाइ) । इस प्रकार चिन्ता में दुःखी हो कर (ग़ुनिग़ारान्) उन सौ पुरुषों को कहा—तुम लौट कर (बुछाग़ाद्) राजाओं से ऐसे कहो (खेले)—इन चारों द्वारों पर (खाग़ाल्ग़ान् दुर्) चार सौ भेड़ (इर्गे), चार सौ भैंसें (माहि उखेर्), चार सौ मटके (खुबिङ) चावल (बुदाग़ा) और चार सौ कूपी (लोङखो) मदिरा (आरिखि), चारों द्वारों पर रख दो (थाल्बि) और मेरे सामने (देर्गेदे) एक सौ बैल (शार्), एक सौ भेड़, एक सौ भैंसे, एक सौ भात (बुदाग़ा) की थालियां सज्ज करके (बेलेद्छु) रख दो । यह कह कर भेज दिया । उन्होंने देश के राजाओं को यह कह दिया और राजाओं ने प्रसन्न हो कर एक दूसरे से कहा (खेलेल्छेगेद्)—यह बातचीत (उछिर् शिल्थाग़ान्) है । और पूछा कि वह लड़का क्या कर रहा है (याग़ाखिजु साग़ुना) । लोगों ने उत्तर दिया—नगर के अन्दर एक बड़ा विहार है । उसके अन्दर एक बड़ा सिंहासन (आर्सालान् थु थाब्छाङ) है । लड़का

८५ थेगुन् उ देगेरे ग़ारुग़ाद् आयुख़ु मेथु दुरि थेइ बोल्बाइ । ख़ाराजु एसे छिदाबाइ गेखु दु ।
थेदेगेर् खाद् इयेर् । आबुराग़िछ बुर्खान् बोल्बाउ । आलाग़िछ छिद्खुर् बोल्बाउ । आलिन् इ छु
बोल्बा । उइले यि बुथुगेये खेमेगेद् । बुगुदेगेर् ओछिजु थेरे यागुमा यि थेगुस् बुरिन्
इयेर् बेलेदुगेद् । थेरे खोबेगुन् इ देर्गेदे बुगुदे ओछिजु उजेबेसु थेरे खोबेगुन् उ बेये
छोग् बादाराजु बायिखुइ दुर् । ख़ाद् उद् इयेर् सुर्देगेद् । दागुन् उगेइ ख़ारिग़ाद् खेलेल्छेबेइ ।
ओनो ए जागुन् खुमुन् इ एन्दे सागुखु खेरेग् उगेइ ख़ारिछाग़ाग्थुन् गेबे । ओदो बिदे
ग़ार्छु ख्वोथा यिन् ग़ादाना ख़ोनुया गेजु खेलेल्छेखुइ दुर् । थेरे ग़ाजार् उन् उलुस् इरेजु
छुग्लागन् खोनुल्छाबाइ । मोन् मोनि आसुरि यिन् छेरिग् इरेखुइ दुर् । छिलागुन् मोन्दोर्
ओरोगल्जु । गाजार् खोदेल्गेजु इरेखुइ दुर् । थेदेगेर् उलुस् छोम् दुथाग़ान् ख़ारिबाइ ।
दोर्बेन् जुग् उन् खाग़ाल्ग़ान् दुर् । ओरोजु इरेगेद् । थेरे इदेगेन् इ उजेजु । बारि बिदे
एने इदेगेन् इ उरिद् इदेगेद् । ख़ोयिना उलुस् इयान् इदेये खेमेजु इदेगेन् इ इदेबेइ ।
आरिग्विन् इ ऊगुगाद् बुरिन् ए सोग़्थोजु उनाबाइ । आमुरि खाग़ान् ख़ोयिना खुर्छु इरेगेद् थेरे
छेरिग् इयेन् सोग़्थोग़मान् इ मेदेजु सेरेगुल्बेसु एसे सेरेबेइ । थेरे आमुरि यिन् खाग़ान्

उसके ऊपर चढ कर भैरव रूप वाला बन गया है । हम उसकी ओर देख (ख़ाराजु) नहीं सकते ।
राजाओं ने पूछा—वह रक्षा करने वाला बुद्ध है क्या, अथवा मारने वाला दैत्य है क्या । कोई भी
(आलिन् इ छु) हो (बोल्बा), हम अपना काम (उइले) पूरा करें (बुथुगेये) । सब के सब चले गये
और वस्तुओं को सर्वथा पूर्ण (थेगुस् बुरिन्) रूप से सज्ज किया (बेलेदुगेद्) । सब उस लडके के
सामने गये और देखा तो उस लड़के का शरीर श्री से दमक (बादाराजु) रहा था । राजा घबरा गये
(सुर्देगेद्) और बिना शब्द के लौट कर एक दूसरे से कहने लगे—आज सौ पुरुषों के यहा ठहरने की
आवश्यकता नही । सब लौट जाएं (खारिछागाग्थुन्) । अब हम निकल कर नगर के बाहर (गादाना)
रात बिताएं ।

उस देश के लोग निकल आए और इकट्ठे हो कर रात बिताई ।

उसी रात असुरों की सेना आई और पत्थर के ओलों (मोन्दोर्) की वर्षा की । वे भूमि को
कपाते हुए आए । सब लोग भागे और लौट गये । चार दिशा के द्वारों में घुस आने पर [असुरों ने]
उस भोजन को देखा और बोले— ले लो (बारि) । हम इस भोजन को पहले खाएंगे, पीछे पुरुषों को ।
यह कह कर भोजन खाया, मदिरा पी, और सब के सब (बुरिन् ए) अचेत हो कर (सोग़्थोजु) गिर गये ।
असुरों का राजा पीछे से आया और अपनी सेना को मदिरामत्त जान कर जगाने लगा (सेरेगुल्बेसु) पर
वे नही जागे (एसे सेरेबेइ) । उस असुरों के राजा ने

८६ आगुर्लाग़ाद् सुमे दुर् ओरोजु । बिर्कमिजिद् इ उुजेगेद् सेलेम् इयेन् सुगु थाथाजु दालायिग़ाद् जिरुखेन् आल्दाजु छाञ्छिजु एसे छिदाबाइ । बिर्कमिजिद् उुगुलेरुन् । मिनु एने बेलेदुग्सेन् इदेगेन् इ छोम् बाराजु इदेबेसु । बि छिनु दाग़ाल्था बोलुया । खेबें एसे बाराबासु । लाब्था छिमायि आलाखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् थेरे आसुरि इदेगेन् इ छोम् इदेबेइ । आरिखिन् इ ऊगुग़ाद् सोग़थोजु उनाबाइ बिर्कमिजिद् दोथोर् इयान् एयिन् सेद्खिरुन् । खोओर् थान् इ आग़ा बार् आलाग़सान् आछा । खुछुन् इयेर् आलाबासु । नेरे आल्दार्शिखु बुइ जा गेजु सानाग़ाद् । बेलिग् उन् सेलेम् इयेन् बिलिगुदेजु साग़ुग़ाद् । ओइ आसुरि नार् बोस् । खेजिये नाग़ाद्खु बुलुगे । खोओर् थान् खोओर् खिन् एसे छिदाबासु । खोओर् थान् बुसु । थेरे आसुरि छोछिमाग़ा बोसुग़ाद् । बिर्कमिजिद् इ छाञ्छिबासु एसे दाग़ाग़ाबाइ । बिर्कमिजिद् दुम्दागुर् आनु खोयार् आङ्गि थामु छाञ्छिबासु । खोयार् खुमुन् बोलुन् नोछुल्दुबाइ । दोर्बेन् आङ्गि बोल्गाबासु । दोर्बेन् खुमुन् बोलुन् इरेजु नोछुल्दुन् बायिथाला । दोर्बेन् खाग़ाल्गान् उ सोग़थोजु उनाग़सान् ओलान् छेरिग् गुञ्छि बेर् इरेगेद् । छिलागुन् मोन्दोर् ओरोगुलग़ाद् । इर् थु मेसे बेर् खार्बुलाजु छाञ्छिलान् इरेबेसु ।

रुष्ट हो कर (आगुर्लाग़ाद्) बिहार में प्रवेश किया । विक्रमादित्य को देख कर अपनी तलवार (सेलेम्) एकाएक खींची (सुगु थाथाजु) और ऊपर उठाई (दालायिग़ाद्), किन्तु हृदय (जिरुखेन्) घबरा गया (आल्दाजु) और काट न (छाञ्छिजु एसे) सका (छिदाबाइ) । विक्रमादित्य ने कहा—यदि मेरे सज्ज किये हुए (बेलेदुग्सेन्) भोजन को पूर्णरूप से (छोम्) खा कर समाप्त कर दोगे तो (बाराजु इदेबेसु) मैं तुम्हारा दास (दाग़ाल्था) बन जाऊंगा । यदि समाप्त न कर सकोगे तो (एसे बाराबासु) निश्चय ही (लाब्था) तुम को मार डालूंगा । यह कहने पर असुर ने सब भोजन खा लिया, मदिरा पी ली और अचेत (सोग़थोजु) हो कर गिर पड़ा । विक्रमादित्य ने अपने मन में यह सोचा—हिंसक (खोओर् थान्) को चतुराई से मारने की अपेक्षा यदि शक्ति द्वारा मारूं तो मेरा नाम प्रसिद्ध होगा (आल्दार्शिखु बुइ जा)। यह सोच कर जादू की (बेलिग् उन्) तलवार को शान पर लगाता रहा (बिलिगुदेजु साग़ुग़ाद्) और कहता रहा—अरे असुरो उठो, कब (खेजिये) खेलोगे (नाग़ाद्खु बुलुगे) । यदि दुष्ट दुष्टता नहीं कर सकते तो दुष्ट कैसे बने ।

वह असुर एकाएक उठा (छोछिमाग़ा बोसुग़ाद्) और विक्रमादित्य को काटा तो काट न सका (एसे दाग़ाग़ाबाइ) । विक्रमादित्य ने इसके मध्य में (दुम्दागुर्) से काट कर सर्वथा (थामु) दो अंग (आङ्गि) कर दिये । दोनों अंग दो पुरुष बन कर लड़ने लगे (नोछुल्दुबाइ) । उसने उनको काट कर चार अंग बना दिये । सो वे चार पुरुष बन कर आ गये और लड़ने लगे । चारों द्वारों पर मदिरोन्मत्त गिरे हुए बहुत से सैनिक इकट्ठे हो कर आ गये और पत्थर के ओले बर्साने लगे । तीक्ष्ण धार वाले (इर् थु) अस्त्रों को (मेसे बेर्) फेंक कर (खार्बुलाजु) आक्रमण करते (छाञ्छिलान्) आ पहुंचे तो

८७ बिकर्मिजिद् । बेये एछेंगेन् ग़ाल् उन् ओछि ओसुर्गेन् ग़ार्गागाद् । थेदेगेर् उुन् बेयेस् थुर्
थोस्छु थासु थुलेग्देबेइ । उरिदा यिन् नोछुल्दुसान् दोबेंन् खुमुन् इ नाइमान् खेसेग् बोल्गाबासु । नाइमान्
बार्स् बोल्जु खुखिरेन् दागुन् ग़ार्खुइ दुर् । नाइमान् आर्सालान् बोलुन् खुर्खेखुइ दुर् । ग़ाजार् इयेर्
जिर्गुग़ान् जुइल् इयेर् देङसेलेन् खोदेल्गेजु । आगुला खान्छाग़ाइ बोलुन् एब्देरेबेइ । खागुराइ
ग़ाजार् आछा उसु देल्बिरेन् ग़ार्बाइ । बायिशिङ खोथा छोम् एब्देरेबेइ । खुमुन् आमिथान् उुखुदगेजु
उनाबाइ । मोन् आर्सालान् इयेर् ओसुर्गेद् बार्स् इ बारिग़ाद् आलाबाइ । ओर्लुगे बोल्खुइ दुर्
आदिस्थिद् थु सुबुर्ग़ान् इ शिरुइ आछा आबुग़ाद् । जुग् बुरि साछुबासु । एब्देग्सेन् आगुला
ओरोन् ओरोन् दुर् इयान् बोल्बाइ । एब्देरेग्सेन् खोथा बायिशिङ उरिदासा उुलेम्जि सायिखान्
बोल्बाइ । उुखुदगेग्सेन् आमिथान् बेल्गे बिलिग् थोरोगेद् । बाग़ाथुर् सेद्खिल् एगुस्खेल्दुबेइ ।
बिकर्मिजिद् खोथान् आछा ग़ारुग़ाद् । निगेन् खुमुन् इ दागुदान् आबुग़ाद् । ग़ालाशा खाग़ान् एखिलेन्
खामुग् इयेर् छुग़ला खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् एखिलेन् खाथुद् खेउुखेद् इयेर् छुग़लाबासु । थेरे
ओलान् उलुस् आसुरि यिन् यामुन् इ उुजेगेद् । आयुन् बायिखुइ दुर् । बिकर्मिजिद् उुगुलेरुन् ।
बू आयुग्थुन् । एने यासुन् इयार् गुर्बान् दाब्खुर् खेरेम् बारि खेमेग्सेन् दुर् । गुर्बान् दाब्खुर्

विक्रमादित्य ने अपने शरीर से अग्नि की चिंगारियां (ओछि) उछाल कर (ओसुर्गेन्) निकालीं। चिंगारियां उनके शरीर में लगीं (थोस्छु) और वे सर्वथा (थासु) जल गये (थुलेग्देबेइ)। पहले से युद्ध करते हुए चार मनुष्यों के आठ भाग कर दिये। वे आठ व्याघ्र बनकर घुर घुर (खुखिरेन्) करने लगे। विक्रमादित्य भी आठ सिंह बन गया और घुर्राने लगा। पृथ्वी छः प्रकार से नीचे ऊपर होती हुई (देङसेलेन्) कांप उठी (खोदेल्गेजु)। पर्वत लम्बे हो कर (खान्छाग़ाइ बोलुन्) टूट गये (एब्देरेबेइ)। सूखे (खागुराई) स्थलों से पानी फूट (देल्बिरेन्) निकला। घर (बायिशिङ) नगर सब (छोम्) विध्वस्त हुए (एब्देरेबेइ)। पुरुष प्राणी मूर्छित हो कर (उुखुदगेजु) गिर पड़े। उन (मोन्) सिंहों ने कूद कर (ओसुर्गेद्) व्याघ्रों को पकड़ कर मार डाला। प्रातः (ओर्लुगे) होने पर पुण्य चैत्य को भूमि से निकाल कर सब दिशाओं में बखेर दिया (साछुबासु)। टूटे (एब्देग्सेन्) पर्वत अपने अपने स्थान (ओरोन् ओरोन्) पर खड़े हो गये (बोल्बाइ)। विध्वस्त नगर और घर पहले से (उरिदासा) अधिक (उुलेम्जि) सुन्दर बन गये। मूर्छित (उुखुदगेग्सेन्) प्राणियों में ज्ञान (बेल्गे बिलिग्) उत्पन्न हुआ और वीरता के विचारों का उद्भव हुआ (एगुस्खेल्दुबेइ)।

विक्रमादित्य नगर से निकला और एक पुरुष को बुलाकर अपने साथ लिया और कहा—कलश राजा तथा अन्य सब एकत्र होवें। राजा प्रभृति रानी बच्चे इकट्ठे हुए तो सब ने असुरों की हड्डियों को देखा और भयभीत हो गये। विक्रमादित्य ने कहा—मत डरो। इन हड्डियों से तिगुनी (गुर्बान् दाब्खुर) प्राचीर (खेरेम्) बनाओ (बारि)। यह कहने पर तिगुनी

८८ खेरेम् बारिबा। खोयिना थेरे खाग़ान्। खाथुन् बुगुदेगेर् इरेगेद्। बिकर्मिजिद् थुर् मोगु जु। आइ बोग़दा इथेगेल् मान् इ जोबालाङ आछा आबुराबाइ। बोग़दा छिनु जार्लिग् आछा उखुथेले बू दाबासुग़ाइ गेजु खामुग् इयेर् सोगुद्दुगेद्। आइ बोग़दा आलि ग़ाजार् आछा इरेग्सेन् बुलुगे। खामिग़ा सागुखु बोल्बा गेजु आयिलाद्खाग़सान् दुर्। खाग़ान् जार्लिग् बोलोरुन्। बिग़ङदरस्ब खाग़ान् उ खोबेगुन् बिकर्मिजिद् गेग्छि बुलुगे। मान् उ ग़ाजार् एने बुइ। एब्देरेल् बोलुग़सान् उ थुला। दुथाग़ाजु ओछिग़सान् बुलुगे। थेरे खाग़ान् खाराछुस् बुगुदेगेर् येखे बायास्खुलाङ बोलुग़ाद्। बोग़दा एजेन् इयेन् ओल्बाइ गेजु नागुर् दालाइ मेथु येखे खुरिम् बेलेदुगेद्। बिकर्मिजिद् इ शिरेगेन् देगेरे ग़ार्ग़ाजु बुगुदेगेर् जिर्ग़ान् सागुबाइ मिनु बोग़दा खाग़ान्। थेयिमु जोबालाङ थु आमिथान् इ जिर्ग़ागुलुन् याबुग़सान्। थेयिमु रिदि खुबिल्ग़ान् थु बुइ जा। छि थेरे मेथु बुसु यिन् थुला। सागुजु उलु बोलुमुइ।
खारि गेबे। आराजि बोज़ि खाग़ान् गेर् थेगेन् खारिबाइ।

प्राचीर बनाई।

पीछे राजा रानी सब आए और विक्रमादित्य को नमस्कार करके कहने लगे—हे महात्मन्, नाथ, आपने हमको आपत्ति से बचाया है। महात्मन्, हम आपके वचनों को मरने तक कभी न टालेंगे (दाबासुग़ाइ)। यह कह कर सबने घुटने टेके (सोगुद्दुगेद्) और पूछा—हे भगवन् आप किस देश से आए हे। आप कहां रहते हैं। राजा ने उत्तर दिया—मैं विक्रमादित्य नामक गन्धर्व-राजपुत्र हूं। मेरा यही देश है। विध्वंस (एब्देरेल्) होने के कारण हम भाग गए थे। राजा और प्रजा (खाराछुस्) सब बहुत प्रसन्न हुए और बोले—हमको अपना महात्मा स्वामी मिल गया है। यह कह कर भील (नागुर्) और समुद्र के समान बड़ा उत्सव रचा। विक्रमादित्य को आसन पर बिठा कर सब सुखी रहने लगे (जिर्ग़ान् सागुबाइ)।

मेरा महात्मा राजा इस प्रकार दुःखी प्राणियों को सुखी करता था। उसकी ऐसी ऋद्धि और सिद्धि थी। तुम उसके समान नहीं हो। इसलिये तुम नहीं बैठ सकते। लौट जाओ (खारि) इति (गेबे) राजा भोज अपने घर लौट गया।

बासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ ग़ुगुलेग्सेन्

आराजि बोजि ख़ाग़ान् । बासा निगेन् सारा बोलुग़सान् उ ख़ोयिना । निगेन् ओल्जेयि थु एदुर् ए इरेगेद् । ओल्जेइ खुथुग् ओरुशिगुलुन् । बुरिये विशिगूर् थाथाग़ाद् । छाङ खेङ्गेर्गे देलेद्छु आराजि बोजि ख़ाग़ान् शिरेगेन् देगेरे ग़ारुया खेमेखुइ दुर् । निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेरुन् । मिनु उगे यि सोनुस् । छि ग़ार्छु उलु बोल्खु । मिनु बोग़दा बिर्कमिजिद् । थेदेगेर् उलुस् इ एजेलेगेद् । निगेन् येखे नागुर् थोग़थाग़ा गेजु जार् खेलेबे । खेलेग्सेन् दुर् । बोग़दा दुर् । खुछु बेन् ओग्गुये गेजु । खेउखेद् एछे देगेग्शि एरे एमे उगेइ बुगुदे छुग़लाग़ाद् इरेजु । निगेन् येखे ग़ोओल् बुलुगे । थेरे ग़ोओल् इ बोगु आ खेमेन् जालिग् बोलुग़सान् दुर् । बुगुदेगेर् थेरे ग़ोओल् इ शिरुइ छिलागुन् इयार् बोगुजु याबुथाला । थेरे उसुन् उलाम् देगेग्शि देल्गेजु याबुखुइ दुर् । थेरे बोग़दा बिर्कमिजिद् । नागुर् थोग़थाग़ाखु खेम्जिये यि उजेये गेजु । शालु यि दाग़ागुल्जु । निगेन् थोलुग़ाइ देगेरे ग़ार्छु ख़ाराबासु । थोग़थाग़ाखु

आठवां अध्याय

फिर एक पुतली बोली

राजा भोज, फिर एक मास होने के पश्चात् एक शुभ दिन आ कर, स्वस्ति प्रतिष्ठा करा कर, शंख (बुरिये) शहनाई (बिशिगूर्) बजवा कर, झांझ (छाङ) ढोल (खेङ्गेर्गे) पिटवा कर (देलेद्छु), कहने लगा—मैं सिंहासन पर चढूंगा । तब एक पुतली बोली—मेरे शब्दों को सुनो । तुम मत चढ़ो । मेरे महात्मा विक्रमादित्य ने उन लोगों पर प्रभुत्व जमा कर, "एक बड़े सरोवर की स्थापना करो (थोग़थाग़ा)" ऐसा आदेश (जार्) दिया । आदेश देने पर बच्चों से ले कर ऊपर (देगेग्शि) तक, स्त्री पुरुष के भेद के बिना, सब ने इकट्ठे हो कर और आ कर कहा—महात्मा को हम अपनी शक्ति देंगे ।

वहां एक बहुत बड़ी नदी थी । राजा ने आदेश दिया—इस नदी को रोक लो अर्थात् बांध बनाओ (बोगु आ) । सब उस नदी को मिट्टी (शिरुइ) और पत्थरों से (छिलागुन् इयार्) रोकते जा रहे थे और उसका पानी और ऊपर (उलाम् देगेग्शि) फैलता जा रहा था (देल्गेजु याबुखुइ) । महात्मा विक्रमादित्य—सरोवर की स्थापना (थोग़थाग़ाखु) के परिमाण (खेम्जिये) को देखूं (उजेये)—इस विचार से (गेजु) शालु को साथ ले कर एक टीले पर (थोलुग़ाइ देगेरे) चढ़ा (ग़ार्छु) और देखा तो (ख़ाराबासु) स्थापना (थोग़थाग़ाखु)

६० खेम्जिये यि मेदेगेद् । खाब्थागाइ दुर् जार् थार्खागाबाइ । बायिथुगाइ खेमेजु लिङखुआ थारियाछिद् लिङखुआ छाङदान् थारियाछिन् छाङदान् । थाला मोदुन् । बोदि मोदुन् । एल्देब् जिमिस् थु मोदुन् इ याछिन् दालाइ यिन् जिखादु थारि खेमेन् जार्लागाद् । थेरे उलुस् इ खाराजु बायिबासु । थेदेगेर् उन् उलुस् उन् दोथोरा । निगेन् खुमुन् उसु बेन् शाङखुलुगाद् । थेरे उसुब् उ उजुगुर् बुरि एछे
एल्देब् ओङ्गे यिन् जोगिस् सागुगाद् । याबुखुइ छाग् थुर् निसुन् ओद्दुगाद् । सागुखुइ
छाग् थुर् दुर्खेरेन् इरेजु सागुगाद् । योग्था उगे बेर् सेर्गुगेन् सागुखु बुलुगे । थेगुन् इ
खागान् उजेगेद् । शालु यि इलेगेबे । थेरे निगेन् एमे ऊ । ओखिन् ऊ आब्छु इरे
खेमेग्सेन् दुर् । शालु ओछिगाद् आब्छु इरेबेइ । थेरे एमे बिर्कमिजिद्
थुर् मोर्गुगेद् सागुबाइ । खागान् जार्लिग् बोलोरुन् ।
छि खेन् उ एमे बुलुगे । खादाम् एछिगे एखे छिनु खेन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे एमे
खारिगु उगुलेरुन् । एछिगे एखे उगेगू यादागु खुमुन् बुलुगे । खादाम् एछिगे एखे ।
एरे मिनु जान्दाल्छि इजागुर् थु बुइ खेमेन् आयिलाद्खागसान् दुर् । खागान् बि छिमायि आबुया
गेबे । थेरे एमे जोब् गेजु आयिलाद्खाबासु । थेगुन् उ एरे यि आब्छु इरे खेमेबे ।

के परिमाण को जान गया । और पृथ्वी (खाब्थागाइ) पर आदेश (जार्) फैलाया (थार्खागाबाइ)—रुक जाओ । कमल लगाने वालों (थारियाछिद्) से कमल, चन्दन लगाने वालों से चन्दन, तालवृक्ष, बोधिवृक्ष, नाना फल-वृक्ष, विशाल (याछिन्) सरोवर के तट पर (जिखा दु) लगाओ (थारि)—यह आदेश दिया । जब सब लोग देख रहे थे तो (खाराजु बायिबासु) उन लोगों के बीच में एक स्त्री अपने केशों (उसु बेन्) को जूड़ा बना कर (शाङखुलुगाद्) आई । उसके प्रत्येक (बुरि) बाल के शिखर पर (उजुगुर्) नाना रंग की मधुमखियां (जोगिस्) बैठी थीं । चलते समय ये मखियां उड़ जाती थीं (निसुन् ओद्दुगाद्) । बैठते समय गूज कर (दुर्खेरेन्) आ बैठती थीं । पहेलियों (योग्था उगे) द्वारा चित्त को बहलाती रहती थी (सेर्गुगेन् सागुखु बुलुगे) ।

उसको राजा ने देख कर शालु को भेजा । चाहे यह स्त्री हो चाहे कुमारी, इसको ले आओ । ऐसा कहने पर शालु गया और ले आया । वह विक्रमादित्य को नमस्कार करके बैठ गई । राजा ने कहा—तुम किस की स्त्री हो, तुम्हारे सास सुसर कौन हैं । स्त्री ने उत्तर दिया—मेरे पिता और माता दीन हीन पुरुप थे । मेरे सास और सुसर तथा मेरे पति चण्डाल (जान्दाल्छि) कुल के हैं । ऐसा निवेदन करने पर राजा ने कहा—मैं तुम को लूंगा । स्त्री ने निवेदन किया—अच्छा ठीक है । राजा ने कहा—इसके पति को ले आओ ।

९१ एरे यि आबाछिराग़सान् दुर् । खाद् उद् बुगुदे छ़लाग़सान् दुर् । छिनु एमे यि बि आबुया खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् उगुलेरुन् । बि बोग़दा एजेन् देगेन् बारिसुग़ाइ । एने इनु नादा एमे खेमेजु नेरेयिद्बेछु । नादा लुग़ा खानिलाजु याबुदाग़् उगेइ बुलुगे खेमेन् आयिलाद्खाग़सान् दुर् । खाग़ान् । नोयाद् थुर् जार्लिग़् बोलोरुन् । था नादुर् निगेन् ओखिन् इ ओग्गुमु खेमेन् ग़ुयुग़सान् दुर् । निगेन् नोयान् । बि खेउखेन् इयेन् ओग्छु खुर्गेन् बोलग़ासुग़ाइ खेमेन् आयिलाद्खाबा । जोब्शियेजु खोथान् दुर् इयान् इरेगेद् येखे खुरिम् खिबेइ । सोनि खोनुखुइ दुर् । खाथुन् खाग़ान् लुग़ा खाम्थु उलु नोयिर्सुग़ाद् । छि नामायि खाथुन् खिखु बोल्बासु । खोर्मुस्दा धिङ् यिन् देर्गेदे निगेन् एर्देनि इयेर् बायिग़ुलुग़सान् खोथा बुइ । थेगुन् इ उजेगेद् इरे । इरेग्सेन् खोयिना । छिनु खाथुन् बोल्मुइ गेबे । बिकर्मिजिद् थेरे सोनि खोर्मुस्दा यिन् ओरोन् दुर् जोरिन् याबुबाइ । याबुथाला जाग़ुरा । उम्दाग़ासाजु छिलेगेद् । निगेन् थाला मोदुन् उ सेगुदेर् थुर् नोयिर्साजु खेब्थेथेले । देगेरे इनु बार्खिरान् दागुन् ग़ार्बाइ । आबुराग़्छि उगेइ । निगुलेस्खुइ उगेइ । एने उखुल् एछे खेन् थोनिलग़ाखु बुइ गेजु बायिखु दु ।

पति के ला ए जाने पर और सब राजाओं के इकट्ठा होने पर विक्रमादित्य ने कहा—मैं तुम्हारी स्त्री को लेने लगा हूं । इस पर पति ने कहा—मैं अपने महात्मा स्वामी को भेंट करता हूं (बारि-सुग़ाइ) । यद्यपि यह मेरी पत्नी कहलाती है, यह मेरे साथ कभी मिल कर (खानिलाजु याबुदाग़्) नहीं रही (उगेइ बुलुगे) । ऐसा निवेदन करने पर राजा ने अपने सामन्तों को कहा—क्या तुम हम को एक लड़की दोगे (ओग्गुमु) । ऐसा मांगने पर (ग़ुयुग़सान् दुर्) एक सामन्त ने निवेदन किया—मैं अपनी लड़की दे कर जामाता (खुर्गेन्) बनाऊंगा (बोलग़ासुग़ाइ) । राजा ने मान लिया और अपने नगर में जा कर महान् उत्सव रचा । रात को जब सोने लगे तो रानी राजा के साथ नहीं सोई (नोयिर्सुग़ाद्) । उसने कहा—यदि तुम मुझको अपनी रानी बनाना चाहते हो तो इन्द्रदेव के सामने रत्नों से बना जो नगर है उसको देख कर आओ । आने के पश्चात् तुम्हारी रानी बनूंगी ।

विक्रमादित्य उस रात को इन्द्रलोक की ओर (जोरिन्) चला । जाते २ मार्ग में (याबुथाला जाग़ुरा) प्यास लगी (उम्दाग़ासाजु), थक गया (छिलेगेद्) और एक तालवृक्ष की छाया (सेगुदेर्) में सोने के लिये लेटा ही था (नोयिर्साजु खेब्थेथेले) कि उसके ऊपर चिल्ला कर (बार्खिरान्) ध्वनि हुई । कोई रक्षक नहीं, दयावान् (निगुलेस्खुइ) नहीं । इस मृत्यु से कौन बचाएगा । इस पर (बायिखु दु)

१२ बिकर्मिजिद् सेरेगेद् खाराबासु । निगेन् आबुरागु मोगाइ बाला मोदुन् ओ̮गेदे आबिरान् ग़ाल्बिङ्ङा यिन् खेउुखेन् इ जाल्गिखु ओयिराथुग़सान् दुर् बिलिग् उुन् सेलेम् इयेर् दुम्दागुर् आनु थासु छाञ्छिजु ओर्खिग़ाद् खेब्थेथेले । ग़ाल्बिङ्ङा एरे एमे खोयार् शिबागुन् इरेगेद् एल्देब् जिमिस् उसु आबाछिराजु । खेउुखेन् दुर् इयेन् ओ̮ग्गुग्सेन् दु खेउुखेन् इनु उुलु इदेन् उुगुल्लेरुन् । एने एदुर् ग़ उुखुल् उुन् एजेन् एछे आबुराग़्छि एने खुमुन् दुर् ओ̮ग् । मान् इ जाल्गिखु खेमेन् इरेग्सेन् निगेन् आबुरागु मोगाइ आछा आबुराबाइ । थेगुन् दुर् ओ̮ग्गुबेसु सायिन् बुइ जा खेमेग्सेन् दुर् थेरे ग़ाल्बिङ्ङा शिबागुन् आनु । बोग़दा यिन् दर्गेदे इरेगेद् । एगेशिग् इयेर् दागुलान् सेरेगुलुग्सेन् दुर् । खागान् बोसुग़ाद् सागुबाइ । जिमिस् उसुन् इ बारिग़ाद् । उुखुल् खुरुग्सेन् आमिथान् इ आबुराग़्छि बोग़दा था खेन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । बि बिकर्मिजिद् गेग्छि खागान् बुलुगे । खोर्मुस्दा यिन् देर्गेदेखि एल्देब् एर्देनिस् इयेर् बायिगुलुग़सान् खोथा यि उुजेरे ओद्मुइ गेबे । थेरे खोयार् ग़ाल्बिङ्ङा शिबागुन् आइ एइमु बोग़दा लुगा उछाराल्दुबाइ खेमेगेद् बायार्लाजु मोर्गुबेइ । थेरे ग़ाल्बिङ्ङा उुगुलेरुन् । थेरे खोथान् दुर् बखु उुलुग्सेन् आमिथान् बुइ ।

विक्रमादित्य जागा (सेरेगेद्) और देखा तो एक भीम (आबुरागु) सर्प (मोग़ाइ) नालवृक्ष के ऊपर (ओ̮गेदे) चढ़ रहा था और कलविंक पक्षी के बच्चों को निगलने ही वाला था (जाल्गिखु ओयिराथु-ग़सान्) कि विक्रमादित्य ने तीक्ष्ण तलवार (बिलिग् उुन् सेलेम्) से उसको बीच में (दुम्दागुर्) से सर्वथा काट (थासु छाञ्छिजु) छोड़ा (ओर्खिग़ाद्)। वह लेटा ही था (खेब्थेथेले) कि कलविंक पति पत्नी दोनों पक्षी आए और नाना फल और जल ला कर अपने बच्चों को देने लगे। किन्तु बच्चों ने नहीं खाए और कहा—आज मृत्युपति से बचाने वाले इस पुरुष को दो। इसने हम को निगलने के लिये (जाल्गिखु खेमेन्) आए हुए एक भीम सर्प से बचाया है। यदि इसको दोगे तो अच्छा होगा। ऐसा कहने पर उन कलविंक पक्षियों ने महात्मा के पास आ कर मधुर ध्वनि से (एगेशिग् इयेर्) गा कर (दागुलान्) उस को जगाया (सेरेगुलुग्सेन्)। राजा उठ बैठा (बोसुग़ाद् सागुबाइ)। उस को फल और जल दिया और पूछा—मृत्यु के निकट पहुंचे प्राणी को बचाने वाले महात्मा तुम कौन हो। इस पर विक्रमादित्य ने कहा—मैं विक्रमादित्य नामक राजा हूं। इन्द्र के सामने नाना रत्नों से बनाए हुए नगर को देखने जा रहा हूं (ओद्मुइ) इति। वे दोनों कलविंक पक्षी बोले—अहो, इस प्रकार (एइमु) के महात्मा से हम मिले हैं (उछाराल्दुबाइ)। यह कह कर वे प्रसन्न हुए और नमस्कार किया। वे कलविंक बोले—उस नगर में सब मरे हुए प्राणी हैं।

६१ थेन्दे यागुन् खिखु बुइ गेबे । खागान् जार्लिग् बोलोरुन् ओछिखु खेरेग् बुइ खेमेग्सेन् दुर् ।
गाल्बिङ्गा शिबागुन् मिनु देगेरे उनु । बि खुर्गेसुगेइ गेबे । बिकर्मिजिद् इ उनुगुलुगाद्
याबुबाइ । निगे ग्शिन् जागुरा खुर्बे । थेरे खोथा यिन् गादाना खोयार् शिरेगे बुइ आजुगु ।
थेगुन् उ निगेन् इनु उलागान् । निगेन् इनु खोखे ओङ्गो थेइ शिरेगेद् बुइ दुर् । थेरे खागान् इ
बागुल्यागाद् । गाल्बिङ्गा खारिखुइ दागान् आइ बोरदा । खामिगाशि याबुखुइ दुर् इयान् नामायि
सानान् दुरादबासु । दारुइ दुर् बि इरेखु बुइ खेमेगेद् खारिबाइ । खागान् उलागान् शिरेगेन्
देगेरे गारुगाद् सागुबासु । ओरथार्गुइ गाजार् बुखुन् ए उलागान् बोल्जु खागान् उ
बेये छु उब् उलागान् बोल्बाइ । खुमुन् आमिथान् खाराजु जुलु बोल्खु थेयिमु गेरेल् थेइ
बोल्बाइ । खोखे शिरेगेन् देगेरे गार्बासु मोन् उरिद् योसुगार् बोल्बाइ । थेरे खोथा यिन् खागाल्या आनु खास्
बुयु । थेरे खागाल्या बार् ओरोबासु दोथोरा आनु । छेछेग् थु नागुर् छाङ्ग्दान् इयार् बुथुग्सेन् एल्देब्
जिमिस् थु ओइ मोदुन् बुलुगे । थेरे दोथोरा एल्देब् आरिया थान् गोरुगेसुन् इयेर् दुगुरुग्सेन्
एल्देब् ओलान् शिबागुन् बुइ बुलुगे । खुमुन् आमिथान् इयार् दुगुरुग्सेन् बुयु । थेदे बुगुदे

वहां क्या करोगे । राजा ने कहा—मुझे जाने (ओछिखु) की आवश्यकता है (खेरेग् बुइ) । इस पर
कर्लविक पक्षी ने कहा—मेरे ऊपर चढ़ जाओ (उनु) । मैं पहुंचा दूंगा (खुर्गेसुगेइ) । और विक्रमादित्य
को चढ़ाकर (उनुगुलुगाद्) चल दिया । एक क्षण मात्र में (ग्शिन् जागुरा) वे पहुंच गये ।

उस नगर के बाहर दो आसन थे । उनमें एक रक्तवर्ण और दूसरा नीलवर्ण आसन था । राजा को
उतार कर (बागुल्यागाद्) कर्लविक पक्षी लौटते हुए कहने लगा—अहो महात्मन्, जिधर भी जाना हो
(खामिगाशि याबुखुइ), मुझको स्मरण कर लेना । उसी समय (दारुइ दुर्) मैं आ जाऊंगा । यह कह
कर कर्लविक चला गया ।

राजा रक्तवर्ण सिंहासन के ऊपर जब चढ़ बैठा तो आकाश और भूमि सब लाल हो गये । राजा
का शरीर भी सर्वथा (उब्) लाल हो गया । इतना चमक वाला हो गया कि जन प्राणी उसकी ओर
देख न सकते थे ।

जब वह नीले सिंहासन पर चढ़ा तो पहले के ही समान हुआ ।

इस नगर का द्वार हरितमणि का बना हुआ था । उसने द्वार में प्रवेश किया तो अन्दर पुष्पवती
झील थी । चन्दन युक्त, नाना फल युक्त, वन्य (ओइ) वृक्ष थे । इनमें नाना दांतों वाले (आरिया थान्),
वन्य पशु (गोरुगेसुन्) भरे थे और बहुत प्रकार के पक्षी थे । जन प्राणी भी भरे थे (दुगुरुग्सेन्) । वे सब

६४ उुखुग्सेन् बोलाइ । थेगुन् एछे छिनादु निगेन् आल्थान् ख़ाग़ाल्या बुइ । थेरे ख़ाग़ाल्या बार् ओरोबासु
एल्देब् एर्देनि बेर् नायिराग़ुलुग़सान् थाब्छाङ देगेरे । थ्ङि.स् उुन् जोगेलेन् निमेगेन् खुब्छाद्
इयार् छिमेग्सेन् सेद्खिल् इ बुलियाखु मेथु ग़ोओआ उुजेस्खुलेङ ओखिन् । थेगुन् उु देर्गेदे
सेद्खिशि उुगेइ ओखिन् खुरियेलेग्सेन् । थेंदे बुगुदेगेर् उुखुग्सेन् इ उुजेगेद् । ख़ाग़ान् येखेदे
ग़ोमुदुजु । आइ एइमु ओलान् अमिथान् उुखुखु याग़ुन् उ शिल्थाग़ान् बोल्बा गेजु सानाग़ाद् ।
ग़ाल्बिङ्गा शिबाग़ुन् इरेखुले सायिन् बिले गेजु सानाथाला । थेरे शिबाग़ुन् इरेबे । बिर्कर्मिजिद् उनुग़ाद् ।
ओर्दु ख़ार्शि दुर् इयान् खारिबाइ । खोथा दाग़ान् खारिग़सान् दुर् । ख़ाथुन् आनु ।
छि थेरे खोथा यि उुजेबेउु खेमेग्सेन् दुर् । उुजेगेद् इरेबे । थेरे आमिथान् बुगुदे
उुखुजुखुइ । याग़ुन् उ शिल्थाग़ान् बोल्बा गेमेग्छे । ख़ाथुन् आनु निर्वान् बोल्बाइ । थेदेगेर्
खाद् उद् छोम् छुग़लाजु इरेगेद् । एइमु खेशिग् जायाग़ान् उुगेइ बुयु गेजु बुगुदेगेर्
ग़ाशिग़ुदान् ग़ोमुदुबाइ । दोलुग़ान् खोनुग् बोल्थाला बुयान् नोम् उुइलेद्दुगेद् । बिर्कर्मिजिद्
ख़ाग़ान् बेर् थेरे ग़ाल्बिङ्गा शिबाग़ुन् इ इरेखुले सायिन् बिले गेजु सानाबासु । शिबाग़ुन् इयार् इरेगेद् ।

मरे हुए थे । इनसे परे जा कर एक स्वर्ण द्वार था । इस द्वार में प्रवेश किया तो नाना रत्नों से निर्मित (नायिराग़ुलुग़सान्) आसन (थाब्छाङ) पर दिव्य कोमल (जोगेलेन्) सूक्ष्म (निमेगेन्) वस्त्रों (खुब्छाद्) से अलंकृत (छिमेग्सेन्) मनोहारिणी (सेद्खिल् इ बुलियाखु मेथु) सुन्दुरी रूपवती कन्या थी । उसको अचिन्त्य (सेद्खिशि उुगेइ) कुमारियां घेरे खड़ी थीं (खुरियेलेग्सेन्) । ये सब मरी हुई थीं । इनको देख कर राजा बहुत दुःखी हुआ (ग़ोमुदुजु) । हाय, इतने बहुत से प्राणी मरने का क्या कारण (शिल्थाग़ान्) है । और सोचा कि कलविंक पक्षी आ जाए तो अच्छा हो । यह सोचा ही था कि पक्षी आ गया । विक्रमादित्य चढ़ गया और अपने महल (ओर्दु ख़ार्शि) में लौट आया । नगर में लौटने पर रानी ने पूछा—तुमने उस नगर को देखा है क्या । राजा ने कहा—देख आया हूं । वहां सब प्राणी मर चुके हैं । क्या कारण है । यह कहते ही (गेमेग्छे) उसकी रानी का निर्वाण हो गया । सब सामन्त इकट्ठे हुए—यह कैसा दुर्भाग्य है (खेशिग् जायाग़ान् उुगेइ) । यह कह कर सब ने विलाप किया और शोक मनाया । सात दिन तक पुण्य (बुयान्) संस्कार (नोम्) किये ।

विक्रमादित्य राजा ने सोचा—यदि वह कलविंक पक्षी आ जाए तो अच्छा हो । पक्षी आ गया ।

६१ मो॒न् शिबागु॒न् इ बिर्कमिजिद् उनुग़ाद् थेरे एर्देनि यिन् खोथान् दुर् इयान् याबुबाइ । खुरुगेद् साछा उुजेबेसु । थेरे आमिथान् बुगुदे एदेगेजु बोसुग़सान् आजुगु । थेरे खास् खाग़ाल्या बार् ओरोबासु। इजागु॒र् उन् उुजेग्छि ओ॒खिद् बु॒रिन् ए एदेगेग्सेन् इ बिर्कमिजिद् उुजेगेद् । बासा थेगु॒न् एछे दोथोना उरिद् ओ॒खिद् उुन् सागु॒खु खा॒शि दुर् खुर्बेसु । थेन्दे छेछेग् बो॒जिग्छि ओखिन् थेरिगु॒लेन् । ओलान् दा॒खिनिस् इयार् खु॒रियेलेगु॒ल्जु॒ छाङ खेङ्गेर्गे देलेद्दु॒न् । बु॒रिये बिशिगू॒र् थाथाजु । ओलान् सायिखान् उुनुर् थु॒ छेछेग् उुद् इ बारिजु । खोग् दागु॒न् इयार् बोजिग्लेजु॒ उग़थुन् इरेगेद् । खान् खो॒बेगु॒न् मिनु छिलेन् आल्जियाजु इरेबेउु । सेद्खिल् इयेन् जोबाबाउु । बोग़दा आ आ खेमेन् आयिलाद्खाग़सान् दुर् । खाग़ान् जा॒लिग् बोलोरुन् । ग़ाल्बिङ्गा शिबागु॒न् उ खु॒छुन् इयेर् छिलेल् उुगेइ इरेबे । खाथुन् इयान् निर्वान् बोलुग़सान् उ थुला । जोबाबासु बार् सेद्खिल् दुर् जोखिस् थु छिमायि उुजेगेद् । सेद्खिल् मिनु सेर्गु॒बेइ खेमेखु॒ दु॒ । थेरे ओ॒खिन् इयेर् खाग़ान् खो॒बेगु॒न् उु ग़ार् आछा बारिग़ाद् । खा॒शि दुर् इयान् जालाग़ाद् । उुलिगेर्लेशि उुगेइ । ध्डि॒स् उुन् थाब्छाङ देगेरे सागु॒ल्ग़ाजु । जागु॒न् आम्था थु इदेगेन् इ बारिग़ाद् । थेरे ओ॒खिन् एयिन्

उसी पक्षी पर विक्रमादित्य सवार हो कर अपने रत्नों के नगर में गया । पहुंच कर एकाएक (साछा) देखा तो वे प्राणी सबके सब जीवित हो कर (एदेगेजु॒) उठ चुके थे । उस हरितमणि द्वार से प्रवेश किया तो देखा कि पूर्व की (इजागु॒र् उन्) देखी हुई (उुजेग्छि) सब लड़कियां जीवित (एदेगेग्सेन्) हो गई हैं । फिर इससे अन्दर (दोथोना) पहले लड़कियों के बैठने के महल में पहुंचा तो वहां पुष्प-नर्तकी कुमारी आदि, अनेक डाकिनियों से घिरी हुई थी । झांझ और ढोल बज रहे थे (देलेद्दु॒न्) । शंख और शहनाई बज रहे थे (थाथाजु) । अनेक सुन्दर सुगन्धित (उुनुर् थु॒) पुष्पों को हाथ में लिये (बारिजु) संगीत (खोग् दागु॒न्) के साथ नृत्य करती (बो॒जिग्लेजु॒) स्वागतार्थ (उग़थुन्) आई और बोली—मेरे राजकुमार थके (छिलेन्) मांदे (आल्जियाजु) आये हो (इरेबेउु) क्या । मन दुःखी है क्या (जोबाबाउु) हे (आ आ) महात्मन् । यह निवेदन करने पर राजा ने कहा—कलविंक पक्षी की शक्ति से थके बिना (छिलेल् उुगेइ) आ पहुंचा हूं । अपनी रानी के निर्वाण होने के कारण दुःखी था (जोबाबासु) परन्तु (बार्) मनोमोहिनी (जोखिस् थु) तुम को देख कर मेरा चित्त नया हो गया है (सेर्गु॒बेइ) । इस पर वह लड़की राजकुमार के हाथ को पकड़ कर अपने महल में निमन्त्रित कर (जालाग़ाद्) ले गई । अतुल्य (उुलिगेर्लेशि उुगेइ) दिव्य आसन (थाब्छाङ) पर बिठा कर (सागु॒ल्ग़ाजु) सौ स्वाद वाले (आम्था थु) भोजन उपस्थापित किये (बारिग़ाद्) । और बोली—

९९ उुगुलेरुन् । आइ बोग़दा । बि खोर्मुस्दा यिन् ओ़खिन् बुलुगे । दोओरा छम्बुदिब् दुर्
ओछिग़ाद् । थाङ थायिसुङ खाग़ान् उ खोथान् दुर् याबुजु ओलान् गेम् खिग्सेन् उ थुला ।
एछिगे मिनु नामायि बुरुगु बार् बोल्ाग़ाद् । यिर्थिन्छु यिन् खुमुन् आमिथान् दु दुरा थाइ बोल्बासु ।
माल् दुर् आदालि खुमुन् उ ओ़खिन् बोल्जु थो़रोसुगेइ । जान्दाल्छि खिगेद् । शिम्नुस् इजागुर्
थु । थेयिमु एरे दुर् । ओछि खेमेग्सेन् दुर् एछिगे यिन् जार्लिग् आछा उुलु दाबाखु यिन् थुलादा ।
थेन्दे मागु इजागुर् थु यिन् एमे बोलुग़सान् इयार् । थेन्दे छिनु खाथुन् एसे बोलुग़सान् उछिर्
थेरे बुगेद् । एदुगे आरिगुन् बेये यि ओलुग़सान् इयार् । बोग़दा छिमा दुर् उछाराबाइ खेमेगेद् ।
दोलुग़ान् खोनुग़् बोल्थाला । बो़जिग् छेङ्गेल् नाग़ादुम् इयार् सेर्गुगेजु । खाग़ान् दुर् आयिलाद्खाग़सान्
आनु । मिनु एछिगे नामायि इरेग्सेन् इ मेदेगेद् । येखेदे खिलिङलेजु जोबाग़ाखु बुइ जा ।
बोग़दा गेर् थेगेन् खारिखुला याम्बार् बोल्बा खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् जार्लिग् बोलोरुन् । छिनु याम्बार् बा।
खेरेग् इ उुजेगेद् खारिसुग़ाइ गेथेले । खार्मुस्दा थ्ङि देगेंदेखि थ्ङि नेर् थुर् जार्लिग् बोलोरुन् ।
मिनु ओ़खिन् इरेजु गेनेम् । थेगुन् इ थुर्गेन् आब्छु इरे खेमेग्सेन् दुर् । थ्ङि नेर् इरेगेद् छेछेग्

हे महात्मन्, मैं इन्द्र की पुत्री हूं। नीचे (दोओरा) जम्बुद्वीप में जा कर (ओछिग़ाद्), थाङ थायि-सुङ राजा के नगर में पहुंची। वहां बहुत पाप (गेम्) किये। अतः मेरे पिता ने मुझको दोष (बुरुगु) लगा कर (बोल्ाग़ाद्) कहा—संसार के जन प्राणियों में तुम्हारा प्रेम है तो (दुराथाइ बोल्बासु) पशुओं के समान नर कुमारी के रूप में तुम्हारा जन्म होगा। चण्डाल (जान्दाल्छि) और भूत (शिम्नुस्) कुल वाले (इजागुर् थु) पति के पास (एरे दुर्) जाओ (ओछि) इति। पिता का आदेश न टल सकने (दाबाखु) के कारण मैं नीच कुल की पत्नी (एमे) बन गई। वहां तुम्हारी रानी न बन सकने का कारण (बोलुग़सान् उछिर्) भी यही है। अब (एदुगे) शुद्ध शरीर को पा लिया है। सो महात्मन् तुम को मिल गई हूं (उछाराबाइ)।

सात दिन रात तक नृत्य (बो़जिग्), क्रीड़ा (छेङ्गेल्), व्यायाम (नाग़ादुम्) से प्रसन्न किया (सेर्गुगेजु) और फिर राजा से निवेदन किया—जब मेरा पिता मुझको लौट आई हुई जानेगा तो बहुत रुष्ट हो कर (खिलिङलेजु) दण्ड देगा (जोबाग़ाखु बुइ जा)। यदि महात्मा अपने घर लौट जाएं तो कैसा रहेगा। इस पर राजा बोला—कुछ भी हो, घटना (खेरेग्) को देख कर ही लौटूंगा। ऐसा कहते ही (गेथेले) इन्द्रदेव ने निकट के (देगेंदेखि) देवताओं से कहा—मेरी लड़की आ गई है—ऐसा कहा जाता है। उसको शीघ्र (थुर्गेन्) ले आओ। सो देवता आए और पुष्प-

९७ बोजिग्छि यि जोदोरसागार् आबाछिरसान् दुर् । खोर्मुस्दा ध्किॅ जालिग् बोल्गोरुन् । एगुन् इ आबाछिग़ाद् गुरु खारा छिलागु बोल्ग़ाजु ओर्खिग्थुन् । निगेन् गाल्बा बोल्थाला खेब्थेथुगेइ । खेमेन् इरुगे खेमेग्सेन् दुर् । आबाछिग़ाद् थेरे योसुग़ार् बोल्ग़ाबाइ । बिकर्मिजिद् मेदेगेद् । बेलिग् उन् सेलेम् इ बेलो बेलिग् उन् बेलिगुन् इयेर् बेलिगुदेन् खोर्छादखाग़ाद् । थेरे छिलागुन् इ मिखान् दुर् आदालि सायिथुर् थाथाजु राशियान् उ उसुन् दुर् एल्देब् एम् उद् इ खोलिग़ाद् । बुरिजु निगेन् छेछेग् थारिल्छाबाइ । थुर्गेन् इथेगेखु बोल्थुग़ाइ खेमेन् इरुगेल् थाल्बिग़ाद् खारिजु इरेबेइ । उदेशि एर्गेजु उजेबेसु । निगेन् बाद्मा यिन् देगेरे । इजागुर् उन् बेये एछे उलेर्म्जि खेथुर्खेइ गेयिजु गिल्बेल्जु बायिखुइ यि उजेगेद् । ग़ार् एछेगेन् बारिल्छाग़ाद् । उर्गुं सुर्गुं एल्देब् एगेशिग् इयेर् उगुलेल्दुगेद् । बायास्खुलाङ थु सेद्खिल् इयेर् बायासुरसाग़ार् । ओर्दु खार्शि दाग़ान् खारिग़ाद् । आमुगुलाङ नुथुदा जिर्ग़ान् सागुबाइ । थेदेगेर् ओखिद् इयेर् बायासुग़ाद् । खाग़ान् । खाथुन् इ बोजिग् नाग़ादुम् इयार् सेर्गुं गेबेइ । छेछेग् बोजिग्छि उगुलेरुन् । आ आ बोरदा । मिनु एछिगे जोङ बेलिग् थेइ यिन् थुला । मेदेगेद् आबाछिजु जोबाग़ाखु बुइ

नर्तकी को पीटते हुए (जोदोरसाग़ार्) ले गये । इन्द्रदेव बोले—इसको ले जा कर (आबाछिग़ाद्) ठोस (गुरु) काला (खारा) पत्थर (छिलागु) बना कर (बोल्ग़ाजु) छोड़ दो (ओर्खिग्थुन्) और एक कल्प (गाल्बा) तक (बोल्थाला) पड़े रहने दो (खेब्थेथुगेइ) । यह (खेमेन्) शाप (इरुगे) देने पर वे उसको ले गये और उसको उसी प्रकार (थेरे योसुग़ार्) बना दिया । विक्रमादित्य को पता लगा । जादू की तलवार को ज्ञान के शाण (बेलिगुन्) पर रगड़ कर (बेलिगुदेन्) तीक्ष्ण किया (खोर्छादखाग़ाद्) और उस पत्थर को मांस के समान अच्छी प्रकार चूर्ण बना कर (थाथाजु), अमृत के जल में नाना औषधियों को (एम् उद् इ) मिलाया (खोलिग़ाद्) और दही के समान जमा कर (बुरिजु) एक फूल उगाया (थारिल्छाबाइ) । और—शीघ्र (थुर्गेन्) जीवित हो जाओ (इथेगेखु बोल्थुग़ाइ)—यह प्रार्थना (इरुगेल्) करके (थाल्बिग़ाद्) लौट आया । जब सायं को (उदेशि) लौट कर (एर्गेजु) देखा तो एक पद्म (बाद्मा) के ऊपर पहले के (इजागुर् उन्) शरीर से अधिक (उलेर्म्जि) बढ़ कर (खेथुर्खेइ) चमकते (गेयिजु) दमकते हुए (गिल्बेल्जु) शरीर को पाया । हाथ से एक दूसरे को छू कर (बारिल्छाग़ाद्) मीठी २ नाना ध्वनियों (एगेशिग्) से एक दूसरे से बात की (उगुलेल्दुगेद्) और प्रसन्नता भरे चित्त से मुदित हो कर (बायासुरसाग़ार्) अपने महल में लौट आए । शान्ति (आमुगुलाङ) तथा शाश्वत (नुथुदा) सुख से (जिर्ग़ान्) रहने लगे (सागुबाइ) । कन्याएं भी प्रसन्न हुईं । और राजा रानी को नृत्य क्रीड़ा द्वारा बहलाती रहीं ।

पुष्प-नर्तकी बोली—हे महात्मन्, मेरा पिता अदृश्य-ज्ञानी (जोङ बेलिग्) है । अतः जब उसको पना लगेगा तो मुझे ले जा कर (आबाछिजु) फिर सताएगा (जोबाग़ाखु बुइ जा) ।

- 10 -

= 88 =

६८ जा । ओर्दु खाशि दुर् इयान् ओगेदे बोल्खुला याम्बार् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । बिकर्मिजिद्
जालिग् बोलोरुन् । बि निगेन् शिलुग् बोजिग् इ थेदुइ सुर्गासुगाइ खेमेगेद् । एर्थे उरिदा
छाग् थुर् । बिब्शि नेरे थु बुर्खान् छम्बुदिब् थुर् इरेगेद् । नोम् उन् खुर्दुन् इ सायिथुर्
ओछिगुल्जु बायिखुइ दुर् । थेरे छाग् उन् आमिथान् । नाइमान् थुमेन् नासु थु बुलुगे
थेरे बुर्खान् उ ओग्लिगे उन् एजेन् गेरेल् नेरे थु खागान् बुलुगे । दोलुगान् थुमेन् नासुन् उ
छाग् थु निर्वान् बोलुया खेमेखुइ दुर् । थेरे गेरेल् नेरे थु खागान् बेर् थाङसुग् एर्गुगेद्
खिनारि थ्डिङ् यिन् एगेशिग् इयेर् । थेरे बुर्खान् इ माग्थाग्सान् दुर् बुर्खान् इयेर् नाइमान् थुमेन् सेगुदेर्
नासुलाग्सान् बुलुगे । थेरे मेथु जिर्गुगान् गाल्बा बोल्थाला । मोन् खु थेरे बर्खान् दुर् थाङसुग्
एर्गुगेद् । एस्रुआ यिन् एगेशिग् इयेर् बोजिग्लेन् माग्थागाद् जाल्बारिग्सान् दुर् । थेरे बुर्खान् इयेर् ।
छाग् थुर् इयान् नोम् उन् खुर्दुन् इ सायिथुर् ओछिगुलुग्सान् बुलुगे । थेरे छाग् थुर् ओग्लिगे उन्
एजेन् । एने खोर्मुस्दा थ्डिङ् बुलुगे । थेयिमु ओलान् शिलुग् उद् इयेर् माग्थागाद् जाल्बारिग्सान्
दुर् । थेरे बुर्खाद् इयेर् बुगुदेगेर् बायासुग्सान् बुलुगे । थेयिमु यि बेन् । खोर्मुस्दा थ्डिङ्

यदि अपने महल में तुम चले जाओ तो कैसा होगा । इस पर विक्रमादित्य ने कहा—मैं एक श्लोक-नृत्य (शिलुग् बोजिग्) मात्र (थेदुइ) तुमको सिखा देता हूं (सुर्गासुगाइ) । पूर्व काल में विपश्यिन् (बिब्शि) नामक बुद्ध जम्बुद्वीप में आए और धर्म के चक्र का सम्यक् प्रवर्तन किया । उस समय के प्राणी ८० सहस्र वर्ष आयु के होते थे । उस बुद्ध का दानपति (ओग्लिगे उन् एजेन्) प्रकाश नामक राजा था । ७० सहस्र वर्ष आयु के समय में निर्वाण होना चाहता हूं—यह कहने पर उस प्रकाश नामक राजा ने अमूल्य उपहार (थाङसुग्) दिये (एर्गुगेद्) । किन्नर देवों की ध्वनि (एगेशिग्) से बुद्ध की स्तुति की (माग्थाग्सान् दुर्) । तब बुद्ध ८०,००० वर्ष की आयु तक (सेगुदेर्) जीवित रहे (नासु-लाग्सान् बुलुगे) । इस प्रकार छः कल्प बीत गये । उन्हीं बुद्धों को अमूल्य उपहार देते रहे । ब्रह्मा (एस्रुआ) की ध्वनि से नृत्य किये, स्तुति की और हाथ जोड़े (जाल्बारिग्सान् दुर्) । बुद्ध ने समय पर धर्मचक्र का सम्यक् प्रवर्तन किया । उस समय के दानपति यह इन्द्रदेव थे । इस प्रकार बहुत श्लोकों द्वारा स्तुति प्रार्थना करने पर बुद्ध सब के सब सन्तुष्ट हुए । उस रूप वाले अपने आपको इन्द्रदेव

६६ जिग़ालि् दाग़ान् दाशिगुग़ांद् मार्थाग़सान् बुइ । एगुन् इ सानागुल्जु दुरादबासु । बायास्खु बुइ जा खेमेगेद् । दोलुग़ान् खोनुग् बोल्थाला । बोजिग् इयेर् सुग़ाबाइ । छेछेग् बोजिग्छि थेरिगुलेन् । दाग़ाल्था ओखिद् थुर् आनु । बिकर्मिजिद् जार्लिग् बोलोरुन् । थान् इ बासा आबाछिखुइ दुर् । बि उरिद् निगेन् सोनुमुग़सान् शिलुग् बुइ बुलुगे । आखाइ दुर् एगुन् इ बारिसुग़ाइ खेमेगेद् । याग़ार्छु बोजिग्ले । बि दाग़ाजु ओछिल्छासुग़ाइ । थेरे खोर्मुस्दा थ्डिङ् बायासुग़ाद् । छिमायि माग़थाखु बुइ । बायासुग़सान् उ थुला । छिमा दुर् एर्देनिस् उुन् एरेखे । बेल्गे बेलिग् उुन् बुलेजेगे । थेथेम् थु माल्ग़ा खुजुगुञ्छि । बागुञ्छि । सुगुञ्छि । एर्देनिस् उुन् माङजिल्ग़ा छिमेग् उुद् इ बुरिन् ए ओग्खु बुइ जा । थेरे माल्ग़ा । एरेखे बुलेजेगे । थेदे बुगुदे यि छिमा दुर् ओग्बेसु । छि नादुर् ओग्छु बायिथुग़ाइ खेमेन् सुग़ाजु बायिथाला । थ्डिङ् नेर् इरेगेद् । थेरे ओखिन् इ उरिद् योसुग़ार् आबाछिग़सान् दु । खोर्मुस्दा थ्डिङ् जार्लिग् बोलोरुन् । था एगुन् इ आबाछिग़ाद् खाग़ान् दुर् आयिलादखा । निगेन् गाल्बा बोल्थाला । बू ग़ाग़ा गेजु जाखिजु ओग् गेबे । छेछेग् बोजिग्छि । एछिगे देगेन् एयिन् उुगुलेरुन् । आखाइ यिन् जार्लिग् आछा दाबाजु उुलु बोल्खु यिन् थुला । ओछिसुग़ाइ खेमेगेद् । एर्थे उरिदा निगेन् शिलुग् सोनुमुग्सान् बुलुगे ।

भोग विलास में (जिग़ालि् दाग़ान्) मग्न हो कर (दाशिगुग़ांद्) भूल गये हैं (मार्थाग़सान् बुइ) । उसका स्मरण (सानागुल्जु) दिलाने पर (दुरादबासु) वह बहुत प्रसन्न होंगे । सात दिन रात नृत्य सिखाया । पुष्प-नर्तकी और अनुचरी दासियों को विक्रमादित्य ने कहा—जब तुमको फिर लेने आएं तो कहना—हमने पहले एक श्लोक सुना है । सो गुरुजन को भेंट करती हूं । यह कह कर गति से (याग़ार्छु) नाचने लगना (बोजिग्ले) । मै तुम्हारे पीछे २ (दाग़ाजु) आऊंगा (ओछिल्छासुग़ाइ) । इन्द्रदेव प्रसन्न होंगे । तुम्हारी स्तुति करेंगे । प्रसन्न होने के कारण तुमको रत्नों की माला, ज्ञान की अंगूठी (बुलेजेगे), मकुट (थेथेम्) वाली (थु) टोपी (माल्ग़ा), गले का हार (खुजुगुञ्छि), कंकण (बागुञ्छि), अंगद (सुगुञ्छि), रत्नों का बड़ा हार (माङजिल्ग़ा) और अनेक अलंकार (छिमेग्) पूरे पूरे (बुरिन् ए) देंगे । जब टोपी, माला, अंगूठी, सब तुमको देंगे तो तुम मुझको देते रहना (ओग्छु बायिथुग़ाइ) । जब वह यह शिक्षा दे रहा था तब देवता आ गये और लड़की को पूर्व के समान ले गये । इन्द्रदेव ने आदेश दिया—तुम इसको ले जाओ और राजा को कह दो कि एक कल्प तक बाहर न निकलने दे । यह समझा दो (जाखिजु ओग्) । पुष्प-नर्तकी ने अपने पिता से कहा—पिता का आदेश टाला नहीं जा सकता । अतः जाऊंगी (ओछिसुग़ाइ) । पूर्व काल में मैंने एक श्लोक सुना था ।

१०० येगुन् इयेन् ज़ुगुलेसुगेइ खेमेबेइ । बिकर्मिजिद् । बासा ओखिद् ज़ुन् छिमेग् इयेर् छिमेग्सेन् बुगेद् । जेर्गे बेर् बोजिग्लेन् मारथाबासु खोर्मुस्दा ध्धिङ् बेर् येखेदे बायासुग़सान् दुर् । खामुग़् ध्धिङ् नेर् इयेर् सोगुद्गेद् ग़ायिखाल्छाबाइ । खोर्मुस्दा ध्धिङ् बेर् जार्लिग़् बोलोरुन् । एर्थे उरिदा छाग़् थुर् । थेरे ओलान् बुर्खाद् इ बायास्खाग़सान् उ थुला । ध्धिङ्स् ज़ुन् एर्खे थु खाग़ान् बोलुलुग़ा । एर्थेन् ज़ु थेरे याबुदाल् युग़ान् मार्थाग़सान् बुइ जा खेमेजु । एयिमु ग़ायिखाम्शिग़् थु खेज़ुखेन् इयेन् जोबाग़ाग़सान् मिनु बुरुग़ु बोल्बाइ गेजु आयिलादुग़ाद् । एर्देनिस् ज़ुन् एर्खे बेन् खायिर्लाबा । थेरे एरेख्से यि बिकर्मिजिद् थुर् ओग्बेइ । बासा दाग़ुलाखुइ दुर् । खोर्मुस्दा येखेदे बायासुग़ाद् । जार्लिग़् बोलोरुन् । बि एर्थे गाल्बा उद् उन् । थेरे बुर्खाद् इ बायास्खान् ज़ुइलेदुग्सेन् बुलुगे । थेयिमु यि मार्थाल् ज़ुगेइ बाजिग्लेग्सेन् दुर् । बि बायार्लाग़ाद् । ओग्लिगे ओग्गुमुइ गेजु । बुसु ध्धिङ् नेर् थुर् जार्लिग़् बोलुग़ाद् । थेथेम् थु माल्गा बान् खायिर्लाबाइ । थेरे माल्गा यि मोन् बिकर्मिजिद् थुर् ओग्बेइ । बासा बाजिग्लेग्सेन् दुर् । खोर्मुस्दा जार्लिग़् बोलोरुन् । एने खेज़ुखेन् मिनु एयिमु बेल्गे बेलिग़् थु गेजु मारथाग़ाद् बुलेजेगे बेन्

उसको मैं सुनाऊंगी ।

विक्रमादित्य लड़कियों के अलंकारों से अलंकृत था और साथ साथ (जेर्गे बेर्) नाच (बोजिग्लेन्) और स्तुति कर रहा था । इन्द्रदेव बहुत प्रसन्न हो गये । सब देवताओं ने घुटने टेक दिये (सोगुद्गेद्) और चकित हो गये (ग़ायिखाल्छाबाइ) । इन्द्रदेव बोले—पूर्वकाल में बहुत बुद्धों को प्रसन्न करने के कारण मैं देवताओं का राजा इन्द्र बन गया । पूर्वकाल के अपने इस चरित्र (याबुदाल्) को मैं भूल चुका था (मार्थाग़सान् बुइ जा) । ऐसी अद्भुत अपनी लड़की को मैंने सताया सो मेरी भूल (बुरुग़) है । यह कह कर अपनी रत्नों की माला उसको दे दी (खायिर्लाबा) । उसने माला विक्रमादित्य को दे दी । फिर गीत गाया (दाग़ुलाखुइ दुर्) । इन्द्र बहुत प्रसन्न हुआ और कहा—मैंने पहले कल्पों के बुद्धों को प्रसन्न किया था । उसी को भूले बिना (मार्थाल् ज़ुगेइ) नाचने पर मैं सन्तुष्ट हो कर दान देता हूं (ओग्लिगे ओग्गुमुइ)—यह सब देवताओं से कहा और मकुट वाली टोपी दे दी । उस टोपी को भी उसने विक्रमादित्य को दे दिया । फिर नाचने पर इन्द्र ने कहा—यह मेरी पुत्री इतनी ज्ञानवती है । इस प्रकार प्रशंसा करके अपनी अंगूठी

१०१ बासा ओ̤ग्बेइ आबुग़ाद् । बिर्कामिजिद् थु ओ̤ग्बेइ । एल्देब् एगेशिग् इयेर् छेङ्ङग्सेन् दुर् ।
खोर्मुस्दा थ्डिङ् । एगुन्छे खोयिशि बि बायिसुग़ाइ खेमेगेद् । एल्देब् ओगिलगे ओ̤ग्गुगेद् । थेरे बो̤जिग्लेग्छि
खेउखेद् इ खोर्मुस्दा थ्डिङ् खाराबासु । बिर्कामिजिद् उन् माल्ग़ा एरेखे जेगुग्सेन् इ उजेगेद् ।
एने यागुन् खुमुन् बुइ खेमेबेसु । एने बिर्कामिजिद् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खोर्मुस्दा थ्डिङ् ।
आइ बो̤ग़दा । यागुन् उ थुला । ओ̤गेदे बोल्बाइ खेमेगेद् मो̤र्गुग्सेन् दुर् । बिर्कामिजिद् याम्बार् बा ।
उछिर् इयान् देल्गेरेङगुइ जालिग् बोल्ग़सान् दुर् । खोर्मुस्दा मेदेग्सेन् उगेइ खेमेगेद् ।
शिरेगेन् देगेरे जालाग़ाद् । यागुन् खेरेग्लेखु बुगेसु जालिग् बोलुग़थुन् खेमेग्सेन् दुर् । खेउखेन्
खिगेद् । शिरेगेन् इ छिनु गुयुमुग़ाइ खेमेग्सेन् दुर् । आइ बो̤ग़दा दुर् बारिमुग़ाइ खेमेगेद् । गुछिन्
खोयार् मोदुन् खुमुन् इयेर् खुरियेलेग्सेन् शिरेगे खिगेद् । खेउखेन् इयेन् बारिबाइ ।
बो̤ग़दा बिर्कामिजिद् । ग़ाल्बिङ्गा शिबागुन् इरेक्सुले सायिन् बुलुगे गेजु सानामाग़छा । थेरे
शिबागुन् इयेर् खुछु इरेग्सेन् दुर् । थेरे शिरेगेन् इ ग़ाल्बिङ्गा यिन् देगेरे थाल्बिग़ाद् ।
खाग़ान् । खाथुन् शिरेगेन् देगेरे साग़ुजु । ओर्दु खाशि दुर् इयान् ओ̤गेदे बोलुन् इरेबे ।

दे दी । उसने ले कर विक्रमादित्य को दे दी । नाना ध्वनि से सन्तुष्ट होने पर (छेङ्ङग्सेन् दुर्) इन्द्रदेव ने कहा—इसके पश्चात् मैं रुक जाता हुं (बायिसुग़ाइ) । यह कह कर नाना उपहार दिये । नर्तकी पुत्री की ओर जब इन्द्रदेव ने देखा तो (खाराबासु) विक्रमादित्य को टोपी, माला और अंगूठी पहने पाया । और पूछा—यह कौन है । कहा—यह विक्रमादित्य है । इन्द्रदेव ने पूछा—हे भगवन् आप कैसे पधारे हैं (ओ̤गेदे बोल्बाइ) । यह कह कर नमस्कार किया । विक्रमादित्य ने सब घटनाओं को विस्तारपूर्वक सुनाया । इन्द्र ने कहा—मुझे पता न था । यह कह कर सिंहासन पर निमंत्रित किया (जालाग़ाद्) और कहा—जो कुछ आवश्यकता हो (खेरेग्लेखु बुगेसु) आदेश दो । विक्रमादित्य बोला—आपकी पुत्री और सिंहासन की प्रार्थना करता हूं (गुयुसुग़ाइ) । इस पर इन्द्रदेव बोले—हे महात्मन् में तुमको देता हूं । यह कह कर ३२ पुतलियों से जटित सिंहासन और पुत्री को दे दिया ।

महात्मा विक्रमादित्य ने सोचा कि कलविंक पक्षी का आ जाना अच्छा होगा । पक्षी आ पहुंचा । उस सिंहासन को कलविंक के ऊपर रखा । राजा और रानी सिंहासन के ऊपर बैठे और अपने महल में आ पधारे (ओ̤गेदे बोलुन् इरेबे) ।

१०२ ग़ालाशा खाग़ान् थेरिगुलेन्। ओलान् खाद् इयेर्। एल्देब् खुरिम् इ बेलेद्‌बेइ। ध्ङ्स् उन् खुरिम् इयार् खुरिम्लाबाइ। खुरिम्लाजु दुगुरुग्सेन् उ खोयिना। बुगुदेगेर् थार्खाबाइ। बिकर्मिजिद् उन् योसुन् आनु। खोथान् दुर् ग़ुर्बान् जिल् साग़ुजु। थाला दुर् ग़ुर्बान् जिल् याबुजु। थाला यिन् आमिथान् इ थुसालाखु। आग़ुलान् दुर् ग़ुर्बान् जिल् याबुजु। आग़ुला यिन् आमिथान् इ थुसालाखु। थेयिमु योसु याबुदाल् इ थार्खाग़ाबाइ। मिनु थेरे बोग़दा बिकर्मिजिद्। थेरे मेथु आउग़ा खुछु थु बुलुगे। बिकर्मिजिद्। खोर्मुस्दा यिन् ओरोन् आछा। छेछेग् बोजिग्छि ओखिन् खिगेद्। ग़ुछिन् खोयार् मोदुन् खुमुन् इयेर् खुरियेलेग्सेन् शिरेगेन् बाग़ुल्ग़ाजु आबुग़सान् इ निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उग़ुलेग्सेन् उलिगेर् बोलाइ।

कलश राजा और अनेक राजाओं ने नाना उत्सव रचे और दिव्य उत्सव द्वारा विवाह किया (खुरिम्ला-बाइ)। विवाह उत्सव की समाप्ति के पश्चात् (दुगुरुग्सेन् उ खोयिना) सब अपने अपने घर चले गये (थार्खाबाइ)। विक्रमादित्य ने नियम बनाया—अपने नगर में तीन वर्ष रहना। स्थल प्रदेश (थाला) में तीन वर्ष चलना, स्थल देश के प्राणियों का हित करना। पर्वत प्रदेश में तीन वर्ष फिरना और पर्वत प्रदेश के प्राणियों का हित करना (थुसालाखु)। इस नियम चरित की घोषणा की (थार्खाग़ाबाइ)।

यह मेरा महात्मा विक्रमादित्य इस प्रकार विशाल शक्तिशाली था। यह विक्रमादित्य के इन्द्रलोक से पुष्प-नर्तकी पुत्री और ३२ पुतलियों से जटित सिंहासन को उतार कर (बाग़ुल्ग़ाजु) लाने की (आबुग़सान्) एक पुतली की कही कहानी हुई।

बासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

आराजि बोजि ख़ाग़ान् । बासा निगेन् एदुर् ए इरेगेद् । थेरे मोदुन् खुमुन् एछे । बिक्रमिजिद् उन् । आमिथान् इ खेर् थुसालाग़सान् इ जालिग् बोलुन् सोयोर्खा खेमेग्सेन् दुर् । बासा निगेन् मोदुन् एयिन् उगुलेरुन् । मान् उ थेरे
बोग़दा ख़ाग़ान् उ आर्शि यिन् आदिस्थिद् इयार् । दिलाबा । योगि खोयार् उन् योगि आनु ब्लामा बोलुग़ाद् । खोयाग़ुला एल्देब् एर्देम् इ थेगुस् सुर्बाइ । थेरे ख़ाग़ान् दुर् नायिथाङग़ुइ सेद्खिल् थोरोजु । दिलाबा दुर् एयिन् उगुलेरुन् । एने ख़ाग़ान् उ उग् आनु खाराछु बोलुग़ाद् । आर्शि ब्लामा यिन् आदिस्थिद् इयार् । बिदे ग़ुर्बाग़ुला आदालि बुलुगे । एने मान् आछा देगेरे बोल्बा । एगुन् दुर् बिदे खोओर् उइलेदुगेद् । बिदे शू ओर्खिजु । निगेन् बिदेन् इ ख़ाग़ान् बोलुया । निगेन् बिदेन् इ थोरु यि बारिरिछ थुशिमेल् बोलुया खेमेग्सेन् दुर् । दिलाबा उगुलेरुन् । योगि । थेयिमु खोओर् थु सेद्खिल् इ बू एगुस्खे । एने बोग़दा ख़ाग़ान् आनु नारान् दुर् आदालि ।

नवां अध्याय

एक और पुतली की कथा

राजा भोज फिर एक दिन आया और पुतली से कहा—विक्रमादित्य ने प्राणियों का किस प्रकार (खेर्) हित किया, यह बताने की कृपा करो (सोयोर्खा) ।

पुतली बोली—हमारे इस महात्मा राजा के ऋषि के प्रसाद (आदिस्थिद्) से, तैलप और योगी, इन दोनों में से योगी लामा बन गया । दोनों ने नाना गुणों को पूर्ण रूप से (थेगुस्) सीखा । राजा के प्रति ईर्ष्या (नायिथाङग़ुइ) के विचार उत्पन्न होने पर योगी ने तैलप को कहा—इस राजा का मूल्य (उग्) सामान्य (खाराछु) है । ऋषि लामा के प्रसाद से हम तीनों समान थे । यह हमसे ऊपर हो गया है । इसको हम हानि (खोओर्) पहुंचा कर (उइलेदुगेद्), पासा (शू) छोड़ कर (ओर्खिजु) हममें से एक राजा बन जाएगा और दूसरा शासन को (थोरु यि) धारण करने वाला मंत्री । तैलप ने कहा—योगी ऐसे दुष्ट (खोओर्) विचारों को मत (बू) उत्पन्न होने दो (एगुस्खे) । यह महात्मा राजा सूर्य के समान

१०४ दोर्बेन् थिब् इ गेयिगुलुन् छिदाग्छि एर्दम् थु बुइ। बिदे आनु गाल् थु खोरोखाइ दुर् आदालि। एने खागान् छासु थु आगुला यिन् आर्सालान् दुर् आदालि। छाग्लाशि उगेइ आउग़ा खुछु थु बुइ। बिदे गेर् उन् खोखे नोखाइ दुर् आदालि। थेयिमु उछुग्वेन् बुगेथेले। खोओर् थु मेद्ग्विल् खेर् जोग्विखु बुइ गेबे। योगि आनु आगुर्लागाद् खुछुन् येखे यिन् थुलादा। दिलाबा यि ओइ यिन् दोथोरा निगेन् मोदुन् इयेर् खुलिजु ओर्खिग़ाद्। खागान् दुर् निगेन् जिगासुन् इ खुबिल्गागाद्। दोथोर् आनु ओग्यु एर्देनि खिजु एदुर् बुरि बारिदाग् बुलुगे। थेरे जिगासुन् इ थाबुन् खोओर् इयार् खुबिल्गाग्सान् आजिगु। दोथोराखि एर्देनि इनु छिलागुन् बुलुगे। ओग्गुस्सेगेर् निगेन् बायिशिङ दुगुर्बेइ। थेरे एर्देनि ओग्यु बासा निगेन् बायिशिङ दुगुर्बेइ। योगि एयिन् सेद्खिरुन्। एयिमु खोओर् थुर् उल् उखखु यागुन् उ जिग् बोल्बा गेजु मानागाद्। निगेन् आर्गा बार् आलामुगाइ खेमेजु। निगेन् शाबि युगान् खागान् दुर् इलेगेबेइ। इलेगेखु देगेन् एयिन् जाखिरुन्। खागान् छि मिनु ओग्लिगे यिन् एजिन् बुलुगे। बि छिनु ब्लामा आसान् थुला। ओनो ए सानि मान् उ गेर् थु ओगेदे बोल्जु इरेथुगेइ गेज् खेले खेमेन् जाखिगाद् इलेगेबेइ।

चार द्वीपों को प्रकाशित (गेयिगुलुन्) कर सकने वाला (छिदाग्छि) गुणवान् है। हम अग्निकीट जुगन् (गाल् थु खोरोखाइ) के समान है। यह राजा हिमाचल (छासु थु आगुला) के सिंह के समान अचिन्त्य महाशक्तिमान् है। हम घर के काले कुत्ते (खोखे नोखाइ) के समान है। इतने छोट होते हुए हमारे दुष्ट विचार किस प्रकार (खेर्) ठीक हो सकते है। यागी रुष्ट हो गया और अधिक शक्तिशाली होने के कारण तैलप को जगल के अन्दर एक वृक्ष से बाध कर (खुलिजु) छोड गया। एक मछली बना कर (खुबिल्गागाद्) उसके अन्दर एक हरा रत्न (ओग्यु एर्देनि) डाल कर (खिजु) राजा को प्रतिदिन उपहार देने लगा (बारिदाग् बुलुगे)। यह मछली पाच विषो (खोओर्) से बनाई गई थी। इसके अन्दर का (दोथोराखि) रत्न पत्थर था। देते २ (ओग्गुसेगेर्) एक घर भर गया। हरे रत्नों से एक और घर भर गया (दगुर्बेइ)। योगी ने सोचा—इतने विषो से नही मरा, क्या कारण (जिग्) है। यह सोच कर एक चतुराई से मारूगा इति एक अपने शिष्य (शाबि) को राजा के पास भेजा। भेजते समय (इलेगेखु देगेन्) यह समझाया (जाखिरुन्)—राजन्, तुम मेरे दानपति हो। मै तुम्हारा गुरु हूं। अत आज रात मेरे घर पधारिये (ओगेदे बोल्जु इरेथुगेइ)—यह कहो (गेजु खेले)। यह (खेमेन्) समझाकर (जाखिगाद्) भेज दिया।

१०५ थेरे खुमुन् खुरुगेद् । खाग़ान् दु आयिलाद्खाग़सान् दुर् । खाग़ान् जोब् गेबे । थेरे सोनि खाग़ान् उ ओद्खुइ दुर् । खाथुन् आनु एयिन् आयिलाद्खारुन् । खाग़ान् खुमुन् ग़ारछाग़ार् सोनि देमेइ याबुदाग् बिलिउ । थेरे योगि उजेखुइ दुर् सायिखान् । उगे इनु जोगेलेन् । उनेन् इनु येखे खारा बुइ जा गेजु आयिलाद्खाग़सान् दुर् । खाग़ान् जार्लिग् बोलोरुन् । बि ओनो ए ग़ारछा सोनि याबुखुइ आछा बायिथुग़ाइ । आग़ुला थाला दुर् ग़ुर्बा ग़ुर्बान् जिल् दुर् याबुखु छाग् थुर् । खेन् लुगे खानिलाजु याबुदाग् बुलुगे । खाग़ान् खुमुन् ग़ारछा जार्लिग् थु बुइ जा गेजु आयिलादुग़ाद् याबुबाइ । जाग़ुरा मोर् देगेरे निगेन् खुमुन् दाग़ुदाबा । उजेन् गेखुले । दिलाबा यि मोदुन् दुर् खुलिग् थेइ बायिखु यि उजेगेद् । छिमायि खेन् खुलिबे खेमेखु दु । दिलाबा । योगि यिन् याम्बर् बा । उछिर् इ देलेगेरेङगुइ ए उगुलेगेद् । थेरे योगि उसुन् उ जिखा दुर् छिमायि खुलियेजु बायिनाम् । थेरे जोल्ग़ोग़ाद् एयिन् उगुलेखु बुइ । छि खाग़ान् बोल्बाछु । यिर्थिन्छु यिन् थोरु बारिग़सान् उ थुला बुजार् बुइ । ओखिन् ध्ङि यिन् सुमे यि एर्गेखु यिन् थुला । एने उसुन् दुर् ओरोजु । बेये बेन् उगिया गेखु बुइ । एगुन् दुर् ओरो गेखुइ दुर् ।

वह मनुष्य आया और राजा से निवेदन किया । राजा ने कहा ठीक है ।

रात को राजा के चलते समय रानी ने कहा—राजा जन अकेले रात्रि को यूं ही (देमेइ) जा सकते हैं क्या । वह योगी देखने में सुन्दर, उसके शब्द मधुर, किन्तु उसके बारे में सच यह है कि वह बहुत काला है । ऐसा कहने पर राजा बोले—मैं आज (ओनो ए) अकेला रात को जाऊंगा, यह तो क्या, पर्वत और स्थल प्रदेशों में तीन २ वर्ष तक घूमते समय किसके साथ मिल कर गया हूं । राजा जन एक वचन वाला होता है । यह कह कर चला गया ।

बीच में (जाग़ुरा) मार्ग पर (मोर् देगेरे) एक पुरुष ने बुलाया । देखा तो (उजेन् गेखुले) तैलप को वृक्ष में बंधा (खुलिग् थेइ बायिखु यि) पाया । पूछा तुमको किसने बांधा है । इस पर तैलप ने योगी की सब बातों को (याम्बार् बा उछिर् इ) विस्तार से सुनाया । वह योगी जल के तट पर तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा है (खुलियेजु बायिनाम्) । वह मिल कर (जोल्ग़ोग़ाद्) कहेगा—यद्यपि तुम राजा हो, किन्तु संसार के शासन को धारण करने के कारण अपवित्र (बुजार्) हो । देवी के मन्दिर की प्रदक्षिणा (एर्गेखु) के लिये इस जल में प्रवेश करके अपने शरीर का स्नान करो (उगिया) । इसके अन्दर प्रवेश करो—ऐसा कहेगा ।

१०६ उसुन् आनु इरुग़ार् उुगेइ गुन् बुइ । ख़ाग़ान् छि योगि दु खेले । छि आरिगुन् छिनार् थु यिन् थुला । था उरिद् इयार् ओरो । बासा बि ख़ोयिनाछ्रा दाग़ारसाग़ार् ओरोसुग़ाइ गेजु बू ओरो । बासा थेरे उसुन् आछ्रा छाग़ान् आ सुमे दुर् खुरुगेद् । छिमायि एमुने याबुजु एर्गि । बि छिनु ख़ोयिनाछ्रा दाग़ासुग़ाइ गेखु बुइ । थेगुन् दुर् बासा छि खेले । ब्लामा एमुने याबुख़ु बुइ जा । बि छिनु ख़ोयिनाछ्रा दाग़ासुग़ाइ गेजु बू बोल् । खेर्बेर् एमुने याबुखु बोल्बासु । गुर्बान् खुगुस् खिग्सेन् इल्दु बुइ । थेरे इल्दु इनु खुमुन् एछे बायिथुग़ाइ । थेमुर् छिलागुन् दुर् उुलु थोर्ग्वु बुइ । बासा सुमे दोथोरा ओरोग़ाद् । छिमायि उरिद् मोर्गु गेखु बुइ । ब्लामा छि उरिद् मोर्गु । बि ख़ाग़ान् उ थोरु यि बारिग़मान् उ थुलादा । शाशिन् उ योमु यि मेदेखु उुगेइ बुइ । छि उरिद् इयार् मोर्गु गेद् । नादा जिग़ाजु ओग् । बि छिमायि दागुरियाजु मोर्गु ये गेजु खेले । छि उरिद् मोर्गु बेसु । थेरे थिङ् दुर् बारिग़सान् निगेन् इल्दु बुइ । थेरे इल्दु बेन् आबुग़ाद् छिमायि छाब्छिबासु । थुदेल् उुगेइ छाब्छिखु बुइ । थेयिमु यिन् थुलादा उुलु मोर्गुखु । थेरे सेलेम् इयेर् योगि यि छाब्छिजु आला । खेर्बेर् योगि यि

पानी अगाध (इरुग़ार् उुगेइ) गहरा (गुन्) है। राजन्, तुम योगी से कहना—तुम शुद्ध तत्त्व वाले हो (आरिगुन् छिनार् थु) अतः पहले प्रवेश करो, फिर मैं पीछे से अनुसरण करता हुआ प्रवेश करूंगा। यह कहना और प्रवेश मत करना। फिर पानी से आगे (छाग़ान् आ) मन्दिर के पास पहुंच कर वह कहेगा—तुम सामने जा कर (एमुने याबुजु) परिक्रमा करो (एर्गि)। मैं तुम्हारे पीछे आऊंगा। उसको फिर तुम कहना—लामा पहले तुम चलो, मैं तुम्हारे पीछे पीछे आऊंगा। यह कहना और उसकी बात न (बू) मानना (बोल्)। यदि (खेर्बेर्) तुम आगे जाओगे तो तीन खण्डों (खुगुस्) से बनी तलवार है। उस तलवार को मनुष्य तो क्या लोहे का पत्थर भी नहीं रोक सकता (उुलु थोर्ग्वु बुइ)। फिर मन्दिर में प्रवेश करने पर—तुम पहले नमस्कार करो—यह कहेगा। पर तुम कहना—तुम पहले नमस्कार करो। मैं राज-शासन को धारण करने के कारण (बारिग़मान उ थुलादा) धर्म (शाशिन्) की विधियों को नहीं जनता। तुम पहले नमस्कार करके मुझको समझा दो (जिग़ाजु ओग्)। मैं तुम्हारा अनुसरण करके नमस्कार करूंगा। यदि तुम पहले नमस्कार करोगे तो देवता ने एक तलवार पकड़ी हुई है। यदि उस तलवार को ले कर वह तुमको काटेगा तो बिना रुकावट (थुदेल् उुगेइ) तुम कट जाओगे। अतः मत नमस्कार करना। उस तलवार द्वारा योगी को काट कर मार डालना। यदि योगी को

१०७ छाब्छिजु एसे आलावासु । शाशिन् छिनु देल्गेरेखु उगेइ बोलुगाद् । थोरु यि बारिजु उलु बोलखु । उइले खेरेग् छिनु उलु बुथुखु । बिदे खोयार् थाङगारिग् इयान् एब्देजु । नामायि खुलिजु खाथागाबाइ । आइ बोग़दा छि थेगुन् इ आला । एसे छिदाबासु । थाङगारिग् एब्देरेग्सेन् उ थुला । थेरे इल्दु ओबेर् इयेन् खोदेल्जु योगि यि आलाखु बोल्थुगाइ खेमेन् इरुगेर् ए थाल्बिगाद् । दिलाबा यिन् आमिन् आनु थासुर्बाइ । बिर्कमिजिद् येखेदे गोमुदुगाद् छिनाग्शि याबुथाला । उसुन् उ जिखा दुर् योगि थाइ जोल्गोल्छाबाइ । योगि । आइ बोग़दा खागान् छिनु इरेग्सेन् सायिन् । वायालर्बा गेद् । इनियेजु गार् आछा इनु बारिजु । येह् खागान् खुमुन् शाशिन् इ बारिखुइ दुर् । ओखिन् थ्ङि यि थाखिखु खेरेग् थेइ । ओदो ओखिन् थ्ङि दुर् मोर्गुखु यिन् थुलादा । एने उसुन् दुर् ओरोजु उगिया खेमेग्मेन् दुर् । खागान् जार्लिग् बोलोरुन् । आइ ब्लामा उरिद् ओरो । बि छिमा आछा उरिद् ओरोखु उगेइ खेमेखुइ दुर् । ब्लामा ओबेर् इयेन् उरिद् ओरोबा । बिर्कमिजिद् दोगोगुर् नि ओरोगाद् गार्छु ओछिबाइ । थेगुन् एछे छागान् आ सुमे दुर् खुरुगेद् । खागान् छि उग्दि याबुजु एर्गि । बि छिनु खोयिनाछा दागासुगाइ गेबे ।

काट कर न मारोगे तो तुम्हारे धर्म का प्रसार न होगा । राज्य को धारण न कर सकोगे । तुम्हारे कार्य (उइले) और उद्देश्य (खेरेग्) पूरे न होंगे (उलु बुथुखु) । हम दोनों ने अपनी प्रतिज्ञा (थाङगारिग्) तोड़ दी (एब्देजु) । वह मुझको बांध कर सुखा गया है (खाथागाबाइ) । महात्मन् तुम उसको मार डालो । यदि नहीं मार सकते तो प्रतिज्ञा भंग करने के कारण वह तलवार स्वंय हिल कर (खोदेल्जु) योगी को मार देवे (आलाखु बोल्थुगाइ)—यह शाप (इरुगेर्) दिया ।

तैलप के प्राण (आमिन्) टूट गये (थासुर्बाइ) । विक्रमादित्य ने बहुत विलाप किया (गोमुदुगाद्) और आगे (छिनाग्शि) चला । पानी के तट पर योगी मिला (जोल्गोल्छाबाइ) । योगी ने कहा—हे महात्मन् राजन् तुम्हारा आना शुभ हो । मैं प्रसन्न हूं । यह कह कर हंसा और उसको हाथ से पकड़ लिया । साधारणतया जब राजा जन धर्म को ग्रहण करते हैं तो देवी की पूजा (थाखिखु) आवश्यक (खेरेग् थेइ) होती है । अब देवी की पूजा के लिये इस पानी में प्रवेश कर स्नान करो । यह कहने पर राजा बोले—हे लामा, पहले तुम प्रवेश करो । मैं तुम्हारे से पहले प्रवेश नहीं करूंगा । इस पर लामा ने स्वयं पहले प्रवेश किया । विक्रमादित्य नीचे से जा कर (दोगोगुर् नि ओरोगाद्) निकल गया (गार्छु ओछिबाइ) । वहां से आगे (छागान् आ) मन्दिर में पहुंचे तो योगी बोला—राजन् तुम पहले जाकर परिक्रमा करो, मैं पीछे से तुम्हारा अनुमरण करूंगा ।

१०८ ख़ाग़ान् एसे बोल्बा । बि एर्गेल् मेदेखु ऊुगेइ यिन् थुलादा । छिनु ख़ोयिनाछ्रा दाग़ासुग़ाइ खेमेग्सेन् दुर् । योगी ओ़बेर् इयेन् उरिद् याबुग़ाद् सुमे यिन् दोथोरा ओरोजु । ख़ाग़ान् इ छि ओ़खिन् ध्ङि दुर् मोग़ुं गेखुइ दुर् । ख़ाग़ान् जार्लिग़् बोलोरुन् । बि यिर्थिन्छु यिन् थोरु यि बारिजु याबुग़साग़ार् । शाशिन् उ एर्गेल् मोग़ुंल् इ मेदेखु ऊुगेइ बिशिउ । छि उरिद् मोग़ुं । बि छिमायि दाग़ुरियाजु मोग़ुंये खेमेखुइ दुर् । योगि खेब्थेजु मोग़ुंबेइ । थेरे ध्ङि यिन् सेलेम् ओ़बेर् इयेन् ओ़सुछुं इरेगेद् । थोलुग़ाइ यि इनु थासुल्जु देलेद्बे । दारुइ दुर् निगेन् खेगुर् थुर् ओरोग़ाद् । ख़ाग़ान् ओर्दु ख़ाशि दुर् इयान् ख़ारिबाइ । थाबुन् ख़ोओर् इयार् बुथुग्सेन् जिग़ासुन् इ थाबुन् राशियान् बोल्ग़ाबाइ । छिलाग़ुन् एर्देनि यि मो़न् एर्देनि बोल्ग़ाजु आदिस्लाबाइ । थेरे जिग़ासुन् इयार् येखे खुरिम् खिबेइ । थेरे छिलाग़ुन् एर्देनि बेर् ओ़ग्लिगे ओ़ग्बेइ । थेरे ख़ाग़ान् उ देर्गेदे ग़ोओआ ऊुजेस्खुलेङ थु निगेन् खो़बेगुन् इरेग्सेन् दुर् । ख़ाग़ान् ऊुजेगेद् । बायार्लाजु आबुग़ाद् दाग़ागुल्बाइ । निगेन् एदुर् ख़ोयागुला निगेन् छेछेर्लिग् थुर् ओ़गेदे बोलुग़सान् दु । थेरे ओइ यिन् दोथोरा ओलान् थोथि छुग़लाग़सान् दुर् । थेदे निगेन् थोथि युग़ान् ऊुग्थेगेजु आलाग़मान् दुर् । ख़ाग़ान् ऊुजेगेद् । आइ आ खो़गेरुखुइ छि । एने थोथि ।

राजा न माना (एसे बोल्बा)— मैं परिक्रमा (एर्गेल्) करना नहीं जानता । अतः तुम्हारे पीछे अनुसरण करूंगा । इस पर योगी ने स्वयं पहले जा कर मन्दिर के भीतर प्रवेश किया । फिर राजा को कहा—तुम देवी को प्रणाम करो । इस पर राजा ने कहा— मैं संसार के शासन को धारण करता हूं । अतः धर्म की परिक्रमा और नमस्कार को नहीं जानता । नहीं न (बिशिउ) ? । तुम पहले नमस्कार करो, मै तुम्हारा अनुसरण करके नमस्कार करूंगा । योगी ने लेट कर नमस्कार किया । देवी की तलवार स्वयं उछल कर (ओ़सुछुं) आई और उसके सिर (थोलुग़ाइ) को काट कर (थासुल्जु) उसको मार डाला (देलेद्बे) ।

पीछे से (दारुइ दुर्) योगी ने एक शव (खेगुर्) में प्रवेश किया । राजा अपने महल में लौट आया । पांच विषों से बनी हुई मछली के पांच अमृत बना दिये । पाषाण रत्न को सच्चा (मो़न्) रत्न बना दिया और आशीर्वाद दिया (आदिस्लाबाइ) । उस मछली से महान् उत्सव रचाया और पाषाण रत्न से दान दिये ।

राजा के सामने सुन्दर रूपवान् एक लड़का आया । राजा ने देखा और प्रसन्न हो कर उसको ले लिया और अनुचर बना लिया (दाग़ागुल्बाइ) । एक दिन दोनों एक वाटिका (छेछेर्लिग्) में गये । वहां जंगल के भीतर बहुत से शुक इकट्ठे हुए थे । [लड़के ने] उनमें से एक शुक का मूर्छित करके (ऊुग्थेगेजु) मार डाला । राजा ने देखा—अरे तुम तपस्वी (खो़गेरुखुइ) शुक,

१०६ याम्बार् जोबालाङ थु गेम् खिग्सेन् इयेर् आलाग़दाबाइ। येरु आमिथान् एने ओर्छिलाङ दुर् मोह्ले बुमु। एइमु जोबालाङ थु दोग़िशन् बुरुग़् आमिथान् इ याम्बार् आर्ग़ा बार् थुसालासुग़ाइ गेजु खेलेगेद्। मिनु खेगुर् इ छि ख़ादाग़ाला। बि थोथि यिन् खेगुर् थुर् ओरोग़ाद्। एने आमिथान् इ सुसुग् बिशिरेल् थोरोगुलेसुगेइ खेमेगेद्। बालाग़ाद् थुर् ओरोखु उबादिस् इयार् येगुद्खेगेद्। थेरे थोथि बेर् एदेगेगेद्। थोथिस् उन् ओरोन् खुर्थेले नेखेजु निसुन् खुरुगेद्। थेरे थोथिद् थुर् एयिन् उुगुलेहुन्। बि उरिद् खोओर् थु सेद्खिल् थु बुलुगे। निगेन् बोग़दा लुग़ा उछाराल्दुजु। नामायि एदेगेगेद्। उख़ाख़ान् थु सेद्खिल् थोरोगुल्बेइ। था बेर् नादा आछा निगे उुगे सोनुस्। येरु ओर्छिलाङ उन् आमिथान् दुर्। थोङ मोह्ले उुगेइ। खुमुन् दुर् थोरोबेसु। बायाजिबाला बार्दाम् ख़ाराम् येखेद्गेद्। बाख़ान् उुछुखेन् इ दोरोम्जिलाखु। उुगेइरेजु बाराग़दाबासु खेनेगेरेन् ग़ाशिगुदामुइ। एबेद्छु जोबाबासु। ग़ासालाजु एम्गेनिमुइ। ओथेलुजु नासुजिबामु उख़ाग़ान् आनु मुङख़ारामुइ। उुखुजु येगुद्खेबेसु। आयुशि थामु दुर् थोरोगेद्। आलाग़दाखु गोझिग्देखु जोबालाङ इ एदुर् बुरि उुजेमुइ। आदुगुसुन् आ थोरोबेसु। आछिग़दाखु उनुग़दाखु आलाग़दाखु इदेग्देखु। ओबेर् जागुरा बान् आलाल्छाखु बुइ। आलि छु आमिथान् दुर् येरु आमुर् उुगेइ। आरिगुन्

कैसा (याम्बार्) दुःखपूर्ण पाप (गेम्) करने से तुम मारे गये हो। साधारणतः प्राणी इस संसार (ओ-र्छिलाङ) में नित्य नहीं (मोह्ले बुमु)। एवं दुःखी प्रचण्ड (दोग़िशन्) दुःशील (बुरुग़्) प्राणियों का मैं सभी उपायों से हित करूंगा। यह कह कर—मेरे शरीर की तुम रक्षा करना (ख़ादाग़ाला)। मैं शुक के शव में प्रवेश कर इन प्राणियों में श्रद्धा (सुसुग्) भक्ति (बिशिरेल्) उत्पन्न करूंगा (थोरोगुलेसुगेइ)। यह कह कर नगर अर्थात् शरीरान्तर (बालाग़ाद्) में प्रवेश करने के मन्त्र (उबादिस्) द्वारा अपना शरीर छोड़ दिया (येगुद्खेगेद्)। वह शुक जी उठा (एदेगेगेद्) और शुकों के स्थान तक (खुर्थेले) पीछा कर (नेखेजु) उड़कर (निसुन्) पहुंच गया। वह शुकों को इस प्रकार कहने लगा—मैं पहले दुष्ट मन वाला था। एक महात्मा से मिला (उछाराल्दुजु)। उसने मुझे जीवित किया और मुझमें ज्ञान के विचार उत्पन्न किये। तुम मेरे से एक बात सुनो। साधारण जगत् के प्राणियों के लिये सर्वथा नित्यता (थोङ मोह्ले) नहीं। यदि वे मनुष्यों में उत्पन्न होते हैं तो धनी होने पर (बायाजिबाला) अभिमान (बार्दाम्) और कृपणता (ख़ाराम्) बढ़ जाती है (येखेद्गेद्)। दीन हीनों पर (बाख़ान् उुछुखेन् इ) अत्याचार करते हैं (दोरोम्जि-लाखु)। निर्धनी होकर (उुगेइरेजु) दरिद्र हो जाएं तो (बाराग़दाबामु) दुःख पाते (खेनेगेरेन्) और विलाप करते हैं (ग़ाशिगुदामुइ)। रोगी हो जाने पर (एबेद्छु) कष्ट उठाते हैं (जोबाबासु) और विलाप करते तथा दुःखी होते हैं। बूढ़े हो कर (ओथेलुजु) यदि लम्बी आयु हो तो (नासुजिबासु) इनकी बुद्धि (उख़ाग़ान्) क्षीण हो जाती है (मुङख़ारामुइ) अथवा मोहयुक्त हो जाती है। यदि मर कर समाप्त हो जाएं तो (उुखुजु येगुद्खेबेसु) आयुष्मान् (आयुशि) नरक (थामु) में उत्पन्न होकर मारे जाते हैं (आलाग़दाखु), पीटे जाते हैं (गोझिग्देखु), प्रतिदिन दुःखों को देखते हैं। यदि पशुओं में (आदुगुसुन् आ) जन्म लें तो बोझ उठाते हैं (आछिग़दाखु), उनपर सवारी की जाती है (उनुग़दाखु), उनको मारते और खाते हैं। परस्पर में (ओबेर् जागुरा बान्) लड़ते हैं। प्राणियों में कोई भी सुखी नहीं। यदि शुद्ध

११० सेद्खिल् इयेर् याबुबासु । आमुर् बुर्ख़ान् गेग्छि ओरोन् दुर् थोरोगेद् । आमुर् साग़ुजु जिर्ग़ाखु गेनेम् । थेरे बुर्ख़ान् उ ओरोन् दुर् येगुद्खेखु ग़ासालाखु ओथेलुखु उखुखु यिन् जोबालाङ उगेइ । ग़ुयुखु एरिखु यिन् जोबालाङ उगेइ । आलिबा सानाग़सान् आनु ओबेर् इयेन् बुथुजु बायिखु गेनेम् बिशिउ खेमेग्सेन् दुर् । थोथि उद् इयेर् उगुलेरुन् । थेयिमु ओरोन् दुर् याग़ाखिजु थोरोखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । ख़ाग़ान् थोथि उगुलेरुन् । थेयिमु ओरोन् दुर् थोरोखु यि दुरालाखु बुगेसु । थेरे खुमुन् नादुर् सुर्ग़ाबाइ । थेयिमु मोर् इ ओल्खु नोम् इ नादुर् नोम्लाबाइ । बि सुर्बाइ । नामायि बाग़िश बारिखु बुगेसु । बि थान् दुर् नोम्लासुग़ाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेदे उगुलेरुन् । छिमायि ख़ाग़ान् बोल्ग़ाया खेमेन् खेलेगेद् । जुग् बुरि निसुन् ओदुग़ाद् । जुइल्बुरि यिन् जिमिस् इ आब्छु इरेगेद् । ख़ाग़ान् थोथि दुर् एगुंजु । मान् दुर् थेरे नोम् इ नोम्लान् सोयोर्ख़ा खेमेग्सेन् दुर् । बोदि मोर् थुर् खुखुं नोम् इ नोम्लाग़सान् दुर् । थेदे बुगुदेगेर् थेगुस् बिशिरेल् थु बोलुग़ाद् । बुर्खान् उ ग़ाजार् आ ओद्खु सेद्खिल् इ एगुस्खेल्दुबेइ । मिनु ख़ाग़ान् गेग्छि थेयिम्मु रिदि खुबिल्ग़ान् थु बोलुग़ाद् । आमिथान् इ थुसालाग़्छि बुइ । थेयिमु यिन् थुलादा । छि साग़ुखु उलु बोल्खु खेमेग्सेन् दुर् । आराजि बोजि ख़ाग़ान् गेर् थुर् इयेन् ख़ारिबाइ ।

मन से चलें तो सुखावती बुद्ध नामक लोक में जन्म लेकर सुख से रहते हुए (अमुर् साग़ुजु) प्रसन्न होते हैं (जिर्ग़ाखु)—यह कहते हैं (गेनेम्) । उस बुद्ध-लोक में पुनर्जन्म (येगुद्खेखु), शोक, जरा (ओथेलुखु) और मरण का दुःख नहीं । मांगने (ग़ुयुखु) और ढूंढने (एरिखु) का दुःख नहीं । सब (आलिबा) कामनाएं (सानाग़सान्) स्वयं पूरी हो जाती हैं । यह कहते हैं न (बिशिउ) ।

यह कहने पर शुक बोले— ऐसे लोक में किस प्रकार जन्म होता है । इस पर शुकराज बोला—यदि ऐसे लोक में जन्म की इच्छा (दुरालाखु) हो तो (बुगेसु) उस पुरुष ने मुझको सिखाया है और इस मार्ग की प्राप्ति के धर्म का मुझको उपदेश दिया है (नोम्लाबाइ) । मैंने सीख लिया है । यदि मुझको गुरु ग्रहण करोगे तो मैं तुमको उपदेश दूंगा । इस पर वे बोले—हम तुमको राजा बनाएगें । यह कहकर वे सब दिशाओं में उड़ गये । सब प्रकार (जुइल्बुरि) के फल ले आये और शुकराज को दिये (एगुंजु) । हम पर धर्मप्रवचन की कृपा करो (सोयोर्ख़ा) । यह कहने पर बोधिमार्ग (बोदि मोर्) में पहुंचाने वाले (खुखुं) धर्म का उपदेश किया । वे सब पूर्ण (थेगुस्) भक्त (बिशिरेल् थु) बन गये और उनमें बुद्ध-लोक जाने का विचार उत्पन्न हुआ (एगुस्खेल्दुबेइ) ।

मेरा राजा इस प्रकार ऋद्धि सिद्धि वाला (रिदि खुबिल्ग़ान् थु) था । वह प्राणियों का हितैषी था । अतः तुम्हारा इस सिंहासन पर बैठना नहीं हो सकता । इस पर राजा भोज अपने घर लौट गये ।

बासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

आराजि बोजि खागान् । बासा निगेन् एदुर् ए इरेगेद् । उरिद् निगेन् एदुर् उन् दुथागु यि नोम्लान् सोयोर्खा खेमेन् उगुलेग्सेन् दुर् । थेरे खिया आनु । बिकर्मिजिद् उन् खेगुर् थुर् ओरोग़ाद् । ओबेर् उन् बेये बेन् एब्देजु । खागान् उ बेये बोलुग़ाद् । खाशि दागान् ओरोग़सान् दुर् । खाथुन् आनु । शिन्जिलेजु उजेगेद् । आइ छि खामिग़ा ओछिग़सान् बुइ । छोग् जिब्खुलाङ गेरेल् खिगेद् । उनुर् छिनु उगेइ बोलुग़सान् उछिर् शिल्थागान् यागुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् बि आग़ालाग् ग़ाजार् आ ओछिग़सान् उ थुला । आल्जायाजु जुदेरेग्सेन् बुइ जा गेबे । खाथुन् आसागुरुन् । छिनु दाग़ागुलुग़सान् आमाराग् खिया छिनि खामिग़ा ओद्बा खेमेग्सेन् दुर् । खागान् उगुलेरुन् । थेरे ओइ दुर् निगेन् ओलान् थोथि शिबागुन् बायिना । थेगुन् दुर् बाग़िश बोल्जु सागुलुग़ा गेबे । खाथुन् दोथोरा बान् सेद्खिरुन् । गेनेद्थे ग़ोओआ उजेस्खुलेङ थु खोबेगुन् इरेगेद् । खागान् उ सेद्खिल् इ बुलियाजु । येखेदे खायिरालादाग् बिले । बोग़दा खागान् मिनु । आमिथान् इ

दसवां अध्याय

एक और पुतली की कथा

राजा भोज फिर एक दिन आये और कहा—पिछले दिन के शेष (दुथागु) उपदेश को सुनाने की (नोम्लान्) कृपा करें।

अनुचर (खिया) ने विक्रमादित्य के शव में प्रवेश कर अपने शरीर को नष्ट कर दिया (एब्देजु)। राजा बन कर महल में प्रवेश किया। रानी ने ध्यान से देखा—अहा तुम कहां (खामिग़ा) गये थे (ओछिग़सान् बुइ)। श्री, तेज, प्रभा और सुगन्ध तुम्हारी नहीं रही। इसका कारण (उछिर्) हेतु (शिल्थागान्) क्या है। राजा ने कहा— मैं निर्जन (आग़ालाग्) देश में गया था। अतः थका (आल्जायाजु) मांदा (जुदेरेग्सेन्) हूं (बुइ जा)। रानी ने पूछा—तुम्हारा साथी, प्रिय (आमाराग्) अनुचर कहां गया। राजा ने उत्तर दिया—जंगल में बहुत शुक पक्षी थे। वह उनका गुरु बन कर रह गया (सागुलुग़ा)। रानी ने अपने भीतर सोचा— एकाएक (गेनेद्थे) सुन्दर अभिरूप लड़के ने आ कर राजा के चित्त को हर लिया (बुलियाजु)। उस पर राजा ने बहुत अनुग्रह किया। मेरा महात्मा राजा प्राणियों की

११२ ओ॒रुशियेखुइ सेद्खिल् थु बोलुगाद्। खारिन् थेरे थोथिस् थुर् खुबिलुगाद्। नोम् नोम्लासान् बुइ जा गेजु सानागाद्। येखे उुखिलाजु गासुलान् एनेलेबेइ। खागान् आसागुरुन्। छि यागुन् उ थुलादा येखेदे गासुलाबाइ गेजु आसागुबासु। खाथुन् जार्लिग् बोलोरुन्। थेरे बोग़दा मिनु छि विशि। थेगुन् उु उुनुर् इनु। शाग़शाबाद् उन् उुनुर् थु बोलुगाद्। सेद्खिल् इ बुलियाखु मेथु गोओआ उुजेस्खुलेङ थु बुलुगे खेमेन् खेलेगेद्। एदुर् सोनि उुगेइ येखे ग़ासालाङ थु बोल्बाइ। थेरे खागान् बेर् आगाशि बान् जाब्खागाद्। दागुन् गारुल् उुगेइ याबुबाइ। खाथुन् इयेर् थेरे खागान् लुगा नोयिर्साखु उुगेइ। थेरे छाग् थुर्। खागाद् उद् ओ॒ओ॒र् छायिखु छाग् थु खागान् दुर्। बार्गाल्खाबासु। इमाग़था इजागुर् उन् थो॒रु शाशिन् शास्थिर् इ नोम्लादाग् बुलुगे। एदुगे जोब् बुरुगु उुगे खेलेगेद्। योसु उुगेइ छागाजा एगुस्खेमुइ गेजु। थेरे खाथुन् मेद्खिल् आमुर् उुगेइ बोल्बाइ। खाथुन् उुगुलेरुन्। एयिमु योसु उुगेइ छागाजा एगुस्खेखु यि उुजेबेसु। एने लाङथा ओ॒नो॒खि इनाग् खिया बुइ जा। नादुर् दुराशियाखु सेद्खिल् येखे बुलुगे गेजु सानागाद्। एनेरेजु गासुलान् याबुबाइ। थेरे खागन् बेर् दोथोरा बान् सेद्खिरुन्।

भलाई करने की (ओ॒रुशियेखुइ) बुद्धि वाला बन कर उल्टा (खारिन्) शुकरूप धारण कर (खुबिलुगाद्) धर्म प्रवचन कर रहा होगा (नोम् नोम्लाग्सान् बुइ जा)। यह सोच कर रानी बहुत रोई (उुखिलाजु), विलाप किया (ग़ासुलान्) और दु.खी हुई (एनेलेबेइ)। राजा ने पूछा—तुम किस लिए दुःखी हो। रानी बोली—मेरे महात्मा तुम नहीं हो। उसकी सुगन्ध शिक्षापद (शाग़शाबाद्) की गन्ध है। चित्त को हरण करने वाला (बुलियाखु) उमका सुन्दर शोभायमान रूप है।

दिन रात बिना भेद किये वह शोकातुर रहती थी। राजा की प्रकृति (आगाशा) बिगड़ गई (जाब्खागाद्)। बिना बोले (दागुन् गारुल् उुगेइ) रहने लगा। रानी उस राजा के साथ सोई (नोयिर्साखु) नहीं। उन दिनों सामन्त उषा (ओ॒ओ॒र्) प्रभात (छायिखु) के समय जब राजा को (खागान् दुर्) मिलने आते तो (बार्गाल्खाबासु) सदा (इमाग़था) परम्परागत (इजागुर् उन्) राजनीति (थो॒रु) और धर्म (शाशिन्) शास्त्र (शास्थिर्) का उपदेश राजा उनको देता था। अब उचित (जोब्) अनुचित (बुरुगु) का भेद किये बिना राजा बोलता है, अयुक्त आदेश (छागाजा) चलाता है (एगुस्खेमुइ)। रानी का मन अशान्त (आमुर् उुगेइ) हो गया। रानी बोली—इस प्रकार अयुक्त आदेश स्थापन को यदि देखूं तो यह निश्चय ही वही (ओ॒नो॒खि) प्रिय (इनाग्) अनुचर (खिया) है। मुझ पर अत्यधिक कामातुर (दुराशियाखु सेद्खिल् येखे) है (बुलुगे)। यह सोच कर रोती (एनेरेजु) और विलाप करती रही। राजा ने भीतर सोचा—

११३ थेरे ख़ाग़ान् थोथि खेर्बे इरेबेसु । मिनु आमिन् दुर् खोओर् बोलुग़ाद् । एयिमु सायिखान् खाथुन् आछा खाग़ाछागुल्खु बुइ जा गेजु सानाग़ाद् । ख़ाग़ान् ग़ादाना ग़ार्छु । थोथि यि उरिख़ादान् बारिग़िछद् इ छुग़लागुल्जु । थेदेन् दुर् । एयिन् जाखिरुन् । था ख़ाग़ान् थोथि एखिलेन् बुगुदे यि उरिख़ादाजु बारि । आब्छु इरेबेसु । थान् दुर् मिङग़ान् थाबुन् जागुन् आल्थान् जोग़ोस् इयार् शाङनामुग़ाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेदे येखेदे बायालग़ाद् । बिदे आलि आगुलान् दुर् ओछिजु उरिख़ादान् बारिखु बुइ गेबे । थेयिन् खेलेल्छेजु बायिखुइ यि निगेन् खुमुन् सोनुसुग़ाद् । खाथुन् दुर् इयान् उछिर् इ आयिलाद्खाबा । खाथुन् । शालु यि इरे गेबे । शालु बुथुगेल् इयेन् दागुसुन् खुछु इरेगेद् । नामायि यागुन् दु इरे खेमेग्सेन् बोल्बा । खाथुन् याम्बार् उछिर् थु येखेदे ग़ासुलाबाइ खेमेखुइ दुर् । आलिबा उछिर् इ बुरिन् ए जार्लिग़् बोलुग़सान् दुर् । ओनो ए बोल्खुला । थोथि बुगुदे यि आलाखु गेनेम् खेमेखुइ दुर् । शालु सोनुसुग़ाद् । उखुद्गेजु उनाबाइ । सेरिगुन् चन्दन् उ उसुन् इयार् सुछिबेसु । देलेछुं बोसुग़ाद् । एनेलेजु ग़ासुलान् एने लाब्था योगि मोन् बुइ जा गेजु खेलेगेद् । थोथि बारिग़िछद् थुर् याग़ारान् ओछिग़ाद् । थेदेन् दुर् उगुलेरुन् । ख़ाग़ान् थान् दुर् यागुन् जार्लिग़् बोल्बा खेमेखुइ दुर् । थेदे ख़ाग़ान् उ

यदि (खेर्बे) वह शुक राजा आ जाए तो मेरे प्राणों के लिये घातक (खोओर्) होगा । ऐसी सुन्दरी रानी से वियोग कराएगा (ख़ाग़ाछागुल्खु बुइ जा) । यह सोच कर राजा बाहर गया । शुकों को जाल से (उरिख़ादान्) पकड़ने वालों (बारिग़िछद्) को इकट्ठा किया और उनको यों कहा—तुम शुक राजा आदि (एखिलेन्) सब को जाल में (उरिख़ादाजु) पकड़ लो (बारि) और ले आओ । तुमको एक सहस्र पांच सौ स्वर्ण मुद्रा (जोग़ोस्) पुरस्कार दूंगा (शाङनासुग़ाइ) । ऐसा कहने पर वे बहुत प्रसन्न हुए । हम सभी (आलि) पर्वतों में जा कर जाल द्वारा पकड़ लाएंगे (उरिख़ादान् बारिखु बुइ) । यह चर्चा करते हुओं (खेलेल्छेजु बायिखुइ) को एक व्यक्ति ने सुन कर रानी को बात कह सुनाई । रानी ने शालु को कहा—आओ । शालु अपना साधन अर्थात् पूजापाठ (बुथुगेल्) समाप्त करके (दागुसुन्) पहुंच गया (खुछु इरेगेद्)—मुझको किस लिये बुलाया है । रानी किस कारण से अति व्याकुल है । इस पर रानी ने सब (आलिबा) बात पूर्णतया (बुरिन् ए) सुना दी । अब सब शुकों को मार डालेंगे—यह कहा । शालु ने सुना । मूर्छित हो कर (उखुद्गेजु) गिर पड़ा । शीतल (सेरिगुन्) चन्दन के पानी से छिड़का तो (सुछिबेसु) सचेत हो उठा (देलेछुं बोसुग़ाद्) और शोक विलाप करते हुए कहा—यह निश्चय ही वही योगी है । शुक पकड़ने वालों के पास शीघ्रता से (याग़ारान्) गया और उनसे कहा—राजा ने तुमको क्या आदेश दिया है । उन्होंने राजा के

११४ जार्लिग् बोलुग्मान् इ देल्गेरेङगुइ ए उगुलेबेइ। शालु उगुलेरुन्। मिङग़ान् थाबुन् जागुन् जोग़ोस् बुगेसु। बि गुर्बान् सागुल्ग़ा आल्थान् इ ओग्सुगेइ। ख़ान् थोथि बारिग़दाबासु। नादुर् ओग्थुगेइ गेबे। थेदे बेर् उगुलेरुन्। बारिग़दाबासु ओग्गुये गेबे। थेरे थोथिस् उन् ख़ागान् खेगुर् थुर् इयेन् इरेगेद्। खिया बा। खेगुर् इनु उगेइ यिन् थुलादा। येरु आमिथान् इ थुसालाखुइ दुर्। खेरेग् उगेइ याबुदाल् बोल्बाइ। गेदेगुं बेन् बुछाग़ाद्। थोथि यिन् आयिमाग् इ छुग़लागुल्जु। थेङसेल् उगेइ नोम् इ नोम्लाजु सागुबाइ। उरिखाछिन् इयेर् थेरे आग़ुलान् दुर् इरेगेद्। आम्था थु सायिखान् जिमिस् इ उरेजु ओर्खिग़ाद्। उरिखा बान् थोस्छु खेब्थेथेले। निगेन् थोथि इरेगेद्। थेरे जिमिस् एछे इदेगेद्। निगे यि जिगुन् आबाछिजु नोखुद् थेगेन् ओग्बेइ। थेदे नोखुद् इनु इदेगेद् आम्थाशिजु। एने जिमिस्। ओलान् बोल्खुला आब्छु इरेगेद्। ख़ागान् थोथि दुर् बारिया खेमेन् निस्छु ओद्दुग़ाद्। थेरे जिमिस् एछे आब्छु याबुग़साग़ार्। ओलान् इयार् उरिखान् दुर् थोओरोथाबाइ। थेदेन् उ जारिम् आनु छाम् खिजु। जारिम् आनु ख़ागान् उ छाब् बारिजु बायिदाग् बुलुगे। छाब् बारिग़्छिन् थोर्थिस् उरिख़ान् दुर् थोओर्थाग़सान् उ थुला। बुसुद् थोथि आनु खेर्बेर् इरेबेसु। निगेन् इ ओलुग़ाद्। थेगुन् एछे उलाम्जिलान् बुगुदेगेर्

आदेश को विस्तार से बताया। शालु ने कहा—यदि एक सहस्र पांच सौ मुद्रा की बात हो तो (बुगेसु) मैं तीन कलश (सागुल्ग़ा) स्वर्ण दूंगा। यदि शुकराज को पकड़ लो तो मुझे देना। उन्होंने कहा—यदि हम पकड़ पाए तो आपको देंगे।

वह शुकराज अपने शव के पास आया किन्तु उसका अनुचर और शरीर दोनों ही वहां न थे। अतः सामान्य प्राणियों की भलाई करना निरर्थक (खेरेग् उगेइ) घटना (याबुदाल्) हो गई। सो वह पीछे (गेदेगुं बेन्) लौटा (बुछाग़ाद्) और शुकों के झुण्ड को इकट्ठा करके अपरिमित (थेङसेल् उगेइ) धर्म का प्रवचन करता रहा (नोम्लाजु सागुबाइ)। चिड़ीमार (उरिखाछिन्) उस पर्वत में आए और स्वादिष्ठ (आम्था थु) सुन्दर फलों को फैला (उरेजु) छोड़ा (ओर्खिग़ाद्)। तथा अपने जाल को (उरिखा बान्) फैला कर (ओस्छु) लेटे ही थे कि (खेब्थेथेले) एक शुक आया, उन फलों में से खाया और एक फल चोंच से उठा लाया (जिगुन् आबाछिजु) और अपने मित्रों को दिया। उन मित्रों ने उसको खाया। वह स्वाद लगा (आम्थाशिजु)—यदि पर्याप्त हों तो ले आएं और शुकराज को दे देवें (बारिया)। यह कह कर पक्षी उड़ (निस्छु) गये (ओद्दुग़ाद्)। उन फलों में से ले कर चलते २ (याबु-ग़साग़ार्) बहुत से जाल में फंस गये (थोओरोथाबाइ)। उनमें से कुछ (जारिम्) नृत्य करते (छाम् खिजु*), कुछ राजा का भोजन बनाते (छाब् बारिजु) रहते थे (बायिदाग् बुलुगे)। भोजन लाने वाले शुक जाल में (उरिख़ान् दुर्) फंस गये, अतः यदि दूसरे (बुसुद्) आते तो (खेर्बेर् इरेबेसु) एक को पाते (ओलु-ग़ाद्)—उससे धीरे धीरे (उलाम्जिलान्) सब के सब

* श्री बौडन ने खिजु के स्थान में भूल से गेजु पढ़ा है।

११५ छुग़लाजु । बुसु नो़खुद् इयेन् उरिखान् आछा ग़ाग़ाया गेजु याबुरसाग़ार् । थेरे थोथिद् बुगुदेगेर् थोओरान् दु ओरोबाइ । थेदे उरिखाछिन् इरेगेद् । खाग़ान् थोथि बायिना उ खेमेन् आसागुबासु। उुगेइ गेजु खेलेबेइ । थेरे उरिखाछिन् ओबेर् जागुरा बान् खेलेल्छेजु । खाग़ान् थोथि उुगेइ थुला। एदेन् इ बारिजु यागुन् थुसा । खाग़ान् थोथि यि खुलियेये गेजु खेलेल्छेगेद् । निगुजु सागुसान् ग़ाजार् थुर् इयान् ओद्बाइ । खाग़ान् थोथि बेर् थेदेन् इ उुगेयिलेगेद् ।
एरिजु ओलुग़ाद् । खाग़ान् थोथि उुगुलेरुन् । उरिदा उुगेइ इदेगेन् दुर् दाशिगुर्छु । एर्देनि थु ।
आमिन् आछा खाग़ाछाखु गेग्छि एने बुइ जा । बासा एने उरिखान् दुर् बारिसदाबासु सायिन् बुइ जा ।
एदेन् उ आमिन् इ आबुरासुग़ाइ । नामायि आलाखु बुइ जा । एदेन् इ थाल्बिखु बोलाइ खेमेन् सानाग़ाद् । उरिखान् दुर् ओरोबाइ । थेरे उरिखाछिन् इरेग्सेन् दुर् । खाग़ान् थोथि उुगुलेरुन् ।
ओलान् थोथिस् इ उुने देमेइ उलेम्जि ओग्खु उुगेइ । ग़ारछा नामायि बारिसान् इयार् ।
उरिदा यिन् ओग्गुये खेमेग्सेन् इ ओग्खु बुइ जा खेमेबेसु । थेदे उरिखाछिन् एयिन् उुगुलेल्दुरुन् ।
खेल्लेखु उुगे इनु। माशि येखे उखाग़ान् थु बुइ । मिनु खाग़ान् उ खेलेग्सेन् इ मेदेजु
खेलेनेम् बिशिउु गेजु खेलेल्छेगेद् । शालु दुर् ओग्गुये खेमेल्छेगेद् । बुसु थोथिद् इ बुगुदेगेर् इ

इकट्ठे हो गये—अपने दूसरे साथियों को जाल से निकालेंगे (ग़ाग़ाया) इति कहते २ वे सब शुक जाल में फंस गये । चिड़ीमार आये और पूछा—क्या शुकराज है (बायिना उ) । उन्होंने कहा—नहीं । चिड़ीमारों ने परस्पर (ओबेर् जागुरा बान्) चर्चा की—शुकराज न होने से इनको पकड़ने से क्या लाभ (बारिजु यागुन् थुसा) । शुकराज की प्रतीक्षा करेंगे (खुलियेये) । यह कह कर अपने छिप रहने के स्थान में चले गये ।

शुकराज ने उनकी अनुपस्थिति का अनुभव किया (उुगेयिलेगेद्) । उनको ढूंढा (एरिजु) और पा लिया । (ओलुग़ाद्) । शुकराज ने कहा— अपूर्व (उरिदा उुगेइ) भोजन के लिए ललचाना (दाशिगुर्छु) "रत्नमय प्राणों से वियोग" (खाग़ाछाखु) नामक यही है । फिर (बासा) इस जाल में यदि मैं भी फंस जाऊं तो अच्छा होगा । इनके प्राणों को बचा सकूंगा । मुझको तो मार ही देंगे, किन्तु इनको छोड़ देंगे (थाल्बिखु बोलाइ) । यह सोच कर जाल में प्रवेश किया । चिड़ीमार आये । उनको शुकराज ने कहा—बहुत से शुकों का मूल्य (उुने) इतना (देमेइ) अधिक (उलेम्जि) नहीं देगा, केवल (ग़ारछा) मुझको देने से, पहले का (उरिदा यिन्) कहा मूल्य देगा । इस पर चिड़ीमार यूं बोले—इसके कहे शब्द अत्यधिक बुद्धिपूर्ण हैं । राजा के कहे हुए को जानकर यह बोल रहा है न (खेलेनेम् बिशिउु) । यह चर्चा करते हुए कहा—इसको शालु को देंगे । दूसरे सब शुक

११६ थाल्बिबाइ । खाग़ान् थोथि यि आबुग़ाद् । शालु दुर् ओग्बेइ । शालु आबुग़ाद् । गुर्बान् साग़ुल्गा आल्थान् इ ओग्बेइ । शालु । थेरे थोथि यि खाथुन् दुर् इयान् आबाछिजु ओग्गुग्सेन् दुर् । देर्गेदेगेन् ए निगेन् खायिर्छाग़् थु खिगेद् । निगेन् खोनि यि आलाग़ुल्जु शिरेगेन् उ दोओरा थाल्बिग़ाद् । खोशिगे थाथाजु । थेरे खाथुन् येखेदे ग़ाशिग़ुदाग़ाद् । थुरुल्गु बेन् उनाजु खेब्थेग्सेन् दुर् । खाग़ान् बेर् । ग़ार् आछा आनु बारिजु याग़ुन् उ थुलादा । येखेदे ग़ासुलाबाइ खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् उ्रगुलेरुन् । मिनु बोग़दा दुर् आदालि एर्देम् थु बोल्बासु । छिनु खाथुन् बोलुया । थेरे मेथु एर्देम् उ्रगेइ बोल्खुला । याग़ाखिजु खाथुन् बोल्खु बुइ खेमेबेसु । खाग़ान् उ्रगुलेरुन् । थेरे बोग़दा नामायि । खाग़ान् ओरोन् दु साग़ु । बि ओबेर् इयेन् आदुग़ुसुन् आमिथान् इ थोनिल्गाखु यिन् थुला । थोथि यिन् खेगुर् थुर् ओरोग़ाद् ओदुलुग़ा खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् आसाग़ुरुन् । थेरे खाग़ान् बेर् छिमायि ओरोग़ुल्बासु । छि ओबेर् इयेन् खेगुर् थुर् ओरोबाउ खेमेबेसु । बि ओबेर् इयेन् एर्देम् थु यिन् थुला ओरोबा खेमेग्सेन् दु । खाथुन् इयेर् । थेयिमु खेगुर् थुर् ओरोखु उबादिस् इ छिनु उ्रजेये खेमेबेसु । नादुर् निगेन् आमिथान् उ खेगुर् आब्छु इरे । बि ओरोबासु । छि मिनु खाथुन् बोल्खु बुयु खेमेग्सेन् दु । बि छिनु खाथुन्

छोड़ दिये (थाल्बिबाइ) ।

शुकराज को ले लिया और शालु को दे दिया । शालु ने ले कर तीन कलश स्वर्ण दे दिया । शालु उस शुक को अपनी रानी के पास ले आया और दे दिया और उसने अपने पास (देर्गेदेगेन् ए) उसको एक डिब्बे (खायिर्छाग़्) में रख लिया । एक भेड़ मरवा कर अपने सिंहासन के नीचे (दोओरा) डाल दी (थाल्बिग़ाद्) । यवनिका (खोशिगे) तान ली (थाथाजु) । रानी बहुत विलाप करने लगी । पेट के बल (थुरुल्गु बेन्) गिर कर लेट गई । राजा ने उसको हाथ से पकड़ा और पूछा—किस कारण इतना विलाप कर रही हो । रानी ने कहा—यदि तुम मेरे महात्मा के समान गुणवान् हो तो तुम्हारी रानी बनूंगी । किन्तु तुम उसके समान गुणवान् नहीं तो मैं कैसे तुम्हारी रानी बन सकूंगी । उस महात्मा ने मुझको कहा था—तुम राजासन पर बैठो (खाग़ान् ओरोन् दु साग़ु) । मैं स्वयं पशु (आदुग़ुसुन्) प्राणियों की मुक्ति (थोनिल्गाखु) के लिये शुक-शरीर में प्रवेश करूंगा । इस पर रानी बोली—क्या राजा ने तुमको [अपने शरीर में] प्रवेश कराया था अथवा तुमने स्वयं शव में प्रवेश किया था । उसने उत्तर दिया— मैं स्वयं इस विद्या के कारण प्रवेश कर गया । रानी ने कहा—इस प्रकार शव में तुम्हारी प्रवेश-विद्या (उबादिस्) को मैं देखना चाहती हूं । मेरे लिये एक प्राणी का शव ले आओ । यदि मैं प्रवेश करूं तो तुम मेरी रानी बनोगी न । इस पर रानी ने कहा—मैं तुम्हारी रानी

११७ बोलुया खेमेन् खेलेजु । छिनु छाग़ाना खोशिगेन् उ दाल्दा निगेन् उखुग्सेन् खोनि बायिना । थेगुन् दु ओरो खेमेबेसु । ग़ार्छु उजेगेद् । खाग़ान् उ खेगुर् इ शियुगेन् उ देर्गेदे थाल्बिजु । थेरे खोनिन् दुर् ओरोजु बोसुग़ाद् । मायिलान् थुयुलाजु बायिखुइ दुर् । खाथुन् आनु । थोथि यिन् खुजुगुन् इ थासु थाथाग़ाद् ओर्खिबाइ । खाग़ान् खेगुर् थुर् इयेन् ओरोग़ाद् । खार्शि दाग़ान् ओगेदे बोल्बासु । शाग़शाबाद् उन् उनुर् आङ्गिलान् गेयिजु । गिल्बेलेत् इरेखुइ दुर् । खाथुन् दाग़ाल्था बुगुदेगेर् ग़ासुलुन् । खाग़ान् दुर् आयिलाद्खारुन् । आइ बोग़दा मिनु । खामिग़ा याबुजु । मान् इ एयिन् खु जोबाग़ाबाइ खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् बेर् उगुलेरुन् । निगेन् ओलान् थोथिद् इरेगेद् । निगेन् इयेन् आलाग़सान् दुर् । एने आमिथान् निगेन् निगेन् इयेन् आलाखु एयिमु जोबाग़ाङ थु आजुगु खेमेन् सानाग़ाद् । खेगुर् इयेन् खादाग़ालान् बायिलग़ाजु । थेरे आमिथान् इ इयेर् थोनिलग़ाखु यिन् थुलादा। ओछिग़सान् मिनु थेरे बुलुगे । योगि यिन् सेद्खिल् इनु येखेदे ग़ोमुदुबाइ खेमेगेद् । ओर्दु खार्शि दुर् इयान् साग़ुग़सान् दुर् । थेरे खोनि बेर् मेदेन् । देमेइ दुथाग़ाजु । निगेन् येखे ग़ोओल् इ ग़ारुग़ाद् । थेगुन् एछे छिनाग़िश निगेन् आग़ुला यिन् ओबोर् थुर् ग़ाछुँ याबुबासु। थेगुन् दुर् निगेन् आगुइ दुर् साग़ुग़सान् आर्शि उखुग्सेन् इ उजेगेद् । खेगुर् थुर् आनु

बनूंगी। तुम्हारे आगे (छाग़ाना) यवनिका (खोशिगेन्) की ओट में (दाल्दा) एक मृत भेड़ है। इसमें प्रवेश करो। उसने जा कर देखा। राजा के शव को मूर्ति (शियुगेन्) के पास (देर्गेदे) छोड़ कर (थाल्बिजु) उस भेड़ में प्रवेश कर खड़ा हो गया। मैं......मैं......करता हुआ (मायिलान्) कूदने लगा (थुयुलाजु)। रानी ने शुक की ग्रीवा (खुजुगुन्) को टूटने तक (थासु) खींच (थाथाग़ाद्) छोड़ा (ओर्खिबाइ)। राजा अपने शरीर में प्रवेश कर अपने महल में पधारा तो (ओगेदे बोल्बासु) शिक्षापद की सुगन्ध फैली (आङ्गिलान्) और सब ज्योतिर्मय हो गया (गेयिजु)। चमकते हुए पधारने पर रानी, दासी सबने विलाप किया और राजा से निवेदन किया—हे हमारे महात्मन्, आप कहां चले गये थे और हमको इस प्रकार दुःखी कर गये थे (जोबाग़ाबाइ)। इस पर राजा ने कहा—बहुत से शुक आये थे। उनमें से एक मारा गया था। ये प्राणी अपने एक २ के मरने से इतने दुःखी हो गये हैं यह सोच कर अपने शरीर को सुरक्षित (खादाग़ालान्) रख कर (बायिलग़ाजु) उस प्राणी की मुक्ति (थोनिलग़ाखु) के लिये मैं चला गया था (ओछिग़सान् मिनु थेरे बुलुगे)।

योगी का चित्त बहुत दुःखी हुआ (ग़ोमुदुबाइ)। राजा अपने महल में रहने लगा। भेड़ को पता लगा और इधर उधर भाग गई (देमेइ दुथाग़ाजु)। एक बड़ी नदी को पार किया (ग़ारुग़ाद्)। उसके पार (छिनाग़िश) एक पर्वत के पार्श्व पर (ओबोर् थुर्) चढ़ गई। उसमें, एक गुहा में (आगुइ दुर्) रहते हुए ऋषि को मरा पाया (उखुग्सेन् इ उजेगेद्)। योगी [भेड़ के शरीर को छोड़ कर] उसके शरीर में

११८ ओरोबाइ । थेगुन् दुर् बासा छाम् खिजु सागुबाइ । बिकर्मिजिद् । थुग् गिउर् ख़ाद्ख़ागाद् बूरिये थाथाबासु । खाथुद् एखिलेन् । सायिद् थुशिमेद् बुगुदेगेर् छुग़लाजु इरेबेइ । थेदेन् दुर् ख़ाग़ान् जार्लिग् बोलोरुन् । बि येह् याम्बार् बा । ओग्लिगे ओग्खुइ दुर् इयेन् खाथुद् खिगेद् । सायिद् थुशिमेद् बा । ओबेर् उन् आमिन् इयान् ओग्लिगे ओग्खुइ दुर् साग़ाद् बू खिथुगेइ । खेबें साग़ाद् खिखु आबासु । आग़ालाग् थुर् ग़ारुग़ाद् । आरिगुन् याबुदाल् इयार् याबुजु । आमिथान् इ थुमालामुग़ाइ गेबे । ख़ाथुन् खिगेद् । ख़ाद् मायिद् थुशिमेद् इयेर् बुगुदे सोगुद्छु एयिन् आयिलाद्ग्वारुन् । ख़ाग़ान् थोरु यि थेञ्छिबेसु ख़ार्शि दायिसुन् इ खेन् दारुखु बुइ । ख़ामुग् आमिथान् आनु । ख़ाग़ान् उगेइ खेन् इ शिथुखु बुइ । ख़ायिरालाजु ओग्लिगे ओग्खुइ दुर् छिनु बू खिसुगेइ खेमेन् आयिलाद्ख़ाग़्मान् दुर् ख़ाग़ान् जार्लिग् बोलोरुन् । येह् मिनु जार्लिग् आछा दाबाखु बुयु खेमेग्सेन् दुर् । बोग़दा यिन् जार्लिग् आछा बू दाबासुग़ाइ खेमेगेद् थाङ्ग़ारिग़लाबाइ । ख़ाग़ान् बेर् जार्लिग् बोलोरुन् । थाला दुर् इयान् याबुखु छाग् मिनु बोल्बाइ । बारागुन् जुग् निगेन् येखे ग़ोओल् उन् देर्गेदे निगेन् आगुला यिन् ओबोर् थुर् निगेन् आर्शि बुइ । थेगुन् इ खेन् आब्छु इरेखुले ।

प्रविष्ट हुआ । फिर उसमें ध्यान (छाम्) लगा कर बैठ गया ।

विक्रमादित्य ने ध्वजा (थुग्) और पताका (गिउर्) लगवाए (ख़ाद्ख़ागाद्) । शंख बजवाए । रानियों से लेकर सामन्त मन्त्री सब को इकट्ठा किया और कहा—जो भी (येह् याम्बार् बा) दान (ओग्लिगे) हो सो देते समय (ओग्खुइ दुर्) रानियों, सामन्तों, मन्त्रियों, स्वयं अपने प्राणों के दान देने में भी बाधा (साग़ाद्) मत (बू) डालना (खिथुगेइ) । यदि बाधा डालोगे तो (खिखु आबासु) निर्जन में (आग़ालाग् थुर्) जा कर शुद्ध जीवन-यात्रा करूंगा और प्राणियों का भला करूंगा । इस पर रानी और राजा, सामन्त और मन्त्री सबने घुटने टेके (सोगुद्छु) और निवेदन किया—हे राजन्, यदि तुम शासन को छोड़ दोगे तो विद्रोहियों (ख़ार्शि) और शत्रुओं का कौन (खेन्) दमन करेगा । सब प्राणी राजा के बिना किस को शरण (शिथुखु) बनाएंगे । करुणा करके (ख़ायिरालाजु) दान देने में हम बाधा न डालेंगे (बू खिसुगेइ) । यह निवेदन करने पर राजा ने आदेश दिया—क्या तुम मेरे आदेश को टालोगे। सब ने प्रतिज्ञा की (थाङ्ग़ारिग्लाबाइ)—हम महात्मा के आदेश को नहीं टालेंगे । राजा ने कहा—स्थल प्रदेश में मेरा जाने का समय हो गया है। पश्चिम दिशा (बारागुन् जुग्) में एक बड़ी नदी के पास एक पहाड़ के पार्श्व (ओबोर्) में एक ऋषि रहता है । उसको जो कोई भी ले कर आएगा

११६ ओग्लिगे ओग्सुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । ख़ुराग़मान् उलुस् उुगुलेल्दुरुन् । बिदे ओग्लिगे आब्छु
ओछ्गिसान् आछा । आबुल् उुगेइ जालाजु इरेखुले जोखिखु बुइ जा गेजु बुलियाल्दुन् याबुग़ाद् ।
आर्शि यि जालाजु इरेगेद् ख़ाग़ान् उ देर्गेदे ओरोगुल्बासु । ख़ाग़ान् बेर् थाब्छाङ देब्रेस्छु
ओग्बेसु । आर्शि बेर् साग़ुग़मान् दुर् । ख़ाग़ान् जार्लिग़् बोलोरुन् । आइ आर्शि सेद्ख्लिल् इयेन्
बू जोबा । छिनु सेद्खिल् इ ख़ाङग़ासुग़ाइ । एगुन् एछे ख़ोयिना ख़ोओर् थु माग़ु सेद्खिल् इ
थेब्छिजु । ख़ोथाला आमिथान् उ थुमा इ सेद्खिजु । खोगुसुन् छिनार् इ बिशिल्ग़ाबासु ।
बोदि खुथुग़् थुर् खुर्खु इनु । लाब्था बुइ जा । नामायि आगुला थाला दुर् याबुखु दु ।
मिनु ओरोन् इ छि बाग्जि ख़ाथुन् इ मिनु आबुथुग़ाइ । नामायि इरेखुइ दुर् । छि छाम् दु
साग़ुथुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे आर्शि बेर् येखेदे बायास्बाइ । ख़ाथुन् आनु गेम्शिबेसु छु ।
ख़ाग़ान् उ जार्लिग़् आछा उुल् दाबाखु यिन् थुलादा बोल्बाइ । थेरे छाग़् थुर् । निगेन् येखे आर्शि
बुइ बुलुगे । थेरे निगेन् खोबेगुन् थेइ आजिगु । थेरे खोबेगुन् इयेन् एर्देम् सुरुथुग़ाइ गेजु
खेलेबेसु । वि सुरुम्जा खेमेन् खेलेगेद् । उुलु बोलुन् याबुबाइ । थेरे आर्शि बेर् थुर्गेन् एबेद्छिन्

उसको दान दूंगा। एकत्रित हुए लोगों ने कहा—हम दान ले कर जाने की अपेक्षा (ओछ्गिसान् आछा) लिये बिना (आबुल् उुगेइ) बुला कर आ जाएंगे (जालाजु इरेखुले) तो ठीक होगा।

यह कह कर वे स्पर्धा करते हुए चले गये (बुलियाल्दुन् याबुग़ाद्) और ऋषि को बुला लाए। राजा के पास प्रवेश कराया। राजा ने आसन (थाब्छाङ) बिछा दिया (देब्रेस्छु ओग्बेसु)। ऋषि बैठ गया। राजा ने कहा—हे ऋषि, चित्त में शोक मत करो। मै तुम्हारी कामना को सन्तुष्ट करूंगा (ख़ाङग़ासुग़ाइ)। यदि तुम आज के पश्चात् विषमय (ख़ोओर् थु) दुष्ट (माग़ु) विचारों को छोड़ कर (थेब्छिजु) सब (ख़ोथाला) प्राणियों की भलाई की चिन्ता करोगे तो शून्यता (ख़ोगुसुन् छिनार्) पर ध्यान लगाकर (बिशिल्ग़ाबासु) बोधितत्त्व में (बोदि खुथुग़् थुर्) पहुंच जाओगे। यह निश्चय है (लाब्था बुइ जा)। मेरे पर्वत और स्थल प्रदेशों में यात्रा के समय तुम मेरे आसन को ग्रहण करो और मेरी रानी को भी ले लो। मेरे लौटने पर तुम ध्यान में बैठना। इस पर वह ऋषि बहुत प्रसन्न हुआ। रानी दुःखी हुई भी पर (गेम्शिबेसु छु) राजा के आदेश को न टाल सकी।

उस समय एक महर्षि था। उसका एक पुत्र था। वह अपने लड़के को अपनी विद्या सीखने को कहता था। लड़के ने कहा — मै सीखूंगा (बि सुरुम्जा)। किन्तु उसने कुछ न सीखा। ऋषि अकाल रोग से (थुर्गेन् एबेद्छिन्)

१२० ख्वुर्थेगेद् उखुखुइ ए ओयिराथुग्मान् उ थुला। खोबेगुन् इनु नादुर् नोम् जिग़ाजु आछा गेबे। आर्शि उगुलेरुन्। उखुग्मेन् खुमुन् एछे नोम् सुर्दाग़् बिलिउ। बासा थाखिजु दाखिन् जिग़ाजु आछा गेबे। थेरे आर्शि आमिन् इयान् ग़ार्खुइ दुर्। जाद्बाबू दाद्बाबू खेमेजु खेलेगेद् उखुबेइ। एछिगे यिन् बुयान् इ उइलेदुगेद्। थेरे खोबेगुन् इ ख्वुमुन् जालाबासु। नोम् उलु मेदेखु यिन् थुलादा जाद्बाबू दाद्बाबू गेखुइ दुर्। आर्शि यिन् खोबेगुन् थेनेग् एबेद्छि थु बोल्जु देमेइ दोङग़ुद्दुनाम् गेजु खेलेल्छेगेद् थोग़ोम्जि उगेइ बोल्बाइ। थेरे खोबेगुन्। बि नोम् इयान् बिर्कमिजिद् थुर् खुदाल्दुग़ाद्। आल्थान् आब्छु आमिन् इयान् थेजियेसुगेइ खेमेन् सानाग़ाद्। बिर्कमिजिद् उन् खोथान् दुर् जोर्छिबाइ। खुरुगेद् साङ उन् गेर् थुर् ओरोग़ाद्। खाग़ान् दुर्। बि नोम् ग्वुदाल्दुखु खुमुन् बिले खेमेग्सेन् दुर्। साङ इ खादाग़ालाग़्छिन् उगुलेरुन्। छिनु नोम् याम्बार् नोम् बुइ गेखुइ दुर्। उरिद् सुरुग्सान् उगे बेन् खेलेबेइ। थेयिमु नोम् गेग्छि यि मेदेखु उगेइ। ग़ारु ख्वेमेन् ख्वोगेजु ग़ार्ग़ाबाइ। बिर्कमिजिद् खोथान् आछा ग़ार्खुइ दुर्। बुरियै बिशिगूर् थाथाजु। छाङ खेङ्गर्गे देलेद्छु। साङ उन् गेर् थुर् ओगेदे बोल्बासु। आर्शि यिन् खोबेगन् उछाराग़ाद्। खाग़ान् दुर् मोर्गुजु। बि निगेन् नोम् इ

ग्रस्त हो कर (ख्वुर्थेगेद्) मरणासन्न हो गया (उखुखुइ ए ओयिराथुग्सान्)। अत: लड़के ने कहा—मुझे धर्म (नोम्) सिखलाइये (जिग़ाजु आछा)। ऋषि ने कहा—मरते हुए जन से धर्म सीखते हैं क्या (मुर्दाग़् बिलिउ)। फिर पुनः (थाखिजु) दोबारा (दाखिन्) सिखलाने के लिये कहा। ऋषि ने प्राणों के निकलते २ "यद् भावि तद् भावि" (जाद् बाबू ताद् बाबू) यह कहा और मर गया।

पिता के संस्कार (बुयान्) करने पर, उस लड़के को लोगों ने बुलाया (जालाबासु)। लड़के ने धर्म न जानने के कारण कहा—यद् भावि तद् भावि। लोगों ने, ऋषि का पुत्र मूर्ख (थेनेग्) है। यह रोगी (एबेद्छि थु) बन कर (गोल्जु) व्यर्थ में बक रहा है (देमेइ दोङग़ुद्दुनाम्), ऐसी चर्चा की और उसकी ओर ध्यान (थोग़ोम्जि) नहीं दिया। लड़के ने सोचा—मैं अपने धर्म-ज्ञान को विक्रमादित्य के पास बेचूंगा और स्वर्ण पा कर अपने प्राणों को पालूगा (थेजियेसुगेइ)। यह सोच कर विक्रमादित्य के नगर में चला गया (जोर्छिबाइ)। वहां पहुंच कर निधिगृह (साङ उन् गेर्) में प्रवेश किया और कहा—मैं राजा के पास धर्म-ज्ञान बेचने वाला व्यक्ति हूं। निधि के रक्षक (खादाग़ालाग़्छिन्) ने कहा—तुम्हारा धर्म-ज्ञान कैसा है। उसने पहले सीखे हुए अपने वचन कहे। निधिरक्षक ने कहा—इस प्रकार के धर्म कहलाने वाले (गेग्छि) वचनों को मै नहीं जानता। निकल जाओ (ग़ारु)। यह कह कर उसको भगा कर निकाल दिया (खोगेजु ग़ार्ग़ाबाइ)।

विक्रमादित्य नगर से बाहर निकल रहा था। शंख और शहनाई बज रहे थे। झांझ और ढोल पिट रहे थे। जब उसने निधिगृह में प्रवेश किया तो उसको ऋषिपुत्र मिला (उछाराग़ाद्)। उसने राजा को नमस्कार कर निवेदन किया—मै एक धर्म-ज्ञान को

१२१ खुदाल्दुखु बुलुगे खेमेन् आयिलाद्खाबासु । खाग़ान् । नोम् छिनु याम्बार् नोम् बुइ खेमेबेसु । मोन् उरिद् उगे बेन् खेलेबेइ । खाग़ान् खेदुइ छिनेगेन् याग़ुमा आछा ओग्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । ग़ुर्बान् साग़ुल्ग़ा आल्थान् आछा ओग्खु गेबे । खाग़ान् बेर् । साङ खादाग़ालाग़्छिद् थुर् । ग़ुर्बान् साग़ुल्ग़ा आल्थान् इ ओग् खेमेबे । साङ खादाग़ालाग़्छिन् उगुलेल्दुरुन् । एने जुगेर् खोबेगुन् बुसु बुइ जा । बोग़दा खाग़ान् मेदेगेद् शाङनाजु ओग्बेइ । बिदे उलु मेदेखु गेग्छि एने बायिनाम् गेजु । आल्थान् इयान् ओग्गुगेद् । खुन्दुलेजु खारिग़ुल्बाइ । बिर्कामिजिद् । ग़ुर्बान् सारा याबुजु । निगेन् खोथान् दुर् खुर्बेइ । थेरे खोथान् दुर् । निगेन् येखे खाग़ान् बुइ आजिग़ु । थेगुन् दुर् निगेन् येखे नोम्छि आर्शि बुइ बुलुगे । थेरे आर्शि दुर् । खाग़ान् उ ओखिन् । छेरिग् उन् नोयान् उ ओखिन् । बाग़ाथुर् थुशिमेल् उन् ओखिन् । उखाग़ान् थु थुशिमेल् उन् ओखिन् । थेरे दोर्बेन् ओखिन् । आर्शि दुर् नोम् जिग़ाल्ग़ाजु याबुदाग़् बुलुगे । बिर्कामिजिद् थेरे आर्शि दुर् उगुलेरुन् । बि उने उगेइ एर्देम् जिग़ाल्ग़ाखु खुमुन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । छिनु नेरे खेन् बुइ खेमेवेसु । मिनु नेरे जाद्बाबू दाद्बाबू गेबे । याम्बार् छु उगे खेलेबे ।

बेचना चाहता हूं । राजा ने कहा—तुम्हारा धर्म कौन सा धर्म है । उसने वे ही पहले शब्द कहे । राजा ने पूछा—कितने (खेदुइ) प्रमाण (छिनेगेन्) की सामग्री (याग़ुमा) तुमको देनी होगी (ओग्खु बुइ) । उसने कहा—तीन कलश स्वर्ण देना होगा । राजा ने निधिरक्षक से कहा—तीन कलश स्वर्ण दे दो । निधिरक्षकों ने एक दूसरे से कहा—यह साधारण (जुगेर्) लड़का नहीं हो सकता । महात्मा राजा ने समझ कर इसको उपहार दिया है । हम अज्ञानी हैं । यह कह कर उसको स्वर्ण दे कर सम्मानपूर्वक (खुन्दुलेजु) लौटाया (खारिग़ुल्बाइ) ।

विक्रमादित्य तीन मास चल कर एक नगर पहुंचा । उस नगर में एक महाराज रहता था । वहां एक परमधर्मज्ञ (नोम्छि) ऋषि था । राजकुमारी, सेनापति-कुमारी, वीरमन्त्रि-कुमारी और बुद्धिमन्त्रि-कुमारी, ये चारों कुमारियां ऋषि के पास (आर्शि दुर्) धर्म सीखने (जिग़ाल्ग़ाजु) जाती थीं । विक्रमादित्य ने उस ऋषि से कहा—मैं अमूल्य विद्याओं को सीखने वाला व्यक्ति हूं । ऋषि ने पूछा—तुम्हारा क्या नाम है । उसने कहा—यद् भावि तद् भावि । ऋषि जो भी पूछता, वह उत्तर देता—

१२२ जाद्बाबू दाद्बाबू गेजु याबुबाइ। थेरे आर्शि यिन् गेर् थुर् याम्बार् बा उुइले यि उुइलेद्छु याबुसान् दुर्। आर्शि येखेदे खायिरालाबाइ। निगेन् खान् खुमुन् एबेद्छु। आर्शि यि जालाखुइ दुर्। आर्शि ओबेर् उुन् खोबेगुन् इयेन् इरे गेजु सुर्गाखु उुगे खेलेबे। एने खेउुखेद् थु नोम् सायिखान् जिगाजु ओग्। थाछियाङगुइ यिन् नोम् इ बू उुइलेद्। थाछियाङगुइ येखेद्बेसु थामु दुर् थोरोजु। थोनिल्खु यिन् मोर् थुर् थोद्खार्दागिछ। थेमुर् थोओर् थुर् थोओर्थागिसान् शिबागुन् मेथु गेम् थु बोलाइ गेजु सुर्गागाद् याबुबाइ। खोयिना निगेन् एदुर् थेरे बागिश यिन् खोबेगुन्। थेदेगेर् खेउुखेद् इ जोदोबाइ। थेरे खेउुखेद् उुगुल्लेरुन्। बिदे याम्बार् गेम् उुइलेद्वे खेमेखुइ दुर्। खोबेगुन् उुगुलेरुन्। मिनु उुगे बेर् बोल्खु बुयु खेमेग्सेन् दुर्। बोलुया गेबे। बागिश यिन् खोबेगुन् उुगुल्लेरुन्। एने सोनि खागान् उ ओखिन्। चन्दन् मोदुन् उ इरुगार् थु इरे। छेरिग् उुन् नोयान् उ ओखिन्। बोदि मोदुन् उ इरुगार् थु इरे। बागाथुर् थुशिमेल् उुन् ओखिन्। थारिसान् छेछेग् उुन् दोथोरा इरे। उख्रागान् थु थुशिमेल् उुन् ओखिन्। जिमिस् थु मोदुन् दुर् इरे गेजु बोल्जुगा खेलेल्छेबे। जाद्बाबू खोबेगुन् मोनुमुगाद्।

यद् भावि तद् भावि। वह उस ऋषि के घर में सब काम काज करता रहा। ऋषि उससे बहुत प्यार करने लगा। एक राज-जन रोगी हुआ। ऋषि को बुलाया गया। ऋषि ने अपने लड़के को बुलाया और शिक्षावचन कहे—इन लड़कियों को धर्म अच्छी प्रकार सिखादो (जिगाजु ओग्)। केवल कामशास्त्र (थाछियाङगुइ यिन् नोम्) नहीं। यदि काम बहुत हो जाए तो नरक (थामु) में जन्म होता है। मोक्ष के मार्ग में बाधा डालने वाले (थोद्खार्दागिछ) लोहे के जाल में फंसे हुए पक्षी के समान दण्ड पाते हैं (गेम् थु बोलाइ)। यह शिक्षा दे कर ऋषि चला गया।

तत्पश्चात् एक दिन ऋषि-पुत्र ने उन लड़कियों को पीटा (जोदोबाइ)। लड़कियों ने कहा—हमने क्या दोष किया है। लड़के ने कहा—तुम मेरे वचन के अनुसार करोगी क्या। उन्होंने कहा—करेंगी। अध्यापक के पुत्र ने कहा—आज रात को राजकुमारी चन्दन वृक्ष की जड़ में आए। सेनापति की कुमारी बोधिवृक्ष की जड़ में आए। वीर मंत्री की कुमारी लगाए हुए फूलों के बीच में आए। बुद्धिमान् मन्त्री की कुमारी फलवान् वृक्षों में आए।

यद् भावि तद् भावि ने (यह सब बात) सुनी

१२३ एखे दुर् आनु उगुलेरुन्। आइ एखे मिनु । थेरे खोबेगुन् छिनु ग़ाल्जागुराखु बुइ जा । येखेद्बेसु । बाग्शि खिगेद् थान् उ आमिन् दुर् खोओर् बोल्खु बोलाइ खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् । थेरे याम्बार् याम्बार् गेम् खिबेइ खेमेग्मेन् दुर् । खोबेगुन् उ याम्बार् बा उछिर् इ देल्गेरेङगुइ ए खेलेबेसु । एखे इनु आयुग़ाद् याग़ाखिखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । जाद्बाबू उगुलेरुन् । खोबेगुन् उ इरेमेग्छे ख़ाग़ाल्ग़ा बान् बाथुलाग़ाद् बू ग़ार्ग़ा । एने सोनि गेजु बोल्जुग़सान् गेबे । मोन् खोबेगुन् इनु इरेगेद् । नादा इदेगेन् आछ़ा । निगेन् नोम् इ उइलेद्खु यिन् थुलादा । एने सोनि ओछिखु बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । एखे इनु इदेगेन् इ खिजु ओग्गुगेद् । ख़ाग़ाल्ग़ा बान् बाथुलाजु खाग़ाग़ाद् साग़ुबाइ । थेरे इदेगेन् इ इदेजु दाग़ुसुग़ाद् सोनि बोलुग़सान् छाग् थुर् । ग़ादाना ग़ारुया गेबेसु । एखे इनु छूग़ालाजु बेखिलेग्मेन् उ थुलादा एसे ग़ार्बाइ । एखे दुर् इयेन् इरेगेद् । खाग़ाल्ग़ा थायिलाजु आछ़ा गेबे । एखे इनु उगुलेरुन् । आनो ए उदेशि ग़ादाना ग़ार्खु खेरेग् उगेइ । नोम् उइलेद्खु बुगेसु सुमे छिनु एने बायिना खेमेखुइ दुर् । खोबेगुन् इनु उखिलान् बार्खिराजु ख़ाग़ाल्ग़ा थायिला गेजु बायिबाइ । थेरे जाद्बाबू

और मां से कहा—हे मेरी मातः, तुम्हारा लड़का बावला (ग़ाल्जागुराखु) ही हो गया है। यदि बढ़ता गया तो (येखेद्बेसु) अध्यापक और तुम्हारे प्राणों को हानि पहुंचाएगा। उस ने पूछा—लड़के ने क्या २ दोष किया है। उसने लड़के की सब बातों को विस्तार पूर्वक कह सुनाया। उसकी मां डर गई और कहा—क्या किया जाए। यद् भावि तद् भावि ने कहा—लड़के के आते ही (इरेमेग्छे) अपने द्वार को दृढ कर देना (बाथुलाग़ाद्) और उसको बाहर मत निकलने देना। आज रात भर के लिये यह निश्चय है (गेजु बाल्जुग़सान् गेबे)। वह लड़का आया और कहा—मुझे खाने के पश्चात् एक धर्म-कृत्य के लिये आज रात जाना है (ओछिखु बुलुगे)। इसकी माता ने भोजन बना कर दे दिया (खिजु ओग्गुगेद्) और अपने द्वार दृढ़ता से (बाथुलाजु) बन्द करके (ख़ाग़ाग़ाद्) बैठ गई (साग़ुबाइ)। भोजन खा कर और समाप्त कर (दाग़ुसुग़ाद्) रात होने के समय कहने लगा— मै बाहर जाऊंगा (ग़ादाना ग़ारुया)। मा ने ताला लगा कर (छूगालाजु) दृढ़ कर दिया था। अतः वह बाहर नहीं निकल सका। उसने मां के पास आ कर कहा—द्वार खोल दो (थायिलाजु आछ़ा)। मां ने कहा—आज सन्ध्या (उदेशि) बाहर निकलने की आवश्यकता नहीं। यदि धर्म-कृत्य करना है तो तुम्हारा मन्दिर यहां पर ही है। लड़का रोया (उखिलान्) चिल्लाया (बार्खिराजु) और कहता रहा—द्वार खोल दो, द्वार खोल दो।

यद् भावि तद् भावि

१२४ थेरे छिलुगेन् दुर् ओछिग़ाद् । ख़ाग़ान् उ ओखिन् उ बोल्जुग़ा दुर् खुछुं खेञ्थेबेसु । ख़ाग़ान् उ ओखिन् इरेगेद् । मोन् छाग् थुर् ओखिन् इ आञ्खुइ दुर् । याम्बार् बा खुञ्छासुन् इ एरे दुर् एमुस्खेदेग् योसु बुलुगे खेमेन् । थेरे खुजुगुन् उ छिमेग् थेरिगुथेन् एल्देब् खुञ्छामुन् इ आञ्छु इरेगेद् । सायिन् उनुर् थेन् इ इनु बेये दुर् सुछिगेद् । बाग़िश यिन् खोबेगुन् बोस् खेमेखुइ दुर् । जाद्बाबू दाद्बाबू गेजु खेलेगेद् बोस्बाइ । ओखिन् उगुलेरुन् । उरिदु उरिदु यिन् इरुगेल् बोल्दाग् आजि । ओनो ए एदुर् उन् आग़ा जासादाग् इयार् उलु बोल्खु खेमेगेद् ख़ारिबाइ । जाद्बाबू दाद्बाबू मोन् खेञ्थेजु बायिबासु । आशि यिन् खोबेगुन् इनु । एलिगे मिनु एबेद्दुनेम् । गेर् थु बागुबासु । बुर्लान् दुर् बुजार् बोल्खु । छि नामायि बारिजु बाइ । बि ग़ादाना ग़ारुया खेमेग्सेन् दुर् । एखे इनु खोबेगुन् इ ग़ादाना ग़ार्ग़ाबाइ । एखे बेन् थुल्खिजु ओर्खिग़ाद् । याबुजु बोल्जुग़ा थु ग़ाजार् आ खुरुन् गेखुले । जाद्बाबू दाद्बाबू छि याम्बार् खोओर् थु खोबेगुन् बिले। मिनु उन्थाखु ग़ाजार् थुर् यागुन् दु इरेबे गेजु खोयागुला खेरुल्दुबेइ । जाद्बाबू दाद्बाबू याबुबाइ । थेरे खोबेगुन् थेन्दे बेन् खेञ्थेग्सेन् दुर् । जाद्बाबू खोबेगुन् इनु । नोयान् उ

इस बीच में (छिलुगेन् दुर्) पहुंच गया । जब वह राजकुमारी के संकेत-स्थान (बोल्जुग़ा) पर पहुंच कर लेटा तो राजकुमारी आई । उन दिनों (मोन् छाग् थुर्) कन्या के विवाह पर (आञ्खुइ दुर्) जो भी (याम्बार बा) वस्त्र (खुञ्छासुन्) वर को (एरे दुर्) पहनाने की विधि थी (एमुस्खेदेग् योसु बुलुगे), वह कण्ठ का हार (खुजुगुन् उ छिमेग्) आदि नाना सम्भार ले आई। सुन्दर सुगन्ध से इसके शरीर को सुवासित कर (सुछिगेद्) बोली—गुरुपुत्र उठो ।

"यद् भावि तद् भावि" यह कह कर वह उठा । लड़की ने कहा—पुराने पूर्व के प्रणिधान (इरुगेल्) से [विवाह-संयोग] होता है । आज दिन की चतुराई तथा छल कपट से नहीं होता* । यह कह कर चली गई ।

यद् भावि तद् भावि वहीं लेटा रहा ।

ऋषिपुत्र ने कहा—मेरा यकृत् (एलिगे) दुखता है (एबेद्दुनेम्) । मैं घर में शौच करूंगा तो (बागुबासु) बुद्ध के लिये अपवित्र होगा । तुम मुझको पकड़े रहो । मैं बाहर निकलूंगा । मां ने लड़के को बाहर निकाला । उसने अपनी मां को धकेल छोड़ा (थुल्खिजु ओर्खिग़ाद्) और चलता हुआ । संकेत स्थान पर पहुंचा ही था कि यद् भावि तद् भावि ने कहा—तुम कैसे दुष्ट लड़के हो । मेरे सोने के (उन्थाखु) स्थान पर क्यों आए हो । यह कह कर दोनों (खोयागुला) लड़ पड़े (खेरुल्दुबेइ) । यद् भावि तद् भावि चला गया । वह लड़का वहा लेट गया। यद् भावि तद् भावि लड़के ने सेनापति की

*श्री बॉडन का अनुवाद सर्वथा भ्रान्त है "This is a prayer from olden times. I cannot conform to today's false trickery."

१२५ ओ़खिन् थुशिमेल् उन् ओ़खिन् सेल्थे यि उरिदु योसुगार् खारिगुल्बाइ । मो़न् आर्शि यिन् खो़बेगुन् । मो़र् मो़र् थु आनु ओरोग़ाद् खोगुसुन् इयार् खारिबाइ । थेरे छाग् थुर् खाग़ान् उ ओ़खिन् बोल्खुला । खुर्गेन् दु ओ़ग्खुइ दुर् । आल्थान् इयार् छिमेग्लेजु ओ़ग्खु । नोयान् उ ओ़खिन् इ मो़ङगु इयेर् छिमेखु । थेगुन् एछे बुसुद् इ आलि ओल्दाग़सान् इयार् छिमेदेग् बुलुगे । थेन्दे एछे जाद्बाबू देमेइ आल्जिल् उुगेइ खो़ला याबुग़ाद् । बुरुगु नोम् थु खारा थुशिमेल् नेरे थु । निगेन् खाग़ान् उ ओरोन् दुर् खुर्बेइ । थेरे खाग़ान् बेर् । निगे जो़ब् नोम् थु खाग़ान् उ ओ़खिन् इ गुयुन् आबुग़मान् दुर् । थेरे ओ़खिन् बि खाग़ान् दुर् ओछिखु उुगेइ । खेर्बेर् ओछिबासु । बेये बेन् मिङग़ान् खेसेग् एल्देसुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खाग़ान् आग़ुर्लाजु । थेगुन् इ याङखान् बोल्ग़ाबाइ । थेगुन् दुर् एदुर् खेदुन् खुमुन् याबुबासु मो़ङगु आब्खु बुलुगे । थेगुन् दुर् निगेन् खेङ्गेर्गे उयाग़ाद् । निगेन् देलेद्बेसु छेन् आब्खु । खेदुइ छिनेगेन् देलेद्बेसु । थेदुइ छिनेगेन् छेन् आब्खु बुलुगे । जाद्बाबू खो़बेगुन् खुरुगेद् । खेङ्गेर्गे उन् बिछिग् इ उुजेगेद् । थोग़ा उुगेइ ओलान् था देलेद्बेइ । खागान् बेर् मोनुसुगाद् । याम्बार् ओलान् उलुस्

लड़की, मंत्री की लड़की, सब (सेल्थे) को पहले समान लौटा दिया । उस ऋषिपुत्र ने एक २ मार्ग में प्रवेश किया और शून्य पा कर लौट गया ।

उन दिनों यदि राजकुमारी होती तो (बोल्खुला) वर को (खुर्गेन् दु) देते समय (ओ़ग्खुइ दुर्) स्वर्ण से आभूषित कर (छिमेग्लेजु) देते थे । सेनापति की कन्या को चांदी से आभूषित करते (मोङगु इयेर् छिमेखु) । इससे भिन्न (बुसुद्) को जो कुछ मिलता (आलि ओल्दाग़सान्) उसी से आभूषित करते ।

तब यद् भावि तद् भावि इधर उधर (देमेइ) बिना थके हुए (आल्जिल् उुगेइ) दूर (खोला) चला गया और मिथ्या धर्म वाले (बुरुगु नोम् थु) कृष्णमंत्री (खारा थुशिमेल्) नाम के एक राजा के देश में पहुंच गया । इस राजा ने एक सम्यग्धर्म वाले (जो़ब् नोम् थु) राजा की कन्या को मांग कर (गुयुन्) उससे विवाह किया था (आबुग़मान् दुर्) । वह लड़की बोली—मै राजा के पास न जाऊंगी (आछिखु उुगेइ) । यदि (खेर्बेर्) जाऊंगी तो (ओछिबासु) अपने शरीर के एक सहस्र खण्ड कर दूंगी (खेसेग् एल्देसुगेइ) । इस पर राजा रुष्ट हो गया (आग़ुर्लाजु) और उसको वेश्या बना दिया (याङखान् बोल्ग़ाबाइ) ।

उसके पास (थेगुन् दुर्) दिन में जितने भी व्यक्ति जाते, उनसे धन ले लिया जाता । उसके पास एक ढोल लटका दिया गया था (उयागाद्) । यदि एक बार बजाते तो एक माशा (छेन्) मिलता । जितनी बार बजाते, उतने ही माशे धन मिलता । यद् भावि तद् भावि लड़का आया । ढोल पर लिखा हुआ देखा । असंख्य (थोगा उुगेइ) बार बजाया । राजा ने सुना । कितने (याम्बार्) अधिक (ओलान्) लोग

१२६ छुग़लाग़सान् बोल्बा गेजु बायालग़ाद् । निगेन् थुशिमेल् इ इलेगेजु उजेगुलुग्सेन् दु । ग़ारछाखान् खुमुन् गेजु इरेबेइ । एबेद्छि थेइ खुमुन् बोल्बाउ । याम्बार् खुमुन् बोल्बा गेजु खेलेल्छेबेइ । थेरे खाथुन् खोयार् दाग़ागुल् थाइ बुलुगे । थेरे ओखिन् इयेन् इलेगेजु उजे खेमेबेसु । निगेन् खुमुन् बायिनाम् गेजु इरेबे । निगेन् ओखिन् इ जासाग़ाद् निगेन् ओरोगे बायिशिङ दुर् ओरोगुलुग़ाद् । दिङ साथाग़ारसान् दुर् । दालाबु उम्थाग़ाजु ओखिबा । खोबेगुन् उगुलेरुन् । दिङछि एमे दिङ इयेन् शिथाग़ा गेबे । थेरे ओखिन् । खाथुन् दाग़ान् ओछिग़ाद् । नामायि दिङछि गेजु एसे बोल्बाइ । ओरो देबिस्खेर् जासारि़छ ओखिन् इयेन् इलेगेबे । ओरो देबिस्खेर् जासाबासु दालाबु आबुग़ाद् बुरु ओखिजु बायिबा । बासा बिकर्मिजिद् उगुलेरुन् । ओरो जासारि़छ एमे । ओरो जोब् जासा गेबे । थेरे ओखिन् बामा ओछिग़ाद् । खाथुन् दाग़ान् उगुलेरुन् । नामायि ओरो जासारि़छ गेजु एसे बोल्बा खेमेग्सेन् दुर् । खाथुन् इयेर् उगुलेरुन् । एने बुगुदे यि मेदेखु उखाग़ान् थु बोल्बाउ । खेङगेर्गे ओलान् देलेद्खु बुगेसु बोदिसादुआ बोल्बाउ । याम्बार् खोबेगुन् बायिना गेजु आसागुवा । ओखिन् उगुलेरुन् । खुमुन् उ बेयेन् एछे खेथुर्खेइ उलेम्जि बेये थेइ । सुर् जिब्खुलाङ थु बायिना

इकट्ठे हुए होंगे (छुग़लाग्सान् बोल्बा), यह सोच कर प्रसन्न हुआ । एक मन्त्री को भेजा । देख कर मंत्री आया और कहा—केवल एक व्यक्ति है । क्या रोगी जन है, किस प्रकार का जन है, यह चर्चा करने लगे ।

उस रानी के दो दासियां थीं । उसने इन दासियों को भेजा कि देख आओ । लड़कियों ने कहा—केवल एक जन है । उसने एक लड़की को आभूषित कर (जासाग़ाद्) एक स्तम्भकोष्ठ (ओरोगे बायिशिङ pavilion) में प्रवेश कराया (ओरोगुलुग़ाद्) । जब उसने दीपक (दिङ) जलाया तो (साथाग़ारसान् दुर्) दालाबु ने बुझा छोड़ा (उम्थाग़ाजु ओखिबा) । लड़के ने कहा—दीपक वाली वनिते, अपना दीपक जलाओ (शिथाग़ा) । लड़की अपनी रानी के पास गई और कहा—मुझको दीपक वाली कहते है और कुछ नही मानते (एसे बोल्बाइ) । पलंग (ओरो) और बिस्तर (देबिस्खेर्) बिछाने वाली (जासारि़छ) लड़की को भेजा । पलंग और बिस्तर बिछाया तो दालाबु ने उठा कर (आबुग़ाद्) उल्टा छोड़ा (बुरु ओखिजु बायिबा) ।

फिर विक्रमादित्य ने कहा—पलंग बिछाने वाली वनिते, पलंग ठीक बिछाओ । वह लड़की भी चली गई और अपनी रानी से कहा—मुझको पलंग बिछाने वाली कहते हैं और कुछ नहीं मानते । रानी बोली—क्या वह सब कुछ जानने वाला पंडित है । ढोल को बहुत बार बजाया है तो क्या बोधिसत्त्व है । कैसा लड़का है । यह पूछने पर दासी ने कहा—व्यक्ति के शरीर से आवश्यकता से अधिक (खेथुर्खेइ उलेम्जि) ओजस्वी तेजस्वी शरीर है ।

१२७ गेबे । थेयिमु बोल्वासु आब्छु इरे गेवे । ख़ाग़ान् बेर् इरेजु तुजेगेद् इनियेबेइ ।
ख़ाथुन् इयेर् तुजेगेद् बायासुन् इनियेबेइ । ख़ाग़ान् उ बेयेन् एछे छाग़ान् ओङ्गे थेइ गेरेल्
ग़ारुग़ाद् । बासा एर्गेजु बायिना । ख़ाथुन् उ जिरुखेन् दुर् शिङ्गेबेइ । ख़ाथुन् उ बेयेन् एछे
उलाग़ान् ओङ्गे थु गेरेल् ग़ारुग़ाद् । बासा ख़ाग़ान् उ बेयेन् दुर् शिङ्गेबेइ । ख़ाग़ान् । ख़ाथुन्
नेंयिलेग्सेन् दुर् । थेरे बायिशिङ गेगेन् गेरेल् इयेर् दुगुरुबेइ । बायास्ख़ुलाङ छेङ्गेल्
थोरोजु ख़ोनुबाइ । माग़ाथा आनु थुशिमेल् ख़ाग़ान् । सोनि ओलान् खेङगेर्गे देलेद्दुग्छि ख़ुमुन्
एछे आब्छु इरे गेजु निगेन् ख़ुमुन् इ इलेगेबेइ । थेरे ख़ुमुन् ओछिग़ाद् । ख़ाग़ान् । ख़ाथुन् इ
तुजेजु सुर् थुर् दारुग़दाग़ाद् । तुगुल्नेन् एसे छिदाग़ाद् । बुछाजु ख़ाग़ान् दाग़ान् आयिलाद्ख़ारुन् ।
थेरे ख़ुमुन् येखे सुर् जिब्ख़ुलाङ थाइ । आयुग्ख़ु मेथु दुरि थेइ बुगेद् । याङख़ान् लुग़ा
खाम्थु साग़ुना गेजु खेलेग्सेन् दुर् । ख़ाग़ान् बेर् दोर्बे थाबुन् सायिद् इ ओछिजु इरे गेबे ।
थेरे सायिद् ओछिग़ाद् । मोन् सुर् थुर् आनु दारुग़दाग़ाद् । दागुन् तुगेइ बुछाजु ।
खाग़ान् दाग़ान् तुगुलेरुन् । ख़ाग़ान् बेर् आयुग़ाद् । थ्डि बोल्बाउ । यागुन् बोल्बा गेजु छेरिग् तुन्

यदि ऐसी बात है तो ले आओ । विक्रमादित्य आया, वेश्या को देखा और हंसा । वेश्या भी देख कर प्रसन्न हुई और हंसी । राजा के शरीर से श्वेतवर्ण की प्रभा निकली । फिर उसकी परिक्रमा की (एर्गेजु बायिना) और वेश्या के हृदय में लीन हो गई (शिङ्गेबेइ) । वेश्या के शरीर से रक्तवर्ण की प्रभा निकली जो राजा के शरीर में लीन हो गई । राजा और रानी मिले (नेंयिलेग्सेन् दुर्) और वह घर (बायिशिङ) चमकते प्रकाश से (गेगेन् गेरेल् इयेर्) भर गया (दुगुरुबेइ) । आनन्द क्रीडा (बायास्खुलाङ छेङगेल्) हुई और ऐसे रात बीती ।

अगले दिन (माग़ाथा), मन्त्री राजा ने "रात्रि को बहुत बार ढोल बजाने वाले व्यक्ति से रुपया लेकर आओ" यह कह कर एक व्यक्ति को भेजा । वह व्यक्ति गया । उसने राजा और वेश्या को देखा । वह उनके तेज से अभिभूत हो गया (दारुग़दाग़ाद्) और बोल न सका । लौट कर (बुछाजु) अपने राजा से निवेदन किया । वह जन बहुत ओजस्वी तेजस्वी है, भैरवरूप है । वह वेश्या (याङ्ख़ान्) के साथ बैठा हुआ है । राजा ने चार पांच सामन्तों को कहा—जा कर आओ (ओछिजु इरे) । सामन्त गये । वे भी (मोन्) उसके तेज से अभिभूत हुए । बिना शब्द कहे लौट आये और अपने राजा से निवेदन किया । राजा भयभीत हो गया । देवता है क्या । क्या है इति सेना की

१२८ आयिमाग् इ दागुदाजु । छेरिग् इयेर् खुरियेलेगुलुन् । इर् थु मेसे वारिजु । थेरे बायिशिङ दुर् ओछिग़ाद् । छि यागुन् खुमुन् बुइ गार्छु इरे गेबे । निगेन् ओखिन् इयेर् । उरिदा यिन् दोर्बेन् ओखिन् उ एमुस्खेल् इ ओग्छिलेग्सेन् दुर् । खाग़ान् थेरे खुब्छामुन् इ उजेगेद् । एयिमु येखे साङ थु खुमुन् बायिना गेबे । थेरे ओखिन् एछे आसागुबा । सायिन् ओङ्गे गेरेल् थेइ बायिना गेबे । खाग़ान् बेर् उगुलेरुन् । इरे गेबेसु उलु बोलुम् । बि ओबेर् इयेन् ओछिया खेमेगेद् । एमुने बेन् सायिद् थुर् जेर् जेब्सेग् बारिगुल्जु ओरोगुल्बासु । बिर्कामिजिद् खाग़ान् नेङ उलेम्जि गेरेल् बादाराजु बायिखुइ दुर् । सायिद् इयेर् आयुग़ाद् सोगुद्छु सागुबाइ । खाग़ान् बेर् ओरोग़ाद् । गेरेल् सुर् थुर् दारुग़दाजु दागुन् ग़ारुल् उगेइ बासा सोगुद्बेइ । मोन् खाग़ान् बेर् खेन् बुइ खेमेन् आसागुन् एसे ल्दिाबाइ । जाद्वाब्र् उगुलेरुन् । खोओर् थान् इ एछुल्गेग्छि बुरुगु नोम् थान् इ दारुजु । जोब् नोम् इयेर् थेद्खुजु देल्गेरेगुलुन् । जोबालाङ थु आमिथान् इ जिर्ग़ागुलुग्छि । बिर्कामिजिद् खाग़ान् बि बुलुगे खेमेखुइ दुर् । थेरे खाग़ान् एखिलेन् सायिद् थुशिमेद् सोगुद्दुन् मोर्गु गेद् । बोग़दा येखे नेरे यि सोनुसुग़सान् बुलुगे ।

टुकड़ी को बुलाया (आयिमाग् इ दागुदाजु) । अपनी सेना से घेरा डलवा कर (खुरियेलेगुलुन्), तीक्ष्ण अस्त्र (इर् थु मेसे) हाथ में ले कर, उस घर में गया और कहा—तुम कौन जन हो, बाहर निकल आओ। उसने एक दासी के द्वारा पहले की चार कुमारियों के वस्त्रों को भेज दिया। इनको देख कर पिता ने कहा—कितना बड़ा धनी जन होगा । और दासी से पूछा । दासी ने कहा—वह सुन्दर वर्ण-प्रभा वाला व्यक्ति है । राजा ने कहा—आओ । पर वह नहीं माना (बोलुम्) । अब मैं स्वयं जाता हूं—यह कह कर अपने आगे सामन्तों को अस्त्र शस्त्र (जेर् जेब्सेग्) पकड़ा कर (बारिगुल्जु) प्रवेश कराया । राजा विक्रमादित्य अत्यधिक (नेङ उलेम्जि) प्रभामय और ज्वलन्त (बादाराजु) शरीर था । सामन्तों ने भयभीत हो कर घुटने टेक दिये । राजा ने प्रवेश किया । प्रभा और तेज से (थुर्) अभिभूत हो कर कुछ बोल न सका । उसने भी (बासा) घुटने टेक दिये । राजा यह भी न पूछ सका—तुम कौन हो ।

यद् भावि तद् भावि बोला—दुष्टों का (खोओर् थान् इ) अन्त करने वाला (एछुल्गेग्छि), मिथ्या धर्म का दमन कर (बुरुगु नोम् थान् इ दारुजु), सम्यग् धर्म की रक्षा कर (थेद्खुजु) उसकी उन्नति करने वाला (देल्गेरेगुलुन्), दुःखी प्राणियों को सुखी करने वाला (जिर्ग़ागुलुग्छि) मैं विक्रमादित्य राजा हूं । यह कहने पर राजा प्रभृति सामन्तों और मन्त्रियों ने घुटने टेक कर नमस्कार किया और कहा—हमने महात्मा के बड़े नाम को सुना है ।

१२६ छिनु जार्लिग् आछा बू दाबासुग़ाइ खेमेगेद् । ख़ारिजु ख़ोथान् दुर् छुग़लान् जोब्लेजु खेलेल्छेबेइ । थेरे ख़ाग़ान् उ ओखिन् [एर्खे] दुर् । बिदे ओरोखु बुयु गेजु सायिद् आछा बान् आसागुबासु । सायिद् आनु उगुलेरुन् । एने बिर्कमिजिद् थुर् । दायिसुन् एगुस्खेखु एछे बायिथुग़ाइ । बेये यि इनु उजेगेद् सुर्थेखु बुगेथेले । दायिसुन् एगुस्खेजु उलु बोल्खु खेमेग्सेन् दुर् । ख़ाग़ान् बेर् एने ख़ाग़ान् उ एर्खे दुर् ओरोया खेमेगेद् । येखे खुरिम् इ बेलेद्छु बिर्कमिजिद् इ । ख़ाथुन् थाइ ख़ोयागुला यि जालाबाइ । थाब्छाङ देबिस्छु ख़ाग़ान् । ख़ाथुन् इ थेरे थाब्छाङ देगेरे साग़ुलाजु खुरिम् बारिग़ाद् ख़ाग़ान् दुर् आयिलाद्ख़ारुन् । ख़ाग़ान् उ जार्लिग् इयार् याम्बार् बा । खेरेग् इ बिदे उइलेदुये खेमेग्सेन् दुर् । बिर्कमिजिद् जोब्शियेगेद् थोनिलाखु यिन् योग यिन् ग़ुछिन् जिर्ग़ुग़ान् बुथि यि नोम्लान् ओग्गुगेद् । थेदेगेर् नेर् ख़ारिल् उगेइ सुसुग् बिशिरेल् थोरोग्सेन् इयेर् आमुग़ुलाङ ओरोन् दुर् थोरोखु बोल्बाइ । बिर्कमिजिद् ख़ारिखुइ दुर् जाग़ुन् मिङ्ग़ान् जाग़ान् दुर् । एर्देनि यिन् साङ इ आछिजु । मोन् थेरे ख़ाथुन् दाग़ान् । ओलान् दाग़ाल्था यि दाग़ाग़ुलुन् । ख़ाग़ान् उ जार्लिग् इयार् शिखुर् । दुबाछा । छोमोर्लिग् थुग् । गिउर्

हम तुम्हारे आदेश को नहीं टालेंगे । वे लौट कर नगर में इकट्ठे हुए और मिल कर बातचीत की । राजा ने अपने सामन्तों से पूछा—क्या हम उस राजा के अधीन (एर्खे दुर्) हो जाएं । सामन्तों ने कहा—इस विक्रमादित्य के साथ शत्रुता की रचना करना तो दूर रहा (दायिसुन् एगुस्खेखु बायिथुग़ाइ) उसके शरीर को देख कर ही हम लोग घबरा गए हैं (सुर्थेखु बुगेथेले) । अतः शत्रुता की रचना नहीं हो सकती । राजा ने कहा—अच्छा इस राजा के अधीन हो जाएंगे (एर्खे दुर् ओरोया) । राजा ने बड़ा उत्सव रचा और विक्रमादित्य तथा उसकी रानी दोनों को निमंत्रित किया । आसन (थाब्छाङ) बिछा कर (देबिस्छु), उस पर बिठा कर भोज दिया (खुरिम् बारिग़ाद्) और निवेदन किया—राजा के आदेश से कोई भी (याम्बार् बा) काम (खेरेग्) हो उसको हम करेंगे (उइलेदुये) । विक्रमादित्य ने स्वीकार किया और मुक्ति (थोनिलाखु) योग की ३६ भूनियों (बुथि) का प्रवचन दिया । उनमें अप्रत्यागामिनी (ख़ारिल् उगेइ) श्रद्धा (सुसुग्) भक्ति (बिशिरेल्) उत्पन्न (थोरोग्सेन्) होने से सुखावती लोक में (आमुग़ुलाङ ओरोन् दुर्) उनका जन्म होगा (थोरोखु बोल्बाइ) ।

विक्रमादित्य के लौटते समय, १०० सहस्र हाथियों पर रत्न निधि लाद कर (आछिजु) दी गई । उस रानी के पीछे २ अनेक दासियां चलीं । राजा के आदेश से छत्र (शिखुर्), ध्वज (दुबाछा), वितान (छोमोर्लिग्), झण्डे (थुग्), केयूर ? (गिउर्)

१३० खाद्खुन् । छाङ खेङगेर्गे देलेद्दुन् । बुरियेन् । बिशिगुर् थाथागुल्जु । बुर्खान् उ योसुन् एयिमु बुगेद् । ओगेंदे बोल्खुइ दुर् । थेयिमु बोलाइ । एगुन्छे खोयिना । एने मेथु बोल्खु गेजु सुर्गागाद् खागान् । खाथुन् इ थेरे खागान् थेरिगुलेन् बुगुदेगेर् दागान् याबुबाइ । खागान् । इनादु खागान् दुर् एल्छि इलेगेजु एयिन् जाग्विरुन् । खागान् छि बेर् । बोरदा बिर्कमिजिद् इ एसे थानिरसान् आजुगु । थान् उ गाजार् आ याबुखु दागान् जाद्बाबू दाद्बाबू खेमेन् यान्जु सुइलेग्सेन् गेनेम् । एने बोरदा बिर्कमिजिद् । मान् उ एन्दे ओगेंदे बोलुगाद् । खाराङगुइ सेद्खिल् इ मानि । नारान् उर्गुरसान् मेयु गेयिगुल्बेइ । बिदे खोयार् येखे दायिमुन् बोलोल्छागाद् । छेरिग्लेन् उखुलेल्दुगेद् बुलुगे । ओदो एखे । खोबेगुन् खोयार् थुर् आदालि बोल्खु बुइ जा खेमेन् एल्छि इलेगेबेइ । थेरे एल्छि खुरुगेद् । खागान् दुर् । एने उच्छिर् इ आयिलाद्खारसान् दुर् । खागान् आयुगाद् । एने यागुन् उुगे बुलुगे खेमेगेद् । सायिद् बुगुदे एछे आसागुबामु । खेउखेद् उगुलेनेम् बिले । बिर्मान् बाग्शि यिन् देर्गेंदे याबुरसान् जाद्बाबू दाद्बाबू नेरे थु खोबेगुन् याबुदाग् । थेरे उजेजु खानुशि उगेइ गोओआ उजेस्खुलेङ थु येयिमु खोबेगुन् बुलुगे

खड़े किये गये (खाद्खुन्), झांझ और ढोल पिटवाए गये, शंख शहनाई बजवाए गये। और उनको समझाया—वृद्धों का यह नियम है। यात्रा होने पर इस प्रकार होता है। आज से आगे इसके समान हुआ करेगा। राजा आदि सब, राजा रानी के पीछे २ चले।

राजा ने इधर के (इनादु) राजा के पास दूत भेज कर यों कहा (जाग्विरुन्)—राजन् तुमने विक्रमादित्य को नहीं पहचाना था। तुम्हारे देश में यात्रा करते समय यद् भावि तद् भावि यह कहते २ चलना हुआ (याबुजु) थक गया था (सुइलेग्सेन्)। इस महात्मा विक्रमादित्य ने हमारे यहां (एन्दे) पधार कर (ओगेंदे बोलुगाद्), हमारे अन्धकारमय (खाराङगुइ) चित्त को, उदय (उर्गुरसान्) होते हुए सूर्य के समान प्रकाशित किया है (गेयिगुल्बेइ)। हम दोनों बहुत्र शत्रु बन कर (बोलोल्छागाद्) लड़ते रहे हैं (छेरिग्लेन्), मार काट करते रहे हैं (उखुलेल्दुगेद् बुलुगे)। अब हम को माता और पुत्र, इन दो के समान हो जाना चाहिये।

यह कह कर, जो दूत भेजे गये थे, वे आ पहुंचे। ये बात निवेदन करने पर राजा ने भयभीत हो कर कहा—यह कैसे शब्द हैं। सब सामन्तों से पूछा। उन्होंने कहा—लड़कियां कह रही थीं— ब्राह्मण (बिर्मान्) गुरु के पास (देर्गेंदे) चलना फिरना (याबुरसान्) यद् भावि तद् भावि नाम का लड़का आया था। उसको देख कर सन्तोष (खानुशि) नहीं होता था। वह इस प्रकार का सुन्दर अभिरूप लड़का था।

१३१ गेजु उग्दि् याबुग़सान् याबुदाल् इ देल्गेरेङगुइ ए उगुलेग्सेन् दुर् । ख़ागान् येखेदे बायामुग़ाद्
उगुलेरुन् । थेरे बोग़दा दुर् खुछुं मोर्गु ये खेमेन् खेलेल्छेगेद् । खारिन् एन्दे ओगेदे
बोल्गुसान् इ बि एसे मेदेग्सेन् इ दोर्बेन् खेउखेद् एयिमु मेदेग्सेन् आजुगु खेमेगेद् । नागुर्
दालाइ मेथु येखे खुरिम् इ बेलद्गेद् । ख़ागान् । ख़ाथुन् । ख़ामुग् सायिद् थुशिमेद् उलुस्
इर्गेन् बुगुदे खुराग़ाद् । बुर्खान् उ योमुग़ार् उग्थुन् याबुबाइ । बोग़दा बिर्कमिजिद् । थेन्दे
खुर्छु इरेखुइ दुर् इयेन् । नारान् उ गेरेल् मेथु बादाराजु इरेखुइ दुर् । बुगुदेगेर् उजेजु
ग़ायिख़ाग़ाद् । आइ बोग़दा ख़ागान् गेग्छि एने बुइ जा खेमेन् बायास्खुलाङ थु सेद्खिल् थोरोगेद् ।
बायार्लाग़साग़ार् इरेगेद् । ख़ागान् एखिलेन् । ख़ामुग् बुगुदे उनान् मोर्गु गेद् । आमुग़ुलाङ इ
इरेजु बायामुल्छाग़ाद् । ख़ोथान् दुर् इयान् जालाबाइ । येखे खुरिम् इ बारिग़ाद् । बुगुदेगेर्
एखे खोबेगुन् जोलागुल्छाग़सान् मेथु सेद्खिल् थेन् बोल्बा । बिर्कमिजिद् । थेरे ख़ागान् उ ओरोन्
दुर् शाशिन् थोरु यि बाथुदा बायिगुल्जु । जासाग् छाग़ाजा यि थोब्शिद्खेगेद् याबुगुल्बाइ ।
थेदेगेर् आमिथान् इ थोनिलाखु यिन् मोर् थुर् उदुग्दिुग़ाद् दोर्बेन् खेउखेद् इ ख़ाथुन् बोलग़ालुग़ा ।

यह कह कर पहले हुए चरित को विस्तार से कह सुनाया । राजा बहुत प्रसन्न हो कर बोला—उस महात्मा के पास चल कर नमस्कार करेंगे । उल्टी (खारिन्) बात है कि उसके यहां (एन्दे) पधारने को (ओगेदे बोलुग्सान् इ), जिसको मैं नहीं जानता था, चार लड़कियां इतनी अच्छी प्रकार जानती हैं । यह कह कर सरोवर और समुद्र के समान महान् उत्सव रचाया । राजा रानी, समस्त सामन्त मन्त्री और सब प्रजा (उलुस्) और जनता (इर्गेन्) इकट्ठे हुए और बुद्ध के नियमानुसार उनके स्वागत के लिये चले (उग्थुन् याबुबाइ) । महात्मा विक्रमादित्य वहां आ पहुंचे । वे सूर्य के समान ज्वलन्त होते हुए आये । सब देख कर चकित हुए और कहने लगे—यह महात्मा राजा कहलाते हैं । प्रसन्नता के विचार उत्पन्न हुए । प्रसन्नता पूर्वक आ कर राजा आदि सब जनों ने गिर कर (उनान्) अर्थात् दण्डवत् प्रणाम किया । क्षेम (आमुग़ुलाङ) पूछा (इरेजु) और प्रसन्न हुए । अपने नगर में निमंत्रित किया । बड़ा उत्सव दिया (बारिग़ाद्) । सब के सब माता और पुत्र के समान मिले हुए चित्त वाले बन गये । विक्रमादित्य ने उस राजा के देश में धर्म और शासन को दृढता पूर्वक (बाथुदा) स्थापित किया (बायिगुल्जु) । नीति शासन (जासाग् छागाजा) को सुधार कर (थोब्शिद्खेगेद्) चलाया (याबुगुल्बाइ) । प्राणियों को मुक्ति (थोनिलाखु) के मार्ग में ले जा कर (उदुरिदुग़ाद्) चारों लड़कियों को रानी बनाया ।

१३२ बिर्कमिजिद् येखे ओर्द् खार्शि दुर् इयान् थेगेरेजु जालारान् ओगेदे बोल्बाइ । थेरे खागान् उरिदा एल्छि इलेगेखु देगेन् । खाथुन् एखिलेन् । गाल्शा खागान् । शालु थेरिगुथेन् बुगुदे दुर् खेले खेमेन् इलेगेबेइ । एल्छि खुरुगेद् । खाथुन् दुर् खागान् उ आयिलादुग़सान् इ छोम् आयिलादखाग़सान् दुर् खाथुन् आनु खामुग् थुर् जार्लाजु । बुगुदेगेर् छुग़लान् इरेगेद् । बोग़दा यि उग़थुखु दागान् । बुर्खान् उ योसुन् इयार् । एल्देब् थाखिल् इ बारिजु । बोजिग् नाग़ादुम् इयार् बोजिग्लेग्सेगेर् उग्थुजु । ओगेदे बोलुन् इरेखुइ यि । खाथुन् एखिलेन् । खाद् नोयाद् बुखुन् इयेर् उजेगेद् गायिखाल्छाबाइ । खुछुं इरेमेग्छे । खागान् इ येखेदे मोरुगेस्छु छोम् निदुन् एछे निल्बुसुन् छुबुराग़ुल्जु एयिन् उगुलेन्दुरुन् । आइ बोग़दा खाग़ान् मिनु छिलेन् आल्जियाजु याबुबाउ । आमुर् मेन्दु बेर् ओगेदे बोलुन् इरेबेउ खेमेखुइ दुर् । खाग़ान् जार्लिग् बोलोरुन् । आर्बान् निगुल् इ थेब्छिजु । आर्बान् बुयान् थु नोम् इ देल्गेरेगुलुग्सेन् उ खुछुन् इयेर् आमुर् मेन्दु इरेबेइ खेमेन् आलि बुगुदे सुर्ग़ाल् उन् याबुदाल् इ आयिलादुग़ाद् । आमुर् मेन्दु सागुबाउ था खेमेगेद् । उलेशि उगेइ खार्शि दुर् इयान् ओगेदे बोल्बाइ । येखे खुरिम् खेशिग् इ आब्छु ओद्दुग़सान्

और फिर विक्रमादित्य सवार हो कर (थेगेरेजु) अपने बड़े महल में प्रस्थान करके (जालारान्) पधारा ।

राजा ने पहले ही (उरिदा) अपने दूत भेजे थे—रानी से ले कर कलश राजा और शालु आदि सबको कहो (खेले) । दूत आए और रानी को राजा का कहा हुआ मब कुछ (छोम्) निवेदन किया । रानी ने सब को घोपणा की (जार्लाजु) । सब इकट्ठे हो कर आ गये और महात्मा का स्वागत किया । बुद्ध के नियमानुसार नाना बलि दी (थाखिल् इ बारिजु) । नृत्य क्रीडा से नृत्य करते करते स्वागत किया । पधार कर आते हुए को, रानी आदि राजा सामन्त, सबने देख कर आश्चर्य किया । जैसे ही पहुंचे (खुछुं इरेमेग्छे), बहुत वियोगग्रस्त हो कर (मोरुगेस्छु) सब ने आखों से आंसू (निल्बुसुन्) बहा कर (छुबुराग़ुल्जु) यों कहा—हे हमारे महात्मन् राजन्, थके (छिलेन्) मांदे (आल्जियाजु) आपने यात्रा की क्या (याबुबाउ) । कुशल क्षेम (आमुर् मेन्दु) पूर्वक पधार आए हैं क्या । राजा ने कहा— दश पापों (निगुल्) को त्यागने (थेब्छिजु) और दश पुण्यमय (बुयान् थु) धर्मों का विस्तार करने की शक्ति द्वारा कुशल क्षेम पूर्वक आ गया हूं । यह कह कर सभी ने (आलि बुगुदे) शिक्षा (सुर्ग़ाल्) चरितों का वर्णन किया । फिर पूछा—कुशल क्षेम पूर्वक तुम लोग रहे हो क्या (सागुबाउ था) । यह कह कर अपने अपूर्व (उलेशि उगेइ)महल में चला गया । महाभोज के प्रसाद (खेशिग्) को ले कर आए हुए

१३३ थेरे उलुस् थेरिगुलेन् बुगुदे दुर् दोलुग़ान् ख़ोनुग् बोल्थाला । खुरिम् ओग्गुगेद् । शाशिन् इ देल्गेरेगुलुन् जिग़ान् साग़ुबाइ । मिनु
बोग़दा बिर्कामिजिद् । थेरे मेथु एर्देम् थु बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । आराजि बोजि ख़ाग़ान्
गेर् थुर् इयेन् खारिबाइ । बुरुग़ु नोम् थान् इ दोरोयिथुग़ुलुग़्सान् खिगेद् । निगेन् मोदुन् खुमुन्
उगुलेग्सेन् उुलिगेर् बोलाइ ।

उन सब जनों को सात दिन रात तक भोज दिया (खुरिम् ओग्गुगेद्) । और धर्म को फैला कर सुख से रहता रहा ।

मेरा महात्मा विक्रमादित्य इस समान गुणी था । यह कहने पर राजा भोज अपने घर लौट गया । मिथ्या धर्म वालों को गिराने (दोरोयिथुग़ुलुग़्सान्) आदि की यह एक पुतली की कही कहानी है ।

बासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

एर्थे छाग् थुर् । थुशिद् उन् ओरोन् दुर् खोयार् आर्शि बुइ बुलुगे । खोयार् आर्शि छाम् ग्विजु सागुदाग् आजुगु । थेरे छाग् थुर् । दोओरा छाम्बुदिब् उन् आमिथान् दुर् । निगेन् येखे शाशिन् देल्गेरेग्सेन् ओरोन् बुलुगे । थेरे ओरोन् दुर् निगेन् येखे जिब्खुलाङ थाइ खागान् बुइ बुगेद् । थेरे खागान् बेर् उरे उगेइ यिन् थुला । सुबुर्गा बोस्खाजु । बुर्खान् बोदिसोङ दुर् जाल्बारिन् । उगेगू यादागु दुर् ओग्लिगे ओग्गुन् । ध्ङि लूस् आछा गुयुन् जाल्बार्छु बायिदाग् आजुगु । मोन् थेरे खागान् उ थुसा थुशिमेल् निगेन् छु उरे उगेइ दुर् बुर्खान् ध्ङि दुर् उर्गुल्जिदे जाल्बागादाग् बोलाइ । थेरे खागान् आनु । निगे जागुन् खाथुन् थाइ । थुशिमेल् इनु । दोछिन् एमे थेइ आसान् आजुगु । देगेरेग्वि थेरे खोयार् आर्शि यिन् बागा आर्शि आनु । थेरे खागान् उ उरे उगेइ यि मेदेगेद् । येखे आर्शि यिन् देर्गेदे ओद्छु मोर्गुगेद् । एयिन् आयिलाद्खारुन् दोओरादु छाम्बुदिब् थु निगेन् खागान् । थुशिमेल् खोयार् उरे

एकादश अध्याय

फिर एक पुतली बोली ।

प्राचीन काल में तुषित लोक में दो ऋषि रहते थे । दोनों ऋषि ध्यान करते (छाम् खिजु) बैठे रहते थे (सागुदाग् आजुगु) । उस समय नीचे के (दोओरा) जम्बुद्वीप के प्राणियों में एक महाधर्म-विस्तार का प्रदेश था । उस प्रदेश में एक महातेजस्वी राजा था । उस राजा की कोई सन्तान न थी । अतः उसने चैत्य बनवाए (सुबुर्गा बोस्खाजु), बुद्ध बोधिसत्त्वों (बोदिसोङ) से प्रार्थना की (जाल्बारिन्), दीनहीनों को (उगेगू यादागु दुर्) दान दिया । वे देवों तथा नागों से भी प्रार्थना करते रहते थे (गुयुन् जाल्बार्छु बायिदाग् आजुगु) । उसी राजा के विशेष (थुसा) मंत्री की एक भी (निगेन् छु) सन्तति न थी । अतः वह बुद्ध और देवताओं की सदा (उर्गुल्जिदे) प्रार्थना करता रहता था । राजा के १०० रानियां थीं । मंत्री के भी ४० स्त्रियां रहती थीं (आसान् आजुगु) । ऊपर के (देगेरेग्वि) उन दो ऋषियों में से छोटे ऋषि को राजा के सन्तान न होने का पता लगा । उसने बड़े ऋषि के पास जा कर नमस्कार किया और कहा—नीचे के जम्बुद्वीप के एक राजा और मन्त्री दोनों के सन्तान

१३५ उुगेइ आजुगु । थगुन् दुर् ओछिजु थोरोगेद् । आमिथान् इ थुसालाबासु बोलुमु खेमेग्सेन् दुर् । येखे आर्शि जार्लिग् बोलोरुन् । बि बासा मेदेग्सेन् बोलाइ । छिमायि ओछिखु बुगेसु । बि ओछिखु उुगेइ । मिनु देर्गेदे छुग् थोरोबेसु । आमिथान् दुर् मिनु । छि खोओर् उुइलेद्खु । थुमागार् गाजार् आ थोरोबेसु सायिन् । खाम्थु थोरोबेसु शाशिन् इ एब्देखु दायिसुन् बोलुगाद् । मिनु बेये यि जोबागाखु बुइ छि । एने छाम् दागान् सागु खेमेग्सेन् दुर् । बागा आर्शि उुगुलेरुन् । गोदाम् थोयिन् उ देर्गेदे ओछिगाद् । थाङगारिगलाजु छिनु देर्गेदे याबुसुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । येखे आर्शि जोझियेगेद् । थेदे नेर् गोदाम् थोयिन् उ देर्गेदे ओद्छु आयिलाद्खारुन् । दोओरा दु छाम्बुदिब् थुर् निगेन् खागान् । थुशिमेल् खोयार् उुरे उुगेइ यिन् थुला । खुथुग् गुयुन् इरुगेल् थाल्बिजु गाशिगुदान् बायिख् थुला । बिदे खोयार् ओछिजु थोरोगेद् । थेरे आमिथान् इ थुसालाखुला सायिन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । येखे आर्शि उुगुलेरुन् । थोरोगेद् छि नामायि जोबागाखु बुइ गेमेग्छे बागा आर्शि उुगुलेरुन् । बि खोओर् थु सेद्खिल् एगुस्खेखुले । बेये मिनु मिङगान् खेसेग् खागाराथुगाइ गेजु थाङगारिगलाबाइ । गोदाम् थोयिन् जार्लिग् बोलोरुन् ।

नहीं है । उनके यहां जा कर (ओछिजु) जन्म ले कर (थोरोगेद्) हम प्राणियों का भला करें (थुसालाबासु), यह होगा क्या (बोलुमु) । ऐसा कहने पर बड़े ऋषि ने कहा—मुझे भी यह पता था । यदि तुम्हारा जाना होगा तो मेरा जाना न होगा । यदि तुम मेरे साथ जन्म लोगे तो तुम मेरे प्राणों को हानि पहुंचाओगे । हम लोगों का विभिन्न (थुसागार्) स्थानों में उत्पन्न होना अच्छा होगा । यदि हम साथ जन्म लेंगे तो धर्म के नाशक (एब्देखु) शत्रु बनेंगे । मेरे शरीर को तुम सताओगे (जोबागाखु बुइ) । अतः यहां अपने ध्यान में बैठे रहो । छोटे ऋषि ने कहा—गौतम मुनि (गोदाम् थोयिन्) के पास जा कर (देर्गेदे ओछिगाद्) प्रतिज्ञा करूंगा (थाङगारिगलाजु) और तब तुम्हारे साथ जाऊंगा । बड़े ऋषि ने मान लिया । उन्होंने (थेदे नेर्) गौतम मुनि के पास जा कर निवेदन किया—नीचे के जम्बुद्वीप में एक राजा और मन्त्री दोनों सन्तानहीन होने के कारण वर (खुथुग्) मांगते (गुयुन्), प्रार्थना करते (इरुगेल् थाल्बिजु) और दुःखी रहते हैं (गाशिगुदान् बायिखु) । अतः हम दोनों जा कर जन्म लेंगे । वहां प्राणियों की सहायता करना भला होगा । यह कहने पर बड़े ऋषि ने कहा—जन्म ले कर तुम मुझको सताओगे । यह कहते ही (गेमेग्छे) छोटे ऋषि ने कहा—यदि मैं दुष्ट विचारों की रचना करूं तो (एगुस्खेखुले) मेरा शरीर सहस्र खण्डों में टूट जाए (खागाराथुगाइ) । यह कह कर शपथ ली (थाङगारिगलाबाइ) । गौतम मुनि बोले—

१३६ एने आर्शि यिन् उगे बेर् याबु गेजु जोब्शियेबेइ। येखे आर्शि उगुलेरुन्। छि खागान् उ खोबेगुन् बोलुन् थोरो। बि थुशिमेल् उन् खोबेगुन् बोलुन् थोरोये गेजु खेलेल्छेगेद्। सागुसान् ओरोन् दागान् जोर्छिबाइ। खुरुगेद् छाम् दुर् सागुजु थेरे खोयागुला निर्वान् बोल्बाइ। खागान्। थुशिमेल् खोयार् थुर् खुबिल्जु ओरोबाइ। खागान् बेर् बायास्खुलाङ थु खुरिम् खिबेइ। थुशिमेल् इयेर् थेरे योसुगार् उइलेद्छु। खारिया थु उलुस् थुर् इयान् जार्लाबाइ। खागान् उ गादाना। बुगुदेगेर् छुग्ला खेमेन्। निगेन् ओल्जेयि थु एदुर् ए। थेरे थुशिमेल् इयेर् येखे खुरिम् इ आबुगाद्। खोबेगुन् इयेन् दागागुल्जु। खागान् दुर् बार्गाल्खान् मोर्गुजु एयिन् आयिलाद्खारुन्। खुथुग् इरुगेल् थाल्बिग्सान् उ खुछुन् इयेर् खागान् छु उरे थेइ बोल्बा। बि छु खोबेगुन् थेइ बोल्बा। थेयिमु यिन् थुला। खोबेगुन् इयेन् जोल्गोगुल्जु बायास्खुलाङ थु खुरिम् बारिसुगाइ खेमेन् इरेल्गे खेमेग्सेन् दुर्। खागान् बेर् बायासुगाद् येखे खुरिम् खिबेइ। खागान् उ खोबेगुन्। थुशिमेल उन् खोबेगुन् इ उजेगेद् येग्वेदे बायार्लाजु। गार् आछा इनु बारिगाद् खुब्छासुन् इयान् आन्दुल्दुजु एमुसुगेद्। जोखिस् थु शिलुग् इयेर् एसेर्गु थेसेर्गु उगुलेल्छेग्सेन्

इस ऋषि के वचन पर चले जाओ। यह कह कर स्वीकृति दी। बड़े ऋषि ने कहा—तुम राजकुमार बन कर जन्म लो। मैं मन्त्रिपुत्र बन कर जन्म लूंगा। यह बात कर अपने रहने के स्थान पर चले गये (जोर्छिबाइ)। वहां पहुंच कर ध्यान में बैठ कर दोनों का निर्वाण हुआ। राजा और मन्त्री के यहां अवतार ले कर प्रवेश किया (खुबिल्जु ओरोबाइ)। राजा ने आनन्दमय उत्सव मनाया (खिबेइ)। मन्त्री ने उसी अनुसार किया। अपने अधीनस्थ लोगों में (खायिरा थु उलुस् थुर् इयान्) घोषणा की (जार्लाबाइ) कि राजा के बाहर (गादाना) सब इकट्ठे हों। एक पुण्य दिन मन्त्री ने बहुत भोज पाया (आबुगाद्)। लड़के को साथ लिया। राजा के दर्शन कर (बार्गाल्खान्) प्रणाम किया और यह निवेदन किया—वर (खुथुग्) प्रार्थना (इरुगेल्) करने (थाल्बिग्सान्) की शक्ति द्वारा राजा भी (छु) सन्तान युक्त हो गये तथा मैं भी पुत्रवान् बन गया। अतः अपने लड़के को आप के साथ मिला कर (जोल्गोगुल्जु) आनन्दमय उत्सव दूं (बारिसुगाइ) इसलिये आया हूं (खेमेन् इरेल्गे)। यह कहने पर राजा प्रसन्न हुआ। बड़ा उत्सव किया। राजा का पुत्र मन्त्री के पुत्र को देख कर बहुत प्रसन्न हुआ। इसको हाथ से पकड़ कर अपने वस्त्र परिवर्तन करके (आन्दुल्दुजु) पहने (एमुसुगेद्)। समयोचित (जोखिस् थु) श्लोकों (शिलुग्) द्वारा परस्पर (एसेर्गु थेसेर्गु) बात चीत की (उगुलेल्छेग्सेन्)।

१३७ दुर् । खागान् एखिलेन् बुगुदेगेर् इ गायिखाल्छाबाइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् इ खारिगुल्खु उगेइ मोन् थेन्दे सागुबाइ । खोयागुला बेर् थेगुस् एर्देम् इ सुर्छु याबुबाइ । येखे बोलुग्सान् उ खोयिना । थेबेगेछेगेजु नागादुन् याबुथाला । खागान् उ खोबेगुन् उ ओस्खेलेग्सेन् थेबेग् इनु खागान् उ आमिन् दुर् आदालि आमारागु खायिरा थु खाथुन् इ उसुन् इयेन् साम्लाजु सागुथाला । थेरे थेबेग् इनु थोनो आ बार् ओरोगाद् । खाथुन् उ थोलुगाइ दुर् थुसुग्सान् दु । खाथुन् आगुर्लागाद् थेरे खोयार् खोबेगुन् इ थेबेग् इयेन् आब्छु इरे खेमेग्सेन् दु । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेहन् । खागान् उ खाथुन् इ देर्गेदे ओरोखु उगेइ । छि उरे इनु थुलादा । ओबेर् इयेन् ओरोजु आब् खेमेग्सेन् दुर् । खागान् उ खोबेगुन् ओरोगाद् । थेबेग् इयेन् आबुबामु । खाथुन् निगुर् इयान् मागाजिलाजु उलायिल्यागाद् नोछुजु येखेदे बार्खिरान् । खाथुन् नोछुल्दुग्सागार् गार्बाइ । खागान् सोनुमुगाद् । यागुन् बोल्बा खेमेन् इरेबेसु । खाथुन् इयेर् एने खोबेगुन् छिनु नामायि एगेगुल्जु इङखेजु बायिना गेबे । खागान् येखेदे आगुर्लाजु । उरे थेइ बोल्बासु । खारिन् मिनु बेयेन् दुर् खोओर् उइलेदुमुइ । नामायि आमिथु बुगेथेले । एयिमु योमुन् उगेइ उइले उइलेदखु

इस पर राजा आदि सबको आश्चर्य हुआ । मन्त्री के पुत्र को लौटने नहीं दिया (खारिगुल्खु उगेइ) । वह वहीं (थेन्दे) रह गया (मागुबाइ) । दोनों पूर्ण विद्याओं को (थेगुस् एर्देम् इ) सीखते गये (सुर्छु याबुबाइ) । बड़े होने के पश्चात् चिड़िया खेल रहे थे (नागादुन् याबुथाला) कि राजपुत्र के पादप्रहार से (ओस्खेलेग्सेन्) चिड़िया राजा की प्राणसम प्रिय स्निग्ध रानी के, जो अपने बालों को कंघी से संवार रही थी (साम्लाजु मागुथाला), वह चिड़िया तम्बू के छिद्र में से (थोनो आ बार्) प्रवेश कर रानी के सिर पर (थोलुगाइ दुर्) जा लगी (थुसुग्सान् दु) । रानी ने रुष्ट हो कर (आगुर्लागाद्) दोनों लड़कों को कहा—अपनी चिड़िया लेने के लिये आओ । मन्त्री के पुत्र ने कहा— मैं राजा की रानी के पास नहीं जा सकता । तुम इसकी सन्तान होने के कारण स्वंय जा कर ले लो । राजपुत्र ने जैसे ही प्रवेश किया और चिड़िया को लिया वैसे ही रानी ने अपने मुख को नख से नोंच कर (मागाजिलाजु), लाल बना कर (उलायिल्यागाद्), प्रज्वलित हो कर (नोछुजु) बहुत चीत्कार किया (बार्खिरान्) । रानी लड़ती झगड़ती (नोछुल्दुग्सागार्) बाहर निकली । राजा सुन कर आया और पूछा क्या हुआ तो रानी ने कहा— यह तुम्हारा लड़का मुझसे छेड़ छाड़ करता है (एरेगुल्जु इङखेजु बायिना) । राजा को बहुत क्रोध आया और कहा— मै सन्तान वाला तो बना किन्तु उल्टा मेरे ही शरीर को हानि पहुंचाता है (खोओर् उइलेदुमुइ) । मेरे जीते जी ही (बुगेथेले) ऐसा अनुचित व्यवहार (उइले) करता है (उइलेदखु) तो

१३८ बुगेसु येखेखेन् बोल्बागेम् नि लाब्था आलाखु बुइ जा खेमेगेद् । थुशिमेद् इ जार्लान् इरेगुल्जु । खोबेगुन् इयेन् उछिर् इ जार्लिग् बोल्बासु । जारिम् थुशिमेल् इयेर् खागान् दुर् एयिन् ओछिरुन् । खागान् खुमुन् उ उरे यि आलाखु योसुन् उगेइ बुलुगे खेमेगेद् । जासाग़लाखु बोल्बासु उछुखेन् उ थुला । खोगेजु ओर्खिबासु जोखिमुइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् थेगुन् इ जोब्शियेजु । एने खोबेगुन् इ मिनु निदुन् दुर् उजेग्देखु । छिखिन् दुर् उलु सोनुस्दाखु उसेद् खोला गाजार् आ खोगेजु ओल्दे खेमेगेद् खोगेजु ओर्खिबाइ । येखे थुशिमेल् इनु खोबेगुन् इयेन् आबुगाद् खारिबाइ । थेरे खोबेगुन् गेर् थेगेन् खुरुगेद् । आरिखि दारासुन् इ खुरियाजु एछिगे एखे खामुग् थुर् बारिग़ाद् बोजिग् नागादुम् इयार् जोखिस् थाइ बोजिग्लेग्सेन् दुर् । बुगुदेगेर् येखे गायिखाम्शिग् थोरोजु । सागुग़सागार् जारिम् उद् आनु सोग्थोजु उनाबाइ । जारिम् उद् आनु दुगुरुजु उनाबाइ । सोनि बोलुग़सान् दुर् । थेदे बुगुदे यि उन्थाग़सान् उ खोयिना । थुशिमेल् उन् साङ उन् गेर् थु ओरोगाद् । एर्देनि यिन् निगेन् दालिङ खिगेद् । खोयार् एर्देनि थु थुगुलान् खुखुर् इ आबुगाद् निगेन् खुलुग् मोरिन् इ उनुजु । सागादाग् इयान् आग़सागाद् याबुबाइ । खागान् उ खोबेगुन् इ गुइछेगेद् खुरुग्सेन्

जब कुछ बड़ा होगा तो (येखेखेन् बोल्बागेम्) निश्चय ही (लाब्था) वध करेगा (आलाखु बुइ जा) । यह कह कर मन्त्रियों को आदेश दे कर बुलाया (जार्लान् इरेगुल्जु) और अपने लड़के की बात को कह सुनाया । कुछ (जारिम्) मन्त्रियों ने अपने राजा से कहा (ओछिरुन्)—नृपजन की सन्तान को मारना अनुचित है । यदि दण्ड देना हो तो (जासाग़लाखु बोल्बासु) बच्चा होने के कारण निर्वासित करके छोड़ देना उचित होगा (खोगेजु ओर्खिबासु जोखिमुइ) । राजा ने इसको मान लिया । और कहा—यह लड़का मेरी आंखों में दिखाई न पड़े, कानों में (छिखिन् दुर्) सुनाई न दे, ऐसे बहुत दूर (उसेद् खोला) स्थान पर निर्वासित कर दो (खोगेजु ओल्दे) । यह कह कर निर्वासित कर छोड़ा । महामन्त्री अपने पुत्र को ले कर घर लौट गया । लड़के ने घर पहुंच कर मदिरा (आरिखि) मद्य (दारासुन्) संग्रह की (खुरियाजु) और पिता माता सबको दी (बारिग़ाद्) । नृत्य क्रीड़ा द्वारा सुन्दर रूप में (जोखिम् थाइ) नृत्य किया (बोजिग्लेग्सेन् दुर्) । सब में बहुत आश्चर्य (गायिखाम्शिग्) उत्पन्न हुआ (थोरोजु) । बैठे २ (सागुग़सागार्) कुछ (जारिम्) मदिरामत्त हो कर (सोग्थोजु) गिर पड़े (उनाबाई), कुछ भर कर गिर पड़े । रात्रि होने पर उन सब के सो जाने (उन्थाग़सान्) के पश्चात् [मन्त्रिपुत्र ने] मन्त्री के निधिगृह मे प्रवेश किया । रत्नों का एक थेला (दालिङ) और दो रत्नमयी सीसे की कूपियों (थुगुलान् खुखुर्) लीं । एक उत्तम (खुलुग्) घोडे पर सवार हो कर, तूणीर (सागादाग्) पहन कर (आग़सागाद्) चल दिया और राजपुत्र के पास पीछे से पहुंच गया (गुइछेगेद् खुरुग्सेन्) ।

११६ दुर् । खाग़ान् उ खोबेगुन् येखेदे बायालांजु । आबुग़ाइ यिन् इरेग्सेन् सायिन् । एने साग़ादाग् नुमु सुमुन् इयार् यागुन् खिखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेहून् । मान् दुर् बेलेन् खोगुला ओल्दाखु ग़ाजार् आ बुइ बिलिउ । बिदे आमिन् इयान् थेजियेखु बुइ जा । खेमेगेद् याबुबाइ । थेरे एर्देनि यिन् खुखुर् थुर् उसुन् दुगुर्गेजु आबुबाइ । थेरे खुखुर् उन् एर्देम् इनु । उसुन् दुगुरेगेग्सेन् इ मिङग़ान् खुमुन् छु बोल्बाइ । गुर्बान् सारा दु ऊग़ुखु बुलुगे । ग़ारछा खोयार् खुमुन् छु बोल्बाइ । मोन् खु गुर्बान् सारा दु ऊगुखु बुलुगे । थेन्दे एछे एल्छिल् उगेइ ग़ाजार आ याबुथाला । निगेन् एब्देर्खेइ बायिशिङ दुर् खुरून् गेखुले । जोग़ोजु बोल्ग़सान् मिखान् बुइ आसान् आजुगु । थेगुन् इ ओल्जु उजेगेद् । थेन्दे बेन् साग़ुथाला । एमुने जुग् निगेन् खाग़ान् बुइ आग्सान् आजुगु । थेरे खाग़ान् बेर् उरे उगेइ बुगेद् । खाग़ान् उ ग़ारछाखान् आमाराग् मोलुर् मेथु ओङगे थेइ । माशि येखे सुजुग् थु निगेन् ओखिन् बुइ बुलुगे । थेरे ओर्लुंगे एछे उदे बोल्थाला । बोर्साङ खुवाराग् उद् इ थाखिजु । उदे एछे खोयिशि ओइ दुर् ओदुग़ाद् । छेछेग् जिमिस् इ थेगुजु । एछिगे एखे यि थाखिदाग् बुलुगे । थेरे छाग् थुर् । शिम्नुस् उन्

राजपुत्र बहुत प्रसन्न हुआ और कहने लगा—भाई (आबुग़ाइ) का आना अच्छा हुआ । इस तूणीर, धनुष (नुमु) और बाण (सुमुन्) से क्या (यागुन्) करना है (खिखु बुइ) । इस पर लड़के ने उत्तर दिया—हमारे लिए बना बनाया (बेलेन्) भोजन (खोगुला) मिलने का (ओल्दाखु) स्थान है क्या (बुइ बिलिउ) । हमको अपने प्राणों की रक्षा करनी ही होगी (थेजियेखु बुइ जा) । इस पर दोनों चल दिये । उस रत्नमयी कूपी में जल भर लाए (दुगुर्गेजु आबुबाइ) । उस कूपी का गुण यह था कि उसमें पानी भर दो तो यदि सहस्र पुरुष भी हों तो तीन मास तक पानी पीते रह सकेंगे । केवल (ग़ारछा) दो पुरुष हों तब भी तीन मास तक ही पी सकेंगे ।

वहां से (थेन्दे एछे) निर्जन (एल्छिल् उगेइ) स्थान में जाते समय (याबुथाला) वे एक टूटे (एब्देर्खेइ) घर में पहुंचे । वहां संग्रह किया हुआ मांस पड़ा था । उसको पाया और देखा ।

वे वहां ठहर गये ।

दक्षिण दिशा में एक राजा रहता था । इस के सन्तान न थी । इस राजा के एकमात्र प्रिय वैडूर्य (मोलुर्) समानवर्ण वाली अत्यधिक भक्तिमती (सुजुग् थु) एक कन्या थी । वह प्रातः (ओर्लुंगे) से मध्याह्न (उदे) तक (बोल्थाला) संन्यासी (बोर्साङ) भिक्षुओं (खुवाराग् उद्) की पूजा करती (थाखिजु) । मध्याह्न के पश्चात् (खोयिशि) बन में जा कर (ओदुग़ाद्) फूल फलों को चुनती (थेगुजु) और पिता माता की पूजा करती (थाखिदाग् बुलुगे) । इन्हीं दिनों एक दैत्य (शिम्नुस्)

१४० निगे बुखा जागान् आर्बान् उ एदुर् थुर् खुमुन् इ बारिजु इदेदेग् आजुगु । निगेन् एदुर् थुर् । मिङगान् बारा यिन् गाजार् थुर् खुर्छु याबुखु । थेयिमु निगेन् शिम्नुम् बोलाइ । थेरे याबुसागार् खागान् उ ओखिन् इ ओइ यिन् दोथोरा जिमिस् छेछेग् थेगुजु याबुथाला । थुस् बोल्जु उछारालदुगाद् खागान् उ खेउखेन् इ बारिजु आबुगाद् याबुजुखुइ । दागासान् ओखिन् इनु जिगुदान् मेग्देग्सेगेर् उखिलान् खुर्छु इरेगेद् । उछिर् इ आयिलाद्खाबासु । खागान् । खाथुन् इयेर् सोनुसुगाद् उखुद्गिजु खोसेर् थुर् उनाबाइ । सायिद् थुशिमेद् इयेर् खुराजु इरेगेद् । खागान् । खाथुन् उ बेये दुर् । चन्दन् उ उसुन् इयार् सुछिजु बुग्देगेर् येखे गामालाङ थु बोल्जु बायिथाला । खागान् सेर्गु गेद् एयिन् जार्लिग् बोलोरुन् । एदुगे विदे एनेलुन् गासालाबाछु निगेखेन् इयेर् थुमा उगेइ । गुर्बान् जागुन् मायिन् एरे दुर् जेर् जेब्सेग् थेगुस्खेन् ओग्गुगेद् । जागुगाद् जागुगाद् मोरिन् इ ओग्छु नेखेगुलुये खेमेन् इलेगेबेइ । थेदुइ थेरे छेरिग् इयेर् ओद्छु एरिग्सेगेर् गुर्बान् जिल् बोलुगाद् । मोरिद् इयान् एछेगेजु । गुइछेल् उगेइ बुछाजु इरेग्सेन् दुर् । खागान् । खाथुन् इयेर् येखेदे गामालाजु । खागान् ओबेर् इयेन् याबुया गेजु बायिखुइ दुर् । निगेन् थुशिमेल् उगुलेरुन् । नेखेबेसु बेर्

नर हाथी (बुखा जागान्) प्रति दसवें दिन व्यक्ति को पकड़ कर खा जाता था । वह एक दिन में सहस्र योजन (बारा) दूर स्थान पर पहुंच जाता था । ऐसा एक दैत्य था ।

वह चलते २ राजपुत्री को जंगल के अन्दर फल फूल चुनती हुई को संयोग से (थुस् बोल्जु) मिला (उछारालदुगाद्) । उसने राजकन्या को उठा लिया और चल दिया । इसकी दासियां भाग कर (जिगुदान्) शीघ्रता से (मेग्देग्सेगेर्) रोती हुई (उखिलान्) घर आ पहुंचीं (खुर्छु इरेगेद्) और घटना सुनाई । राजा रानी सुन कर मूर्छित हो (उखुद्गिजु) भूमि (खोसेर्) पर गिर पड़े । सामन्त मन्त्री इकट्ठे हुए, राजा रानी के शरीर पर चन्दनजल छिड़का (सुछिजु) । जब सब बहुत विलाप कर रहे थे तब राजा ने सचेत हो कर (सेर्गु गेद्) आदेश दिया—अब हमारे शोक विलाप करने का (एनेलुन् गासालाबाछु) एक भी लाभ नहीं (निगेखेन् इयेर् थुमा उगेइ) । तीन सौ अच्छे वीरों को अस्त्र शस्त्र (जेर् जेब्सेग्) पूरे (थेगुस्खेन्) दे कर (ओग्गुगेद्), सौ २ (जागुगाद् जागुगाद्) घोड़े दे कर पीछा करवाना चाहिये (नेखेगुलुये) । यह कह कर भेज दिया । तब वे सैनिक चले गये । ढूंढते हुए तीन वर्ष बीत गये । उनके घोड़े थक कर चूर हो गये (एछेगेजु) । पहुंचे बिना (गुइछेल् उगेइ) लौट आये (बुछाजु इरेग्सेन्) । राजा और रानी बहुत व्याकुल हुए । राजा ने कहा—मैं स्वयं जाऊंगा । इस पर एक मन्त्री ने कहा—पीछा करने पर भी (नेखेबेसु बेर्)

१४१ गुइछेग्देखु उुगेइ । गुइछेबेसु छु बेर् आलाग़दाखु आमिथान् बुसु । थेरे खुछुन् येखे यिन् थुला नेखेजु उलु बोल्खु । जुग् जुग् उुन् खाद् उद् थुर् एल्छि इलेगेबेसु बोल्खु बुइ जा ।
बासा निगेन् खुछु थु बोदिसोङ नार् बुइ बोल्बासु थुसालाखु आनु माग़ाद् उुगेइ खेमेन् आयिलाद्खाग़सान् दुर् । थेरे खाग़ान् जोञ्शियेगेद् । एल्छि यि जुग् बुरि याबुगुल्बाइ । खाग़ान् छु बोल्बा ।
खाराछु छु बोल्बा । थुसालाजु आञ्छु इरेबेसु । खाग़ान् ओरोन् खिगेद् । खामुग् उलुस् इयान् ओग्सुगेइ खेमेन् बिछिग् इलेगेबेइ । खोयार् खुमुन् इ खोरिन् मोरि थाइ इलेगेजु छोग् थु खाग़ान् उ जुग् याबुथाला जागुरा मोर् थुर् उरिदा यिन् थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् उछाराग़ाद् । था यागुन् उ थुला । याबुग़ा उलुस् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे उलुस् उछिर् इयान् देल्गेरेङगुइ ए खेलेग्सेन् दुर् । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् उुगेलेरुन् । था थेरे ग़ाजार् आ
ओछिब्रासु छु । थेन्दे सायिन् एरे उुगेइ । एन्दे मान् उ खाग़ान् उ खोबेगुन् बायिनाम् । थेरे छिदाखु खुछु थु सायिन् एरे बुइ जा । बिदे आबालाजु गोरुगेसुन् खोगेजु याबुग़सागार् थोगोरेजु इरेग्सेन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । एल्छि उुगुलेरुन् । मान् उ खाग़ान् दुर् ओछिग्बुला

आप पहुंचेंगे नहीं (गुइछेग्देखु उुगेइ) । पहुंचने पर भी यह मरने वाला प्राणी नहीं । उसकी शक्ति बड़ी होने के कारण इसका पीछा करना नहीं हो सकता । दिशा २ में राजाओं के पास यदि दूत भेजें तो हो सकता है । यदि कोई शक्तिशाली बोधिसत्त्व हो तो वह रक्षा कर दे (थुसालाखु), यह निश्चित नहीं (माग़ाद् उुगेइ) अर्थात् यह भी सम्भव है । राजा मान गया और दूतों को सब दिशाओं में भेज दिया ।

चाहे राजा हो (खाग़ान् छु बोल्बा) चाहे प्रजा हो (खाराछु छु बोल्बा), यदि रक्षा करके (थुसालाजु) ले आएगा तो (आञ्छु इरेबेसु) राजासन और सब अपनी प्रजा उसको दूंगा । यह पत्र भेजा । वीस घोड़ों के साथ भेजे हुए दो जन श्रीमान् (छोग् थु) राजा की दिशा में जा रहे थे कि बीच मार्ग में (जागुरा मोर् थुर्) पूर्व का मन्त्रिपुत्र मिला (उछाराग़ाद्) । उसने पूछा— तुम किस कारण जाने वाले पुरुष हो (याबुग़ा उलुस् बुइ) अर्थात् किस लिए जा रहे हो । उन लोगों ने अपना वृत्तान्त विस्तार से कहा । मन्त्रिपुत्र ने कहा— तुम उस स्थान पर पहुंच भी गये तब भी (ओछिब्रासु छु) वहां अच्छे वीर (सायिन् एरे) नहीं हैं । यहां (एन्दे) हमारे राजा का पुत्र है । वह समर्थ (छिदाखु) शक्तिशाली वीर पुरुष है । हम आखेट खेलते हुए (आबाल्जाजु) वन्य मृग का (गोरुगेसुन्) पीछा करते हुए (खोगेजु याबुग़सागार्) भ्रान्त हो कर (थोगोरेजु) आये हुए हैं । दूतों ने कहा— यदि हमारे राजा के पास चलोगे तो (ओछिग्बुला)

१४२ यामार् बायिनाम् खेमेग्सेन् दुर्। बोलुना ओछिया गेबे। खाग़ान् उ खोबेगुन् दुर्। एल्छिद् ज़ुन् आलिबा उछिर् इ खेलेगेद् याबुबाइ। थेरे एल्छि उरिद् निगेन् खुमुन् इयेर् मेदेगे याबुगुल्बाइ। थेरे खुमुन् खुर्छु खाग़ान्। खाथुन् दाग़ान् आयिलाद्खाबाइ। खाग़ान्। खाथुन् आनु सोनुसुग़ाद् बायार्लाजु। थेरे खोयार् खोबेगुन् इ एमुने एछे उरथुबाइ। जोल्गोल्छाग़ाद्। आबाखाइ यि बुखा जाग़ान् आबाछिस़ान् उछिर् इ उुगुलेबेइ। थुशिमेल् ज़ुन् खोबेगुन् ज़ुगुलेरुन्। बिदे खोयार् नेखेसुगेइ खेमेग्सेन् दुर् खाग़ान् माशि येखेदे बायार्लाग़ाद्। गेर् थुर् इयेन् ओरोगुलग़ाद्। खेदुइ छिनेगे छेरिग् खुनेसु आब्खु बोल्बा खेमेग्सेन् दुर्। थुशिमेल् ज़ुन् खोबेगुन् ज़ुगुलेरुन्। मान् दुर् छेरिग् खुनेसु खेरेग् ज़ुगेइ। बिदे खोयार् बेये बेर् याबुया खेमेग्सेन् दुर्। खाग़ान् दोथोरा बान् एयिन् सेद्खिरुन्। एगुन् ज़ु खेलेखु बोल्बासु। येखे खुबिल्गान् थु बुइ जा गेजु सानाग़ाद्। येखे खुन्दुलेजु। खाग़ान् उ खोबेगुन् दु योसु थु खुब्छाद् इयान् ओग्बे। थुशिमेल् ज़ुन् खोबेगुन् दु थिथेम् थु माल्गा बान् ओग्बे। थेरे खोयार् खोबेगुन् याबुग़ाद्। बुखा जाग़ान् उ मोर् इ मोस्खिजु ज़ुजेबेसु। मिङ्ग़ान् खासाग़् छिरुग्सेन् थेदुइ आजुगु। थेरे मोर् इयेर् ओरोग़ाद् ग़ुर्बान् सारा बोल्थाला याबुग़ाद्। इदेगेन् उम्दाग़ान् खुनेसुन् इयेन् बाराजु याबुथाला। निगेन् एर्देनिस्

कैसा (यामार्) रहेगा (बायिनाम्)। इस पर उसने कहा—ठीक है (बोलुना), चलेंगे (ओछिया)। राजकुमार को दूतों की सब बात (आलिबा उछिर्) कह कर [और उसको साथ लेकर वह] चल दिया। उन दूतों ने पहले एक जन द्वारा सन्देश भेजा (मेदेगे याबुगुल्बाइ)। उस जन ने आ कर राजा रानी को सूचना दी। राजा रानी सुन कर प्रसन्न हुए। वे दोनों लड़कों को सामने से (एमुने एछे) लेने आए (उरथु-बाइ)। मिल कर (जोल्गोल्छाग़ाद्), कुमारी को नर हाथी ले गया (आबाछिस़ान्)—यह बात बतलाई। मन्त्रिकुमार ने कहा—हम दोनों पीछा करेंगे (नेखेसुगेइ)। इस पर राजा अत्यधिक प्रसन्न हो कर उनको अपने घर में लाया और कहा—जितनी मात्रा में चाहो (खेदुइ छिनेगे), सेना और पाथेय (खुनेसु) ले लो। मन्त्रिकुमार ने कहा— हमारे लिये सेना और पाथेय की आवश्यकता नहीं। हम दोनों अपने शरीर मात्र से जाएंगे। राजा ने अपने भीतर ऐसे सोचा—यदि ये इनके वचन हैं तो (खेलेखु बोल्बासु) ये बड़े सिद्ध (खुबिल्ग़ान् थु) होंगे। यह सोच कर बहुत सम्मान किया (खुन्दुलेजु)। राजकुमार को विध्यनुसार अपने कपड़े दिये, मन्त्रिकुमार को मुकुट वाली अपनी टोपी (थिथेम् थु माल्गा बान्) दी। दोनों कुमार चले गये। नर हाथी के मार्ग को ढूंढते हुए देखा तो जैसे सहस्र गाड़ियां (खासाग़) घसीटी गई हों (छिरुग्सेन्) ऐसे था (थेदुइ आजुगु)। उस मार्ग पर चढ़ कर तीन मास चलते गये। उनका खाने पीने का सम्भार (खुनेसुन्) समाप्त होने लगा (बाराजु याबुथाला) कि एक रत्नों

१४१ उन् आगुला उजेग्देबेइ। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेरुन्। थेरे आगुलान् दुर् ओछिबासु। उसुन् ओल्दाखु बुइ जा। छि एने जाम् इयार् याबुजु बाइ। बि थेरे आगुलान् दुर् ओछिया खेमेगेद् याबुबाइ। थेरे आगुलान् दुर् खुरुन् गेखुले। निगेन् आवादुदि ब्लामा सागुन् आजुगु। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् थेगुन् दुर् मोर्गु जु आलिबा उछिर् इयान् आयिलाद्खाबासु। थेरे ब्लामा यागुन् बेर् उलु उगुलेन्। दोओरा आछा बान् निगेन् योङखोर् उथासुन् इ आन्छु ओग्गुगेद्। ब्लामा निदुन् इयेन् खादान् थुस् खाराबासु। निगेन् खार्गुइ खाराग्दाग्बाइ। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् थेरे खार्गुइ बार् ओरोगाद् याबुथाला। निगेन् खुद्दुग् उजेग्देबेइ। थेरे खुद्दुग् इ उजेगेद्। खाग़ान् उ खोबेगुन् इ दागुदाजु आबुग़ाद्। थेरे खुद्दुग् उन् उसुन् आनु खोला यिन् थुला। आन्छु उलु बोल्खुइ दुर्। योङखोर् उथासुन् इयान् खुखुर् थुर् उयाजु ओर्खिबासु। गुन् इनु मिङग़ान् थाबुन् जागुन् आल्दा खुद्दुग् बुयु। थेरे खुद्दुग् आछा उसुन् आन्छु मोरि बेये बेन् खाङगागाद्। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् याबुया खेमेबेइ। खाग़ान् उ खोबेगुन् एन्दे खोनुया खेमेग्सेन् दुर। थुशिमेल् उन खोबेगुन् एन्दे खोनुजु बोल्खु उगेइ खेमेगेद् याबुबाइ। बामा गुर्बान् सारा बोल्जु। खुनेसु उम्दा बान् बाराजु याबुथाला। निगेन्

का पर्वत दिखाई पड़ा। मन्त्रिकुमार ने कहा— यदि हम उस पर्वत पर चलें तो पानी मिलेगा (ओल्दाखु) ही। तुम इस मार्ग पर चले चलो। मै उस पर्वत पर जाऊंगा। यह कह कर चला गया। पर्वत पर पहुंचते ही (खुरुन् गेखुले) एक अवधूत (आवादुदि) लामा को बैठे पाया। मन्त्रिपुत्र ने उसको नमस्कार कर जब सब अपना वृत्तान्त सुनाया तो लामा कुछ (यागुन्) भी (बेर्) नहीं बोला। अपने नीचे से एक कौशेय (योङखोर्) का धागा (उथासुन्) ले कर दे दिया। लामा की आँखें पहाड़ी की ओर देख रही थीं (खादान् थुस् खाराबासु)। वहां एक छोटा मार्ग (खार्गुइ) दिखाई दिया (ख़ाराग्दाग़बाइ)। मन्त्रिकुमार उस छोटे मार्ग से चढ़ कर चला ही था कि एक कूप (खुद्दुग्) दिखाई पड़ा। उस कूप को देख कर राजकुमार को बुला लिया (दागुदाजु आबुग़ाद्)। उस कूप के पानी के दूर होने के कारण उस तक पहुंचना नही हुआ। इसलिए कौशेय के धागे को पात्र में बांध कर (खुखुर् थुर् उयाजु) लटकाया (ओर्खिबासु)। कूप की गहराई (गुन्) एक सहस्र पांच सौ व्याम* (आल्दा) थी। कूप से पानी ले कर घोड़ों और अपने आप को तृप्त किया (खाङग़ाग़ाद्)। मन्त्रिपुत्र ने कहा—चलो चलें। किन्तु राजपुत्र ने कहा—यहां ही रात बसेरा करेंगे। मन्त्रिपुत्र ने कहा—यहां बसेरा नहीं करेंगे। इस पर वे चल दिये। फिर तीन मास व्यतीत हो गये। खाना पीना समाप्त हो चला। एक

* श्री बॉडन—fathoms.

१४४ येखे लिङखुआ छेछेग् थु नागुर् थुर् खुर्बेइ । थेगुन् दुर् खुरुगेद् उुजेबेसु । ओलान् बोदि मोदुन् उगुं स्सान् नागुर् आजुगु । बुखा जाग़ान् थेगुन् दुर् ओलान् ओरोजु याबुस्सान् मोर् इ ओल्जु उुजेगेद् याग़ाराजु खुखुर् थुर् इयेन् उसुन् दुगुर्गेजु आबुग़ाद् । निगेन् खादान् उ इरुग़ार् थुर् खुछुं बाग़ुग़ाद् । खादान् देगेरे ग़ाछुं खाराबासु । थेरे बुखा जाग़ान् । नारान् उगुं खु दु । मोन् थेरे उसुन् दुर् ओरोजु इरेबेइ । खाराबासु थेरे आबाखाइ आनु खुजुगुन् देगेरे इनु ग़ार्छु उनुस्साग़ार् याबुखुइ यि उुजेबेइ । बुखा जाग़ान् उसुन् ऊगुग़ाद् गार्खुं इ दुर् । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् खोयिनाछा आनु दाग़ाजु याबुबासु । थेरे बुखा जागान् निगेन् चन्दन् मोदुन् उ इरुग़ार् थुर् खुरुगेद् खेब्येबेइ । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् थेरे आबाखाइ यि उुजेगेद् । छिलागुन् इ आबुग़ाद् । थेरे बुखा जाग़ान् उ देर्गेदे ओछ्छिबासु । थेरे आबाखाइ खोबेगुन् इ उुजेगेद् दोखियालाजु मोदुन् देगेरे आबिरि गेबे । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् मोदुन् दुर् आबिराजु गारुगाद् साग़ुबाइ । थेरे बुखा जाग़ान् उन्थाबाड । थेरे आबाखाइ ग़ार् इयान् सार्बायिस्सान् दुर् । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् छिलागुन् इयान् ओग्बेइ । आबाखाइ सेम् इयेर्

बड़ा कमल पुष्पों वाला सरोवर दिखाई पड़ा । वहां पहुंच कर देखा तो बहुत से बोधि वृक्षों से उगी हुई (उगुं ग्सान्) झील (नागुर्) थी । नर हाथी उसमें अनेक बार (ओलान्) प्रवेश करने के लिए जिस मार्ग से जाता था उसको उन्होंने पा लिया । देखते ही शीघ्रता से (याग़ाराजु) अपने कलश में पानी भर लाए और एक पहाड़ी की जड़ में पहुंच कर डेरा डाल दिया (बाग़ुग़ाद्) । उस पहाड़ी के ऊपर (खादान् देगेरे) चढ़ कर देखा तो (गाछुं खाराबासु) वह नर हाथी सूर्योदय होने पर (उगुं खु दु) उसी (मोन् थेरे) पानी में प्रवेश कर रहा था । देखा तो वह कन्या (आबाखाइ) उसकी ग्रीवा पर (खुजुगुन् देगेरे) चढ़ कर (गाछुं) सवारी करती (उनुस्साग़ार्) जा रही थी । नर हाथी पानी पी कर बाहर निकला । मन्त्रिपुत्र पीछे अनुसरण करता गया (दाग़ाजु याबुबासु) । नर हाथी एक चन्दन वृक्ष के मूल में (इरुग़ार् थुर्) पहुंच कर लेट गया । मन्त्रिपुत्र ने उस कन्या को देखा । पत्थर ले कर वह उस नरहाथी के पास पहुंचा । लड़की ने लड़के को देख कर संकेत करके (दोखियालाजु) कहा—वृक्ष के ऊपर चढ़ो (आबिरि) । मन्त्रिपुत्र वृक्ष पर चढ़ कर (आबिराजु ग़ारुग़ाद्) बैठ गया । नर हाथी सो गया । लड़की ने अपना हाथ फैलाया (सार्बायिग्सान् दुर्) । मन्त्रिपुत्र ने अपना पत्थर दिया । लड़की ने चुपके से (सेम् इयेर्)

१४५ बोमुग़ाद् ओरोन् दुर् इयान् छिलागुन् इ थाल्बिग़ाद् । बागुजु इरेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् मोदुन् आछा बागुजु इरेगेद् । आबाखाइ यि आबुन् याबुबाइ । ख़ाग़ान् उ खोबेगुन् उ देर्गेदे इरेन् गेखुले । थेरे खोबेगुन् जिमिस् थेगुजु उर्गु सुर्गु गुयुजु याबुमुइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेरुन् । आबाखाइ यि आब्छु इरेबे । दारुइ याबुया खेमेबेसु । ख़ाग़ान् उ खोबेगुन् उलु बोलुन् । बि जिमिस् थेगुये खेमेखुइ दुर् थुशिमेल् उन् खोबेगुन् याग़ाराजु थुर्गेन् ए थेगुजु ओग्गुगेद् । मोर्दोगुलुन् याबुबाइ । उरिदा यिन् थेरे खुद्दुग् थुर् इयान् खुर्छु इरेद् । उसुन् इ आब्छु याबुया खेमेखुइ दुर् । ख़ाग़ान् उ खोबेगुन् बि याबुजु उलु बोल्खु । एन्दे खोनुया खेमेगेद् एमेगेल् इयेन् आब्छु देरेल्गेद् उन्थाबाइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् थेरे खुद्दुग् उन् आम्सार् इ थाग़ाल्ग़ाद् । नुमु सुमुन् इयान् ओनिलाजु बेलेद्गेन् सागुथाला । ख़ाग़ान् उ खोबेगुन् गेनेद्थे सेरेगेद् नुमु मुमु बान् ओनिलाजु सागुखु यि उजेगेद् । छि नामायि आलाख्वु खेरेग् छिनु यागुन् बोलाइ खेमेखुइ दुर् । थुशिमेल् उन खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि छिमायि यागुन् थुला आलाखु बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । ख़ाग़ान् उ खोबेगुन् उगुलेरुन् । एने आबाखाइ यि छि आब्खु बुइ जा । नामायि आब्खु मेथु सानाजु आलाख्वु छिनु एने बुइ जा गेबे । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेबे ।

उठ कर (बोमुग़ाद्) अपने स्थान पर पत्थर रख दिया (थाल्बिग़ाद्) और उतर आई (बागुजु इरेग्सेन् दुर्) । लड़का भी वृक्ष से उतर आया और लड़की को ले कर चल दिया । जब राजपुत्र के पास पहुंचे तो वह फल इकट्ठे करने के लिए इधर उधर (उर्गु सुर्गु) दौड़ रहा था (गुयुजु याबुमुइ) । मन्त्रिपुत्र ने कहा—मैं राजकुमारी को ले आया हूं, तुरन्त (दारुइ) चलेंगे (याबुया) । राजपुत्र न माना (उलु बोलुन्) । उसने कहा— मैं फल इकट्ठे करूंगा । मन्त्रिपूत्र ने शीघ्रता से कुछ फल उठाए और उसको दे दिये और उसको सवार कराके चल दिया (मोर्दोगुलुन् याबुबाइ) । पहले वाले कुएं पर आए और कहा—पानी ले कर चलेंगे । राजपुत्र ने कहा—मेरा जाना न होगा । यहां ही रात बिताऊंगा । यह कह कर अपनी काठी (एमेगेल्) ले कर, उसका शिरोधान बना कर (देरेल्गेद्) सो गया । मन्त्रिपुत्र ने उस कुए के मुंह (आम्सार्) को बन्द कर दिया (थाग़ाल्ग़ाद्) और अपने धनुर्बाण को चढ़ा कर (ओनिलाजु) सज्ज हो कर (बेलेद्गेद्) बैठ गया (सागुथाला) । इतने में राजकुमार ने एकाएक (गेनेद्थे) जाग कर (सेरेगेद्) धनुर्बाण चढ़ा कर बैठे हुए मन्त्रिपुत्र को देखा और कहा— तुम्हें मुझको मारने की आवश्यकता क्या पड़ी है । मन्त्रिकुमार ने उत्तर दिया—मैं तुमको किस लिए मारूंगा । इस पर राजपुत्र ने कहा—इस कुमारी को तुम लोगे ही । मैं इसको ले लूंगा, यह सोच कर मुझको मारोगे ही । इस पर मन्त्रिपुत्र ने कहा—

१४६ एने खुद्दुग् उन् दोथोरा। थाबुन् जागुन् छिद्खुर् बुइ। सोनि गाछुं नाइमान् थुमेन् बारा यिन् गाजार् आ याबुजु। आमिथान् इ खोओलगिछि बोलाइ। एदुर् गार्बासु। थोलुगाइ आनु खागाराखु थेयिमु आजुगु खेमेग्सेन् दुर्। खागान् उ खोबेगुन् उगुलेरुन्। थेयिमु बुगेसु छि नादुर् उलु खेलेखु बिलिउ। एने छिनु थोङ खुदाल् उगे खेमेगेद् नोछुजु बायिखुइ दुर्। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेरुन्। बि एर्थे छाग् थुर् थाङगारिग् थुर् ओरोगुलुसान् बुलुगे। छि मानाजु उजे गेबे। खागान् उ खोबेगुन् उगुलेरुन्। खेर्बेर् एसे गाछुं इरेबेसु। मिनु उगे बेर् बोलुया। खेर्बेर् गाछुं इरेबेसु। छिनु उगे बेर् बोलुन् याबुया। एसे इरेबेसु। बिदे खोयार् खेरुल्दुखु बुइ खेमेगेद्। खुद्दुग् इ मानाजु सागुबा। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उन्थाबाइ। खागान् उ खोबेगुन् देमेइ खेलेने खेमेगेद्। बासा उन्थाबाइ। थेरे छिद्खुर् गाछुं इरेगेद् थेरे आबाखाइ यि आबुगाद् खुद्दुग् थुर् ओरोजु ओद्बाइ। थुशिमेल् उन् खोबेगुन् सेरेगेद्। खागान् उ खोबेगुन् इ सेर्गुल्जु। आबाखाइ मिनि आलि। छिमायि माना गेजु एसे खेलेलु। बि थेरे आबाखाइ यि आबाछिगाद् खागान् उ थोरु यि छि बारिखु बुलुगे। शाशिन् थोरु यि खोयार् इ छिनु। बि थुशिजु थाङसुग् येखे जिर्गाल्'इयार् जिर्गाखु आमुइ जा। एर्थेन् उ थाल्बिसान् बेर्खे थाङगारिग् इ मार्थाल्

इस कुए के अन्दर ५०० दानव हैं। रात को निकल कर अस्सी सहस्र* योजन भूमि पर चलते फिरते हैं और प्राणियों को हानि पहुंचाते हैं। यदि दिन में निकलें तो उनके सिर खण्ड खण्ड (खागाराखु) हो जाते हैं। राजकुमार ने कहा—यदि ऐसा होता तो तुम मुझको बताते क्या। ये तुम्हारे सर्वथा (थोङ) झूठे (खुदाल्) वचन (उगे) हैं। यह कह कर लड़ने लगा तो मन्त्रिपुत्र ने कहा—पूर्व समय में मैंने इनको शपथ दिलाई थी (थाङगारिग् थुर् ओरोगुलुग्सान् बुलुगे)। तुम ध्यान से देखना (मानाजु उजे)। राजपुत्र ने कहा—यदि (खेर्बेर्) दैत्य नहीं निकल आए तो मेरी बात (मिनु उगे बेर्) रहेगी (बोलुया)। यदि निकल आए तो तुम्हारी बात मान लूगां (बोलुन् याबुया)। यदि न निकले तो हम दोंनो लड़ेंगे (खेरुल्दुखु बुइ)। कुए का पहरा देता रहा। मन्त्रिकुमार सो गया। राजकुमार भी—व्यर्थ की बात कहता है (देमेइ खेल्लेने)—यह कह कर सो गया। दैत्य निकल आए और उस कुमारी को ले कर कुए में घुस गये। मन्त्रिकुमार ने जाग कर राजकुमार को जगाया—मेरी कुमारी कहां (आलि) है। तुमको—पहरा देना—यह नहीं कहा था क्या। मैं उसको ले आऊं तो (आबाछिगाद्) राजशासन तुम धारण करोगे। धर्म और शासन दोनों तुम्हारे होंगे। मैं इनका सहारा ले कर (थुशिजु) विशाल (थाङसुग्) महान् सुख (जिर्गाल्) से सुखी शान्त रहूंगा (जिर्गाखु आमुइ जा)। पूर्व की ली हुई (थाल्बिसान्) कठोर (बेर्खे) शपथ को भूले (मार्थाल्)

* श्री शॉइन ने भूल से "आठ सहस्र" अर्थ किया है।

१४७ ठुगेइ दाग़ाग़सान् बुलुगे बि । खुबि जायाग़ान् ठुगेइ खाग़ान् बोलाइ छि खेमेम्सेन् दुर् । खाग़ान् उ खोबेगुन् गेम्शिजु दागुन् एसे ग़ार्बाइ । थुशिमेल् ठुन् खोबेगुन् ठुगुलेरुन् । बि थेरे योञ्खोर् उथासु बार् देगेसुलेजु ओरोसुग़ाइ । उसुन् आछा नाग़ाना यागुमा ठुगेइ बोल्बासु । देगेसु बेन् दुग़थाराजु थाथासुग़ाइ । खेर्बे आबाखाइ उसुन् उ जाखा दुर् बुइ आबासु । गुर्बान् ठुये दुग़थाराजु थाथाया खेमेन् खेलेगेद् । खुद्दुग़् दोथोरा ओरोबाइ । आबाखाइ यि आबाछ्ग़ाद् उसुन् उ जाखा दुर् निगेन् नुखेन् दोथोरा खीजु* साग़ुल्याग़सान् आजुगु । थुशिमेल् ठुन् खोबेगुन् ओल्जु ठुजेगेद् । थेरे आबाखाइ दु । देगेसु बेन् बारिगुल्जु । गुर्बान् ठुये दुग़थाराग़सान् दुर् । देगेग्शि इनु थाथाजु ग़ार्ग़ाबाइ । आबाखाइ थेरे देगेसु बेन् थुशिमेल् ठुन् खोबेगुन् दुर् ओर्खिजु ओग्गुये खेमेम्सेन् दुर् । खाग़ान् उ खोबेगुन् इयेर् एसे ओर्खिगुल्बाइ । खाग़ान् उ खोबेगुन् । आबाखाइ यि जोदोग़ाद् । मोरिन् दुर् इयान् उनुगुलुग़ाद् याबुबाइ । थेरे आबाखाइ येखेदे ग़ासुलाजु उखिलाग़ाद् । एयिन् ठुगुलेरुन् । शिम्नुस् उन् ओरोन् आछा आबुराग़्छि । ग़ाग़छाखान् इथेगेल् मिनु बुलुगे । आछि ठुगेइ खोगुसुन् खुद्दुग़् थुर् ओर्खिबाइ खेमेन् ग़ाशिगुदाजु

बिना (ठुगेइ) मैंने तुम्हारा अनुसरण किया है । भाग्य और दैवहीन (खुबि जायागान् ठुगेइ) तुम राजा बन गये हो । ऐसा कहने पर राजपुत्र दुःखी हुआ और उसके मुख से एक शब्द न निकला । मन्त्रिकुमार ने कहा— मैं उस कौशेय धागे के साथ बंध कर (देगेसुलेजु) कुए में प्रवेश करूंगा । पानी से इधर (नाग़ाना) यदि कुछ नहीं हुआ तो अपनी डोरी को (देगेसु बेन्) झटका दे कर (दुग़थाराजु) खींचूंगा (थाथासुग़ाइ) । यदि कुमारी जल के तट पर (जाखा दुर्) हुई तो (बुइ आबासु) तीन बार झटका दे कर खींचूंगा । यह कह कर कुए में प्रविष्ट हुआ ।

कुमारी को ले जा कर पानी के तट पर एक गुहा (नुखेन्) के अन्दर डाल कर (खीजू) बिठाया हुआ था (साग़ुल्याग़सान् आजुगु) । मन्त्रिकुमार ने उसको पा लिया और कुमारी को अपनी डोरी पकड़वा दी (देगेसु बेन् बारिगुल्जु) । तीन बार झटका देने पर (दुग़थाराग़सान् दुर्) ऊपर (देगेग्शि) खिंच कर (थाथाजु) कुमारी निकल आई (ग़ार्ग़ाबाइ) । कुमारी ने कहा—इस डोरी को मन्त्रिकुमार के लिए कुए में छोड़ो, किन्तु राजकुमार ने डोरी को नीचे नहीं छोड़ने दिया । राजपुत्र ने कुमारी को पीटा (जोदोग़ाद्) और अपने घोड़े पर सवार करा कर चल दिया । कुमरी ने बहुत विलाप किया और रोई, और यूं बोली—दैत्यों के लोक से बचाने वाला वह मेरा एक मात्र शरण था । कृतघ्न (आछि ठुगेइ) हो कर शून्य कूप में छोड़ दिया । यह कह कर विलाप करती (ग़ाशिगुदाजु)

* श्री बॉडन ने "गेजु" पढ़ा है । सो ठीक नहीं ।

१४८ याबुखुइ दुर् । खाग़ान् उ खोबेगुन् एयिन् उुगुलेरुन् । मिनु खुछुन् इयेर् । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन्
छिमायि आब्छु इरेग्सेन् बुइ जा । थेगुन् उु थुला । यागुन् दु ग़ोमुदुखु बुइ । एने याबुदाल् इ
खाग़ान् एखिलेन् । खामुग़् उलुस् थुर् बू खेले गेजु जाखिग़ाद् याबुवाइ । खाग़ान् उ ओर्दु खाशि
दुर् ग्वुरुग्सेन् दुर् । खाग़ान् खाथुन् । खेउुखेन् इयेन् उुजेगेद् जोल्ग़ोजु येखेदे ग़ाशिगुदान्
एङखुरेग्सेन् सेद्ग्वल् इयेन् खानुग़ाद् । एदुर् सोनि उुगेइ उुर्गुल्जि बायामुल्छान् जिर्ग़ाबाइ ।
खाग़ान् उ खोबेगुन् दुर् । आबाखाइ यि ओग्गुये खेमेग्सेन् दुर् । आबाखाइ उुगुलेरुन् । मुङखाग़्
आदुग़ुसुन् उ देर्गेदे याबुग़्मान् उ थुला । बुजार् बोलुग़्सान् बुइ जा । ग़ुर्बान् सारा छाम् दुर्
सागुसुग़ाइ खेमेगेद् छाम् दुर् सागुबाइ । थेरे थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् खुद्दुग़् थुर् खेब्थेथेले
एनेद्खेग् उुन् ओरोन् आछा दोलुग़ान् आजार् याबुजु थेन्दे इरेगेद् । मिङगान् थावुन् जागुन् आल्दान्
योङखोर् उथामुन् दुर् खोबुग़ा उयाजु । उसुन् दुर् ओर्ग्विबासु । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् ।
थेगुन् एछे बारिग़्मान् दुर् । थेरे आजार् नार् उुगुलेरुन् । छिद्ग्वुर् बुइ ऊ लूस्
बुइ ऊ खेमेन् दागुदाग़्मान् दुर् । याम्बार् छु बोल्बा । नामायि थाथा
खेमेबे । थाथाजु ग़ार्ग़ाग़ाद् । छि यागुन् खोबेगुन् बुइ

चलती गई। राजपुत्र बोला—मेरी शक्ति द्वारा मन्त्रिकुमार तुम को ले आया था, अतः तुम क्यों दुःखी हो (गोमुदुग्वु बुइ)। इस बात को राजा और सब प्रजा को मत कहना। यह समझा कर (जाखिग़ाद्) चलता रहा। जब राजा के महल में पहुंचे, राजा रानी अपनी कन्या को देख कर और मिल कर (जोल्ग़ोजु) बहुत रोए (ग़ाशिगुदान्) तथा वियुक्त (एङखुरेग्सेन्) चित्त को तृप्त किया (खानुग़ाद्)। दिन रात, विना भेद के, निरन्तर (उुर्गुल्जि) प्रसन्नता मनाते रहे (बायासुल्छान्) और सुखी हुए (जिर्ग़ाबाइ)। कहने लगे—राजकुमार को अपनी कन्या देंगे। कुमारी ने कहा—मूढ, (मुङखाग़्) पशु के पास (आदुगुसुन् उ देर्गेदे) रहने से (याबुग़्सान् उ थुला) मैं अवश्य अपवित्र बन गई हूं। (बुजार् बोलुग़्सान् बुइ जा)। तीन मास ध्यान (छाम्) में बैठूंगी। यह कह कर ध्यान में बैठ गई।

जब मन्त्रिकुमार कुए में पड़ा हुआ था तब भारत देश से सात आचार्य* (आजार्) चलते २ वहां पहुंचे। एक सहस्र पांच सौ व्याम (आल्दान्) कौशेय (योङखोर्) डोरी में (उथासुन् दुर्) डोल (खोबुग़ा) बांध कर (उयाजु) पानी में छोड़ा तो (ओर्खिबासु) मन्त्रिकुमार ने पकड़ लिया। वे आचार्य बोले— तुम दैत्य हो अथवा नाग (लूस्) हो। ऐसा बुलाने पर (दागुदाग़्सान् दुर्) मन्त्रिपुत्र ने कहा—जो भी हूं मुझको खींच लो (थाथा)। उन्होंने खींच कर निकाल लिया। तुम कौन लड़के हो,

* श्री बॉडन को आजार् शब्द मोंगोल कोशों में नहीं मिला, इसलिये वे न समझ पाए कि यह संस्कृत "आचार्य" है

१४६ एने खुद्दुग् दोथोरा यागुन् खिजु खेब्थेमुइ खेमेन् आसागुबासु। थेरे खोबेगुन् आलि बुलुइ उछिर् इयान् देल्गोरेगुलुन् उगुलेबेसु। थेदे उगुलेरुन्। खायिरान् एयिमु आछि थुसा थु खोबेगुन् इ खाराङगुइ यिन् इरुग़ार् थुर् छिलागुन् मेथु ओखिसु। छाम्बुदिब् उन् आमिथान् खोओर् थु सेद्खिल् थु बुइ जा। बिदे एनेद्खेग् उन् ओरोन् आछा सुमे सुबुर्गा एब्देरेस्सेन् उ थुला। बादार् बारिरा इरेस्सेन् बुलुगे खेमेस्सेन् दुर्। थुमिमेल् उन् खोबेगुन् एयिन् थेयिन् खारागालाबासु खागान् उ खोबेगुन् उ सागुस्सान् ग़ाजार् आ शिरुइ ओबोगालास्सान् इ खारागाद् ओछिबासु। थेरे आबाखाइ आनु दालिन् दुर् खिस्सेन् निगेन् एर्देनि इ बुलाजु ओखिस्सान् इ ओल्जु। थेगुन् इ आबुगाद्

आजार्

नार् थुर् बारिबाइ। थेदे बायार्लाजु आबुगाद् याबुबाइ। थुमिमेल् उन् खोबेगुन्। जाम् दुर् ओरोन् बुछाखु जुग् याबुबाइ। थेरे खागान् उ खोबेगुन्। आबाखाइ यि छाम् दुर् सागुस्सान् उ खोयिना। बि खामुग् इ मेदेग्छि बोल्सुगाइ खेमेन्। खागान् दु आयिलाद्खास्सान् दुर्। खागान् जार्लिग् बोलोरुन्। उरिद् खेलेस्सेन् उगे मिनु बायिस्सागार् बुइ जा गेबे। खान् खोबेगुन् थेरे खागान् उ दोर्बेन् जुग् उन् खागाल्गान् इ साखिग्छिद् थुर् एयिन् उगुलेरुन्। निगेन् सायिखान् जिसु थु खोबेगुन् इरेगेद्। एने थेरे खेमेन् उगे खेलेबेसु। था थेगुन् इ बारिजु खुलिगेद्। नादुर् खेले खेमेन्

इस कुए के अन्दर क्या करते लेटे थे (यागुन् खिजु खेब्थेमुइ)। लड़के ने जब सब कुछ अपना वृत्तान्त सविस्तर सुनाया तो वे बोले—हाए (खायिरान्), इतने कृपालु हितकारी (आछि थुसा थु) लड़के को अन्धकार के (खाराङगुइ यिन्) तल में (इरुग़ार् थुर्) पत्थर के समान छोड़ दिया। सो यह जम्बुद्वीप के प्राणियों में दुष्टचित्त वाला जन है। हम भारतवर्ष से, विहार और चैत्य नष्ट होने के कारण (एब्देरेस्सेन् उ थुला), दान* मांगने आए हैं (बादार् बारिरा इरेस्सेन् बुलुगे)। ऐसा कहने पर मन्त्रिपुत्र ने इधर (एयिन्) उधर (थेयिन्) देखा तो (खारागालाबासु) राजपुत्र के बैठने के स्थान में मिट्टी (शिरुइ) ढेर लगी (ओबोग़ालास्सान्) देखी। देख कर (खारागाद्) वहां पहुंचा तो (ओछिबासु) कुमारी ने थैली (दालिन्) में डाले हुए (खिस्सेन्) एक रत्न को गाड़कर (बुलाजु) छोड़ दिया था (ओखिस्सान्)। उसने उसको पाकर (ओल्जु), लेकर (आबुगाद्), आचार्यों (आजार् नार्) को दे दिया (बारिबाइ)। वे प्रसन्नता पूर्वक लेकर चले गये। मन्त्रिपुत्र मार्ग में प्रवेश कर के (जाम् दुर् ओरोन्) लौटने की दिशा में चला (बुछाखु जुग् याबुबाइ)।

राजकुमार ने कुमारी के ध्यान में बैठने के पश्चात् राजा से निवेदन किया— मैं सब का अधिकारी (मेदेग्छि) बनूगा (बोल्सुगाइ) अर्थात् मब वस्तुएं अपने अधिकार में लूगा। राजा ने कहा—मेरे पहले कहे वचन अभी तक हैं ही (बायिस्सागार् बुइ जा)। राजपुत्र ने राजा के चार दिशाओं के द्वारों के रक्षकों को यू कहा—एक सुन्दर रूप वाला (जिसु थु) लड़का आएगा। यदि वह इधर उधर (एने थेरे) की बातें करने लगे तो (खेमेन् उगे खेलेबेसु) तुम उसको पकड़ कर बांध लेना (खुलिगेद्) और मुझ को बताना (खेले)।

* बादार = पातर = पात्र, भिक्षापात्र।

१५० जाखिग़ाद् सागुथाला । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् खुछुं इरेग्सेन् दुर् । थेरे खाग़ाल्ला साखिरिछद् । खान् खोबेगुन् उ खेलेग्छि एने बायिना खेमेगेद् । थेगुन् इ बारिजु खुलिगेद् । खान् खोबेगुन् दुर् आयिलादखारुन् । थेयिमु खोबेगुन् इरेग्सेन् दुर् । बिदे बारिजु खुलिगेद् इरेबे खेमेग्सेन् दुर् । खान् खोबेगुन् उगुलेरुन् । थेगुन् इ निगेन् ग़ार् खोल् इ इनु खुग़ुलुग़ाद् निगेन् निदुन् इ थेसेल्जु । खुबाखायिराग़सान् मोदुन् उ देगेंदे आबाछिजु ओर्खि खेमेबे । थेरे मोदुन् आनु । एर्देनि थु मोदुन् बुगेद् । थेरे मोदुन् दुर् आबाछिजु ओर्खिग़सान् दुर् । थेरे मोदुन् आछा उगुंग़सान् जिमिस् इ इदेबेसु । याम्बार् बा । एबेद्छिन् एम्गेग् इदेगेखु बुलुगे । जागुन् खोनुग़् बोल्याला ओलुस्खु उम्दाग़ास्खु उगेइ आजुगु । थेरे मोदुन् इ उरिद् बुर्थाग़ालाग़सान् उ थुला । खुबाखायिराग़सान् बुगेद् । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् इ थेरे मोदुन् उ देगेंदे ओर्खिबाइ । थेरे मोदुन् इ थारिग्छि खुमुन् इ खान् बुरुग़ुशियाजु आला खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् सोनुसुग़ाद् । दुथाग़ान् ग़ारुग़ाद् । एदुर् इनु नुखेन् दुर् ओरोजु । सोनि गेर् थेगेन् इरेजु खोगुला इदेदेग् बुलुगे । निगेन् एदुर् ए नुखेन् एछेगेन् ग़ारुग़ाद् । थेरे मोदुन् जुग् इयेन् खाराबासु । थेरे मोदुन् आनु बारायिजु खाराग़दाबाइ । खुबाखायिराग़सान् मोदुन् आनु आमिदुराबाउ खेमन् सानाग़ाद् सोनि ओछिबासु । इरुग़ार् थुर् आनु निगेन् खोबेगुन् खेब्थेखुइ यि उजेगेद् । छि यागुन् खोबेगुन् बुलुगे खेमेग्सेन्

यह आदेश देकर बैठा था कि (जाखिग़ाद् सागुथाला) मन्त्रिपुत्र आ पहुंचा । द्वार-रक्षकों ने कहा—राजपुत्र का कहा हुआ (खेलेग्छि) यही है । सो उसको पकड़ कर बांध दिया और राजपुत्र को सूचना दी—इस प्रकार के लड़के के आने पर हमने उसको पकड़ कर बांध लिया और आपके पास आए हैं । राजकुमार ने कहा—इसका एक हाथ और एक पांव तोड़ डालो (खुग़ुलुग़ाद्) । एक आंख फोड़ दो (थेसेल्जु) । सूखे हुए (खुबाखायिराग़सान्) वृक्ष के पास ले जाकर (आबाछिजु) छोड़ दो (ओर्खि) । यह वृक्ष रत्नमय वृक्ष था । उस वृक्ष के पास ले जाकर छोड़ दिया ।

यदि उस वृक्ष से उत्पन्न हुए (उगुंग़सान्) फल को कोई खा लेता, तो जो भी रोग (एबेद्छिन्) अथवा कष्ट होता वह ठीक (इदेगेखु) हो जाता, और १०० दिन रात तक भूख (ओलुस्खु) प्याम (उम्दाग़ास्खु) न रहती । यह वृक्ष पहले अपवित्र करने के कारण (बुर्थाग़ालाग़सान् उ थुला) सूख गया था (खुबाखायिराग़सान्) । मन्त्री के पुत्र को उस वृक्ष के पास छोड़ गये । इस वृक्ष के लगाने वाले जन (थारिग्छि खुमुन्) को अपराधी ठहरा कर (बुरुग़ुशियाजु) राजा ने मारने का आदेश दिया था । उस मनुष्य ने वह आदेश सुन लिया था और सुनकर भाग निकला था (दुथाग़ान् ग़ारुग़ाद्) । वह दिन में गुहा (नखेन्) में प्रवेश कर जाता और रात को अपने घर आकर भोजन (खोगुला) खाता था । एक दिन गुहा मे निकलते हुए उसने वृक्ष की ओर (मोदुन् जुग्) देखा तो (खाराबासु) वह वृक्ष हरा सा दिखाई दिया (बारायिजु खाराग्दाबाइ) । सूखा वृक्ष जी उठा क्या (आमिदुराबाउ)—यह सोच कर रात को जब गया तो (ओछिबासु) जड़ में (इरुग़ार् थुर्) एक लड़के को लेटे हुए (खेब्थेखुइ) देखा । पूछा—तुम कौन लड़के हो ।

१५१ दुर् । बि खान् खोबेगुन् दुर् गेम् खिग्सेन् उ थुला । नामायि छाग़ाजिलाजु । एने मोदुन् उ देगेंदे ओखिबाइ । खेमेखुइ दुर् थेरे खुमुन् आसागुरुन् । एने मोदुन् इजागुर् खुबाराग़सान् बुलुगे । एदुगे याम्बार् बायिनाम् खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेरुन् । नामायि ओखिखुइ दुर् खुबाखाइ बिले । एदुगे छेछेग् उर्गुजु बायिनाम् खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् उगुलेरुन् । बि एने मोदुन् इ साखिग़सान् खुमुन् बुलुगे । एने मोदुन् खुबिराग़सान् इयार् । आलाल्गान् दुर् खुरुग्सेन् खुमुन् बुगेद् । मिनु उरुग् सादुन् आमिदुराग़सान् बायिना । बि गेर् थेगेन् खारिग़ाद् छिमा दुर् इदेगेन् आबाछिरासुग़ाइ खेमेगेद् खारिबाइ। गेर् थेगेन् खारिग़ाद् । खेउखेद् थेगेन् याम्बार् बा । उछिर् इ खेलेबेसु । बुगुदे बायार्लाजु । थेरे खोबेगुन् छिनु बेयेन् एछे इल्गाल् उगेइ बिशिउ । थेयिमु यिन् थुला । इदेगेन् इ येखे आबाछिजु ओग् खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् इदेगेन् इ आबाछिजु ओग्गुगेद् । एने मोदुन् उ जिमिस् उगुंबासु छि बिदे खोयार् उन् जिर्गाल् उर्गुंखु बुइ जा । छि एदुर् उर्गुंखु यि उजेजु बाइ सोनि एर्गेजु उजेसु खेमेगेद् । नुखेन् देगेन् ओद्बाइ । सोनि बोल्खुइ दुर् थेरे खुमुन् इरेगेद् जिमिस् उर्गुंजु ऊ खेमेगेद् आसागुबासु । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् जिमिस् उर्गुंजु बायिना गेजु खेलेबे । छि खाग़ान् उ आबाखाइ यि मेदेदेग् बुयु खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् उगुलेरुन् । बि येखे मेदेखु बुलुगे । मिनु निगेन् ओखिन्

मैंने राजकुमार का अपराध (गेम्) किया, अतः मुझको दण्ड देकर (छाग़ाजिलाजु) इस वृक्ष के पास छोड़ गये । इस पर उस पुरुष ने पूछा—इस वृक्ष की जड़ सूख गई थी । अब (एदुगे) कैसी है । लड़के ने उत्तर दिया—जब मुझको छोड़ गये थे तब सूखी (खुबाखाइ) हुई थी । अब फूल उग आए हैं । इस पर वह व्यक्ति बोला—मैं इस वृक्ष का रक्षक (साखिग़सान्) जन था, इस वृक्ष में परिवर्तन हो गया, सो मैं मृत्युदण्ड प्राप्त जन बन गया । मेरे सम्बन्धी (उरुग् सादुन्) जीवित (आमिदुराग़सान्) हैं । मैं अपने घर जाकर तुम्हारे लिये भोजन ले आता हूं । यह कह कर चला गया । अपने घर जाकर अपने बच्चों को सब कुछ वृत्तान्त सुनाया । सब प्रसन्न हुए और बोले—यह लड़का तुम से (छिनु बेयेन् एछे) अभिन्न (इल्गाल् उगेइ) नहीं हैं क्या (बिशि उ), अतः इस को बहुत सा भोजन ले जा कर दो । पुरुष भोजन ले गया और लड़के को दे दिया । यदि इस वृक्ष के फल उग आएं तो हमारा और तुम्हारा सुख भी उगेगा । तुम उगने को दिन में देखना, मैं रात को चक्र लगाकर (एर्गेजु) देखूंगा—यह कह कर गुहा में चला गया । रात होने पर वह पुरुष आया और पूछा—क्या फल उग गये । मन्त्रिकुमार ने कहा— हां उग गये हैं । तुम राजकुमारी को जानते हो क्या । इस पर वह पुरुष बोला—मैं बहुत अच्छी प्रकार जानता हूं । मेरी एक लड़की

१५१ थेरे आबाखाइ यिन् इनाग् दागाल्था बुलुगे । थेरे आबाखाइ यि बुखा जागान् आबाछिसान् इ निगेन् खुबिल्यान् खोबेगुन् इरेगेद् । थेरे बुखा जागान् उ खोयिना आछा नेखेजु आञ्छु इरेग्सेन् दुर् ।
थेरे खोबेगुन् दु । आबाखाइ यि ओग्गुगेद् । खान् ओरोन् दुर् सागुल्याखु खेमेग्सेन् दुर् । थेरे आबाखाइ गुर्बान् सारा बोल्थाला छाम् दुर् सागुसान् बुलुगे । मिनु ओखिन् इनु छाब् छाइ यि
बारिजु याबुदाग् बोलाइ खेमेग्सेन् । थेरे खोबेगुन् उगुलेहुन् । निगेन् जिमिस् थु नाञ्छिन् इ नादा आबुगाद् आछा खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् आञ्छु ओग्बेइ । थेरे खोबेगुन् इनु नाञ्छिन् दुर् ।
शिलुसुन् इयेर् बिछिग् बिछिगेद् थेरे खुमुन् दुर् उगुलेहुन् । छि एगुन् इ आबाछिगाद् । ओबेर् उन् ओखिन् दुर् ओग्छु । थेरे आबाखाइ दुर् उजेगुले गेजु जाखिजु ओग् खेमेग्सेन् दुर् ।
थेरे खुमुन् नाञ्छिन् इ आबुगाद् । गेर् थेगेन् इरेजु खोगुला इदेजु सागुथाला । ओखिन् इनु इरेबेइ । एछिगे इनु मोदुन् इयान् ओग्बे । ओखिन् इनु उगुलेहुन् । खागुछिन् मोदुन् आछा जिमिस् उगुंसान् बुयु । यागुन् मोदुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । एछिगे इनु उगुलेहुन् । थेरे मोदुन्
दुर् मान् उ जिमिस् उगुंबाइ खेमेखुइ दुर् ओखिन् उगुलेहुन् । एछिगे लुगे बेन् गारछारसान् बोलाइ ।
खाम्थु जिर्गाखु मान् उ एने बुइ जा खेमेगेद् । थेरे मोदुन् इ आबाछिगाद् आबाखाइ दुर्
बारिबा । आबाखाइ उजेगेद् । एबेउ एने मोदुन् आछा जिमिस् उगुंसान् आजुगु खेमेगेद् ।

उसकी प्रिया (इनाग्) दासी है । उस राजकुमारी को नर हाथी ले गया था (आबाछिसान्) । एक सिद्ध लड़का आया और नर हाथी का पीछा करके राजकुमारी को ले आया । उस कुमार को राजकुमारी देने और राजासन पर बिठाने को कहा तो वह कुमारी तीन मास के लिये ध्यान में बैठ गई । मेरी लड़की इसको भोजन (छाब्) और चाय देने जाती रहती है (बारिजु याबुदाग् बोलाइ) । इस पर मन्त्रिकुमार ने कहा—एक फल वाला पत्ता (नाञ्छिन्) हम को ला कर दो (आछा) । उस व्यक्ति ने ला दिया । मन्त्रिकुमार ने उस पत्ते पर लाला से (शिलुसुन् इयेर्) पत्र लिखा और उस पुरुष को कहा—तुम इसको ले जाओ और अपनी लड़की को दे दो । और वह उस कन्या को दिखला देवे (उजेगुले) । यह समझा दो (जाखिजु ओग्) । इस पर उस पुरुष ने पत्ता ले लिया । अपने घर आ कर भोजन कर ही रहा था कि उसकी लड़की आ पहुंची । पिता ने वृक्ष का पत्ता दिया । लड़की ने पूछा—क्या पुराने (खागुछिन्) वृक्ष के फल लग गये हैं अथवा यह कौन सा वृक्ष है । पिता ने कहा—हमारे वृक्ष पर फल उग आए हैं । लड़की बोली— मैं अपने पिता से (एछिगे लुगे) वियुक्त (गारछारसान्) हो गई थी, अब हम इकट्ठे (खाम्थु) सुख से रहेंगे । उसने पत्ते को ले कर राजकुमारी को दे दिया (बारिबा) । कुमारी ने देखा—अरे (एबेउ) इस वृक्ष के फल उग आए हैं ।

१५३ एर्गेगुल्जु उजेगेद् । थेरे बिछिग् इ उजेजु । मोन् नाब्छिन् दुर् शिल्सुन् इयेर् बिछिगेद् । जागुन् आम्था थु इदेगेन् इ खाम्थु ओग्गुगेद् । एयिन् जाखिरुन् । थेरे मोदुन् उ देर्गेदे याम्बार् छु खुमुन् ओछिबासु ओग् खेमेन् जाखिजु । ओखिन् दुर् ओग्गुगेद् । येखेदे एनेरेजु खायिलाबाइ । थेरे ओखिन् गायिखागाद् । एछिगे देगेन् ओग्छु । एछिगे एछेगेन् एयिन् आसागुरुन् । थेरे मोदुन् दुर् खुमुन् बुइ ऊ । मान् उ थेरे आबाखाइ येखेदे एनेरेजु खायिलाबाइ खेमेग्सेन् दुर् । एछिगे इनु उगुलेरुन् । थेरे मोदुन् उ देर्गेदे निगेन् गेम् खिग्सेन् खोबेगुन् गार् खोल् उगेइ छागाजिलागदाजु खेब्थेदेग् बुइ । थेगुन् इ बि ओर्बेद्जु इदेगेन् ओग्गुदेग् बोलाइ खेमेग्सेन् दुर् । ओखिन् उगुलेरुन् । थेरे मोदुन् दुर् । खोबेगुन् इ ओखिखु छाग् थुर् याम्बार् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खोबेगुन् इ ओखिखुइ दुर् खुबाखाइ बिले । एदुगे थेरे खोबेगुन् एछे खोयिशि। जिमिस् उर्गुबा खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ओखिन् । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् छु बुइ जा गेजु सानागाद् खारिबाइ । थेरे खुमुन् ओछिगाद् इदेगेन् । नाब्छिन् इ थेरे खोबेगुन् दुर् ओग्बेइ । खोबेगुन् इनु । नाब्छिन् दाखि बिछिग् इ उजेगेद् । उगुलेरुन् । मार्गाथा नारान् गुदुयिखु छाग् थुर् इरे । छिनु जोवालाङ इ बि आबुर्सुगाइ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् बायालगाद् ।

उलट कर (एर्गेगुल्जु) देखा तो लेख पाया । उसी पत्ते पर उसने भी लाला से लिखा । सौ स्वाद वाले (आम्था थु) भोजन को साथ (खाम्थु) दिया और यह समझाया—उस वृक्ष के पास जो कोइ जन हो (ओछिबासु) उसको दे दो । यह समझा कर लड़की को दे दिया और बहुत दयापूर्ण (एनेरेजु) रोने लगी (खायिलाबाइ) । वह लड़की चकित हुई । अपने पिता को दे कर उससे पूछने लगी—क्या उस वृक्ष के पास कोई जन है । हमारी राजकुमारी उसके लिये शोक विलाप कर रही है । इस पर पिता बोला—उस वृक्ष के पास एक लड़का है जिसने अपराध किया है । उसको हाथ पांव काटने का दण्ड दिया गया है । अब वह वहां लेटा है । दया करके (ओर्बेद्जु) मैं इसको भोजन देता रहा हूं । लड़की ने पूछा—वृक्ष के पास लड़के को छोड़ने के समय वृक्ष कैसा था । पिता ने उत्तर दिया—लड़के को छोड़ने के समय वृक्ष सूखा था । अब उस लड़के के आने के पश्चात् (खोयिशि) फल उग आए हैं । लड़की ने सोचा—यह मन्त्रिकुमार ही होगा । यह सोच कर वह लौट गई । उसके पिता ने जा कर भोजन और पत्ता लड़के को दे दिया । लड़के ने पत्ते पर के (नाब्छिन् दाखि) लेख को देखा और कहा—कल (मार्गाथा) सूर्यास्त (नारान् गुदुयिखु) समय आओ (इरे) । तुम्हारे दुःख को मैं दूर करूंगा (आबुर्सुगाइ) । इस पर वह पुरुष प्रसन्न हुआ ।

१५४ एने लाब्था निगेन् बोदिसदुआ बुइ जा गेजु सानागाद् नुखेन् देगेन् ओद्बाइ । मार्गाथा नारान् गुदुयिखुइ दुर् । थेरे खुमुन् इरेगेद् उुजेबेसु । ओग़थार्गुइ दुर् ओलान् ओङगे यिन् सोलोङ्ग़ा थाथाग़ाद् । ग़ाजार् देलेखेइ बेर् दोल्गिसुन् खोदेल्गेद् । निगेन् आल्थान् थेर्गेन् दुर् सागुसान् आयुखु मेथु दुरि थेइ ब्लामा खुर्छु इरेबेसु । थेरे बुगुदे उखुद्गेन् उनाबाइ । थेरे नुखेन् दुर् खेब्थेदेग् खुमुन् । दाल्दा ओरोखु ग़ाजार् इयान् ओलुन् यादाजु बायिखुइ दुर् । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उुगुलेरुन् । बू आयु खेमेगेद् । निगेन् आद्खु शिरुइ थार्निदाजु साछुबासु । थेरे खुमुन् उु आयुखु सेद्खिल् इनु उुगेइ बोल्बाइ । थेरे ब्लामा छिमायि खेन् एने मेथु ग़ार् खोल् निदुन् उुगेइ बोल्ाबाइ । थेरे खुमुन् उु मिखान् इ इदेसुगेइ । छिसुन् इ ऊगुसुग़ाइ । आरासु बार् इनु खुखूर् खिसुगेइ खेमेग्सेन् दुर् थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उुगुलेरुन् । बि एने मोदुन् उ जिमिस् इ इदेये खेमेन् । एने मोदुन् दुर् आबिराजु बायिस़ाग़ार् एब्देरेबेइ । खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ब्लामा दाखिन् दाखिन् आयिलाद्बासु एसे खेलेबेइ । थेरे ब्लामा उुगुल्लेरुन् । देगेदु बोग़दा मोन् उु थुला । बुसुद् उन् गेम् इ निगुग़ाद् । ओबेर् उुन् गेम् इ ग़ार्गामुइ खेमेगेद् । एरिखेन् इयेन् ओग्छु आर्बाइ बेर् साछुग़ाद् । देगेरे इनु मायिखान् गेर्

यह निश्चय ही (लाब्था), बोधिसत्त्व होगा । यह सोच कर अपनी गुहा में चला गया । अगले दिन सूर्यास्त के समय उस मनुष्य ने आ कर देखा तो आकाश में बहुत रंगों का इन्द्रधनुष (सोलोङ्ग़ा) छा गया (थाथाग़ाद्) । पृथ्वी (ग़ाजार देलेखेइ) हिली (दोल्गिसुन्) और कांपी (खोदेल्गेद्) । एक स्वर्ण रथ (थेर्गेन्) में बैठा हुआ भैरव रूप वाला (दुरि थेइ) लामा आया । सब मूर्छित हो कर गिर पड़े (उुखुद्गेन् उनाबाइ) । गुहा में लेटने वाले जन को अपने छुपने (दाल्दा ओरोखु) के स्थान के मिलने में (ओलुन्) कठिनाई (यादाजु) हुई । मन्त्रिकुमार ने कहा—मत डरो । एक मुट्ठी भर (आद्खु) मिट्टी (शिरुइ) मन्त्र* फूंक कर बखेर दी (थार्निदाजु साछुबासु) । उस मनुष्य की भय-भावना न रही । लामा ने पूछा—किसने तुम्हारे हाथ, पांव और आंख को इस प्रकार नाश किया । उस मनुष्य का मैं मांस खा जाऊंगा, लहू पी जाऊंगा, उसकी चमड़ी (आरासु) से कलश बनाऊंगा (खिसुगेइ) । इस पर मन्त्रिकुमार ने कहा—मैं इस वृक्ष के फल को खाऊंगा । यह सोच कर इस वृक्ष पर चढ़ते चढ़ते (आबिराजु बायिस्साग़ार्) मेरे अंग टूट गये (एब्देरेबेइ) । इतना कहने पर लामा ने उसको बार २ (दाखिन् दाखिन्) पूछा । फिर भी उसने नहीं बताया । लामा ने कहा—परम महात्मा (देगेदु बोग़दा) होने के कारण दूसरों के अपराध को छिपा कर तुमने स्वयं के अपराध को दिखाया है । अपनी माला (एरिखेन्) उसको दे कर, उस पर जौ (आर्बाइ) बखेर कर (साछुग़ाद्), उसके ऊपर एक तम्बू (मायिखान्) का घर (गेर्)

* थार्नि=धारणी=मन्त्र ।

१५५ बायिगुल्जु ओग्गुगेद् । थेरे नुखेन् उ खुमुन् इ । एगुन् दुर् थुसालाग़सान् उ आछि खुछुन् इयेर् निगेन् नासुन् दुर् बोदि खुथुग् थुर् खुर्खु बोल्थुग़ाइ खेमेन् इरुगेर् थाल्बिग़ाद् । उुलु उुजेग्देन् ओद्बाइ । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् उगुलेरुन् । छि जिमिस् एछे बेन् । खाग़ान् दाग़ान् मार्ग़ाथा आबाछिजु बारि । नाब्छिन् दाखि बिछिग् इ आबाखाइ दुर् ओग् खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् येखेदे, बायास्छु उुगुलेरुन् । छि निगेन् बुर्खान् बुइ जा । थेरे मेथु आयुखु दोग़िशन् दुरि थेइ ब्लामा इरेगेद् । खेन् जासाग़लाबाइ खेमेन् आसागुबासु । आमिथान् दुर् खोओर् बोल्खु यि सानाजु उुलु उुगुलेन् आजुगु । एने खुबाखाइ मोदुन् आछा नाब्छि छेछेग् उुर्गुग़सान् आनु । छिनु आदिस्थिद् उन् खुछुन् बोलाइ । छि नादुर् निगुल् उुगेइ आयिलादुन् सोयोर्ख़ा । छि यागुन् खुमुन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उुगुलेरुन् । याम्बार् बा उछिर् इ मिनु खाग़ान् खाथुन् । सायिद् थुशिमेद् एने मोदुन् उ देर्गेदे इरेखु बुइ जा । थेरे देगेरे उछिर् इयान् मेदेम्जे । बिदे छि बेर् उरिद् थोरोल् दुर् जोबाग़सान् दुर् । बि छिमायि थुसालाग़सान् खुछुन् इयेर् एदुगे मिनु जोबाजु खेब्थेखुइ दुर् । छि बेर् थुसालाग़सान् बुइ जा । एगुन् एछे खोयिशि आरिगुन् याबुदाल् इयार् याबुजु आरिलुग़सान् ओरोन् दुर् खुर्खु छिनु साग़ाथाल् उुगेइ बोल्थुग़ाइ

बना कर (बायिगुल्जु) उसको दे दिया। वह गुहा-मनुष्य इस पर (एगुन् दुर्) भलाई करने (थुसालाग्सान्) के फल (आछि) की शक्ति द्वारा एक जन्म में (नासुन् दुर्) बोधि अवस्था को (बोदि खुथुग् थुर्) प्राप्त हो जाए—यह आशीर्वाद् दिया (इरुगेर् थाल्बिग़ाद्) और अदृश्य (उुलु उुजेग्देन्) हो गया। मन्त्रिपुत्र ने कहा—कल तुम अपने फलों में से कुछ फल अपने राजा को जा कर (आबाछिजु) दे दो (बारि), और पत्ते पर के लेख को राजकुमारी को दे दो। इतना कहने पर वह मनुष्य बहुत प्रसन्न हुआ और बोला— तुम अवश्य बुद्ध होगे। उस भैरव (आयुखु) प्रचण्ड रूप (दोग़िशन् दुरि) वाले (थेइ) लामा के आने पर—किसने दण्ड दिया—यह पूछने पर तुमने, किसी प्राणी को हानि (खोओर्) पहुंचेगी (बोल्खु), यह सोच कर नहीं बताया था। इस सूखे हुए वृक्ष के पत्ते और फूल उग आए—यह तुम्हारे पुण्य (आदिस्थिद्) की शक्ति है। तुम हमको छिपाए बिना बताने की कृपा करो (सोयोर्ख़ा) कि तुम कौन जन हो। इस पर लड़के ने कहा—जो कुछ मेरी बात चीत है, सो राजा, रानी, सामन्त और मन्त्री इस वृक्ष के पास आएंगे। उनसे सब बात को जान लेना (मेदेम्जे)। पूर्व जन्म (थोरोल्) में तुम दुःखी थे और मैने तुम्हारी सहायता की थी। उसकी शक्ति से अब मेरे दुःखी लेटे होने पर तुमने सहायता की है। इस के पश्चात् शुद्ध चरित द्वारा आचरण करके (याबुजु) सुखावती लोक (आरिलुग़सान् ओरोन्) में पहुंच कर बिना बाधा के (साग़ाथाल् उुगेइ) वहां रहोगे (बोल्थुग़ाइ)।

१५६ खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खुमुन् बायार्लजु यागारान् गेर् थेगेन् खारिगाद् । सायिन् आम्था थु इदेगेन् इ छुग्लागुल्जु आबुगाद् थुशिमेल् ठुन् खोबेगुन् दुर् आबाछिराजु बारिगाद् । थेरे खोबेगुन् उ देर्गेदे खोनुबाइ । ओर्लुगे इनु बोमुगाद् । जिमिस् नाब्छि बान् आबुगाद् आबाखाइ यिन् देर्गेदे ओदछु बारिबाइ। थेरे नाब्छि यि आब्छु ठुजेगेद् बायार्लजु । थेरे जिमिस् इ मोङगुन् बालान् दुर् ग्विजु । थेरे खुमुन् इ दागागुलुन् । खागान् उ देर्गेदे खुर्बेसु । खागान् । खेठुखेन् इयेन् ठुजेगेद् । छाम् इयान् थायिल्बाउ गार् थुर् बारिगसान् छिनु यागुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् बि छाम् इयान् थायिल्बाइ । एर्देनि मोदुन् उ नाब्छि छेछेग् उर्गुगसान् उ थुला । आब्छु इरेबेइ । थेरे मोदुन् उ खादागालागिछ खुमुन् गादाना बुइ बिले खेमेग्सेन् दुर् खागान् बेर् बायास्छु । मोदु जिमिस् नाब्छि छेछेग् उर्गुगसान् आनु । छिनु छाम् दु सागुग्सान् उ खुछुन् इयेर् बोल्बाइ । थेरे खुमुन् उ ठुखुल् एछे गार्गाग्सान् छिनु माशि सायिन् खेमेगेद् । मोदुन् उ खादागालागिछ खुमुन् इ खागान् खाशि दागान् ओरोगुल्जु इरेगेद् । खेशिग् शाङ ओग्गुगेद् बायास्गाबाइ । आबाग्वाइ । ग्वागान् दागान् एयिन् आयिलादखारुन् । थेरे एर्देनि थु मोदुन् उ देर्गेदे खामुगु इयेर् छुग्लाजु ग्वुरिम् ग्विबेसु सायिन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खागान् जोब्शियेगेद् । ओलान् बुखुन् दुर्

इस पर वह मनुष्य प्रसन्न हो कर शीघ्रता से (यागारान्) अपने घर गया और सुन्दर स्वादिष्ठ भोजन संग्रह करके ले आया और मन्त्रिकुमार को भेंट दी । उसी कुमार के पास रात बिताई ।

प्रात: (ओर्लुगे) उठ कर, फल और पत्ते ले कर, कुमारी के पास जा कर दे दिये । वह पत्ते को ले कर और देख कर प्रसन्न हुई । फल को चांदी के थाल में (मोङगुन् बालान् दुर्) डाल कर (ग्विजु) और उस मनुष्य को साथ ले कर राजा के पास गई । राजा ने अपनी कुमारी को देख कर पूछा—क्या तुमने अपना ध्यान समाप्त कर दिया (थायिल्बाउ) । तुम्हारे हाथ में पकड़ी हुई क्या वस्तु है । इति । लड़की ने कहा— मैंने अपना ध्यान समाप्त कर दिया । रत्नवृक्ष के पत्ते और फूल उग आए हैं । अत: ले कर आई हूं । उस वृक्ष का रक्षक जन बाहर खड़ा है । इस पर राजा प्रसन्न हुआ और बोला—वृक्ष के फल पत्ते और फूल निकले हैं । यह तुम्हारे ध्यान में बैठने की शक्ति द्वारा हुआ है । उस पुरुष को तुमने मृत्यु से निकाला है । सो बहुत अच्छा किया है । इस पर वृक्ष के रक्षक जन को राजा के महल में प्रवेश कराया गया और उसको पारितोषिक और धन (खेशिग् शाङ) दे कर प्रसन्न किया गया । कुमारी ने कहा—रत्नवृक्ष के पास यदि सब जन इकट्ठे हो कर उत्सव मनाएं तो अच्छा होगा । राजा ने मान लिया और सब को (ओलान् बुखुन् दुर्)

१५७ जारा ओग्बेइ । जालिग् याबुगुल्खुइ दुर् । एर्दैनि थु मोदुन् मान् उ नाब्छि छेछेग् जिमिस् थगुस् उर्गु्सान् बायिनाम् । थेयिमु यिन् थुला मार्गाथा मोदुन् उ देर्गेदे बुगुदेगेर् छुरलाजु खुरिम् खिखु बुइ खेमेन् जार्लाबाइ । मोदुन् खादाग़ालाग़िछ दुर् आबाखाइ एल्देब् आम्था थु इदेगेन् खिगेद् । सायिन् खुब्छाद् इ ओग्छु थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् दुर् इलेगेबेइ । थेरे खुमुन् इ छि आलिबा सोनुसुरसान् इयान् खोबेगुन् दुर् उुगुले गेबे । थेरे खुमुन् खारिजु । खोबेगुन् दुर् इदेगेन् खुब्छासुन् इ ओग्गुगेद् । एल्देब् सोनुसुरसान् इयान् खेलेबेइ । थेरे खुमुन् । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् उु देर्गेदे खोनुबाइ । मार्गाथा ओर्लुगे एर्थे । खाग़ान् उ ओर्दु इरेजु । मोदुन् उ खोयिना बाग़ुबाइ । बुगुदे उलुस् खुरान् छुरलाजु इरेखुइ दुर् खोबेगुन् उु देर्गेदेखि मायिखान् आनु । आर्बान् गुर्बान् आसार् थु मायिखान् बोल्बाइ । थेरे उलुस् ओबेर् जागुर् इयान् उुगुलेल्दुरुन् मान् उ खाग़ान् उ एयिमु ग़ायिखाम्शिग़् थु ओर्दु खार्शि बुइ आसान् बायिनाम् खेमेन् खेलेल्छेबेइ । खाग़ान् । खाथुन् ओगेदे बोल्जु इरेगेद् । एने एयिमु येखे खोथा बायिशिङ दुर् आदालि गेर् खेन् इ बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । निगे छु खुमुन् मेदेजु एसे खेलेग्सेन् दुर् । आबाखाइ उुगुलेरुन् । एने गेर् थुर् ओरोया खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् । खाथुन् बुगुदेगेर् ओरोबासु । गेर्

आदेश (जारा) दिया (ओग्बेइ) । आदेश यह था—हमारे रत्नवृक्ष के पत्ते, फूल और फल पूर्णरूप (थेगुस्) से उग आए हैं । इस कारण कल वृक्ष के पास सब इकट्ठे हो कर उत्सव मनाएं । वृक्ष के रक्षक को कुमारी ने नाना स्वाद के भोजन और सुन्दर वस्त्र देकर मन्त्रिकुमार के पास भेजा और कहा —तुमने जो कुछ सुना है वह कुमार को बता देना । वह व्यक्ति गया । कुमार को भोजन और वस्त्र दे दिये । नाना बातें, जो सुनी थीं, वे भी बता दीं । और मन्त्रिकुमार के पास ही सो गया । अगले दिन प्रातः सवेरे ही (एर्थे) राजा की सभा (ओर्दु) आई और वृक्ष के पीछे डेरा डाला (बाग़ुबाइ) । सब लोग इकट्ठे हो कर पहुंचे । कुमार के सामने वाला (देर्गेदेखि) तम्बू १३ शिखर (आसार्) वाला तम्बू बन गया । लोग मार्ग में (जागुर्) चर्चा करने लगे (उुगुलेल्दुरुन्)—हमारे राजा का कितना अद्भुत महल बन गया । राजा रानी पधारे (ओगेदे बोल्जु इरेगेद्) और पूछा—यह ऐसा महान् नगर के भवन के समान किस का घर है । एक भी जन जान कर भी न बता सका । कुमारी ने कहा—इस घर में प्रवेश करें । जब राजा रानी और सब ने प्रवेश किया तो घर

१५८ दोथोरा आनु यागुमा उगेइ बोलुगाद् । खोबेगुन् गारछागार् खेब्थेग्सेगेर् आजुगु । थेरे आबाखाइ गार् आछा इनु बारिजु उखिलागाद् । एने गार् खोल् इयेन् एब्देजु ओखिरसान् दुर् । येखेदे जोबाबाइ जा । छि खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि जोबारसान् उगेइ आमुर् खेब्थेबेइ खेमेग्सेन् दुर् । आबाखाइ उगुलेरुन् । उलु जोबाबाइ गेग्छि छिनु थोङ खुदाल् बुइ जा । गेम् खिग्सेन् खुमुन् दुर् उलु ओशियेलेखु बुयु खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेरुन् । ओशियेलेखु उगेइ । ओशियेलेखु बुगेसु । गार् खोल् मिनु एब्देरेग्सेगेर् एब्देरेथुगेइ । खेबेर् ओशियेलेखु सेद्खिल् उगेइ बुगेसु । एर्खेथेन् मिनु निगेन् ग्सान् जागुरा थेगुस्खु बोल्थुगाइ खेमेगेद् बोस्बासु एर्खेथेन् इनु थेगुस्बेइ । खागान् । खाथुन् दुर् मोर्गु बेसु । खागान् खाथुन् एखिलेन् खामुग् इयेर् गायिखाजु । एने यागुन् खुमुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । आबाखाइ आनु । आलि बुखुन् याबुरसान् उछिर् इ छोम् उगुलेग्सेन् दुर् । खागान् आनु । खान् खोबेगुन् दुर् येखेदे खिलिङलेजु एगुन् इ मिङगान् खेसेग् ओरथोल् गेजु छिङगादा खाराबासु । खागान् उ खोबेगुन् येखेदे आयुन् । आबुगाइ,नागाना* खेमेन् बाखिराबासु । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् । खागान् दुर् मोर्गु जु येखेदे खायिलागाद् । एगुन् इ आलाबासु मिनु बेये मिङगान् खेसेग् बोलुगाद् गालाब् बोल्थाला जोबाखु

के अन्दर कोई वस्तु न थी । केवल मात्र लड़का लेटा हुआ था । उसको हाथ से पकड़ कर लड़की रोई (उखिलागाद्) । हाथ पांव तोड़ कर जब तुमको छोड़ दिया था, तब तुमको महान् कष्ट हुआ होगा । इस पर कुमार बोला— मुझे कष्ट नहीं हुआ । मैं सुखी (आमुर्) लेटा रहा । कुमारी बोली—दुःख नहीं हुआ, तुम्हारा यह कहना सर्वथा झूट है (थोङ खुदाल्) है । अपराध किये हुए जन के प्रति तुम्हारा कोइ द्वेष (ओशियेलेखु) नहीं है क्या । इस पर लड़के ने कहा— कोई द्वेष नहीं । यदि द्वेष हो तो मेरे टूटे हुए (एब्देरेग्सेगेर्) हाथ और पांव टूटे हुए रहें (एब्देरेथुगेई) । किन्तु यदि द्वेष की बुद्धि न हो तो मेरी इन्द्रियां (एर्खेथेन्) एक क्षण मात्र में (ग्सान् जागुरा) पूर्ण हो जाएं । यह कह कर उठने लगा तो (बोस्बासु) उसकी इन्द्रियां पूरी हो गई । उसने राजा रानी को नमस्कार किया । राजा रानी आदि सब को आश्चर्य हुआ । उन्होंने पूछा—यह कौन जन है । कुमारी ने जो कुछ बीती बात थी, सब (छोम्) कह सुनाई । राजा राजकुमार पर बहुत रुष्ट हुआ और चण्डता से (छिङगादा) उसकी ओर देख कर कहा— इसको सहस्र खण्डों में काट दो (ओरथोल्) । राजकुमार बहुत डरा और चिल्लाया (बाखिराबासु)—भाई (आबुगाइ), बचाओ (नागाना) । मन्त्रिकुमार ने राजा को नमस्कार किया और बहुत रोया— यदि इसको मार दोगे तो मेरा शरीर सहस्र खण्ड हो जाएगा और कल्पों (गालाब् = कलप = कल्प) तक मैं दुःखी

* "नागाना" का अर्थ है—इधर ।

१५६ बुलुगे । बि एगुन् इ एने मेथु जोबागासान् बुइ जा । थेगुन् इ ओरि थोलोगेसुन् इयेर् नायायि जोबागासान् आनु एने बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खागान् एखिलेन् खामुग् इयेर् गायिखाजु । एने थुशिमेल् उन् खोबेगुन् बुर्खान् बुइ जा । एने खागान् उ खोबेगुन् । आमिथान् दुर् खोओर् खिग्छि शिम्नु आमुइ जा । आलि छु आमिथान् इ इबेगेग्छि यिन् थुलादा । खोओरा थु सेद्खिल् उगेइ बोलाइ खेमेगेद् । खागान् उ खोबेगुन् इ खोगेजु ओर्खि खेमेन् । खोयार् थुशिमेल् खुमुन् खोरिन् खुलुग् मोरिन् ओग्गुगेद् । एने खुलुग् इ एसे याबुसान् गाजार् आ बागुल्गाजु ओर्खि गेजु जाखिगाद् याबुगुल्बाइ । थेरे खुमुन् गुर्बान् सारा यिन् गाजार् आ याबुजु ओर्खिगाद् इरेबेइ । खागान् । खाथुन् एखिलेन् खामुग् इयेर् जिर्गान् सागुबाइ । मिनु बोगदा खागान् । थेयिमु एर्देम् थु बुगेथेले । उलु मेदेखु यिन् दुरि बेर् याबुजु आमिथान् इ थुसालादाग् बुलुगे खेमेन् उगुलेग्सेन् दुर् । आराजि बोजि खागान् गेर् थेगेन् खारिबाइ ।

रहूंगा । मैंने इसको इस प्रकार कष्ट दिया होगा और उसका फल (ओरि) प्रतिशोध (थोलोगेसुन्) मुझको यह कष्ट मिला है । इतना कहने पर राजा आदि सब चकित हुए और बोले— यह मन्त्रिपुत्र अवश्य बुद्ध है । और यह राजकुमार प्राणियों को हानि (खोओर्) पहुंचाने वाला (खिग्छि) दैत्य है । सब प्राणियों पर कृपा करने (इबेगेग्छि) के लिए इसने दुष्ट विचारों को नष्ट किया है । राजपुत्र को भगा (खोगेजु) छोड़ो (ओर्खि)—यह कह कर दो मन्त्री जनों को बीस उत्तम (खुलुग्) घोड़े दिये और कहा—जहां [से आगे] ये घोड़े न जा सकें वहां इसको उतार कर (बागुल्गाजु) छोड़ आओ (ओर्खि) । यह समझा कर (जाखिगाद्) भेज दिया (याबुगुल्बाइ) । वे पुरुष तीन मास की दूरी के स्थान पर जा कर छोड़ आए । राजा रानी आदि सब सुखी रहने लगे (जिर्गान् सागुबाइ) ।

मेरा महात्मा राजा इस प्रकार गुणयुक्त था । अज्ञात (उलु मेदेखु) रूप में (दुरि बेर्) जा कर (याबुजु) प्राणियों की सहायता करता था । इस पर राजा भोज अपने घर लौट आया ।

बासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उ उगुलेग्सेन् ।

बासा आराजि बोजि खागान् । निगेन् ओल्जेयि थु एदुर् ए इरेगेद् । उरिद् एदुर् उन् दुयागु यि आयिलाद् खेमेग्सेन् दुर् । निगेन् मोदुन् खुमुन् उगुलेरुन् । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् दु । मोङगुन् छिमेग् थु आबाखाइ यि ओग्गुये गेजु खुरिम् खिबेइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि एने नासुन् दुर् । एमे आब्खु उगेइ थाङगारिग् थाइ बुलुगे । खोङशिम् बोदिसदुआ यिन् सुमे दुर् मोर्गुंजु । थाङगारिग् इयान् नामान्छिलागाद् इरेसुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । मोङगुन् छिमेग् थु आबाखाइ उगुलेरुन् । बि छिम् लुग़ा दागाजु ओछिसुगाइ खेमेन् उगुलेग्सेन् दुर् । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि आर्गा उगेइ इरेसुगेइ खेमेगेद् याबुबाइ । खुलुग् मोरिन् उ मोर् थुर् ओरोगाद् । गुर्बान् सारा यिन् गाजार् इ थोब्छिलाजु । गुर्बा खोनुगाद् खुर्बेइ । खागान् उ खोबेगुन् ओले खोगुला उगेइ खेब्थेथेले । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् इ उजेगेद् । आइ आबुगाइ मिनु इरेबेइ गेजु बायालर्बाइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् । उम्दा खोगुला ओग्गुगेद् । आलिबा उछिर् इयान् खेलेल्छेगेद् याबुबाइ । याबुसागार् एजेगुइ थाला दुर् याबुन् आथाला । गुर्बान्

१२ वां अध्याय

फिर एक पुतली ने कहा ।

फिर राजा भोज एक शुभ दिन आए और बोले—पिछले दिन की शेष (दुयागु) कहानी को सुनाओ। एक पुतली बोली— मन्त्रिकुमार को चांदी के आभूषण वाली कुमारी देंगे । यह विचार कर उत्सव रचा । मन्त्रिकुमार ने कहा—मैंने इस जन्म (नासुन्) में स्त्री न लेने की प्रतिज्ञा (थाङगारिग्*) की है। मैं अवलोकितेश्वर (खोङशिम् बोदिसदुअ) के मन्दिर (सुमे) में प्रणाम कर अपनी प्रतिज्ञा (थाङगारिग्) से क्षमा ले कर (नामान्छिलागाद्) आऊंगा । इस पर चांदी के आभूषणों वाली कुमारी ने कहा— मैं तुम्हारे साथ चलूंगी । मन्त्रिकुमार ने कहा— मैं चतुराई किये बिना अर्थात् अवश्य ही (आर्गा उगेइ) लौट आऊंगा (इरेसुगेइ) । यह कह कर वह चला गया । उत्तम घोड़ों के मार्ग में चल पड़ा। तीन मास के स्थान को, समय संक्षेप कर के (थोब्छिलाजु), तीन दिन रात में पहुंच गया । राजकुमार अन्न (ओले), भोजन (खोगुला) हीन लेटा हुआ था । मन्त्रिकुमार को देख कर प्रसन्न हुआ— अरे मेरे भाई तुम आ गये हो । मन्त्रिकुमार ने पेय (उम्दा) भक्ष्य (खोगुला) दिया । [दोनों ने] अपना सब वृत्तान्त एक दूसरे को सुनाया और चल दिये । चलते २ (याबुसागार्) निर्जन (एजेगुइ) स्थल में (थाला दुर्) जा रहे थे (याबुन् आथाला) कि तीन

* मौंगोल वाक्य का शब्दार्थ है—पत्नी न लेने की प्रतिज्ञा वाला हूं ।

१६१ सारा बोलुगाद्। खुखूर् देखि उसुन् इ बारुसान् उ थुला। उम्दागासुन् याबुथाला। निगेन् मोदुन् उजेग्देबेइ। थेगुन् उ देर्गेदे खुर्बेसु। थेरे बोदि मोदुन् आजुगु। थेरे मोदुन् उ ओन्दुर् खिगेद्। बुदुगुन् इनु। थाबुन् जागुन् आल्दा बुइ। थेगुन् उ सेगुदेर् थुर् सागुजु। नाब्छिन् इ शिन्जिलेजु उजेबेसु। नाब्छि बुरि दु आनु। मिङगान् बुर्खान् उ ओरोन् बुइ आजुगु। थेगुन् इ गायिखाजु खाराजु सागुथाला। खोयार् गालागुन् निस्छु याबुखुइ यि थुशिमेल् उन् ग्वोबेगुन् उजेगेद्। एने गालागुन् इ बि दागाजु उसुन् ओल्जु ऊगुसुगाइ। छि मोदुन् उ देर्गेदे सागु खेमेगेद्। गालागुन् उ खोयिना आछा दागान् ओद्बाइ। आर्बान् खोनुग् दागान् याबुबासु। थेरे गालागु निगेन् लिङखुआ थु नागुर् थुर् खुर्बेइ। थुशिमेल् उन् खोबेगुन्। थेरे उसुन् आछा थुगुल्गान् खुखूर् थेगेन् खिजु आबुगाद्। बुछाजु इरेबेसु। खागान् उ खोबेगुन् उम्दागासाजु थेरे बोदि मोदुन् इ एर्गेजु याबुसागार् निगेन् नुखे यि उजेगेद्। थेगुन् दुर् ओरोन् गेखुले। निगेन् गोओआ उजेस्खुलेङ ओखिन्। खोयार् गार् थागान् आल्थान् पिला। मोङगुन् पिला ग्वोयार् थुर्। निगेन् दूर् आनु एल्देब् जिमिस् खिजु। निगेन् दुर् आनु। एम् उन् जुइल इ ग्विजु बायिनाम् आजुगु। थेगुन् उ छागाना निगेन् सुबुद् खागाल्गा बुइ। थेगुन् इयेर् ओरोथाला।

माम हो गये। कलश का पानी समाप्त* हो गया। इस कारण वे प्यासे जा रहे थे कि एक वृक्ष दिखाई पड़ा। उसके पास पहुंचे तो वह बोधिवृक्ष निकला। इस वृक्ष की ऊंचाई (ओन्दुर्) और मोटाई (बुदुगुन्) पांच सौ व्याम थी। वे इस की छाया में बैठ गये और पत्तों को ध्यान से (शिन्जिलेजु) देखने लगे तो प्रत्येक पत्ते पर सहस्र बुद्धों का निवासस्थान था। जैसे ही वे पत्तों को आश्चर्यपूर्वक देख रहे थे, दो हंसों (गालागुन्) को उड़ कर जाते हुए (निस्छु याबुखुइ) मन्त्रिकुमार ने देखा और कहा— मैं इन हंसों के पीछे जा कर जल प्राप्त करूंगा। फिर हम उसको पियेंगे (ऊगुसुगाइ)। तुम वृक्ष के पास बैठे रहो। वह हंसों का पीछे से अनुसरण करते हुए चला। जब पीछे चलते २ दस दिन रात हो गये तो वे हंस एक पद्मसरोवर पर पहुंचे। मन्त्रिकुमार ने उस पानी से अपने सीसे (थुगुल्गान्) के कलश को भर लिया (ग्विजु आबुगाद्)। जब लौट आया तो राजकुमार प्यास के मारे उस बोधिवृक्ष की परिक्रमा करता हुआ (एर्गेजु याबुसागार्) एक गुहा (नुखे) देख कर उसमें घुस गया। उसमें एक सुन्दर रूपवती लड़की थी। उसके एक हाथ में सोने की थाली (पिला) और दूसरे हाथ में चांदी की थाली थी। एक में नाना प्रकार के फल डाले हुए थे, दूसरी में ओषधियों के अनेक प्रकार (जुइल) डाले हुए थे। लड़की के आगे (छागाना) एक मोतियों (सुबुद्) का द्वार (खागाल्गा) था। ज्यों ही वह उसमें घुसा

* बारुसान् के स्थान में बारासान् चाहिए।

१६२ ओखिन् बारिसान् थाबाग् इयान् ओर्खिन् नोछुबासु । थुल्खिजु ओर्खिग़ाद् ओरोबाइ ।ओरोन् गेखुले । थुङग़ालाग् सायिखान् गेरेल् थेइ थेयिमु दाखिनि यिन् खुरुग् इ उजेगेद् । आमिथु मेथु सानाजु । खुरुग् उन् ग़ार् आछा इनु बारिजु । एमे याबु । ग़ारुया गेजु देमेइ देमेइ खेलेजु बायिथाला । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् खुछुं इरेगेद् । खाग़ान् उ खोबेगुन् इ ओल्जु यादाग़ाद् । मोर् इ इनु निगेन् नुखेन् दुर् ओरोगुल्बाइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् मोन् थेरे नुखेन् दुर् ओरोबासु । थेरे नुखेन् इनु उरिद् योसुग़ार् बायिसान् दुर् । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् एयिन् आसागुरुन् । छि यागुन् ओखिन् बुलुगे । एने पिला छिनु यागुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । ओखिन् उगुलेरुन् । बि छिमायि शिन्जिलेबेसु । लाग्शिन् बेल्गे थेगुसुम्सेन् । सायिबार् ओदुरसाद् उन् बेये थु खोबेगुन् बोलाइ छि खेमेगेद् । बि ग़ाजार् उन् ओखिन् ध्डि बुलुगे । एने बोदि मोदुन् दुर् साराबुरि यिन् शिने यिन् खोयार् थु मिङग़ान् बुर्खान् इरेदेग् बुलुगे । एने पिलान् दाखि जिमिस् इ थेरे बुर्खान् दुर् छाब् एगुंदेग् बोलाइ । एने एम् उन् जुइल् इ खामुग् आमिथान् दुर् । एबेद्छिन् छोगेन् बोल्थुग़ाइ गेजु एगुंदेग् आमुइ । बोग़दा छि खामिग़ा आछा ओगेदे बोल्जु इरेबे खेमेग्सेन् दुर् । बि थुशिमेल् उन् खोबेगुन् । खोबेगुन् बिले । खाग़ान् उ खोबेगुन् उ मोर् इ इनु । एने नुखेन् दुर् ओरोरसान् बायिनाम् । खामिग़ाशि ओद्बाइ खेमेखुइ दुर् ।

लड़की हाथ में पकड़े (बारिसान्) थाल को (थाबाग् इयान्) छोड़ कर झपटी (नोछुबासु) । उसे धकेल (थुल्खिजु) छोड़ा (ओर्खिग़ाद्) और प्रवेश किया। अन्दर प्रवेश किया ही था कि स्वच्छ (थुङग़ालाग्) सुन्दर प्रभा वाली डाकिनी की प्रतिमा (खुरुग्) दिखाई पड़ी । जीवित समझ कर मूर्ति को हाथ से पकड़ कर व्यर्थ २ (देमेइ देमेइ) बातें करने लगा—हे स्त्री (एमे), चलो (याबु), बाहर निकलो इति । इतने में मन्त्रिपुत्र आ पहुंचा। राजा के पुत्र को ढूंढने में कठिनाइ हुई (ओल्जु यादाग़ाद्) । जिस मार्ग से राजकुमार घुसा था उस मार्ग को एक गुहा में जाते हुए पाया । मन्त्रिपुत्र उसी गुहा में प्रविष्ट हुआ । उस गुहा में पहले के समान (उरिद् योसुग़ार्) सब कुछ हुआ । मन्त्रिपुत्र ने पूछा—तुम कौन कन्या हो। ये तुम्हारी थालियां कैसी हैं । लड़की ने कहा—यदि मैं तुमको ध्यान से देखूं तो तुम सम्पूर्ण लक्षण युक्त हो, तथागत (सायिबार् ओदुरसाद्) के शरीर वाले कुमार हो । यह कह कर उसने कहा— मैं इस स्थान की देवी हूं । इस बोधिवृक्ष पर प्रतिमास की दूसरी तिथि (शिने) को सहस्र बुद्ध आते हैं और मैं इस थाली में के फलों का उन बुद्धों को भोजन (छाब्) देती हूं (एगुंदेग् बोलाइ) । और इन ओषधियों के प्रकार को, सब प्राणियों के रोग (एबेद्छिन्) न्यून (छोगेन्) हो जाएं, इसलिये देती हूं (एगुंदेग् आमुइ) । महात्मन्, आप कहां से (खामिग़ा आछा) पधारे हैं । उसने कहा—मैं मन्त्री का लड़का हूं । राजकुमार का मार्ग इस गुहा में आता है । वह किधर चला गया है । यह कहने पर

१११ थेरे ओ़खिन् उ़गुलेरुन् । खाग़ान् उ खो़बेगुन् बुसु बुइ जा । माग़ु इरुआ थु देमेइ बालाइ खेलेजु थेरे खो़बेगुन् छिनु । खोग़ुसुन् खुरुग् इ नोछुजु देमेइ बेर् दोङग़ुदुन् बायिनाम् । छि ओरोबासु थोङ ग़ाछुं इरेखु उ़गेइ खेमेग्सेन् दुर् । खो़बेगुन् आसाग़ुरुन् । थेरे याग़ुन् उछिर् बुइ खेमेबेसु । ओ़खिन् उ़गुलेरुन् ।
आबिदा बुर्खान् उ ओरोन् आछा । गेरेल् उ़न् दुवाछा नेरे थु खाग़ान् उ ओ़खिन् । आल्थान् छिमेग् थु । आल्थान् थेर्गे थु दोलुग़ान् दाब्खुर् आल्थान् खुखूर् थु थेरे ओ़खिन् इरेगेद् । एने मिङग़ान् बुर्खान् दु मोग़ुं खुइ दुर् । थेगुन् उ़ गेरेल् इनु ग़ाजार् थुसुग़सान् दुर् । बिशिउगाराम् उरालाजु । एने ग़ाजार् थु खुरुग्लेग्सेन् बोलाइ । थेगुन् इ गेरेल् इ खेन् इयेर् खाराजु उ़लु बोल्खु । आराग़ालाजु एने खो़बेगुन् इ आब्छु बुगेसु बिशिउगाराम् मेदेखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । एदुगे खामिग़ा बुइ खेमेबेसु । खोर्मुस्दा ध्ङि जालाजु । बुर्खान् ग़ोओदाम् यिन् आर्बान् नाइमान् नासुन् उ दुरि । छाम्बुदिब् थुर् बुइ यिन् थुला । थेगुन् उ़ छिद्खुमाल् इ बुथुगेखु यिन् थुला जालाग़सान् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । थेरे खो़बेगुन् खोमुंस्दा यिन् ओरोन् दु खुर्बेसु । बिशिउगाराम्

लड़की बोली—निश्चय वह राजकुमार नहीं है। वह तुम्हारा कुमार कुलक्षरणयुक्त (माग़ु इरुआ थु) है, और व्यर्थ निरर्थक (देमेइ बालाइ) बोलता है (खेलेजु)। वह शून्य (खोग़ुसुन्) प्रतिमा को (खुरुग् इ) झपट कर (नोछुजु) व्यर्थ बक रहा है (दोङग़ुदुन् बायिनाम्)। यदि तुम प्रवेश करोगे तो कभी बाहर न निकल सकोगे। लड़के ने पूछा— यह क्या बात है। लड़की ने उत्तर दिया— अमिताभ (आबिदा) बुद्ध के लोक से प्रभाध्वज (गेरेल् उ़न् दुवाछा) नाम के राजा की कन्या स्वर्णभूषणवती स्वर्णरथवती और एक दूसरे के अन्दर रखे हुए (दाब्खुर्)* सात स्वर्ण कलशों वाली कन्या यहां आई है। सहस्र बुद्धों को नमस्कार करते हुए उसकी प्रभा पृथ्वी पर गिरी (थुसुग़सान् दुर्) और विश्वकर्मा (बिशिउगाराम्) ने कलात्मक रूप दे कर (उरालाजु) इस स्थान में प्रतिमा बना दी (खुरुग्लेग्सेन् बोलाइ)। उसकी प्रभा को कोई भी देख नहीं सकता। यदि धोखे से वह इस राजकुमार को पकड़े हुए होगी तो विश्वकर्मा को पता लग जाएगा। इस पर उसने पूछा— अब विश्वकर्मा कहां हैं। उसने कहा—इन्द्रदेव ने बुलाया है (जालाजु)। बुद्ध गौतम के १८वें जन्म के रूप के जम्बुद्वीप में होने के कारण उसकी मूर्ति (छिद्खुमाल्) को बनाने (बुथुगेखु) के लिये बुलाया है (जालाग़सान् बुलुगे)। जब कुमार इन्द्र-लोक में पहुंचा तो विश्वकर्मा

*श्री बॉडन ने अनुवाद किया है seven double golden milking pots. सो double ठीक नहीं।

१६४ उन् छाब् खिखु निगेन् ओ॒खिन् इयेर् उदयन यिन् निगेन् दाखिनिस् इरेगेद् । बोरदा यिन् देर्गेदे निगे दाखिनिस् बोरदा यिन् बेये यिन् खुरुग् इ बायिगुल्खुइ दुर् । थुसालाखु यिन् थुला इरेग्सेन् बुलुगे खेमेगेद् । थेरे ओ॒खिन् उसुन् आब्छु याबुखुइ दाग़ान् निगेन् आल्दा ग़ाजार् आछा इलेगू ग़ाखुं उुगेइ आजुगु । थेगुन् एछे खो॒बेगुन् आसागुरुन् । दुल्बा यिन् योसुन् साखिग़सान् ओ॒खिन् खेन् इ बोल्बा छि खेमेग्सेन् दुर् । थेरे उुगुलेरुन् । खोथाला थेगुसुग्सेन् सायिन् इजागुर् थु । बोरदा खो॒बेगुन् आ आ । बिशिउगाराम् उन् छाब् खिखु ओ॒खिन् बुलुगे बि खेमेग्सेन् दुर् । खो॒बेगुन् उुगुलेरुन् बि बिशिउगाराम् उन् खो॒बेगुन् बिले । नामायि जोलग़ोल्गुला खेमेन् खेले खेमेग्सेन् दुर् । ओ॒खिन् इयेर् । थेरे उुगे यि बिशिउगाराम् दुर् खेलेबेसु । बिशिउगाराम् उुगुलेरुन् । मिनु शाबि आछा बुसु । येरु खो॒बेगुन् उुगेइ बुलुगे । छाम्बुदिब् उन् ओरोन् आछा एन्दे इरेखु बुगेसु । एर्देम् थु निगेन् बोदिसादु बुइ जा खेमेगेद् ओरोगुला गेबे । थुशिमेल् उन् खो॒बेगुन् ओरोजु इरेगेद् । याम्बार् बा । उछिर् जोरिग् इयान् देल्गेरेङगुइ ए खेमेग्सेन् दुर् । बिशिउगाराम् उुगुलेरुन् । बि थेरे आबिदा बुर्खान् उ ओ॒ग्लिगे यिन् एजेन् गेरेल् उुन् दुवाछा नेरे थु खाग़ान् उ ओ॒खिन् । बोदि मोदुन् उ देर्गेदेखि बुर्खाद् थुर् मोर्गुरे इरेग्सेन् दुर् । थेगुन् उ गेरेल् इ उुजेगेद् उुलिगेर्लेजु

की भोजन बनाने वाली (छाब् खिखु) एक लड़की ने कहा—उदयन की एक डाकिनी आई है । महात्मा के पास एक डाकिनी महात्मा के शरीर की मूर्ति (खुरुग्) को बनाने में (बायिगुल्खुइ दुर्) सहायता देने के लिये (थुसालाखु यिन् थुला) आई है। यह कह कर लड़की पानी ले कर चलते समय एक व्याम स्थान से अधिक (इलेगू) नहीं गई थी कि उससे लड़के ने पूछा—विनय (दुल्बा) नियम (योसुन्) पालन करने वाली (साखिग़सान् ओ॒खिन्) तुम किस की लड़की हो। वह बोली—सुसम्पूर्ण (खोथाला थेगुसुग्सेन्), भद्रकुलीन (सायिन् इजागुर् थु), हे महात्मन् कुमार, मैं विश्वकर्मा के भोजन बनाने वाली लड़की हूं । लड़के ने कहा— मैं विश्वकर्मा का पुत्र हूं । उसको कहो कि मुझे (नामायि) मिलने के लिये बुलाए (जोलग़ोलगुला) । लड़की ने उसके शब्दों को विश्वकर्मा से कह दिया। विश्वकर्मा बोले—शिष्यों (शाबि) से भिन्न (बुसु) मेरा सर्वथा (येरु) कोई लड़का नहीं । जम्बुद्वीप लोक से यहां आया है तो गुणी बोधिसत्त्व होगा । यह कह कर कहा—प्रवेश करने दो (ओरोगुला) । मन्त्रिकुमार ने अन्दर प्रवेश किया । और अपनी सब बात और उद्देश्य (जोरिग्) विस्तार पूर्वक कहे । विश्वकर्मा ने कहा—अमिताभ बुद्ध के दानपति (ओ॒ग्लिगे यिन् एजेन्) प्रभाध्वज नामक राजा की कन्या जब बोधिवृक्ष के पास के बुद्धों को नमस्कार करने के लिये आई तब उसकी प्रभा को देखा और उसके रूप को ले कर (उुलिगेर्लेजु)

१६५ ग़ाजार् थुर् बायिगुलुसान् बुलुगे । थेगुन् इ ग़ार्ग़ाखु आर्ग़ा यि बि मेदेखु उगेइ । मोन्
थेरे आबाखाइ यि आन्छु इरेबेसु ग़ार्ग़ाखु बुइ जा खेमेगेद् खोबेगुन् नादा खुन्छाद् इयान्
थायिल्जु । बेये बेन् उजेगुल्जु खायिर्लामु बेये यि छिनु उजेमुइ खेमेग्सेन् दुर् खोबेगुन् उगुलेरुन् । मिनु
बेयेन् दुर् यागुन् उ सायिन् लग्शन् आखु बिले खेमेगेद् । थायिल्जु ओग्बेसु । बेलो बिलिग् उन् बेये इनु गेयिजु
ग़ारुसान् दुर् विशिउगाराम् मोर्गुगेद् । खोर्मुस्दा थ्कि । साग्यमुनि यिन् आर्बान् नाइमान् नामुन् उ
छिद्खुमाल् इ खिजु आछा खेमेग्सेन् दुर् छिद्खुजु सागुग़ा बुलुगे खेमेन् आयिलाद्खाग़ाद् ।
मोर्गुजु थेग् थाथाजु आबुबाइ । थेरे खोबेगुन् सुगावादि यिन् ओरोन् दुर् ओद्खुइ दुर् ।
आवादुदि ब्लामा दुर् जोल्ग़ोग़ाद् मोर्गुजु आलिबा उछिर् इयान् देल्गेरेगुलुन् आयिलाद्खासान् दुर् ।
आवादुदि ब्लामा यागुमा उलु उगुलेन् मुशियेगेद् । दोलुग़ान् खारा छिलागुन् इ
खायिरालाबाइ । थेगुन् इ आबुग़ाद् याबुबाइ । सुगावादि यिन् ओरोन् दुर् खुरुन् गेखुले । निगेन् ओखिन्
चन्दन मोदुन् इ थेगुजु याबुसान् थेगुन् लुगे जोल्ग़ोल्छाबाइ । थेरे ओखिन् एछे एर्यिन् आसागुरुन्
आल्थान् छिमेग् थु । आबाखाइ खामिग़ा बुइ खुमुन् जोल्ग़ोदाग् बुयु खेमेग्सेन् दुर् ।
ओखिन् उगुलेरुन् । थेगुन् दुर् खुमुन् जोल्ग़ोखु आछा बायिखुग़ाइ । एरे

पृथ्वी पर रख लिया (बायिगुलुसान् बुलुगे) । उसको निकालने के उपाय को मैं जानता नहीं । उस कुमारी को यदि ले आओ तो वह निकाल सकेगी। यह कह कर उसने लड़के से कहा—हमको अपने कपड़े उतार कर (थायिल्जु) अपना शरीर दिखाने की कृपा करो (खायिर्लामु)। तुम्हारा शरीर देखूंगा। इस पर लड़के ने कहा—मेरे शरीर पर कौन से अच्छे लक्षण होंगे । यह कह कर उतार दिये (थायिल्जु ओग्बेसु) और इसका प्रज्ञामय शरीर चमक उठा—विश्वकर्मा ने नमस्कार किया । इन्द्रदेव ने—शाक्य-मुनि के १८ वें जन्म की मूर्ति (छिद्खुमाल्) को बना (खिजु) लाओ (आछा)—ऐसे कहा था । सो मैं उस मूर्ति को ढाल (छिद्खुजु) रहा हूं (सागुग़ा बुलुगे) । यह कह कर नमस्कार किया । रेखा तान कर (थेग् थाथाजु) माप लिया (आबुबाइ) । सुखावती लोक में जाते हुए कुमार को अवधूत (आवादुदि) लामा मिला (जोल्ग़ोग़ाद्) । उसको नमस्कार किया और अपना सब वृत्तान्त विस्तार पूर्वक सुनाया । अवधूत लामा कुछ न बोला । केवल मुस्करा कर (मुशियेगेद्) उसको सात काले पत्थर दे दिये (खायि-रालाबाइ) । इनको लेकर वह चला गया । जब वह सुखावती लोक में पहुंचा तो एक लड़की, जो चन्दन की लकड़ी संग्रह कर (थेगुजु) रही थी (याबुसान्), उसको मिली (जोल्ग़ोल्छाबाइ) । उसने लड़की से पूछा—स्वर्णाभूषणवती कुमारी कहां है । क्या पुरुष उससे मिल सकता है । लड़की बोली—उससे पुरुष (एरे) का मिलना तो रहा, पुरुष

१६६ खुमुन् उ नेरे सोनुस्बासु । बुजार् बोल्बा गेजु । दोलुगान् सागुला उसुन् इयार् उगियाजु । आरिगुन् चन्दन् गुगुल् इयेर् बेये बेन् आरिगुल्जु ओदुगाद् दोलुगान् खोनुग् थुर् । छाम् दुर् सागुदाग् बुलुगे । थेगुन् इ एगुं ग्सेन् एखे यिन् गेर् थुर् याबुदाग् ओखिन् बिले । बि छाब् खिखु थुलेयेन् इ थेगुजु याबुनाम् खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि छिनु खाथुन् उ उरिदु थोरोल उन् खोबेगुन् बुलुगे । बि थेरे एखे दुर् इयेन् जोलोया खेमेन् इरेग्सेन् बुइ । छि एखे देगेन् खेले खेमेग्सेन् दुर् । थेरे ओखिन् खारिगाद् । खाथुन् दागान् खेलेग्सेन् दु । खाथुन् आनु उगुलेरुन् । मिनु उरिदु थोरोल् दुर् । थेयिमु खोबेगुन् इ मेदेखु उगेइ बायिनाम् । यिथिन्छु दुर् ओलान् था थोगोरेग्सेन् उ थुला । ओरोगुला खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् ओरोजु इरेगेद् । एखे देगेन् जोलोखुइ दुर् । एखे इनु एयिन् उगुलेरुन् । बि उरिदु थोरोल् उन् खोबेगुन् इ मेदेखु उगेइ बुलुगे । छि बेर् येखे जोङ बिलिग् थु यिन् थुलादा । खेन् बिशि गेजु खेलेखु बुइ खेमेगेद् । येखे बायार्लाजु सायिन् आम्था थु इदेगेन् इ ओग्गुगेद् । थोनिलाखु यिन् नोम् इ आसागुबासु । निगुछा खोल्गेन् उ नोम् इ नोम्लागसान् दुर् । बिशिरेजु गायिखागाद् । एयिमु बोगदा थाइ आगसान् आजिगु खेमेन् बायार्लाजु सागुबाइ । खोबेगुन् उगुलेरुन् । छिनु खेउखेन् दुर्

जन का नाम भी यदि सुन लेवे तो अपवित्र (बुजार्) बन गई हूं यह मान कर सात कलश (सागुला) पानी से स्नान कर (उगियाजु), शुद्ध चन्दन और गुग्गुल (गुगुल्) से अपने शरीर को पवित्र करके सात दिन रात तक ध्यान में बैठ जाती है । मैं उसको गोद लेने वाली (एगुं ग्सेन्) माता के घर में काम करने वाली (याबुदाग्) लड़की हूं । मैं भोजन बनाती हूं (छाब् खिखु) और इन्धन (थुलेयेन्) इकट्ठा करती हूं (थेगुजु याबुनाम्) । लड़के ने कहा— मैं तुम्हारी रानी का पूर्व जन्म का पुत्र हूं और मैं इस अपनी माता को मिलने के लिये आया हूं । तुम मेरी माता को कह दो । लड़की लौट गई और अपनी रानी से कहा । रानी ने कहा—मैं अपने पूर्व जन्म के किसी पुत्र को नहीं जानती । संसार में अनेकों वार जन्म लिया है । अत: उसको प्रदेश करने दो (ओरोगुला) । लड़के ने प्रवेश किया । अपनी माता से मिला । मां बोली—मैं पूर्व जन्म के पुत्र को नहीं जानती, किन्तु तुम बहुत परम (जोङ) प्रज्ञावान् हो अत: कौन "नही" कह सकता है । बहुत प्रसन्न हो कर अच्छा स्वादिष्ठ भोजन दिया । मुक्ति (थोनिलाखु) धर्म पर प्रश्न किया । गुह्य यान के धर्म का प्रवचन करने पर श्रद्धा जागृत हुई (बिशिरेजु) तथा आश्चर्य हुआ । उसने कहा—ऐसे महात्मा के साथ हूं अर्थात् मुझे ऐसे महात्मा मिले हैं । यह कह कर वह प्रसन्न होती रही । लड़के ने पूछा—तुम्हारी कन्या से

१६७ खुमुन् जोल्गोदाग् बुयु खेमेखुइ दुर् । उरिद् ओ॒खिन् उ आदालि बुरिन् थेगुस् खेलेबेइ । थेरे खोबेगुन् खुदाल्दुग़ान् उ ग़ाजार् आ ओदुग़ाद् । निगेन् आल्थान् छेछेग् इ खुदाल्दुन् आबुग़ाद् । थेगुन् इयेर् देबिल् खिबेइ । थेरे देबिल् इ तुजेबेसु । ग़ुर्बान् मिङग़ान् यिर्थिन्छु यिन् ओरोन् दुर् छुखाग् बुलुगे । थेगुन् इ आल्थान् खायिर्छाग् थुर् खिजु । एर्देनि यिन् एद् थावार् इ आबुग़ाद् ग़ारिबाइ । एखे दुर् एद् थावार् इ ओ॒ग्गुगेद् । छि एने आल्थान् खायिर्छाग् दोथोरा आल्थान् देबिल् बुइ । छिनु थेरे एगुंग्सेन् दाखिनि दुर् बेलेग् बारिग़ुल्बा खेमेन् खेलेजु । एयिन् जाखिरुन् । मिनु उरिदु थो॒रोल् उन् निगेन् ओ॒खिन् इरेजु नादुर् जोल्ग़ोग़ाद् । छिमा दुर् जोल्ग़ोया खेमेग्सेन् बुलुगे । छाम्बुदिब् थुर् याबुग़सान् बुजार् उन् थुला । याग़ाखिजु जोल्ग़ोनाम् गेजु । आब्छु इरेग्सेन् बेलेग् इ मिनु आबुमु गेजु बारिग़ुल्बा खेमेन् बारि खेमेग्सेन् दुर् । एखे इनु आल्थान् खायिर्छाग् उन् दोथोराखि देबिल् इ तुजेजु । एयिमु ग़ायिखाम्शिग् थु देबिल् इ यागुन् खुमुन् खिबे । एने खोयार् मो॒रुन् दुर् बायिग्छि शिबाग़ुन् याम्बार् शिबाग़ुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । निगेन् इनु एरे ग़ार्छाग़ा बुइ । नोगुगे इनु एमे खार्छाग़ा बोलाइ गेजु खेलेगेद् ओ॒ग्छिलेगेबेइ ।

कोई पुरुष मिल सकता है क्या। इस पर पूर्व लड़की के कहे समान ही पूरा २ कहा (बुरिन् थेगुस् खेलेबेइ) ।

लड़का व्यापार के स्थल पर (खुदाल्दुग़ान् उ ग़ाजार्) गया और एक स्वर्णपुष्प मोल ले आया। उससे एक चोला (देबिल्) बनाया (खिबेइ) । यदि उस चोले को देखो तो तीन सहस्र लोकों के क्षेत्र में वह दुर्लभ (छुखाग्) था। उसको स्वर्ण मंजूषा (खायिर्छाग्) में डाला और रत्नमय धन सम्पत्ति को ले कर लौटा। माता को धन सम्पत्ति दे दी और कहा—इस स्वर्णमंजूषा के अन्दर स्वर्ण का चोला है । तुम्हारी पाली हुई (एगुंग्सेन्) डाकिनी को भेंट (बेलेग्) भिजवा दो। यह कह कर यों समझाया—मेरे पिछले जन्म की एक कन्या आ कर मुझे मिली है। वह तुमको मिलना चाहती है। जम्बुद्वीप में जा कर अपवित्र (बुजार्) होने के कारण कैसे (याग़ाखिजु) मिलूं (जोल्ग़ोनाम्), लाई हुई मेरी भेंट को स्वीकार करोगी क्या। यह कहने पर माता ने स्वर्ण मंजूषा के अन्दर के चोले को देखा और कहा—ऐसे अद्भुत चोले को किस व्यक्ति ने बनाया है। दोनों कन्धों (मो॒रुन्) पर स्थित (बायिग्छि) पक्षी कौन से पक्षी हैं। इस पर उसने कहा—एक नरश्येन (एरे खार्छाग़ा) है और दूसरी स्त्रीश्येन (एमे खार्छाग़ा) है। यह कह कर भेज दिया (ओ॒ग्छिलेगेबेइ) ।

१६८ एखे इनु आञ्छु ओछिग़ाद् खोबेगुन् उ तुगे यि छोम् खेलेबेइ । खेलेग्सेन् दुर् । थेरे आबाखाइ आल्थान् छेछेग् देबिल् इ आबुग़ाद् । एयिमु ग़ायिखाम्शिग् थु देबिल् छाम्बुदिब् थुर् बुइ बायिनाम् गेजु खेलेगेद् एमुसुग्सेन् दुर् । थेरे आबाखाइ यिन् गेरेल् । देबिल् उन् गेरेल् खोयार् थुर् । दोलुग़ान् दाब्खुर् खोथान् दुर् थुङग़ालाग् थोर्दोर्खाइ गेयिगुल्बेइ । थेरे आबाखाइ उगुलेरुन् । एने शिबागुन् इ यागुन् गेनेम् गेजु आसागुबासु । निगेन् एनु एरे खार्छाग़ा । नोगुगे इनु एमे खार्छाग़ा गेनेम् खेमेग्सेन् दुर् । बुजार् बोल्वा खेमेगेद् देबिल् इयेन् थायिल्जु ओर्खिग़ाद् । एखे बेन् जोदोजु खारिगुल्बाइ । दोलुग़ान् सागुला उसुन् इयार् उगियाबाइ । आरिगुन् खुजिस् इयेर् उथाग़ाद् । छाम् दुर् सागुबाइ । एखे इनु उखिलाग़साग़ार् गेर् थेगेन् इरेगेद् । मिनु यागुन् खोबेगुन् गेजु इरेजु । खेउखेन् दुर् जादोगुल्बाइ खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् आसागुरुन् । आइ एखे मिनु यागुन् उ थुला उखिलाबाइ खेमेग्सेन् दुर् । एखे इनु । एरे खार्छाग़ा । एमे खार्छाग़ा खेमेग्सेन् दुर् जोदोबाइ खेमेमेग्छे । खोबेगुन् ग़ायिगुइ खेमेगेद् । बासा थेरे खुदाल्दुग़ान् उ ग़ाजार् आ ओद्बाइ । गुर्बान् दाब्खुर् आसार् थाइ । दोछिन् यिसुन् खाग़ाल्ग़ा थाइ

उसकी माता ले गई और लड़के के सब (छोम्) शब्द कह दिये। लड़की ने स्वर्णपुष्पमय चोले को ले लिया—ऐसा अद्भुत चोला क्या जम्बुद्वीप में होता है। यह कह कर पहन लिया (एमुसुग्सेन् दुर्)। कन्या की प्रभा और चोले की प्रभा, दोनों सप्तभूमि महल में स्पष्ट (थुङग़ालाग्) निर्बाध (थोर्दोर्खाइ) चमकने लगीं। लड़की ने पूछा—इन पक्षियों को क्या कहते हैं। उसने उत्तर दिया—इनमें से एक नरश्येन है और दूसरा स्त्रीश्येन कहलाता है। यह कहने पर—मैं अपवित्र हो गई—यह कह कर चोले को उतार फेंका और अपनी मां को पीट कर (जोदोजु) भगा दिया (खारिगुल्बाइ)। सात कलश पानी से स्नान किया। शुद्ध धूप (खुजिस्) से धूपित किया (उथाग़ाद्) और ध्यान में बैठ गई। मां रोती हुई (उखिलाग़साग़ार्) अपने घर आई। तुम मेरे कैसे पुत्र आए हो जो मेरी लड़की से मुझको पिटवाया (जादोगुल्बाइ) है। लड़के ने पूछा—हे मेरी मां, किस कारण रोती हो (उखिलाबाइ)। माता ने कहा—जब मैंने नरश्येन और स्त्रीश्येन कहा तो मुझको पीटा (जोदोबाइ)। लड़के ने कहा—कोई बात नहीं (ग़ायिगुइ)। फिर वह व्यापार के स्थान में गया। त्रिकूट स्तम्भ वाले (गुर्बान् दाब्खुर् आसार् थाइ), ४९ (दोछिन् यिसुन्) द्वार वाले,

१६६ मायिखान् गेर् । दोछिन् यिसुन् एरिखे शाम्थाब् थाइ आबुग़ाद् । बासा एर्देनिस् उुन् एद् थावार् इ येखेदे आन्छु । गेर् थेगेन् बुछाग़ाद् । एखे दुर् इयेन् एद् थावार् इ ओग्गुग्सेन् दुर् । एखे इनु बायार्लाजु आबुग़ाद् सागुथाला । निगेन् ग़ुयिलिङछि खुमुन् इरेजु । थेरे खोबेगुन् एछे यागुमा ग़ुयुबामु । खोबेगुन् उुगुलेरुन् । बि ग़ारछाखान् खुमुन् दु ओग्खु यागुन् थुसा । ओलान् ग़ुयिलिङछि इरे खेमेग्सेन् दुर् । थेरे याबुग़ाद् । दोछिन् यिसुन् खुमुन् इरेबेइ । थेदे बुगुदे दुर् लामा खुन्छासुन् इ ओग्छु एमुसुखेगेद् । एखे देगेन् एयिन् उुगुलेरुन् । बिदे याबुग़ाद् गुर्बा खोनुजु इरेखु बुइ । मान् दुर् इदेगेन् इ बेलेद्छु बायिथुग़ाइ । बिदे आग़लाग़ा दुर् ग़ारुया । नामायि गेजु खुमुन् दुर् खेले खेमेगेद् याबुबाइ । एर्देनि जिरुखेन् आग़ुला यिन् उुजुगुर् थुर् ग़ार्छु । थेरे आगुलान् दुर् । ग़ुर्बान् जागुन् आसार् थु मायिखान् गेर् बारिगुलुगाद् । थेन्दे सागुबासु । थेरे आगुलान् दुर् । सारा यिन् शिने दु । आबिदा बुर्खान् उ गेरेल् थेन्दे थुस्दाग् आजिगु । थेरे आगुलान् दुर् सुजुग् थेन् इरेजु मोर्गुजु बायिग़ाद् । थेरे खोथान् इ उुजेजु । बुगुदेगेर् आग़ुलान् ओगेदे आबिरान् ग़ार्छु । थेरे खोथान् दुर् खुर्बेसु । थेरे

तम्बू और ४६ माला और परिधान (शाम्थाब्) लिये। फिर रत्नों के धन सम्पत्ति को बहुत मात्रा में लेकर अपने घर लौटा। अपनी माता को यह धन सम्पत्ति दे दी। माता प्रसन्न हुई और उनको ले कर बैठी ही थी कि एक भिखारी (ग़ुयिलिङछि) जन आया और लड़के से कुछ मांगा। लड़के ने कहा—केवल एक (ग़ारछाखान्) को देने से (ओग्खु) मुझे क्या (यागुन्) लाभ (थुसा)। बहुत से भिखारी आएं। वह चला गया। ४६ जन आ गये। उसने सबको लामा के वस्त्र दे कर पहना दिये (एमुसुखेगेद्) और अपनी माता से यों कहा—हम जाते हैं। तीन दिन रात के पश्चात् आएंगे। हमारे लिये भोजन सज्ज रखना (बेलेद्छु बायिथुग़ाइ)। हम निर्जन (आग़लाग़ा) में जाएंगे (ग़ारुया)। यह बात हमारे सम्बन्ध में लोगों को कह देना। यह कह कर चला गया और रत्नगर्भ (एर्देनि जिरुखेन्) पर्वत के शिखर पर चढ़ गया। उस पर्वत पर ३०० स्तम्भ वाले तम्बू को स्थापित किया और वहां रहने लगा। उस पर्वत पर मास के प्रारम्भ में (शिने दु) अमिताभ बुद्ध की प्रभा पड़ती थी (थुस्दाग् आजिगु)। पर्वत पर भक्त (सुजुग् थेन्) आ कर नमस्कार करते थे। उस महल को देख कर वे सब पर्वत के ऊपर (ओगेदे) चढ़ आए (आबिरान् ग़ार्छु)। जब वे महल में पहुंचे तो

१७० खोबेगुन् इनु दोछिन् यिसुन् खाग़ालान् दुर् । दोछिन् यिसुन् लामा यि सागुलाग़ाद् । एयिन् सुग़ारुन् । बि ओबेर् इयेन् निगेन् लामा बोलुया । था नार् । खेन् खुमुन् इरेजु मोर्गु खु बुगेसु । था उगुले । ओग़थागुंइ आछा बागुजु इरेग्सेन् निगेन् बुर्खान् । थोङ आरिलुग़सान् सेद्खिल् थु बुलुगे । ग़ारछाखु थेरे ल्लामा यिन् मिनु छेगेलेंखु इनु । एमे खुमुन् उ नेरे यि बुजार् बोल्बा गेजु । दोछिन् यिसुन् सागुला उसुन् इयार् उगियाखु । सायिन् ओनोर् थेन् इयेर् उथाजु । दोछिन् यिसुन् खोनुग़् छाम् दुर् सागुखु आमुइ । मान् दुर् उसुन् ओल्दाखु बा । थेदुइ खोनुग़् सागुखु मोर्गुखु छिलुगे ओल्दाखु उुगेइ गेजु खेले खेमेन् जाखिबाइ । थेरे खाग़ालान् उ दोछिन् यिसुन् लामा जाखिग़सान् योसुग़ार् उुगुलेजु बायिबाइ । दाम् दाम् इयार् सोनुसुग़ाद् थुग् थुमेन् इयेर् खुराजु । खाग़ान् उ सायिद् थुशिमेद् बुगुदेगेर् मोर्गुजु याबुबाइ । निगेन् थुशिमेल् खाग़ान् दाग़ान् एयिन् आयिलाद्खाबा । एने आगुलान् उ उुजुगुर् देगेरे इनु । गुर्बान् जागुन् आसार् थाइ दोछिन् यिसुन् खाग़ाला थाइ मायिखान् गेर् । थेगुन् उ दोथोरा । थेङसेल् उुगेइ बोग़दा ल्लामा सागुनाम् । थेरे खाग़ाला बुरि दु निगे निगे लामा । थेगुन् उ शाबि नार् उन् खेलेखु उुगे

लड़के ने ४६ द्वारों में ४६ लामाओं को बिठा कर (सागुलाग़ाद्) यों समझाया—मैं स्वयं लामा बनूंगा। तुम सब (था नार्), जो कोई व्यक्ति आए और नमस्कार करे, उसको कहना—आकाश से उतर कर (बागुजु) आया हुआ एक बुद्ध है। सर्वथा (थोङ) शुद्ध चित्त वाला है। केवल मात्र उस हमारे लामा का एक ही अनिष्ट (छेगेलेंखु) है। स्त्रीजन के नाम को सुनने मात्र से अपवित्र हो जाता है। ४६ कलश पानी से स्नान करता है। सुगन्ध से धूप देता है (उथाजु), और ४६ दिन रात ध्यान में बैठ जाता है। हमको (मान् दुर्) पानी मिलना (ओल्दाखु) और इतने (थेदुइ) दिन रात (खोनुग़्) रहने (सागुखु) और प्रणाम करने का (मोर्गुखु) अवसर (छिलुगे) मिलता (ओल्दाखु) नहीं (उुगेइ)—यह (गेजु) कहो (खेले) इति समझाया (जाखिबाइ)। उन द्वारों के ४६ लामाओं ने आदेश के अनुसार (जाखिग़सान् योसुग़ार्) कहा। एक दूसरे से (दाम् दाम् इयार्) सुन कर दस सहस्रों में (थुग् थुमेन्) लोग इकट्ठे होने लगे (खुराजु)। राजा के सामन्त मन्त्री सब नमस्कार करने चले। एक मन्त्री ने अपने राजा से कहा—इस पर्वत के शिखर पर ३०० स्तम्भों वाला तथा ४६ द्वारों वाला तम्बू है। उसके भीतर अनुपम (थेङसेल् उुगेइ) महात्मा लामा बैठा है। प्रत्येक द्वार पर एक एक लामा है। उसके शिष्य वर्ग के कथित वचन (खेलेखु उुगे) ये हैं—

१७! ओरथार्गु इ आछा बागुजु इरेग्सेन् । थोङ इदेखु ऊगुलु यिन् जुइल् उगेइ । खिइ
मन्दल इयार् याबुखु थेयिमु ब्लामा गेनेम् । बिदे सोनुसुगाद् मोर्गुजु इरेबेइ खेमेखुइ दुर् ।
खागान् । आइ थेयिमु गायिखाम्शिग् थु बुर्खान् इरेग्सेन् बायिनाम् खेमेगेद् । मोर्गुये खेमेन्
थाखिल् उन् आयिमाग् इ बेलेद्छु आबुगाद् । थुशिमेद् इयेन् दागागुल्जु जोरिन् याबुबाइ । खुरुगेद्
मोर्गुजु खागान् एयिन् आयिलाद्खारुन् । आलि ओरोन् आछा ओगेदे बोलुग्सान् बुलुगे । आलि उलुस् थुर्
ओगेदे बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । ब्लामा जार्लिग् बोलोरुन् । बि इरेखुइ देगेन् थुशिद् उन्
ओरोन् आछा इरेलुगे । थुसालाखु मिनु बुखुइ यिर्थिन्छु दुर् बोलाइ खेमेन् जार्लिग् बोल्बाइ ।
खागान् आयिलाद्खारुन् । थोनिलाखु यिन् मोर् थुर् थुर्गेन् नोम् इ नोम्लान् सोयोर्खा खेमेग्सेन् दुर् ।
ब्लामा बेर् थोनिल्खु यिन् मोर् उन् नोम् इ नोम्लाजु ओग्बेइ । खागान् खारिगाद् एदुर् बुरि
इरेजु मोर्गुदेग् बुलुगे । खागान् आछा । खाथुन् आनु आसागुरुन् । एदुर् बुरि खामिगा
याबुदाग् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । खागान् जार्लिग् बोलोरुन् । एर्देनि जिरुखेन् आगुलान् उ उजुगुर्
देगेरे । एर्खिम् देगेदु ब्लामा सागुदाग् बुलुगे । थेगुन् दुर् मोर्गुजु याबुबाइ बि

आकाश से उतर कर आया है। सर्वथा (थोङ) खाने पीने का काम नहीं। वायुमण्डल में चलता है। ऐसा लामा है। यह सुन कर हम नमस्कार करने आए हैं। इस पर राजा ने कहा—अहो ऐसा अद्भुत बुद्ध आया है। मैं नमस्कार करने जाऊंगा इति। पूजा (थाखिल्) की सामग्री (आयिमाग्) सज्ज कर ले गया (बेलेद्छु आबुगाद्)। मन्त्री साथ चलने के उद्देश्य से (जोरिन्) गये। पहुंच कर नमस्कार करके राजा ने निवेदन किया। आप किस लोक से पधारे हैं और किन जनों में जाएंगे। इस पर लामा ने उत्तर दिया—मै आते समय तुषित लोक से आया हूं। मेरा हित करना सब संसार के लिये है। राजा ने कहा—मुक्ति के मार्ग के लिये शीघ्र (थुर्गेन्) उपदेश के प्रवचन करने की कृपा करें (सोयोर्खा)। लामा ने मुक्ति के मार्ग के धर्म का उपदेश दिया (नोम्लाजु ओग्बेइ)। राजा लौट गया और प्रतिदिन आ कर नमस्कार करने लगा। राजा से रानी ने पूछा—आप प्रतिदिन कहां जाते हैं। राजा बोले—रत्नगर्भ पर्वत के शिखर पर गुणोत्तम (एर्खिम् देगेदु) लामा रहता है। मैं उसको नमस्कार करने जाता हूं।

१७२ खेमेग्मेन् दुर्। खाथुन् उुगुलेरुन्। बुर्खान् दु मोर्गुंखु यि खाराम्लाजु मोर्गुदेग् बुयु खेमेखुइ दुर्। खागान् उुगुलेरुन्। थेरे ब्लामा दुर् एमे खुमुन् मोर्गुंखु एछे बायिथुगाइ। एमे खुमुन् उु नेरे यि सोनुस्खु उुगेइ। थेयिमु छेबेर् गेनेम् खेमेखुइ दुर्। खाथुन् उुगुलेरुन्। येरु बुर्खान्। खामुग् आमिथान् उ थुसा यि सानाखु बुगेथेले। एमे खुमुन् इ थुसालाखु उुगेइ। याम्बार् बोदिसादुआ यिन् योसुन् बुइ थेरे। बि ओछिजु मोर्गुंखु बुइ जा। गादाना इरेग्सेन् बुर्खान् इ बायास्खान् एसे उुइलेदुग्सेन् इयेर्। बालाइ मागु थोरोल् दुर् थोरोखु बुइ जा। खेमेग्सेन् दुर्। खागान्। थेयिमु योमु थाइ गेनेम् खेमेग्सेन् दुर्। खाथुन्। थेयिमु योमुन् उुगेइ। आर्गा उुगेइ ओछिजु मोर्गुखु बुइ गेबे। खागान्। निगेन् थुशिमेल् इ ब्लामा दुर् इलेगेबे। थेरे थुशिमेल् खुरुगेद्। खागाल्यान् उ लामा दुर् खेलेबेसु। थेयिमु योसुन् उुगेइ उुगे बू खेले खेमेगेद्। बुगुदेगेर् थुशिमेल इ जोदोबाइ। थेरे थुशिमेल् इनु उखिलाजु यागारान् गेर् थेगेन् बुछाजु इरेगेद्। खागान्। खाथुन् दागान् आयिलादखाबाइ। खाथुन् आनु उुगुलेरुन्। एमे खुमुन् खेशिग् बुयान् उुगेइ बुगेमु। खामुग् आमिथान् देल्गेरेखु

इस पर रानी बोली— बुद्ध को नमस्कार करने में स्वार्थी हो कर (खाराम्लाजु) दर्शन करते हो क्या। राजा ने कहा—उस लामा को स्त्रीजन नमस्कार करने से तो रही, स्त्रीजन का नाम भी वह नहीं सुन सकता। वह इतना पवित्र (छेबेर्) कहा जाता है। रानी बोली—सामान्य रूप से (येरु) बुद्ध सब प्राणियों की भलाई को सोचते हैं। स्त्रीजन का हित न करना, यह किस प्रकार का बोधिसत्त्व का नियम है। मैं जा कर दर्शन करूगीं ही। समीप (गादाना) आए बुद्ध को प्रसन्न न करूंगी तो नीच (बालाइ) और दुष्ट (मागु) योनि (थोरोल्) में मेरा जन्म होगा। राजा ने कहा— यह नियम के अनुकूल कहा जाता है। फिर रानी बोली— यह कोई नियम नहीं। मैं अवश्य (आर्गा उुगेइ) जा कर दर्शन करूंगी।

राजा ने एक मन्त्री को लामा के पास भेजा। मन्त्री ने पहुंच कर द्वार के लामाओं से जब कहा तो वे बोले—इस प्रकार के नियमहीन शब्द मत कहो। यह कह कर सबने मन्त्री को पीटा। मन्त्री रोता हुआ (उखिलाजु) शीघ्रता से (यागारान्) अपने घर लौट आया (बुछाजु इरेगेद्) और राजा रानी को सूचित किया। रानी ने कहा—यदि स्त्रीजन भाग्य (खेशिग्) और पुण्य (बुयान्) हीन है तो सब प्राणियों की वृद्धि होना (देल्गेरेखु)

१७१ योसुन् उुगेइ बुलुगे । बुर्खान् दु एसे मोर्गुखु बुगेसु । खोयिना उख्चाराखु आनु बेर्खे ।
बुइ जा । एदुगे बेये बेन् येगुद्खेजु । एरे बोरोल् इ ओलुग़ाद् मोर्गु सुगेइ गेजु बेये
येगुद्खेखु यिन् छाम् दुर् सागुखु यि जाब्दुबासु । आबाखाइ आनु सोनुसुग़ाद् । एखे एछेगेन्
येगुद्खेखु यिन् योसुन् छिनु यागुन् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । ब्लामा यिन् उछिर् इ बुरिन् ए खेलेग्सेन् दुर् ।
थेरे आबाखाइ । खाग़ान् दुर् आयिलाद्खारुन् । एर्थे छाग् थुर् माम्बार् बोदिसादुआ नार् एखेनेर्
खुमुन् इ छेगेर्लेदेग् बुलुगे । खाग़ान् सोनुस्छु आयिलायुरसान् बुयु खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् जार्लिग्
बोलोरुन् । एर्थे छाग् । एदुगे छाग् । इरेगे एदुइ छाग् । बुर्खान् बोदिसादुआ नार् उन् योसुन् आनु एयिमु
गेनेम् खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् आ आ एखे लुगे बेन् बि खाम्यु निर्वान् बोलुग़ाद् । निगेन् बेये
ओल्जु मोर्गु सुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् येखेदे आयुग़ाद् । खायुन् बा खेजुखेन् एछे खाग़ाछाखु
बोल्बाइ गेजु सानाग़ाद् । आ आ था बायिछा । बि ब्लामा दुर् आयिलाद्खाजु मेदेये खेमेगेद्
ओगेदे बोल्बाइ । ब्लामा दुर् मोर्गुगेद् । आलाग़ा बान् खाम्युद्खाजु एयिन् आयिलाद्खारुन् ।
ब्लामा यिन् योसुन् इ सोनुसुरसान् बुलुगे । थेयिमु बेर् बोल्बासु । खायुन् बा ।

नियमहीन है । यदि वे बुद्ध के दर्शन न करें तो भविष्य में (खोयिना) उनका मिलना (उख्चाराखु) कठिन (बेर्खे) होगा । अब मैं अपने शरीर को त्याग कर (येगुद्खेजु) पुरुषजन्म को ले कर दर्शन करूंगी । यह कह कर शरीरत्याग के ध्यान में बैठने के निकट पहुंची (जाब्दुबासु) तो उसकी लड़की ने सुना और अपनी मां से पूछा—देह त्यागने का तुम्हारा नियम क्या है । लामा के वृत्तान्त को पूर्णरूप से सुनाने पर लड़की ने राजा से कहा—प्राचीन काल में सब बोधिसत्त्वों के लिये स्त्रीजन वर्जित (छेगेर्लेदेग्) थीं । राजा ने सुना होगा । इस पर राजा बोला—प्राचीन समय, वर्तमान समय और भविष्य (इरेगे एदुइ) काल के बुद्धों और बोधिसत्त्वों के नियम इसी प्रकार के कहे जाते हैं । इस पर उसने कहा—हे राजन्, मैं अपनी माता के साथ निर्वाण प्राप्त करना चाहती हूं और एक दूसरा नर-शरीर प्राप्त कर दर्शन करूंगी ।

राजा बहुत डर गया । उसने सोचा, रानी और पुत्री से वियोग (खाग़ाछाखु) हो जाएगा और कहा—अरे तुम ठहरो (बायिछा) । मैं लामा से निवेदन करके देखता हूं (आयिलाद्खाजु मेदेये) । यह कह कर चला गया (ओगेदे बोल्बाइ) । लामा को नमस्कार किया । अपनी हथेली जोड़ कर (खाम्युद्-खाजु) निवेदन किया—मैंने लामा जी के नियम को सुना है । तिस पर भी (थेयिमु बेर् बोल्बासु) मेरी रानी और

१७४ खेतुखेन् मिनु । एसे मोर्गुंग्सेन् उ थुला । लाब्या तुखुखु बुलुगे । थेयिमु यिन् थुलादा । आयिलाद्खानाम् खेमेग्सेन् दुर् । ब्लामा जार्लिग् बोलोरुन् । तुखुखु इनु तुनेन् बुगेसु । खाथुन् बा खेतुखेन् छिनु मोर्गुथुगेइ । बुसु एमे खुमुन् मोर्गुंजु तुलु बोल्खु खेमेग्सेन् दुर् खागान् बायार्लान् खारिग़ाद् । खाथुन् । खेतुखेन् खोयार् इ मोर्गुंगुलुरे इरेबेइ खेमेबेइ । थेगुन् एछे उरिदा ब्लामा खाग़ाल्याछिन् दुर् जाखिबा । खाथुन् एखिलेन् खामुग् उलुस् इ उरिद् मोर्गुंगुले । आबाखाइ यि खोजिम् आब्छु इरे गेबे । थेन्दे एछे खाग़ान् । खाथुन् सायिद् थुशिमेद् इ उरिद् मोर्गुंगुल्बे आबाखाइ यि दोछिन् यिसुन् लामा खाग़ाल्या बान् खाग़ाग़ाद् इरेजु मोर्गुंगुल्बेसु । ब्लामा बेर् खेतुल्चेन् उ तुसुन् एछे बारिजु । खाछार् इ इनु आलाग़ादाबासु । खेतुखेन् तुगुलेरुन् । आइ ब्लामा । यागुन् उ थुला आगुर्लाबा खेमेग्सेन् दुर् तुगुलेरुन् । याम्बार् दाखिनिस् एरे यिन् नेरे छेगेलेंदेग् बिले । एखे दाखिनि गुर्बान् मिङ्ग़ान् यिथिन्छु यिन् उलुस् इ देल्गेरेगुल्खु बुगेथेले । यागुन् उ उछिर् इयार् एयिमु बोल्खु बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । आबाखाइ तुगुलेरुन् । ब्लामा यिन् जार्लिग् तुनेन् बुगेथेले । नामायि दोर्बेन् ओरोन् उ खाग़ाद् ग़ुयुसान् बुलुगे । एरे इजागुर् थान् तुजेगेद् । खोग्छिाखुइ सेद्खिल् थोरोखु बुलुगे । थेयिमु निगुल् थु ग़ोओआ तुजेस्खुलेङ थु यिन् थुला । एरे दुर्

पुत्री दर्शन न कर सकने के कारण निश्चय ही मरने लगी हैं । इस कारण मैं निवेदन कर रहा हूं । लामा ने कहा—यदि उनका मरना सत्य है तो तुम्हारी रानी और पुत्री दर्शन कर लेवें । किन्तु दूसरे स्त्रीजन का दर्शन करना न होगा । इस पर राजा प्रसन्न हो कर चला गया और कहा—रानी और पुत्री दोनों को दर्शन कराने के लिये (मोर्गुंगुलुरे) आया हूं । इससे पूर्व लामा ने द्वारपालों को आदेश दिया (जाखिबा)—रानी आदि सब प्रजा को पहले नमस्कार कर लेने देना । राजपुत्री को अन्त में (खोजिम्) ले कर आना ।

अतः राजा, रानी, सामन्त और मन्त्रियों को पहले दर्शन कराया (मोर्गुंगुल्बे) । राजपुत्री को ४६ लामा द्वार बन्द करके ले आए और दर्शन कराए । लामा ने राजकुमारी को बालों से पकड़ कर गालों पर (खाछार् इ) चपत लगाए (आलाग़ादाबासु) । राजकुमारी बोली—हे लामा, किस लिये रुष्ट हो गये हो (आगुर्लाबा) । लामा ने पूछा—कौनसी डाकिनी पुरुष के नाम को बुरा मानती है । माता डाकिनी (एखे दाखिनी) तीन सहस्र लोकों की प्रजा की समृद्धि (देल्गेरेगुल्खु) करती है । किस कारण से तुम ऐसी ही । राजपुत्री ने कहा—लामा का कहना सच होते हुए भी (बुगेथेले) मुझको चार लोकों के राजा चाहते (ग़ुयुसान्) रहे हैं । पुरुष जाति वालों को (एरे इजागुर् थान्) देख कर काम (खोरिछाखुइ) विचार उत्पन्न होते हैं । ऐसी पापिनी (निगुल् थु) सुन्दरी और रूपवती होने के कारण पुरुषों से (एरे दुर्)

१७५ येरु बू उछिर्सुगाइ गेजु छेगेर्लेबे । एरे यिन् नेरे यि छु बू सोनुसुसु गेजु बुलुगे । ब्लामा यिन् जार्लिग् यागुन् बोल्बासु थेगुन् इयेर् बोल्सुगाइ खेमेग्सेन् दुर् ब्लामा जार्लिग् बोलोरुन् । थेयिम् बुगेसु मिनु ओग्लिगे यिन् एजेन् छोग़्थु नेरे थु खागान् बुलुगे । थेगुन् उ खोबेगुन् थुसा बुथुगेग्छि खान् खोबेगुन् बुलुगे । थेगुन् दुर् खाथुन् बोल्खु यिन् थुला । ओद् खेमेन् जार्लिग् बोलुग़्सान् दुर् छिनु जार्लिग् इयार् बोलुया खेमेग्सेन् दुर् । ब्लामा जार्लिग् बोलोरुन्। छि खोयिथु सोनि जेगुदेलेबे गेजु । खागान् दुर् आयिलाद्खा । बि बेर् छाम्बुदिब् थुर् ओदुगाद् । खागान् उ खोबेगुन् उ खाथुन् बोलुना गेजु जेगुदेलेबे खेमेन् खागान् दुर् आयिलाद्खा खेमेन् सुर्गाबाइ । खेउखेन् जोब्शियेगेद् खारिबाइ । खोयिथु सोनि जेगुदे जेगुदेलेग्सेन् इ खागान् दुर् आयिलाद्खावासु । एने याम्बार् मागु इरुआ थु जेगुदे बुलुगे खेमेन् । ब्लामा दुर् आयिलाद्खाबासु । ब्लामा जार्लिग् बोलोरुन् । आमिथान् इ थुसालाखु छाग् आनु खुरुग्सेन् आजुगु । दोरोना जुग् थुर् । मिनु ओग्लिगे यिन् एजेन् छोग़्थु नेरे थु खागान् बुलुगे। थेगुन् दुर् निगेन् खान् खोबेगुन् बुइ । खाथुन् उगेइ यिन् थुला । थेगुन् दुर् खाथुन् बोल्गाथुगाइ खेमेन् जार्लिग् बोलुग़्सान् दुर् खागान् बेर् । थेरे ओरोन् दुर् खेन् खुर्गेजु आबाछिखु बुइ । थेरे गाजार् आछा खेन् इरेखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् ।

सर्वथा (येरु) न (बू)मिलूंगी (उछिर्सगाइ)—यह (गेजु) निषेध किया था (छेगेर्लेबे) और पुरुष का नाम भी (छु) न सुनूंगी, यह कहा था । लामा का आदेश जो भी हो (यागुन् बोल्बासु) उसी के अनुसार (थेगुन् इयेर्) हो जाऊंगी (बोल्सुगाइ) । इस पर लामा ने कहा—यदि यह बात है तो मेरा दानपति श्रीमान् नामक राजा है । उसका पुत्र सिद्धार्थ (थुसा बुथुगेग्छि) राजा है । उसकी पत्नी बनने के लिये चली आओ (ओद्) । इतना कहने पर उसने कहा—तुम्हारे आदेशानुसार करूंगी । लामा ने कहा—कल रात (खोयिथु सोनि) राजा को कहना कि मैंने स्वप्न देखा है (जेगुदेलेबे), मैं जम्बुद्वीप में गई और राजकुमार की पत्नी बन गई । यह स्वप्न देखा है—ऐसा राजा से कहना । यह समझाया (सुर्गाबाइ) । लड़की मान गई और चली गई । अगली रात स्वप्न देखने का समाचार राजा को सुनाया । यह किस प्रकार का कुलक्षण वाला (मागु इरुआ थु) स्वप्न (जेगुदेन्) है—यह लामा से कहा । लामा ने उत्तर दिया—प्राणियों का हित करने का इसका समय आ गया है । दक्षिण (दोरोना) दिशा में मेरे दानपति श्रीमान् नामक राजा रहते हैं । उनका एक राजकुमार है । पत्नीहीन होने के कारण इसको उसकी पत्नी बनने दो (बोल्गाथुगाइ) । इस पर राजा ने पूछा—इसको उस देश में कौन पहुंचाएगा (खुर्गेजु आबाछिखु बुइ) । उस देश से कौन आएगा । इस पर

१७६ ब्लामा जालिग् बोलोरुन् । बि छिगि बोल्बा । आमिथान् इ थुसालाखु छाग् थुर् खुर्बे । थेरे ओरोन् दुर् ओद्खु बुलुगे बि इलेगेखु बुगेसु । नादुर् ओग्युगेइ खेमेग्सेन् दुर् ।
खागान् जोब्झियेगेद् । इलेगेखु बोल्बाइ । खेदुइ दु ओगेदे बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दु ।
ब्लामा । बि ओनो ए यावुया गेज जालिग् बोलुग्मान् दुर् । खागान् यागाराजु खारिगाद् । खाथुन् खेतुखेन् खोयार् थुर् उछिर् इ ग्वेलेबेम् । बुगुदेगेर् जोब्झियेजु । यागारान् एद् थावार् बेलेद्गेद् । जागुन् जागान् दुर् आछिजु । मिङगान् खुमुन् इयेर् खुर्गेगुल्वेइ । ब्लामा । खेतुखेन् थेर्गेन् दुर् खोल्गलेजु यावुबाइ । बोदि मोदुन् दुर् खर्छु इरेखुइ दुर् इयेन् । ब्लामा खेतुखेन् दुर् उगुलेरुन् । मान् उ थेरे खान् खोबेगुन् गेग्छि छिमायि । बोदि मोदुन् उ देर्गेदेखि मिङगान् बुर्खान् दुर् मोर्गुखुइ दुर् छिनु । बिशिगागाम् बेये यि छिनु शिन्जिलेजु उजेगेद् । जिरुजु एने गाजार् आ बायिगुलुग्मान् दुर् थेरे खागान् । छिनु खुरुग् इ उजेगेद् । नुखेन् एछे गार्खु उगेइ बायिखु यिन् थुला । छिमायि जालाजु इरेग्सेन् मिनु एने बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् खेतुखेन् उगुलेरुन् । ओङगेन् दुर् थाछियाखु । गेरेल् दुर् दुराशियाखु बुगेसु । मागु दाङगाइ इजागुर् थु खोबेगुन् बायिना खेमेग्मेन् दुर् ब्लामा उगुलेरुन् । बि थेगुन् उ थुशिमेल् उन् खोबेगुन् बुलुगे

लामा ने कहा—मैं भी तो हूं (छिगि बोल्बा)। प्राणियों के हित करने के समय में आया हूं । मैं उस देश में जा रहा हूं । यदि भेजना हो तो (इलेगेखु बुगेसु) मुझे दे दो (ओग्युगेइ) । राजा मान गया । भेजने के लिये उद्यत हो गया (इलेगेखु बोल्बाइ) । आप कब पधारेंगे (खेदुइ दु ओगेदे बोल्खु बुइ) । इस पर लामा ने कहा—आज ही जाऊंगा । राजा शीघ्रता से घर लौटा । रानी और राजकुमारी दोनों को बात बतलाई । सब मान गये । शीघ्रता मे धन सम्पत्ति इकट्ठी कर १०० हाथियों पर लाद कर (आछिजु) एक सहस्र मनुष्यों द्वारा भेज दी (खुर्गेगुल्वेइ) । लामा और कुमारी रथ में सवार हो कर (खोल्गलेजु) चले गये ।

बोधिवृक्ष पर पहुंच कर लामा ने लड़की से कहा—हमारे राजकुमार ने तुमको— जब तुम बोधिवृक्ष के पास के सौ बुद्धों को नमस्कार कर रही थी, उस समय विश्वकर्मा ने तुम्हारे शरीर को ध्यान से (शिंजिलेजु) देख कर, मूर्ति बना कर (जिरुजु), इस स्थान में स्थापित कर दी थी (बायिगुलुग्सान् दुर्) —राजकुमार ने तुम्हारी इस प्रतिमा (खुरुग्) को देखा और अब गुहा से बाहर नहीं निकल सकता । अतः तुमको निमन्त्रित (जालाजु) करके मेरा यह आगमन (इरेग्सेन्) हुआ है । इस पर लड़की बोली— यदि सौन्दर्य (ओङ्गेन्) पर मुग्ध हो कर (थाछियाखु) मेरी प्रभा में मन लगा लिया है तो (दुराशियाखु बुगेसु) वह दुष्ट नीच (दाङगाइ) कुल का (इजागुर् थु) लड़का है । लामा ने कहा—मैं उसी के मन्त्री का लड़का हूं ।

१७७ खेमेगेद् । याम्बार् बा । उछिर् इ इयान् देल्गोरेङगुइ ए उगुलेगेद् । छि खागान् उ खोबेगुन् दुर् ओछिगाद् । खाराङगुइ यिर्थिन्छु यिन् आमिथान् इ गेयिगुल्बेसु । ओबेर् बुसुद् उन् थुसा बुइ जा । गेजु खेलेग्सेन् दुर् खेउखेन् उगुलेरुन् बि थेगुन् दुर् खाथुन् बोल्बासु । गेम्शिजु जोबालाङ ओलान् बोल्खु बुइ जा । नादा आछा एसे जिग्शिबेसु । बोरदा खोबेगुन् खायिरालामु खेमेग्सेन् दुर् । खोबेगुन् उगुलेरुन् । बि एने थोरोल् दुर् । बोदि याबुदाल् इयार् याबुखु बुलुगे । थोङ आरिलुसान् सेद्खिल् थु यिन् थुला । गेर्गेइ यि शिथुखु उगेइ । मिनु उगेन् एछे उलु दाबाखु बुगेसु । बि निगेन् खागान् उ थोरोल् आबुगाद् । छिम् लुगा उछारासुगाइ खेमेग्सेन् दुर् थेरे आबाखाइ येखेदे उयाराखु सेद्खिल् थोरोजु । एगुन् उ जालिग् आछा दाबाबासु । थोरोल् दुथुम् उलु जोल्गोखु बुइ जा खेमेन् सानागाद् । थेरे खोबेगुन् उ देर्गेदे खोयागुला इरेजु । आबाखाइ लुगा खाम्थु निगेन् नुखेन् दु ओरोबासु । नुखेन् उ दाखिनि मोर्गु गेद् । यागुन् उ थुलादा । ओगेदे बोल्वा खेमेग्सेन् दुर् । बोरदा खोबेगुन् उ बेल्गे बिलिग् उन् आर्गा बार् इरेग्सेन् बुइ जा खेमेगेद् । थेरे खोबेगुन् सुबुद् खागाल्गान् उ छागाना बुलुगे । आबाखाइ ओरोरसान् दुर् एमे याबुया गेजु खुरुग् उन् गार् आछा बारिजु बायिरसागार् आजुगु । आबाखाइ याबुसा याबुया खेमेगेद् । गार्

यह कह कर अपना सब वृत्तान्त विस्तार से कह सुनाया—यदि तुम राजकुमार के पास जा कर और अन्धकारमय (खाराङगुइ) संसार के प्राणियों को प्रकाशित करोगी तो तुम्हारी अपनी और सबकी भलाई होगी । लड़की बोली—यदि मैं उसकी रानी बन जाऊं तो बहुत शोक और दुःख होगा । यदि मेरे से घृणा न करो तो (एसे जिग्शिबेसु) हे महात्मन् कुमार, तुम मेरे से अनुराग करो (खायिरालामु)। लड़के ने कहा—मुझे इस जन्म में बोधिचरित द्वारा चलना है । सर्वथा शुद्ध (थोङ आरिलुसान्) चित्त होने के कारण गृहिणी (गेर्गेइ) का सेवन नहीं कर सकता (शिथुखु उगेइ) । यदि मेरे शब्दों को न टालोगी तो (दाबाखु बुगेसु) मै राजा का जन्म ले कर तुम्हारे से मिलूंगा (उछारासुगाइ) । इस पर उस कन्या में बहुत कोमल (उयाराखु) विचार उत्पन्न हुए — यदि मैं इस के आदेश से टलूंगी तो (दाबाबासु) जन्मजन्मान्तर (थोरोल् दुथुम्) इससे मिलना (जोल्गोखु) न होगा । यह विचार कर उस लड़के के पास दोनों पहुंच गये । लड़की को साथ ले कर जब गुहा में प्रवेश किया तो गुहा की डाकिनी ने नमस्कार करके पूछा—किस लिये पधारी हो । उसने कहा—महात्मा लड़के के ज्ञानोपाय द्वारा आई हूं ।

वह लड़का मोतियों (सुबुद्) के द्वार के (खागाल्गान्) पीछे (छागाना) था । जब लड़की ने प्रवेश किया—हे स्त्री, चलो—यह कह कर प्रतिमा (खुरुग्) को हाथ से पकड़े हुए था । कुमारी ने कहा—यदि चलते हो तो चलो (याबुसा याबुया) । जब हाथ

१७८ आछा बारिबासु। थेरे खोबेगुन् आबाखाइ यि तुजेगेद्। गार् देगेरे एछे बारिन् गार्छु इरेबेइ। थेरे खोबेगुन् आबाखाइ यि तुलु थाल्बिन् सागुखुइ दुर्। आबाखाइ एयिन् सेद्खिरुन्। एगुन् एछे याम्बार् आर्गा बार् गारछाखु बोल्बा गेजु एम्गेनिन् सागुबाइ। खोयिथु खोथोल् मिङगान् खुमुन् खुछुं इरेग्सेन् दुर्। थेदे येखे खुरिम् ओग्गुगेद्। ओग्लिगे ओग्छु खारिगुलुगाद्।
खागान् खाथुन् इ जालाजु एल्देब् आम्था थु जिमिस् इयेर् खुरिम् बारिगाद्। खागान् खाथुन् इ जिर्गासान् खोयिना। बोदि मोदुन् उ इजागुर् थुर् नोम् सानाजु सागुथाला। एरे एमे खोयार् गालागुन् इरेगेद् एरे गालागुन् आनु एमे गालागुन् दुर् एयिन् उगुलेरुन्। एने थुशिमेल् उन् खोबेगुन् इ रिद् खुबिलगान् उ आदिस्थिद् इयार् खागान् उ खोबेगुन् जिर्गाबाइ। सेद्खिल् उन खारा बार् जिर्गासान् थुशि उगेइ बोल्बाइ खेमेग्सेन् दुर्। एमे गालागुन् उगुलेरुन्। यागुन् दु जोबाग्बुइ। एरे गाल्गुन् उगुलेरुन्। एन्दे एछे ओछिगाद्। जिब्खुलाङ थु खागान् उ आबाखाइ यि बासा आब्ब्। थेगुन् एछे छागाना। एछिगे खागान् ओछिबासु। इजागुर् उन् खाथुन् एखे इनु उग्थुजु निगेन् ख्वोओर् ओग्खु। थेगुन् इ इदेबेसु बेर् लाब्था उखुखु खेमेग्सेन् दुर्। एमे इनु

से पकड़ा तो लड़के ने कुमारी को देखा और उसका हाथ पकड़ कर बाहर निकल आया। लड़का जब कुमारी को छोड़ न रहा था (सागुखुइ दुर्) तब कुमारी ने यूं सोचा—इससे किस उपाय द्वारा छुटकारा होगा। यह सोच कर व्याकुल हो रही थी (एम्गेनिन् सागुबाइ)।

पीछे से उसके अनुचर (खोथोल्) एक सहस्र जन आ पहुंचे। उनको बहुत बड़ा भोज (खुरिम्) दिया और दान दे कर लौटा दिया। राजा और रानी को निमन्त्रित कर नाना स्वाद वाले फलों से भोज दिया (बारिगाद्)। राजा और रानी प्रसन्न हुए। तत्पश्चात् बोधिवृक्ष के मूल में धर्म पर विचार कर रहे थे। तब पति पत्नी दो हंस (गालागुन्) आए। नर हंस ने हंसी से कहा—मन्त्रिकुमार की ऋद्धि (रिद्) और शक्ति के प्रसाद (आदिस्थिद्) से राजपुत्र सुखी हुआ है (जिर्गाबाइ), किन्तु विचारों के काला होने से उसकी प्रसन्नता आधारहीन (थुशि उगेइ) है। इस पर हंसी बोली—इसको क्या दुःख होगा। हंस ने कहा—यहां से जा कर तेजस्वी राजा की कुमारी से फिर विवाह करेगा। इसके पश्चात् जब वह पिता राजा के पास जाएगा तो पहले (इजागुर्) की इसकी रानी माता सामने से स्वागत करके (उग्थुजु) विष देगी (खोओर् ओग्खु)। यदि यह इसको खा लेगा तो निश्चय ही मर जाएगा। हंसी ने

१७६ उ़गुलेरुन् । थेगुन् दुर् आर्ग़ा उ़गेइ बुयु खेमेग्सेन् दुर् । एरे इनु उ़गुलेरुन् । थेगुन् इ मेदेग्सेन् खुमुन् आस्खाजु ओर्खिबासु । यागुन् उ गेम् बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । थेगुन् एछे छागाना ओबेर् उ़खुल् बुइ खेमेग्सेन् दुर् । एमे ग़ाल्लागुन् उ़गुलेरुन् । याम्बार् जोबालाङ बुइ खेमेग्सेन् दु । एरे ग़ालागुन् उ़गुलेरुन् । बासा निगेन् उग़थुगुल् इरेखु । छाग़ान् मोरि । साग़ादाग़् नुमु । छाग़ान् देबेल् ओग्छिलेगेखु बुइ । थेरे मोरि उनुमाग़छा लू बोल्खु । देबेल् साग़ादाग़् आनु आयुङग़ा यिन् सुमुन् बोल्खु । थेगुन् दुर् उ़खुखु । थेगुन् उ छाग़ाना । ओरोखु खाग़ालाग़ा खाछाबाछि आनु इर् थु मेसे बोलुग़ाद् छाञ्छिजु आलाखु । खाग़ान् । खाथुन् खोथान् आछा जिग़ुदाजु ओछिखु । सोनि नोयिर्सुग़सान् खोयिना । आबुर्गु मोग़ाइ इरेगेद् । एने खान् खोबेगुन् इ जाल्गिजु ओर्खिखु । एमे ग़ालागुन् उ़गुलेरुन् । थेगुन् इ मेदेग्सेन् खुमुन् खेलेबेसु याग़ाखिखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । एरे ग़ालागुन् उ़गुलेरुन् । थेगुन् इ खेलेबेसु गुरु खारा छिलागुन् बोल्खु । थेरे बेर् छिलागुन् बोल्बासु । एदेगेखु आर्ग़ा बुइ ऊ गेबे । एरे ग़ालागुन् उ़गुलेरुन् । एने खोयार आबाखाइ आछा खोबेगुन् थोरोबेगेम् । थेगुन् उ ग़ालागुन् छिसुन् इ दुस्गाबामु एदेगेखु बुइ खेमेगेद् निस्छु ओद्बाइ । थुशिमेल् उन् खोबेगुन् एयिन् सेद्खिरुन् । एगुन् इ

कहा—इसका उपाय नहीं है क्या । पति ने उत्तर दिया—इसको जानने वाला जन यदि [विष को] गिरा छोड़े तो (आस्वाजु ओर्खिबासु) क्या दोष हो सकता है । इससे भी आगे एक और मृत्यु (उ़खुल्) है । हंसी ने पूछा—वह क्या कष्ट है । हंस बोला—फिर एक स्वागत (उग़थुगुल्) होगा (इरेखु) । श्वेत घोड़ा, तूणीर (साग़ादाग़्), धनुष (नुमु), श्वेत चोला मिलेंगे । यदि उस घोड़े पर सवारी करेगा तो (उनु-माग़छा) घोड़ा नाग बन जाएगा और चोला तथा तूणीर वज्रपात (आयुङग़ा) के बाण (सुमुन्) बन जाएंगे । उनसे मृत्यु होगी । उसके पीछे प्रवेशद्वार के स्तम्भ (खाछाबाछि) तीक्ष्ण (इर् थु) छुरी (मेसे) बन कर काट मारेंगे (छाञ्छिजु आलाखु) । राजा रानी नगर से भाग (जिग़ुदाजु) निकलेंगे (ओ-छिखु) । रात को सोने के (नोयिर्सुग़्सान्) पश्चात् विषमय (आबुर्गु) महानाग (मोग़ाइ) निकलेगा और इस राजकुमार को निगल छोड़ेगा (जाल्गिजु ओर्खिखु) । हंसी ने पूछा—जो इसको जानने वाला व्यक्ति कह दे तो क्या होगा । हंस ने उत्तर दिया—यदि वह इस बात को कह देगा तो ठोस (गुरु) काला पत्थर बन जाएगा । यदि वह पत्थर बन जाए तो जीवित करने (एदेगेखु) का उपाय है क्या । हंस ने कहा—इन दोनों कुमारियों से यदि कोई लड़का जन्म ले (थोरोबेगेम्) और यदि उसके उष्ण (ग़ालागुन्) रक्त को छिड़क दें (दुस्गाबामु) तो जीवित हो जाएगा । यह कह कर दोनों हंस उड़ गये (निस्छु ओद्-बाइ) । मन्त्रिपुत्र ने सोचा—इसको

१८० याम्बार् आर्गा बार् जिर्ग़ागुल्सुग़ाइ गेजु सानाग़ाद् । ख़ाग़ान् । ख़ाथुन् इ सेरेगुल्जु आबुग़ाद् याबुबाइ । ख़ान् ख़ोबेगुन् इयेन् ग़ाजार् बोल्जोयु । थेरे जिब्ख़ुलाङ थु ख़ाग़ान् दुर् ओछिबाइ । ख़ुरुगेद् ख़ाग़ान् । ख़ाथुन् दु एयिन् आयिलाद्ख़ारुन् । बि ख़ोङशिम् बोदिसादु यिन् सुमे दुर् ख़ुर्छु मोर्गु गेद् । छाम् दुर् साग़ुजु थायिल्ग़ाद् इर्बेइ ख़ेमेग्सेन् दुर् ख़ाग़ान् । ख़ाथुन् । ख़ेउुख़ेन् इयेन् ओबेग्इ । थेरे ख़ोबेगुन् उगुलेरुन् । बि एछिगे एख़े दुर् इयेन् ख़ुर्छु आबुमुग़ाइ ख़ेमेगेद् । थेरे आबाख़ाइ यि ओलान् दाग़ागुल् थाइ यि एद् बाराग़ान् इ जाग़ान् दुर् आछिजु ओग्बेइ । ख़ोबेगुन् आबुग़ाद् याग़ारान् । थेरे आबाख़ाइ दुर् । आल्थान् छिमेग् थु यिन् योसुग़ार् । आलिबा उछिर् इयान् थोग़ालाजु ख़ेलेगेद् । थेरे आबाख़ाइ यि ख़ाथुन् बोल्ग़ान् एर्गु गेद् याबुबाइ । उरिदा ख़ाग़ान् दु एल्छि इलेगेबेसु । ख़ाग़ान् ख़ाथुन् आयुजु । येख़े ख़ुछु थु बोल्गुग़ाद् । एयिमु ख़ाथुद् इ आबुसान् बुगेसु । ओशिल्ख़ेख़ु आलाख़ु बुइ जा गेजु ख़ेलेन्छेगेद् निगेन् ख़ोओर् इ ख़ुबिल्ग़ाजु जिमिस् बोल्ग़ाजु ओग्छिलेगेबेइ । इरेग्सेन् छिनु मायिन् । बायार्लाबाइ बिदे गेजु ख़ेले गेबे । थुशिमेल् उन् ख़ोबेगुन् उरिदा याबुबाइ । थेरे एल्छि ख़ुर्छु इरेबेसु । बेलेग् इ इनु आबुग़ाद् ख़ारिग़ुल्बाइ । थेरे ख़ोओर् इ उसुन् दुर् ओर्ग्बिबासु । उसुन् आनु बुछालाबाइ ।

किस उपाय द्वारा सुखी रखूं (जिर्ग़ागुल्सुग़ाइ) । यह सोच कर राजा रानी को जगा कर ले गया (सेरे-गुल्जु आबुगाद् याबुबाइ) । राजपुत्र के साथ मिलने का स्थान निश्चित किया (बोल्जोयु) । मन्त्रिकुमार तेजस्वी राजा के पास गया । पहुंच कर राजा रानी से निवेदन किया—मैने अवलोकितेश्वर (ख़ोङशिम्) बोधिसत्त्व के विहार (सुमे) में जा कर दर्शन किया और ध्यान में बैठना पूरा करके (थायिल्ग़ाद्) लौट आया हूं । इस पर राजा रानी ने उसको अपनी कन्या दी । लड़के ने कहा—मै अपने माता पिता के पास जा कर (ख़ुर्छु) विवाह करूंगा (आबुमुग़ाइ) । उन्होंने लड़की को, बहुत सी दासियों (दाग़ागुल्) को, तथा धन (एद्) सम्पत्ति (बाराग़ान्) को हाथियों पर लाद कर (आछिजु) दे दिया । मन्त्रिकुमार ने ले कर शीघ्रता से उस लड़की को—जिस प्रकार पहले स्वर्णभूषणवती को बताया था उसी प्रकार—अपना सब वृत्तान्त गिन कर (थोग़ालाजु) बताया । उस कुमारी को रानी बना कर और राजकुमार को दे कर [मन्त्रिकुमार स्वयं वहां से] चला गया ।

मन्त्रिकुमार ने जब पहले राजा के पास दूत भेजा तो राजा और रानी ने डर कर चर्चा की—बहुत शक्तिशाली हो गया है । इस प्रकार अनेक रानियों से विवाह किया है । द्वेष से (ओशिल्ख़ेख़ु) हम इसको मार डालेंगे (आलाख़ु बुइ जा) । यह चर्चा करके एक विष को, रूप परिवर्तन करके (ख़ुबिल्ग़ाजु) फल बना कर उसके पास भेजा और [दूत से] कहा— तुम्हारा आना शुभ हो । हम प्रसन्न हैं—यह कहना । मन्त्रिपुत्र पहले से ही चला गया । जब दूत पहुंचा तो उपहार को ले कर उसको लौटा दिया । उस विष को जब पानी में डाला तो पानी खौलने लगा (बुछालाबाइ) ।

१८१ थेरे एल्छि खुरुगेद् खेलेबेसु । छाग़ान् देबेल् साग़ादाग् नुमु ओग्छिलेगेबेइ । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् उग़थुजु आबुग़ाद् । बासा एल्छि यि उरिजु खुरिम् बेलेद्गेबेइ । थेगुन् इ आबुग़ाद् मोरिन् इ मोदुन् आछा उयाबाइ । देबेल् इ इनु एमुस्छु साग़ादाग् इ इनु बुस्लेबेसु । थेरे मोरिन् इ लू बोल्बाइ । देबेल् इनु ग़ाल् बोल्बाइ । साग़ादाग् आनु आयुङ्ग़ा यिन् सुमुन् बोल्बाइ । थेरे मोदुन् इ उुन्दुसुन् उुगेइ बोलाबाइ । खोयार् उुखुल् एछे ग़ार्ग़ाबाइ खेमेगेद् यावुजु खुर्बेसु । खाग़ान् । खाथुन् इयान् आबुग़ाद् उग़थुजु ओद्बाइ । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् । खाग़ाल्ग़ान् इ एब्देगेद् देरेसु खुलुसु बार् खाग़ाल्ग़ा बायिगुल्बाइ । खाग़ान् खाथुन् उग़थुजु खोथान् दुर् ओरोगुल्बाइ । देरेसु खुलुसुन् खाग़ाल्ग़ान् आनु खुन्दु छिलागुन् बोलुन् । खान् खोबेगुन् इ आमिन् बुथुथेले दारुबाइ । आबुग़ाइ नाग़ाना खेमेन् बाखिरान् खेब्थेथेले । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् थाथाजु ग़ार्ग़ाबाइ । ओर्दु खाशि दुर् ओरोजु खाग़ान् । खाथुन् थाब्छाङ देगेरे सागुजु । सायिद् थुशिमेद् छुग़लाजु खुरिम् खिबेइ । सोनि खोनुखुइ दुर् । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् एयिन् सेद्खिरुन् । गुर्बान् उुखुल् एछे ग़ार्ग़ासुग़ाइ खेमेगेद् । खाग़ान् इ सोग़थोजु

जब दूत ने आ कर कहा तो उन्होंने श्वेत चोला, तूणीर और धनुष भेज दिया । मन्त्रिपुत्र ने सामने से आ कर (उग़थुजु) ले लिया और (बासा) दूत को बुला कर (उरिजु) भोज सज्ज किया । उन उपहारों को ले कर घोड़े को वृक्ष से बांध दिया (उयाबाइ) । चोला [वृक्ष पर] पहना दिया (एमुस्छु) । जब तूणीर (साग़ादाग्) को [वृक्ष पर] बांधा (बुस्लेबेसु) तो घोड़ा नाग बन गया, चोला आग बन गया, तूणीर वज्र का बाण बन गया । उन्होंने वृक्ष की जड़ को शून्य अर्थात् नष्ट (उुगेइ) कर दिया । मैंने इसको दो मृत्युओं से निकाला है (ग़ार्ग़ाबाइ)—यह कह कर आ पहुंचा । राजा अपनी रानी को ले कर उसके स्वागत के लिए (उग़थुजु) आया । मन्त्रिपुत्र ने द्वार को तोड़ कर (एब्देगेद्) तृण (देगेसु) और सरकण्डों (खुलुसु) से द्वार बनाया ।

राजा रानी ने राजकुमार का स्वागत किया और नगर में प्रवेश कराया । तृण और सरकण्डों का द्वार भारी (खुन्दु) पत्थर बन गया और राजकुमार को, प्राण बन्द होने तक (आमिन् बुथुथेले) दबा दिया (दारुबाइ) । हे भाई (आबुग़ाइ), क्षमा करो—यह कह कर चिल्ला कर गिरा ही था (बाखिरान् खेब्थेथेले) कि मन्त्रिकुमार ने खींच कर (थाथाजु) निकाल लिया । महल में प्रवेश कर राजा और रानी अपने आसन (थाब्छाङ) पर बैठे । सामन्त और मन्त्री इकट्ठे हुए और उत्सव रचाया । रात वसेरा करने पर मन्त्रिपुत्र ने सोचा— तीन मृत्युओं से बचाया है । राजा के मत हो कर (मोग़थोजु)

१८१ नोयिर्सुग़सान् खोयिना । सोनि आबुर्गु मोग़ाइ थेदेन् इ थेन्दे एछे ग़ाछुं इरेगेद् जाल्गिखु गेजु बायिथाला । बिलिग् उुन् सेलेम् इयेर् थासु छाब्छिजु आलाबाइ । थेरे मोग़ाइ यिन् छिसुन् आगु खाग़ान् खोबेगुन् उ उरुगुल् दुर् दुस्बासु । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् । खोओर् गुइछेखु यिन् उरिद् आर्छिसुग़ाइ खेमेगेद् आर्छिबासु । खाग़ान् उ खोबेगुन् सेरेगेद् । बोसुन् नोछुजु । आलाखु खेरेग् छिनु यागुन् बुइ गेजु । उुलु थाल्बिन् बायिखु दुर् । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् खेलेबेसु छिलागुन् बोल्खु यिन् थुला । उुलु उुगुलेन् आयुन् बुखुइ दुर् । खाग़ान् उ खोबेगुन् आगुर्लाजु सेलेम् इयेर् छाबाछिलाजु जोबाग़ाबासु । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् दोथोरा बान् सानारुन् । छिमा दुर् आलाग़दाखु आछा । खारा छिलागु बोलुग़सान् मिनु । देगेर बुइ जा खेमेगेद् । खेलेबेसु । छिमायि दोर्बेन् उुखुल् एछे थोनिल्ग़ाबाइ । बि बेर् खेलेबेसु । गुरु खारा छिलागुन् बोल्खु बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खाग़ान् उ खोबेगुन् इनु । एने उुगे छिनु थोड़ खुदाल् गेजु खेमेग्सेन् दुर् । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् । दोर्बेन् उुखुल् एछे छिमायि थोनिल्ग़ाजु ग़ार्ग़ाबाइ खेमेखुइ दुर् । थेयिमु बुगेसु । छिमादुर् इथेगेखु आर्ग़ा बुइ बुयु गेबे । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् उुगुलेरुन् छिनु खोयार् खाथुन् इ खेउुखेन् उ छिसुन् इ दुस्ग़ाबासु एदेगेखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् ।

मो जाने (नोयिर्सुग्सान्) के पश्चात् रात्रि में एक विषमय (आबुर्गु) सांप उनके यहां (थेन्दे) से निकल कर आया और निगलने (जाल्गिखु) ही वाला था (गेजु बायिथाला) कि मन्त्रिपुत्र ने प्रज्ञा की तलवार (बिलिग् उुन् सेलेम्) से दो भागों में (थासु) काट कर (छाब्छिजु) मार डाला (आलाबाइ) । उस सांप का लहू राजकुमार के होठों (उरुगुल्) पर टपका तो (दुस्बासु) मन्त्रिकुमार ने, विष (खोओर्) फैल जाने (गुइछेखु) से पूर्व (उरिद्) पोंछ दूं (आर्छिसुग़ाइ), यह कह कर पोंछा तो (आर्छिबासु) राजपुत्र जाग उठा (सेरेगेद् बोसुन्) और क्रुद्ध हो कर (नोछुजु) बोला— तुम्हारा मुझको मारने का क्या प्रयोजन है । [यह कह कर राजकुमार ने मन्त्रिपुत्र को पकड़ लिया] वह उसको छोड़ (थाल्बिन्) न (उुलु) रहा था (बायिखु दुर्) । यदि मन्त्रिकुमार कहता (खेलेबेसु) तो पत्थर बन जाता । अतः कुछ न बोला । भयभीत हो गया । राजकुमार ने क्रुद्ध हो कर अपनी तलवार से वार करके घायल किया । मन्त्रिपुत्र ने अपने अन्दर सोचा (सानारुन्)—तुमसे मारे जाने (आलाग़दाखु) की अपेक्षा (आछा) मेरा काला पत्थर बन जाना उत्तम (देगेरे) होगा । और कहा—यदि कहूं कि तुमको चार मृत्युओं से बचाया है (थोनिल्ग़ाबाइ) तो भारी काला पत्थर बन जाऊंगा ।

राजपुत्र ने कहा— यह तुम्हारा कहना सर्वथा झूठ (खुदाल्) है । इस पर मन्त्रिपुत्र ने कहा—मैंने चार मृत्युओं से बचा कर निकाला है । [राजकुमार ने पूछा—] यदि ऐसा हो तो तुम्हारे शरण (इथेगेखु) का कोई उपाय है क्या । मन्त्रिपुत्र ने कहा—तुम अपनी दो रानियों के बच्चों के रक्त से यदि छींटा दोगे तो (दुस्ग़ाबासु) मैं जीवित (एदेगेखु) हो जाऊंगा । इस पर

१८१ छिनु छिलागुन् बोलुग़सान् छिनु आलि बुइ थोङ खुदाल् उुगे गेबे । मोन् थुशिमेन्ल् उुन् खोबेगुन् उुगुलेरुन् एने मोग़ाइ छिमायि जाल्गिन् आथाला । आलाग़सान् मिनु उुनेन् बुलुगे खेमेगेद् । गुरु खारा छिलागुन् बोल्बाइ । माग़ाथा ओल्गों गे खोयार् खाथुन् इरेगेद् । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् खामिग़ाशि ओद्बाइ खेमेग्सेन् दुर् । खान् खोबेगुन् उुगुलेरुन् । थेरे बाछि थु गेर् थेगेन् खारिबाइ खेमेग्सेन् दुर् । एने येखे छिलागुन् यागुन् बुइ । मोन् एने येखे मोग़ाइ यागुन् बुलुगे खेमेग्सेन् दुर् । खान् खोबेगुन् इनु । सोनि इरेग्सेन् इ बि आलाबा खेमेन् खेलेबेइ । खाथुद् आनु । थुशिमेल् उुन् खोबेगुन् इरेल् थेइ बिले । यागुन् दुर् उदाबा गेजु । गेर् थुर् आनु खुमुन् इल्लेगेबेसु । एछिगे थुशिमेल् इनु उुगुलेरुन् । खोबेगुन् मिनु इरेग्सेन् उुगेइ खामिगा ओद्बाइ । एन्दे खेरेग् थेइ गेजु खोनुग़मान् बोल्बाउ खेमेग्सेन् दुर् खाथुन् ग़ाशिगुदाजु । खान् खोबेगुन् इ उुलु थाल्बिन् । खोगुला उम्दा उुलु इदेगुल्लुन् नोछुल्दुन् बायिखुइ दुर् । खान् खोबेगुन् आग़ा जाब्खाग़ाद् खामुग् उछिर् इ थेगुस् इयेर् खेलेबेसु । खोयार् खाथुन् इयेर् खाग़ान् इ एजेगुइ दुर् । आल्थान् छिमेग् थु खाथुन् खेलेबेइ । बि खोल् खुन्दु बोलुग़सान् बुलुगे । मेन्दुलेगेद् थेरे खेजुखेन् इ आल्लाजु छिमुन् इ दुसाग़ाया खेमेन् । मेन्दुलेजु दुस्ग़ाबामु ।

उसने कहा—तुम्हारा पत्थर हो जाना कहां है (आलि बुइ), सर्वथा झूट वचन (उुगे) है । मन्त्रिपुत्र ने कहा—यह नाग तुमको निगलने ही वाला था (जाल्गिन् आथाला) कि मैंने इसको मार दिया । यह सच है । यह कहते ही वह भारी काला पत्थर बन गया ।

अगले दिन प्रातः (ओल्गों गे) दोनों रानियां आईं और पूछा—मन्त्रिपुत्र कहां चला गया । राजकुमार ने कहा—वह चतुर (बाछि थु) व्यक्ति अपने घर लौट गया । उन्होंने पूछा—यह बड़ा पत्थर क्या है, यह बड़ा सांप क्या है । राजकुमार ने कहा—यह रात को आया था, मैंने इसको मार डाला । रानियों ने मन्त्रिपुत्र के घर व्यक्ति भेजा कि मन्त्रिकुमार को आ जाना चाहिये था (इरेल् थेइ बिले) । किस लिये विलम्ब (उदाबा) किया है । पिता मन्त्री ने कहा—मेरा पुत्र नहीं आया, वह कहां चला गया । यहां आवश्यकता है यह सोच कर [राजकुमार के साथ] रात बिताई है क्या । इस पर रानियां विलाप करने लगीं और राजपुत्र को नहीं छोड़ा । खाना (खोगुला) पीना (उम्दा) न खिला कर (उुलु इदेगुल्लुन्) झगड़ती (नोछुल्दुन्) रही । जब राजकुमार ने उपायहीन हो कर (आग़ा जाब्खाग़ाद्) सब बात पूर्ण रूप से बता दी* तो राजा की अनुपस्थिति में (एजेगुइ दुर्) स्वर्णभूषणवती रानी ने कहा—मेरे पैर भारी (खोल् खुन्दु) हो गये हैं । जन्म दे कर (मेन्दुलेगेद्) उस बालक को मार कर उसका रक्त छिड़कूंगी ।

जन्म दे कर जब उसने रक्त छिड़का तो

---

*"खोयार् खाथुन् इयेर्" ये शब्द वाक्य में नहीं बैठते ।

१८४ थुशिमेल् उन् खोबेगुन् एदेगेजु बोस्बाइ। एदेगेगेद् थुशिद् उन् ओरोन् दुर् खुर्छु। राशियान् इ आबुन् इरेगेद्। थेरे निल्खा खोबेगुन् इ एदेगेगेद्। बि एगुन् इयेर् आलि बुरि याबुन् खेमेगेद्। ओरथार्गु इ बार् निस्छु ओद्‌बाइ। खिइ मन्दल् देगेरे बायिशिङ बायिगुल्जु सागुबासु। खोयार् खाथुन् आनु। निल्खा खेउखेद् इयेन् आबुगाद् निस्छु इरेगेद् सागुबाइ। खागान् उ खोबेगुन् खार्शि देगेरे गार्छु निस्खु खेमेजु उनागाद् खोल् इनु खुगुर्बाइ। एछिगे खागान् आनु मेदेगेद्। इरेजु। खोयार् निदुन् इ थासाल्जु। गार् खोल् इ इनु खुगुलुगाद्। शाबार् थुर् खिजु ओर्खिबाइ। थेरे एदुर् सोनि उगेइ एने जोबालाङ आछा मिनु आबुरा। आबुगाइ नागाना खेमेन् बार्खिरान् खेब्थेबेइ। आल्थान् छिमेग् थु आबाखाइ आमिथान् इ निगुलेसुग्छि दाखिनि मोन् उ थुलादा। खिइ बेर् आदिस्लाजु एदेगेबेइ। एछिगे खागान् आनु थेगुन् इ उजेगेद्। बामा उरिद् उन् योसुगार् खागेजु ओर्खिबाइ। निगेन् खार्गु इ जाम् इयार् देमेइ याबुथाला थुशिमेल् उन् खोबेगुन् एनेरेजु। थेगुन् उ एमुने इनु निगेन् गेर् उन् छिनेगेन् आल्थान् इ ओबोगालाजु ओर्खिबाइ। खागान् उ खोबेगुन्। थेरे खार्गु इ बार् याबुगाद्। बि मोखुर् बोल्बागेम् इ एने खार्गु इ बार् याबुजु छिदाखु बोल्बाउ खेमेगेद्। निदुन् इयेन् आनिन् याबुजु।

मन्त्रिकुमार जीवित हो उठा (एदेगेजु बोस्बाइ)। जीवित हो कर तुषित लोक में जा कर अमृत (राशियान्=रसायन) ले आया। और उस छोटे (निल्खा) बालक को जीवित किया। मैं इसके द्वारा सब स्थानों पर जा सकता हूं। यह कह कर आकाश से उड़ गया। वायुमण्डल (खिइ मन्दल्) में घर (बायिशिङ) बना कर रहने लगा। दोनों रानियां अपने छोटे बच्चों को ले कर उड़ कर आईं और रहने लगीं। राजपुत्र महल से निकल कर "उड़ जाऊं (निस्खु)" इति (खेमेजु) गिर कर (उनागाद्) उमकी टांग टूट गई (खुगुर्बाइ)। उसके पिता राजा को पता लगा तो उसने आ कर उसकी दोनों आंखें निकाल दीं (थासाल्जु), हाथ पाओं तोड़ दिये (खुगुलुगाद्) और कीचड़ (शाबार्) में डाल (खिजु) छोड़ा (आर्खिबाइ)। दिन रात, बिना भेद—इस दुःख से मुझे बचाओ। भाई क्षमा करो —इति चिल्लाता हुआ (बार्खिरान्) वहां लेटा रहा (खेब्थेबेइ)। स्वर्णभूषणवती रानी (आबाखाइ) प्राणियों पर दया करने वाली (निगुलेसुग्छि) डाकिनी थी। इस कारण वायु द्वारा (खिइ बेर्) प्रसाद दे कर (आदिस्लाजु) स्वस्थ कर दिया (एदेगेबेइ)। पिता राजा ने उसको देखा और फिर पहले के समान भगा छोड़ा (खागेजु ओर्खिबाइ)। जब वह अन्धा हो कर मार्ग पर यों ही (देमेइ) जा रहा था तब मन्त्रिपुत्र ने दया कर (एनेरेजु) उसके सामने एक घर जितना (छिनेगेन्) सोना ढेर लगा छोड़ा (ओबोगालाजु ओर्खिबाइ)। राजपुत्र अन्वेषन (खार्गुइ) से निकल गया— मैं अन्धा (सोखुर्) हो गया हूं तो क्या मैं जाने में शक्त हूंगा। यह कहता हुआ आंखें मीच कर (आनिन्) चला गया।

१८५ आल्थान् इ ठुजेग्सेन् ठुगेइ ओङगेरेन् याबुजुखुइ । थुशिमेल् ठुन् खोबेगुन् ठुगुलेरुन् । खेसेग् जायाग़ान् इयान् बारुग़सान् उ थुलादा । थेरे आल्थान् इ ठुजेल् ठुगेइ । थेयिमु सेद्खिल् सेद्खिगेद् ओङगेरेन् ओद्बाइ खेमेगेद् । खोयार् खाथुन् उ छाग् बोलुग़सान् उ थुलादा । आल्थान् छिमेग् थु आबाखाइ मालाया एमुने जुग् थुर् शाशिन् देल्गेरेग्सेन् खाग़ान् उ ओखिन् बोलुन् थोरोसुगेइ । मोङगुन् छिमेग् थु आबाखाइ । खोयिथु जुग् थुर् शाशिन् इ एदेलेग्छि खाग़ान् उ ओखिन् बोलुन् थोरो खेमेग्सेन् दुर् । आल्थान् छिमेग् थु आबाखाइ ठुगुलेरुन् । बि थान् उ देगू बोलुन् थोरोये गेबेइ । दारुइ खोयार् खाथुन् निर्वान् बोल्बाइ । खेउखेन् इनु छाम् दुर् साग़ुबाइ । थुशिमेल् ठुन् खोबेगुन् इनु । खाग़ान् उ खोबेगुन् इ जोबालाङ आछा ग़ार्ग़ासुग़ाइ खेमेन् । निगेन् एबुगेन् लामा बोलुन् याबुबाइ । खाग़ान् उ खोबेगुन् ठु ओयिरा खुरुगेद् । एमुने इनु बायिबाइ । खाग़ान् उ खोबेगुन् खुछुं इरेगेद् मोर्गुजु । लामा खामिग़ा आछा इरेग्सेन् बुलुगे खामिग़ा ओगेदे बोल्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् लामा जार्लिग् बोलोरुन् । ओर्छिलाङ उन् जोबालाङ आछा आयुजु जिग़ुदुजु याबुनाम् बि खेमेन् जार्लिग् बोल्बाइ । खाग़ान् उ खोबेगुन् ठुगुलेरुन् । खामिग़ा याबुजु थोनिलाखु बुइ खेमेग्सेन् दुर् ।

सोने को देखे बिना पार कर गया (ओङगेरेन् याबुजुखुइ) । मन्त्रिकुमार ने कहा—इसका दैव्य (खेसेग्) और भाग्य (जायाग़ान्) समाप्त (बारुग़सान्) हो गया है । अतः सोने को देखे बिना ऐसे विचारों को सोचता हुआ पार कर (ओङगेरेन्) गया ।

दोनों रानियों के समय हो जाने के कारण स्वर्णभूषणवती रानी बोली—मैं मलय (मालाया) अर्थात् दक्षिण (एमुने) दिशा में धर्मविपुल (शाशिन् देल्गेरेग्सेन्) राजा की कन्या बन कर जन्म लूंगी । रजनभूषणवती रानी, तुम उत्तर (खोयिथु) दिशा में धर्माचार (एदेलेग्छि) राजा की कन्या बन कर जन्म लो ।

स्वर्णभूषणवती रानी फिर बोली—मैं तुम्हारी छोटी बहिन बन कर जन्म लूंगी । तत्पश्चात् (दारुइ) दोनों रानियों का निर्वाण हो गया । इनके बच्चे ध्यान में बैठ गये । मन्त्रिकुमार, राजकुमार को कष्ट से निकालने के लिये (खेमेन्), बूढ़ा लामा बन गया, राजपुत्र के निकट (ओयिरा) आया और उसके सामने खड़ा हो गया । राजपुत्र ने आ कर नमस्कार किया और पूछा—हे लामा, कहां से आए हो, कहां जाना होगा । इस पर लामा ने कहा—संसार (ओर्छिलाङ) के कष्टों से डर कर (आयुजु) भागा (जिग़ुदुजु) जा रहा हूं (याबुनाम्) । राजपुत्र ने कहा—कहां पहुंच कर (याबुजु) मुक्ति होगी (थोनिलाखु बुइ) । इस पर

१८६ आरलाग़ा दुर् ग़ारुग़ाद् । छाम् दुर् सागुबासु थोनिलाखु यिन् खुथुग् इ ओल्खु बुइ खेमेग्सेन् दुर् । बि छिमायि दाग़ाजु शाबि छिनु बोल्सुग़ाइ नादा साखिल् आछा खेमेग्सेन् दुर् । साखिल् ओग्गुगेद् । सुर्ग़ाल् जार्लिग् सुर्ग़ाग़ाद् याबुबाइ । निगेन् आगुलान् दुर् बुइ सुमे यि उजेगेद् लामा थेन्दे ओगेदे बोल्या खेमेग्सेन् दुर् । शाबि उगुलेरुन् । येरु खोगुला खेरेग् थेइ यिन् थुला । बायिशिङ दुर् खुनेसु ओलुया गेजु एसे बोल्बाइ । लामा । थेरे सुमे दुर् मोर्गु गेद् इरेसुगेइ । छि खुलियेजु बाइ खेमेगेद् थेरे सुमे दुर् मोर्गु गेद् इरेखुइ दुर् । लामा यिन् खोल् इनु । छिलागुन् दुर् ओग्थुजु उलायिजु इरेबेसु । थेरे शाबि निगेन् आल्थान् जोग़ोस् ओल्जु बायार्लान् बायिग़ाद् । लामा यिन् खोल् उन् छिसुन् इ उजेगेद् । ओदे उगेइ सुमे दुर् मोर्गु खु यिन् थुसा आनु गेजि ओछिग़ाद् । खोल् इयेन् उलायिलग़ाजु इरेबेइ । देगेरे सुमे दुर् मोर्गु खु थुसा आनु । यागुन् बुइ । बि आल्थान् जोग़ोस् ओल्बाइ । एने थेरे बुइ खेमेगेद् खोयागुला याबुबाइ । बासा निगेन् सुमे खेयिद् इ उजेगेद् याबुन् खुर्बेसु इनु । बुरियेन् थाथाबाइ । शाबि बि ओर्छिसु । लामा छि बेर् यागुमा बान् खिजु सागु

निर्जन (आरलाग़ा) में जा कर (ग़ारुग़ाद्) यदि ध्यान में बैठोगे तो मुक्ति के तत्त्व (थोनिलाखु यिन् खुथुग्) को प्राप्त होगे । उसने कहा—मैं तुम्हारा अनुसरण करके तुम्हारा शिष्य बनूंगा । मुझको (नादा) दीक्षा दो (साखिल् आछा) । इस पर दीक्षा दी । और शिक्षा-वचन (सुर्ग़ाल् जार्लिग्) सिखाए (सुर्ग़ाग़ाद्) और चले गये । एक पहाड़ पर स्थित (बुइ) मन्दिर को देख कर लामा ने कहा— वहां (थेन्दे) चलें (ओगेदे बोल्या) । शिष्य ने कहा—सदा ही भोजन (खोगुला) की आवश्यकता रहती है । अत: घरों में भोजन (खुनेसु) प्राप्त करने जाएंगे । यह कह कर लामा की बात न मानी (एसे बोल्बाइ) । लामा ने कहा— उस विहार में नमस्कार करके आऊंगा । तुम प्रतीक्षा करते रहना (खुलियेजु बाइ) । यह कह कर वह विहार में नमस्कार करके आ रहा था कि उसके पांव में पत्थर से चोट लग कर (ओग्थुजु) रक्त निकल आया (उलायिजु) । जब लामा लौटा तो शिष्य एक स्वर्णमुद्रा (आल्थान् जोग़ोस्) पा कर प्रसन्न हो रहा था । लामा के पांव में रक्त को देख कर—कल्याणहीन (ओदे उगेइ) विहार में दर्शन का लाभ होगा यह सोचते हुए (गेजि) तुम गये थे (ओछिग़ाद्), अब पांव से लहू बहते हुए आए हो । ऊंचे विहार में नमस्कार करने से क्या लाभ होता है । मुझे स्वर्णमुद्रा मिली है । वह यह है ।

दोनों इकट्ठे चलते गये । फिर एक विहार चैत्य को देखा । जब चल कर पहुंचे तो शंख (बुरियेन्) बज रहे थे (थाथाबाइ) । शिष्य ने कहा—मैं जाऊंगा, हे लामा तुम अपना काम (यागुमा) करते रहो (खिजु सागु) ।

१८७ खेमेगेद् ओछिबाइ। सुमे दुर् ओरोजु मागुबासु। नोम् उङशिखुइ दुर् दागुन् आनु
आसुरि यिन् एग्शिग् थुर् आदालि यिन् थुला। खुरागमान् खुवाराग् गायिखाजु शिरेगेन् देगेरे गार्गाबाइ।
खागान्। खाथुन् बुगुदेगेर् इरेजु गायिखान् मागथाबाइ। थेगुन् दुर् वारिछा येखे बारिबाइ।
एयिमु येखे ओल्जा थाइ इरेबेइ बि। छि। मिनु शाबि बोल् बि छिनु बाशि बोल्सुगाइ
खेमेग्सेन् दुर्। लामा जार्लिग् बोल्बाइ बि शाबि बोलुया खेमेबे। सोनि बोल्खुइ दुर् शाबि उगुलेरुन्।
खागान् नामायि इरे खेमेग्सेन् बुलुगे। बि ओछिया खेमेग्सेन् दुर्। लामा उगुलेरुन्।
छिमा दुर् ओछिखु खेरेग् उगेइ गेबे। शाबि एमे बोलुगाद्। छि मिनु उगेन् एछे दाबाखु
बुयु खेमेगेद् ओद्बाइ। खागान् उ वागा खाथुन् उ बायिशिङ दुर् खुरुगेद्। उन्थागसान् इ
मेदेगेद् छुउर्गान् इ एब्देन् ओरोगाद्। खाथुन् इ आबुगाद् बुछाबाइ। लामा यिन् देर्गेदे म्बुरुग्सेन्
दुर् लामा एने यागुन् बुलुगे खेमेखुइ दुर्। शाबि याबुया गेजु याबुबाइ। लामा खोयिनाछा
दागान् याबुबाइ। शाबि थेरे खाथुन् इ उगुरेग्सेगेर् याबुबासु। खाथुन् सेरेगेद् बार्खिरान्
थेल्छिलेजु बायिखुइ दुर्। खुजुगुन् देगेरे बेन् उनुगुल्बाइ। थेरे खाथुन् खुजुगुन् उरुगु आनु
बागाजु शिगेगेजु ओर्खिबासु। आजिरलाल् उगेइ याबुबाइ। खागान् सेरेगेद्। खाथुन् इयान् उगेयिलेजु

यह कह कर चला गया। जब मन्दिर में प्रवेश करके बैठा तो पाठ करने में (नोम् उङशिखुइ दुर्) उसकी ध्वनि असुरों के स्वर (एग्शिग्) के समान थी। अतः एकत्रित (खुरागमान्) संघ (खुवाराग्) ने चकित हो कर उसको सिंहासन पर (देगेरे) बिठाया (गार्गाबाइ)। राजा रानी सबने आ कर चकित हो कर स्तुति की (मागथाबाइ) और उसको बहुत दक्षिणा (बारिछा) दी।

इतना बड़ा मंगलवान् (ओल्जा थाइ) हो कर आया हूं मैं। तुम मेरे शिष्य बनो। मैं तुम्हारा गुरु बनूंगा। इस पर लामा ने कहा—मै तुम्हारा शिष्य बनूगा। रात होने पर शिष्य ने कहा—राजा ने मुझको आने को कहा था, सो मैं जाता हूं। इस पर लामा ने कहा—तुमको जाने की आवश्यकता नहीं। शिष्य नहीं माना। तुम मेरे शब्दों को टालते हो क्या (दाबाखु बुयु)। यह कह कर चला गया। राजा की छोटी रानी के घर में पहुंचा। सोई हुई (उन्थागसान्) को जान कर ताले (छुउर्गान्) को तोड़ कर (एब्देन्) प्रवेश किया और रानी को ले कर लौट आया (बुछाबाइ)। लामा के पास पहुंचने पर लामा ने कहा—यह क्या है। इस पर शिष्य ने कहा— चलो चलें। यह कह कर वह चल दिया। लामा पीछे से अनुसरण करता हुआ चला। जब शिष्य उस रानी को पीठ पर लाद कर (उगुरेग्सेगेर्) जा रहा था, तो रानी जाग गई और चिल्ला कर (बार्खिरान्) हाथ पांव मारने लगी (थेल्छिलेजु बायिखुइ दुर्)। उसने उसको अपनी ग्रीवा पर (खुजुगुन् देगेरे) चढ़ा लिया (उनुगुल्बाइ)। रानी ने ग्रीवा के नीचे (खुजुगुन् उरुगु) विष्ठा और मूत्र कर (बागाजु शिगेगेजु) छोड़ा (ओर्खिबासु)। वह बिना ध्यान किये (आजिरलाल् उगेइ) चलता रहा। राजा जागा और अपनी रानी के न होने पर (उगेयिलेजु)

१८८ खामिग़ाशि ओद्‌बाइ गेजु इरेजु एसे ओलुग़ाद् । उगुलेल्दुरुन् ओछोग्दुर् उन् सायिन् जालिग् थाइ बुगेथेले । खाथुन् इ उजेगेद् । आग़ाशि बान् एब्देनेम्
बिले । थेरे आर्ग़ा थु लामा बुइ जा थेगुन् इ नेम्खेये
खेमेगेद् । नेम्खेजु खुरुन् गेखुले । खाथुन् इ खुजुगुन् देगेरे बेन् उनुगुलुग़साग़ार् आजुगु ।
ब्लामा यि बारिग़ाद् । बेये यि इनु एब्देर्थेले जोदोग़ाद् । खाथुन् इयान् बोलियान् आबुग़ाद् खारिबाइ । थेगुन् इ ब्लामा आदिस्लाजु एदेगेगेद् याबुबाइ । बासा निगेन् सुमे यि ख़ाराग़ाद् याबुथाला । बुरियेन् थाथाबाइ । उरिद् योमुग़ार् बि ओछिमु गेजु ओछिबासु । शिरेगेन् देगेरे साग़ुल्ताजु बासा ग़ायिखाल्छाबाइ । थेरे सुमे दुर् आल्थान् मोङगुन् सुबुर्ग़ा बुइ आजुगु ।
ब्लामा एने सुबुर्ग़ा यि खुलागाइ खिजु आबुबासु खुनेसुन् मुन्दाशि उगेइ बोल्खु बायिनाम् गेजु सानाग़ाद् खारिबाइ । सोनि उन्थाग्मान् खोयिना । थेरे सुमे दुर् ओछिग़ाद् । बामा छुउर्गान् इ एब्देगेद् ओरोजु । सुबुर्ग़ान् इ आबुग़ाद् खारिबाइ । आल्थान् सुबुर्ग़ान् इ ब्लामा यिन् ओर्गोगेन् दुर् खिजु । मोङगुन् सुबुर्ग़ान् इ ओबेर् उन् ओर्गोगेन् दुर् खिजु थाल्बिगाद् । ब्लामा यि

कहां चली गई, यह कह कर ढूंढा (एरेजु) । पर जब न पाया तो चर्चा होने लगी (उगुलेल्दुरुन्)—कल (ओछोग्दुर्) जब वह सुन्दर वचन बोल रहा था तो रानी को देख कर उसकी प्रवृत्ति (आग़ाशि) बदल गई (एब्देनेम् बिले) । सो वही चतुर लामा होगा । उसका पीछा करें (नेखेये) । उसका पीछा करके पहुंचे तो लामा ने रानी को अपनी ग्रीवा पर चढ़ाया हुआ था । उन्होंने लामा को पकड़ लिया और उस के शरीर को नष्ट होने तक (एब्देर्थेने) पीटा (जोदोग़ाद्) । अपनी रानी को छीन लिया (बोलियान् आबुग़ाद्) और लौट आए (खारिबाइ) ।

उसको लामा ने आशिष् दे कर स्वस्थ किया (एदेगेगेद्) और [दोनों आगे] चले । फिर एक विहार को देख कर (ख़ाराग़ाद्) वहां पहुंचे । शंख बज रहे थे । पहले के अनुसार शिष्य ने कहा—मैं जाऊंगा । यह कह कर चला गया । सिंहासन पर बिठा कर फिर लोग चकित हुए । उस मन्दिर में सोने चांदी के चैत्य थे । लामा ने सोचा यदि इन चैत्यों को चुरा कर (खुलाग़ाइ खिजु) ले लूं तो भोजन (खुनेसुन्) असीम (मुन्दाशि उगेइ) हो जाएगा । यह सोच कर लौट आया । रात में [सबके] सो जाने के पश्चात् उस मन्दिर में गया । फिर ताले को तोड़ कर प्रवेश किया और चैत्यों को ले आया । स्वर्ण चैत्यों को लामा के संभार (ओर्गोगेन्) में डाल दिया (खिजु) । चांदी के चैत्यों को अपने सम्भार में डाल कर (खिजु) रख लिया (थाल्बिग़ाद्) । लामा को

१८६ सेरेगुलुगेद् याबुबाइ । सुमे यिन् खुराल् उन् खुवाराग् ओर्लोगे इनु मुबुर्गान् इ उुगेयिलेगेद् नोयान् दाग़ान् आयिलाद्खाबासु । नोयान् आनु जार्लिग् बोलोरुन् । ओछोग्दुर् उुन् ब्लामा नोम् उङशिजु सागुखु दाग़ान् । मुबुर्गान् इ शिर्थेखु इनु येखे बिले । थेगुन् इ नेखेये खेमेगेद् । नेखेजु गुइछेगेद् । मुबुर्गान् इ यागुन् दु खुलागाइ खिबे खेमेग्सेन् दु । बि छिनु मुबुर्गा यि आल्खुला बेये मिनु मिङग़ान् खेसेग् खागार्सु गेबे । एबुगेन् ब्लामा उुगुलेरुन् । आबुग़सान् बोल्खुला एब्देरेग्सेगेर् एब्देर्थु गेइ खेर् बेर् एसे आबुग़सान् बुगेसु । बेये मिनु गेरेल् बोलुन् खायिलुगाद् मुबुर्गान् दुर् शिङ्गेथुगेइ खेमेग्सेन् दुर् । थेन्दे शाबि नेङजिगेद् । मोङगुन् मुबुर्गान् इ ग़ार्ग़ाबाइ । थेरे याम्बार् आमा आल्दाबासु । थेगुबेर् खुर्खु यिन् थुलादा मिङग़ान् खेसेग् एब्देरेबेइ । एबुगेन् ब्लामा यि इनु नेङजिगेद् । आल्थान् मुबुर्गान् इ ग़ार्ग़ाबासु । थेरे एबुगेन् ब्लामा खाराजु उुलु बोल्खु आल्थान् ओङ्गे थु गेरेल् बोलुन् । खायिलुग़ाद् मुबुर्गान् दुर् शिङ्गेबेइ । थेदे बुगुदेगेर् ग्वेलेल्छेरुन् । एने बान्दि लाब्था छिद्खुर् बुइ जा एने एबुगेन् ब्लामा उुनेगेर् बुर्खान् बोल्इ खेमेन् ग्वेलेछेगेद् । मुबुर्गान् दुर् मोर्गुबेइ । थेरे मुबुर्गान्

जगा कर (सेरेगुलुगेद्) चल दिया । विहार की समिति (खुराल्) के संघ (खुवाराग्) ने प्रातः चैत्यों को न पा कर (उुगेयिलेगेद्) अपने अध्यक्ष को सूचना दी । अध्यक्ष ने कहा—कल (ओछोग्दुर्) का लामा धर्मपाठ करते समय चैत्यों को बहुत टकटकी लगा कर देख रहा था (शिर्थेखु बिले) । उसका पीछा करना चाहिये । उसका पीछा करके पकड़ लिया (गुइछेगेद्) और पूछा—चैत्यों को क्यों चुराया है (खुलागाइ खिबे) । उसने कहा—मैंने तुम्हारे चैत्यों को लिया हो तो मेरा शरीर सहस्र खण्डों में टूट जाए (खागार्सु) । बूढ़े लामा ने कहा—यदि मैंने लिया हो तो टूटते २ टूट जाऊं (एब्देर्थु गेइ) और यदि (खेर् बेर्) न लिया हो तो (आबुग़सान् बुगेसु) मेरा शरीर प्रकाश बन कर उड़ जाए (खायिलुगाद्) और चैत्यों में लीन हो जाए (शिङ्गेथुगेइ) । तब (थेन्दे) शिष्य की वस्तुओं को देखा (नेङजिगेद्) और चांदी के चैत्यों को निकाला । उसने जैसी (याम्बार्) शपथ (आमा) ली थी (अल्दाबासु) उसके अनुसार (थेगुबेर्) होने से (खुर्खु यिन् थुलादा) शरीर सहस्र खण्डों में टूट गया । बूढ़े लामा की वस्तुओं को देखा और स्वर्ण चैत्यो को निकाला तो बूढ़ा लामा अदृश्य (खाराजु उुलु) हो कर हेमवर्ण प्रभा बन गया । पिघल कर (खायिलुगाद्) चैत्यों में लीन हो गया । वे सब आपस में चर्चा करने लगे—यह सीखने वाला (बान्दि) अवश्य दैत्य (छिद्खुर्) होगा और यह बूढ़ा लामा सचमुच बुद्ध है । यह बातचीत कर उन्होंने चैत्यों को नमस्कार किया । ये चैत्य

१६० मिञ्ञान् गाल्बा बोल्थाला उुलु एल्देरेखु । थेरे सुबुर्गान् आनु एदुगे राम्छागाराग् बाल्लासुन् दुर् बुइ बुलुगे ।
थुशिद उुन् ओरोन् आछा बागुजु इरेग्सेन् इयेर् आर्शि यिन् उुलिगेर् इ निगेन् मोदुन् खुमुन् उु उुगुलेग्सेन् ।

आर्बान् ग् र्बादुगार् बोलुग्

बासा निगेन् मोदुन् खुमुन् उु उुगुलुग्सेन् आर्बान् गुर्बादुगार् बोलुग् । आराजि बोजि खागान् । थेरे शिरेगेन् उु निगेन् थाला बार् ग़ख्या खेमेन् जाब्दुग़सान् दुर् ।
निगेन् मोदुन् खुमुन् ।
खागान् बायिजा । छि सागुजु उुलु बोलुमुइ ।
बोग़दा बिकर्मिजिद् । खागान् उ निगेन् याबुदाल् इ उुगुलेसुगेइ खेमेन् । एने उुलिगेर् इ उुगुलेरुन् । बिकर्मिजिद् खागान् उ निगेन् माशि उुजेस्खुलेङ थेगुल्देर् सायिखान् खाथुन् बुलुगे ।
थेरे खाथुन् आछा थोरोग्सेन् इनु । ओखिन् नुगुन् खोयार् बोलाइ । नुगुन् देगू यिन् छिखिन् इनु । ओग्यु मेथु यिन् थुला । थेरे खोबेगुन् दुर् ओग्यु छिखि थु खान् खोबेगुन् नेरे ओग्बेइ । खागान् । खाथुन् खोयार् खेउुखेन् देगेन् आमिन् जिरुखेन् लुगे इल्गाल् उुगेइ इनाग्

सहस्र कल्प (गाल्बा) तक (बोल्थाला) नाश न होंगे । ये चैत्य आजकल राजगृह (राम्छागाराग्) नगर में हैं ।

तुषित-लोक से उतर कर आये हुए ऋषि की कहानी जिसको एक पुतली ने सुनाया ।

तेरहवां अध्याय

फिर एक पुतली बोली—राजा भोज जब उस सिंहासन पर एक ओर (थाला) से चढ़ने की सज्जा कर रहे थे (जाब्दुग़सान् दुर्) तो एक पुतली ने कहा—राजा ठहरो । तुम्हारा बैठना न होगा । मैं महात्मा विक्रमादित्य राजा के एक चरित को सुनाऊंगी । उसने यह चरित सुनाया ।

विक्रमादित्य राजा की सौंदर्य (उुजेस्खुलेङ) युक्त (थेगुल्देर्) रूपवती रानी थी । उस रानी से जन्मे हुए पुत्री (ओखिन्) और पुत्र (नुगुन्), दो बच्चे थे । भाई (नुगुन् देगू) के कान (छिखिन्) हरिताश्म (ओग्यु) के समान थे । अतः लड़के को हरिताश्मकर्ण (ओग्यु छिखि थु) राजकुमार नाम दिया । राजा रानी को दोनों अपने बच्चे प्राण और हृदय से अभिन्न (इल्गाल् उुगेइ) प्रिय (इनाग्)

१६१ आशुगु । खोयिना निगेन् छाग् थुर् । खाथुन् उ ओङ्के छाराइ बागुछुं येखेदे मागुखाइ बोल्बा । खागान् एखिलेन् बुगुदेगेर् गुनिखाराजु येखेदे जोबाल्छाग़ाद् । खागान् आसागुरुन् । आय् आ ठुजेस्खुलेङ थेगुस् सायिखान् आमाराग् खाथुन् मिनु छि ठुजेबेसु । छिनु ओङ्के गेरेल् उरिदाखि आछा बागुर्गाद् । ठुजेशि ठुगेइ मागुखाइ बोल्ग्सान् उछिर् । यागुन् आछा बोल्बा । एसेबेसु एर्देनि मेथु बेयेन् दु छिनु । एम्गेग् जोबालाङ उछिर्बाउ । एने उछिर् इ नादुर् निगुल् ठुगेइ बुरिन् ए ठुगुले खेमेन् एनेलुखुइ बेर् ओछिबेसु । खाथुन् ठुगुलेरुन् । आइ खागान् मिनु आयिलादुन् सायोर्ला । आलिबा आमिथान् थोरोग्सेन् ठु एछुस् ठुखुमुइ । आबुरिदा नामायि ठुखुग्सेन् ठु खोयिना । आछि थु खागान् एछिगे छि बेर् । आमाराग् खोयार् खेठुखेन् इ मिनु जोबागाखु बोल्बाउ खेमेन् सानाबासु । आइ मिनु दोथोरा थेस्देशि ठुगेइ जोबालाङ थोरोमुइ । एयिमु सेजिग् थोरोग्सेन् एछे उलाम् एरेगुल् छाराइ मिनु एब्देरेगेद् । एम्गेग् एबेद्छिन् खुर्येग्सेन् एछे ठुलेम्जि । एरेगु जोबालाङ दुर् नेबेंग्देग्सेन् इयेर् मागु बोल्बा । खेमेन् ओछिबेसु । खागान् जालिग् बोलोरुन् । आय् आ आमाराग् खाथुन् मिनु । सोनुसुन् सोयोर्ला ।

थे । पीछे एक समय रानी का रंग (ओङ्के) और मुख (छाराइ) ढल कर (बागुर्छु) बहुत भद्दा (मागुखाइ) बन गया । राजादि सबने दुःखी हो कर (गुनिखाराजु) बहुत शोक मनाया (जोबाल्छाग़ाद्) । राजा ने पूछा—हे मेरी सुन्दर सम्पूर्ण शोभायुक्त प्रिय रानी, तुम देखो कि तुम्हारा रंग और प्रभा पहले से ढल कर अदर्शनीय (ठुजेशि ठुगेइ) कुरूप बन गया है । इसका कारण क्या है । नहीं तो (एसेबेसु) रत्न समान तुम्हारे शरीर में पीडा (एम्गेग्) और दुःख लग गये हैं क्या (उछिर्बाउ) । इस बात को हमसे छिपाए (निगुल्) बिना पूर्ण रूप से कह दो । इस प्रकार विलाप से (एनेलुखुइ बेर्) कहा तो (ओछिबेसु) रानी बोली—हे मेरे राजा सुनने की कृपा करो (आयिलादुन् सोयोर्ला) । सब (आलिबा) प्राणी जिन्होंने जन्म लिया है, उनका अन्त (एछुस्) मृत्यु है । जब (आबुरिदा) मैं मर जाऊंगी, उसके पश्चात् कृपालु (आछि थु) राजा और पिता तुम मेरे प्रिय दोनों बच्चों को सताओगे क्या (जोबागाखु बोल्बाउ) । जब मैं यह सोचती हूं तो (सानाबासु) मेरे अन्दर असह्य (थेस्देशि ठुगेइ) शोक उत्पन्न होता है । इस संशय (सेजिग्) के उत्पन्न होने से धीरे २ (उलाम्) मेरा स्वास्थ्य (एरेगुल्) और मुख विकृत हो गया है (एब्देरेगेद्) । पुराना (एम्गेग्) रोग (एबेद्छिन्) लगने से (खुर्येग्सेन् एछे) अधिक (ठुलेम्जि) कष्ट और दुःख-पीड़ित हो कर (नेबेंग्देग्सेन्) मै भद्दी (मागु) बन गई हूं । जब यह कहा तो (ओछिबेसु) राजा बोले—अहो मेरी प्यारी रानी, सुनने की कृपा करो ।

१६१ आमाराग् एने खोयार् खेड्डखेद् मानु । आछि थु एछिो एखे बिदेन् उ निदुन् उ छेछेगेइ मेथु आदालि । मानु खेन् छु उरिदा नोग्छिबेसु । आबुरिदा एने खोयार् इ जोबाग़ाखु योमुन् बुइ बुयु खेमेन् डुगुलेग्सेन् दुर् । खायिरान् थेरे मेथु डुजेस्खुलेङ थेगुल्देर् । थेरे खाधुन् आनु । खारिल् डुगेइ ओर्छिलाङ दुर् नोग्छिबेइ । खामुग् उन् एजेन् खाग़ान् थेरिगुलेन् । खायिरालाऽसान् येखे बाग़ा नोयाद् सायिद् । खाराछुस् ओलान् गुइ आल्बा थु बुगुदेगेर् । ग़ाशिगुन् जोबालाङ दुर् दाऽवदाजु गुर्बान् ओन् बोल्थाला येखे ग़ासालाङ थु बोल्जु बायिबाइ । थेदुइ थेरे ग़ाजार् उन् येखे बाग़ा नोयाद् । थेम्देग्थेइ ए थेरे खाग़ान् उ बारागुन् इ मेदेग्छि खुबिल्ग़ान् थुशिमेल् । जेगुन् इ मेदेग्छि छेछेन् थुशिमेल् एखिलेन् । थेन्दे खुराऽसान् बुगुदे बेर् छिग़ुलान् खेलल्छेबेसु । जेगुन् इ मेदेग्छि छेछेन् थुशिमेल् डुगुलेहुन् । एर्देनि मेथु बायिसुलुऽसान् थोर् शाशिन् । नेङ येखे देलेखेइ देगेरेखि ओलान् उलुस् । एजेन् खाग़ान् उ एने येखे ग़ाशिगुन् जोबालाङ दुर् । एगुरिदे । एने मेथु जोबाल्छाऽसाग़ार् बायिबासु यागुन् थुसा । खाग़ान् उ एने मेथु सेद्खिल् इ

ये हमारे प्रिय दोनों बच्चे, कृपालु (आछि थु) पिता और माता हम दोनों की आंखों की पुतली (छेछेगेइ) के समान हैं। हम में से (मानु) कोई (खेन्) भी (छु) पहले मरे तो (नोग्छिबेसु) इन दोनों को सताने की बात हो सकती है क्या।

यह कहने पर प्रिय (खायिरान्) और तत्समान सौन्दर्यपूर्ण रानी अनिवर्त्य (खारिल् डुगेइ) [जन्म मरण] के चक्र में चली गई (नोग्छिबेइ)। सब के स्वामी राजा प्रभृति, पाले हुए (खायिरा-लाऽसान्) बड़े छोटे अध्यक्ष (नोयाद्), सामन्त (सायिद्), जनता (खाराछुस्), बहुत से महान् कर देने वाले जन (आल्बा थु), सब लोग, दुःखी हो कर (ग़ाशिगुन्), विलाप में (जोबालाङ दुर्) निमग्न हो कर (दाऽवदाजु), तीन वर्ष (ओन्) तक (बोल्थाला) बड़े शोक में रहे। तब उस देश के बड़े छोटे अध्यक्ष और विशेषतः (थेम्देग्थेइ ए) उस राजा के दक्षिण को जानने वाले अवतार मन्त्री (खुबिल्ग़ान् थुशिमेल्), वाम को जानने वाले विद्वान् (छेछेन्) मन्त्री, तथा (एखिलेन्) वहां एकत्रित अन्य सब जन चर्चा करने लगे। वाम को जानने वाले विद्वान् मन्त्री ने कहा—रत्न के समान स्थापित प्रशासन (थोर्), धर्म और सुमहती (नेङ येखे) पृथ्वी पर के (देलेखेइ देगेरेखि) बहुत जन (ओलान् उलुस्), स्वामी (एजेन्) राजा के इस महान् दुःख और शोक से सदा (एगुरिदे) इसी प्रकार (एने मेथु) विलाप में रहते रहे तो क्या लाभ (थुसा) होगा। राजा के इस प्रकार के चित्त को

१६१ सेर्गु गेखु यिन् थुला । खामुग् इयेर् छुग़लाजु । आबा आबालाबासु । खारिन् थुसा बोल्खु बोल्बाउ गेजु सानानाम् । खामुग् खुराग़साद् एगुन् इ यागुन् खेमेमुइ खेमेन् ओछिबेसु । बारागुन् इ मेदेग्छि खुबिल्गान् थुशिमेल् ओछिरुन् । आय् आ खाराछु खामुग् बुगुदे जोब्लेग्सेन् बुगेद् । आछि तुरे एछे दाबाजु तुलु बोल्खु यिन् थुला । आर्गा तुगेइ बुयु खेमेगेद् । आबा आबालाया खेमेन् खेलेल्छेन् थोग़थाबा । थेदुइ खाग़ान् दुर् आयिलादखाबासु । खाग़ान् जोब्शियेन् आबा आबालाबा । बारागुन् इ मेदेग्छि खुबिल्गान् थुशिमेल् बारागुन् ओर्दु यि आब्छु । जेगुन् इ मेदेग्छि छेछेन् थुशिमेल् । जेगुन् ओर्दु यि आब्छु याबुथाला । बारागुन् इ मेदेग्छि खुबिल्गान् थुशिमेल् तुन् ग़ाजिगु थु । बाछि थु निगेन् जालागु एमे सागुखुइ यि तुजेबेइ । थुशिमेल् बालामाद् जिरुखेन् देगेन् सुमु थुसुग़सान् मेथु बोलुन् बुरुगु खाराग़ाद् । ओङ्गेरेजु ग़ार्बासु । बासा दारुइ खाग़ान् दाग़ारिन् इरेखुइ दुर् । बाछि थु थेरे एमे बेयेन् एछे गेन् गेरेल् बादारागुलुन् खाग़ान् उ निदुन् तु एमुने थुस्खाबा । खाग़ान् थेरे गेरेल् इ खिलाम् खिजु तुजेबेसु । ग़ायिखाम्शिग् थु निगेन् सोलोङग़ा बुखुइ दुर् । ख़ाराजु थेगुन् इ दाग़ाग़साग़ार् ओद्बासु । खाथुन् खादान् उ खोन्देइ दुर् ग़ायिखाखु मेथु निगेन्

आश्वासन देने (सेर्गु गेखु) के लिये सब के सब इकट्ठे हो कर आखेट खेलें तो (आबा आबालाबासु) हो सकता है कि हित हो जाए—यह सोचता हूं (गेजु सानानाम्) । सब इकट्ठे जन (खुराग़साद्) इसके लिये क्या कहते हैं । यह कहने पर (ओछिबेसु) दक्षिण को जानने वाले अवतार मन्त्री ने कहा (ओछिरुन्)—अहो सारी जनता (खाराछु) ने मान लिया है (जोब्लेग्सेन), और इसके परिणाम से (आछि तुरे एछे) टलना नहीं हो सकना । अब कोई उपाय नहीं है । आखेट खेलने चलें । यह चर्चा कर के (खेलेच्छेन्) निश्चय किया (थोग़थाबा) । तब राजा से निवेदन किया । राजा के मानने पर आखेट खेलने निकले । दक्षिण को जानने वाले अवतार मन्त्री ने मुख्य (बारागुन्) सेना (ओर्दु) को ले कर और वाम को जानने वाले विद्वान् मन्त्री ने गौण सेना को ले कर ज्यों ही प्रस्थान किया तो दक्षिण को जानने वाले अवनार मन्त्री के पाम (ग़ाजिगु थु) छलपूर्ण (बाछि थु) एक युवती (जालागु) स्त्री (एमे) बैठी हुई (मागुखुइ) दिखाई दी । मन्त्री व्याकुल हुआ (बालामाद्) । उसने, अपने हृदय में बाण (सुमु) लगा हो (थुमुग़सान्), इस समान हो कर उल्टी ओर (बुरुगु) देखा (खाराग़ाद्) तथा आगे निकल गया (ओङ्गेरेजु ग़ार्बासु) । फिर पीछे से (दारुइ) राजा वहां से हो कर (दाग़ारिन्) आया तो (इरेखुइ दुर्) छलपूर्ण स्त्री ने अपने शरीर से प्रभा प्रज्वलित कर (बादारागुलुन्) राजा की आंखों के सामने उपस्थित की (थुस्खाबा) । राजा ने उस प्रभा को तिरछी आंख से (खिलाम् खिजु) देखा तो अद्‌भुत इन्द्रधनुष (सोलोङग़ा) उपस्थित हुआ । उसको देख कर (खाराजु) जब उसका पीछा करता हुआ गया तो (दाग़ाग़साग़ार् ओद्बासु) पहाड़ी की (*खादान् उ) गुहा (खोन्देइ) में एक आश्चर्यमयी (ग़ायिखाखु मेथु)

* "खादान्" से पूर्व "खाथुन्" पद व्यर्थ है ।

११४ उजेस्खुलेङ थु जालागु एमे सागुमुइ। नारान् खागान्। जालागु एमे यि उजेगेद्।
थेम्देग्येइ ए छुरलारसान् ओलान् आबा यि थार्खागाद्। धिङ एछे नादुर् आयागा थु खाथुन्
बागुजुखुइ खेमेन्। थेस्देशि उगेइ येखे बायार् थोरोगुलुन्। ओर्दु खाशि दागान् आबुन्
खारिबा। खागान् ओर्दुन् दागान् खुरुग्सेन् खोयिना। खायिरा थु थेरे खाथुन् इ उजेस्खुलेङ
थेरे ओङ्गेन् दुर्। खायिरान् खागुछिन् खाथुन् खिगेद्। खोयार् खेउखेन् थेइ यि छोम् मार्थाबा।
खुबिलान् उखागान् थु थेरे सायिन् थुशिमेल्। खोयार् खेउखेद् इ शिम्नुस् थुर् एरुस्थेगुजेइ
खेमेन् खुबिलुन् निगुगाद्। गादाशि उलु गागनि बुलुगे। खोयिना निगेन् एदुर् उन् छाग्
थुर्। खोओर् थु थेरे एमे शिम्नुस् गादाना सागुन् आथाला। छिखुला थेरे खोयार्
खेउखेद् ओयिराथुगाद् छिबेल् थु थेरे शिम्नुस् उन् निदुन् उ एमुने
छिगुल्छाजु नागादुन् याबुखुइ यि उजेगेद्। छिखुला देर्गेदे
दागास्माद् आछा छिखुल्दागुलुन् जान्दुरान् आसागुबासु। देर्गेदे बायिरसान् थेदेगेर् उलुस्। थेगुन् इ
खोब्लान् खेलेग्वु सानागा उगेइ बोल्बाछु। थेरेखु शिम्नुस् उन् उबादिमु सुर् येखे यिन् थुला। थेगुस्

रूपवती युवती स्त्री बैठी हुई थी। मूर्ख राजा ने युवती स्त्री को देखा। विशेष रूप से (थेम्देग्येइ ए) इकट्ठे हुए बड़े आखेट को समाप्त किया (थार्खागाद्)। और कहा—आकाश से हमारे लिये भाग्यवती रानी उतर कर आई है। असह्य (थेस्देशि उगेइ) महती प्रसन्नता उत्पन्न हुई है।

राजा उसको अपने महल में ले आया। राजा अपने महल में लौटने के पश्चात्, [नई] प्रियतमा रानी के सुन्दर वर्ण में पुरानी (खागुछिन्) प्रिय रानी तथा उसके दोनों बच्चों, सबको (छोम्), भूल गया (मार्थाबा)। अवतार बुद्धिमान् अच्छे मन्त्री ने दोनों बच्चों को, डायन (शिम्नुस्) से धोखा न खा जाएं (एरुस्थेगुजेइ), इति रूप परिवर्तन करके (खुबिलुन्) छिपा दिया (निगुगाद्) और बाहर न निकलने दिया।

पीछे से एक दिन एक समय जब वह दुष्ट डायन स्त्री बाहर बैठी हुई थी, वे दोनों बच्चे इकट्ठे समीप आए (ओयिराथुगाद्) और उस दुष्ट डायन की आंखों के सामने मिल कर खेलने लगे (नागादुन् याबुबाइ)। उनको देख कर विशेष (छिखुला) निकट (देर्गेदे) दासी (दागास्माद्) से धमका कर डांट कर (छिखुल्दागुलुन् जान्दुरान्) पूछा तो समीप के सब लोगों ने असूया करके बता दिया (खोब्लान् खेलेग्वु)। बताने का विचार (खेलेखु सानागा) न होते हुए भी (उगेइ बोल्बाछु) उस (थेरेखु) डायन की माया (उबादिमु) और तेज (सुर्) के बड़ा होने के कारण पूर्णरूप से (थेगुस् बुरिन्)

१६५ बुरिन् इयेर् थोग़लान् खेलेग्सेन् दुर् । खोओर् थु शिम्नु एमे । खोयार् खेजुखेद् इ उछिर् शिल्थाग़ान् इ मेदेगेद् । खागुछिन् एबेद्छिन् मिनु खोदेल्बेइ खेमेन् । खोयार् ओगुछिन् दाग़ान् शिङखु शार्जा खोयार् इ आनु बालागुग़ाद् । ओङखुरेन् थोगुराजु बोगेल्जिन् खेब्थेबेइ । खायिरा थु थेरे खाथुन् इयान् । खुन्दु एबेद्छिन् खुर्थेग्सेन् दुर् । खाग़ान् एखिलेन् खामुग़् बुगुदे बेर् ग़ाजार् ग़ाजार् आछा एम्छि नेर् । दोम्छि नार् इ छुग़्लागुलुन् जासागुल्बासु । खारिन् एबेद्छिन् मिनु खुन्दुद्बेइ खेमेन् ओरिलान् छारिलान् खेब्थेमुइ । थेरे खाग़ान् बेर् देग्सेल्जु । सेद्खिल् इनु माशि जोबाग़ाद् । देर्गेदे इनु इरेजु । एयिन् उगुलेरुन् । उनेगेर् उजेस्खुलेङ थेगुल्देर् खाथुन् मिनु छि उजेग्सेन् छिनु बुगेसु ओलान् । उर्गुल्जि सोनुसुग़सान् छिनु खोला । उनेन् एबेद्छिन् दुर् छिनु थुसा थु एम् यागुन् बुइ । ओरुशियेजु नादुर् उगुले खेमेन् ओछिबेसु । खाथुन् ओछिरुन् । आइ एजेन् मिनु आयिलादुन् सोयोर्खा । आबुरान् खायिरालाग़सान् छिम् आछा खोलादामुइ । आग़ा उगेइ बेर् एर्लिग् उन् ग़ार् थुर् ओद्मुइ । आयुल् थु एबेद्छिन् एछे थोनिलग़ारिछ एम् आबुराग़िछ एजेन् छिमा दुर् बुइ आथाला । नादुर् ओग्गुमुइ खेमेन् ओछिबेसु । खाग़ान् बायार्लान् याग़ारान् बोसुग़ाद् । खालाखाइ आमिन् आछा उलेम्जि आमाराग़् छि मिनु । ग़ादाना । बायिग़िछ खेरेग्

गिन २ कर (थोग़लान्) बताया (खेलेग्सेन् दुर्)। दुष्ट डायन स्त्री ने दोनों बच्चों की बात चीत को (उच्छिर् शिल्थाग़ान्) जान कर कहा—मेरा पुराना रोग हिलने लगा है (खोदेल्बेइ)। अपने दोनों गालों (ओगुछिन्) में रक्तमसी (शिङखु vermillion) और पीला रंग (शार्जा sulphurous arsenic) [लगा कर तथा] दोनों को मुह में डाल कर (बालागुग़ाद्) लुड़कती (ओङखुरेन्), चक्कर खाती (थोगुराजु), वमन करती (बोगेल्जिन्) लेट गई (खेथेबेइ)। प्रिय रानी भारी रोगग्रस्त हो गई सो राजा आदि सब जनों ने देग २ से वैद्यों और झाड़फूंक करने वालों को (दोम्छि नार् इ) इकट्ठा करके (छुग़्लागुलुन्) उपचार कराया (जासागुल्बासु)। किन्तु (खारिन्) मेरा रोग (एबेद्छिन्) भारी हो गया (खुन्दुद्बेइ)—यह कह कर चिल्लाई (ओरिलान्), चीखी (छारिलान्) और लेट गई। राजा घबराया (देग्सेल्जु)। उसका चित्त बहुत दुःखी हुआ। रानी के पास आ कर बोला—सम्यक्सौन्दर्ययुत मेरी रानी, तुमने बहुत कुछ देखा है, निरन्तर (उर्गुल्जि) दूर २ सुना है*। सचमुच तुम्हारे रोग के लिये हितकारी औषध क्या है। कृपा करके (ओरुशियेजु) मुझको बताओ। इस पर रानी बोली—हे मेरे पति, सुनने की कृपा करो। शरण दे कर (आबुरान्) प्रेमकर्ता आपसे (खायिरालाग़सान् छिम् आछा) दूर होने वाली हूं (खोलादामुइ)। उपायहीन हो कर यम (एर्लिग्) के हाथों में जा रही हूं। भयानक रोग से बचाने वाली औषध मेरे शरणदाता और स्वामी तुम्हारे पास है, पर मुझको दोगे क्या। यह कहने से राजा प्रसन्न हुआ। शीघ्रता से उठा (बोसुग़ाद्)—हाए (खालाखाइ), प्राणों से अधिक प्रिय (आमाराग़्) तुम मेरी बाहर (ग़ादाना) स्थित (बायिग़िछ) आवश्यक (खेरेग्थु)

* श्री बॉडन का अनुवाद ठीक नहीं—Those who have looked at you are many; those who have continuously listened to you are far distant.

१९१ थु एमे एद् माल् इयान् छु बायिथुगाइ । खायिरा थु आमिन् इयान् छु उलु खायिरालान् ओग्गुमुइ । खेमेन् आमान् आबुबासु । खाथुन् बायालजिु मोगु गेद् । एयिन् ओछिरुन् । एम्गेग् बोलुसान् मिनु एने खोओर् थु एबेद्छिन् दुर् । एम् एरिबेसु बेर् उलु ओल्दाखु । खोयार् एम् छिनु एन्देखि छिनु खोयार् खेवुखेद् उन् खेले जिरुखेन् खोयार् इ इदेबेसु । एगुरिदे एबेद्छिन् मिनु आरिलुगाद् छिम् लुगा नोखुछेमुइ खेमेन् उखुद्गिजु उनाबा । खागान् यागारान् मेङदेन् बोसुन् । खारिया थु खोयार् दागास्सान् खिया नार् इ । खुर्दुन् याबुजु । खायिरा थु खोयार् खेवुखेद् उन् खेले । जिरुखेन् खोयार् इ खाल्थाराल् उगेइ खुर्दुन् आलागाद् । आब्छु इरेजु इदेगुले गेबेसु । दारुइ थेरे खोयार् खुमुन् दाल्दुराल् उगेइ खुरुस्सेगेर् ओछिजु । थेरे खोयार् खेवुखेद् उन् गार् आछा खोथोलुगेद् । दालाइ यिन् जाखा दुर् आबाछिजु । आलान् जाब्दुखुइ दुर् । खोगेरुखुइ थेरे एगेछि देगू खोयार् । खोन्दोलेन् गुदुम् बेये बेयेन् देगेरे बेन् उनागाद् खालाखालाल्छाजु । खोङ्गरेस्थेले गामालाखु दागुन् गार्खुइ दुर् । गेनेद्दे थेरे दालाइ यिन् दोथोराछा । खेलेशि उगेइ निगेन् येखे जिगासुन् गार्छु इरेगेद् । गेम् थु थेरे खुमुन् इ गेम्शिथेले जान्दुरुन् दोङगुद्दु एयिन् उगुलेरुन् । थाखु थेनेग् खोयार् खुमुन् इ एने । थाङमुगु खोयार् सायिखान् खेवुखेद् इ । था खोयार् गेम्

भृत्या, धन सम्पत्ति तो रहने दो, मै अपने प्रिय प्राणों को भी बिना कंजूसी के (उलु खायिरालान्) दे दूगा । जब यह शपथ (आमान्) ली तो रानी ने प्रसन्न हो कर नमस्कार किया और कहा—मुझको सताने वाले इस दुष्ट रोग के लिये यदि औषध ढूढोगे तो न मिलेगी । तुम्हारे यहां दो औषध हैं—तुम्हारे इन दोनों बच्चों के जिह्वा और हृदय । यदि इन दोनों को खा लूं तो सदा के लिए (एगुरिदे) मेरा रोग दूर हो जाएगा (आरिलुगाद्) और तुम्हारे साथ रहूंगी (नोखुछेमुइ) । यह कह कर मूर्छित हो कर (उखुद्गिजु) गिर पड़ी । राजा झटपट शीघ्रता से (यागारान् मेङदेन्) उठा और अपने निजी (खारिया थु) दो अनुचर भृत्यों (खिया नार्) को कहा—शीघ्र (खुर्दुन्) जा कर प्रिय (खायिरा थु) दोनों बच्चों के जिह्वा और हृदयों को, घबराए बिना (खाल्थाराल् उगेइ), झटपट मार कर ले आओ और खिला दो । तुरन्त (दारुइ) वे दोनों जन घबराए बिना (दाल्दुराल् उगेइ) पहुंच गए और उन दोनों बच्चों को हाथ से खींच कर (खोथोलुगेद्) समुद्र के तट पर (जाखा दुर्) ले गये । मारना तुरन्त हो जाएगा (जाब्दुखुइ दुर्), इसलिये बेचारे (खोगेरुखुइ) बहिन और भाई दोनों तिरछे (खोन्दोलेन्) सीधे (गुदुम्) एक दूसरे के शरीर पर गिर कर, एक दूसरे की ओट में हो कर (खालाखालाल्छाजु), गूंजने तक (खोङ्गरेस्थेले) विलाप ध्वनि करने लगे । इस पर एकाएक (गेनेछे) उस समुद्र के अन्दर से एक बड़ी अवर्णनीय (खेलेशि उगेइ) मछली निकल आई और अपराधी (गेम् थु) पुरुषों को पश्चात्ताप करने तक (गेम्शिथेले) डांट कर (जान्दुरुन्) फटकार कर (दोङगुद्दु) बोली— तुम दुष्ट* मूर्ख (थेनेग्) जन यदि इन दो प्यारे सुकुमार बच्चों को हानि (गेम्)

* "थाखु के स्थान में "था मागु" पाठ स्पष्ट है । था=तुम, मागु=दुष्ट ।

१६७ थाल्बिबासु । थासुराल् उुगेइ थान् उ उुरे यिन् उुरे यि थासुलुमुइ बि । थासुलुग़िछ़ बेरे
शिम्नु दाग़ान् एगुन् इ ओग् खेमेन् । जिग़ासुन् उ खेले जिरुखेन् खोयार् इ ओग्गुगेद् खारिगुल्बा ।
थेदुइ थेरे खोयार् खुमुन् खारिजु इरेगेद् । थेरे खोयार् खेउुखेद् उुन् खेले जिरुखेन् एने खेमेन् ओग्बेसु
थेरे शिम्नु खाथुन् आब्छु इदेगेद् । एबेद्छिन् मिनु एदेगेबे खेमेन् । थेङछेशि उुगेइ
सायिखान् छिराइ बान् ग़ार्ग़ान् सागुबा । खाग़ान् माशि बायास्छु । खामुग् ओलान् खुराग़साद् इयान्
छुग़लागुल्जु । खारिम् एङ उुगेइ येखे बायार् बोल्जु जिर्ग़ान् सागुबा । खोयिना निगेन् छाग् थुर्
खोओर् थु शिम्नु ग़ादाना ग़ारुग़ाद् । खोयार् खेउुखेद् निगुजु याबुखु यि उुजेगेद् । बासा
खास्खिरान् उरिदा खोयार् खेउुखेद् उुन् खेले जिरुखे इदेग्सेन् बुलुगे । एदुगे एने खोयार् आजिग् थाइ
खेउुखेद् खेन् इ बुइ । उरिदा खेउुखेद् एछे उुलेग्सेन् बोल्बाउ खेमेन् आसागुबासु । उर्शिग् थु
दाग़ाग़सान् मागु एमे उुगुलेरुन् । उरिदाखि खेउुखेद् एछे उुलेग्सेन् बुसु । उुनेगेर् छिम्
दुर् खागुराजु जिग़ासुन् उ खेले जिरुखेन् ओग्गुग्सेन् बुइ खेमेबेसु । उरिदाखि आछा एबेद्छिन् मिनु
नेङ खुन्दुद्बे खेमेगेद् । ओर्खिरान् बार्खिरान् ग़ामुलान् खेब्थेखुइ दुर् । खाग़ान् माशि येखे
जोबानिन् एम्गेनिजु । आय् आ आमाराग् खाथुन् मिनु छि याग़ाखिबेइ खेमेन् आसागुबासु । खाथुन् ओछिरुन्
ओरुशियेल् थु एजेन् मिनु आयिलादुन् सोयोर्ख़ा । उुनेगेर् छिनु खोयार् खेउुखेद् उुन् खेले जिरुखेन्

पहुंचाओगे तो (थाल्बिबासु) अविच्छिन्न (थासुराल् उुगेइ) तुम्हारी सन्तान की सन्तान को (उुरे यिन् उुरे यि) में काट दूंगी (थासुलुमुइ) । विनाशकारिणी (थासुलुग़िछ़) अपनी डायन को यह दे देना (एगुन् इ ओग्) । यह कह कर मछली के जिह्वा और हृदय दे कर दोनों को लौटा दिया । वे दोनों जन लौट आए । ये दोनों बच्चों के जिह्वा और हृदय हैं—यह कह कर जब दिये तो डायन रानी ने ले कर खा लिये और बोली—मेरा रोग ठीक हो गया (एदेगेबे) और अतुल्य (थेङछेशि उुगेइ) सुन्दर मुख प्रगट कर बैठ गई (ग़ार्ग़ान् मागुबा) । राजा बहुत प्रसन्न हुआ और अपनी सभा को इकट्ठा किया । वे असीम (एङ उुगेइ) महोत्सव (येखे बायार्) मना कर (बोल्जु) सुखी रहने लगे (जिर्ग़ान् सागुबा) ।

पीछे एक समय दुष्ट डायन बाहर निकली और दोनों बच्चों को छिप कर जाते हुए देख कर चिल्लाई (खास्खिरान्) और पूछा—पहले दो बच्चों के जिह्वा और हृदय खाए थे, अब ये दो वर्तमान (आजिग् थाइ) बच्चे किसके हैं । पहले बच्चों से शेष (उुलेग्सेन्) हैं क्या । यह पूछने पर अपशकुन वाली (उर्शिग् थु) अनुचरी दुष्टा स्त्री बोली—ये पहले के बच्चों से शेष बचे हुए नहीं हैं । सचमुच तुमको धोखा दे कर (खागुराजु) मछली के जिह्वा और हृदय दिये गए हैं । इस पर रानी बोली—पहले से मेरा रोग अधिक (नेङ) भारी हो गया है (खुन्दुद्बे) । रोती (ओर्खिरान्), चिल्लाती (बार्खिरान्), विलाप करती (ग़ामुलान्) लेट गई । राजा अत्यधिक दुःखी हुआ (जोबानिन्) और व्याकुल हो कर (एम्गेनिजु) बोला—हे मेरी प्रिय रानी, तुमने क्या कर लिया (याग़ाखिबेइ) । यह पूछने पर रानी बोली—मेरे कृपालु (ओरुशियेल् थु) स्वामी, सुनने की कृपा करो । वास्तव में तुम्हारे दो बच्चों के जिह्वा और हृदयों

१६८ बुमु । ज़ुखुग्सेन् जिग़ासुन् उ खेले जिरुखेन् इ खागुरान् ओग्गुग्सेन् इयेर् । ज़ुखुखुइ दुर् ओयिराथुबाइ एजेन् मिनु आयिलाद् खेमेन् उखिलाखुइ दुर् । खाग़ान् माशि येखे खिलिङ्खलेजु । थेरे खोयार् मागु खुमुन् इ खुर्दुन् आब्छु इरे खेमेन् आब्छिराग़ाद् जा आ था मागु खोयार् । मिनु आमिन् जिरुखेन् मेथु आदालि खाधुन् उ एबेद्छिन् दु थुसालाखु एम् इ ज़ुलु ओग्गुगेद् । खारिन् ज़ुखुग्सेन् जिग़ासुन् उ खेले जिरुखेन् ओग्गुग्सेन् थान् उ यागुन् बुइ खेमेन् जाङ्दुरान् ज़ुगुलेबेसु । उछुखेन् थेरे खोयार् खुमुन् आलामु खेमेन् आयुजु । उछिर् शिल्याग़ान् इ बुरिन् थेंगुस् इयेर् खेलेबेसु । खाग़ान् जालिग् बोलोरुन् । एदुगे थेरे खोयार् खेज़ुखेद् इ याग़ारान् आबाछिजु । दालाइ यिन् जाखा आछा थुस्यार् ग़ाजार् आ खोदेगे दु आलाग़ाद् । खेले जिरुखेन् खोयार् इ आब्छु इरे खेमेगेद् । थेरे खोयार् खुमुन् उ देगेरे । बासा खोयार् खुमुन् इ नेमेजु । दोर्बेन् खुमुन् बोल्ग़ाजु इलेगेबेइ । थेदुइ थेरे दोर्बेन् खुमुन् । दालाइ आछा जायिलाजु । येखे आगुला यिन् इरुग़ार् थुर् थेरे खोयार् खेज़ुखेद् इ आलान् जाब्दुखुइ दुर् । खोयार् खेज़ुखेद् इनु । बेये बेयेन् देगेरे बेन् उनाग़ाद् । नाम्ायि आला खेमेन् उखिलाखुइ दुर् । खादा यिन् जाब्सार् आछा निगेन् खुरिङ्ग एरियेन् आयुखु मेथु आबुर्गु मोग़ाइ ग़ारुग़ाद् । एयिन् ज़ुगुलेरुन् । आय् आ खिलिन्छे थु मागु दोर्बेन्

से भिन्न मरी हुई मछली के जिह्वा और हृदय धोखा करके (खागुरान्) मुझको दिये गये थे । इससे मृत्यु के समीप हो गई हूं (ज़ुखुखुइ दुर् ओयिराथुबाइ) । मेरे स्वामी सुनो (आयिलाद्)—यह कह कर रोने लगी (उखिलाखुइ दुर्) । इस पर राजा को बहुत अधिक क्रोध आया । उसने कहा—उन दोनों दुष्ट जनों को शीघ्र पकड़ कर लाओ । जब वे लाए गये (आब्छिराग़ाद्) तो राजा ने कहा—हां (जा आ) तुम दुष्ट दोनों, मेरी प्राणहृदय समान रानी के रोग में तुमने हितकर (थुसालाखु) औषध न दे कर उल्टे मरी मछली की जिह्वा और हृदय दिये । तुमको क्या हुआ । इस प्रकार डांट कर (जाङ्दुरान्) जब कहा तो (ज़ुगुलेबेसु) वे दोनों छोटे जन, मार देगा, इति (खेमेन्) डर कर (आयुजु) बात चीत पूर्ण रूप से सुना दी । राजा ने आदेश दिया—अब इन दोनों बच्चों को शीघ्रता से ले जा कर समुद्र तट से किसी और (थुस्यार्) प्रदेश में खुले स्थान (खोदेगे) पर मारो और जिह्वा तथा हृदय दोनों को ले आओ । उन दोनों जनों के ऊपर फिर दो जनों को लगा कर (नेमेजु), चार जन बना कर (बोल्ग़ाजु), भेज दिया । तब (थेदुइ) वे चारों जन समुद्र से हट कर (जायिलाजु) बड़े पर्वत के मूल में (इरुगार् थुर्) दोनों बच्चों को मारने ही वाले थे (आलान् जाब्दुखुइ दुर्) कि दोनों बच्चे एक दूसरे के शरीर पर गिर पड़े और कहने लगे—मुझको मारो, मुझको मारो । और रोने लगे (उखिलाखुइ दुर्) । शिला (खादा) के बीच (जाब्सार्) से एक भूरा (खुरिङ्ग), चितला (एरियेन्), भयानक (आयुखु मेथु) महान् सर्प निकला और बोला—अरे पापी (खिलिन्छे थु) दुष्ट चारों

१६६ खुमुन् था। खिलिन्छे थान् उ देल्गेरेगेद्। आयुशि थामु दुर् उनामुइ। बि खेल्बेरेगेद् थान् उ उग् उन्दुसुन् इ थासुलुमुइ। एने छु खोयार् खेउखेद् इयेर् एन्दे उलु सागुन् देमेइ ओछिरथुन् एनेल् थु थेरे खोओर् थु शिम्नु दागान्। एने खेले जिरुखेन् खोयार् इ ओग् खेमेगेद्। नोखाइ यिन् खेले जिरुखेन् खोयार् इ ओग्बे। थेरे खेले जिरुखेन् इ थेगुन् दुर् ओग्छु इदेगुलुग्सेन् दुर्। थेगुन् उ एबेद्छिन् एदेगेबे खेमेन् आर्मुजिन् सागुबा। थेदुइ खोयार् खेउखेद् जाम् दुर् ओरोजु देमेइ याबुथाला। देगू इनु उम्दागासास्सान् दुर्। उसुन् एरिजु थोङ एसे ओल्दाबाइ। देमेइ बासा एरिन् याबुबासु देगू इनु छाङगाजु उनाबा। एगेछि इनु यागारान् मेग्देन् याबुजु उसुन् ओल्दास्सान् उगेइ मोरिन् उ निगेन् शिने बागास्सान् बागामुन् इ ओलुगाद्। एगेछि इनु आमा बार् इयान् शिमेजु शिगुसुन् इनु खोयार् आलागा बान् दुगुर्गेगेद् देगू देगेन् ओग्गुये खेमेन् आबुन् ओदुबासु देगू उनास्सान् गाजार् थागान् उगेइ। सेर्गुं गेद् देमेइ याबुजुलुइ। एगेछि आनु मोर् इयेर् खोयिनाछा इनु एरिग्सेगेर् ओद्बासु। ओल्दास्सान् उगेइ। थेरे देगू इनु देमेइ थोगेरिग्सेगेर् याबुजु निगेन् उलुस् उन् जाखा दुर् खुर्बेइ। थेरे गाजार् आ जाखा यिन् गेर् थुर् ओरोबासु। थेग्शि सेद्खिल् थेइ निगेन् एबुगेन् सागुन् आमुइ। एबुगेन् थेरे खेउखेन् इ। उजेगेद्। एनेरेन् बोसुन् खुन्दुलेन् सागुल्यागाद्

जन तुम, तुम्हारा पाप (खिलिन्छे) बढ़ गया है (देल्गेरेगेद्)। तुम आयुष नरक में (आयुशि थामु दुर्) गिरोगे। मैं उलट कर (खेल्बेरेगेद्) तुम्हारे सन्तान-मूल (उग् उन्दुसुन्) को काट दूंगा (थासुलुमुइ)। दोनों बच्चो, यहां मत ठहरो, इधर उधर (देमेइ) चले जाओ (ओछिरथुन्)। आधिग्रस्त (एनेल् थु) दुष्ट अपनी डायन को ये जिह्वा और हृदय दे दो। यह कह कर कुत्ते के जिह्वा और हृदय दे दिये। उन्होंने वे जिह्वा और हृदय डायन को दे दिये और उसने खा लिये। मेरा रोग ठीक हो गया—यह कह कर वह सुखी (आर्मुजिन्) रहती रही (सागुबा)।

तब दोनों बच्चे सड़क पर चल कर इधर उधर जा रहे थे कि भाई (देगू) को प्यास लगी (उम्दागासास्सान् दुर्)। पानी ढूंढने पर भी सर्वथा नहीं (थोङ एसे) मिला (ओल्दाबाइ)। इधर उधर फिर ढूंढने जा रहे थे कि भाई प्यास के मारे (छाङगाजु) गिर पड़ा। बहिन (एगेछि) शीघ्रता से घबरा कर (मेग्देन्*) चली किन्तु पानी न मिला। घोड़े की नई गिरी हुई (बागास्सान्) लीद (बागामुन्) मिली। बहिन ने अपने मुंह से (आमा बार्) चूस कर (शिमेजु) इसके रस को (शिगुसुन् इ) दोनों हथेलियों में (आलागा) भर लिया (दुगुर्गेगेद्)। अपने भाई को दूंगी यह सोच कर चली तो भाई अपने गिरे हुए स्थान पर न था। वह सचेत हो कर (सेर्गुं गेद्) इधर उधर चला गया था। बहिन मार्ग में पीछे से ढूंढती हुई (एरिग्सेगेर्) चली तो (ओद्बासु) मिला नहीं। भाई इधर उधर घूमता (थोगेरिग्सेगेर्) चलता हुआ एक देश की सीमा पर पहुंचा (खुर्बेइ)। उसने उस देश की सीमा के एक घर में प्रवेश किया तो सम-चित्त वाला (थेग्शि सेद्खिल् थेइ) एक बूढ़ा बैठा हुआ था। बूढ़े ने बच्चे को देखा और दया कर (एनेरेन्) उठ कर, सम्मान कर (खुन्दुलेन्) बिठाया (सागुल्यागाद्)।

---

*मेङ्देन् पाठ चाहिये।

१०० एरिग्सेन् उम्दा खोगुला खानुथाला ओग्बेइ । थेदुइ थेरे ग़ाजार् उन् खाग़ान् आनु नोग्छिगेद् । थेगुन् उ शिरेगेन् देगेरे सागुखु खोबेगुन् उगेइ यिन् थुला । थेदेगेर् बुगुदे छुग़लाजु । आगुइ येखे गुन् उखाग़ान् थु जाग़ान् उ खाबार् थुर् राशियान् दुगुर्गेग्सेन् आल्थान् खोम्खा यि उयाग़ाद् आलिबा मेर्गेन् उखाग़ान् थेगुसुग्सेन् सायिन् इजागुर् थु खुमुन् दुर् । आल्थान् खोम्खा थाल्बिग़सान् थेरे खुमुन् इयेर् खाग़ान् थाल्बिया खेमेन् खेलेल्छेन् थोग़थाबा । थेदुइ थेरे एबुगेन् एयिन् सेद्खिरुन् खोबेगुन् थेइ खुमुन् । खोबेगुन् इयेन् आब्छु ओद्मुइ । बि एने खोबेगुन् इ आब्छु ओद्सुगाइ । खेमेगेद् । थेरे खोबेगुन् इ थेदेगेर् खुराग़साद् उन् थेन्दे आब्छु ओदुग़ाद् । बासा सेद्खिरुन् । एने खुराग़साद् । मिनु खोबेगुन् बुमु यि मेदेगेद् । खारिन् नादा गेम् थेइ बोल्खु गेजु । निगेन् खोन्देइ खोञ्किल् मोदुन् उ दोथोरा निगुजु सागुल्ग़ाबा । ओलान् खुराग़साद् छुग़लाग़सान् उ खोयिना । जाग़ान् उ खाबार् थुर् राशियान् खिग्सेन् आल्थान् खोम्खा यि उयाग़ाद् थाल्बिबा । खुबिल्ग़ान् उखाग़ान् थु । थेरे जागान् इयेर् । खुरान् छुग़लाग़सान् थेरे उल्गुस् इ गुर्बान् उये एर्गेजु थोगुरिन् याबुग़ाद् । खोञ्किल् मोदुन् उ देगेरे खोम्खान् इ थाल्बिग़ाद् इरेबे । खामुग्

अन्विष्ट (एरिग्सेन्) पानी (उम्दा) और भोजन (खोगुला) को यावत्तृप्ति (खानुथाला) दिया । उसी समय उस देश का राजा मर गया (नोग्छिगेद्) । उसके सिंहासन पर बैठने वाला पुत्र न होने के कारण वहां के सब जन इकट्ठे हुए और विशाल अतिगंभीर बुद्धिमान् हाथी की सूंड पर (खाबार् थुर्) अमृत भरा स्वर्ण कलश बांध दिया (उयाग़ाद्) । जिस किसी (आलिबा) विद्वान् (मेर्गेन्) बुद्धिमान् सम्पूर्ण गुणयुक्त (थेगुसुग्सेन्) भद्रकुलीन (सायिन् इजागुर् थु) जन पर [यह हाथी] स्वर्णकलश रख देगा उसी को राजा बनाएंगे । यह चर्चा करके निश्चय किया ।

तब उस बूढ़े ने सोचा—पुत्रवान् पुरुष अपने २ पुत्र को ले जाएंगे, मैं इस पुत्र को ले जाऊंगा । उस लड़के को उन एकत्रित जनों के (खुराग़साद् उन्) स्थान पर (थेन्दे) ले कर चला गया । फिर सोचा—ये इकट्ठे हुए जान जाएंगे कि यह मेरा लड़का नहीं है और उल्टा मुझको दोषी ठहराएंगे । अत: एक खोखले (खोन्देइ खोञ्किल्) वृक्ष के अन्दर छिपा कर बिठा दिया । बहुत जनों के आने और इकट्ठा होने के पश्चात् हाथी की सूंड पर अमृत डाला हुआ स्वर्णकलश बांध छोड़ा । अवतार (खुबिल्ग़ान्) बुद्धिमान् हाथी ने सब इकट्ठे संगृहीत जनों की तीन बार घूम फिर कर परिक्रमा की (एर्गेजुं थोगुरिन् याबुग़ाद्) और खोखले वृक्ष के ऊपर कलश को छोड़ आया (थाल्बिग़ाद् इरेबे) । सब

२०१ ख़ुराग़सान् ओलान् उलुस् थेदेगेर् छोम् ग़ायिख़ाल्छान् । एने जाग़ान् मानु ओथोल्बेउ । एयिमु ओलान् उलुस् बायिन् आथाला । एरिजु ओदुग़ाद् । मोदुन् देगेरे थाल्बिग़िछ आनु यागुन् बुइ खेमेगेद् बासा दाखिन् थाल्बिबाइ । मोन् खु थेरे ख़ोङ्गिल् मोदुन् उ देगेरे थाल्बिबाइ । ओछिनेन् एने जाग़ान् मानि इङ्खिजु एन्देगुरेखु योसुन् उगेइ बुलुगे । एने याम्बार् जिग् बोल्बाइ खेमेन् दाखिन् ख़ोम्ख़ान् इ उयाजु थाल्बिबासु । उदाल् उगेइ बासा थेरे ख़ोङ्गिल् मोदुन् उ देगेरे थाल्बिबा एवुगेन् बोसुग़ाद् एयिन् उगुलेरुन् । एबेउ एबेउ एने उख़ाग़ान् थु जाग़ान् मानु । एर्थे एछे इनाग़िश एदुगे खुर्थेले । इङ्खिजु थेरु उलु एन्देगुरेन् बुलुगे । एने ख़ोङ्गिल् मोदुन् दु एर्ख़ेब्शि निगेन् उछिर् बुइ जा ओछिजु उजेबेसु । थेरे मोदुन् उ दोथोरा । थेम्देग्थेइ ए निगेन् सायिख़ान् खोबेगुन् । लाग्शिन् बेल्गे थेगुसुग्सेन् । थेगुन् उ खोयार् छिखिन् इनु ओग्यु आजुगु थेदेगेर् खुराग़साद् बुगुदेगेर् । थेरे खेउखेन् इ शाग़िशरान् ग़ायिख़ाजु । थिङ् एछे जायाग़ा बार् मानु एजेन् बोल्खु खेउखेन् एने मोन् खेमेल्छेगेद् । थेरे खोबेगुन् इ जालाजु ओदुग़ाद् । खाग़ान् ओरोन् दुर् सागुल्ग़ाबा । खोयिना । थेरे खाग़ान् खोबेगुन् । ख़ोथाला बुगुदे ओलान् खाग़ान् ख़ाराछु ख़ाथुन् थेरिगुलेन् । एद् थावार् साङ इ एजेलेजु ख़ोथालाग़ार् बायासुन् छेङ्गेन् जिर्ग़ान् सागुबाइ ।

इकट्ठे जन चकित हुए और कहने लगे—यह हमारा हाथी बूढ़ा हो गया क्या (ओथोल्बेउ) । जब इतने अधिक जन यहां विद्यमान हैं तब ढूढते चलते वृक्ष के ऊपर कलश रख दे, सो यह क्या बात बनी । पुनः फिर से (दाखिन्) [हाथी पर कलश] रखा [और हाथी ने फिर से] उसी खोखले वृक्ष के ऊपर कलश रख दिया । इतने पर (ओछिनेन्) इस हमारे हाथी का इस प्रकार (इङ्खिजु) भूलने (एन्देगुरेखु) का नियम (योसुन्) नहीं रहा है । यह कैसा लक्षण है कि दोबारा कलश को बांध कर रखने पर, अविलम्ब (उदाल् उगेइ) फिर उसी खोखले वृक्ष के ऊपर छोड़ आया है ।

बूढ़ा उठ कर बोला—अहो (एबेउ एबेउ), यह हमारा हाथी बुद्धिमान् है । प्राचीन समय से (एर्थे एछे) इधर आज तक (इनाग़िश एदुगे खुर्थेले) ऐसे (इङ्खिजु) कभी नहीं (थेरु उलु) भूला था (एन्देगुरेन् बुलुगे) । इस खोखले वृक्ष में अवश्य (एर्ख़ेब्शि) कोई बात (उछिर्) है । जा कर देखा तो उस वृक्ष के अन्दर चिह्न वाला (थेम्देग्थेइ) एक सुन्दर कुमार लक्षणों (लाग्शिन्) और शकुनों (बेल्गे) से युक्त (थेगुसुग्सेन्) [बैठा था] । उसके दोनों कान (छिखिन्) पन्ने (ओग्यु) के थे । इकट्ठे हुए सबने जिह्व से त-न-त की (शाग़िशरान्) और चकित हुए । आकाश से भाग्य (जायाग़ा) द्वारा (बार्) हमारा स्वामी बनने वाला यह बालक है—यह चर्चा करके बालक को निमंत्रित किया (जालाजु) और ले जा कर राजासन पर बिठा दिया । तत्पश्चात् राजकुमार ने समस्त सम्पूर्ण (ख़ोथाला बुगुदे) नाना राजा प्रजा (ख़ाराछु) रानी आदि धन सम्पत्ति निधि को अपने अधीन कर (एजेलेजु) लिया । सब (ख़ोथालाग़ार्) प्रसन्न हो कर क्रीडा करते (छेङ्गेन्) सुख से (जिर्ग़ान्) रहने लगे ।

१०२ थेदुइ थेरे खाग़ान् बायास्खुलाङ थु बोलुन् सागुन् आथाला । खाग़ान् छाराइ ओङगे माशि बागुराजु खारिन् एमेगेग् ओलुग़सान् मेथु बोलुग़सान् दुर् खाथुन् एखिलेन् खाग़ान् खाराछु बुगुदे खेबिलेन् छुग्लाग़ाद् । खाग़ान् दुर् एयिन् आयिलादखारुन् । आय् आ ओल्खुइ आ बेर्खे छिन्दामुनि एर्देनि मेथु खाग़ान् ओन्जु । येखे सागुरिन् दुर् सागुलाग़सान् आछा
इनाग्शि । ओलान् खान् खाथुद् । खाराछु बुसुन् बिदे ओम्थोग़ाइ ज़ुगेइ येखे बायास्खुलाङ
जिर्ग़ाल् थेगुस्छु । आमुर्जिन् सागुन् आथाला । खेथुर्खेइ गेगेन् छाराइ ओङगे खानि गेयिग्सेन्
नारान् सारान् मेथु बुलुगे । गेनेद्दे बागुरान् दोरोयिथाग़ाद् । गेम्शिगुलेङ ओलान् एम्गेग् ओलुग़सान्
बोल्बाउ । खायिरा थु खाथुन् खिगेद् । खाग़ान् खाराछु । खाग़ार्खाइ आ ओलान् एर्देनि साङ । खालागुन्
गेगेन् बेये दु । खारुस्छु ग़ोमुदुखु उछिर् बुइ बुइ जा । खायिरालाजु इलेर्खेइ ए जार्लिग् बोलुन् सोयोर्खा
खेमेन् ओछिब्रासु । खाग़ान् एयिन् जार्लिग् बोलोरुन् । एदेगेर् साङ खिगेद् । ओलान्
बुगुदे थान् दुर् । एम्गेग् सानाजु ग़ोमुदुग़सान् सेद्खिल् निगेखेन् बेर् ज़ुगेइ एने बेयेन् दुर् ।
एबेद्छिन् थाखुल् जोबालाङ इयेर् छु ज़ुगेइ । एने उछिर् इ बि थान् दुर् बुरिन् ए ज़ुगुलेये
खेमेगेद् एयिन् जार्लिग् बोलोरुन् । आय् आ आछि थु एछिगे एखे एछे आमाराग् एगेछि देग् खोयागुला

जब वह राजा सुखी रह रहा था तो राजा का मुख (छाराइ) वर्ण (ओङगे) बहुत उतर गया (बागुराजु) और वह रोगी के समान हो गया । इस पर रानी आदि और राजा प्रजा सब इकट्ठे हुए । (खेबिलेन् ?) । उन्होंने अपने राजा से निवेदन किया—हे दुर्लभ (ओल्खुइ आ बेर्खे) चिन्तामणि रत्न के समान राजन्, तुमको पा कर महासन (येखे सागुरिन्) पर बिठाने से ले कर इधर तक अनेक राजा रानी, प्रजा, हम सब असीम (ओम्थोग़ाइ ज़ुगेइ) महती प्रसन्नता और सुख से युक्त हो कर (थेगुस्छु) सुखी रहे हैं (आमुर्जिन् सागुन् आथाला) । [अब तक] अति (खेथुर्खेइ) भास्वर (गेगेन्) आपका मुख उदित (गेयिग्सेन्) सूर्य चन्द्र के समान था । अचानक (गेनेद्दे) उतर कर (बागुरान्) मुरझा गया है (दोरोयिथाग़ाद्) । आप चिन्तित और अनेक रोगों से ग्रस्त हो गये हैं क्या । प्रिय रानी, राजा प्रजा, खण्डित (खाग़ार्खाइ) अनेक रत्न निधि, उष्ण (खालागुन्) ज्योतिर्मय (गेगेन्) शरीर पर (बेये दु), पश्चात्ताप करने (खारुस्छु) और दुःखी होने का कारण होगा ही (बुइ बुइ जा) । स्नेह करके (खायिरा-लाजु) स्पष्ट रूप से (इलेर्खेइ ए) कहने की कृपा करो । जब ऐसे कहा तो राजा बोले—इन (एदेगेर्) निधियो और बहुत सारे आप लोगों के प्रति मैने दूषित (एम्गेग्) विचार नहीं किया (सानाजु), दुःखी (गोमुदुग्सान्) मन (सेद्खिल्) एक बार भी (निगेखेन् बेर्) नहीं किया । इस शरीर में रोग, ज्वर (थाखुल्) दुःख (जोबालाङ) कुछ भी नही है । इस बात को मैं आपको पूर्णरूप से बताऊंगा । यह कह कर फिर कहा—हाए, कृपालु (आछि थु) पिता (एछिगे) और माता से स्नेही (आमाराग्) दो बहिन भाई

२०१ थोरोग्मेन् बुलुगे । आयुल् थु शिम्नुस् उन् एर्खे दुर् ओरोजु । आछि थु एछिगे मिनु । आयुल् थु दोर्बेन् खुमुन् इयेर् आलागुलुग़ाद् । मानु खेले जिरुखेन् खोयार् इ आब्छु इरे खेमेथेले । आबुराग़िछ खुरिङ एरियेन् आयुखु मेथु आबुरागु मोग़ाइ । आमुरु खादा यिन् जाब्सार् आछा ग़ारुग़ाद् । आलाग्छि दोर्बेन् खमन् एछे आल्दागुलुन् थाल्बिगुलुग़सान् बुलुगे । थेरे छाग् थुर् थेरे ओरोन् आछा जायिलाजु देमेइ याबुबासु । थेदुइ बि उम्दाग़ासाग़ाद् एगेछि मिनु नादुर् उसुन् एरिजु ओददुग़साग़ार् थोगेरिल्छेबेइ । बिदे । एगेछि देगू खोयार् थेगुन् एछे खोयिशि एगेछि एछेगेन् साल्लुग़ाद्। एरिजु ओलुल् उुगेइ बि । एने गाजार् थुर् खुछुं इरेबेइ । एर्देनि आल्थान् मोङगुन् बा । एद् थावार् माङ ख्विगेद् । ख्वागान् खाराछु खिजाग़ार् उुगेइ ओलान् उलुस् खारिन् खायिरालाग्सान् एदेगेर् । खाथुद् थान् इयेर् बुइ बोल्बाछु । एगेछि युगेन् सानाग्सान् उ थुला । एने बेये मिनु एम्मोग् एबेद्छिन् खुर्थेग्सेन् एछे नेङ उुलेम्जि । एगुरिदे गासुल्न् शिनालान् मानाजु याबुखु उलाम् आछा एयिमु मानागा बोल्लुग्मान् उछिर् एने खेमेन् बुरिन् इयेर् उुगुलेग्सेन् दुर् । खाथुन् खिगेद्। खाद् थुशिमेद् बुगुदेगेर् एयिन् आंछिरुन् । ग़ाजार् आ देलेखेइ देगेरेख्वि एजेन् येख्वे ख्वागान् बोल्लुगाद् । ग़ाग्छा एगेछि यि एरिज् उुन्जु ओल्खु खेमेन् यागुन् उ

जन्मे थे । भयानक दैत्य के वश में (एर्खे दुर) आ कर (ओरोजु) मेरे कृपालु पिता ने भयानक चार जनों को आदेश दिया था कि हमको मार कर हमारे जिह्वा और हृदय ले आएं । उसी समय रक्षक भूरे (खुरिङ) चितकबरे (एरियेन्) भयानक महासर्प (मोग़ाइ) ने ऊंचे (आमुरु) चट्टान के (खादा यिन्) बीच में से (जाब्सार् आछा) निकल कर हत्यारे चार जनों से छुड़ा कर (आल्दागुलुन्) हमको बचाया था (थाल्बिगुलुग्मान् बुलुगे) । उस समय उस स्थान से भाग कर (जायिल्लाजु) इधर उधर फिरते हुए मुझे प्यास लगी । मेरी बहिन मेरे लिये पानी ढूंढने चली गई और हम बिछड़ गये (थोगेरिल्छेबेइ) । तत्पश्चात् बहिन से वियुक्त हो कर (साल्लुग़ाद्), ढूंढते २ उसको न पा कर, मै इस स्थान में आ पहुंचा ।

रत्न स्वर्ण चांदी (मोङगुन्), धन सम्पत्ति निधि, राजा प्रजा और असीम (खिजाग़ार् उुगेइ) अनेक देश, स्निग्ध (खायिरालाग़्सान्) रानियां—आप सब के होते हुए भी (बुइ बोल्बाछु), अपनी (युगेन्) बहिन की चिन्ता करने के कारण, यह मेरा शरीर रोगग्रस्त होने से कहीं अधिक, सदा (एगुरिदे) शोक विलाप और स्मरण करता रहता है । यह कहने पर रानी, राजा, मन्त्री सब ने यों कहा—पृथ्वी (देलेखेइ) पर के (देगेरेखि) स्वामी महाराज हो कर अपनी इकलौती (ग़ाग्छा) बहिन को ढूंढ नहीं पा सके—सो किस

१०४ थुला । एदुइ येखे छिलेमुइ खेमेल्छेजु ग़ायिखाम्शिग् थु खुर्दुन् जाग़ान् इ उनुगुलुग़ाद् । ग़ाजार् बुरि एरिगुल्बेसु । खायिरा थु थेरे एगेछि यि यागुन् दु उुलु ओलुमुइ खेमेजु । ओलान् एल्छि नेर् थुर् जाग़ान् इ उनुगुलुन् जुग् बुरि याग़ारान् जारुबासु । थेदे ग़ाजार् आ ग़ाजार् आ खुछुं एरिन् सुराजु थोङ एसे ओल्दाबाइ खेमेन् इरेग्सेन् दुर् । थेदुइ खाग़ान् माशिदा छिलेजु । दाम्बुर् बायिशिङ उन् देयेरे । सान्दालिन् दुर् सागुजु जुग् बुरि खाराबासु एमुने एछे निगेन् खुमुन् इरेखुइ यि खाराजु । खाग़ान् उ दोथोरा सेजिग् थोरुन् याग़ारान् बोस्छु । थेरे जुग् थुर् उग्थुबासु । एगेछि इनु मोन् आजुगु । एगेछि देगू खोयागुला बेये बेये बेन् थानिल्छाग़ाद् एग्शिग् थु येखे दागुन् ग़ार्गान् थेबेलेंछेगेद् । एङ उुगेइ येखे खुरा ओरोग़सान् दुर् आदालि एम्खेनिजु उखिलाल्छाग़सान् निल्बुसुन् आनु एनेद्खेग् उुन् ग़ाजार् आ । एदुगे बोल्थाला । खोसेल् खानुग़सान् नागुर् बुइ । थेदुइ थेरे एगेछि यि उुजेबेसु । एमुसुग्सेन् देबेल् इनु । बेये लुग़ा आनु नाग़ाल्दुग़ाद् । उुसुन् इनु माल्ग़ा आनु शिर्लादुजु । बोग्सुन् खिगुर्सुन् आनु । दुगुरेन् छुग़लाजुखुइ । एगेछि इनु एयिन् ओछिरुन् । एर्लिग् उुन् ग़ाजार् आछा माल्गाजु

कारण इतने (एदुइ) अधिक व्याकुल (छिलेमुइ) हो । उन्हों ने यह चर्चा की और कहा—यदि आश्चर्य-जनक शीघ्रगामी (खुर्दुन्) हाथियों पर सवारी करा कर (उनुगुलुग़ाद्) समस्त पृथ्वी पर ढुंढवावें तो यह प्रिय (खायिरा) बहिन क्यों न मिलेगी । यह कह कर बहुत से दूतों को हाथियों पर सवार कर के प्रत्येक दिशा में शीघ्रता से भेजा (जारुबासु) । वे देश २ में पहुंचे, ढूंढा, पूछताछ की (सुराजु), किन्तु आ कर कहा—सर्वथा नहीं (थोङ एसे) मिली । तब राजा बहुत व्याकुल हुआ । ऊंचे (दाम्बुर्) भवन (बायिशिङ) के ऊपर आसन (सान्दालिन्) पर बैठ कर प्रत्येक दिशा में देखा तो (खाराबासु) दक्षिण से (एमुने एछे) एक जन आता हुआ दृष्टिगोचर हुआ । राजा के भीतर सन्देह (सेजिग्) उत्पन्न हुआ । शीघ्रता से उठ कर उस दिशा में स्वागत के लिये आगे बढ़ा तो यह उसकी बहिन ही थी । बहिन भाई दोनों ने एक दूसरे के शरीर को पहचान लिया (थानिल्छाग़ाद्) और मधुर (एग्शिग् थु) ऊंचा स्वर निकाल कर आलिङ्गन किया (थेबेलेंछेगेद्) । अपरिमित (एङ उुगेइ) महती वर्षा (खुरा) बरसने (ओरोग़सान्) के समान रोने (एम्खेनिजु) और चिल्लाने (उखिलाल्छाग़सान्) के इनके आंसू (निल्बुसुन्) भारत देश में अब तक (एदुगे बोल्थाला) पूर्णकाम (खोसेल् खानुग़सान्) नामक सरोवर (नागुर्) बन गये ।

जब उसने बहिन को देखा तो पहने हुए कपड़े उसके शरीर के साथ चिपक गये थे (नाग़ाल्दुग़ाद्) । इसके बाल और टोपी (माल्ग़ा) जुड़ गए थे (शिर्लादुजु) । जुएं (बोग्सुन्) और लीखें (खिगुर्सुन्) भर कर इकट्ठी हो गई थीं । बहिन बोली—यम के लोक से छूट कर (सालाजु)

१०५ ग़ारुगाद् । एगेछि देगू खोयार् बिदे थेर्गेगुर् थुर् ओरोग़ाद् याबुन् आथाला । एर्देनि आमि मेथु छिमायि युग़ान् छाङग़ाजु उनारसान् दुर् । एरिजु उसुन् आबुरा ओछिरसान् दुर् । एन्देल्छेन् थोगेरेग्सेन् एछे इनारिश एदुगे खुर्थेले । छिमायि युग़ान् एरिग्सेगेर् याबुरसान् मिनु बोलाइ । एने एदुर् गेनेद्दे उछाराजु जोल्योरसान् मानु एर्थेन् उ सायिन् बुयान् उ उरे बुइ जा खेमेगेद् ओर्दुन् दुर् ओरोजु एमुसुग्सेन् देबेल् खुञ्छासुन् इ आनु थायिलुग़ाद् । एल्देब् एर्देनि बेर् छिमेजु । एङ उगेइ खाधुद् खाद् थुशिमेद् इ जोल्योगुल्जु । एङ्ख्वे आमुगुलाङ बुरिदुन् जिर्ग़ाजु साग़ुबाइ । थेदुइ थेरे खाग़ान् एयिन् आलिग् बोलोरुन् । एरिजु सानारसान् आमाराग् मिनु जोल्योबाइ एर्थेन् उ इरुगेल् उन् खुछुन् माशि बेर्खे यिन् थुला । एर्देनि मेथु आछि थु एछिगे मिनु । एन्देगुर्छु एमे शिम्नु यिन् उबिदिस् थुर् दारुरदाजु खेञ्थेग्सेगेर् बुलुगे । एदुगे थेगुन् इ नोमुग़ाद्खाखुइ छाग् मिनु बोल्बा । बि ओदुमुइ खेमेग्सेन् दुर् । खाद् नोयाद् थुशिमेद् बुगुदेगेर् एयिन् ओछिरुन् । आल्थान् देलेखेइ देगेरेखि यिन् एजेन् बोल्गुग़ाद् । आयुल् थु थेरे शिम्नु यि नोमुग़ाद्खारा ओगेदे बोल्खुइ दुर् ।

निकल आए तो बहिन भाई दोनों हम मार्ग (थेर्गेगुर्) में पहुंच कर चल ही रहे थे कि रत्नप्राण सम अपने तुम (छिमाइ युग़ान्) प्यास से (छाङग़ाजु) मूर्छित हो गये (उनारसान् दुर्)। ढूंढ कर पानी लाने के लिये मैं चली गई। किन्तु भूल से (एन्देल्छेन्) बिछड़ गई (थोगेरेग्सेन्)। तब से आज तक अपने तुमको ढूंढते २ (एरिग्सेगेर्) चलती रही हूं। आज अचानक (गेनेद्दे) हम लोगों ने देख लिया और मिल गये। सो यह हमारे पूर्व शुभ पुण्य का फल है। यह कह कर महल में प्रवेश किया। पहने हुए चोले और वस्त्रों को उतारा। नाना रत्नों से भूषित किया। उच्च रानी, राजा, मन्त्रियों के साथ मिलाया (जोल्योगुल्जु)। सब पूर्ण शान्ति (एङ्ख्वे आमुगुलाङ) में सुखी हो कर (जिर्ग़ाजु) रहने लगे (साग़ुबाइ)।

तब राजा ने कहा—जिसको ढूंढने की चिन्ता थी वह मेरी प्यारी बहिन मिल गई। पूर्व के देव (इरुगेल्) की शक्ति (खुछुन्) बहुत प्रचण्ड (बेर्खे) होने के कारण रत्न समान और हितैषी मेरा पिता भ्रान्त हो कर (एन्देगुर्छु) डायन स्त्री की माया में (उबिदिस् थुर्) दबा पड़ा है (दारुरदाजु खेञ्थेग्सेगेर् बुलुगे)। अब उस डायन को दमन करने का मेरा समय हो गया है। सो मैं जाता हूं। इस पर राजा, सामन्त, मन्त्री सब यों बोले—स्वर्णमयी पृथ्वी पर के स्वामी हो कर भयावह उस दैत्य के दमनार्थ (नोमुग़ाद्खारा) जाते समय (ओगेदे बोल्खुइ दुर्)

२०६ आलिबा मेर्गेन् बाग़ाथुर् सायिन् खुछु थु छेरिग् इ आछि थु एजेन् खेदुइ खेरेग्लेबेसु । आय् आ छिनु खोयिना आछा दाग़ान् ओद्सुग़ाइ खेमेन् एनेरेन् ओछिबेसु । खाग़ान् जार्लिग् बोलोरुन् । एने एमे शिम्नु यि दारुखुइ दुर् एदेगेर् ओलान् छेरिग् इ खेरेग्लेखु खेरेग् उगेइ । एछिगे यिन् आछि । खारिगुलाखु यिन् थुला । एदुगे ग़ारछाग़ार् ओद्बासु बोलुमुइ खेमेगेद् थेदुइ मोर्देन् ओगेदे बोल्बाइ । खुरुगेद् साछा बारागुन् इ मेदेग्छि खुबिलान् थुशिमेल् उन् गेर् थुर् बागुबासु । थेगुस् उखाग़ान् थु खुबिलान् थुशिमेल् बोस्छु उग़थुन् जोलग़ोजु उखिलाग़ाद् एयिन् उगुलेरुन् । आमि जिरुखेन् एछे उुलेम्जि । आमाराग् खोयार् आबाइ मिनु । आछि थु एछिगे थानु शिम्नु दुर् दारुदाजु । आर्ग़ा उगेइ बोल्बाइ । आल्थान् एर्देनि उुलेम्जि था खोयार् मिनु । आमुगुलाङ मेन्दु बुयु । आछि थु एछिगे छिनु । आलिबा उखाग़ान् बिलिग् इनु थोगेरिगेद् । आर्ग़ा उगेइ शिम्नु यिन् एर्खे दुर् ओरोजु । आल्थान् आमिन् आनु ओनो ए मार्ग़ाथा बोल्जुखुइ । आछि थु खान् खोबेगुन् मिनु खुर्दुन् ओगेदे बोल्जु आल्थान् आमिस् आनु थुसाला । थेरे शिम्नु बोल्बासु । एर्थे यिन् छाग् थुर् दोर्बेन् जुग् थु गोरुगेलेमुइ । उदेशि यिन् छाग् थुर् । खोरिन् खुमुन् इ खुलिजु बेलेदुमुइ । उदेशि खुछुं इरेगेद् । थेरे खोरिन् खुमुन् इ इदेमुइ थेगुन् एछे

जो भी (आलिबा) बुद्धिमान् शूरवीर अच्छे शक्तिशाली सैनिक कृपालु (आछि थु) स्वामी को जितने भी आवश्यक हों (खेदुइ खेरेग्लेबेसु) वे आपके पीछे २ अनुसरण करते चलेंगे । जब सबने करुणा-पूर्वक यह कहा तो राजा बोले—इस डायन को दमन करने के लिये बहुत से सैनिकों की आवश्यकता नहीं । अपने पिता की भलाई को (आछि) चुकाने के लिये (खारिगुलाखु) अब अकेला जाऊंगा । यह कह कर सवार हो कर (मोर्देन्) प्रस्थान किया । पहुंचते ही (खुरुगेद् साछा) दक्षिण ज्ञानी अवतार मन्त्री के घर पर उतरा । सम्पूर्ण बुद्धिमान् अवतार मन्त्री उठा, स्वागत किया, मिला और रो कर (उखिलाग़ाद्) यों बोला—प्राण और हृदय से भी अधिक प्रिय (उुलेम्जि आमाराग्) तुम दोनों मेरे कुमार और कुमारी (आबाइ), तुम्हारे कृपालु पिता को डायन ने अपने वश में किया हुआ है । कोई उपाय नहीं है । स्वर्ण और रत्नों से अधिक तुम दोनों मेरे प्यारे, कुशल (आमुगुलाङ) मङ्गल (मेन्दु) हो क्या । तुम्हारे कृपालु पिता के सब बुद्धि और ज्ञान (बिलिग्) भटक गये (थोगेरिगेद्) । उपायहीन हो कर डायन के वश (एर्खे) में चढ़ गया । उसके स्वर्ण प्राण आज कल के हो गये हैं । कृपालु मेरे राजकुमार, शीघ्र (खुर्दुन्) जाओ (ओगेदे) और उसके स्वर्ण प्राणों को बचाओ (थुसाला) । जहां तक उस डायन की बात है, प्रातः (एर्थे) के समय चार दिशाओं में आखेट करने जाती है (गोरुगेलेमुइ) । सन्ध्या (उदेशि) के समय में बीस मनुष्यों को बांध कर (खुलिजु) सज्ज करते हैं (बेलेदुमुइ) । सन्ध्या को आ कर वह डायन उन बीस मनुष्यों को खाती है । उसके पश्चात्

२०७ गेर् थुर् ओरोगाद् । येखे सोरुगुल् आछा खेमेन् आबुगाद् । खागान् उ गेदेसुन् देगेरे थाल्बिजु सोरुमुइ । थेयिमु यिन् थुला । एछिगे यिन् छिनु । गेदेसुन् इनु गेर् उन् छिनेगे । थोलुगाइ आनु । थोगोन् उ थेदुइ । शिल्बिन् इनु देरेसुन् मेथु । खोगुलाइ आनु उथासुन् आछा नारिन् एयिमु बोल्जु आमि थाइ आमि उगेइ । खोयार् उन् खोगोरुन्दु खेब्थेगे बुलुगे खेमेन् बुरिन् ए उगुलेग्सेन् दुर् । खागान् खोबेगुन् यागारान् गार्खु इ दुर् । थुशिमेल् दाखिन् ओछिरुन् । आबाइ थुर् बायिजा । थेगुन् उ इरेखु छाग् आनु आरायिखान् एदुइ । खेरेग् थेइ यागुमा आब्छु ओछि खेमेगेद् । निगेन् येखे ऊथा ओङगोसुन् ओग्बेइ । खागान् खोबेगुन् थेगुन् इ आबुगाद् ओदछु । खागान् एछिगे यिन् दु खुर्छु उजेबेसु । थुशिमेल् उन् उगुलेग्सेन् योसुगार् आजुगु । खागान् खिलाम् खिजु खारागाद् । आबाइ आबाइ छि मिनु आमिथु बिलिउ । आछि थु एछिगे युगेन् सानाबासु । आरासु यि मिनु छि मेदे । आमि यि मिनु बिथेगेइ थासुल् खेमेन् गुयुन् खेब्थेबे । थेदुइ थेरे शिम्नु उदेशि यिन् खिरि बोल्वुइ दुर् खुर्छु इरेगेद् । थेरे उयागमान् खोरिन् खुमुन् इ छिस् थास् खिथाला थासुर् थाथान् जाल्गिजु ओर्खिगाद् । यासुन् इ इनु दोर्गिजु ओर्खिबाइ । थेरे दोथोरा गेर् थु ओरोन् । येखे सोर्गुल् आछा गेखुलेरे । खागान् खोबेगुन् सेलेम् बेन् सुगु थाथान् ।

घर में प्रवेश करती है और कहती है—बड़ी नाली (सोरुगुल्) लाओ (आछा) । बड़ी नाली को लेकर (आबुगाद्) राजा के पेट (गेदेसुन्) के ऊपर (देगेरे) रख कर चूसती है (सोरुमुइ) । इसके कारण तुम्हारे पिता का पेट घर के परिमाण (छिनेगे) का, सिर (थोलुगाइ) कड़ाहे (थोगोन्) के परिमाण (थेदुइ) का, जंघा (शिल्बिन्) तिनके (देरेसुन्) के समान, ग्रीवा (खोगुलाइ) धागे (उथासुन्) से भी सूक्ष्म (नारिन्) हो गई है। प्राणवान् (आमि थाइ) तथा प्राणहीन (आमि उगेइ), दोनों के बीच में (खोगोरुन्दु) तुम्हारे पिता लेटे हैं (खेब्थेगे बुलुगे) । इस प्रकार पूर्ण रूप से कहने पर राजकुमार शीघ्रता से निकला । मन्त्री ने फिर (दाखिन्) कहा—प्रियवर (आबाइ), क्षणभर (थुर्) ठहरो (बायिजा) । उसके आने का समय अभी नहीं हुआ (आरायिखान्), आवश्यक सामग्री (यागुमा) ले कर जाओ (आब्छु ओछि) । यह कह कर एक बहुत बड़ा बोरा (ऊथा) ऊन (उङगसुन्) का दिया । राजकुमार उसको ले कर चला गया । अपने राजा पिता के पास पहुंच कर देखा तो मन्त्री के कहे अनुसार ही था । राजा ने तिरछी आंख से देखा (खिलाम् खिजु खारागाद्) और कहा—हे मेरे प्रिय, क्या तुम जीवित हो (आमिथु बिलिउ) । यदि अपने कृपालु पिता की चिन्ता करो तो तुम मेरे चमड़े (आरासु) को संभालो (मेदे) । मेरे प्राणों को मत तोड़ो (बिथेगेइ थासुल्)—यह प्रार्थना कर लेटा रहा (गुयुन् खेब्थेबे) । तब वह डायन सन्ध्या का समय (खिरि) होने पर आ पहुंची । उन बांधे हुए (उयागसान्) बीस मनुष्यों को कटकट (छिस् थास्) करते २ (खिथाला) टूटने तक (थासुर्) खींचा (थाथान्) और निगल (जाल्गिजु) छोड़ा (ओर्खिगाद्) । इनकी हड्डियों को थू थू करके (दोर्गिजु*) फेंक दिया । फिर उसने घर में प्रवेश किया और ज्यों ही उसने कहा (गेखुलेरे) "बड़ी नाली दो", राजकुमार ने अपनी तलवार खींच कर (सुगु थाथान्)

* श्री बॉडन—with a rattle.

१०८ थोलुगाइ यि इनु थासु छाञ्छिबासु । खोगुसुन् छेगेजिन् इनु । खागान् इ जाल्गिन् गेथेले । खागान् उ एमुने बेन् बेलेदुन् थाल्बिरसान् ऊथा थु ओङ्गोसुन् इ जाल्गिगाद् । खागान् इ जाल्गिन् एसे छिदाबाइ । खागान् खोबेगुन् । थेरे शिम्नु यि । ओलान् इर्गेन् इयेर् येखे थुलेयेन् इ खोरियाल्गाजु थुइमेर्थेन् ओर्खिगाद् । खागान् । एछिगे युगेन् आमिदुरागुलुन् खान् बा । खाराछुस् इ जिर्गागुल्जु । खाथुद् खेउखेद् इयेन् आब्छु इरेगेद् । खोयार् खागान् उ उलुस् इ एजेलेन् थेद्खुजु खोयार् थिब् उन् येखे उलुस् इ गेयिगुल्जु शाशिन् थोरु खोयार् इ थेग्शि बारिन् । ओलान् आमिथान् इ नोम् उन् जिर्गाल् इयार् गेयिगुलुग्सेन् थेयिमु छाग़लाशि उगेइ एर्देम् थु खागान् उ शिरेगे बुलुगे । छि थेगुन् दुर् । आदालि थेयिमु गायिखाम्शिग् थु खागान् बुगेसु एने शिरेगेन् दुर् सागु । थेयिमु बुसु बोल्बासु एने शिरेगेन् दुर् सागुजु उलु बोल्मुइ खेमेन् उगुलेग्सेन् निगेन् मोदुन् खुमुन् उ आर्बान् दोथुगेर् बोलुग् ।।

उसके सिर को (थोलुगाइ) काट डाला (थासु छाञ्छिबासु) । उसकी खोखली छाती (खोगुसुन् छेगेजिन्) राजा को निगलने लगी (जाल्गिन् गेथेले) तो राजा के सामने सज्ज रखे हुए (बेलेदुन् थाल्बिरसान्) थैले वाले (ऊथा थु) ऊन को (ओङ्गोसुन्) निगल गई और राजा को न निगल सकी । राजकुमार ने उस डायन के लिये बहुत जनता (इर्गेन्) से बड़ा भारी ईंधन (थुलेयेन्) इकट्ठा करवाया (खोरियाल्गाजु) और उसको आग लगा (थुइमेर्थेन्) छोड़ी (ओर्खिगाद्) । अपने राजा पिता को जीवित किया (आमिदुरागुलुन्) । राजा और प्रजा प्रसन्न हुए । वह अपनी रानी और बच्चों को ले आया और दोनों राजाओं की प्रजा को अधीन कर (एजेलेन्) पाला (थेद्खुजु) । दोनों द्वीपों (थिब्) की महती जनता को प्रकाशित कर (गेयिगुल्जु), धर्म और शासन दोनों को समान रूप से (थेग्शि) संभाला । अनेक प्राणियों को धर्म के सुख (जिर्गान्) से प्रकाशित करने वाले ऐसे अचिन्त्य (छाग़लाशि उगेइ) गुणवान् राजा का यह सिंहासन है । तुम उसके समान ऐसे अद्भुत राजा हो तो इस सिंहासन पर बैठो । किन्तु यदि ऐसे नहीं हो तो इस पर बैठना न होगा ।

यह है एक पुतली का कहा हुआ तेरहवां* अध्याय ।।

* आर्बान् दोथगेर् = चौदहवां । सो ठीक नहीं ।।

༄༅། །རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཊི་ཏྱའི་སྤྱོད་པ་ཞིང་མི་དང་པོ་ནས་བཅུ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་
རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བུརྫི་དང་ཕན་ཚུན་སྦྲ་བར་བྱེད་པའི་ལོ་རྒྱུས་བཞུགས་སོ༎

།ན་མོ་གུ་རུ་མཉྫུ་གྷོ་ཥཱ་ཡ།

༄༅། དུས་དང་གནས་སྐབས་ཐམས་ཅད་དུ་རྗེས་སུ་བཟུང་དུ་གསོལ། འདིར་སྟོན་སུམ་ཅུ་རྩ་གསུམ་གྱི་གནས་སུ། ལྷའི་དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ལྷའི་བཟོ་བོ་བི་ཤྭ་ཀརྨ་ལ་རིན་ཆེན་སྣ་ཚོགས་ལས་གྲུབ་པའི་གསེར་ཁྲི་ཞིག་བཟོ་ཞིག་ཅེས་བཀའ་སྩལ་པ་ལ། བི་ཤྭ་ཀརྨས་བསྒྲུན་པའི་སྐབས་སུ། བི་ཤྭ་ཀརྨའི་བཙུན་མོས་ཉིན་རེ་ལ་བཟའ་བཏུང་སྐྱེལ་བའི་ཚེ། ཞིང་མི་རེ་བཟོས་ནས་བཟའ་བཏུང་སྐྱེལ་བས། བི་ཤྭ་ཀརྨ་གསེར་ཁྲི་ཀང་པ་སོ་གཉིས་ལ་ཞིང་མི་རེ་རེ་ནི་ཀང་པ་རེ་རེ་ལ་བདགས་པས་སོ་གཉིས་སུ་འགྱུར་རོ། །དེ་ནས་ཕྱིས་སུ་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་གདུང་བརྒྱུད་དུ་གཏོགས་པའི་རྒྱལ་པོ་བྷཱ་ལ་ནཱ་ཛ་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གིས་དབང་བའི་གསེར་ཁྲི་ཀང་པ་སོ་གཉིས་དང་ལྡན་པ་དེ་ནི་ཕྱིས་སུ་དུས་གཅིག་ཏུ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་མ་ཧཱ་སམ་ཏྟ་དིའི་བཙུན་མོ་ཆེན་མོ་མ་ཧཱ་ལ་ཀྵྨི་ཞེས་བྱ་བའི་བུ་བི་ཀྲ་མི་ཊི་ད་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གིས་སྐྱེས་པ་གཉིས་ལ་དབང་བོར་བྱེད་པའི་ཁྲི་ནི། སྟོན་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བི་ཀྲ་མི་ཊི་ད་ལ་འོག་འཛམ་བུའི་གླིང་དུ་འཁྱེར་ནས་འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་ཞེས་རང་གི་སྲས་མོ་མི་དོག་གར་མ་དང་བཅས་ཏེ་གནང་བ་ནི་འབྱུང་ཁུངས་ཡིན་ནོ། །དེ་ནས་དུས་ཕྱིས་སུ་རྒྱ་གར་གྱི་ཡུལ་གྲུ་ཆེན་པོར་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཨརྫི་བུརྫི་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གིས་རྙེད་ནས་དེ་ལ་བཞུགས་པར་འདོད་ན་ཡང་ཞིང་མི་བཅུ་གསུམ་གྱིས་བཀག་ནས་མི་བཏུབ་བོ། དེ་ནས་དུས་ཕྱིས་རིང་པ་ན་འོད་ལས་སྐྱེས་པའི་སྤྲུལ་པ་སྟོབས་ཆེན་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཀི་ཥི་ན་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གིས་ཆུ་བོ་ཆེན་པོ་ཡ་མུ་ནའི་འགྲམ་དུ་གྲོང་ཁྱེར་ཆེན་པོ་ཀུ་ཀུ་ལ་ཅེས་བྱ་བ་ལ་བསྐལ་པ་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོར་གྱུར་ནས་བཞུགས་སོ། །དེའི་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གླང་ཆེན་ཞེས་བྱ་བས་བྱིས་པ་རྣམས་རྩེད་མོ་བྱས་པ་མཐོང་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པས་ཀྱིན་བྱས་ནས་ཁྲི་དེ་ལ་བཞུགས་པར་སེམས་ནས་བློན་པོ་རྣམས་རེས་མོས་སུ་ཕྱིན་པར་ཞིང་མི་རྣམས་རེས་མོས་སུ་ཕར་ཚུར་གླེང་བར་བྱེད་པ་འདི་ནི། ~བྱང་ཕྱོགས་

འགྲོ་བའི་མགོན་པོ་བསྟན་པའི་ཉི་མ་གསལ་བར་བྱེད་པའི་རྗེ་བཙུན་བློ་བཟང་བསྟན་པའི་རྒྱལ་མཚན་དཔལ་བཟང་པོ་འདི་སྐུ་ཚེའི་རིང་ལ་རྒྱ་གར་གྱི་ཕྱོགས་ནས་འོངས་པའི་ པཎྜི་ཏ་ཨ་ཙར་ཛྙ་ན་ཞེས་བྱ་བས་རྗེ་ཉིད་ཀྱི་སྨྲུན་སྟེར་ཤིང་མི་སོ་གཉིས་ཀྱི་ལོ་རྒྱུས་ནི། རྒྱ་གར་གྱི་སྐད་ལས་སོག་པོ་འི་སྐད་དུ་བསྒྱུར་ནས་ཞུས་པ་ཡིན་པར་ རྗེ་ཉིད་ཀྱི་རྣམ་ཐར་སོག་ཡིག་གིས་བྲི་བ་ལ་ཡོད་པར་པས་རྐྱེན་བྱས་ནས་བོད་དུ་བསྒྱུར་བ་ནི་མེད་དམ་སྙམ་ནས་ཉིན་མོ་འཕྲུལ་བའི་ཐབས་སུ་སོག་ཡིག་ལས་བོད་ཀྱི་སྐད་དུ་བྲི་བར་བྱེད་པ་ནི་འདི་ལྟར་རོ།།

གླིང་གཞི།

༄ སྔོན་གྱི་དུས་གཅིག་ན་རྒྱ་གར་གྱི་ཡུལ་དུ་ཨརྫི་བརྫི་ཞེས་བྱ་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཞིག་ཡོད་དོ།། རྒྱལ་པོ་དེས་བཞུགས་པའི་གྲོང་ཁྱེར་གྱི་ལྷོ་ཕྱོགས་སུ་གླ་བོ་ཚག་ཞེས་བྱ་བའི་རི་ཆུང་ཞིག་ཡོད་དེ། གྲོང་ཁྱེར་དེའི་ཁྱེའུ་ཆུང་རྣམས་མ་ཡེ་སྐོར་མར་བྱས་པའི་ཚེ། བྱིས་པ་ཅིག་ན་རེ། བདག་ཅག་ལས་གཅིག་ནི་རྒྱལ་པོར་བསྐོད་ནས་རྩེད་མོ་བྱེད་ཟེར་བ་ལ། གཅིག་ན་རེ། དེ་ལྟར་རྩེད་མོ་བྱེད་མི་རུང་རྒྱལ་པོས་མཐོང་ན་ཤིན་དུ་གནོད་པོ་ཡིན་ཟེར་བར། ཡང་གཅིག་ན་རེ། ངེད་ཅག་གིས་ཉིན་མོ་གཅིག་ལ་རྒྱལ་ཟར་འགྱུར་ནས་རྩེད་མོ་བྱེད་པ་ལ་ཉེས་པ་ཅི་འགྱུར། ང་ཅག་རྟག་ཏུ་རྒྱལ་པོར་བསྐོད་ནས་ཡུལ་ཁམས་ལ་དབང་བར་བྱེད་སྐད་པ་ནི་མ་ཡིན་པས་ཅི་ཡིས་སྡུག་གོ་ཟེར་བ་ལ། གཅིག་ནི་བདེན་ཟེར་བ་ལ། ཡང་ཅིག་ན་རེ། དེ་ནི་བདེན་ནོ་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་ནས་བསྐོད་པ་ལ་སུས་བསྐྱོད་ཟེར་བ་ལ། ཡང་གཅིག་ན་རེ། ངེད་ཅག་ས་ཐག་རིང་པོ་ནས་རྒྱུགས་ནས་གང་སྔོན་དུ་གདང་བ་དེས་རྒྱལ་པོར་བསྐོད་དོ་ཞེས་གྲོས་བྱེད་ནས་བྱིས་པ་ཞིག་སླེབས་པས་གླུ་བོ་ཚག་ཟེར་བ་ལ་རྒྱལ་པོར་འདུག་པ་ལ། བྱིས་པ་རྣམས་བྱིས་པ་གཞན་གྱི་གྲི་དང་སྣ་རགས་སོགས་ཀུས་པར་བྱེད་པ་བཞིན་དུ་སྦྲས་ཏེ་རྒྱལ་པོ་ཡིན་ཟེར་བའི་ཁྲིའུ་དེ་ལ་ཞལ་ལྕེ་གཏོད་པར་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་ཐོས་ནས་བདེན་པར་སླ་བ་དང་། བརྫུན་པར་སླ་བ་ཐམས་ཅད་ནི་ཤེས་ཤིང་མཐོང་བ་ལྟར་གཏོད་པར་བྱེད་པས། བྲིས་པ་གཞན་རྣམས་ཀྱིས་གཅིག་ལ་གཅིག་གིས་སླ་བར་བྱེད་ནས་ངོ་མཚར་ནས་རྩེ་བར་བྱེད་པ་ཡོད་དོ།།

༄ སྔོན་དུས་སུ་ཡུལ་གྲོགས་རེར་ཕྱུགས་པོ་གཅིག་ཀཱ་ལེན་ཞེས་བྱ་བའི་མིང་ཅན་མིས། གཞན་སྙིང་རྗེ་བ་རི་ལྦཱར་ལོག་མིང་ཅན་གཅིག་ལ། རང་གི་ཁྲིམ་དུ་བོས་ནས་བཟའ་བཏུང་སྟེར་བའི་ཚེ། རང་ལ་ཡོད་པའི་ཚེ་དངུལ་སྲང་བཅུ་སྐྱོམ་པར་བཅུག་ལོང་མེད་པར། གཞན་ནས་མགྲོན་པོ་ཞིག་སླེབ་བྱུང་བ་ལ། གོང་དུ་བོས་པའི་མགྲོན་པོ་འདི་སྟན་འོག་ཏུ་བཞག་ནས། ཕྱིས་འོང་བའི་མགྲོན་པོ་ལ་བསུ་བ་བྱུང་བ་ལ། དེ་ལྦཱར་ལོག་བསྡད་འདུག་པར་བྱེད་པའི་སྟན་ལག་པས་སྤུལ་བས་དངུལ་ཡོད་པར་ཤེས་ནས། ཁྲིམ་བདག་ཀཱ་ལེན་ཕྱིར་འཁྲོན་པའི་སྐབས་སུ་བཀུ་ནས་ལེན། ཀཱ་ལེན་རེས་མགྲོན་པོ་ཐོན་པའི་རྗེས་སུ། དངུལ་བཙལ་བས་མི་རྙེད་པར་མི་གཞན་མེད་པས། ངེས་པར་ལྦཱར་ལོག་ལེན་བསམམས་ནས། ལྦཱར་ལོག་ཁྲིད་ཀྱི་གདན་འོག་ཏུ་བཅུག་པའི་དངུལ་ཀུ་ནས་བླང་ངོ་ཟེར་ནས། ཡང་ཡང་རློགས་པས་ལྦཱར་ལོག་ངོ་ཚ་ནས་མ་བྱིན་པར། ཀཱ་ལེན་རེས་རྒྱལ་པོ་ཨཛེ་བུཛེ་ལ་ཞུས་པར་འོངས་པས། ལྦཱར་ལོག་ཉིད་མགྲོན་དུ་བོས་པའི་རྒྱུ་མཚན་དང་དངུལ་སྟོར་བའི་རྒྱུ་མཚན་གྲངས་ནས་རྩོད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་རེས་སྨྲས་པ། ཁྱོད་དངུལ་མི་འདི་ལ་བཙང་བ་མེད་ལ། དངུལ་བཞག་པ་ལ་མི་འདྲིས་མཐོང་བ་མེད་པའི་ཕྱིར། མི་འོས་པའི་འོལ་ཚད་ཙམ་གྱིས་མི་འདྲིས་བླངས་སྨམ་པ་ནི་མི་རིགས་དངུལ་དངོས་སུ་མ་མཐོང་བས་ཤིན་དུ་མི་རིགས་ཞེས་བཀའ་བཀྱོན་མང་པོ་མཛད་དོ༎ དེ་ནས་ཀཱ་ལེན་རེས་ཤིན་དུ་མི་དགའ་བར་བྱས་ནས་ཕྱིར་ཁྲིམ་དུ་སླེབ་ཙ་ན། ཁྱིའུ་རྣམས་རྩེད་མོ་བྱས་པའི་གྲོ་བོ་ཚག་ལ་སླེབ་བྱུང་བར། དེ་ཉིན་ལ་རྒྱལ་པོ་བྱས་པའི་ཁྱིའུ་ཐོས་ནས། ཁྱིའུ་གཞན་ཞིག་གཙོལ་ནས་མི་དེ་ཚུར་སླེབ་འོང་བ་ལ། རྒྱུ་མཚན་དྲིས་པ་ལ། མི་དེས་སྔར་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ་དང་རྒྱལ་པོས་གཅོད་པ་སོགས་ཞིབ་པར་སྨྲས་པས། རྒྱལ་ཆུང་རེས་གྲུས་ཤེས་ནས་བོས་དེ་ཀཱ་ལེན་དང་ལྦཱར་ལོག་གཉིས་ཀྱི་ལག་མཐིལ་ལ་ཡི་གེ་བྲིས་དེ། གང་གང་བདེན་ན་ཡི་གེ་འདི་རླུང་གིས་ངང་གི་གསལ་བ་ཡོད། ཁྱེད་ཡང་ཡང་བདེན་བདེན་བྱས་ནས་འདུག་ཟེར་བཅོལ་དེ་འདོམ་གང་བཀྲུའི་ཐར་ས་ན་འདུག་སྟེ། ལྦཱར་ལོག་གི་ཆུང་མ་བོས་ནས་དྲིས་བ་ལ། ཁྱོད་ཀྱི་ཁྱོ་ནི་དངུལ་སྲང་བཅུ་ཁྱེར་ནས་ཁྱེད་ལ་བྱིན་དེ་གྲོམ་དུ་སྩུད་ཟེར། བདེན་ནམ་ཞེས་དྲིས་ན། མོས་བརྟུན་ཟེར་བ་ལ། དེ་ལྟ་ནའང་ཁྱོ་ལས་བདེན་ནམ་བརྟུན་ནམ་ཞེས་འབོད་ནས་དྲིས་ཟེར་བར། མོས་དེ་འདྲ་སླ་མདོན་པར་པོ་ནི་བདེན་ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། མོ་ནི་ཁྱོད་བདེན་ཞེས་ཟེར་ན་ང་ལ་སྐྱོན་མེད་ཟེར་

ནས། འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། བདག་གི་ཁྱོ་ནི་དེ་ཕྲུགས་བྲ་ཀཱ་ལན་རང་གི་ཁྱིམ་ལ་བོས་ནས་བརྟེན་པ་
བྱིན་པར། དེའི་ཁྱིམ་ནས་དངུལ་སྲང་བཅུ་བདག་གི་ཁྱོ་བླངས་འོངས་ཏེ། ང་ལ་བྱིན་པར་བདག་སྨྲོས་
ཚུང་ངུར་བཅུག་ནི་བདེན་ཟེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་དེས་དངུལ་ལེན་དུ་འོངས་ཏེ་ལེགས་པར་བལྟས་ནས་སྨྲས་ཏེ།
ཀཱ་ལིན་ནས་ཁྱོད་ཀྱི་དངུལ་ཅེས་བཅིངས་ཏེ་བཞག །ཆེ་ཚུང་ཇི་ལྟར་ཡོད་དྲིས་པ་ལ། ཀཱ་ལིན་གང་
གང་གསལ་བར་སྨྲས་པ་ལ་ཡིན་པར་ངེས་ནས། རྒྱལ་ཚུང་དེས་རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བྲྫི་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་
སྨྲས་སོ། །ཨས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཁྱེད་ཁྲིམས་གཉིས་ལེགས་པར་བཟུང་བའི་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་བ་ལ།
བཤགས་པ་འདི་ཡངས་པར་བདང་བ་ནི་ཅི་ཡོད། ང་ནི་གཅོད་པ་འབྱེད་ནས་ལེགས་པར་ཐོབ་པ་འདི་
ནི་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ཁྲལ་དང་དགོས་པ་ཀུན། ང་ཡི་གཅོད་པ་ལྟར་བསྟན་སྲིད་གཉིས་ཀ་སྐྱོང་ནུས་རྒྱལ་པོར་
འདུག །དེ་ལྟར་མི་ནུས་ན་ཁྲི་ཡང་ང་ལ་བྱིན་ཅིག །རྒྱལ་པོ་ཡི་ཚབ་དུ་བདག་སྡོད་ཟེར་ནས། མི་
དེ་རྣམས་དངུལ་དང་བཅས་པ་བསྐྱེལ་ཏེ་གཏོང་བས། རྒྱལ་པོ་ཡི་སྣ་དྲངས་ཀུན་ཀྱིས་ཡ་མཚན་ནས་དངུལ་
དེ་བདག་པོ་ལ་གཏད་དོ། ལྷཱར་ལོག་དེ་ལ་བཀའ་བཀྲིན་ཆེན་པོ་མཛད་དོ༎

ༀ ཡང་ཕྱི་དུས་གཅིག་ན་ཡུལ་དེ་ཉིད་དུ། རྫུ་ནའི་མིང་ཅན་ཅེས་བྱ་བའི་མི་གཅིག །ཕྱིའི་རྒྱ་
མཚོར་རིན་པོ་ཆེ་ལེན་དུ་ཕྱིན་པའི། མི་གཅིག་ཁྱིམ་ལ་སྡུར་སླེབ་པའི་ནི་གྲུའི་མིང་ཅན་གྱིས་ལོག་པའི་ཚེ།
རྫུ་ནས་རང་གི་ཁྱིམ་དུ་དངུལ་སྲང་ལྔ་བརྒྱའི་རིན་ཅན་རིན་པོ་ཆེ་གཅིག་བྱིན་པ་ལ། ནི་གྲུས་རྫུ་ནའི་བུ་སྨད་
ལ་མ་བྱིན་པར་ཉོས་ནས་ཟོས། རྗེས་སུ་རྫུ་ནས་རྒྱ་མཚོ་ལས་ནོར་བུ་ལེན་ནས་ཕྱིར་འཁོར་བར་བྱེད་ནས་
ཁྱིམ་ལ་འོངས་པའི་ཚེ། རང་གི་བུད་སྨད་ལ་བདག་གིས་ཁྱེད་རྣམས་འཚོ་བ་བཅད་སྨུག་ཡོད་དམ་སྨམ་
བསམས་ནས། སྔར་འོང་བའི་ནི་གྲུ་གིས་ནོར་བུ་རིན་ཆེ་བ་གཅིག་བྱིན་པར་འདུག་པས། ཁྱེད་ཅག་
ཅིའི་ཕྱིར་དུ་འདི་ལྟར་རིད་པ་ལགས་ཟེར་དྲིས་པས། མོ་ན་རེ། ནི་གྲུ་གིས་ང་ཅག་ལ་རིན་པོ་ཆེ་ཡེ་
མ་བྱིན་ནོ། །གལ་ཏེ་བྱིན་ན་ཁྱོད་རང་གིས་འགྲོ་ནས་དྲིས་ཟེར་བར། ཁྱོ་ནི་ནི་གྲུ་གི་ལས་དྲིས་པས།
ནི་གྲུ་གི་ན་རེ། བདག་ཁྱོད་ཀྱི་བུ་སྨད་ལ་བྱིན། དེ་ཤེས་པའི་མི་ཡང་ཡོད། ཁྱོད་སྔར་ཁྱིམ་དུ་འགྲོ་
ནས་ངེས་པར་དྲིས་ཟེར་བར། སླེབས་ནས་བུད་མེད་ལ་དྲིས་པ་ལ། ནི་གྲུ་གིས་ནོར་བུ་ཁྱོད་ལ་ངེས་
པར་བྱིན་པའི་ཚེ། ངེས་པར་ཤེས་པའི་མི་ཡང་ཡོད་དམ་ཟེར། ཁྱོད་ཀྱང་དེ་ཙམ་གྱི་རིན་ཆེ་བའི་

ནངོམ་པོ་བླངས་ནས་ཇི་ལྟར་འདོར། དོར་ནས་མི་ལ་ལྷེབ་བྱེད་པའི་རྒྱ་མཚན་དྲིས་ན། མོས་ནི་ཙུ་གི་སྲུ་ཡི་
ཧྲུང་དུ་གདད་དམ། ནོར་ཐང་ཆེ་བའི་ནོར་པོ་ཆེ་ང་ཅག་ལ་གདད་ནས་བདག་ཅག་འདི་ལྟར་རེད་པ་ལགས་
ཟེར། ནི་ཙུ་གི་ཏེ་ཐབས་ཟད་ནས་འདི་སྐད་སེམས། ནོར་པོ་ཆེའི་བདག་པོ་ནི་རྒྱ་མཚོ་ལས་མི་འཁོར་
བར་བསམ་དེ་ནོར་པོ་ཆེ་སྦྲས་ནས་བཀོལ་པ་ལགས། འདི་སླེབས་ནས་འདི་འདྲའི་མི་འོས་པ་བྱུང་སྟེ།
ད་ལྟ་མི་གཅིག་ལ་ཐབས་བྱས་ཏེ་དབང་དུ་མ་འཇུག་ན། ནོར་པོ་ཆེ་འདི་ནི་རྒྱལ་པོར་མི་ནུས་པར་བསམས་
ཏེ། གྲོང་ཁྱེར་དེའི་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གཉིས་ལ་འགྲོ་ནས། ཛུ་ནའི་མིང་ཅན་མི་ང་ལ་རང་གི་ཁྱིམ་ལ་བདང་
བའི་ནོར་ཆེར་ནི་བདག་མ་བུ་ལ་ནི་ངེས་པར་བྱིན་པ་ལགས། མོས་དེས་ལེན་པ་ལ་མི་ཞེས་ཟེར་ནས།
ང་ལ་ངེས་ལྷེབ་པ་ཡིན་པས། ཁྱེད་གཙས་པས་བདག་ལ་དབང་དུ་འགྱུར་ནས་ང་རང་གིས་ནོར་པོ་ཆེ་དེ་ནི་
མོ་ལ་བྱིན་པར། ང་ཅག་གཉིས་ཀུང་ཡོད་དོ་ཟེར་ན། ང་ལ་དྲིན་ཆེ་བས་ངེས་པར་ན། ང་ཁྱེད་
གཉིས་ལ་སྲུ་ཏིག་དཀར་པོ་ཞེ་ཕྲེང་བ་རེ་རེ་ཕུལ་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་དེ་གཉིས་དང་དུ་བླངས་ནས་དེ་སྐད་
གསོལ་ཟེར། དེ་ནས་ཛུ་ནས་ནི་ཙུ་གི་ལ་སོང་ནས། ཁྱོད་ནོར་པོ་ཆེ་རང་གི་ཁྱིམ་ལ་གདང་བར་མ་བུ་
ཡི་མ་ཤེས། བདག་ཁྱེད་ལ་ཡིད་ཆེས་ནས་ནོར་པོ་ཆེ་བྱིན། ཁྱོད་འདི་ལྟར་ངན་སེམས་བསྐྱེད་དེ་ང་
ལ་མ་བྱིན་ན། བདག་གཤགས་ས་པ་ཆེན་པོར་བྱེད་པར་འགྲོ་ཟེར་ནས། རྒྱལ་པོ་ཨཛི་བྱཛི་ལ་སོང་ནས་
རྒྱ་མཚན་རྣམས་ཞིབ་པར་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དེས་ནི་ཙུ་ག་བོས་ནས། མི་འདིས་ཡིད་ཆེས་ཏེ་ནོར་ཆེན་
བྱིན་པར། ཡི་མ་བྱིན་པ་ནི་ཅི་ཉེས་ཟེར་བ་ལ། ནི་ཙུ་གི་ན་རེ། འདིའི་མོས་ལྷེབས་ཏེ། བདག་
གིས་བྱིན་པའི་ཚེ། ངེས་པར་ཤེས་པའི་བློན་པོ་ཐ་ད་དང་ཨཀ་གཉིས་ཀྱི་མདུན་དུ་བདད་པ་ནི་དེ་གཉིས་ཤེས་
པར་འདུག་ཟེར། རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་བློན་པོ་དེ་གཉིས་ལས་དྲིས་པས་ཤེས་པར་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་
བློན་པོ་གཉིས་འབོད་ནས་དྲིས་པས། དེ་གཉིས་ན་རེ། ཁོ་ཅག་གཉིས་ནོར་ཆེན་སྟེར་བ་ནི་ཤེས་ཟེར་བར།
ནོར་བུའི་བདག་པོ་ལ་བཀྲོན་མཛད་དེ། ཁྱོད་ཀྱི་ནོར་བུ་དེ་མོ་ལ་སྟེར་བར་མཐོང་བའི་མི་ཡོད་པར་ལགས་
ན། ཁྱོད་བུད་སྨད་ཀྱི་ཚིག་གིས་ལྷེབས་པ་ནི་ཅི་ཡིན་ཞེས་བཀའ་བཀྲོན་མཛད་དོ། །མི་དེས་ཤིན་ཏུ་མ་
དགའ་ནས་ཁྱིམ་གྱི་ཕྱོགས་སུ་ཕྱིན་པའི་ཚེ། ཁྲེཙུ་ཚུང་མང་པོ་རྩེད་མོ་བྱེད་པའི་གནས་གླུ་བོ་ཚག་ལ་གདད་
ནས་འགྲོ་བ་ལ། རྒྱལ་ཚུང་མཐོང་ནས་བོས་པས་སླེབས་པར་དྲིས་པས། དེས་རྒྱ་མཚན་རྣམས་རྒྱས་པར་

ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་བཀའ་སྩལ་པ། ཁྱེད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་རིམ་ཆད་བ་གཙོད་པ་བཞིན། བདག་མི་རྟུང་
བས་ད་ར་ཤེག་དེ་གཙོད་པ་ཡིན་ཟེར་ནས། བློན་པོ་གཉིས་དང་མི་གཉིས་དང་བཞི་ཀ་ཚོགས་པར་བློན་
པོ་གཉིས་ལས་ཁྱེད་གཉིས་ཀྱིས་རིན་པོ་ཆེ་མོ་ལ་སྤྱོར་བའི་ཚེ། དངོས་སུ་རིན་ཆེན་མཐོང་ངམ་ཞེས་དྲིས་
པར་ངེད་གཉིས་དངོས་སུ་མཐོང་ལགས་ཟེར། རྒྱལ་ཚུང་རིམ་ཛྷ་ན་ནིའུ་གི་ཐ་ད་ཨཀ་བཞི་པོ་ཕྲུགས་བཞི་
ན་རིང་རིང་པར་འདུག་པ་ལ། མི་གཅིག་མངག་གཞུག་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་བདད་ནས། ཁྱེད་བཞི་རིན་
པོ་ཆེ་དང་འདྲ་བ་འཛམ་པས་བཟླས་ལ་ཤོག་ཅིག་ཟེར་བར། ཛྷ་ན་ནིའུ་གི་གཉིས་བྱིན་པ་དང་ལེན་པར་
བྱས་པ་ཡིན་པས་རིན་པོ་ཆེ་དང་འདྲ་བར་བཟོས། བློན་པོ་གཉིས་ཀྱིས་མ་མཐོང་བས། གཅིག་གིས་ནི་སུ་
ལར་རིན་ཆེན་དང་འདྲ་བའམ་སྐམ་ནས་དུའི་མགོ་ལྟ་བུ་གཅིག་བྱས། གཅིག་གིས་ནི་ངེས་པ་འདི་ལྟར་
ཡིན་སྐམ་ནས་ཁ་ཚུར་ཙམ་གཅིག་བྱས། རྒྱལ་ཚུང་དེ་རྣམས་ཀྱིས་བཟོ་བ་རྣམས་མཐོང་ནས་བཞི་པོ་མེ་
འདྲ་བས། བློན་པོ་དེ་གཉིས་ལས་དྲིས་པ། ཁྱེད་གཉིས་རིན་ཆེན་སྤྱོར་བའི་ཚེ་མཐོང་ཞེས་སླ་བ་ནི་ཤིན་
ཏུ་བརྟེན་པར་གདའ། མཐོང་བ་ནི་བདེན་པ་མིན། མི་འདིས་བཟོ་བྱས་པ་ལྟར་བཞི་པོ་འགྲིགས་ན་རྟུང་
སྟེ། ཡེ་མི་འདྲ་བས་ཁྱོད་གཉིས་ཀྱིས་གཞན་གྱི་ངོར་བལྟ་ནོར་ལ་ཞེན་ནས་དཔང་དུ་བཙུག་པ་ནི་ངེས་
པ་ཡིན་ཟེར། བདེན་པར་སླ་ན་ལེགས་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་ལ། བློན་པོ་དེ་གཉིས་ཀྱིས་ཚིག་ལ་
བདུགས་ནས་རིན་ཆེན་གདད་པ་ནི་ང་མ་མཐོང་བ་ནི་བདེན། མི་འདིས་ང་ཅག་ལ་སླ་བ་ལ་ངེས་པར་བྱེད་
པ་ནི་བདེན། མི་འདིས་ལྐུགས་པ་སྐད་ཟེར། བདག་ཁྱེད་གཉིས་ལ་སྟུ་དིག་དཀར་པོའི་ཕྲེང་བ་རེ་
བྱིན་ཟེར་ནས། ང་ཁྱེད་གཉིས་དཔང་དུ་འཛུག་ཟེར་བར་ངེད་གཉིས་རྒྱལ་པོ་ལ་རིན་པོ་ཆེ་སྤྱོར་བ་ལ་ངེད་
གཉིས་མཐོང་ཞེས་བརྟེན་གྱིས་ཞུས་པ་ལགས། རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ལྷ་བུ་དབྱེ་ཕྲ་གཙོད་པར་མ་ནུས་མོ་ཟེར་
བ་ལ། རྒྱལ་ཚུང་རིམ་བཞི་པོ་རེ་དག་རྒྱལ་པོ་ཨཛྫ་བུཛྫ་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་བསྒྲིལ་ལོ། རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་
ལུགས་གཉིས་བརྟུང་བའི་ཕྱིར། ཁྲལ་དགོས་རྣམས་ཚུལ་བཞིན་བྱས་ནུས་པ་མེད་པའི་ཁར། གཞན་
གྱི་ངོར་བལྟས་ནས་འདི་ལྟར་ལོག་པར་བཅད་དམ། རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་བདག་འདྲ་བར་གཙོད་ནུས་ན་རྒྱལ་པོར་
འདུག །མི་ནུས་ན་ཁྲི་རེ་ཡང་ཞུ་ཅག་ལ་བྱིན་ཟེར་དེ་བསྒྲིལ་བར། རྒྱལ་པོ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་
ཀྱིས་ཁྱེའུ་ཚུང་ལྷ་ཞོག །གང་མི་ཆེན་པོ་རྣམས་ཀྱིས་དབྱེ་བར་དཀའ་བའི་འདི་ལྟར་ངོ་མཚར་བའི་བློ

དང་ལྡན་པའི་ཁྱི་ཙུ་ཆུང་ངོ་ཞེས་ཡ་མཚན་ནོ། བློན་པོ་དང་རིན་པོ་ཆེ་མ་སྟེར་བའི་མི་རྣམས་ལ་བཀའ་བཀྱོན་བྱས་ནས་རིན་པོ་ཆེ་བདག་པོ་ལ་སྤྲད་དོ།།

༄ ཡང་དུས་གཅིག་ན་རྒྱལ་པོ་ཨཛྙ་བུཛྙ་གཞན་རྒྱལ་པོ་གཅིག་དང་འཐབ་ནས་དམག་མི་རྣམས་གཅིག་སྟོང་བཤམས་འདོན་པར། བློན་པོ་ཀུན་པོ་འི་བུ་ཅིག་དམག་དུ་འགྲོ་འོ། །ཕྱིས་དམག་རྣམས་ལོག་བྱུང་བའི་ཚེ། བློན་ཀན་གྱི་བུའི་ཞོན་པ་རྣམས་ངན་པས་ཁྲིམ་ལ་སྦྱར་འོང་བའི་མིས། ཕ་མ་ལ་འདི་སྐད་དོ། བདག་བདེ་ལེགས་སུ་བགྲོད་པས་ཉིན་མོ་འདི་ལ་སླེབ་རྒྱུང་ཡིན་པ་ལ། ཞོན་པ་ངན་པས་སང་ཉིན་དུ་ཕྱིན་པས་ཁྱེད་རྣམས་བདེ་མོ་ལགས་སམ་ཞེས་བཅོལ་སྐྱེ་བས། ཕ་མ་དང་བུ་སྨད་ཀུན་མཉམ་ནས་ཤིན་དུ་དགའ་བར་གདའ་བ་ལ། བདུད་ཞིག་བློན་བུར་སྤྲུལ་ནས་དགོངས་ཀ་དེ་ཉིད་ལ་འོངས་པས། གན་གོར་ལ་འཁྲུད་ནས་སྨྲས་པ། ད་སོགས་ངལ་བས་འདི་ཉིན་ལ་སླེབ་མི་ནུས་སྐབས་ནས་སྦྱར་འོང་བའི་མིས་ཕ་མའི་བདེ་ཉུས་ནས། བདག་བདེ་སང་ཉིན་འོང་ཞེས་བསམས་ཀྱང་། ཇི་ལྟར་ཞོན་པ་ངལ་ཀྱང་དམག་ལ་འགྲངས་པས་ཁྱེད་རྣམས་ལ་འཁྲུད་པར་དགའ་ནས་ལ་ཞུར་སླེབ་ཐེར་བར། བདེན་སྐབས་ནས་ཤིན་དུ་དགའ་བ་བྱུང་། ད་དང་གོས་སོགས་ཀུན་བུ་དང་འདྲ་བས་བུ་ཡིན་པར་ངེས་བསམས། བུ་འདི་ནི་བདེ་བར་སླེབ་ཡོངས་ཐེར་དགའ་བར་འདུག་པ་ལ། སང་ཉིན་རང་གི་བུ་དངོས་ནི་སླེབ་བྱུང་བ་ལ། ཕ་མ་ལ་སོགས་པ་ཀ་ལས་དེ་གང་གང་ཡང་བུ་དངོས་དང་འདྲ་བ་ལགས། བུ་དེ་གཉིས་ཕ་མ་དང་བུ་སྨད་སོགས་ལ་རྩོད་པས་མ་འཆམ་པར། རྒྱལ་པོ་ཨཛྙ་བུཛྙ་ལ་ཞུས་ནས་རྩོད་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་བཀའ་སྩལ་པ། ཁྱེད་གཉིས་ཀུན་ནས་མཚུངས་ངོ་ཤེས་དཀའ་སྟེ། ཁྱེད་གཉིས་ཕ་མེས་ཀྱི་རབས་བགྲངས་ནས་སམ་ཐེར། བུ་དངོས་ནི་ཕ་མེས་ཀྱི་རིམ་པ་གསུམ་བཞི་ལས་མ་འབྱུང་། བདུད་ཀྱི་བུས་རབས་བདུན་གྱི་བར་དུ་ཆགས་གྲོགས་མེད་པར་བགྲང་བས། བདུད་བུས་བུ་དངོས་ཡིན་པར་ཐག་ཆད་ནས་རང་གི་བུ་བསྐྱད་དོ། །བུ་དེས་སེམས་ཤིན་དུ་ཡི་མུག་ནས་འགྲོ་བ་ལ། རྒྱལ་ཆུང་དུས་འདུག་པའི་གྲོ་བོ་ཚག་ལ་གཏད་ནས་ཕྱིན་པས། རྒྱལ་ཆུང་དུས་བལྟས་ནས་བོས་ཏེ་འོང་བས་འགྲོ་བའི་རྒྱུ་མཚན་དྲིས་པས། སྔར་ལོ་རྒྱུས་ཞིབ་པར་ཞུས་པས། ཡང་བདུད་བུ་འབོད་དེ་འོང་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་སྨྲས་པ། ཁྱེད་གཉིས་རྒྱང་རིང་པོ་ནས་རྒྱུགས་ཏེ་གང་བྱམ་པའི་ནང་དུ་ཚུད་པ་དེ་བློན་པོ་འི་བུ་དངོས་ཡིན། མ་ཚུད་

པ་དེ་བློན་པོ་འི་བུ་དངོས་ནི་མ་ཡིན་ཟེར་ནས། དེ་གཉིས་དཀྲུས་ས་ཐག་རིང་པོ་ནས་དཀྲུས་དེ་སྤར་བདུད་
བུ་འོངས་ནས་བུམ་པར་བཙུག ། དེའི་རྗེས་སུ་བློན་པོ་འི་བུ་འོངས་དེ་བུམ་པར་བཙུག་གོ་སྐམ་པར་ལུས་
ལྷ་ཞོག་ལག་པ་ཡང་མ་ཐར་བས། རྒྱལ་པོ་ཡང་བུམ་པའི་ཁ་ལེགས་པར་བཀབ་ནས། རྒྱལ་པོ་ཨཱརྡྷ་
བུརྡྷ་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་ཡི་གེ་དང་བཅས་པ་བསྐུར། བདུད་བུ་འདི་པ་མེས་ཀྱི་རབས་བདུན་མ་ཟད་བརྒྱུའི་
བར་དུའང་འདྲེན་ནུས་པ་ཡིན་པས། དེ་ཙམ་གྱིས་བློན་པོ་འི་བུ་ཡིན་པར་ཐག་བཅད་པ་ནི་མི་རིགས།
ང་ནི་ཐབས་ཀྱིས་ངོ་ཤེས་ནས་ཁྱེད་ལ་བསྐུར་བ་ཡིན། བློན་བུས་པ་མེས་ཀྱི་རབས་རྒྱུད་མ་ཤེས་པ་དང་
བུམ་པར་བཙུག་མི་ནུས་པ་ལ་བློན་པོ་འི་བུ་འདི་དངོས་ཡིན་ནོ། རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ལེགས་ཉེས་ཆོས་བཞིན་
གཅོད་ན་བདག་ལྷ་བུར་ལེགས་པར་གཅོད། དེ་ལྟར་མི་ནུས་པར་བདུད་ཀྱི་བུ་ལ་བསྐྲུས་དེ་ཕ་མ་དང་
བུ་སྐྱིད་དང་བཅས་པ་འཕྲལ་ནས་སྨྲུག་པ་ནི་ཅི་ཡོད་ཟེར་ནས་བསྐུར་བར། རྒྱལ་པོ་ཨཱརྡྷ་བུརྡྷ་ཡི་གེ་དེ་
འབྲིད་ད་བལྟས་ནས་ཤིན་ཏུ་ངོ་ཚ་སྟེ་ཧ་ལས་པའི་ངང་ནས་བདུད་ཀྱི་བུ་དེ་བསྒྲིག་པར་བྱས། རྒྱལ་པོ་
ཨཱརྡྷ་བུརྡྷ་འདི་ཚར་དེ། མི་གཅིག་རྟག་ཏུ་བཞུགས་ན་རུང་སྟེ། ཉིན་རེ་བཞིན་མི་རེ་རེས་རྒྱལ་སར་བསྡད་
ནས་ཁྲལ་དགོས་པ་རྣམས་ལེགས་པར་དབྱེ་བ་ནི་ཨ་མཚར། མི་གཅིག་ཁོ་ན་ཡིན་ན་སངས་རྒྱས་བྱང་
སེམས་ཀྱི་སྤྲུལ་པ་སྙམ་སེམས། དེ་མིན་བུ་མང་པོ་རྒྱུགས་ནས་སྲུས་སྤར་འོང་བ་ནི་གྲྭ་བོ་རག་སྟེང་དུ་
བསྡད་ནས་བློ་གྲོས་དང་ལྡན་པ་དེས་གྲྭ་བོ་ཚག་ཐོལ་དོགས་ནང་དུ་ངོ་མཚར་བའི་དངོས་པོ་གཅིག་ཡོད་
སྙམ་ནས། རྒྱལ་པོས་བློན་འབངས་དང་བཅས་པ་བྱོན་ནས། རྒྱལ་ཚུང་དེས་གནས་པའི་གྲྭ་བོ་ཚག་ཐོལ་
གོས་ནི་བཤེག་སྟེ་བལྟས་པས་དེའི་ནང་དུ་གསེར་དང་རིན་པོ་ཆེས་གྲུབ་པའི་གདན་ཁྲི་གཅིག་བྱུང་། གདན
ཁྲི་དེ་ནི་གསེར་གྱི་རྐང་པ་སོ་གཉིས་དང་ལྡན་པ། རྐང་པ་རེ་རེ་ལ་ཤིང་ལས་བཟོས་པའི་མི་རེ་རེ་བདག
པ་ཡོད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ཨཱརྡྷ་བུརྡྷས་གསེར་གྱི་ཁྲི་དེ་བལྟས་ནས་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས། བདག་སྐལ་ལྡན་
གྱི་རྒྱལ་པོ་གདའ། འཇིག་རྟེན་འདི་ན་མེད་པའི་ངོ་མཚར་ཅན་གྱི་གདན་ཁྲི་རྙེད་པའོ་བདག་ཟེར་ནས་
གདན་ཁྲི་དེ་རང་གི་ཕོ་བྲང་གི་ནང་དུ་བཞག་སྙམ་ནས་ཕོ་བྲང་གི་ནང་དུ་བྱོན། ཡང་ཉིན་བཟང་པོ་གཅིག་ལ་
དགེ་འདུན་མང་པོ་ཆ་ཡང་དང་ཇུ་དང་པི་ཝང་ལ་སོགས་པའི་སྒྲ་དང་། སྤོས་དྲི་བཟང་པོ་སོགས་བསྒྲིག་སྟེ།
བཀྲ་ཤིས་པ་བཞུགས་པའི་ཉིན་མོར། སྐལ་པ་དང་ལྡན་པས་ཁྲི་རྙེད་དོ། །ད་ལྟ་ཁྲི་ལ་འདུག་སྙམ་

ནས་བྱོན་དེ་ཁྲིའི་ཁར་འཛོམས་དེ་འཁྲོན་པར། ཀྲང་པར་བདགས་པའི་བྱང་གི་ཤིང་མིས་ཐུབ་ནས་དྲངས། སྟོ་འི་ཤིང་མིས་བྲང་ནས་འཕྲུལ་དེ་གད་རྒྱངས་ཆེན་པོས་བཞད་གད་བྱས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཨཛྙཱ་བྱཛྙས་འཛོམས་ཤིང་ངོ་ཚ་ནས་སྨྲས་པ། འདི་མཚར་ལགས་ཟེར། ཤིང་གི་བྱས་པའི་མི་གཅིག་གིས་ནི་མདུན་ནས་ཕྲུལ། གཅིག་གིས་ནི་རྒྱབ་ནས་དྲངས་དེ་བཞད་གད་བྱེད་པ་ནི་ངོ་མཚར་རོ་ཟེར་བ་ལ། ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཨཛྙཱ་བྱཛྙཱ་ཁྱོད་ས་ལ་འདུག །ཁྲི་འདིའི་རྒྱུ་མཚན་ནི་བཤད་ཟེར་ནས། ཁྲི་འདི་ཤཱ་བ་སྔོན་གྱི་དུས་སུ་ལྷའི་དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་བཞུགས་པའི་ཁྲི་ཡིན་དེ། དེའི་རྗེས་སུ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མ་ཛི་ཏ་བཞུགས་པའི་ཁྲི་ཡིན། དེས་ཕྱིར་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་རིགས་དྲུག་གི་འགྲོ་བ་རྣམས་ལ་ཕན་པའི་ཆེད་དུ་ཡུས་སྲོག་ལ་མ་གཅེས་ན་འདུག་རུང་། དེ་མིན་ན་མི་རུང་། ཡང་རྒྱལ་པོ་ནི་ཀྲ་མ་ཛི་ཏ་དང་འདྲ་ན་འདུག་མིན་ན་མི་རུང་བ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་འདུད་ནས་ཕྱག་བྱས་པ་ལ། ཡང་ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོས་སྐྱ་དྲངས་པའི་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ལེགས་པར་ཉོན་ཅིག །ཁྲི་འདི་བསླུབས་པའི་ཚུལ་ནི་སྐྱོའོ། །ད་ལྟ་ང་ཅག་ཤིང་མི་སོ་གཉིས་བསླུབས་པའི་རྒྱུ་མཚན་ནི། ཁྲི་འདི་ནི་ཐོག་མར་བསླུབས་པའི་ཚེ་ན། ལྷའི་བཟོ་བོ་བི་ཤྭ་ཀརྨས་ཞག་སུམ་ཅུར་འདུག་ནས་བྱེད་པ་སྟེ། བི་ཤྭ་ཀརྨའི་ཆུང་མས་ནི་ཤིང་ལས་ང་ཅག་བྱས་ལ། སྲོག་ལྡན་བྱས་དེ་ཆུང་མས་བཀོལ་ནས་ལྷའི་བཟོ་བོ་བི་ཤྭ་ཀརྨ་ལ་བཟའ་བཏུང་གསོལ་ཞེས། དེར་ནི་གཅིག་གཅིག་གིས་སྐྱེལ་བར་ཕྱིར་མ་ལོག་པར་བཟུང་ནས་ཀྲང་པ་རེ་རེར་ང་ཅག་རེ་རེ་བདགས་བཞིན་པར་ཤིང་མི་སོ་གཉིས་འཁྲུང་བའི་གླིང་གཞིའི་ལེའུ་སྟེ་དང་པོའོ།།

ལེའུ་དང་པོ །

༄ དེ་ནས་དང་པོ་འི་ཤིང་མིས་ན་རེ། ང་ནི་ཁྱེད་ཅག་ལ་དཔེ་ཅིག་སྐྱོའོ། །རྒྱལ་པོས་སྐྱ་དྲངས་པའི་ཁྱེད་རྣམས་ཉོན་ཅིག །སྔོན་གྱི་དུས་སུ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བདུད་དམག་ལ་བྱོན་ནས་ལོ་བཅུ་གཉིས་ཀྱི་བར་དུ་འགོར་བས་དེ་སྐབས་སུ་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་བཙུན་མོ་ཆུང་ངུས་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་ནུ་བོ་ཆུང་ངུ་བོས་དེ་སྤྱིབས་པ་ལ། ནུ་བོ་ལ་སྨོན་མོ་ཆེན་མོ་བྱས་དེ། བཙུན་མོས་ན་བོ་རེ་ལ་ཆགས་སེམས་སྐྱེས་པ་ལ།

ནུ་བོ་དེས་ན་རེ། ལྷ་བརྒྱ་བྱིན་ནི་དུས་གསུམ་གྱི་སངས་རྒྱས་དང་འདྲ་བ་ལགས་ཏེ། དེའི་ཕྱིར་བརྟས་སྨོད་བྱེད་པས་སྐྱེ་བ་ཐམས་ཅད་དུ་སྡུག་བསྔལ་མྱོང་བས། ཕྱིས་ནི་ང་ཅག་གཉིས་ཀྱིས་སྐབས་ཤིག་ཏུ་སྐྱེ་བ་ཞིག་བླངས་ཏེ་འཕྲད་ནས་པོ་མོར་སྨོན་ལམ་འདེབས་ཟེར་ནས་འབྲོས་ཏེ་འཐོན། བཙུན་མོས་ཤིན་ཏུ་སྡང་ནས་ཁྱོད་ནི་སྐྱེ་བ་ཕྱི་མར་བོང་བུ་ལས་སྐྱེ་བར་འགྱུར་རོ་ཞེས་སྨོན་ལམ་བཏབ་བོ། །དེའི་རྗེས་སུ་བཙུན་མོ་འདས་སོ། དེ་ནས་ནུ་བོ་དེ་ཡང་འདས་སོ། །འདས་ནས་ཀྱང་འཛམ་བུ་གླིང་དུ་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལིང་ཀ་ར་ཞེས་བྱ་བའི་མིང་ཅན་གཅིག །བུ་མེད་པས་རྟག་ཏུ་སྨོན་པས། བཙུན་མོ་གཅིག་ལས་བུ་མོ་གཅིག་བཙས་སོ། །བུ་མོ་དེའི་དྲི་ནི་བཟང་ལ་མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་ཡིན་པས། རྒྱལ་པོ་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས་བུ་མེད་ཀྱི་ང་བུ་མོ་ལྟ་ན་སྡུག་པ་ལ། མི་གཞན་མཚན་དང་ལྡན་པ་ཞིག་ལ་བུ་མོ་བྱིན་ནས་རྒྱལ་སྲིད་བཟུང་ངོ་སྙམ་ནས་དགའ་བ་དང་། བུ་མོ་ལ་ལྟ་ན་སྡུག་པ་ཞེས་པའི་མཚན་བཏགས་སོ།།

རྒྱལ་པོ་འདིའི་འབངས་ལ་ཤིང་མཁན་གཅིག་ལ་ཡང་། བུ་མེད་པས་ཡང་བུ་སྨོན་པར་འགྲོ་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་དེའི་འབངས་ལ་ཤིང་མཁན་མི་ལ་བོང་མོ་གཅིག་ཡོད་པ་ལ་ཞོར་ནས་ཁྱིམ་གཞན་ལ་ཁྱེར་ནས། ལོགས་པའི་ལམ་དུ་བོང་མོས་བུ་མཚན་བཟང་པོ་དང་ཡིད་དུ་འོང་བ་གཟི་བརྗིད་དང་ལྡན་པ་ཞིག་བཙས་སོ། བུ་དེ་ཉིད་བཙས་པའི་ཚེ། ཀ་ལ་བིང་ཀ་དང་ཀ་ལནྡ་ཀ་ལ་སོགས་པའི་བྱ་རྣམས་སྐད་སྙན་པར་སྒྲོགས་པ་དང་ནམ་མཁར་འཛའ་ཚོན་ཤར་བ་དང་། བུའི་ལུས་ལས་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་དྲི་ངད་སྦོམ་པ་དང་། ལྟ་ན་སྡུག་པ་ཞིག་འདུག་གོ །ཤིང་མཁན་དེས་བུ་མཐོང་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་སེམས་སོ། །བདག་ལ་བུ་མེད་པས་རྩེ་གཅིག་པའི་སེམས་ཀྱིས་ལྷ་དང་སངས་རྒྱས་ལ་ཕྱག་མཆོད་བྱས་པས་བདག་ལ་ངོ་མཚར་བའི་བུ་ཞིག་བཙས་པས། ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས་བུ་དེ་ཉིད་རང་གི་ཁྱིམ་དུ་བླངས་ནས། བུ་གསོས་བསྐྱེད་དེ་འདུག་པ་ལ། ཁྱིམ་གཞན་གྱི་མི་རྣམས་ན་རེ། ཤིང་མཁན་དེས་བོང་བུས་རང་གི་ཆུང་མ་བྱས་ཏེ་བུ་བཙས་ཞེས་འཕྱ་ཞིང་སྨོད་པར་བྱས་སོ། །ཤིང་མཁན་དེས་ཐོས་ནས་སྨྲས་པ། ཡོངས་བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཤིང་ལ་སྤྲེའུས་འཚོངས་ཀྱང་མི་ཐར། བྲན་ངན་གྱི་དུད་འགྲོ་དང་མ་ཆགས་སོ། །ཆགས་ཀྱང་དུད་འགྲོ་ལས་སྐྱེས་པའི་རྒྱུ་མེད། བདག་ལ་བརྟས་པ་ནི་ཅི་ཡིན། ཅི་འདྲ་ཡང་བདག་གིས་བུ་ཞིག་རྟེད་དོ་ཞེས་འཕྱ་སྨོད་བྱེད་པ་ལ་མི་དགོས་པར་བུ་བརྩེ་བས་ལེགས་པར་གསོས་སོ། །རྒྱལ་པོ་ཀ་ལན་ཀར་མངའ་

འབངས་ཐམས་ཅད་འཚོགས་ནས་སྨོན་མོ་ཆེན་པོ་བྱས་ནས། རྒྱལ་པོས་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ།།
ཁྱེད་ཀུན་ལ་བུ་མཚན་དང་ལྡན་པ་ཞིག་ཡོད་ན། བདག་གིས་བུ་མོ་འདི་སྦྱིན་ལ་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་པར་གྲགས་
པས། ཚོགས་པ་ཀུན་ལས་གཅིག་ཀྱང་ལན་མི་ཐེབས་པས། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལན་ཏྲ་རས་ཡི་མུག་སྟེ་འདི་
བསམས་སོ། །ཚོགས་པ་མང་པོ་ཆེ་ཡང་འདིའི་ནང་ནས་མི་བཟང་པོ་གཅིག་ཀྱང་མི་འདུག་གོ། །ད་
ངའི་ཡུལ་འཛིན་པ་ལ་རྩུས་སྤྱོད་ནས་སྲིད་འཛིན་ནས་ཟེར་ཤིན་ཏུ་སྡུག་འདུག་པ་ལ། ཤིང་མཁན་གྱིས་
བོང་བུ་མོ་ལས་སྐྱེས་པའི་བུ་འཕྲིད་རིས་འགྲོ་བར་བུ་མོས་བློ་བུར་དུ་མཐོང་ནས་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས། ཡབ་
རྒྱལ་པོ་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་གསོལ་ཏོ། །ཡབ་རྒྱལ་པོ་ས་ཟོལ་བའི་མཚན་དང་ལྡན་པའི་བུ་ཞིག ཤིང་
མཁན་མིའི་དྲུང་ན་འདུག ། གཟི་བརྗིད་དང་ལྡན་པ་ཡིད་དུ་འོང་བ་ཡབ་རྒྱལ་པོའི་སྲིད་འཛིན་ནུས་པ་
གཅིག་ཡོད་ཞེས་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་ཐོས་ནས་དགའ་སྟེ་བོས་པས། ཤིང་མཁན་དེ་ཉིད་བུ་དང་
ལྷར་ཅིག་ཏུ་འོངས་པས། རྒྱལ་པོས་བུ་མཐོང་ནས་ཤིང་མཁན་དེ་ལ་བཀའ་སྩལ་པ། ཁྱོད་ཀྱི་བུ་
འདི་ཤིན་ཏུ་མཛེས་ཤིང་སྡུག་པས་བུ་འདི་ང་ལ་བྱིན་ཅིག་ཟེར་བར། ཤིང་མཁན་ན་རེ། བུ་འདི་ལྟ་
ཞིག་རང་གི་ལུས་ཀྱང་སུ་ཡི་ཡིན། འོན་ཀྱང་བུ་འདིའི་རྒྱུ་ནི་བོང་བུ་ལས་སྐྱེས་པའི་བུ་ལགས། བུ་འདི
ཉིད་ཀྱིས་ཤེས་པ་ཡོད་ཞེས་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་ཤིང་མཁན་གྱིས་སྨྲས་པ་ཐོས་རས་ཤིན་ཏུ་ཁྲོས་ཏེ།
མི་འདི་ངན་ང་ལ་བྱིར་པའི་འདོད་པ་ཡེ་མེད་པར་སླུ་བ་འདི་ནི་མི་འོ་ཞེས་པས། མི་ངན་འདི་བསད་ལ་བུ་
ནི་ལེར་ན་ངའི་དབང་ཡིར་ཞེས་སེམས་ཤིང་འདུག་པར། བོང་བུ་ལས་སྐྱེས་པའི་བུས་རྒྱལ་པོའི་བསམ་
ངར་ཤེས་ནས་འདུད་དེ་སྨྲས་པ། ང་ནི་བོང་བུ་ལས་སྐྱེས་པ་བདེར་པ་ནི་ལགས། དེ་འདྲ་ཡིར་ཀྱང་
རང་ཉིད་བུ་བཞིར་བསྐྱངས་ཏེ་ཆེར་བསྐྱེད་པས་རྒྱལ་པོའི་སྐུ་བསོད་དང་འབྲད། སྔར་འདི་འདྲའི་ཤིང་
མཁན་ངན་པ་གསོད་ལ་བུ་ལེན་ན་ངའི་འདོད་མོད་ཀྱི་ཞེས་སེམས་པ་ནི་ཏི་ཡིན། སྔར་ཤིང་མཁན་འདི་ཉིད་
ལ་བྲ་དགའ་མང་པོ་སྩལ་ན་རྒྱལ་པོ་ ཉིད་ཀྱི་གྲགས་པ་ཁྱབ་དེ་སྲིད་ལ་བརྟེན་པའི་བློན་པོ་ཆེན་པོ་ལ་སོགས་
པའི་སེམས་ལ་འཕད་པ་ལ་སོགས་པ་འབྱུང་ཞེས་ཞུས་པ། རྒྱལ་པོས་བུའི་ངག་མཉན་ནས་དགའ་ཞིང་
བཞད་ནས། འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། །ཨའི། བུ་འདི་ཉིད་སེམས་དགེ་ལ་ངག་འཇམ་པ་སོགས་
ལ་བལྟས་ན། བདག་གི་སེམས་དང་མཐུན་པ་ཞིག་ཐོབ་ཞེས་ཤིན་ཏུ་དགའ་སྟེ་བུ་ཁྱོད་ཀྱི་སྨྲས་པ་བཞིན་སྒྲུབ་

ཟེར། ཁྲི་ཙུའི་ངག་བཞིན་ཤིང་མཁན་ལ་བྱ་དགའ་མང་པོ་བྱིན་ནས་རང་གི་ཁྱིམ་ལ་འགྲོ་འོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་ཏེ། བུ་མོ་ལྷ་ན་སྡུག་པ་ནི་ཁྲི་ཙུའི་བཙུན་མོར་ཕུལ་ནས་ངའི་རྒྱལ་སྲིད་ནི་ཁྲི་ཙུ་འདི་འཛིན་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་བཞིན། རྒྱལ་སྲིད་ཁྲི་ཙུ་ལ་གནང་ནས་རྒྱལ་སྲིད་བཟུང་བའི་ཁྲི་ཙུའི་མིང་ནི་རྒྱལ་པོ་ཀན་ད་ར་ཕྲ་ཞེས་མཚན་གསོལ་ཏོ། །རྒྱལ་པོ་ཨཛྙི་བུཛྙི་ཁོལ་པོ་ལྟར་ཛེ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཇི་ཏ་ལྟར་བོང་བུ་ལས་སྐྱེས་ཏེ། རྒྱལ་སྲིད་བཟུང་སྟེ་བསྟན་སྲིད་གཉིས་ཀ་ཚུལ་བཞིན་སྐྱོང་ནུས་ན་ཁྲི་འདི་ལ་འདུག །དེ་མིན་ན་མེ་རུང་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཨཛྙི་བུཛྙིས་འཇིགས་ཤིང་ངོ་ཚ་ནས་ཕྱིར་ལོག་པའི་ཤིང་མི་ཐོག་མའི་ལེའུ་སྟེ་དང་པོ་འོ།།

ལེའུ་གཉིས་པ།

༄༅ དེ་ནས་ཡང་རྒྱལ་པོ་ཨཛྙི་བུཛྙིས་ཁྲི་འདི་ངའི་ལས་སྐལ་ཡིན་པས། ཁྲི་འདི་ལ་ཡང་འདུག་པར་རིགས་ཞེས་སེམས་སོ། །དེ་ལ་ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་དམའ་བར་འདུག །སྔོན་དུས་སུ་ཛེ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཇི་ཏ་ཚུང་ངུའི་དུས་ན་འབྲོག་དགོན་པ་དོར་ཞའི་ཚེ། གློག་གྱུར་སྐྱག་མངགས་ཀྱི་གསུང་བྱུང་བ་དང་། ཡབ་རྒྱལ་པོ་ཧ་ད་རོ་ཧ་དང་ཆབ་འབངས་ཐམས་ཅད་ཕྱག་འཚལ་བའི་རྒྱ་མཚན་དེ་རྣམས་སྨྲས་ཞེས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །རྒྱལ་པོ་ཧ་ད་རོ་ཧས་བཙུན་མོ་གཟུགས་མཛེས་པ་ཞིག་སླངས་ནས། བསྟན་སྲིད་གཉིས་ཀ་སྐྱོང་བཞིན་འདུག་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དེས་བུ་མེད་པ་ལ་ལྷ་དང་སངས་རྒྱས་ལ་གསོལ་བ་འདེབས་ཤིང་སྐྱོ་བཞིན་འདུག་པ་ལ། བཙུན་མོས་མཐོང་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ། བདག་ཅག་ལ་བུ་མེད་པས་ཅིའི་ཕྱིར་སྡུག །ཡང་གཅིག་བཙུན་མོ་ལེན་ན་བུ་ཡོད་མོད་ཀྱི་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོས་བཙུན་མོ་ནི་བུ་མེད་པས་བདེན་སྙམ་ནས། རང་གི་ཆབ་འོག་ཏུ་གཏོགས་པའི་གཟུགས་མཛེས་པའི་བུ་མོ་གཅིག་བླངས་སོ། །དེ་ལ་ཁྲི་ཙུ་ཞིག་བཙས་པས་བཙུན་མོ་ལ་སྙིང་ཞེན་དུ་ཉེ་བར་འགྱུར་བ་ལ། གོང་གི་གཟུགས་མཛེས་པའི་བཙུན་མོ་སེམས་ནི་མི་ནག་པ་ལ། འདི་སྐད་ཅེས་སེམས་སོ། ངའི་མཐུས་བཙུན་མོ་གཅིག་བླངས་ནས། ང་ལ་ཡེ་མི་བརྩེ་བར་འདུག་སྙམ་མོ། །བཙུན་མོས་ཕྱིས་ལ་འདི་སེམས་སོ། །ངེད་ཅག་གི་ཡུལ་དུ་བླ་མ་གྲུབ་པ་ཐོབ་པ་གཅིག་ཡོད་དོ། །དེར་སོང་ནས་ཕྱག་འཚལ་བྱས་ཏེ

བུའི་དངོས་གྲུབ་སློང་སྐམ་ནས་བུ་མོ་ལྔ་བརྒྱ་དང་བཅས་ཏེ་གསོལ་ཟས་སྣ་ཚོགས་བསྣམས་བླ་མར་ཕྱིན་ཏེ་
ཕྱག་འཚལ་བྱིན་རླབས་ཞུས་ནས་བུའི་དངོས་གྲུབ་སློང་བས། བླ་མ་ཐུགས་དམ་ལ་གནས་པ་ཡིན་པས་
བཀའ་མ་གནང་བ་ལ། བཙུན་མོས་ཕྱག་བསྐོར་བྱས་པ་ལ། ཐུ་དྲེ་འི་དུས་སུ་བླ་མས་བཙུན་མོ་
མཐོང་ནས། ཨའི་བཙུན་མོ་ཆེན་མོ་སེམས་སྐྱོང་ནས་དད་པས་ཕྱག་བསྐོར་བྱས་པ་ལགས་གསུངས་པས།
བཙུན་མོས་བདག་ལ་བུ་མེད་པས་བུའི་དངོས་གྲུབ་ཞིག་ཞུས་པས། བླ་མས་བཙུན་མོ་ཁྱེད་བུ་ཡོད་
པར་འདོད་ན་འདི་ཉི་དཀར་ཡོལ་གཙང་མ་ཉི་ནང་དུ་སྲུ་རྩི་དང་སྦྱར་ནས་ཟོས་ན་ངེས་པར་བུ་དང་ལྡན་པར་
འགྱུར་ཞེས་ལུགས་བདབ་ནས་བདང་ངོ་། །དེ་ནས་ཕྱིར་ལོག་ནས་བླ་མས་སྟོན་པ་ལྟར་བཟོས་སོ། །བུ་
མོ་གཅིག་གིས་ལྷག་མ་ཟོས། དེ་ནས་བཙུན་མོ་མངལ་མི་བདེ་ནས་ཟླ་བཅུར་བུ་ཞིག་བཙས་སོ།། ཁྲིའུ་
དེ་བཙས་ཚེ་ངོ་མཚར་བའི་ལྟས་དང་། ཀ་ལ་བིང་ཀ་དང་ཀ་ལན་ད་ཀ་ལ་སོགས་པའི་བྱ་རྣམས་སྐད་སྙན་
པར་སྒྲོག་པ་དང་། ནམ་མཁའ་ནས་འོད་དང་མེ་ཏོག་གི་ཆར་དང་འཇའ་ཚོན་སྣ་ལྔ་ཤར་བ་དང་། ཚུལ་
ཁྲིམས་ཀྱི་དྲི་ངད་དང་ལྡན་པ་སོགས་ངོ་མཚར་བའི་ལྟས་བསམ་གྱིས་མི་ཁྱབ་པ་དང་བཅས་ཏེ་ འཁྲུངས་
སོ། །དེ་ལྟས་མཐོང་ནས་རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀྱིས་ཡ་མཚན་ནས་དགའ་འོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་དྲུང་སྒྲོང་
ལ་བཙུན་མོ་ཚུང་ངུ་དང་བློན་པོ་རྣམས་ཀྱིས་ངའི་ཁྲིའུའི་ལས་སྐལ་དྲིས་ནས་སློབས་ཟེར་བར། ཀུན་
གྱིས་བླ་མའི་དྲུང་དུ་ཕྱིན་ཏེ་བཙས་ཚེ་ལྟས་བྱུང་བ་ཞུས་པར། བླ་མ་ཐུགས་དམ་ལ་བཞུགས་པས་ཡི་མི་
གནང་། ཡང་ཞུས་པས་བཛྲ་སྐྱར་ཏེ་ཁྲིའུ་དེ་ཆེར་སོང་ཚེ། ཟས་ཟོས་ལ་ལན་ཚྭ་འདེབས་ཚེ་ཤིང་ཏ་སྟོང་
དང་ལྔ་བརྒྱ་ཙམ་གྱིས་ཚྭ་བདབ་དགོས་ཟེར་སྐན་དངགས་བཀའ་ཕེབས་པ་ལས་གཞན་མ་གསུངས་ངོ་། །དེ་
ནས་དེ་དག་ཕྱིར་ལོག་ནས་དེ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་བཛྲ་དེ་ཆེས་མཚར་ཅེས་སེམས་སྐྱོང་ཞིང་
འདུག་གོ །རྒྱལ་པོས་བཛྲ་དེ་མ་ཤེས་ནས་འདི་སེམས་སོ། །བུ་འདི་ནི་ངེས་པར་ཚབ་འབབས་
ཐམས་ཅད་བསྐུལ་ཏེ་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། ཁྲིའུ་འདིའི་ཉིན་གཅིག་གི་ཟས་ལ་ཚྭ་ཤིང་ཏ་སྟོང་
དང་ལྔ་བརྒྱ་འདེབས་དགོས་ཟེར་བ་འདི་ནི་མི་གཅིག་གིས་མ་ཟད། མི་མང་པོས་ཚེ་གཅིག་ལ་སྤྱད་ཀྱང་
ཟད་དམ། དེ་ནི་ངེས་པར་སྐྱིན་པོའི་བུའམ་བདུད་ཀྱི་སྤྲུལ་པ་ཡིན་པར་ཐག་ཆད། འདི་ནི་གསོད་ཟེར་
བར། བློན་པོ་གཅིག་གིས་ཞུས་པ། ང་ཅག་གིས་རྗེའི་སྲས་ལ་ལག་བདར་མི་ནུས་པས། འབྲོག་

དགོན་པ་རིང་པར་ནགས་གསེབ་ཏུ་བོར་ན་རུང་ངམ་ཟེར་བར། ། རྒྱལ་པོས་གནང་བ་ལ་བློན་པོ་གཉིས་
ཀྱིས་ཁྲེའུ་བླངས་ནས་ནགས་ཆེན་པོ་འི་ཁྲོད་དུ་གཞུགས་ནས་ཕྱིར་ལྡོག་པ་ལ། ཁྲེའུ་དེས་བློན་པོ་གཉིས་
ལ་ངས་ཁྱེད་ཅག་ལ་ཚིག་གསུམ་འཚོལ་ལོ་ཟེར་ནས་བློན་པོ་གཉིས་འཐེར་ཏེ་སྡོད་པས་མཉན་པ་ལ། ཁྲེའུ་
དེས་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །ཁྱེད་ཅག་ལོག་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ངའི་ཚིག་འདི་རྣམས་སློས་ཤིག མ་
བུར་སྐྱེས་པའི་ཕྲུ་གུ་ནི་ཆེར་བསྐྱེད་ཚེ་སྔོན་པོ་འི་མདོག་ཀྱིས་བསྐྱེད་སྐད། ག་ཤོག་སྒྲོ་རྒྱས་ཚེ་གསེར་
གྱི་མདོག་ཅན་གྱི་མ་བུར་འགྱུར་སྐད། དེ་དང་འདྲ་བར་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ལས་ཁྲེའུ་སྐྱེ། སྐྱེས་པའི་
འོག་ཏུ་ཆེར་བསྐྱེད་ཚེ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་འཚོ་བ་དང་འབངས་ལ་བརྟེན་ནས་ཆེར་སྐྱེད་སྐད། ཆེར་བསྐྱེད་
ནས་མཐུ་དང་ལྡན་ཚེ་གླིང་བཞིར་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོར་འགྱུར་སྐད། གླིང་བཞིར་གནས་པའི་
རྒྱལ་པོ་ཡན་ཆད་དགེ་འདུན་ཚོགས་ནས་ཆོས་སྟོན་བྱས་ན་དེ་ལ་ཤིང་རྟ་སྟོང་དང་ལྔ་བརྒྱ་ལོན་པའི་ཙྭ་མ་
ཟད། ཤིང་རྟ་ཁྲི་འབུམ་གྱི་ཙྭ་ཡང་ལེན་ཡོད་དམ་སྐད་ཟེར་རོ། །ནེ་ཙོ་འི་སྒོང་ལས་རྡོལ་ནས་ཕྲུ་
གུ་ར་བྱུང༌། ཆེར་བསྐྱེད་ནས་བྱའི་གཟུགས་ཀྱིས་འགྲོ། འགྲོ་ངའི་རྗེས་སུ་སེམས་ཅན་གྱི་སྐད་བསྒྲུབ་
ན་སློ་དང་ཡོན་ཏན་ལྡན་སྐད། དེ་དང་འདྲ་བར་རྒྱལ་པོ་ལས་ཁྲེའུ་སྐྱེ། སྐྱེས་འོག་བསྐྱེད་ཚེ་པ་མ་ལ་
སོགས་རབ་འབངས་མང་པོར་བཏེ་ནས་བསྐྱེད་སྐད། བསྐྱེད་པའི་འོག་ན་གནས་ས་དང་གླིང་བཞིའི་ཡུལ་
རྣམས་ཟིལ་གྱིས་གནོན་ནས་དབང་བའི་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་སྐད། ལྷ་རྣམས་ཀུན་དང་གླིང་བཞིར་གནས་པའི་
རྒྱལ་པོ་ཡན་ཆད་བཀུར་དུ་མེད་པའི་དགེ་འདུན་རྣམས་ལ་ཆོས་སྟོན་ཕུལ་ནས དེ་ལ་ཤིང་རྟ་སྟོང་དང་ལྔ་
བརྒྱས་ས་ཟད། ཤིང་རྟ་ཁྲི་འབུམ་ཡང་ལོན་ནས་ཞེས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་ཅིག་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་གཉིས་
ཀྱིས་ཁྲེའུའི་ཚིག་ཇི་སྐད་བ་བཞིན་ཞུས་པས་རྒྱལ་པོས་གསན་ནས་ཐལ་མོ་བརྡབ་ནས་ལ་ཕྱུར་སོང་བྱས་ནས།
ཇེ་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་ཁྲེའུ་ནི་བདག་གིས་ངོ་མི་ཤེས། ད་ལྟ་མནོ་བསམ་བཏང་ན་ངོ་མཚར་ཡ་མཚན་
པའི་ཁྲེའུ་ཞིག་ཡིན་པར་འདུག་ཞེས་ལ་དུར་སོང་སོང་ཞེས་བློན་པོ་གཉིས་དང་བཅས་ཏེ་སོང་ནས། ས་དེར་
ཕྱིན་པས་ཁྲེའུ་དེ་ལ་ཡང་མི་འདུག །དེར་རྒྱལ་པོ་སྨྲེ་གསོལ་ཏུ་ཞིང་བཀའ་སྩལ་པ། ཆུང་ངུ་ལས་སྐྱོབ་
བྱམས་པའི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ནི། །ཆུང་ངུ་ལགས་ཀྱང་གནད་ཅན་ཚིག་གིས་ལུང་བསྟན་པའི། །བྱང་
ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཁྱོད་ནི་ང་ཡིས་ངོར་འགྲོད་བདག །འདི་ལ་བཏོར་བའི་ས་ན་མེད་པས་འདི་ནས་གང་

དུ་འགྲོ། །ཞེས་རྒྱལ་པོས་སྣ་དྲངས་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་གནམ་ས་གང་བར་དུ་ཞིང་ཕྱིར་འགྲོ་བར་ཆས་པ་ལ། ཐག་ཁྲང་གཅིག་ན་ཁྲིཙྪ་ཆུང་ངུའི་སྐྲ་སྒྲོགས་པ་ཐོས་པས་སྣུར་དུ་སླེབས་ཙམ་ན། ཁྲིཙུ་དེ་ལ་སླུའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་བརྒྱད་སླེབས་ནས་མེ་ཏོག་ཁ་ཟུམ་པའི་ནང་དུ་བསྡད་ནས། ཁ་ལ་སྦྲང་རྩི་བཙུག་མདུན་དུ་འདུད་དེ་ཐལ་མོ་སྦྱར་ནས་ཕྱག་ཁྱུས་པར་གདའ། རྒྱལ་པོ་སླེབས་པར་མི་སླང་བར་འགྲོ། རྒྱལ་པོས་ཁྲིཙྪ་བླངས་ནས་སྤྱི་བོར་བཀག་སྟེ་ཐལ་མོ་སྦྱར་ནས་ཕྱག་འཚལ་ཏེ་འདི་སྐད་ཅེས་གསོལ་ཏོ། །བྱམས་པའི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའི་ཁྲིཙུ་ལ། །ཕ་བདག་རྨོངས་པས་ཤེར་དུ་བསྐྱིབས་པ་ལ། །ངོ་མི་ཤེས་པར་ལོག་པར་སེམས་པ་འགྱོད། །བཤགས་ནས་སླར་ཡང་རང་གི་ཁྱིམ་དུ་བྱོན། །ཞེས་ཞུས་ནས་ཕོ་བྲང་དུ་བྱོན་ནས་རབ་འབངས་ཐམས་ཅད་འདུས་ནས་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་ནས་ཁྲིཙུ་ལ་ཝི་ཀྲ་མི་ཏྲ་ཞེས་མཚན་གསོལ་ཏོ། །རྒྱལ་པོ་ཨརྫ་བུརྫ་ཁྱོད་ང་ཅག་གི་ཛེ་ཝི་ཀྲ་མི་ཏྲ་ཁྲིཙུ་དེ་དང་འདྲ་ན་ཅང་། ཁྲིཙུ་དེ་ཆུང་དུས་ནས་གནད་ཅན་གྱི་ཚིག་གིས་ཡབ་རྒྱལ་པོ་གུས་ཤིང་ཕྱག་འཚལ་བ་ལྟར། དེ་ལྟའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཡིན་ན་སྙོད། མིན་ན་མི་རུང་སོང་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀུན་གྱིས་ཏ་ལས་དེ་ཁྲི་དེ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ནས་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་གཉིས་པའི་ལེའུ་སྟེ་གཉིས་པའོ།། ||

ལེའུ་གསུམ་པ།

༄ དེ་ནས་ཉིན་གཅིག་ལ་རྒྱལ་པོ་ཨརྫ་བུརྫས་ཁྲི་དེ་ལ་ནི་འདུག་སྟམ་ནས་སླེབས་པ་ལ། ཡང་ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་པར་འདུག །ངས་ཁྱོད་ལ་སྟེར་མ་སྨྲས་སམ། ཛེ་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་ཆུང་ངུའི་དུས་སུ་འབྲོག་དགོན་པར་བོར་བའི་ཚེ། གནད་ཚིག་གིས་ཡབ་རྒྱལ་པོ་ཏ་ད་རོ་ནོ་དང་མི་ཀུན་གྱིས་ཕྱག་འཚལ་བའི་རྒྱུ་མཚན་ཡང་བརྗོད་ཟེར། ༄ ད་ཡང་ཛེ་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་ཆེར་སོང་ཚེ་རྣམ་ཐར་བརྗོད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀུན་ཉོན་ཅིག །ཛེ་ཝི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་ཆུང་དུས་ལ་ཡབ་རྒྱལ་པོ་ཏ་ད་རོ་ད་བདུད་ཀྱི་དམག་དང་གཡུལ་འགྱེད་དེ་འཐབ་ཟེར་ནས་འགྲོ་བ་ལ། རང་གི་ལུས་སྐྱིང་པ་ཉིན་གྱི་མདུན་དུ་སྦས་ནས་བཞག །བྱོན་པའི་འོག་ཏུ་བཙུན་མོ་ཆུང་ངུས་བཙུན་མོ་ཆེན་མོ་ལས་འདི་སྐད་ཅེས་དྲིས་སོ། །རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་འོ་སྐོལ་དང་ལྷན་ཅིག་གནས་གནས་པའི་ཚེ་མི་ཡི་གཟུགས་ཀྱིས་གནས།

ད་ལྟ་བྱོན་འགྲོ་བ་ལ་གཟུགས་མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་མཐུ་སྟོབས་དང་གཟི་བརྗིད་ནི་ངོ་མཚར་བ་ཡོད། དེ་འདྲའི་གཟུགས་ཀྱིས་ང་ཅག་དང་འཕྲད་དུ་མེད་པ་ནི་རྒྱ་མཚན་ཅི་ཡིན་ཞེས་དྲིས་པས། བཙུན་མོ་ཆེན་མོས་ན་རེ། མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་མཐུ་སྟོབས་དང་གཟི་བརྗིད་མི་ཆུང་བས་རླུང་སེམས་ཀྱི་ལྷའི་ལུས་སུ་སྤྲུལ་ནས་ཟེར་བས། བཙུན་མོ་ཆུང་ངུས་འདི་སེམས་སོ། རྒྱལ་པོ་འི་ལུས་སྙིང་བསྒྲིགས་ན་ལུས་དེ་ཉིད་ཀྱིས་ང་དང་མཇལ་སྐམ་ནས་བུ་མོ་མང་པོས་ཤིང་ཙན་དན་ཁྲེར་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་ལུས་སྙིང་བསྒྲིག་གོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ནམ་མཁའ་ནས་བྱོན་སླེབས་ནས་ཟར་སྣང་ལ་གནས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། །ལྟན་དུ་བསྡུས་པའི་མི་ཆེར་ཐམས་ཅད་ཀྱིས། །གཅེས་ཕྱིང་སོས་པས་བཙུན་མོ་བུ་དང་བཅས། །གཅེས་པའི་ལུས་ལས་ཤིར་དུ་འབྲེལ་བ་ཉིད། །ཆོས་པ་མེད་པའི་བཙུན་མོ་འདི་ཡིས་བསྐྱེད། །ཁྲིད་རྣམས་ལ་ཡང་ཞག་བདུན་པའི་རྗེས་སུ་བདུད་ཀྱི་དམག་ཡོང་ནས་ཁྲོ་ཆུའི་སེར་བ་ཕབ་ནས་ཁྱེད་ཀུན་གསོད་པ་ཡིན། དེའི་ཕྱིར་བཙུན་མོ་ཆེན་མོ་ཁྲིའུ་བླངས་ནས་སྤུར་འབྲོས་དགོས་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་ལ། བཙུན་མོས་སྣ་དྲངས་བློན་འབངས་སོགས་ཀུན་གྱིས་རྒྱལ་པོ་འི་ཡོན་དན་ལ་བསྟོད་སྨྲེ་སྔགས་སྣ་ཚོགས་བྱས་སོ། བཙུན་མོས་ན་རེ། སྐྱེར་འདོན་བྱས་པས་མི་ཕན། རྒྱལ་པོ་ངོ་མཚར་བའི་བཀའ་ལྟར་འཐོན་ན་ལེགས་ཞེས་སྐམ་ནས་བཙུན་མོས་ཁྲིའུ་དང་བུ་མོ་ལྷ་ཁྲིད་ནས་བྲོས་ནས་སོང་། ཞག་དུ་ཞིག་འགྲོ་བར་འཁྲིད་པའི་བུ་མོ་གཅིག་ལས་བུ་ཞིག་བཙས་སོ།།

བཙུན་མོ་ན་རེ། སྐར་བུ་མོ་ལས་བུ་བཙས་པ་འདི་མཚར་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། ང་མི་པོ་གཅིག་དང་ཡེ་མི་འཕྲད། བླ་མས་བྱིན་བརླབས་ནས་བཙུན་མོ་ཁྲིད་ཀྱིས་གསོལ་བའི་ལྷག་མ་ཟོས་པས་འདི་བྱུང་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། བླ་མས་ལྷུགས་བདབ་ནས་ཡོད་པ་འདྲིས་བོར་མི་རུང་ཞེས་ལེན་ནས་འགྲོ་ཟེར་བར། ཡང་བུ་མོ་ན་རེ། སྤུར་གྱི་བུ་འདི་ཤི་མ་ཤི་མེད་པར་བླངས་ཏེ་འགྲོ་ཁར། ང་བུ་ཆུང་ངུ་ཡང་མ་ཐེག་པས་ཅེས་འགྲོ་ཟེར་བར། བཙུན་མོས་བདེན་ཟེར་ནས། སྤྲང་ཀིའི་ཁང་བུར་བཅུག་ནས་དོར་རོ། །དེ་ནས་ཕར་གཞན་རྒྱལ་པོ་འི་ཕོ་བྲང་དུ་ཉེ་བར་སླེབས་པ་ལ། ཞིང་མཁན་དང་འཕྲད་ཚེ་ཞིང་མཁན་ནི་བཙུན་མོ་འི་གཟུགས་མཛེས་པས་ཝ་ལས་དེ་རྒྱ་མཚན་དྲིས་པའི་ཚེ། རྒྱལ་པོ་ནུས་མཐུ་ཅན་ཞེས་པས་རང་གི་ཞིང་ལ་བསྐོར་བར་འགྲོ་བ་ལ་མི་མང་པོ་ཚོགས་པོ་མཐོང་ནས

ཕྱིན་པས། དེ་རྣམས་ལ་དྲིས་པ། ཁྱེད་ཅག་ཅི་མཐོང་ཞེས་དྲིས་པས། མི་གཅིག་གིས་ཞུས་པ། གཞན་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཞིག་གི་བཙུན་མོ་ཡིན་སྐད། རྒྱལ་པོ་འདས་པའི་འོག་ཏུ་ད་དུང་དམག་འོང་བས་འཇིགས་ནས་བྲོས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་བཙུན་མོ་འདི་དྲུང་དུ་འོངས་ནས་རྒྱུ་དྲིས་པ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཡབ་རྒྱལ་པོས་བདུད་ཀྱི་དམག་ལ་འགྲོ་བ་སོགས་དང་རང་གིས་འགྲོ་བ་སོགས་རྒྱུ་མཚན་ཞིབ་པར་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་གསར་ནས། ཨའི། དེ་འདྲའི་རྒྱལ་པོ་ངོ་མཚར་བ་ལ་གནོད་བྱེད་པའི་བདུད་མོ་མཐུ་ཆེ་བ་ལགས་ཞེས་འཁང་ར་བྱས་ཏེ། རྒྱལ་པོས་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་བོས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །བཙུན་མོ་དང་ཁྱེའུ་གཉིས་ཀ་ཤིན་ཏུ་ངལ་བས། འདི་དག་རྒྱལ་པོ་ངོ་མཚར་བའི་བཙུན་མོ་དང་ཁྱེའུ་ཡིན་པས་དེ་དག་ཁྱེད་རས་དབང་མཛོད་ཀྱི་པོ་བྲང་དུ་འདུག་ནས་ཁྲིམས་བཞིན་བསྐྱུར་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པས། བློན་པོ་དེས་བཀའ་བཞིན་བསྐྱུར་བར་གདའ། དེ་ནས་ཁྱེའུ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ད་ཆེར་སོང་ཆེ། ཡོར་དན་ཅར་ལས་ཡོར་དན། ཆོས་མཁན་ལས་ཆོས། སྒྱུ་མ་མཁན་ལས་སྒྱུ་མ། སྟོབས་པོ་ཆེ་ལས་སྟོབས། ཐབས་མཁས་ལས་ཐབས། ཚོང་མཁར་ལས་ཚོང་། རྐུར་མཁན་ལས་བརྐུ་བ་ལ་སོགས་པ་འཇིག་རྟེན་ན་གྲགས་པའི་ཡོར་ཏར་རྣམས་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པས། ནོར་དང་ལོངས་སྤྱོད་ཟད་མི་ཤེས་པས་གང་ནས་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གནས་སོ། །འདིའི་སྐབས་སུ་རྒྱ་མཚོར་ནོར་བུ་ལེན་པའི་ཚོང་པ་ལྔ་བརྒྱ་ཡོད་པའི་ལམ་ཁར་བྱ་རྒོད་གཅིག་ལྡེ་སྦྲང་གི་ཕྲུ་གུ་དང་རྩེ་བཞིན་འདུག་པ་ལ། ཚོང་པ་རྣམས་ཀྱིས་མཐོང་ནས་སྨྲས་པ། འདི་སྦྲང་གིའི་ཕྲུ་གུ་དང་བྱ་རྒོད་རྩེད་མོ་བྱེད་པ་ཅི་ཡིན་ཟེར། ཚོང་པ་ཀུན་གྱིས་རེད་ནས་བཟུང་སྟེ་དྲིས་པ། ཁྱོད་མི་ཅི་འདྲའི་བུ་ཡིན་ནམ། སྦྲང་གིའི་ཕྲུ་གུ་དང་རྩེ་བར་གདའ། ཁྱོད་རེ་སྐལ་དང་འགྲོ་འམ། སྦྲང་གིའི་ཕྲུ་གུར་འགྱུར་ཞེས་དྲིས་པས། བྱ་ན་རེ། བདག་སྦྲང་གིའི་ཕྲུ་གུ་ཡིར་ཀྱང་རུང་། ཁྱེད་ཅག་ང་བཟུང་བའི་རྗེས་སུ་བདག་གི་འདོད་པ་བཞིན་སྐྱབ་བམ་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ཀྱི་དཔོན་པོ་ཀཱ་ལ་པཱ་སན་གྱིས་ན་རེ། ཡོངས་མིར་འགྱུར་བ་ལ་མི་དང་འགྲོགས་དགོས། སྦྲང་དང་འགྲོགས་པ་ནི་མི་འོས་ཞེས་ཟེར་ཏེ་ལེར་ནས་འགྲོ་འོ།།

ཚོང་པ་དེ་དག་རྒྱལ་པོ་ནུས་མཐུའི་གྲོང་ཁྱེར་གྱི་ཉེ་འདབས་སུ་ཚུ་ཀླུང་ཆེན་པོ་འི་སྐྱེ་གཅིག་ལ་ཞག་རེར་བསྡད་པས། རྒྱ་གར་གྱི་སྐད་དུ་སྦྲང་གིའི་མིང་ལ་ཤ་ལེ་ཅེས་པས། བྱའི་མིང་ལ་ཞ་ལུ་ཅེས་

བདགས་སོ། །དགོངས་དུས་སུ་སྐྱུང་ཀི་འོང་ནས་ངུ་བ་ལ། ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ཞ་ལུ་ལས་དེ་ཅི་
སྐད་ཟེར་དྲིས་པས། ཞ་ལུ་ན་རེ། དེ་ང་གསོས་པའི་ཕ་མ་གཉིས་ཡིན། དེས་སླུས་པ་ནི་མི་གཅིག
གིས་བུ་མོ་ལྷ་འཁྲིད་འོངས་ནས། བུ་མོ་གཅིག་ནི་བུ་ཁྱོད་སྐྱེ་རྡ་ཙམ་ན་སྟོར་བ་ལ། བདག་མི་སྟོར་
བའི་སེམས་ཀྱིས་ཞ་ལུ་དང་འདྲ་བར་གསོས་དེ་ཆེར་བསྐྱེད་པའི་དྲིན་ནི་མ་བསམ་པར། །མི་དང་ཅིའི་
ཕྱིར་འགྲོགས་སམ་ཁྱོད། མཚན་མོ་འདིར་ཆར་པ་མང་པོ་འབབ་པ་ལ། ཀླུང་ལ་ཤ་ཀལ་ཆེན་པོ་འབབ་
པ་ལ་མི་དང་ཕྱུགས་དང་ཁྱིམ་སོགས་ཆུས་ཁྱེར། དེས་གཡིང་བའི་སྐབས་སུ་ཁྱོད་ཕྱིར་ལོག །ཡང་
དེ་ལ་ནི་རྐུན་མ་ཞིག་འཛབ་པར་འདུག་གོ་ཞེས་ཟེར་བར། ཞ་ལུའི་ཚིག་སླུས་པ་ལ་ཁྱིའུ་ཞི་ཀྲ་མི་ཛ
ད་བཀྲ་སླམ་ནས་བསྡད་པ་ལ། ཞ་ལུ་ལ་སྐྱུང་ཀིས་སླུས་པའི་རིག་གསན་ནས་ཁྱིའུས་སེམས་པ། བུ
ཞ་ལུ་འདི་ཐ་མལ་པའི་མི་མིན་སྐྱུང་ཀིའི་སྐད་ཤེས་པ་དང་ཆར་འབབས་པ་ཤ་ཀལ་འབྱུང་བ་སོགས་མི་
བདེ་ཞེས་སླས་ན་ཡང་། ངས་འཛབ་པ་ཅེས་ཤེས་ཡང་ཡང་འཛབ་ནས་ཤེས་སླས་ནས་ལོག་གོ །ཚོང་
པ་དེ་རྣམས་ཀྱིས་སྐྱུང་ཀིའི་ཚིག་ཞ་ལུ་ལས་ཐོས་དེ་སྐྲུས་འདི་ནས་རིའི་སྟེང་དུ་འགྲོ །དེ་ནས་ཆུ་ཀླུང
དེར་ཞ་ལུའི་ཚིག་ལྟར་བྱུང་ངོ་། །ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ན་རེ། ཞ་ལུས་མ་སླུས་ར་ངོ་སྐལ་ཐམས་ཅད་ཤ་
ཞེས་ཟེར་ནས་ཞ་ལུ་ལ་བསྟོད་བསྔགས་བྱས་དེ་ཞ་ལུ་ལ་རིན་པོ་ཆེ་མང་པོ་བྱིན་ནོ། །དེའི་ཕྱི་ནུབ་ལ་
སྔར་བཞིན་འཛབ་པར་འགྲོ་བས་ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ཀྱིས་ཆུ་སྐྱི་གཅིག་ལ་སྐྲུས་དེ་འདུག་གོ །ཁྱིའུ་ཞི་ཀྲ
མི་ཛ་ད་ཉིད་ཀྱང་འཛབ་པས་དགོངས་ལ་སྐྱུང་གཉིས་བྱུང་ནས་ངུ་བ་ལ། ཡང་ཞ་ལུ་ལས་དྲིས་པས། ཞ
ལུ་ར་རེ། ངུ་བའི་སྐྱུང་ཀི་དེ་གཉིས་ངའི་ཕ་མ་གཉིས་ཡིན། དེ་གཉིས་ན་རེ། སྐྱུང་ཀིའི་ཟས་ནི་ཤ
ཁྲག་ལས་མེད་ཀྱང་བརྩེ་བའི་སེམས་ཀྱིས་བུ་ལྟར་སོས་པས་མར་བྱུར་ལ་དྲིན་གཟོ་པའི་བསམ་པ་མེད་པར
མི་དང་འགྲོགས་ནས་འགྲོ་བ་ནི་ཅི་ཡོད། འདི་ནས་ཕྱིས་སུ་ཉིན་གཅིག་གཉིས་མི་འོང་བས། ཞ་ལུ
ཁྱོད་ནི་དོ་ནུབ་མི་ཉལ་ཁྱེད་ཀྱི་ཆུ་ཀླུང་དུ་ཤི་རོ་གཅིག་ཆུས་ཁྱེར་ནས་སྐྱེ་བས་པར་བཟུང་སྟེ་བརླ་གཡས་པ
བ་ཤགས་ར་རང་ནས་ནོར་བུ་རིན་པོ་ཆེ་གཅིག་འབྱུང་། དེ་ནི་སུས་ལེན་ན་གླིང་བཞི་ལ་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ
ཆེན་པོར་འགྱུར་རོ། ཡང་ཁྱེད་ཅག་ལ་རྐུན་མ་གཅིག་སྦྲས་པ་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། ཁྱིའུ་ཞི་ཀྲ་མི་ཛ་དས་ཞ
ལུའི་ཚིག་ཚང་བར་ཐོས་པས་ཀླུང་གི་ཁར་བསྡད་པས། སྐྱུང་ཀིའི་ངག་ལྟར་མི་རོ་གཅིག་བྱུང་བས་བཟུང

ནས་བརྙ་གཡས་པ་གཤགས་ན་ནང་ནས་ནོར་བུ་གཅིག་བྱུང་ངོ་། །དེ་ལེན་ནས་འདི་སེམས་སོ། །བུ་ཞ་ལུ་འདི་ནི་ཐ་མལ་པ་མིན། འདི་ནི་ཐབས་གཅིག་གིས་ལེན་སྙམ་ནས་ཕྱིར་ལོག་གོ །ཁྱིའུས་ལོག་པའི་རྗེས་སུ་ཞ་ལུ་སོགས་ཚོང་པ་དང་འགྲོགས་ནས་གླུང་ཁར་ཕྱིན་པས་མི་རོ་གཅིག་ཡོད་ངས་ལེན་ནས་བརྙ་གཡས་པ་སྟེར་མིས་གཤགས་པ་ཡོད་པས་ཤིར་དུ་མི་དགའ་བར་འདུག་པ་ལ། བི་ཀྲ་མི་ཛི་དུ་རང་གི་ནོར་རྫས་ཀྱི་སྣེ་སྣ་ལ་རྒྱ་ཡིགས་པར་བདབ་ནས་བསྒམས་ཏེ་ཚོང་པ་ལྔ་བརྒྱ་ལ་བདད་ནས་ཁྱེར་ཏེ་ཚོང་པ་རྣམས་དང་འཚོང་བྱས་པ་ལྟར་མི་རེ་རེ་དང་ལྡབ་སྡེ་སྐྱོར་པ་ལྟར་ཁྲོས་ཏེ་བསྒམས་པའི་ནོར་རྣམས་ཚོང་པ་རྣམས་ཀྱི་ཁྱིམ་དུ་གསང་སྟེ་བཞག །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ནུས་མཐུ་ཅན་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་ཞུས་སོ། །བདག་ཚོང་པ་ལྔ་བརྒྱ་དང་འགྲོགས་ནས་ནོར་བུ་ལེན་པའི་ཕྱིར་དགྲོ་བ་ལ། ཕྱིར་ལྡོགས་རྣམས་ནི་ནོར་བུ་མི་སྟེར་བའི་ཁར་བརྡེག་འཚོག་བྱས་ཏེ་ངས་བསྒམས་པའི་ནོར་རྫས་སོགས་འཕྲོག་བཅོམ་བྱེད། ངའི་རྗེས་ནི་མཐའ་རྣམས་ལ་རྒྱ་བཏབ་པ་ཡོད་པས། རྒྱལ་པོས་བདག་ལ་ཕོ་ཉ་གཏང་བར་ཞུ་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས་བློན་པོ་གཉིས་དང་དམག་ཉིས་བརྒྱ་དང་བཅས་པ་གཏང་བས་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་ཏོ། །བི་ཀྲ་མི་ཛི་དས་སྨྲས་པ་བཞིན་ཡོད་ན། ཚོང་པ་དེ་ཀུན་བཟུང་ནས་གསོད། མི་ནན་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ད་འདི་བཟུང་འདི་གཉིས་གྲོང་ཆེ་བར་གདའ་ཟེར་ནས་གཏོང་། རྒྱལ་པོ་འི་མངག་གཞུག་རྣམས་ཚོང་མཁན་བར་ཕྱིན་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་བཀའ་བཞིན་ཉི་གྲོང་ཐོགས་པ་ལ། ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ན་རེ། ཁྱིའུ་འདིའི་ནོར་འཕྲོག་པ་ལྟ་ཞོག །ཁྱིའུ་འདི་ནི་ཡེ་མ་མཐོང་། ཅིའི་ཕྱིར་བརྫུན་པར་སྨྲས་ཟེར། སྐྱིང་ནས་ཐོག་པར་བྱེད་ན་རྒྱལ་པོ་འི་བཀའ་བཞིན་གསོད་པར་འོས་ལ། མ་འཕྲོག་ན་ཁྱིའུ་འདི་ང་ཅག་དང་ལྷན་དུ་མ་བདང་ཟེར་བར། བློན་པོ་ན་རེ། ཁྱིའུ་འདིས་འཕྲོག་པ་བྱེད་པའི་ནོར་གྱི་སྣེ་སྣེ་མོར་རྒྱ་ཡོད་ཟེར། ཁྱེད་ཅག་གིས་ཟེར་བ་བཞིན། ཚོང་པ་རྣམས་ཀྱི་ནོར་གཡེངས་པས་སོ་སོ་ནས་སྣེ་རྣམས་ལ་རྒྱས་བདབ་པའི་ནོར་མང་པོ་འབྱིན་པས། ཚོང་པ་ཀུར་གསོད་པར་གཟས་པ་ལས་ཚོང་པ་ཀུན་འཛིགས་ཤིང་སྐྲག་ནས་སྨྲེ་སྔགས་མང་པོ་ཡང་ཡང་འདོན་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ།།

མ་འཕྲོག་པ་ནི་ངེས་པར་བདེན་མོད་ཀྱི། ང་ཅག་ལ་སྡིག་པའི་འབྲས་བུ་ངེས་པར་སྨྱོང་བས། ལྷ་ཡིན་ནས་འདྲི་ཡིན་ནས་ང་ཅག་རྣམས་འཆི་བར་ཟད་ཟེར་ནས་ངུ་ཞིང་ཀྱི་ངང་བྱེད་པ་ལ། བི་ཀྲ་མི་ཛི་ད

དེ་རྣམས་ལ་ན་རེ། ཁྱེད་ཅག་ཅིའི་ཕྱིར་ངུའམ། ངུ་ན་མི་གསོད་པ་ཡིན་ནམ། བདག་ཁྱེད་ཅག་
ལ་ཚིག་གཅིག་སླ་ཡི་ཁྱེད་ཅག་དང་དུ་ལེན་ནམ་ཟེར་བ་ལ། ཚོང་པ་དེ་རྣམས་ན་རེ། འོ་སྐོལ་འཆི་བར
ཟད་པའི་མི་རྣམས་ཡིན། ཇི་ལྟར་སྐྱོབ་པར་ཇི་ཁྱེའུ་ཁྱེད་ཤེས་ཞེས་ངུ་བས། ཁྱེད་ཅག་མ་ངུ་མི་འོས་
པའི་སྤྱོད་པས་ནོར་འཕྲོག་པས། རྒྱལ་པོས་ཁྱེད་རྣམས་གསོད་པ་ཡིན། ནོར་རྣམས་ངའི་ཡིན་པས་
ངས་ཁྱེད་རྣམས་གསོད་མི་གསོད་བདག་གི་འདོད་མོད་ཀྱི་ཁྱེད་ཀུན་གསོད་པས་བདག་ལ་མི་ཕན། བདག་
གིས་རྒྱལ་པོར་ཞུས་ན་མི་གསོད་པ་ཡིན་ཞེས་བསམས་སོ། །ཁྱེད་ཅག་བདག་གི་ནོར་གྱི་ཚབ་ཏུ་བུ་ཞ་ལུ་
དེ་བདག་ལ་སྦྱིན་ནམ། སྦྱིན་ན་མི་གསོད་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། ཚོང་པ་དེ་བདག་ཕྱག་འཚལ་ནས་བདག་གི་
སྲོག་སྐྱབས་པས། ཞ་ལུ་འབུལ་ཞེས་ཞུས་པ་ལ། ཞ་ལུ་བྱིན་ཁར་ཚོང་པ་རྣམས་ན་རེ། འོ་སྐོལ་གྱི་འཆི་
བ་གཉིས་ལས་སྲོག་སྐྱབས་པས་འདི་ལྟར་དྲིན་ཆེ་བས། དྲིན་གཟོ་བའི་ཕྱིར་དུ་ལོ་རེ་བཞིན་ཁྲལ་ཕུལ་
བར་གདའ། ས་མཐའ་ནའང་ཚོང་པའི་ཕུད་འབུལ་བར་གདའ། ཞེས་ཟེར་ནས་འོ་སྐོལ་སྲོག་གི་སླད་
དུ་བུ་དེ་དང་ཁྱེད་ལྷན་ཅིག་ཏུ་འགྲོ་འོ་ཞེས་ཟེར་རོ། །བུ་ན་རེ། མི་ལྔ་བརྒྱའི་སྲོག་སྐྱབས་པའི་དགོས་
པ་བདག་ལ་དོན་ཡོད་དོ་ཟེར། དེ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ཚོང་པ་ལྔ་བརྒྱ་ལ་གྲོང་མེད་པར་འདོན་ནས་ཞ་ལུ་
འཁྲིད་ནས་པོ་བྲང་ལ་ཕྱིན་པས། མས་ཉི་བུ་ལས་དྲིས་པ། བུ་ཁྱོད་ནི་ག་ར་ཇོན་ནས་ཡོངས། འཁྲིད་
པའི་བུ་འདི་ནི་སུ་ཡི་ཡིན་ཞེས་དྲིས་པས། བུ་ན་རེ། ཨ་མ་ཁྱེད་ཅག་འབྲོས་པར་སོང་ཚེ་གཅིག་ནི་
སྐྱེས་ནས་བོར་བ་སྐད་ཟེར་བར། མ་ཉི་ན་རེ། བདག་གིས་འཁྲིད་པའི་བུ་མོ་གཅིག་བུ་སྐྱེས་ནས་
ལམ་ཁར་སྤྲང་པོའི་ཁང་བུར་བཅུག་པ་དེ་ནི་བུ་ཁྱོད་མི་ཤེས་ཟེར་བ་ལ། ཁྱེའུ་ན་རེ། བུ་དེ་འདི་
ཡིན་ངེས་ན་མ་ཉི་རུ་ཞོས་སྐྱེས་ནས་ཞ་ལུ་ནུ་མ་ནུ་བར་གསུར་ཅིག་ཅེས་སློན་ལམ་བཏབ་པས་ཞ་ལུས་ནུ་མ་
ནུས་སོ། །དེ་ནས་ཁྱེའུ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ན་རེ། ཨ་མ་ཁྱེད་ནི་ཕོ་བྲང་འདིར་བཞུགས་ཤིག །བདག་
ན་བོ་ཞ་ལུ་དང་ཨབ་རྒྱལ་པོ་འི་གྲོར་ཁྱེར་དང་ཆབ་འབངས་རྣམས་ལ་འཕུད་དོ་ཟེར་བ་ལ། ཨ་མ་ན་
རེ། ས་ཨང་རིང་ལ་གདུག་ཅན་མང་པོ་ཡོད་པས་བུ་ཁྱོ་དེ་ཚེས་སྐྱབ་ཡོང་ཞེས་ཟེར་བར། ཁྱེའུ་ན་རེ།
ཨའུ་ཙི་ཨ་མ་དེ་ལ་ཅི་སྡུག་ཡོད། ས་ནི་རིང་ཡང་སོང་སོང་སླེབས། །དགྲ་བོ་མང་ཡང་གནོན་གནོན་
གྲོལ། །ན་སོ་ཆུང་ཡང་པ་ཡུལ་མཐོང་། །ཞེས་ཟེར་ནས་ཕ་ཡུལ་དུ་ཞ་ལུ་འཁྲིད་ནས་ཐོན་ཏོ། །དེ་

ནས་གདད་ཕྱིན་ཏེ་ཆབ་འབབས་ཀྱི་མཐར་སླེབས་མ་ཐག་ཏུ། ཡབ་རྒྱལ་པོ་ཧ་ད་ཏེ་འདས་པ་དང་ཆབ་འབབས་རྣམས་བཀླག་ཟེར་བ་ཐོས་ནས། ཡུལ་གཞན་གྱི་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ཞེས་པ་གཅིག་རྒྱལ་པོ་ཧ་ད་རོ་ཁའི་བཙུན་མོ་ལེན་སྐབས་ནས་ཕྱིན་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དེ་ནི་སྔར་བདུད་འོང་ནས་མདའ་འོག་ཏུ་བཙུག་བདུད་དེས་སྐར་ཡང་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ཡང་མདའ་འོག་ཏུ་བཙུག་ནས། ཉིན་གཅིག་ལ་ཇོ་དཔོན་གཅིག་གིས་སྐུ་དྲངས་ནས་མི་བརྒྱ་བསད་ནས་གསོས་སོ།།

དེ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ད་དང་ཞ་ལུ་གཉིས་ཀ་གནས་ཡུལ་གྱི་མཐར་ཁྱིམ་གཅིག་ལ་ཕྱིན་པས་རྒན་མོ་གཅིག་ཁ་ཟུབ་ཏུ་བྱས་ནས་གདོང་ལ་སེར་མོས་འབྲུད་ནས་ཀྱི་དུད་བྱས་པ་མཐོང་ནས། བི་ཀྲ་མི་ཛི་དས་རྒན་མོ་དེ་དྲངས་ཏེ་བསྐྱངས་ནས་རྒན་མོ་ཁྱོད་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་འདི་ལྟར་བྱུར་ཞེས་དྲིས་པས། རྒན་མོ་ན་རེ། ང་ལ་བུ་གཅིག་ཡོད་དེ། ང་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་རྒྱལ་པོ་ཧ་ད་རོ་ཁའི་བཙུན་མོ་ལེན་སྐབས་ནས་ཕྱིན་པས་ཕྱིར་བདུད་ཀྱིས་དབང་ན་ཉིན་གཅིག་ལ་དཔོན་པོ་གཅིག་བཅས་མི་བརྒྱ་ཚང་བ་གཅིག་དགོས་པ་ལ། ངའི་བུ་གཅིག་སྔར་ཕྱིན་ད་ལྟ་གཅིག་བུ་ལུས་པ་ཡང་ད་བྱིན་ཟེར་བས་བླངས་ཏེ་སོང་། དེ་བས་ན་བུ་གཅིག་པུ་ལས་འབྲལ་ལོ་སྐམ་དེ་ལྟེབས་དེ་ཤི་སྐམ་པ་ལ་ཡགས། བུ་ཁྱེད་གཉིས་ཀྱིས་མི་གསོད་པས་མི་ཤེས་པར་འདུག་ཟེར་བ་ལ། བི་ཀྲ་མི་ཛི་ད་ན་རེ། རྒན་མོ་ཁྱོད་འདི་ལྟར་སྡུག་མི་དགོས། ཁྱེད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ལ་ནི་སྐྱེས་ནས་བུ་གཅིག་པུ་རེའི་ཕྱིར་ཁྱོད་ལ་གཏོང་གི། ཁྱོད་ཀྱི་བུའི་ཚབ་ཏུ་ང་རང་གི་ལུས་བཏང་ཟེར་བར། རྒན་མོ་ན་རེ། ཨེས་ཨ་ཙ་མ་ཁྱེའུ་གཉིས་ཁྱེ་དེ་གང་གང་ནི་བདག་གི་དང་འདྲ་བས། བདག་ཤི་བ་སྐྱུགས་པའི་རྒན་མོ་གདའ། བུ་ཁྱེད་གཉིས་མ་འགྲོ། ང་འདྲའི་རྒན་མོས་ཀྱི་ཀུད་བྱེད་བཞིན་འཆི་ཡོང་ཟེར་བར། བི་ཀྲ་མི་ཛི་ད་ན་རེ། ཨེའུ་ཙི་དེ་ལ་ཙིའི་ཕྱིར་སྡུག །ཁྱེད་ཀྱི་བུ་མ་བདང་ན་ཚབ་ཏུ་ངའི་ནུ་བོ་སྦྱིར་ཟེར་ནས། ཁྱེའུ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་དས་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ལ་བྱིན་ནས། རྒྱལ་པོ་དེས་དཔོན་གཅིག་བཅས་མི་བརྒྱ་འདུས་ནས་མི་དེ་དག་གིས་ཀྱི་ཀུད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་ཁྱེའུ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ད་ཉིད་མཐོང་ནས་ཁྱོད་ག་ནས་ཡོངས་ཞེས་དྲིས་པ་ན། བི་ཀྲ་མི་ཛི་ད་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཧ་ད་རོ་ཧའི་བུ་ཡིན་ཡབ་འདས་པའི་རྗེས་སུ་བདུད་ཀྱི་དམགས་ལ་འཇིགས་ནས་འབྲོས་ཏེ་ནུ་བོ་ཡང་ཁྲིད་ནས་ཡུལ་འདི་ལ་ངའི་ཡབ་ཀྱི་སྲིད་ཡོད་པས་བདེའམ་སྐམ་སེམས་བསྐོར་ནས་བལྟ་ཞེས་ཡོངས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་

ན་རེ། གཉིང་འོངས་པ་ཁྱོད་ལྟ་ཞིག །སྔར་ཡོངས་པ་ངས་ཀྱང་སྡུག་བསྔལ་མྱོང་བར་གདའ། ཉིན་
གཅིག་ལ་དཔོན་པོ་གཅིག་དང་འབངས་བརྒྱུས་ཁྲལ་འབུལ་ལགས་ཟེར་བ་ལ། ཐྲི་ཀྲ་མི་ཏྲི་ད་ན་རེ།
བདག་ཤན་མོ་གཅིག་ལས་ཚང་བར་ཐོས་སོ། །ཤན་མོས་ཀྱི་རྒྱུད་ཆེ་བས་དེའི་བུ་ཡི་ཚབ་ཏུ་བདག་སྤྱིན་
ཅེས་སྨྲས་ནས་ཡོངས་པ་ལགས་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ན་རེ། ཁྱོད་བདུད་རེ་ལ་ཡང་འགྲོ་མི་
བཟོད། བདུད་རེས་ཁྱོད་ནི་ཟོས་པ་ལས་གཞན་ཅིར་གྱུར་ཟེར་བ་ལ། ཁྱེའུ་ན་རེ། སྔར་དེ་ལྟ་ན་
རྟེན་འབྲེལ་ལེགས་པར་འགྲིགས་པ་ཡིན། མི་བརྒྱའི་ཆེད་དུ་ལུས་སྟེར་ན་དགེ་བ་དེ་ཡིས་སྐྱེ་བ་ཕྱི་
མར་སྐྱེ་གནས་བཟང་པོ་ཞིག་ཐོབ་པར་ངེས་སེམས་ནས་སྐྱབས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་
གནང་ནས་ཤན་མོའི་བུ་བཏང་ངོ་།།

དེ་ནས་ཐྲི་ཀྲ་མི་ཏྲི་དས་མི་བརྒྱ་ཁྲིད་ནས་ནོར་གར་གྱི་ཚུལ་བྱས་འགྲོ་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་
སྟ་དྲངས་པའི་མི་མང་པོས་ཕྱིན་དེ་བལྟ་ཞིས་སོང་ནས་མཐོང་སྟེ་ཤིན་ཏུ་ངོ་མཚར་ནས་འདི་སྐད་ཟེར་རོ།། བུ་
འདི་ནི་བསླུ་བ་མེད་པར་སྐྱབས་པར་ངེས་པའི་སངས་རྒྱས་ཡིན་ནས། ཡང་ན་ནི་ང་ཅག་གསོད་པའི་བདུད་
ལ་སྤྱོད་པ་ཡོད་པའི་འདྲེ་ཡིན་ནས། ཅི་འདྲ་ཡིན་ཡང་སང་ཉིན་ལ་ཤེས་པ་ཡིན་ཟེར་རོ། །དེ་ནས་ཐྲི་
ཀྲ་མི་ཏྲི་ད་མི་བརྒྱ་ཁྲིད་བཞིན་པར་གྲོང་ཁྱེར་དེར་ཕྱིན་པས། ཕོ་བྲང་ངོ་མཚར་བ་ཞིག་ཡོད་པས་དེར་
བཅུག་ནས་བལྟས་པས། སེ་ཧྣེས་བརྟེགས་པའི་ཁྲི་ཆེན་པོ་ཞིག་ཡོད་པས་དེའི་སྟེང་དུ་ཐྲི་ཀྲ་མི་ཏྲི་ད་
འདུག་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །ཨེས་ཨ་ཙ་མ་བདག་གི་ཡབ་རྒྱལ་པོ་ར་ད་རོ་ར་ཁྲི་འདི་ལ་བདེ་
བར་བཞུགས་ནས་བཙུན་མོ་དང་ཆབ་འབངས་ཐམས་ཅད་བརྩེ་བཞིན་བྱམས་པ་དང་རྒྱལ་སྲིད་བཟུང་སྟེ་བདེ་
བར་འདུག་པར་བྱེད་པའི། །ད་ལྟ་ཡང་འདི་ལྟར་སྟོང་བར་གྱུར་པ་ནི་བལྟས་ན་འཇིག་རྟེན་གྱི་བྱ་བ་
རྣམས་མི་རྟག་པ་ཡིན་ཞེས་དུ་བཞིན་འདི་སེམས་སོ། སྔར་མི་མང་པོ་ཟོས་པ་ལ་ཇི་ལྟར་སེམས་པ་ལགས།
བདུད་ཀྱིས་ཟོས་པའི་མི་དེ་རྣམས་སྙིང་རེ་རྗེ་ཞེས་དུ་བ་ལས་སེམས་སོ། །བདུད་ཁྱོད་ཀྱི་གདུང་བརྒྱུད་ནི་
བདག་གིས་རྩ་བ་ནས་ངེས་པར་བཅད་པ་ཡིན་ཞེས་སེམས་ནི་ཐག་ཆད་ནས་མི་དེ་དག་ནི་ཕྱིར་ལོག་པ་ལས།
རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་བཟློ་ལོ། །གདུག་ཅན་བདུད་ནི་དབང་དུ་འདུས་པའི་ཕྱིར། །བདག་
གི་དྲུང་དུ་རང་ནི་ཐུས་གང་བརྒྱ། །སློ་བཞིར་བུས་པ་གང་བ་བརྒྱ་རེ་རེ། །བཞག་ཅེས་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་

ལ་གསོལ། །ཞེས་ཞུས་པས་རྒྱལ་པོ་དགའ་ནས་ཁྲི་ཐུའི་ངོ་བཞིན་བཤམས་པ་ལ། བདུད་རེའི་དམག་
ཡོངས་ནས་སྒོ་བཞིའི་ཚང་ནར་ས་མཚོང་ནས་དགའ་ཞིང་ལྐུག་མ་མེད་པར་འཕྱུང་པས་ཀྱོས་ཤིང་བརྒྱལ་བ་
ལ༎ ཁྲི་ཐུས་ཟམས་ཅན་བསད་པར་འདུག་པ་ལ། བདུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་སླེབས་ནས་རལ་གྲི་ཕྱུངས་ནས་
ཁྲི་ཐུ་ལ་བདབ་པར་གཟས་པ་ལས། ཨས་བདུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཁྲོད་ཕྱིར་བསྐུར། བདག་གི་དྲུང་ན་འཁོད་པའི་
ཟས་འདི་དག་གསོལ་ནུས་ན་ཁྲོད་ཀྱི་འདོད་པ་ལྟར་ཡིན་ལ། གལ་དེ་མ་ནུས་ན་བདག་གི་དབང་ཡིན་ནོ་
ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། བདུད་ཀྱི་རྒྱལ་པོས་རལ་གྲི་པོར་ནས། ཟང་དེ་ཀུན་ཟུས་པ་མེད་པར་འཕྱུང་
པས་ཤིན་དུ་ཧོས་ནས་བརྒྱལ། དེ་ནས་ཐི་ཀྲ་མི་ཇི་ད་འདི་སེམས་སོ། །བདུད་ངན་འདི་ཉིད་ནི་ཐབས་
ཀྱིས་བསད་ན་མི་རུང་། ནས་མཐུས་བསད་ན་གྲགས་པ་ཆེ་སྙམ་ནས་བཅིངས་པར་བྱེད་ཆོ། བདུད་
སངས་དེ་བཞེངས་ནས་ཁྲི་ཐུར་ཤེས་རབ་ཀྱི་རལ་གྲི་ཕྱུངས་ནས་བདུད་དེ་ནི་གཉིས་གྱེས་པ་ལྟར་བརྒྱབ་པ་
ན། བདུད་ཀྱིས་ཙི་གཉིས་སུ་གྱུར་ནས་སྟོད། ཡང་བཞི་བརྒྱབ་ན་བཞི་དང་། བརྒྱད་བརྒྱབ་ན་སྟག
བརྒྱད་དུ་གྱུར་ནས་ཞུར་སྒྲ་ཆེན་པོ་སྒྲོགས་པས། ཇི་ཐུ་ལ་ཞུར་སེ་ཕྲེ་དཀར་པོ་ཁྲོས་ཤིང་གདུམ་པ་བརྒྱད་
དུ་སྤྲུལ་ནས་ཞུར་ཞུར་ཆེམས་ཆེམས་ཀྱི་སྒྲ་འབྲུག་ཁྲི་འབུམ་གྱི་སྒྲ་ལྟར་སྒྲོགས་པས་གནམ་ས་ཐམས་
ཅད་གང་བས་ཉི་ཟླའི་འོད་མི་སྣང་བ་དང་རི་བོ་བསྒུལ་བ་དང་རྒྱ་མཚོ་འི་ཐ་ཀློང་འཁྲུགས་པ་ལ་སོགས་
པའི་ལྟས་བྱུང་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་སོགས་ཀུན་འཇིགས་ཤིང་སྐྲག་ནས་བརྒྱལ་ལོ། །ཐི་ཀྲ་མི་ཇི་
ད་རེས་བདུད་གཞོམས་ནས་བསངས་བཞག་སྟེ་ས་ཆུ་ནམས་འདུལ་ནས། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་སོགས་ཀུན་
བདེ་སྐྱིད་དང་ལྡན་པར་བྱས་སོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་ཁྲི་ཐུ་ཐི་ཀྲ་མི་ཇི་དས་བདུད་ཀྱི་དམག་དབྱུང་
འཇོམས་རྒྱལ་པོར་འདུག་ནས་རང་གི་ཚབ་འཁོག་ཏུ་གཏོགས་སོ། །རྒྱལ་པོ་ཨིཛྫ་བྷུཛྫ་རྒྱལ་པོ་ཐི་ཀྲ་མི་ཇི་
ད་དང་འདྲ་ན་ཁྲི་འདི་ལ་འདུག་དེ་འདྲ་མ་ཡིན་ན་འདུག་མི་རུང་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ཨིཛྫ་བྷུཛྫས་
གསན་ནས་ངོ་ཚ་ཞིང་ཡང་ཕྱིར་ལོག་ནས་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་གསུམ་པའི་ལེའུ་སྟེ་གསུམ་པའོ།། ||

ལེའུ་བཞི་པ།

༄ དེ་ནས་ཕྱིས་དུས་གཅིག་ན་རྒྱལ་པོ་ཨིཛྫ་བྷུཛྫས་འདི་སེམས་སོ། །བདག་ལ་ཁྲི་བཟང་པོ་འདི་

ལ་སྤྲོད་པའི་སྐལ་བ་མེད་ན་ག་ལས་རྙེད། སྤྲོད་པའི་སྐབས་སུ་མ་བབས་ཀྱང་ཡང་བསྐུར་བར་འདུག་
སྙམ་ནས། སྤར་བཞིན་དུ་འཛོགས་པས། ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཁྲོད་མ་འདུག །
བདག་གིས་དཔེ་གཅིག་སྨྲའོ། །སྔོན་ཛྫ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛྫི་ཏ་ཁྲིའུས་བདུད་བདུལ་ནས་རང་གི་ཁྲི་ལ་
བསྐྱོད་ནས་འགྲོ་བ་རྣམས་བདེ་སྐྱིད་དང་ལྡན་པར་བྱས་ནས། དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་ཡུལ་ནས་ཊ་ཀི་མེ་
ཏོག་གར་མ་ཞེས་བྱ་བའི་བུ་མོ་གཅིག་འཛམ་བུའི་གླིང་དུ་འོངས་པའི་རྣམ་ཐར་སྨྲའོ། །ཁྱེད་ཅག་
ལེགས་པར་ཉོན་ཅིག །རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མ་ཛི་ཏས་བདུད་བདུལ་ནས། རྒྱལ་པོ་ནས་མཐུའི་ཡུལ་ནས་
རང་གི་ཨ་མ་ལེན་ནས་བདེ་བར་འདུག་པ་ལ། དེ་ནས་ཞིང་རྨོས་ནས་འགྲོ་བ་ཀུན་ཆོས་པར་བྱའོ་སྙམ་
ནས་ཞིང་རྨོས་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤས་ཛྫ་བྲི་ཀྲ་མི་ཛྫི་ཏ་ལ་བསྟོད་པར་བྱེད་ཟེར་
ནས་ཉི་ཚེ་ཚུང་རྣམས་དགའ་སྟེ་ཀུན་གྱིས་རྒྱ་མཚོ་ལ་ཡུར་བ་ཀོ་ནས་ཆུ་དྲངས་པ་ལ། བྲི་ཀྲ་མི་ཛྫི་དས་
ན་བོ་ཉ་ལུ་ཁྲིད་ནས་མི་ཆེན་པོ་རྣམས་སྨུག་བསྐལ་བར་འགྱུར་རམ་མི་འགྱུར་བརྟག་ཞེ་ན་པོ་བྲང་གི་རྩེ་ལ་
བྱོན་པས། མི་དེ་རྣམས་ཀྱི་ནང་ན་བུ་མོ་མཛེས་ཞིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་ཞིག་མཐོང་ནས། ཉ་ལུ་ལ་
སྨྲས་པ། བུ་མོ་གཟུགས་མཛེས་པ་དེ་སུ་ཡི་ཡིན་ལེན་དེ་ཡོངས་ཟེར་ནས་བཅོལ་བས། ཉ་ལུ་འགྲོ་
ནས་བུ་མོ་དེ་ལེན་ནས་སློབ་པས། ཁྲིའུ་ན་རེ། ཁྲོད་སུའི་བུ་མོ་ཡིན་ཞེས་དྲིས་པས། བུ་མོ་ན་
རེ། ང་གཏོལ་པའི་རིགས་ཀྱི་བུ་མོ་ཡིན་ལགས་ཟེར་བ་ལ། ཁྲིའུས་བཀའ་སྩལ་པ། འོ་ན་ཁྱོད་
གླངས་ནས་བཙུན་མོར་བྱེད་པ་ལགས་ཁྱོད་ཚུང་ངམ་ཟེར་བར། བུ་མོས་ཞུས་པ། རྒྱལ་པོའི་བཀའ་
བཞིན་བཙུན་མོ་བྱེད་ཟེར་བ་ལ། ཁྲིའུ་རྒྱལ་པོས་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལ་ཤ་ལ་འདི་སྐད་ཅེས་བཀའ་སྩལ་དོ། །
བདག་གིས་བུ་མོ་འདི་ལེན་པས་འདི་ཉི་ཁྱོད་ལ་ཉོན་ཅིག་ཟེར་བར། དེ་འདྲ་ན་ལེགས་རྒྱལ་པོའི་བཀའ་
ལྟར་བྱས་སོ། །རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་ལ་བཙུན་མོ་མེད་པ་ལ་བདག་གི་སེམས་པ་སྤྲོང་བ་ཡིན་ཟེར་ནས་དགའ་
ཞིང་ཕྱུག་ཏུས་ནས་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་པོ་བྲི་ཀྲ་མི་ཛྫི་དས་བཙུན་མོ་བླངས་ནས་སྔོན་མོ་བྱས་པ་ལ། བུ་
མོ་ན་རེ། ཛྫ་རྒྱལ་པོ་ང་ཚང་མ་བླངས་ན་དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་གཡས་རིན་པོ་ཆེ་ལས་གྲུབ་པའི་ཕོ་བྲང་
གཅིག་ཡོད་དོ། ཛྫ་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ནི་དེར་བྱོན་ནས་འོང་ན། ཁྱེད་ཀྱི་བཙུན་མོ་བྱེད་ཅེས་ཞུས་པ་ལ།
ཛྫ་བྲི་ཀྲ་མི་ཛྫི་དས་དེར་འགྲོ་ཚུང་ཟེར་ནས་ཤེས་རབ་ཀྱི་རལ་གྲི་ལེན་ནས་རྒྱན་རྣམས་ཀྱིས་བརྒྱན་ཏེ་བརྒྱ

ང་དུ་གཏད་ནས་ཕྱིན་པས། རྒྱལ་པོས་ངལ་སོས་པོ་བྲང་ཆུབ་ཀྱི་ཤིང་དྲུང་དུ་བཞུགས་པ་
བྱིན་གྱི་པོ་ ཀ་ལ་བིང་ཀའི་ཕྲུ་གུ་མང་པོ་འདུག་པ་ལ། ཕྲུ་གུ་དེ་རྣམས་ཀྱིས་ငས་ནས་ན་རེ།
ལ། ཤིང་དེ་ རན་ཡོང་ས་ངས་ང་ཅག་གསོད། དེ་ལས་ང་ཅག་རྣམས་སྐྱོབས་ནུས་པ་ཡོད་
ང་ཅག་ལ་སྨྲལ་གདུག་པ་ རྒྱལ་པོ་ཁྲིའུས་ཐོས་ནས་ཤེས་རབ་ཀྱི་རལ་གྲི་ཕྱུངས་ནས་སྦྲུལ་སྐྱེབས་
དམ་ཟེར་ནས་ཀྱི་ཤད་བྱས་པ་ལ། དགེ་པ་ལ། ཕྲུ་གུ་དེའི་པ་མ་གཉིས་འོངས་ནས་ཕྲུ་གུ་ལས་དྲིས་
པ་ལ་དགུ་ཙུགས་རྒྱབ་ནས་བཤད་པར་ ས་སྤུས་སྐབས་ཟེར་བར། ཕྲུ་གུ་རྣམས་ན་རེ། ཤིང་
པ། སྦྲུལ་འདི་སུས་བསད། ཁྱེད་ཅག་རྣ རག་སྐྱོངས་ཟེར་བར། ཀ་ལ་བིང་ཀ་དེ་གཉིས་
འདིའི་རྣ་བ་ན་འདུག་པའི་མི་ཞིག་གིས་བསད་པས་ང པ་ཅན་ཐམས་ཅད་སྐབས་བྱེད་པའི། །གནང་
འབབ་རས་བདུད་དེ་ཐུག་བྱས་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ། སེམ་ དི། །སྐབས་མཆོག་ག་ནས་བྱོན་
སྤྱོད་རྡོ་རྗེ་ག་ལས་བྱོན། །འཛིགས་རྩུང་གདུག་ཅན་སྦྲུལ་བསད་ ཞེས་ཟེར་ནས། །ཞུས་པ་
པ་ལགས། །བདུད་བདུལ་བྱང་ཆུབ་སེམས་པ་ནི། །གང་དུ་བྱོར་རམ གཡས་ཕྱོགས་སུ་རིང་
ལན་གསུམ་བྱས་པ་ལ། །རྒྱལ་པོས་བཀའ་སྩལ་པ། བརྒྱ་བྱིན་གྱི་པོ་བྲང་གི ཀ་ལ་བིང་ཀ་
པོ་ཆེ་ལས་གྲུབ་པའི་པོ་བྲང་ཞིག་ཡོད་དོ་ཟེར། བདག་གིས་དེ་བལྟ་བྱིན་ནོ་སྨྲས་པ་ལ། ལ་དགོས་
ན་རེ། རིན་པོ་ཆེ་ལས་གྲུབ་པའི་ཕོ་བྲང་དེར་གནས་པའི་འགྲོ་བ་རྣམས་ཤི་བས། དེ་ལྟའི་
སོ་གལ་དེ་བལྟ་དགོས་ན་བྱོན་ནོ། ང་ཅག་གཉིས་ནི་ཁྱེད་ཀྱི་ཐེག་བཞེད་རྩུང་ཟེར་ནས་ཐེག་བཞེད་ནས
བྱོན་ངས་དེ་མ་ཐག་ཏུ་ཕྱིར་དོ། །ཕོ་བྲང་གི་སྒོར་འབེབས་དེ། ཀ་ལ་བིང་ཀ་ན་རེ། རྗེ་རྒྱལ་པོས་
ག་ན་བྱོན་དགོངས་ན་ང་ཅག་རྣམས་བསམ་མ་ཐག་ཏུ་སྐད་ཅིག་ཉིད་ལ་སྐྱེབས་ཡོང་བ་ཁྱེད་ཀྱི་ཐེག་བཞེད་
བྱས་ཟེར་དེ་འོག །རྗེ་རྒྱལ་པོ་དེས་ཕོ་བྲང་དུ་བཙུག་རས་བལྟ་བས། ནག་ཚལ་གྱིས་གང་བའི་ནང་དུ་
རྫིང་བུ་གཅིག་ཡོད་དོ།།

དེ་ནས་ཕར་ཕྱིན་པས་སུ་རིག་གི་སྒོ་རང་འབྱེད་གདའ། བཙུག་ནས་བལྟས་པས་གསེར་ཁྲིའི་ཁར་
རིན་ཆེན་སྣ་བདུན་གྱིས་བརྒྱན་པའི་བུ་མོ་ཞིག་གི་འོད་ཟེར་སྣ་ཚོགས་འཕྲོས་པའི་རོ་ཞིག་ཡོད་དོ། །དེའི་
ཕྱི་རོལ་དུ་བུ་མོ་ལྔ་བརྒྱའི་རོ་ཡོད་དོ། །དེ་དག་མཐོང་ནས་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་ཤི་སོང་བ་ཡིན་སྙམ། དེ་
ལྟ་ཀ་ལ་བིང་ཀ་ཡོང་ངོ་སྙམ་པས། ཀ་ལ་བིང་ཀས་སྐད་ཅིག་ཏུ་སྐྱེབས་པས། རྒྱལ་པོ་ཐེག་པས་

དེ་མ་ཐག་ཏུ་ལོག་ནས་ཡོངས། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཛཱི་རྒྱལ་པོས་ཕོ་བྲང་དེ་རྣམས་
བདག་མཁར་དེ་མཐོང་ངོ། །འགྲོ་བ་རྣམས་ཀུན་ཤི་བར་གདའ། ཀྱི་ ཕྲང་ངམ་ཟེར་བར།
པོ་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་ཤི་བ་ཡིན་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པས། བཙུན་མོ་ཤི་རོ་ རེ་ཛཱི་དེ་དག་འགྲོ་བ་མང་
སེམས་གདུངས་ནས་གཤེགས་པའི་དགེ་བ་བྱས་ཟེར་ནས། ང། རྒྱལ་པོ་ཤྲཱི་ཀྲ་མི་ཛཱི་དས
སྨིན་པར་ཐེག་བཞེད་བྱོན་རྣམ་ཐར་ཀྱི་མཁར་དེར་སོ་ ཡང་ཀ་ལ་ཤིང་ཀ་འོངས་སོ་སྨམ་པར་དེར
གར་མ་འཇའ་འོད་འཕྲོས་པ་ཞིག་བུ་མོ་ལྔ་བ་ བས་སྒོ་དེར་ཐབ་པས། ནང་དུ་བུ་མོ་མེ་དོག
ནས་རྒྱལ་པོ་འི་ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ། ཤུས་བསྐོར་བར་ཡོད་དོ། །བུ་མོ་དེ་དག་བསུ་རུ་འོངས
འོངས་སམ་ཟེར་བར། ཛཱི་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ནི་སེམས་སྤྲོང་ངམ་ལུས་ངལ་ལམ་བདེ་བར
སླེབས་སྨམ་པར་ཤི་སོ་ །ལ་ཤིང་ཀའི་མཐུས་བདེ་བར་འོངས། ཕུར་བདག་ཆུང་མ་བཟུང་མོ
རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ནི་ བར་གདའ་བས་སེམས་སྤྲོང་བར་ཡོད་ཟེར་བར། མི་དོག་གར་མ་ན་རེ། ཛཱི
གར་ཙ་ ཕྱིར་དུ་མི་ཤེས། བུ་མོ་དེ་འདྲ་ཡང་བདག་རང་ཡིན་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་སྲས་མོ་མེ་དོག
བྱ་བ་ཡིན་ལགས་སོ། །བདག་རང་མི་འོས་པའི་བྱ་བ་བྱས་པས། ཡབ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ཁྲོས་ཏེ
ང་དང་བུ་མོ་ལྔ་བརྒྱ་དང་བཅས་པ་ཚར་བཅད་ནས་འཛམ་གླིང་དུ་གདོལ་པའི་རིགས་ཅན་གྱི་ཆུང་མར་འགྱུར
ཞེས་ལོགས་པའི་སྨོན་ལམ་བཏབ་ནས་ཤི་རུ་སོང་བས། ཡབ་ཀྱི་བཀའ་བཞིན་དུས་པ་ལས། རྒྱལ་པོ
ཁྱེད་དང་འཕྲད་པ་ནི་དེ་ཡིན་ནོ། ཡབ་རྒྱལ་པོ་འི་བཀའ་མ་གནང་བར་ང་ཅག་གཉིས་འགྲོགས་མི་རུང
བས། ཕོ་བྲང་འདིའི་ནང་གི་རོ་རྣམས་མཐོང་ཞེས་འགྲོ་བ་ཡིན། ཁྱེད་ཀྱིས་མཐོང་ཞེས་བཀའ་སྩལ
པས། འདི་ལ་ང་སླེབས་དེ་སླེབས་ཡོད་སྨམ་ནས་རང་གི་ཕྱུང་པོ་དོར་ནས་འདིར་སླེབས་པ་ཡིན་ཞེས
ཞུས་པས། རང་གི་ཕོ་བྲང་དུ་རྒྱལ་པོ་སྤྱན་དྲངས་ནས་ཟས་རོ་བརྒྱ་གསོལ་ནས་འདོད་དགུར་དབང་བསྐྱུར
ནས་སྐྱིད་པར་གདའ་བ་ལ། མི་དོག་གར་མས་ཞུས་པ། ཛཱ་བི་ཀྲ་མི་ཛཱི་ད་རང་གི་ཕོ་བྲང་དུ་བྱོན་ན
ལེགས་ལ། བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བདག་གསོལ་པར་ཤེས་ནས་ད་ལྟ་ཕོ་ཉ་འོངས་ནས་བདག་སྡུག་བསྔལ་སྤྱོང
ངོ། །བདག་སྡུག་བསྔལ་སྤྱོང་བ་ལ་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་མི་བཟོད་པས་སེམས་ནི་ཤིན་ཏུ་གདུངས་པ་ཡོང
ཟེར་བ་ན། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དེ་ལ་ཡང་ཅིས་སྡུག་པ་ཡོད། མི་དོག་གར་མ་ཁྱོད་ནི་སྡུག་པ་ནི
མཐོང་ནས་འགྲོ་བ་ཡིན་ཟེར་ནས་གདའ་བ་ལ། ལྷ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ལྷ་གཞན་རྣམས་འབོད་ནས་འདི་སྐད

རོ། །སྨྱོན་ཅན་མེ་ཏོག་གར་མ་གསམས་ཏེ་སློབས་སྐད། ཁྲིད་ཅག་ཕྱིན་ནས་བསད་ནས་རྫོ་ཕ་ཕོང་ཆེན་པོར་སྦྲུལ་ནས་བསྐལ་བ་སྟོང་གི་བར་དུ་མི་འཕྲོན་ཞེས་སྨོན་ལམ་བཏབ་ནས་སློབས་ཟེར་བ་ལ། ལྷ་དེ་དག་ཡོངས་ནས་བུ་མོ་བཟུང་སྟེ་རྫོ་ཕ་བོང་དུ་སྦྲུལ་ནས་སྨོན་ལམ་བཏབ་ནས་སོང་ངོ་། །དེ་ནས་རྗེ་རྒྱལ་པོས་ཧ་ནག་པོ་འི་སྟེང་དུ་ཕྱིར་ནས་ཤེས་རབ་ཀྱི་རལ་གྲི་ཕྱུངས་ཏེ་རྫོ་ནག་པོ་དེར་བརྒྱབ་ནས་དེར་མེ་ཏོག་འབྲས་བུ་སྨིན་ཏེ། མེ་ཏོག་གར་མ་སྐད་ཅིག་ཉིད་ལ་གསོས་ཏེ་སློབས་ཟེར། ཞེས་ལན་གསུམ་དུ་འབོད་པ་ལ་མེ་དག་གར་མས་སྐད་ཅིག་ཏུ་འཚོ་ནས། རྗེ་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་ནི་སེམས་གདུང་ངམ་ཟེར་ནས་མཆི་མ་ལྷུང་ནས་ཧུ་བ་ལ། རྗེ་རྒྱལ་པོ་མཐོང་ནས་འདི་སྐད་དོ། །ཁྱོད་ལ་ཡང་སེམས་ནི་ངལ་ཞིང་དུབ་བོ། འོན་ཀྱང་ཨཙུ་ཙི་ཟེར་ནས། ཡང་ཞག་བདུན་གྱི་བར་སྟུར་བཞིན་སྐྱིད་པ་ལ། ཡང་མེ་ཏོག་གར་མ་ན་རེ། བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བདག་གསོས་པ་ཡང་ཤེས་ནས་པོ་ཉ་ཡང་འོངས། ཁྱོད་ཀྱི་སེམས་གདུང་བས་ཕྱིར་བྱོན་ན་རྟུང་ཞེས་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དེ་ལ་རྗེ་ལྟར་སྡུག་པ་ཡོད། མེ་ཏོག་གར་མ་ཨཙུ་ཙི། ད་ཚད་པ་ཟུམ་པ་ལ་བརྒྱ་བྱིན་རང་ཉིད་ཀྱིས་ཆད་པ་བྱེད་དོ། །དེའི་ཚེ་བརྒྱ་བྱིན་ལ་ཚིགས་སུ་བཅད་པ་འདི་དག་ཞུས་སོ། །སྔོན་གྱི་དུས་སུ་འཛམ་བུ་གླིང་པ་རྣམས་ཚེ་ལོ་བརྒྱད་ཁྲི་བཞི་སྟོང་པའི་ལོན་པའི་དུས་སུ། རྒྱལ་པོ་ཀ་ཤིང་ཧྣ་ར་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་ཡོད་དོ། །དེ་ལ་བྱང་སེམས་ཀ་ལིན་དེ་བ་ཞེས་བྱ་བའི། བླ་མ་ཆེན་པོ་ཞིག་འབྱུངས་པ་ཡོད་དོ། །བླ་མ་ཆེན་པོ་དེ་ཚེ་ལོ་བཞི་སྟོང་ལོན་ནས་མྱ་ངན་ལས་འདས་པར་དགོངས་པ་ན། རྒྱལ་པོ་ཀ་ཤིང་ཧྣ་རས་བླ་མ་ལ་མཆོད་པ་འབུལ་ནས་ཚེ་ལོ་བརྒྱད་ཁྲི་བཞི་སྟོང་ལོན་པའི་བར་འགྲོ་བ་ལ་ཕན་འདོགས་དགོས་ཞེས་ཞུས་པ་ལ། བླ་མས་ཞུས་པ་བཞིན་ལོ་བརྒྱད་ཁྲི་བཞི་སྟོང་གི་བར་ཆོས་ཀྱི་འཁོར་ལོ་བསྐོར་བའི་ཚེ། དེ་དུས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཀ་ཤིང་ཧྣ་ར་ནི་ད་ལྟ་བརྒྱ་བྱིན་ཡིན་ནོ། །དེ་དུས་ཀྱི་བླ་མ་ཆེན་པོ་ནི་ད་ལྟ་ཤཱཀྱ་ཐུ་ནི་ཡིན་ནོ།།

བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་བདེ་སྐྱིད་ལ་ཆོས་ནས་སྔོན་གྱི་དེ་དག་ནི་བརྗོད་པ་ཡིན་ཞེས་ཞུས་ན། བརྩེ་བའི་སེམས་སྐྱེས་ནས། ཁྱོད་ལ་རིན་པོ་ཆེའི་དཔྲོག་ཞུ་དང་སོར་གདུབ་གཉིས་གནང་ནས་བྱིན་པ་ཡོད། དེའི་ཕྱིར་དུ་བདག་གཡུ་ཡི་རྒྱན་གྱིས་བརྒྱན་ནས་གདའ། གལ་ཏེ་དཔྲོག་ཞུ་དང་སོར་གདུབ་བྱིན་ན་དེ་ལེན་ནས་བདག་ལ་བྱིན་པར་རིགས་ཞེས་བསླབ་ཚིག་གནང་ནས་འདུག་པ་ལ། བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་མེ་ཏོག་གར་མ་

འཚོ་བར་ཤེས་ནས་ལྷ་རྣམས་བོས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །བུ་མ་སྨིན་ཅན་འཚོ་འོ་ ཟེར། དེ་འཁྲིད་ནས་
ང་ལ་ཤོག་བདག་གིས་ཆད་པ་གཅོད་དོ་ཟེར་བར། ལྷའི་ཕོ་ཉ་རྣམས་འོངས་ནས་མེ་ཏོག་གར་མ་བཟུང་
ནས་སོང་ངོ་། །དེ་དང་ལྷན་ཅིག་ཏུ་ཞི་ཀྲ་མི་ཛེ་ཏ་གཡུ་ཡི་རྒྱན་གྱིས་བརྒྱན་ནས་འགྲོ་འོ། །མེ་ཏོག་
གར་མས་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་དྲུང་དུ་སླེབས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་ཞུས་སོ། །ཡབ་བརྒྱ་བྱིན་ལགས། བདག་
དཔེ་གཅིག་ཞུའོ། །ཞེས་ཞི་ཀྲ་མི་ཛེ་དས་བསླབས་པ་ལྟར་ཞུས་སོ། །བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ངུ་ནས་ཨ་ཙ་
མ་ངའི་བུ་མོ་ངན་པ་འདྲིས་དེ་དུས་ཀྱི་རྒྱུ་རྣམས་མ་བརྗོད་པ་ཡིན། བདག་གིས་བདེ་སྐྱིད་ལ་སྤྲོས་ནས་
བརྗོད་པ་ལགས། ངའི་བུ་མོ་འདི་བློ་གྲོས་ཆེན་པོ་དང་ལྡན་པ་ཡིན། དེ་དུས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཀ་ལིང་
ཧྨ་ར་བདག་ཡིན། དེ་དུས་གྱི་བླ་མ་ཆེན་པོ་ད་ལྟ་སངས་རྒྱས་ཤཱཀྱ་ཐུབ་པ་ཡིན། སངས་རྒྱས་དེ་ད་ལྟ་ག་
ན་བྱོན་ཟེར་ཅུ་བཞིན་པར། རང་ཉིད་ཀྱི་ཞྭ་དང་སོར་གདུབ་གཉིས་མེ་ཏོག་གར་མ་ལ་བྱིན་པ་ནི་ཞི་ཀྲ་མི་
ཛེ་ད་ལ་གནང་ངོ་། །ཁྲིཞུས་བཟུང་འདུག་པ་ལ། བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ཁྲིཞུ་བློ་བུར་དུ་མཐོང་ནས་སྨྱུས་བུ་
ཆེན་པོ་ནི་གང་ནས་བྱོན་དེ་ཡོང་ཟེར་ནས་ཁྲི་དེ་ལས་སྦྱུར་དུ་བཞེངས་ནས་ཞི་ཀྲ་མི་ཛེ་དའི་ལག་ནས་བཟུང་
སྟེ། ཤིང་མི་སོ་གཉིས་བདགས་པའི་རིན་པོ་ཆེ་ལས་གྲུབ་པའི་གསེར་ཁྲིའི་ཁར་བཞུགས་པ་ལས། སྨྱུས་
བུ་ཆེན་པོ་ཁྱོད་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་འདིར་བྱོན་ཟེར་བར། ཞི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་ན་རེ། བརྒྱ་བྱིན་ཁྱོད་ལས་ནོར་གཞན་
མི་འདོད། ཁྲི་འདི་དང་མེ་ཏོག་གར་མ་དང་བཅས་དེ་ང་ལ་གནང་བར་ཞུ་ཟེར་རས་ཡོངས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་
ལ། བརྒྱ་བྱིན་ན་རེ། འདི་རྣམས་སློང་བ་ནི་ཅི་ཡི་ཡིན། འདི་རྣམས་ལས་གཞན་མི་དགོས་སམ།
ལེན་དགོས་པའི་ནོར་ཡོད་ན་སློངས་ཤིག་འདོད་པ་བཞིན་སྦྱིན་ནོ་ཟེར་བ་ལ། ཞི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་ན་རེ།
བདག་ལ་ནོར་གཞན་མི་དགོས། འཛམ་བུའི་གླིང་གི་འགྲོ་བ་རྣམས་ལ་ཕན་པའི་ཕྱིར་རིངས་པར་ཕྱིར་
ལོག་གོ་ཟེར་བས། བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ཁྲི་དང་བུ་མོ་དང་བཅས་པ་གནང་ངོ་། །ཞི་ཀྲ་མི་ཛེ་དས་ཡུལ་དུ་
ལོག་པར་ཀ་ལ་ཞིང་ཀ་སེམས་པས་དེ་སླེབས་སྐད་ཅིག་ལ་ཡུལ་དུ་སླེབས། དེ་ནས་ཞི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་དང་བུ་
མོས་གསེར་ཁྲི་འདྲིང་ནས་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་ནས་ཡུལ་ཁམས་ཀྱི་མི་རྣམས་ངོ་མཚར་ཞིང་ཡ་མཚན་
པའི་སྒོ་ནས་འཛམ་བུ་གླིང་པ་རྣམས་ཕལ་ཆེར་བདེ་འགྱུར་འགྲོ་འོ། །རྒྱལ་པོ་ཨརྗེ་བུརྗེ་ཁྱོད་ང་ཅག་གི་
ཞི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་དང་འདྲ་ན་གསེར་ཁྲི་འཛིན་པ་ཡིན་ལ། དེ་འདྲ་མིན་ན་སྡོད་མི་ཏུང་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བར་

རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བུརྫི་ངོ་ཚ་ནས་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་བཞི་པའི་ལེའུ་སྟེ་བཞི་པའོ།། ||

ལེའུ་ལྔ་པ།

ༀ དེ་ནས་ཡང་རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བུརྫི་ཁྲི་ལ་བསྡད་སྐབས་ནས་འོང་བ་ལ། ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་དའི་ལོ་རྒྱུས་སྐྱ་བས་ལེགས་ཙོན་ཅིག །ཡང་དུས་གཅིག་ཏ་ཛི་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་དུས་མི་རྣམས་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པའི་ཚེ། གཞན་རྒྱལ་པོ་གཅིག་ཤི་བས་ཁྲི་དེ་ལ་བསྡད་པའི་བུ་མེད་པས། མི་རྣམས་ཀྱི་ནང་ནས་བསྡད་ཙུང་བའི་མི་ཞིག་གིས་འདུག་ནས་ཉིན་ཞག་གཅིག་ལས་མི་འདའ་བར་ཤི་སོང་ངོ་། ཡུལ་མི་རྣམས་ཀྱིས་དྲག་དུ་སྐྱི་སྤྲགས་འདོར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་དར་ཤེས་ནས་མི་དེ་རྣམས་ཀྱི་སྡུག་བསྔལ་སེལ་བར་བྱེད་པའི་ཆེད་དུ །ནུ་བོ་ཞ་ལུ་ཁྲིད་ནས་སྒོང་པོ་བར་སྤྲུལ་ནས་དེར་ཕྱིན་པས། ཁྱིམ་གཅིག་ལ་བཙུག་པ་ན་ཀན་ཀོན་གཉིས་བྱ་མཛེས་པ་ཞིག་ལ་ཁྲི་བཀྲམས་ཏེ་འདུག་པ་ལ་དེའི་མདུན་དུ་རེ་གཉིས་ཙུ ཞིང་ཟདུག་གོ། སྒོང་པོ་པ་ན་རེ། ཁྱེད་ཅག་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་དྭ་གདའ་ཟེར་བས། ཀན་ཀོར་གཉིས་ན་རེ། ང་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་འདས་པ་ལ་བུ་མེད་པས། བདག་ཅག་ལས་གཟུགས་མཛེས་པ་གཅིག་གཅིག་ཉིན་རེ་ལ་ཁྲི་དེར་འདུག་པ་ལ་མཚན་མོར་ཤི་སོང་ངོ་ཟེར་ནས། ཡང་སྨྲས་པ། ང་ཅིག་གི་བུ་གཅིག་ཕྱུ་འདི་ཁྲི་ལ་འདུག་པའི་སྐབས་སུ་བབས་པས་ཡང་འཆིའོ་ཟེར་ཀྱི་ཀུད་དོ་ཟེར་བས། སྒྲུང་པོ་ན་རེ། ང་ཅག་ལ་ཟས་སྐྱེད་ན་ཟའོ །མིར་ན་འདི་འདྲ་ལས་ཤི་ན་ལེགས་ལ། དེ་བས་ན་ཤི་བ་ལས་འོས་མེད་པས་དབྱེ་བ་མེད། དེའི་ཕྱིར་དུ་རྒྱལ་པོ་དེའི་ཁྲི་ལ་ཁྱོད་ཀྱི་བུའི་ཚབ་ཏུ་ཉིན་གཅིག་ལ་ཡང་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་ནས་ཤི་ན་ལེགས་ཟེར་བར། ཀན་ཀོན་གཉིས་ན་རེ། དེས་ནི་ང་ཅག་ཅིས་ཤེས། རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་འི་རྒྱ་འཛིན་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གསུམ་ཡོད་པས་དེ་ལ་ཞུས་ཤིག་ཟེར་བར། དེ་ནས་བློན་པོ་གསུམ་ལ་སྒྲུང་པོ་འི་ཚིག་རྣམས་ཚང་བར་ཞུས་པས། བློན་པོ་རྣམས་ན་རེ། སྒོང་པོ་པ་ཁྱེད་ཅག་ཉིད་གཅིག་ལ་ཡང་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་རོ་ཞེས་པ་ནི་བདེན་ཟེར་ནས། སྒོང་པོ་པ་དེ་ཉིད་རྒྱལ་ཁྲིར་བཙུག་གོ་ཞེས་མི་རྣམས་ལ་སྨྲས་པས་རྒྱལ་པོ་འི་རོ་ཁུར་པ་པོ་རྣམས་ན་རེ། སྔར་ཉིན་གཅིག་ལ་ཡང་རྒྱལ་པོ་གཅིག་གི་རོ་འཛིན་པ་ཡིན་པ་ལ། ནང་པར་རྒྱལ་པོ་གཉིས་ཀྱི་རོ་འཛིན་པར་འདུག་གོ །དེ་བས་ནང་པར་སྤ་བར་ཚོགས་ཞེས་སྨྲན་ནོ། དེ

ནས་རྒྱལ་པོ་ཤྲི་ཀྲ་མི་ཊི་དུས་བྱོན་ནས་ཁྲི་དེ་བརྡུགས་པས། སྟེར་གྱི་རྒྱལ་པོ་དེས་ལྷ་ཀླུ་དང་སྡེ་བརྒྱད་
ལ་མཚན་མོ་རི་བཞིན་མ་ཆད་པར་མཆོད་གཏོར་འབུལ་བ་ཡིན་གྱི། དེ་ཆད་པས་སྡེ་བརྒྱད་ཁྲོས་དེ་རྒྱལ་
པོ་ལ་གནོད་བྱས་པ་ཡིན། དེ་ནི་རྒྱལ་པོ་ཤྲི་ཀྲ་མི་ཊི་དུས་མཁྱེན་ནས་སྔར་བཞིན་བྱས་པ་ལས་ལྷག་པར་
མཆོད་གཏོར་བཤམས་དེ་ཕུལ་བས་དེ་རྣམས་ཚིམ་ཞིང་དགའ་ནས་རིན་པོ་ཆེ་མང་པོ་ཐོགས་ནས་འོངས་ཏེ།
རྒྱལ་པོ་ཤྲི་ཀྲ་མི་ཊིའི་མདུན་དུ་སྤུངས་ཏེ་སོ་སོའི་གནས་སུ་སོང་ངོ་། །དེ་ནས་ནང་པར་མི་རྣམས་
ཚོགས་ནས་རྒྱལ་པོ་གཉིས་ཀྱི་རོ་འཛིན་ཟེར་ནས་བྱུད་ཤིང་འཚོགས་ཏེ་འོང་ནས་བལྟས་པས། རྒྱལ་པོ་
མ་འཆི་བར་མ་ཟད་མདུན་དུ་རིན་པོ་ཆེ་མང་པོ་སྤུངས་ཏེ་འདུག་པ་ལ། མི་རྣམས་ཀྱིས་མཐོང་ནས་ཤིན་
ཏུ་ངོ་མཚར་རོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་རིན་པོ་ཆེ་ལས་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གསུམ་གྱིས་སྔ་དྲངས་པའི་མི་རྣམས་
ལ་རིན་པོ་ཆེའི་བྱ་དགའ་དཔག་ཏུ་མེད་པ་བྱིན་ནས་ཚིམ་མོ། །དེ་ནས་བློན་པོ་གསུམ་གྱིས་དགེ་འདུན་
མང་པོ་རྣམས་ཚོགས་ནས་ཆོས་འཁོན་ཏེ་མི་མང་པོ་རྣམས་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་བྱེད་དོ། །དེ་ནས་བློན་
པོ་དེ་རྣམས་ཀྱི་ནང་ནས་བློན་པོ་གཅིག་མི་འཚམས་པའི་སྤྱོད་པས་མི་རྣམས་སྡུག་སྡུག་པས། བློན་པོ་
གཞན་རྣམས་ཀྱིས་བློན་པོ་དེ་གསོད་པར་འོས་པ་ཡིན་ཞེས་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཨ་ཙ་མ་
གསོད་པས་ཅི་དགོས། ཡུལ་ནས་ཕྱུང་ཟེར་བར་བློན་པོས་ཕྱུང་ངོ་། །བློན་པོ་དེས་ཟླ་བ་རེ་རེའི་
ཉི་མ་བཟང་པོ་གསུམ་ལ་ཚུལ་ཁྲིམས་བསྲུང་བ་ཡོད་དོ། །དེའི་ཚེས་བཅོ་ལྔར་བསྙེན་གནས་བསྲུང་
བས་དཀྲུང་ཚིགས་མེད་པ་ལ། མར་ཟང་ཚུང་ངུ་ཞིག་ཡོད་པས་དེས་གཏོར་མ་བཞི་དང་མར་མེ་དང་
བཅས་པ་བཤམས་ནས་རྡོ་ལེབ་ཀྱི་སྟེང་དུ་བཞག་ནས། སྔགས་བརླབས་པས་དཀྲུང་ཚིགས་ཀྱི་དུས་བྱུང་
བས་འཚོ་བ་མེད་པ་ནི་མི་རྡུང་སྐམ་ནས་ཚུར་མཐའི་གཏོར་མ་ལེན་ནས་ཟ་ཞེས་ལག་བདར་བྱས་པས་བྲོས་
ནས་གཏོར་མ་གཞན་རྣམས་ཀྱི་ཕ་མཐར་འགྲོ་བར་གདའ། ཡང་གཞན་རྣམས་ལེར་སྐམ་པར་ཕྱིན་པས་
ཐམས་ཅད་འབྲོས་ཏེ་མ་ཟིན་པས། འདི་སེམས་སོ། །བདག་གིས་བྱས་པའི་གཏོར་མ་བདག་ལ་
བྲོས་པ་ཇི་ལྟར་མཆི་སྐམ་ཁྲོས་དེ། དེ་ཐམས་ཅད་ཟ་སྐམ་ནས་ལག་པ་གཉིས་ཀྱིས་ལེན་སྐམ་སྡེ་ཕྱིན་
པས། གཏོར་མ་དང་མར་མེ་ཁྲི་སོགས་ཐམས་ཅད་བྲོས་སོ།།

དེ་ནས་བློན་པོ་བཞེངས་ནས་གཏོར་སོགས་ཀྱི་རྗེས་སུ་ལ་ཕྱུར་སྐགས་པས་མ་ཟིན་པར། རྡོའི་

ཁྲང་བྲུ་གཅིག་ཏུ་སོང་པས། ཁྲང་བྲུ་དེར་རྡོ་ཡི་ལུག་ཕྲུག་གཉིས་ཡོད་དོ། །ལུག་ཕྲུག་འདི་ནི་རྡོ་ལས་བྲུས་པ་ཡིན་ནམ་སྙམ་པ་ལ། ལུག་ཕྲུག་བསྐུལ་ནས་སྲིན་པོ་མཐོང་ནས་ན་རེ། ཨའི་མི་ངན་ཁྱོད་ཁྲང་བྲུ་འདིའི་ནང་དུ་མི་བཙུག །འདི་ལ་ལྟའི་ཌཱ་ཀི་མ་ཐུགས་དམ་བསྒོམ་པར་གདའ། དེ་ནི་མི་སྲུས་ཀུང་ལན་གཉིས་སུ་སྐྲ་འབྱུང་ནུས་ན། བུ་མོ་འདི་ཉིད་བླངས་པའི་སྐལ་པ་ཅན་དུ་བྱུང་སོ། །ཁྱོད་སྐྲ་བྱུང་ནས་བུ་མོ་ལེན་སྙམ་ནས་ཕྱིན་པ་ཡིན་ནམ། ཁྱོད་ཀུང་ལྷ་ཞིག་རྒྱལ་པོ་ལྷ་བརྒྱའི་བུ་རྣམས་འོང་ནས་སྐྲ་འབྱུང་མི་ནུས་པར་སྡུན་ནག་བཙོན་ཁང་དུ་བཙུག་གོ་ཟེར་ནས། ལུག་ཕྲུག་དེ་ཉིད་ཤིན་ཏུ་ཁྲོས་ཏེ་སྲིན་པོ་དེ་ཉིད་རུ་རྩེས་འདེགས་ཏེ་ནམ་མཁར་གཏོར་རོ། །དེ་ནས་སྲིན་པོ་དེ་འཛེགས་ཤིང་ངོ་ཚ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཞི་ཀྲ་མི་ཛི་དའི་པང་དུ་ལྷུང་ནས་འཛེགས་པས་བསྐུལ་མི་ནུས་པར་ཉལ་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་མཐོང་ནས་དྲིས་པ། སྲིན་པོ་སྙིང་ཅན་འདི་གང་ནས་ཟེ་ལྟར་མཆིས་ཏེ་བདག་གི་པང་དུ་ལྷུང་ནས་ཉལ་བར་གདའ་ཟེར་བ་ལ། སྲིན་པོ་རེངས་པར་བཞེངས་ཏེ་བདུད་རྣམ་རྒྱ་མཚན་རྣམས་ཞིབ་པར་ཞུས་པས། ཛ་རྒྱལ་པོས་བཀའ་སྩལ་པ། བདག་སྲིན་པོ་འདི་ལ་སླ་བའི་བུ་མོ་ནི་བརྟགས་ན། རྡོ་འི་ཁྲང་བྲུ་དེར་ངེས་པར་ངོ་མཚར་བའི་ཌཱ་ཀི་ཞིག་ཡོད་དོ། །ཞ་ལུ་དང་སྲིན་པོ་རིག་པ་ཅན་གསུམ་དང་དེ་ཉིད་མཐོང་བའི་སྲིན་པོ་དང་བཅས་དྲུག་པོ་འགྲོའོ་ཟེར་ནས་ཁྱེར་ཏེ་སླེབས་རས་རྡོ་འི་ལུག་ཕྲུག་བཅིངས་ཏེ་སྲིན་པོ་སྙིང་ཅན་ལ་གདོད་དེ་བདང་ངོ་། །ཞ་ལུ་དང་སྲིན་པོ་གསུམ་ལ་བཀའ་སྩལ་པ། ཁྱེད་བཞི་པོ་བཙུག་ནས་ཅན་དྲ་ཌཱ་ཀིའི་ཕྱིང་བ་དང་བྲུམ་པ་མར་མེ་ཁྲི་བཞི་ལ་སྦྱལ། བདག་གི་ཁྱེད་ཅག་གི་རྗེས་སུ་འཇུག་ནས་སྟོན་གྱི་དངེ་གཅིག་སྤྲོའོ། །དེ་ལ་ཁྱེད་བཞི་པོ་སོ་སོས་བདག་གི་ཚིག་དེ་དག་གོ་ལན་མི་འོས་པའི་ལན་བདབ་ཟེར་ནས་འཇུག་གོ །བཞི་པོ་དེས་རྒྱལ་པོའི་བཀའ་བཞིན་སྦྱལ་ནས་གདའ། འདོད་ཡི་རྗེས་སུ་རྒྱལ་པོ་ཉིད་ཀྱིས་བཙུག་སྟེ་འདི་སྐད་དོ། །བདག་འདི་འཛམ་གླིང་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་སྟེ། ལྷའི་ཅན་དྲ་ཌཱ་ཀི་འདི་ན་འདུག་ཞེས་སྙམ་པ་ལ། ལ་ཐུར་སླེབ་ཟེར་བས་སྐྲ་མི་འབྱུང་། ཡང་རྒྱལ་པོ་ན་རེ། འདི་ལྟར་འོངས་པའི་རྒྱུས་ལ་བདག་དཔེ་གཅིག་སྨྲ། ཡང་ན་ཅན་དྲ་ཌཱ་ཀིས་དཔེ་ཞིག་སྨྲོས་ཟེར་བས་སྐྲ་མི་འབྱུང་ངོ་། །དེ་ནས་ཁྲི་ནི་ན་རེ། མི་དངོས་ནི་ཅན་དྲ་ཌཱ་ཀིས་སྐྲ་ནི་མི་འབྱུང་འོས། དངོས་མེད་ཁྲི་བདག་ཀུང་སྐྲ་འབྱུང་བའི་རྩལ་མེད་དོ། །འོ་ན་ཀུང་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་དཔེ་ཞིག་སྨྲོས་ཟེར་བར་

སྐྲ་ཞིག་མི་འབྱུང་ན་འཐད་པ་མེད། ཁྲི་ངེས་དཔེ་ཟེར་སྐམ་ཡང་། ཙན་དྲ་ཏཱ་ཀིས་ཉིན་མཚན་མེད་པར་
བསྒོམ་པས་ལོངས་མེད། ཇེ་རྒྱལ་པོས་དཔེ་ཞིག་སྐྲ་བརྗོད་ཟེར་བར། ཙན་དྲ་ཏཱ་ཀི་ནི་ཁྲི་ལ་བལྟས་ནས་
འདུག་གོ །རྒྱལ་པོས་དཔེ་འདི་སྐྱས་སོ། །སྔོན་དུས་ཁྱིམ་གཅིག་གི་ཁྱེའུ་བཞིས་ད་རྣམས་གཅིག་དུ་
སྐྱེལ་ནས་མེལ་ཚེ་བྱེད་དོ། ཕྱིས་གཅིག་ན་གཅིག་ནི་སྔར་ཡོངས། གཞན་རྣམས་མ་སླེབས་པས་ཕྱིར་
ལོག་ཁར་ཤིང་གི་མི་མོ་ཞིག་བཟོས་ནས་བཞག་སྟེ་ཕྱིན་ཏོ། །གཅིག་ནི་མོ་མཐོང་ནས་སྲུས་བྱུས་སྐམ་ནས་
ཚན་སེར་པོས་བྱུགས་ནས་ཕྱིན། གཅིག་ནི་སླེབས་ནས་བཞད་ནས་མཚན་རྣམས་དང་ལྡན་པར་བྱས་ནས་
སོང་། གཅིག་ནི་འོང་ནས་སྲོག་དང་ལྡན་པར་བྱས་ནས་རང་གི་ཆུང་མར་བྱེད་དོ། །དེ་ནས་གཞན་གསུམ་
སླེབས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་འཕྲོག་པར་བྱེད་པ་ལ། གཅིག་ནི་ངས་བྱས་ཟེར། གཅིག་ནི་ངས་ཚོན་རྩི་བྱུགས་
ཟེར། གཅིག་ནི་ངས་མཚན་དང་ལྡན་པར་བྱས་ཟེར། གཅིག་ནི་ངས་སྲོག་དང་ལྡན་པར་བྱས་པས་ངས་ལེན་
ཟེར་ནས། བཞི་པོས་ཕར་ཚུར་འཕྲོག་པར་བྱེད་པར་གདའ། དེ་ནི་སུས་ཐྲངས་ཟེར་བར། ཙན་དྲ་ཏཱ་
ཀིའི་ལག་ན་འཛིན་པའི་ཕྲེང་བས་སྐྲ་འདོན་ནོ།། ཙན་དྲ་ཏཱ་ཀི་དངོས་ཀྱིས་སྐྲ་མི་འདོན་ནོ། །དངོས་མེད་
ལས་འཕྲེང་བ་དང་ཁྲི་གཉིས་ལས་སྐྲ་མི་འདོན་པ་ཡིན་ཡང་། རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཁྱོད་ནས་དཔེའི་དབྱེ་བ་
དྲིས་པ་ལ་སྐྲ་མ་བྱུང་བར་ཅི་ནུས་པར་གདའ། ཙན་དྲ་ཏཱ་ཀིས་ཉིན་མཚན་མེད་པར་ཐུགས་བཀླས་མགོ་
བསྐོར་ནས་ནང་ལ་མི་གསལ་བ་ཡོད། འོན་ཀྱང་ཐོག་མར་བཟོ་བར་བྱེད་པའི་མིས་ལེན་ན་འོས་ཟེར་བར།
ཙན་དྲ་ཏཱ་ཀིས་འཕྲེང་བ་དང་ཁྲི་གཉིས་ལ་བལྟས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །དངོས་མེད་ལས་ཁྱོད་གཉིས་ལས་སྐྲ་
བྱུང་ངོ་། །ལུས་ཅན་དངོས་ལས་སྐྲ་མི་འབྱུང་བ་ལ། ཁྱེད་གཉིས་ལས་སྐྲ་ཞིག་འབྱུང་བར་མི་འོས་པ་
ཞིག་གམ་ཟེར་ནས། དེ་དང་པོར་བྱེད་པའི་མི་ནི་ཕ་ཡིན། མཚན་གསལ་བའི་མི་ནི་མ་ཡིན། ཚོན་
བྱུགས་པའི་མི་ནི་བླ་མ་ཡིན། སྲོག་ལྡན་པའི་མི་ནི་ཁྱོ་དངོས་ཡིན་ཞེས་སྐྲ་བྱུང་ངོ་།།
　　རྒྱལ་པོས་སྨྲས་པ། དངོས་པོ་ལས་ཙན་དྲ་ཏཱ་ཀིས་སྐྲ་འདོན་ནོ། །དངོས་མེད་ལས་ཁྲི་དང་འཕྲེང་
བ་ལས་སྐྲ་འཐོན། ད་ལྟ་ཡང་ཁྱོད་དཔེ་གཅིག་སྨོས་ཞིག་ཟེར་ན་སྐྲ་མི་འབྱུང་བ་ཡིན་ནོ། །བྱས་
པ་ན་རེ། ངའི་ནང་དུ་བདུད་རྩི་ལྷུགས་ནས་ཀུ་ཤ་དང་རྨ་བྱའི་མདོངས་བཙུགས་པས་སྐྲ་མི་ནུས། རྒྱལ་
པོས་དཔེ་གཅིག་གནང་ཟེར་བས། ཏཱ་ཀིས་བུམ་པ་ལ་བལྟས་ནས་འདུག་གོ །ཡང་རྒྱལ་པོས་འདི་སྐད་

ནོ། །སྔོན་གྱི་དུས་སུ་མི་ཕོ་མོ་གཉིས་བྲག་སར་འགྲོ་བ་ལ། བྲག་གི་དྲུང་དུ་སྐྱན་པའི་སྒྲ་ཞི་ག་འབྱུང་བ་མི་ལྟ་ཞོག །ད་ཡང་སྔོན་ནས་མཚན་དགོས་པར་འབྱུང་བ་ལ། སྒྲ་དེ་མོས་གསན་ནས་དེ་འདྲའི་སྒྲ་བཟང་ཅན་གྱི་ཕོ་དང་འཕྲད་སྐམ་ནས་འགྲོ་བ་ལ། གྲོན་པ་ཞིག་དང་འཕྲད་པས་མོས་ཕོ་ལ་སྨྲས་པ། ང་ཁ་སྐོམ་པས་ཆུ་འདི་ལས་ལེན་ནས་བདག་ལ་བྱིན་ཟེར་བས། ཆུ་བླངས་པར་རུས་པ་ལ་ཀང་པ་བཟུང་ནས་ཕར་ཕྱུལ་བོས་གྲོན་པར་ལྷུང་ནས་ཤི་སོང་། །དེ་ནས་མོ་དེས་སྐད་བཟང་དང་འཕྲད་སེམས་ནས་ཕྱིར་པས་སྐད་ཤ་ཐམས་ཅད་ཟད་པའི་ཙེ་ཙེ་ཛུ་ལས་ཟེར་པས་མི་ནད་ཀྱིས་མཐར་བའི་སྒྲ་བྲག་གི་སྒྲ་དང་འདྲ་བས་མཉམ་པ་ཡོད་དོ། །མོས་དེ་མཐོང་ནས་ཤིན་དུ་འཇིགས་ཤིང་ཏ་ལས་དེ། ཨའི་འདི་འདྲ་ངན་པའི་སྒྲ་ལ་རྒགས་ནས་རང་གི་ཁྱོ་མཛེས་པ་ཞིག་བསད་པ་ཡིན་ཞེས་ཟེར་ནས་ཀྱི་ཧུད་བྱས་དེ། འདི་འདྲའི་ཕོ་དང་འཕྲད་པ་ནི་བདག་གི་སྐལ་པ་འདི་ཡིན་ནོ་ཞེས། ཁྱོ་ངར་པ་དེ་ཁྱེར་ནས་འགྲོ་བཞིན་པར་ལྟོགས་གྲིར་ཤི་བར་གདའ། མོ་དེ་སྐལ་པ་ཅན་ཡིན་ནས་ཟེར་བས། ཙན་དྲ་ཀཱ་ཀིས་སྐད་མ་འདོན་པར་འདུག་པ་ལ། སྒྲོན་མེ་ན་རེ། ཙན་དྲ་ཀཱ་ཀིས་ཉིན་མཚན་མེད་པར་རྟག་ཏུ་སྒྲོན་མེ་སྦྱོར་བའི་ང་ལ་ལན་བདབ་པའི་ལོངས་མེད་ཀྱང་། ཁྱོ་བཟང་པོ་བསད་ནས་ཁྱོ་ངན་པ་མི་བཏང་བར་ལྟོས་ན་མོ་ལེགས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། ཀཱ་ཀི་རིས་བྱམས་པ་དང་སྒྲོན་མེ་ལ་བརྟུས་ནས་སྒྲ་བྱུང་ངོ་། །དངོས་མེད་ཁྲིད་བཞི་ལྟ་ཞོག །དངོས་པོ་བདག་གིས་ཀྱང་སྒྲ་མི་གཏོང་བར་གདའ། སྒྲ་གཅིག་འདོར་ན་འོས་པ་ཞིག་སྒྲ་མི་ནུས། བྲག་ཅ་སྟོན་པར་རྒགས་ནས་འཕྲད་པའི་ཁྱོ་བཟང་པོ་བསད་ནས། ནད་ཅན་ཁྱོ་ནི་ཁྲར་ནས་ཐབས་ཟད་ནས་ཤི་བ་དེ་ལ་ཅིས་མོ་བཟང་ངོ་ཟེར་ནས་སྒྲ་ལན་གཉིས་འདོན་པ་ལ། བི་ཀྲ་མི་ཛི་དུས་བཞེངས་ཏེ་ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ་བདག་གིས་ཁྱོད་ནི་ལན་གཉིས་སུ་སྒྲ་འདོན་པས། ད་བདག་ཁྱོད་ནི་ངས་བླངས་པ་ཡིན་ཟེར་ནས། ཀཱ་ཀི་བླངས་ནས་ཞ་ལུ་དང་གསུམ་བློན་པོ་བློ་ལྡན་གསུམ་དང་བཅས་ཏེ་རང་ཡུལ་དུ་ལོག་ནས་བྱོན་ཏེ་འབངས་རྣམས་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ཨརྫུ་བྱཛྫི་ཁྲོད་བསྟར་སྲིད་གཉིས་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་དང་འདྲ་ན་རུང་གི །མིན་ན་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བར་ངོ་ཚ་ནས་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་ཐུ་པའི་ལེའུ་སྟེ་ཐུ་པའོ།། ༎

ལེའུ་དྲུག་པ།

༄༅ དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨཛྙི་ཝཛྙི་ལ་བཙུན་མོ་ རོན་གཅིག་ཡོད་དོ། །དེའི་ནང་ནས་བཙུན་མོ་ཞིན་དུ་གཅེས་པ་ཞིག་ཡོད་པ་དེས། ཁྲི་དེ་ལ་ཕྱག་བསྐོར་བྱེད་པར་ཕྱིན་པས། ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། བཙུན་མོ་ཁྱོད་ཕར་སོང་མགོ་བོས་ཀྱང་རིག་མི་རུང་ངོ་། སྔོན་ཛེ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་དའི་བཙུན་མོ་མེ་ཏོག་གར་མ་ནི་ཁྲོ་ལས་གཞན་མི་སེམས་སོ། །ད་བདག་ནི་ཙོ་རོན་གཅིག་གི་ལོ་རྒྱུས་སྨྲའོ། །སྔོན་དུས་སུ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་གི་བཙུན་མོ་བསྟུན་པ་ལ། སྨན་པ་རྣམས་ཀྱིས་གསོ་མ་ནུས་པས། བཙུན་མོ་དེས་བུའི་ཀླད་པ་ཟོས་པས། དེ་ནས་རིམ་གྱིས་བསྟུན་ལེགས་པར་གསོས་པ་ལ། ཡུལ་ཁམས་ཀྱི་མི་རྣམས་ལས་བུ་ཡི་ཀླད་པ་བླངས་པའི་ཁྲལ་བསྡུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དེས་དྲ་བ་མཁར་རྣམས་འབོད་ནས་སློབས་པ་ལ། འདི་སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །ཀླ་བ་འདི་ཉིད་ལ་བུ་རོན་གཅིག་གི་མགོ་ནི་འཆིར་སློབས་མི་ཡོང་ན་ཁྱོད་གསོད་དོ་ཟེར་བས། དེ་ནས་དྲ་བ་མཁར་དེས་ཐབས་ཟད་ནས་ཕྱིར་ལོག་པས། དེ་དུས་སུ་ཤིང་གཅིག་ལ་མཚན་མོ་རེ་རེ་བཞིན་ནེ་ཙོ་རོན་གཅིག་ཉལ་བ་ཡོད་དོ། །དྲ་མཁན་སོང་ནས་ཤིང་དེར་དྲ་བ་བཞག་པ་ལ། ནེ་ཙོ་དེའི་ནང་ན་གློ་དང་ལྡན་པའི་ནེ་ཙོ་གཅིག་ཡོད་པས། ནེ་ཙོ་གཞན་ལ་ན་རེ། ཨའི་ཁྱེད་རྣམས་ཤེས་རམ་ཤིང་འདི་ལ་བར་ཆད་བྱུང་བས་ཤིང་འདི་ལ་ཉལ་མི་རུང་། བྲག་དེ་ལ་ཉལ་ཟེར་ནས་འགྲོ་བ་ལ་དེར་ཞག་ལྔ་ཙམ་སོང་བ་ལ། དྲ་མཁན་གྱིས་ཤེས་ནས་དྲ་བ་ལེན་ནས་བྲག་དེར་བཞག་གོ །ཡང་གློ་ལྡན་གྱི་ནེ་ཙོ་ན་རེ། ད་ལྟ་ཡང་བྲག་ལ་ཡང་བར་ཆད་བྱུང་བས་ས་གཞན་ལ་ཉལ་ཟེར་བས། གྲོགས་རྣམས་ན་རེ། ནེ་ཙོ་ཁྱོད་སྔར་ཤིང་ལ་བར་ཆད་བྱུང་སྐད། ཡང་བྲག་ལའང་བར་ཆད་བྱུང་ཟེར། སྔར་ཁྱོད་ལ་བར་ཆད་བྱུང་བ་མིན་ནམ་ཞེས་ཁྲེལ་བས། ནེ་ཙོ་ན་རེ། ང་གཅིག་པུ་ལ་བར་ཆད་འབྱུང་ན་ཨེའུ་ཅི་ཀུན་ལ་བར་ཆད་འབྱུང་ན་ཤིན་ཏུ་དཀའ་བར་གདའ། ང་གཅིག་པུ་ཐར་བས་མི་ཕན། བར་ཆད་འབྱུང་ན་ཀུན་ལ་འབྱུང་བར་གྱུར་ཅིག་ཅེས་བརྗོད་ནས་ཉལ་བས། ཐམས་ཅད་དྲ་བ་ལ་ཚུད་དོ། འདིའི་ནང་བར་ནེ་ཙོ་བདུན་ཙམ་སྐྱེ་ནས་ན་རེ། སྔོངས་པ་ང་ཅག་གློ་ལྡན་ནེ་ཙོའི་ཚིག་ལ་མི་འཇུག་པས་འདི་ལྟར་སྡུག་བསྔལ་ནས་ཐམས་ཅད་འཆི་བར་ཟད་དོ་ཞེས་ངུ་ནས། ད་བདག་ཅག་ལ་ཕན་ཐབས་ཡོད་དས་ཟེར་བས། ནེ་ཙོ་ན་རེ། དྲ་མཁན་གྱི་མི་དབྱུག་པ་ཐོགས་ནས་འོང་ངོ་། །ད་དྲ་བར་བཙུག

པས་ཐབས་གཞན་མེད་དེ་ཐམས་ཅད་ཤི་བ་ལྟར་མདུན་རྒྱབ་དང་གཞོག་གཡས་གཡོན་གྱིས་སྐྱུང་ནས་ཉལ་
ལོ། །ངེས་འཇོ་སྙིལ་གསོན་ན་བརྟེགས་ཏེ་བསད་དོ། །ཤི་ཟིན་པས་ཇི་ལྟར་བསད་དམ། ཐྲག་དཀའ་
བས་ཕབ་མི་ནུས་ང་ཅག་རེ་རེ་ནས་འོག་ཏུ་དོར་བས། གཅིག་ནས་གཉིས་སུ་བགྲངས་བས་བདུན་ཙུ་ཙ་
གཅིག་གོ་ཅེས་བགྲང་བའི་ཚེ་ཐམས་ཅད་གཅིག་ཆར་དུ་འཕུར་བས་ཀུན་གྲོལ་ལོ་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། དེ་
མ་ཐག་ཏུ་དྲ་མཁན་འོང་ནས་འདི་ངན་ཐབས་རྣམས་འདི་ལ་ཡོད། བཙལ་མི་རྙེད་པའི་ནེ་ཙོ་ངན་པ་རྣམས་
འདིར་ཕྱིན་པས་བདག་བདེན་པར་སྨྲ་ཟེར་ནས། རྟུལ་བརྟེགས་ཏེ་གསོད་ཟེར་ནས་སྦྲིགས་ཏེ་འོངས་པས།
ཀུན་ཤི་སོང་བས་ཐྲག་སྟེང་རས་འབབ་དཀའ་བས། གཅིག་ནས་བགྲངས་བའི་བགྲངས་རྫོགས་ཚེ་ཁར་
གློ་བུར་ནེ་ཙོ་ལུས་པ་ལ། དྲ་མཁན་གྱི་རྐེད་པར་དབྱུག་པ་བརྒྱགས་པ་བྲག་གི་སྟེང་དུ་དོར་བས།
བགྲངས་རྫོགས་སྐབས་ནས་ནེ་ཙོ་གཞན་ཐམས་ཅད་འཕུར་བས། གློ་བུར་ནེ་ཙོ་དྲ་མཁན་གྱི་ལག་པར་ལུས་
སོ། །དྲ་མཁན་ན་རེ། ཨའི་ནེ་ཙོ་ངན་པ་འདི་རྣམས་འདི་རེ་སྨྱུལ་བས་བདག་སྨྲ་གོ །ད་ལུས་
པའི་ནེ་ཙོ་འདི་གསོད་པར་འཚེད་རས་གསོད་དོ་ཟེར་བར། ནེ་ཙོ་ན་རེ། བདག་ཁྱོད་ཀྱི་སྔར་བསད་
པ་ཡིན་ན་གསོད་དོ། །སྔར་མ་བསད་པ་ཡིན་ན་སླར་ཡང་ཁྱོད་ཀྱི་ངེས་པར་གསོད་དོ་ཟེར། །དེ་ནས་
ཡང་ནེ་ཙོ་ན་རེ། མི་ཁྱེད་ཀྱི་ང་གསོད་པ་ལས་མི་ཕྱུག་པོ་གཅིག་ལ་བཙོང་ན་ངེས་པར་དངུལ་སྲང་བརྒྱ་ཡོན་
པས། དེ་ལས་དངུལ་སྲང་དོན་གཅིག་གིས་ནེ་ཙོ་དོན་གཅིག་ཡིན། ལྷག་མ་དངུལ་སྲང་ཉེར་དགུས་
རང་གི་བུད་སྨད་རྣམས་གསོས་ན་ལེགས་ལ། གལ་ཏེ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཕུལ་ན་དངུལ་ཞོ་གང་གཅིག་ཀྱང་མི་
གནང་གས་མི་ཕན་ཟེར་བས། དྲ་མཁན་གྱིས་ནེ་ཙོ་འདི་ངག་བཞིན་ཕྱུག་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་ལ་འཚོང་བས་
ཕྱུག་པོ་དགའ་ནས་བླངས་སོ། །དཔོན་པོ་ཕྱུག་པོ་དེ་ཡང་ནེ་ཙོ་བླངས་ནས་འདི་སེམས་སོ།།
མི་བཟང་པོ་དང་འདྲ་བའི་ནེ་ཙོ་བཟང་པོ་བདག་ཐོབ་པ་ཡིན་སྙམ་ནས་དགའ་ནས། ནེ་ཙོ་ལ་འདི་
སྐད་ཅེས་སྨྲས་སོ། །བདག་ནག་དོན་གཅིག་གི་སར་འགྲོ་དགོས་པ་ཡིན་པས། བདག་ཚུར་མས་སྦྱོད་པ་ངན་
པས་བདག་གི་ནོར་རྣམས་རྒྱུད་བཟོས་ཏེ་ཟད་པ་ཡིན། ཡང་ཕྱི་མི་རྣམས་ཤེས་ན་ངོ་ཚ་ཞིང་གྲགས་པ་ངན་
པས་ཁྲབ་པ་ཡིན་པས་ལེགས་པར་སྲུངས་ཤིག །ཡང་ན་བའི་ནང་ལ་པ་བོང་ཆེན་པོ་མགོ་བར་འདོམ་བཅོ་
བརྒྱད་ཞིང་དུ་འདོམ་དགུ་དཔངས་སུ་འདོམ་ལྔ་དང་བཅས་པའི་རྡོ་ཆེན་པོ་གཅིག་ཡོད་པས་ན་བའི་ཕྱི་རོལ་

དུ་འབྱོར། ཁྱིམ་གྱི་ལྷོ་ནུབ་ཏུ་མཆོད་རྟེན་གྱི་ཐེམ་སྐས་ཤིང་ལས་བྱས་པ་དེ་ཉིད་ལྷུགས་ཀྱིས་བྱས། དེའི་
མདུན་གྱི་མཆོད་རྟེན་བདུན་བཞིག་ནས་དངུལ་གྱིས་བྱས་ཟེར་བ་ལ། ནེ་ཙོ་ན་རེ། ཁྱེད་ཀྱི་བཀའ་
བཞིན་སྒྲུབ་པོ་ཟེར་བ་ལ། མི་ཕྱུག་པོ་དགའ་ཞིང་སོང་ངོ་། །དེའི་ཚེ་མི་ཕྱུག་པོ་འི་རྐང་མ་ཁྲོ་སོང་
བའི་འོག་ཏུ། ངོ་ཚ་བོར་བའི་མོས་ལག་གདུབ་བཀྲུས་ནས་གོས་བཟང་པོ་གྱོན་ལ་རྒྱན་རྣམས་ཀྱིས་བརྒྱན་
ནས། མི་ཕོ་རྣམས་བཙལ་བའི་ཕྱིར་ཟས་བཟང་པོ་དང་ནོར་བཟང་པོ་སོགས་བསྣམས་ནས་འགྲོ་ཁར།
ནེ་ཙོ་འོངས་ནས་རྐང་མའི་ལག་པར་བབས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །ཨའི་བཙུན་མོ་ཁྱོད་སྡོད་ཟེར་ནས། མི་
བཟང་པོ་རྣམས་ཁྲོ་མེད་པའི་འོག་ཏུ་ལུས་དང་ནོར་རྣམས་ལེགས་པར་བསྲུངས་ནས་ཁྱིམ་གྱི་བྱ་བ་རྣམས་
བྱེད་དགོས། དེ་མིན་མི་རྣམས་ཁྲེལ་ནས་མིའི་བགྲངས་སུ་མི་རྩི། དེ་ནས་ན་རང་གི་ཁྱིམ་ནང་དུ་འདུག་
ཟེར་བ་ལ། མོ་ན་རེ། ཨའི་བདག་གི་ཁྱོས་ལེར་པའི་ནེ་ཙོ་ངན་པ་ཀོག་པ་ཁྱོད་ལྟ་ཞོག །བདག་
གི་ཁྱོས་ཀུང་བཀག་མི་ནུས་པ་ཡིན། ངའི་བྱ་བ་ལ་བར་རྐྱད་མ་བྱེད་ཟེར་བ་ལ། ནེ་ཙོས་མོ་ལ་ན་རེ།
ཁྱོས་ཁྱོད་ནི་ལེགས་པར་སྲུངས་ཞེས་བདག་ལ་བཅོལ་བ་ཡོད། ངས་ཁྱོད་ཀྱི་བཟུང་ན་མི་མ་ཡིན་པས་མི་
ཐུབ། བཀག་ན་ངའི་ཚིག་ནི་མི་མཉན་ཞེས་ཟེར་ནས་ནེ་ཙོས་སྤུར་འཕུར་ནས་གྲོང་གི་སྒོ་བཞི་ལེགས་པར་
བཀག་སྟེ་ཧྲེ་ཧྲུ་མིག་བརྒྱངས་ནས་ཕྱིར་འཕུར་ཏེ། མཆོད་རྟེན་གྱི་རྩེ་མོར་བཞག་གོ །དེ་ནས་མོས་ལྷ་
སྒོར་སོང་ནས་སྒོ་བཀག་པ་མཐོང་ནས། སྒོ་གཞན་ནས་འདོན་སྐམ་པས་ཐམས་ཅད་བཀག་པ་ཡོད། མོས་
ཁྲེལ་ཏེ་སྒོ་འབྱེད་ཟེར་བས། སྒོ་པ་ན་རེ། ང་ཅག་གི་དཔོན་པོ་འི་ནུ་བོ་ནེ་ཙོ་འོངས་ནས་བཙུན་མོ་
ཁྱེད་རྣམས་སྒོ་ཀུན་ལེགས་པར་གདད་བཅུག་སྟེ་ཧྲེ་ཧྲུ་མིག་འཁྱེར་སྐད་ཟེར་བས་དེ་བཞིན་བྱས་སོ་ཟེར་བར།
རྐང་མས་བུ་མོ་གཅིག་ལ་སྐྲུས་པ། ནེ་ཙོ་ངན་པ་དེ་བདག་གི་སྐྱིད་པར་བར་རྐྱད་བྱེད་དམ་དེ་ཁྱེར་འོངས་
ཟེར་ནས་སློལ་ལོ།།

བུ་མོ་དེས་ནེ་ཙོ་བཙལ་ཀུང་མ་རྙེད་པའི་སྐབས་སུ། བློན་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་གི་ཁྱེའུ་ཟླ་འོད་ཞེས་
བྱ་བས་ཕྱུག་པོ་འི་རྐང་མ་དང་སེམས་མཐུན་པས་འོངས་ནས་སྒོ་ཀུན་བཀག་པས་མཐོང་ནས་བཅུག་པའི་
ཐབས་ཟད་ནས་འདུག་པ་ལ། མོས་མཐོང་ནས་ཁྱོད་སློབས་པར་སྒོ་ཀུན་བཀག་པས་བཅུག་ཐབས་མེད་
པར་གདའ། བདག་ལ་སྒོ་དབྱེ་ཟེར་བར། མོ་ན་རེ། ང་ཅག་ལ་ནེ་ཙོ་གདུག་པ་ཅན་ཞིག་ཡོད་པས་

དེས་ལྷེའུ་མིག་འཁྱེར་སོང་བས་ངས་འདོན་སེ་ནུས་ཁྱོད་རི་འོངས་པ་ནི་ལེགས་ཟེར་ནས། ད་ཐབས་གཞན་མེད་པས་རྣ་བའི་ཕྱི་རོལ་དུ་ཐག་པ་བཏང་བས། ཁྱེའུ་དེས་ཁེད་པ་ལ་དཀྲིས་ནས་ནང་ནས་འཐེན་པས་རྣ་བའི་རྩེར་ཕྱིན་ཁར། ནེ་ཙོས་ཐག་འོག་ཏུ་གྲི་བཙུག་པས་ཐག་པ་ཆད་ནས་ཁྱེའུ་ལྷུང་ནས་ཤི་འོ། །དེ་ནས་རིམ་པར་སྐྲོ་འབྱིད་ནས་བལྟས་པས་ཁྱེའུ་ཤི་བར་གདའ། མོས་དྭ་ཞིང་འདུག་པར་ཁྱེའུའི་ལུས་འབྲིང་བ་རྣམས་ཡོང་ནས། ཨའི་མོ་ངན་པ་ཁྱོད་ཀྱི་ང་ཅག་གི་དཔོན་པོ་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་བསད་པ་ཡིན་ཟེར་ནས་ལོག་སོང་ངོ་། དེ་ནས་ནེ་ཙོས་མོ་ལ་ན་རེ། དེ་ལ་ཐབས་ཡོད་ཧོ་ཕ་བོང་གི་འོག་ཏུ་སྦྲས་ན་རུང་ཟེར། དེ་བཞིན་བྱས་སོ། །དེ་ནས་པོ་ཉ་རྣམས་འོངས་ནས་མ་རྙེད་པར་ལོག་པ་ལ། ནེ་ཙོས་འཕུར་ནས་དེ་རྣམས་ཀྱི་རྗེས་སུ་སོང་ནས་ཉན་པ་ལ། བུ་རོ་མ་རྙེད་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་ན་རེ། བུ་ཤི་ཚེ་དུང་དུ་མི་ཡོད་དམ་ཟེར་བས། ལུས་འབྲིང་པས་མེད་ཟེར་བ་ལ། རྗེ་བོ་ན་རེ། བུ་རོ་ཡང་སྦྲས་པ་ཡང་མ་ཤེས་པས། ང་ཅག་གིས་ཤ་བསྒྲིག་པ་ཙམ་ཡང་ཤེས་མི་ནུས་པ་ཡིན་པས། ལྷ་པ་མོ་དཀར་མོ་འབོད་ཟེར་བས། ལྷ་པ་མོ་དཀར་མོ་བོས་ལ་ཇུ་བརྟུང་ཙམ་བྱས་རས་རྗེ་ཕ་བོང་གི་འོག་ཏུ་ཡོད་ཟེར། ཚིག་དེ་གསན་རས་ནེ་ཙོ་ཡོངས་ཏེ་ཕ་བོང་རས་འདོར་ཏེ་མཆོད་རྟེན་གྱི་ཐེམ་སྐས་འོག་ཏུ་སྦྲས་སོ། །དེ་རྗེས་སུ་པོ་ཉ་འོངས་རས་རྗེ་འདི་ཉིད་གཡང་ཟེར་བས། ནེ་ཙོ་ར་རེ། རྗེ་གཡེངས་ནས་རྐྱེན་ནི་དེར་ཟད་ལ། གལ་ཏེ་མ་རྐྱེན་ར་རྗེ་འདི་ཕྱིར་འཐོན་དགོས་ཞེས་ཟེར་བར་འཇམ་རས་གཡངས་པས་པ་རྐྱེན་ནས་རྗེ་འདོར་དགོས་པ་བྱུང་ངོ། ཡང་ནེ་ཙོ་དེ་རྣམས་ཀྱི་རྗེས་སུ་སོང་། དེ་དག་གིས་ལྷ་པ་མོས་བརྟུར་ཟེར་བ་ལགས་ཟེར་བས། ཡང་ལྷ་པ་མོ་དཀར་མོ་བོས་རས་དྲིས་པས། མཆོད་རྟེན་གྱི་ཐེམ་སྐས་འོག་ཏུ་སྦྲས་པ་ཡོད་ཟེར། ཡང་ནེ་ཙོ་ཡོངས་ནས་མཆོད་རྟེན་བདུན་གྱི་འོག་ཏུ་སྦྲས་སོ། །པོ་ཉ་ཡོངས་རས་གཡེངས་པས་མ་རྐྱེན་རས་ཐེམ་སྐས་ལྷགས་ཀྱིས་བྱས་སོ། །ཡང་ལྷ་པ་མོར་དྲིས་པས། མཆོད་རྟེན་བདུན་གྱི་འོག་ཏུ་ཡོད་ཟེར། ཡང་ནེ་ཙོ་ཡོངས་ནས་བུ་རོ་བླངས་རས་བློན་པོ་རང་གི་ཁྲིར་ངར་བཙུག་གོ །དེའི་ནང་པར་པོ་ཉ་འོངས་ནས་གཡེངས་པས་མ་རྐྱེན་པ་ལ་སྤྱར་ཁ་འཇམ་པས་མཆོད་རྟེན་བདུན་ཡང་དང་ལ་ལས་བྱས་ཏེ། བློན་པོ་སོགས་ཀུན་གྱིས་ཕྱིན་རས་ལྷ་པ་མོ་པར་བཀའ་བཀྱོན་ནས་སྨྲས་པ། ང་ཅག་གི་ལྷ་པ་མོ་དཀར་མོས་ཐུས་འཁོགས་པས་ཅི་ཡང་མི་ཤེས་པར་གདའ་ཟེར་བས། ཡང་ལྷ་པ་མོས་ཇུ་བརྟུང་ཙམ་བྱས་ཏེ་སྨྲས་པ།

ང་ཅག་གི་བློན་པོ་ཆེན་པོ་འི་ཁྲིན་པར་ཡོད་ཟེར་བས། ཁྲིན་པའི་ནང་ནས་བུ་རི་རྙེད་པས། ཕྱུག་པོ་འི་ རྒྱང་མ་ལ་གྲོང་མ་གྲོགས་ཀུང་བློན་པོ་འི་བུ་ལ་འཇིགས་པས་ཞག་བདུན་དུ་ཁྲིམ་ལས་བསྡད་དོ། །དེ་ནས་ མོས་མ་བཟོད་ན་པ་ཉིན་གཅིག་ལ་གོས་གྱོན་པ་སོགས་བྱས་ནས་སྤུར་བཞེན་ཕྱིན་པས། ཡང་ནེ་ཅོ་ཡོངས་ ནས་རྒྱང་མའི་ལག་པར་བསྡད་ནས་ན་རེ། བཙུན་མོ་ཁྱོད་ག་ན་འགྲོ བུད་མེད་ཀྱིས་ཁྱོ་མེད་པར་ཁྲིམ་ ཀྱི་བྱ་བ་རྣམས་ལེགས་པར་མ་བསྒྲུབ་པར་ཕྱི་ཆོ་འི་སྤྱོད་པས་དུས་འདས་ན་མི་འོས་ཟེར་བ་ལ། མོ་ན་ རེ། ཨས་ནེ་ཙོ་ངན་པ་ཁྱོད་བདག་གི་ཁྱོས་ཀུང་མ་བཀག་པ་ལ་ནེ་ཙོ་གོག་པ་ཁྱོད་ཡང་བཀག་གམ་ཟེར་ ན་འཕྲོར་རོ། །དེ་ནས་འགྲོ་བར་རྩམ་པ་ལ་ཡང་ནེ་ཙོ་ན་རེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཁྱོ་ནི་བདག་ལ་ངའི་རྒྱང་མ་ བསྲུང་སྟོད་ཟེར་བ་ཡིན། ཁྱོད་སྤུར་ཁྲིམ་གཞར་དུ་འགྲོ་ཟེར་ནས་བློར་པོ་འི་བུའི་སྐུགས་སུ་བཙུགས་ ནས། ད་ཡང་མི་འཇིགས་པར་ཕྱིར་འགྲོ་བ་ནི་མི་རིགས་པར་གདའ་བཙུན་མོ་ཁྱོད་བསྡད་ཟེར་བར། མ་ན་རེ། བདག་གི་ཁྱོ་ཡང་བསྲུང་མི་ནུས་པ་ཡང་པར་བཏང་བ་ལ། ནེ་ཙོ་ངན་པ་ཁྱོད་བདག་ཆད་པ་ ཡིན་ནམ་ཞེས་ནས་འགྲོ་བར་རམ་པ་ལ། ནེ་ཙོ་ན་རེ། བཙུན་མོ་ཁྱོད་སྡོད་ཁྱོ་ནི་མེད་པ་ལ། བདག་ གིས་ཁྱོད་ནི་བཟུང་ན་ཐུབ་མི་ཡོང་། འགོག་ཏུ་ཡང་ངའི་ཚིག་མི་གསན་ནོ། །འོན་ཀུང་བཙུན་མོ་ཁྱོད་ ལ་ངས་དཔེ་གཅིག་སྨྲ་བ་ལ་ཁྱོད་སྨྲུགས་དེ་ཉོན་ཅིག་ཟེར་བར། མོ་ན་རེ། ནེ་ཙོ་ངན་པ་དཔེ་ཡང་ སྨྲར་དུ་སྨྲོས་ཟེར་བ་ལ། ནེ་ཙོས་སྨྲས་པ།

སྔོན་དུས་སུ་རྒྱལ་པོ་དཔལ་གསལ་ཞེས་བྱ་བ་ལ། བུ་མོ་ཉི་འོད་ཀྱེས་བྱ་བ་ཞིག་ཡོད་དོ། རྒྱལ་པོ་དེས་བུ་མོ་ཉི་འོད་དེ་མི་ཡུས་བལྟ་ན་མིག་བྲུས་དེ་ཏེར། གལ་ཏེ་ཁྲིམ་དུ་བཙུག་ན་རྐང་ལག་ ཐམས་ཅད་གཏུབ་ཏེ་སྡུག་པར་རད་པ་གཅོད་པ་ཡོད་དོ། །བུ་མོས་འདི་སེམས་སོ། །ཡོངས་ བདག་གིས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་འི་བུ་མོ་ཡིན་པ་ལ། མི་འགྲོད་ཅན་འདྲ་བར་དུས་རྟག་ཏུ་ཁྲིམ་ལས་མི་འཐོན་ པར་མ་ཟད། མི་སྲུ་དང་མ་འཕྲད་པ་ནི་ཅི་ཡིན། ང་ཡང་ཡབ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུ་སློམ་རས་ཞུས་པར། དགེ་བའི་སྟོབས་ཀྱིས་རྒྱལ་ཆེན་སྲས་མོར་སྐྱེས་ནས་སྐྱིད། །གཞན་རྣམས་བལྟ་བར་འདོད་ཀུང་ཅི་ཡང་ མཐོང་བ་མེད། །འབྱུར་བཀའ་ཕེབས་བདག་གི་སེམས་ནི་ངལ་བར་གདའ། །དགེ་སེམས་ཡབ་ རྒྱལ་ཁྱོད་ཀྱི་གནང་བ་སྨྲུར་དུ་སྩོལ། །ཞེས་ཞུས་པས་རྒྱལ་པོས་གནང་ནས་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་འབོད་

ནས་འདི་སྐད་དོ། །ཚོང་འདུས་ནོར་རྣམས་རིམ་བཞིན་ལེགས་པར་བཀྲམ། སྨུར་དུ་སྐྱེས་པ་ཕོ་རྣམས་
ནང་དུ་འཛུལ། །སྐལ་སྐལ་སྐོ་རྣམས་ཤིན་དུ་ལེགས་པར་བསྒོམས། །བརྟན་པའི་སེམས་ཀྱིས་བལྟ་
ན་རྣ་བའི་ཁྲིམས་སྡོན་གསོད། །ཞེས་པའི་སྒྲ་སྒྲོགས་སོ། །དེ་ཉིད་ནི་ཚེས་བཅོ་ལྔའི་ཉིན་མོར་སྲས་
མོ་ཉིད་ལ་འདི་ལའི་ནང་དུ་ཤེལ་ཁྲི་ལ་བསྡད་ནས་བུ་མོ་མང་པོས་བསྐོར་ནས་ཚོང་འདུས་ཀྱི་ཁྲོད་དུ་སོང་
ནས་ནོར་སོགས་མཐོང་ན་ཡང་། སེམས་ཀྱི་ཕྱུགས་སུ་སྐྱེས་པ་བཟང་པོ་དང་འཕྲད་སྨོན་པས། སྐྱེས་
པ་བལྟ་འདོད་ཀྱང་སྐྱེས་པ་གཞན་མེད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་འི་བློན་པོ་ཟླ་བའི་མིང་ཅན་ཞིག་སྲས་མོ་མཐོང་
བར་འདོད་ནས་རང་གི་ཁང་པའི་སྟེང་དུ་ཡིབ་ནས་བསྡད་པས། །སྲས་མོས་མཐོང་ནས་སོར་མོ་གཅིག་
བསྐྱིང་ལག་པ་གཞན་ལ་ཕྱི་བསྐོར་བྱས་ནས་ཡང་ལག་མཐིལ་བསྐུམས་ནས་བརྡལ་ཏེ་སོར་མོ་གཉིས་
བརྟེགས་ཏེ་ཁྲིམ་ཀྱི་ཕྱོགས་སུ་བརྡ་སྤྲོད་བྱས། དེ་ནས་བློན་པོ་ཟླ་བས་འཇིགས་ཏེ་ཇིངས་ནས་འབབ་
སྟེ་རྒྱུག་བཞིན་ཁྲིམ་དུ་བཅུག་དབྱུགས་འདེགས་ཏེ་འདུག་པ་ལ། རྒྱང་མས་ཇིངས་དབ་དོན་འཛེགས་ནས་
རྒྱུག་བཞིན་བྱེད་པ་ནི་ཅི་ཡིན་ཁྱོད་ནི་སྲས་མོ་ཉི་མ་མཐོང་ལགས་སམ་ཟེར་བར། ཁྱེའི་བདག་གིས་
མཐོང་ངོ་། །བདག་ལ་ངན་པས་སྡིགས་སོ། །འཆི་བར་ཟད་དོ། །བདག་གིས་ཅི་སྐད་ཟེར་བ་ལ།
རྨིས་བཏད་ནས་སྨྲས་པ། ཁྱོད་ལ་ཇི་ལྟར་སྡིགས་ཟེར་བ་ལ། ཉི་མ་སྲས་མོ་འི་བརྡ་ཀུན་སྨྲས། རྒྱང་
མས་ན་རེ། དེས་ཁྱོད་ལ་སྡིགས་བྱེད་པ་ནི་མིན། ཁྱོད་ལ་རྒྱགས་པས་འདྲེར་འོངས་ཟེར་བའི་བརྡ་
ཡིན། སོར་མོ་གཅིག་བསྐྱེངས་པ་རི་ཁྲིམ་ཀྱི་ཕྱི་རོལ་དུ་ཤིང་གཅིག་ཡོད་ཟེར། ལག་པ་གཞན་ལ་
ཕྱིར་བསྐོར་བ་ནི་རྟ་བ་ཡོད། ལག་པ་བསྐུམ་པ་བཀྲམ་པ་ནི་མེ་ཏོག་གི་རྭ་བ་ལ་ཕྱིན་ཟེར་བ་ཡོད། སོར་
མོ་གཉིས་བསྟུལ་བ་ནི་ང་ཅག་གཉིས་ཉལ་རས་དགའ་མགུ་བྱེད་ཟེར་བ་ཡིན་ནོ། །ང་སྨུར་དུ་འགྲོ་ཟེར་
བས། བློན་པོ་ཟླ་བ་ན་རེ། ཁྱོད་བདག་རྒྱལ་པོས་གསོད་པར་བྱེད་པའི་འཁོན་ནི་ཇི་ལྟར་ཡོད།
མི་མོས་སེམས་གདུག་ཅན་བ་ཡིན་པས་རྒྱལ་པོ་འི་ཁྲིམས་རྣ་བ་ནི་མི་ཤེས་སམ་ཟེར་བ་ལ། མོ་ནི་བཞད་
ནས་སྨྲས་པ། ངའི་ཚིག་འདི་བརྟུན་མིན། བུ་མོ་རིས་ཁྱོད་དང་ངེས་པར་འཕྲད་རྣམ་པ་ཡིན། བུ་མོས་
ཁྱོད་འདོད་པས་ཁྱོད་ཀྱིས་མ་ཕྱིན་ན་ཡང་པར་མི་བདང་བར་དགོས་པ་ཞིག་གི་ཆེད་དུ་ངེས་པར་གསོད་
ཁྱོད་སོང་མ་སོང་གང་ཡིན་ཀྱང་འཆི་བ་ལས་འོས་མེད། དེ་བས་ན་དེར་སོང་ན་ལེགས་ཟེར། ཡང་སྨྲས་

པ ། ཡང་མི་ལ་རིན་པོ་ཆེ་ཕན་ཐོགས་པ་ཡིན་པས་ནོར་བུ་གཅིག་ཉིན་ནས་དེར་བསྐྱེལ་ལོ།།

བློན་པོ་དེས་མེ་ཏོག་གི་རྣ་བར་སོང་ནས་ཤིང་གཅིག་གི་རྩ་བར་འདུག་པ་ལ། སྔོད་དུས་སུ་སྲུས་མོ་ཡོངས་ནས་དགའ་མགུར་སྤྲུད་པས་ལུས་ངལ་ནས་གཉིད་ལོག་དེ་ཉི་མ་ཤར་རོ། །རྣ་བ་སྨྲུང་བ་དེས་དམག་བརྒྱ་དང་བཅས་དེ་བསྐོར་ནས་འགྲོ་བར་བློན་པོ་དང་སྲུས་མོ་གཉིས་མཐོང་ནས་བཟུང་སྟེ་ཁྲི་མོན་དུ་བཙུག་གོ །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པར། རྒྱལ་པོས་རྣ་བ་སྨྲུང་བ་ལ་སྨྲས་པ། སྲུས་མོ་ལ་བལྟ་བ་དང་བཙུག་པ་ལ་མིག་འཕྲིན་པ་དང་ཀང་ལག་ཆག་པ་སོགས་བྱས་པའི་ལས་སྲུས་མོ་ལ་སྨིན་པས་སོ། བུ་མོ་ཉེ་མས་བློན་པོ་ཟླ་བ་ལས་དྲིས་པ། ཁྱོད་ལ་ཐབས་ཡོད་དམ་ཟེར་བས། བློན་པོ་ན་རེ། ང་ལ་ཐབས་ཡོད་མ་ཡོད་འཆི་བ་སྐྱུགས་པར་སྤོད་ཟེར་བར། བུ་མོས་ཁྱོད་བདག་གིས་བརྣ་སྤྲད་པ་ཟེ་ལྟར་ཤེས་ཟེར་བར།، བདག་མི་ཤེས་ངའི་ཚུང་མས་ཤེས་ཟེར་བར། ཁྱོད་ཀྱི་ཚུང་མ་བློ་དང་ལྡན་པ་ཡིན། མོས་ཁྱོད་ལ་བཅོལ་གདམ་ཡོད་དམ་ཟེར་བར། བཅོལ་གདམ་ནི་མེད་ཁྱོད་ལ་རིན་པོ་ཆེ་གཅིག་མི་པོ་ལ་དགོས་པ་ཡོད་དོ་ཟེར་ནས་བྱིན་ཟེར་བར། བུ་མོས་ལེགས་ཟེར་ནས་རིན་པོ་ཆེ་ང་ལ་བྱིན་ཅིག་ཞེས་ནས་ལེན་ཏེ། ཁྲི་མོན་གྱི་རྒྱ་མཐོངས་ནས་བལྟ་སྟེ་སྨྲས་པ། ང་ཅག་རྣམས་སྲུང་བའི་མིས་རིན་པ་ཆེ་འདི་ལེན། འཆི་བའི་མི་ལ་མི་དགོས། མི་གསོན་པོ་རྣམས་ལ་དགོས་པ་ཡོད། མི་སུས་ལེན་ན་བློན་པོ་ཟླ་བའི་སྒོ་ལ་ལན་གསུམ་བསྐོར་ནས་སླེབས་ཟེར་བ་ལ། དེ་བཞིན་བྱེད་པ་ལ་ཚུང་མས་ཤེས་ནས། ཡའི་བདག་གི་ཁྲོ་བཟུང་ཟེར་ནས། གོས་རྒྱན་རྒྱན་གྱིས་བརྒྱན་ཏེ་རིན་པོ་ཆེའི་གཞོང་པར་ཟས་སྣ་ཚོགས་ཀྱིས་བཀང་ནས་ཁྲི་མོན་གྱི་སྒོར་སོང་ནས་བཙོན་སྲུང་རྣམས་ལ་སྨྲས་པ། བདག་གི་ཁྲོ་ན་ནས་འཆི་བ་ལ་ཐུག་པས། སྐྱར་པས་བལྟས་ནས་སྐྱར་པ་རྣམས་ན་རེ། བཙོན་དུ་འཇུག་པ་རྣམས་ལ་ཟས་བྱིན་ན་འཚོའི་ཟེར་བར། ཤིང་ཏོག་འགྲེད་སེམས་ནས་ཡོངས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བཙོན་སྲུང་ཐོས་ནས་མི་མོ་ཡིན་པས་ཙུང་ཟེར་ནས་ལ་ཁུར་བཀྲེད་ཞེས་བཙུག་གོ །མོས་ནང་དུ་འཇུག་ནས་སྲུས་མོ་ལ་རང་གི་ཞྭ་གོས་རྒྱན་དེ་གཞོང་པ་བསྐམས་ནས་ཕྱིར་འདོན་དོ། དེ་ནས་ཚུང་མས་རང་གི་ཁྲོ་དང་ལྷན་དུ་ཁྲི་མོན་ལ་སྨྲས་པས། རྒྱལ་པོ་འོང་བས་བཙོན་སྲུང་བདུད་ནས་སྲུས་མོ་དང་བློན་པོ་གཉིས་ཀྱི་རྒྱ་མཚན་ཚང་བར་ཞུས་པས།རྒྱལ་པོས་ཤིན་དུ་ཁྲོས་ཏེ་སྒོ་ལ་སླེབས་ནས་རལ་གྲི་ཐོགས་དེ་ཉི་མ་བུ་མོ་རིངས་པར་ཐོངས་ཟེར་བར། དེས་

ཁྲི་མོན་དུ་བཙུག་ནས་བློན་པོ་དང་ཆུང་མ་གཉིས་ཁྲིད་དེ་འོངས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་བུ་མོ་སྐད་ཅེས་པ་ནི་གང་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་དང་ཆུང་མ་གཉིས་བདུད་དེ་ཞུས་པ། བུ་མོ་ཉི་འོད་བདག་མི་ཤེས་སོ།།

བདག་གི་ཆུང་མས་རྒྱལ་པོ་འི་མེ་ཏོག་གི་ཧྭ་བ་མཐོང་བར་འདོད་པས་ང་དང་ལྷན་ཅིག་ཏུ་འགྲོ་བས་ཕྱིར་མ་ལོག་པར་དེར་ཉལ་བས་དེར་དམག་རྣམས་སླེབས་ནས་མེ་ཏོག་གི་ཧྭ་བར་མ་ཞུས་པར་འཇུག་ཟེར་ནས་ང་ཅག་གཉིས་ཁྲི་མོན་དུ་བཙུག་ཅེས་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཡོངས་ཕོ་མོ་གཉིས་གང་དུ་ཉལ་ནའང་རང་གི་འདོད་མོས་ལྟར་ཡིན་ཀྱི །བཙོན་སྲུང་ཁྱོད་འདི་ལྟར་ངན་པའི་མི་ཉི། ངའི་སྨྲས་མོ་ཡིན་ཞེས་སྨྲས་པས་ཁྱོད་གསོད་པར་འོས་པ་ཡིན་ཀྱང་ཁྱོད་འདྲ་ངན་པས་ཅི་དགོས་བློན་པོ་ཟླ་བའི་གཡོག་དུ་འགྱུར་ཞེས་བཀའ་སྩལ་པ་ལ། དེ་ནས་བཙོན་སྲུང་པས་ཞུས་པ། བདག་ད་གཞོད་བཟུང་བའི་དུས་སུ་སྨྲས་མོ་ངེས་པར་ཡིན་པར་གདའ། མོ་འདི་ངོ་མ་ཤེས་པ་ནི་བདག་འཆི་བ་སྐྱུགས་པ་ཡིན་པས་ངེས་པར་འཆི་བའོ། །འོན་ཀྱང་སྨྲས་ཧོ་འདི་ཉིད་དུ། ནས་སླང་དུ་གཤའ་བསྐྱག་ནས་འཆི་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས་དེ་བཞིན་དུ་གནང་ངོ་། །བུ་མོ་འབོད་ནས་བཙོན་སྲུང་ངན་པ་འདིས་ཁྱོད་ནི་མེ་ཏོག་གི་ཧྭ་བར་བློན་པོ་ཟླ་བ་དང་འཕྲད་པར་གདའ་བ་ལ་བདག་ཅག་གིས་བཟུང་། ཕྱིས་སུ་ཇི་ལྟར་ཐབས་ཀྱིས་མཐོང་མི་ཤེས། འོན་ཀྱང་འཆི་བ་ལ་དབྱེར་མི་འདུག །བུ་མོ་ཁྱོད་ནི་ནས་སླང་ལ་མནའ་བོར་ནས་འཆི་ཟེར་བ་ལ། །དེ་བས་ན་ཁྱོད་ནས་སླང་ལ་གཤའ་བོར་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། ནས་སླང་དེ་ནི་བདེན་ན་མི་བསྐྱུར། བརྫུན་ན་བསྐྱུར་བས་བདེན་བརྫུན་ཤེས་ནུས་སོ།།

བརྫུན་སྨྲས་ན་རང་གི་ལུས་དང་འདྲ་བར་འཕྱུལ་ལོ། །བུ་མོས་ཡབ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ། བདག་ཁྱེད་ཀྱི་བུ་མོ་གཅིག་ཡིན་པས་མི་ཉུང་ངུར་མི་རུང་། མི་ཤིན་དུ་མང་པོ་འི་ནང་དུ་གཤའ་བོར་ཟེར་བ་ལ། དེ་བཞིན་ནོ་ཟེར་བར། མི་མང་པོ་ཚོགས་བྱས་ཏེ། དེ་ནས་བློན་པོ་འི་ཆུང་མས་བུ་མོ་གཤར་བོར་བ་ཤེས་ནས་ཁྲོ་འི་ལུས་ཀུན་སྟག་ཚས་བསྒྱུར་ནས་དྲི་ངན་པ་རྣམས་བྱུགས་ཏེ་སྨྱུག་བྲོ་བ་ལྟར་བསྒྱུར་ནས་བཅོལ་གདམ་འདི་བྱས་སོ། །གཤའ་བོར་ཆེ་ཁྱེད་ཀྱི་མིག་ལ་གཅིག་བརྩམས། ཁང་ཡ་གཅིག་གཤལ་ཕྱི་ནས་མཁར་བ་ལ་བརྟེན་ཏེ་མི་མང་པོ་འི་ནང་དུ་སློན་པ་ལྟ་བུ་མི་འོས་པའི་སྤྲོད་པས་འགྲོ །དེ་དུས་སུ་སྨྲས་མོ་ཐབས་གཅིག་རྩེད་པ་ལགས་ཟེར་བཅོལ་ལོ། དེ་ནས་བློན་པོ་ཟླ་བ་དེས་མི་མང་པོ་འི་ནང་དུ་ཕྱིན་ནས།

མ་ཎི་ངག་ལྟར་འགྲོ་བས་རྒྱལ་པོས་བློ་བུར་དུ་མཐོང་ནས་འདི་སྐད་དོ། །འདི་སྨྲ་བྲོ་བ་ལྟ་བུ་ངན་པ་རིང་
དུ་བསྐྱལ་ཞེར་བ་ལ། བློན་པོ་རྣམས་ཡོངས་ནས་རིང་དུ་ཕྱུལ་དེ་ཕྱིར་སོང་སོང་ཞེས་བརྡེགས་པའི་ཚེ།
བུ་མོས་དེ་མཐོང་ནས་བཞེངས་དེ་རྒྱལ་པོ་འི་དྲུང་དུ་འོངས་ནས་འདི་སྐད་ཅེས་ཞུས་སོ།།

བདག་ལ་སྐྱོན་མེད་པ་ལ་བརྡུན་པས་སྐྱུར་པ་བདབ་པ་ལ། བདག་ནས་བླང་ལ་གཞའ་བསྒྲགས་པ་ལ།
ཡོངས་ང་ཅག་དབྱེ་སྤྱི་ཤིན་དུ་བདེན་ན་དག་ཚུལ་མེད་དེ། འོན་ཀྱང་བདག་མི་སྨྲ་བྲོ་བ་ལྟ་བུ་ཕོ་མཚན་ཅན་
ཞིག་འཛིན་ནས་གཞའ་བོར་ན་ལེགས་ལ། མི་བཟང་ལ་བཟུང་ནས་གཞའ་བོར་ན་ཡང་བདག་ལ་སྐྱུར་པ་
འདེབས་པ་ཡིན། དེ་བས་ན་བདག་མི་ངན་པ་ནད་ཅན་བཟུང་ནས་གཞའ་བོར་ཞེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་
གནང་ནས་བཙུན་མོ་དང་བློན་པོ་དང་མི་མང་པོ་ཚོགས་པའི་དབུས་སུ་མནའ་བོར་བས། བློན་པོ་སོགས་མི་
མང་པོ་རྣམས་རྒྱལ་པོ་འི་སྲས་མོ་འདི་ལྟ་བུའི་ངན་པ་མི་གཙང་བའི་འགྲོ་བ་བཟུང་ནས་ཇི་ལྟར་གཞའ་
བསྒྲག་པ་ཡིན་ཞེར་བ་ལ། བུ་མོ་ན་རེ། དེ་ལ་བཟུང་བ་ནི་རྣའི། དེ་མ་ཟད་བདག་རང་གིས་དེ་དང་
འབྲུད་པ་ནི་རང་གིས་སྨྲས་པ་ཡིན་པ་ལ་ཅེས་ཞེར་ནས། བུ་མོས་ཡང་སྨྲས་པ། བདག་ཆུང་ངུའི་དུས་ནས་
ཚུན་ཆད་ཡབ་རྒྱལ་པོ་འི་མིང་ལ་གྲགས་པ་ངར་པ་ཡེ་མི་བྱེད་དོ། །གཅིག་དུ་འདྲེ་བའི་ཁྲོ་ནི་དེ་ནད་
ཅན་ཡིན། དེ་ལས་གཏན་ཁྲོ་དང་གདན་ནས་མ་འབྲུད་ཞེས་གཞའ་བོར་རོ། །སྔར་ནས་འབྲུད་པའི་ཁྲོ་ནི་
བསྟུན་པས་ནས་གླང་མི་འཕེལ་ལོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་རྣ་དང་ཀུན་གྱིས་བུ་མོ་འི་བདེན་པར་ཡིད་ཆེས་
ནས། བཙོན་སྲུང་བརྡུན་པར་སྨྲས་ཞེར་ནས་ཁྲིམས་ཀྱིས་བསད་ནས། བློན་པོ་ཟླ་བ་ལ་རྒྱང་མ་ཐོགས་
པར་གཏང་ངོ། །དེ་ནས་ནི་ཙོ་བློ་ལྡན་གྱིས་ན་རེ། ཨས་བཙུན་མོ་ཁྲོད་བློན་པོ་ཟླ་བའི་ཆུང་མ་དང་འདྲ་
བའི་སྙིང་སྟོབས་དང་བརྩོན་པ་ཡོད་ན་ཁྲིམས་གནས་ལ་འགྲོ་བ་ནི་བདེར། དེ་འདྲ་མིན་ན་ཁྲིམས་གཞན་དུ་འགྲོ་
མི་རུང་ཞེར་བ་ལ། མོ་དེས་ནི་ཙོ་འི་ཚིག་གསར་ནས་ཁྲིམས་གཞན་དུ་འགྲོ་བར་མི་ནུས་པར་སྡོད་སྐད། ཨས་
རྒྱལ་པོ་ཨཛྷི་བྲཛྷི་ཁྲོད་ཀྱི་བཙུན་མོ་འདི། ཛྷི་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཏི་དའི་བཙུན་མོ་མེ་ཏོག་གར་མ་ལྟ་ཞིག
བློར་པ་ཟླ་བའི་ཆུང་མ་དང་འདྲ་ན་ཁྲི་འདི་ལ་ཕྱག་ཕྱར་འོས་པ་ཡིན་ལ། རྒྱལ་པོ་དཔལ་གསལ་གྱི་
བུ་མོ་ཉི་འོད་དང་འདྲ་བའི་ཐབས་ཆེ་བ་དང་སེམས་ངན་པ་ཤིན་ཏུ་ཕྱག་འཚལ་མི་ཡོང་པར་སོང་ཞེར་བར།
ཐམས་ཅད་ངོ་ཚ་ནས་སོང་ངོ་། །ཤིང་མེ་དྲུག་པའི་ལེ་ཚན་སྟེ་དྲུག་པའོ།།

ལེའུ་བདུན་པ།

༄༅། །དེ་ནས་ཡང་རྒྱལ་པོ་ཨརྗི་བུརྗིས་བཙུན་མོ་དོན་གཅིག་ཁྲི་དེ་ལ་ཕྱག་འཚལ་བར་ཕྱིན་པ་ལ། བཙུན་མོ་དེ་རྣམས་ཀྱི་ནང་ན་བཙུན་མོ་གཙེས་པ་གཅིག་ལ་རྒྱལ་པོ་ཨརྗི་བུརྗིས་ཁྲི་ལ་མགོ་བོས་ཕྱག་བྱས་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོས་ཕྱག་བྱས་པར་གཟས་པ་ལ། བདག་ནས་ཕར་ཤོག །ཁྲི་དེ་ལ་མགོ་རེག་མི་ཡོང་བ་ཡོད་དོ། །ཁྱོད་ལ་སྔོན་གྱི་ནེ་ཙོ་དོན་གཅིག་གི་ལོ་རྒྱུས་བརྗོད་ཟེར་ནས། ཡང་ཕྱི་ཉིན་ལ་ཕྱུག་བོ་དེའི་ཆུང་མ་ཆགས་ཅན་གྱིས་ཁྱིམ་གཞན་ལ་འགྲོ་བར་རྩམ་པ་ལ། ནེ་ཙོ་ཨོངས་ནས་ཆུང་མའི་ལག་པར་འཛབ་སྡེ་སྐྱུས་པ། ཁྱོད་ཀྱི་ཕོ་ནི་ཞག་དོན་གཅིག་ནས་ཁྱིམ་ལ་སླེབས་པ་ཡིན་ནས། མ་སླེབས་བར་དུ་ནེ་ཙོ་བདག་གིས་བཙོས་བར་སྐྱུས་པས། བདག་ཁྱོད་ནི་བཟུང་མི་ཐུབ། ངའི་ཚིག་ནི་མ་མཉན། འོན་ཀྱང་བདག་གིས་ལོ་རྒྱུས་གཅིག་སྨྲའོ། །བཙུན་མོ་ཁྱོད་དཔེ་གཅིག་ཉོན་ལ་ཁྲིམ་གཏན་ལ་འགྲོ་ན་ཅིར་མི་འགྱུར་ཟེར་བར། མོ་ན་རེ། དཔེ་གཅིག་བརྗོད་ནས་མྱུར་དུ་སྨྲོས་ཤིག་ཉི་མ་ཟེར་བྱུང་ཟེར་བས། ནེ་ཙོ་ན་རེ། སྔོན་གྱི་དུས་གཅིག་ན་རྒྱལ་པོ་དང་ལ་ཞེས་བྱ་བ་ལ། བུ་མོ་ཟླ་འོད་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་ཡོད་དོ། །བུ་མོ་དེ་ནི་བསྐྱེད་ཚེ་རྒྱལ་པོས་སྨྲས་པ། དཔངས་རིགས་ལ་བྱིན་ཞེས་ན་ངའི་བུ་མོ་དང་མཉམ་པའི་མི་མེད་པར་གདའ། མི་གཞན་ལ་བྱིན་སྐམ་ན་ཇི་ལྟར་གྲགས་སོ། ། །དེ་ནས་ར་ཁྲོད་ར་གདིང་ཟབ་པ་གཅིག་བཀོ་སྟེ་བཞག་གོ །ཁྲིན་པ་དེ་ཉི་མི་གང་གིས་ནོར་དང་རིན་པོ་ཆེ་སོགས་ཀྱིས་བཀང་ནས་ན་མི་རིས་བདག་གི་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ལེན་ནོ་ཞེས་སྒྲོགས་པར་བྱེད་པ་ལ། དེ་དུས་སྡེ་རྒྱལ་པོ་སྨོན་ལམ་ཞེས་པ་ཞིག་ལ་བུ་གཅིག་བུ་ཡོད་དོ། །བུ་དེས་གསན་ནས་ཁྲིན་པ་བཀང་སྟེ་བུ་མོ་ལེན་སྙམ་ནས་རིན་པོ་ཆེ་དང་རྫས་ནོར་སོགས་ནི་སྣང་ཆེན་བརྒྱ་ལ་བཀལ་ནས་མི་བརྒྱ་པོ་འཁྲིད་ནས་ཕྱིན་ཏེ། རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ། ཁྱེད་ཀྱི་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ནི་བྲངས་སྐམ་པས་ཁྲིན་པ་འདི་ནི་རིན་པོ་ཆེ་ལ་སོགས་པས་བཀང་ཟེར་ནས་སླེབས་པ་ལགས་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། མི་སྲུ་ཞིག་གིས་རིན་པོ་ཆེ་ལ་སོགས་པས་བཀང་ནས་ན་དེ་ལ་སྦྱིན་ནོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་རེས་ཕྱིན་ནས་ནོར་སོགས་ཀྱིས་ཁྲོན་པར་བཙུག་པས་མི་གང་བར་འཁྲིད་པའི་མི་བརྒྱ་པོ་དང་ནི་སོགས་ཚོང་ཀུང་ཆ་ལོན་པས། ང་ཡང་ལུས་གཅིག་བུ་ལས་མེད་པས། ཡུལ་དུ་ལོག་པར་སེམས་ཀྱང་ཁང་ཐང་བ་དང་བཟས་སོགས་མེད་པས

ལོག་པར་མི་ནུས་སོ། །རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་ཡུལ་དུ་བསྡད་དོ། །སྨྲོག་འཚོ་བའི་ཐབས་མེད་པས་ཤིང་འཐུ་ནས་ཁུར་དེ་ཚོང་ནས་སྨྲོག་ཉ་མ་ཆད་པ་ཙམ་འདུག་པ་ལ། ཉིན་གཅིག་ལ་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ཀྱིས་ཕོ་ཕྲང་གི་སྟེང་དུ་འཛོགས་དེ་ཐེའུ་ཆུང་ལ་བསྡད་ནས་སེམས་གསོ་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་འདི་བུ་ནི་ཤིང་ཁུར་དེ་ཁྲོམ་བར་སྒྲ་ཆེན་བོས་ཤིང་ལེན་ནམ་ཟེར་དེ་འགྲོ་བ་ལ། བུ་མོ་ཟླ་འོད་ཀྱིས་མཐོང་ནས་ཁྲིད་པའི་བུ་མོ་ལ་དེ་ནི་བོས་ཤོག་ཟེར་ནས་རྒྱལ་པོ་འདི་བུ་དེ་སློབ་པ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །བདག་གིས་ཁྱོད་བལྟས་དེ་བརྟག་ན་ཁྱོད་ཀྱི་ལུས་ཀྱི་དབྱིབས་སོགས་མི་བཟང་པོ་འདི་བུ་ཡིན་པ་འདྲ་ལ་ཤིང་ཚོང་བའི་བུ་ལྟར་འདི་ཅི་ཡིན་ཞེས་དྲིས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་འདི་བུ་ན་རེ། བདག་རྒྱལ་པོ་སྟོབས་ནས་ཀྱི་བུ་གཅིག་པུ་ཡིན། རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ནི་ལེན་སླམ་ནས་གླང་ཆེན་བརྒྱ་ལ་རིན་པོ་ཆེ་སོགས་བཀལ་དེ་སླེབས་ནས་ད་བདག་གཅིག་པུ་ལུས་སོ༎

བཀལ་ས་དང་ཞོན་པ་དང་འཁྲིད་པ་ལ་སོགས་པ་ཐམས་ཅད་འཚོང་ཡང་མ་ལོན་ནོ། །དེ་ནས་ཕྱིར་ལོག་པར་སེམས་ཀྱང་ལྷོ་གོས་མེད་པས་ཤིང་ཚོང་ནས་སྨྲོག་འཚོ་འོ་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། ཁྱོད་ཇི་ལྟར་སེམས་པའི་མི་སྨོངས་པ་ཞིག་གདའ། རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་བུ་མོ་ཡང་མེད་ཀྱང་རུང་། ཡོད་ནའང་ལོང་བའམ་གཞལ་འཆི་བ་ཡང་ཡོད། བུ་མོ་མ་མཐོང་བར་ཁྲིན་པར་ནོར་ཡོད་ཚད་འཇུག་པ་ནི་མི་ལེགས་ལ། ད་ལྟ་ཁྱོད་སོང་ལ་ཁྲིན་པར་འཇུག་པའི་ནོར་ལས་ནུས་པ་ཅི་ཡོད་ཀྱིས་བསྐྱམས། ལེན་པའི་རྗེས་སུ་བདག་གིས་རིན་པོ་ཆེས་ཞིན་དུ་བཀང་ངོ་ཟེར། རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་ཤིག །ཁྱོད་ང་ལྟ་བུ་བུ་མོ་ཡང་བསྐྱམས་ཡོངས་ཁྱོད་ལ་ནི་བུ་མོ་མེད་ཀྱང་རུང་ལ། ཡོད་ཀྱང་མིག་ལོང་བའམ་རྐང་ལག་འཕྱི་བའམ་ཤིན་དུ་མི་སྡུག་པ་ཞིག་ཡོད་ཀྱང་རུང་བས་ངས་བལྟ་ཟེར་རྒྱལ་པོ་ལ་ཕོ་ཉ་གཏོང་། གལ་དེ་རྒྱལ་པོ་བུ་མོ་འཁྲིད་ནས་འོངས་དེ་བུ་མོ་ལ་བལྟས་བཞིན་པར་ནོར་རྣམས་ཁྲིན་པར་གླུགས་ངང་གིས་བཀང་བ་ཡོད། བུ་མོ་ཟླ་འོད་ཀྱིས་མ་བལྟས་ནས་ཅི་གླུགས་ཀྱང་འགེངས་པ་མི་འདུག །བུ་མོས་མཐོང་ན་སྲས་མོ་འདི་སེམས་ནི་ཤིན་དུ་ཆེས་ཐེན་པ་ཡིན་པས་བཀང་བ་སླ་ཟེར་བར། བུ་དེས་བུ་མོ་འདི་ངག་བཞིན་རྒྱལ་པོར་གསོལ་ལོ། །རྒྱལ་པོས་བུ་མོ་ཡང་འཁྲིད་ནས་འོངས་པར། རྒྱལ་པོས་བུ་མོ་ལ་བལྟ་བཞིན་དུ་གླུགས་པས་སྐྱུར་དུ་བཀང་ངོ༎

དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་བུ་མོས་བསླབ་པ་བསྟན་པ་ཞེས། ཞིན་དུ་ཁྲོས་ཏེ་གཡོ་ཅན་གྱི་བུ་མོ་ལ་ཞོན་པ་དང་ལྷོ་གོས་སོགས་ཡི་མ་བྱིན་པར། བློན་པོས་རྒྱལ་པོའི་བཀའ་བཞིན་དེད་ནས་འགྲོ་བར་རྟ་བའི་ཕྱི་རོལ་དུ་དོར། དེ་ནས་ནོར་གྱི་ལྷག་མས་རྟ་ལེན་ནས་ཞོན་ཏེ་རང་གི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་ནོ། །རྒྱལ་པོ་དེའི་ཡུལ་ནི་ལ་གསུམ་གྱི་རིང་དུ་ཡོད་དོ། །གཉིས་ཀ་སོང་སོང་ནས་རྟ་རིད་པ་དང་ཟས་ཟད་པ་དང་། ཀང་ཐང་གི་འགྲོ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་གི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་ནོ། །རྒྱལ་བུས་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ལ་སླས་པ། ང་ཅག་གཉིས་མི་ལས་ཟས་སློང་བར་ནུས་སམ་ཟེར་བར། སློང་བ་མེད་པར་འགྲོ་འོ། །ང་ལ་དངུལ་ཞོ་ལྔ་ཡོད་ཟེར་བར། ཟླ་འོད་ན་རེ། བདག་བཟོ་པ་གཅིག་བྱས། འདི་དངུལ་ཞོ་ལྔས་སྒྲུད་པ་མདོག་གུས་ཚང་བ་ཚོང་ལེན་ནས་ཡོངས་པས། ཟླ་འོད་དེས་རི་རབ་ལྷུན་པོ་གླིང་བཞི་དང་ཉི་ཟླ་རྒྱུ་སྐར་སོགས་མ་ཚང་བ་མེད་པ་ལེགས་པར་བཟོ་བར་བྱས་ཏེ་རྒྱལ་བུ་ལ་གཏད་དེ། ཁྱོད་འདི་ནི་དངུལ་སྲང་ལྔ་བརྒྱ་ལ་ཚོང་ན་ཚོང་། དེ་ལས་ཉུང་ཆད་མི་བཙོང་ངོ་། །གལ་ཏེ་ལེན་མིས་འདི་ཉིད་ནི་སུས་མདུད་བྱས་པ་ཡིན་ཟེར་ན་ངས་ཟེར། དེ་ནས་རྒྱལ་བུས་བསྐུམས་ནས་སྒྲུད་པ་བླང་བ་ནི་ཡོད་དམ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་འི་བློན་པོ་ཆེན་པོ་གཅིག་སླེབས་ཏེ་འདི་ཡི་རིན་ནི་ཅི་ཡོད་ཟེར་བར། །རྒྱལ་བུ་ན་རེ། དངུལ་སྲང་ལྔ་བརྒྱ་ལས་ཉུང་མ་ཉོས་ཟེར་བར། བློན་པོ་དེས་སྒྲུད་པ་དེ་ནི་བསྐུམས་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་བལྟ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་བུ་རུང་ཟེར་བར་བལྟ་བར་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་པོས་མཐོང་ནས་ལེགས་པར་བསྟུགས་ཏེ་ངོ་མཚར་ནས་དངུལ་སྲང་ལྔ་བརྒྱ་བྱིན་ནས་འདི་ནི་སུས་མདུད་ཟེར་བར། ངའི་ཆུང་མས་མདུད་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་བློན་པོ་ལ་འདིའི་རྗེས་སུ་འགྲོ་ནས་མོ་འཁྲིད་འོངས། བུ་དེ་ནི་རིང་དུ་དོར་ཟེར་བས། བུ་འོངས་པ་ལ་ཟླ་འོད་ན་རེ། སུ་ལ་ཉོས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཉོས་སོ་ཟེར། སུས་མདུད་ཟེར་རམ་དྲིས་པས་ངའི་ཆུང་མས་མདུད་ཟེར་རོ། །བུ་མོས་ཁྲོ་འི་ཚིག་གསན་ནས་སེམས་སྡུག་ནས་ཕོ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །རྒྱལ་པོས་བདག་བླང་ནས་ཁྱོད་རང་དོར་བས་ཅི་ཡང་རུང་བ་ལ། ཁྱོད་ཀྱིས་ཟླ་བ་འདི་ཡི་ཉེར་ལྔ་ལ་ག་ན་མི་མང་པོ་སར་པི་ཝང་གླིང་བུ་སོགས་བརྡུང་བའི་སར། འདིའི་ནང་དུ་བདག་གི་ལྕམ་མོ་གཅིག་ཞེས་བོས་ནས་ངུ་ཞིང་འགྲོ་འོ། དེ་དུས་སུ་ཚིག་གསུམ་བདག་གིས་བདང་ངོ་། །ཞེས་སྨྲས་མ་ཐག་ཏུ་བློན་སོགས་འོང་ནས་མོ་འཁྲིད་ནས་ཁྲོ་ནི་རིང་དུ་བསྐྲད་དོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་བུ་མོ་ཕྲུལ་བས་དགའ་ནས་བཙུན་མོར་བྱའི་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། བདག་ཁྱོ་ངན་པའི་ཚུང་མ་ཡིན་པས། རང་གི་ལུས་ནི་སྨྲེས་འབབས་པས་ཟླ་བ་གཅིག་ལ་ཁྲིམ་ལ་བསྡད་ནས་ལུས་བཀྲུས་པ་སོགས་བྱས་རྗེས་རྒྱལ་པོ་འི་བཀའ་བཞིན་སྦྱུབ་པོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོས་གནང་ནས་ཕ་བྲང་གཅིག་དུ་བཞག་གོ། བུ་མོས་ཉིན་གཅིག་ལ་བུ་མ་གཡོག་མ་གཅིག་ལ་ཡི་གེ་བྲིས་ནས་ཁྱོད་སོང་ལ་མི་མང་པ་འི་ནང་ལ་ངའི་ཕྲུས་མོ་ཞེས་ཟ་བ་ཡོད་ན་དེར་བྱིན་ཞེས་འགྲོ་བ་ལ། དེ་དང་འཕྲད་ནས་བྱིན་ནོ། །ཡི་གེ་བལྟས་པས་ཟླ་གཉིས་ལོན་ནས་ཟླ་བ་འདིའི་ཉེར་དགུ་ན་ངའི་ཁང་པའི་གནས་སུ་ཁང་རལ་གྱི་མདུན་ན་ལམ་ཞིག་ཡོད་པས་དེར་གདའ། ངས་ཉལ་ཁར་འོང་ངོ་ཟེར་བ་ལ། མོ་འི་ངག་ལྟར་ལམ་ཁར་བསྡད་པས་ཀུན་མ་གཅིག་འོང་ནས་དའི་མཐུར་མ་བཅད་ནས་ཁྲིར་སོང་བ་དང་བུ་མོ་ཡོང་ནས། ད་གཅིག་ལ་ཞོན་ནས་འབྲོས་པས་རང་སར་རྗེས་སུ་བུ་མོ་ཟླ་འོད་ཀྱིས་ཀུན་མ་ཡིན་པར་ཤེས་ནས་ཐབས་མེད་པས། བུ་མོ་ན་རེ། ང་ཅག་སྨོན་ལམ་གྱིས་འཕྲད་པ་ཡང་བདག་ཁྱོད་ཀྱི་ཆུང་མ་བྱས་པ་ཡིན་ཟེར་བས། ནང་བར་ཉི་མ་ཤར་ཚེ་ཆུ་ཀླུང་ཆེན་པོ་གཅིག་ལ་གྲུ་གཟིངས་ཀྱིས་སྐྱོལ་བ་མ་གཏོགས་གཞན་གྱིས་བརྒལ་མི་ནུས་པ་ཡོད་ལ། དེར་གྲུ་གཟིངས་ཀྱིས་སྐྱོལ་བ་དང་འཕྲད་པས། ཀུན་མ་ན་རེ། ཨའི་གྲོགས་པོ་དག་གྲུ་འདི་ང་ཅག་ལ་བྱིན། ང་ཅག་སྔོན་གྱི་སྨོན་ལམ་པར་གདའ་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། ཁྱེད་རྣམས་དང་སྨོན་ལམ་གྱིས་འཕྲད་པ་ཡིན་པས་ཁྱེད་རེ་དང་སྤྱར་དུངས། ངས་བྱིས་སུ་ཏ་དང་བཅས་དེ་འཕྲོན་ཟེར་བ་བཞིན་བྱས་སོ། །དེ་ནས་དེ་རྣམས་འཕྲོན་པ་དང་མཉམ་དུ་བུ་མོས་ཏ་ཞོན་ནས་བྱིར་བྲོས་དེ་བྱིན་པས། རྒྱལ་པོ་དེའི་པོ་བྲང་དུ་ཉེ་བའི་ཁར་ཏ་གཉིས་བཏང་ནས་སྐའི་རྩལ་གཟན་གྱིས་ཁར་སློང་བྱས་དེ་རྒྱུན་རྣམས་སྐྱོད་དེ་ཉིད་དུ་བསྒུགས་དེ་ཁར་ནས་ཕྱིན་པའི་གོས་རྒྱན་གདོང་ལ་དུར་ཁ་བསྒྱུར་ལ་ཆང་པ་གཅིག་བཀལ་འཕྱི་ནས་ཤིང་སྐམ་གྱི་མཁར་བ་ཐོགས་ནས། རྒྱལ་པོ་འི་ཕོ་བྲང་དུ་སློང་མ་པའི་ཚུལ་གྱིས་རྒྱལ་བུ་བཙལ་བས་ཁྲིམ་གཅིག་གི་ཐེམ་ལ་རྒྱལ་བུ་བསྡད་པས། ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ་ཕྱིར་འཐོན་ནས་གོས་རྣམས་དཀྲོལ་དེ་ཁར་སྐྱོད་དུ་བཅུག་ནས་ཕྱིན་པ་ངན་གོས་རྒྱན་གདོང་ལ་དུད་ཁ་བསྒུགས་ནས་སློང་མོ་པའི་ཚུལ་གྱིས་འགྲོ་བ་ལ། བུ་མོ་ཉི་འོད་བཙལ་བར་རྒྱལ་བློན་མང་པོ་བློ་བུར་དུ་འོངས་པས་སློང་མོ་པ་ཕོ་མོ་གཉིས་བཏུད་ནས་ཁུས་པ། ངན་པའི་སློང་མོ་པ་ང་ཅག་ཡུལ་རིང་པོ་ལས་འོངས་པས། དེ་འདྲའི་རྒྱལ་པོ་དང་

འཕྲོད་པ་མ་འདུག་པས། ང་ཅག་བྲམས་ནས་བྱ་དགའ་སྦྱིན་པ་ཞུ་ཟེར་བས། ང་ཚ་མ་ཤིན་དུ་བདེན་པར་གདའ་འོ། འདི་དག་ལ་སྨ་སྦྲབ་དང་བཅས་པའི་རྟ་གཉིས་བྱིན་ཅིག་ཟེར་ནས་བྱིན་ནོ། །ཕོ་བྲང་དེར་སྐྱོང་མོ་པའི་ཚུལ་གྱིས་ཉི་མ་ཟེར་བྱུང་བའི་བར་དུ་འགྲོ་འོ། །དེ་ནས་རྟ་གཉིས་ཞོན་ནས་སྤུར་གྱི་རྟ་དང་བཅས་དེ་ཡུལ་དུ་སོང་ངོ་། །དེ་ནས་རྒྱལ་བུ་རང་གི་ཡབ་རྒྱལ་པོ་འི་ཕོ་བྲང་དུ་ཕྱིན་པས་རྒྱལ་བུ་རིང་པོར་སོང་བའི་ཆེད་དུ་ཡབ་ཡུམ་ལ་སོགས་པ་ཀུན་གྱིས་སྨྲེར་བྱས་ནས་འདུག་གོ། །རྒྱལ་བུ་སྲས་མོ་ཐོབ་ནས་སླེབས་ཟེར་བ་ཐོས་པ་ལས་རྒྱལ་པོས་སྣ་དྲངས་ནས་མང་པོས་བསུ་བ་དེ་ཕོ་བྲང་དུ་སླེབས་སོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་བུ་ལས་ཡབ་རྒྱལ་པོས་དྲིས་པ། ཁྱོད་ཀྱིས་འཁྲིད་པའི་གླང་ཆེན་དང་མི་རྣམས་ཟད་པའམ་བློ་དང་ལྡན་པའི་བྱུར་སྐྱེས་སོ། །གླང་ཆེན་སོགས་ཟད་པའི་རྒྱུ་མཚན་རྣམས་ཞིབ་པར་ཞུས་སོ། དེ་ནས་སྲས་མོ་འི་མཐུས་རང་གི་ཡུལ་དུ་བདེ་བར་སླེབས་པ་ལ་སོགས་པའི་བསྟོད་བསྔགས་བྱས་སོ། ཨའི་རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་བུ་མོ་ཟླ་འོད་དང་འདྲ་བར་ཕོ་ལ་འགྱུར་བ་མེད་པའི་སེམས་དང་ལྡན་ན་ཁྱིམ་གཞན་ལ་འགྲོ་བར་རུང་གི །དེ་ལྟ་མིན་ན་འགྲོ་བར་མི་རུང་ཟེར་བ་ལ། ཚུང་མས་ནི་ཙོ་འི་ངག་ལྟར་ཁྱིམ་གཞན་དུ་མི་འགྲོ་འོ། །ཨའི་རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བུརྫི་ཁྱོད་ཀྱི་བཙུན་མོ་འདི་ནི། ངའི་རྗེ་རྒྱལ་པོ་བི་ཀ་མི་ཇི་དའི་བཙུན་མོ་མེ་ཏོག་གར་མ་ཕར་ཞོག །རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་སྲས་མོ་ལྷ་བུ་པོ་ལ་གཉིས་སུ་མེད་པའི་སེམས་དང་ལྡན་ན་ཁྲི་འདི་ལ་ཕྱག་བྱར་འོས་ལ། དེ་འདྲ་མིན་ན་མགོ་ཡང་རེག་པར་མི་རུང་བས་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་སོགས་ངོ་ཚ་ནས་ཕྱིར་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་བདུན་པའི་ལེའུ་སྟེ་བདུན་པའོ།། ||

ལེའུ་བརྒྱད་པ།

༄ དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨརྫི་བུརྫི་རིས་ཁྲི་ལ་མཆོད་གཏོར་དཔག་ཏུ་མེད་པ་བཤམས་ནས། པཎྜིད་རྣམས་ཀྱིས་རབ་གནས་བྱས་དེ་དུང་དང་པི་ཝང་སོགས་འབུད་ནས་ཕྱག་འཚལ་ནས། ཐེམ་སྐས་གཅིག་ལ་བརྩེགས་པ་ལ། ཤིང་མི་གཅིག་བྱུང་ནས་ཨའི་ཁྱོད་ཅི་སྐད་པའི་མི་ཡིན། ལྷའི་དབང་པོ་བརྒྱ་བྱིན་བཞུགས་པའི་ཁྲི་འདི་ཡིན་ནོ། །དེ་ལྟར་རྗེ་རྒྱལ་པོ་བ་ཀྲ་མི་ཇི་ད་ལྷ་བུ་རང་གི་སྲོག་ལ་མ་ལྟོས་པར་

འགྲ་བའི་དོན་ཕོ་ན་སེམས་པ་ཡིན་ན་འདུག་ཙང་། རང་དོན་སེམས་པ་ནི་ཡེ་འདུག་མི་ཙང་ངོ་། །
འདུག་ན་ཁྱོད་ཀྱི་མགོ་ནི་སྟོང་གས་པར་འགྱུར་རོ་ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་སྔ་དྲངས་པཎྜི་ད་དང་
དཔོན་པོ་དང་བློན་པོ་སོགས་མི་ཀུན་གྱིས་ཞ་ལམས་པ་ལ། ཞིང་མི་རིས་པི་ཀྲ་མི་ཛི་དའི་ལོ་རྒྱུས་ཁྱོད་ལ་
སྨྲ་ཡི་ཁྱོད་ཅོན་ཅིག །སྔོན་གྱི་དུས་སུ་ལྷ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་ལྷ་མ་ཡིན་གྱི་ཡུལ་དུ་ལོ་བཅུ་གཉིས་ཀྱི་བར་དུ
གནས་ནས་འཐབ་པའི་ཚེ་དེའི་དུས་ན། བརྒྱ་བྱིན་གྱི་བཙུན་མོ་ཚུང་ངུས་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་བུ་ཚུང་ངུ་འབོད་
ནས་གར་དང་རོལ་མོ་དང་བཅས་པའི་དགའ་སྟོན་བྱས་ཏེ་ཆགས་སེམས་སྐྱེས་པ་ལ། བུ་ན་རེ། གནམ་ས་
གཉིས་འགྱུར་ཡེ་མི་ཙང་། དེ་དང་འདྲ་བར་བརྒྱ་བྱིན་དུས་གསུམ་གྱི་སངས་རྒྱས་དང་འདྲ་བ་མཚོན་ཞེས་
དང་ལྡན་པ་ཡིན་པས་མི་ཙང་། དུས་ཕྱིས་ན་མཇལ་བར་བྱའི་རྗེར་ནས་འགྲོས་སོ། །བཙུན་མོ་དེ་ཞིན་
དུ་ཁྲོས་ཏེ་བོང་བུའི་བུར་གྱུར་ཅིག་ཞེས་སྨོན་ལམ་བཏབ་བོ། དེ་ནས་ཕྱིས་དུས་གཅིག་ན་བཙུན་མོ་དེས་
འཚང་རྒྱ་ནས་འཛམ་བུའི་གླིང་དུ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཀཱ་ལ་རཱུ་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་ བུ་མེད་པས་བུ་ཡོད་པར་
སྨོན་ལམ་བཏབ་པས་ལྟ་ན་སྡུག་པ་དང་སེམས་ལ་འོ་ས་པ་ལྟ་བུ་དྲི་ངད་དང་ལྡན་པར་གྱུར་པའི་བུ་མོ་
ཞིག་བཙས་སོ།།

དེ་དུས་རྒྱལ་པོ་འི་མི་ཞིང་མཁན་ཞིག་བོང་བུ་ཁྲིད་ནས་འགྲོ་བ་ལ་བོང་བུ་སྨྲུམ་མ་ཡིན་པས་བུ་ཞིག
བཙས་སོ། །བཙས་པའི་ཚེ་ལྷ་ལས་མེ་ཏོག་གི་ཆར་འབེབས་པ་དང་ས་གཡོས་པ་དང་བུ་སྐད་སྙན
པར་སྒྲོགས་པ་སོགས་ལྟས་མང་པོ་འབྱུང་བའོ། །མི་རིས་ཞ་ལས་དེ་དགའ་ནས་བུ་མེད་པས་ལྷ་དང་
རང་གི་སྐལ་པས་བུ་རྟེན་ནོ་ཞེས་བུ་བླངས་པ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །མི་ཀུན་གྱིས་བདག་ལ་འཕྱ་ཙང་ན
བདག་གིས་ཞིན་དུ་གཙང་བ་ཡིན། མི་ཀུན་འཕྱ་ཙང་ན་ཡང་བུ་ལེགས་པས་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད
སློབ་བོ། །ཞིང་མཁན་རེས་ན་རེ། བུ་ག་ཅན་གྱི་རྗེ་ནི་རྩུ་ལ་གཡེང་མི་ནུས། སྤྲེའུས་བྱང་
ཆུབ་ཞིང་རྩར་སྐྱེབས་མི་ནུས། དེ་དང་འདྲ་བར་བདག་གི་ཚིག་ནི་ཡིད་མི་ཆེས། ཅེས་སྨྲས་ནས
ངེས་པར་བདེན་ཞེས་མནའ་བོར་རོ། །ཀུན་གྱིས་བདེན་པ་ཡིན་པར་གཙང་བར་སེམས་སོ། །ཕྱིས
སུ་བུ་རིས་ཆེར་བསྐྱེད་པའི་ཚེ། དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་མི་རྣམས་བསགས་ནས་བཙལ་ཀྱང་མག་པ་མ་རྙེད་དོ།།
དེ་ནས་ཞིང་མཁན་གྱིས་བུ་བླངས་ནས་ཁྲལ་འབུལ་བར་སྐྱེབས་པ་ལ། སྨྲས་མོས་བུ་དེ་མཐོང་ནས

ཤིན་ཏུ་དགའ་སྟེ་འདི་ལྟ་བུ་མཚན་བཟང་བའི་ཁྱེའུའོ་ཞེས་ཁྱིམ་ལ་དགའ་བཞིན་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀྱིས་བུ་མོ་ཁོ་རེ་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་དགའ་ཞེས་དྲིས་པས། སྨྲས་སྨོ་ན་རེ། ཤིང་མཁན་གྱིས་འཕྲིད་པའི་བུ་དེ་ནི་རྒྱལ་པོའི་གསོལ་མཁན་དུ་བསྐྱོད་ན་འོས་ཞེས་བསམས་ནས་དགའ་འོ་ཟེར་བ་ལ། བུ་དེ་ནི་བོས་དེ་ནང་དུ་བཅུག་ནས་བལྟས་དེ་ངོ་མཚར་ནས་བུ་ལེགས་པ་ཆེད་དོ་ཞེས་དགའ་ནས། ཤིང་མཁན་བོས་ཟེར་བར། ཤིང་མཁན་སླེབས་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བུ་འདི་ནི་ང་ལ་བྱིན་ཟེར་བ་ལ། ཤིང་མཁན་ན་རེ། བུ་འདི་ལྟ་ཞོག་ང་རང་གི་ལུས་ཀྱང་རྒྱལ་པོར་དབང་ངོ་། །འོན་ཀྱང་བུ་འདི་ནི་བོང་བུ་ལས་སྐྱེས་པས་ངས་མི་ཤེས་སོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ཁྲོས་དེ་འདི་བསད་ནས་བུ་ལེན་ན་ངའི་འདོད་མོད་ཀྱི་ཞེས་སེམས་སོ། །བུས་བདུད་ནས་ཞུས་པ། བདག་ཕ་མེད་བོང་བུ་ལས་སྐྱེས་པ་ནས་བུསམས་པས་གསོས་དེ་བསྐྱེད་དོ། །འདི་བསད་ལ་ང་བྱམས་པ་ལས་བདག་བསད་ལ་འདི་སྐྱིད་ན་ལེགས་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་ངའི་སེམས་པ་ནི་ཤེས་ཟེར་དེ་དགའ་སྟེ། བུ་འདི་ཉིད་ནི་རྒྱལ་པོ་ང་རང་གི་མག་པར་འགྱུར་སྙམ་ནས་མི་ཀུན་བོས་ནས་འདི་སྐད་དོ། །བུ་འདི་བདག་གི་རྒྱལ་ཚབ་ཏུ་འགྱུར་རོ་ཞེས་སྨྲས་ནས། རྒྱལ་པོ་གན་ཏྲ་པྲ་ཤ་ཞེས་མཚན་གསོལ་ཏོ། རྒྱལ་པོ་དེས་བསྟན་སྲིད་ཤིན་ཏུ་དར་ཞིང་རྒྱས་པར་མཛད་པ་ལ་འགྲོ་ཀུན་བདེ་སྐྱིད་ལ་འགོད་པར་གྱུར་པའི་དུས་སུ་ཡབ་ཡུམ་གཉིས་འདས་སོ། །རྒྱལ་པོ་གན་ཏྲ་པྲ་ཤ་རི་ལ་ལྷ་མ་ཡིན་གྱི་དམག་ཡོངས་ནས་འཛམ་བུ་གླིང་གི་སེམས་ཅན་ལ་གནོད་ཅིང་འཚེ་བར་བྱེད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་གན་ཏྲ་པྲ་ཤས་རྫུ་འཕྲུལ་བསྟན་ནས་དམག་མང་པོར་སྤྲུལ་ནས་དམག་འཛོམས་པ་ཡོད་དོ། །རྒྱལ་པོ་དེ་བུ་མེད་པས་བཙུན་མོ་ན་རེ། ཁྱོད་ནི་རྒྱལ་པོ་ཡིན་པས་བུ་མེད་པ་ནི་མི་རུང་། བཙུན་མོ་མང་པོ་ལེན་ན་བུ་གཅིག་སྐྱེས་སོ་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས་བདེན་སྙམ་ནས་བློན་པོ་གཅིག་ལ་ང་ལ་བཙུན་མོར་འོས་པ་ཞིག་བཙལ་ཞེས་ཟེར། བཙལ་བས་རྙེད་ནས་ཕྱུལ་ལོ། །བཙུན་མོར་བྱས་མ་ཐག་ཏུ་སེམས་ཅན་དང་ལྡན་ནས་བཙས་སོ། །རྒྱལ་པོ་སོགས་དགའ་ནས་སྟོན་མོ་བྱས་སོ།།

བཙུན་མོ་དེ་ལ་ཤིན་ཏུ་གཅེས་སོ། །བཙུན་མོ་གཅིག་ཤོས་ལ་མི་རྩེ་བས་འདི་སེམས་སོ། །ང་ལ་བུ་མེད་པས་རྒྱལ་པོས་མི་དགོས་སོ་སྙམ་ནས། དེར་བླ་མ་མངོན་ཤེས་དང་ལྡན་པའི་དྲང་སྲོང་གཅིག་ཡོད་པ་ལ། དྲང་སྲོང་དེ་ལ་བཙུན་མོ་གཡོག་ལྔ་དང་མཆོད་པ་སྣ་ཚོགས་ཐོགས་ནས་སོང་ངོ་། །དེར་

ཕྱིན་པས་བླ་མ་ཐུགས་དམ་ལ་གནས་ནས་སྤྱ་དྲོ་འི་མཚྭ་ལ་སོགས་ཕུལ་ནས་སྤྱོད་པ་ལ། དྲང་སྲོང་ན་རེ་། ཅིའི་ཕྱིར་དུ་སླེབས་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། བདག་ལ་བུ་མེད་པས་ཡོངས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། དྲང་སྲོང་ས་སྦྲར་གང་ལ་ལྦུགས་བཏབ་སྟེ་བཙུན་མོ་ལ་གནང་ངོ་། །འདི་ནི་དཀར་ཡོལ་གྱི་ནང་དུ་དྲིལ་མར་དང་སྦྲར་ནས་ཟོས་ན་བུ་སྐྱེད་དོ་ཟེར་རོ། །ས་དེ་ནི་འབྲས་ནས་སྤུ་འགྱུར་བས་སྦྱར་དུ་ཟོ་ཤིག་ཅེས་བྱིན་པས། མར་དང་དཀར་ཡོལ་གྱི་བདག་པོ་གཉིས་ཀྱིས་ང་ཅག་ལ་བུ་མེད་དོ། །བཙུན་མོས་གསོལ་བའི་བྱིན་ཅན་ལས་ང་ཅག་གི་ཆུང་མ་ལ་གནང་བར་ཞུ་ཟེར་བ་ལ། བླ་མའི་བྱིན་ཅན་ལས་ཆུང་མ་གཉིས་ལ་བྱིན་ནོ། །བཙུན་མོ་བཙས་དུས་བྱུང་བས་མེ་ཏོག་གི་ཆར་འབེབས་པ་དང་དགུན་དུས་ཡིན་ཀྱང་སྤྲུ་གུ་སྐྱེས་པ་ལ་སོགས་པའི་ལྟས་མང་པོ་བྱུང་ངོ་། །ཌཱ་ཀི་རྣམས་ནམ་མཁའ་ལས་སླེབས་ཏེ་གན་དྷ་ར་བའི་རོལ་མོ་འི་སྒྲ་དང་། ཀླུ་རྣམས་འོངས་ནས་མེ་ཏོག་བཟུང་ནས་འོངས་པ་དང་། རྒྱལ་པོས་སྣ་དྲངས་ནས་མི་རྣམས་ངོ་མཚར་རོ། །རྒྱལ་བུར་མངོན་གདགས་པར་དྲང་སྲོང་ལ་ཞུས་པས། དེའི་ཡོན་ཏན་ནི་ཡོངས་ཁྱབ་དེ་ནི་གཅིག་ལ་ཟས་པའི་ཟས་ལ་ཤིང་ཏོག་སྟོང་ཕྲ་བརྒྱ་ཙམ་ལན་ཚྭ་བཙུག་གོ་ཟེར་བར། བཙུན་མོ་དེས་འཇིགས་ཤིང་སྐྲག་ནས་རིངས་པར་ཡོངས་ཏེ་རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་གཉིས་ལ་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་གསན་ནས་ཡི་མུག་སྟེ་ཉལ་ལོ། །བཙུན་མོ་འཇིགས་ནས་ཇི་ལྟར་ཡིན་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། མི་གཅིག་པུའི་ཉིན་གཅིག་ལ་ཤིང་ཏོག་སྟོང་དང་ཕྲ་བརྒྱའི་ཚྭ་ནི་གླིང་བཞིའི་འགྲོ་བ་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་ལོན་པར་བྱེད་ན་ཚང་བར་ལོང་དགོས་ཟེར་བས། བཙུན་མོས་ཇི་ལྟར་བྱེད་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས་འདི་ཁྱེར་རས་རགས་ཁྲོད་དུ་དོར་ཞེས་བློན་པོ་གཅིག་གིས་འཁྱེར་ནས་དོར་རོ། །བུ་དེ་ན་རེ། ཨའི་བློན་པོ་ཁྱོད་ཉོན་ཅིག །ས་བུ་སྒོ་ང་ལས་སྐྱེས་ཀྱེ་ན་སྲོ། ཆེར་བསྐྱེད་ཆེ་ན་གསེར་མདོག་ཅན་དུ་འགྱུར། དེ་འདྲར་འཇིག་རྟེན་དབང་སྐྱི་རྒྱལ་པོར་འགྱུར། ཆུང་ངུའི་དུས་སུ་པ་མ་ལ་བརྟེན། །ཆེར་སོང་ཆེ་རྒྱལ་པོ་འི་ཡུལ་སྲིད་སྐྱོང་། དུས་ལ་གླིང་བཞིའི་དབང་བསྒྱུར་འཁོར་ལོར་འགྱུར། །དེ་ལ་ཚོགས་པའི་དགེ་འདུན་མང་པོ་དང་། །ཁྲི་ཕྲག་ལོན་པའི་རྒྱལ་ཕྲན་ཚོགས་པ་ལ། །དེ་ལ་དགའ་སྟོན་བྱེད་ཆེ་ཤིང་རྟའི་ཚད། །སྟོང་དང་ཕྲ་བརྒྱ་མ་ཟད་ཁྲི་འབུམ་གྱིས། །ལན་ཚྭ་བཙུག་ཀང་ཤིན་དུ་མི་ཉེ་བའི། །དུས་ཀྱང་འབྱུང་ན་བྱུང་བར་རུང་བའོ། །ཞེས་རྒྱལ་པོ་ལ་འདི་སྐད་སྨྲས་ཟེར་

བའོ། །ནི་ཙོ་སྐྱེས་ཚེ་བྱ་སྐད་སྒྲོགས་པ་བྱེད། །ཚེར་སོང་ཚེ་མི་ཡི་སྐད་རྣམས་སློབ། །རྒྱལ་བུ་སྐྱེས་ཚེ་དང་པོར་ཆུང་ངུར་སྐྱེས། །བསྐྱེད་ཚེ་འཛིག་རྟེན་གསུམ་དབང་རྒྱལ་པོར་འགྱུར། །དེ་ལ་སངས་རྒྱས་བྱང་སེམས་ཁྲོན་པ་དང་། །ལྷ་དང་མི་རྣམས་ཚོགས་ནས་འདུས་པ་ལ། །ཉི་མ་གཅིག་ལ་ཤིང་ཏ་སྟོང་ཕྲག་བརྒྱ། །མ་ཟད་ཁྲི་འབུམ་རྣམས་ཀྱང་མི་ལང་ངོ་། །ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། །བློན་པོ་དེས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པར། རྒྱལ་པོས་གཙོ་བྱས་མི་ཀུན་གྱིས་ཤིན་ཏུ་བདེན་པ་ཡོད་དོ་ཟེར་ཏེ། །བྱ་ནོར་བའི་ས་རེར་འགྲོ་བ་ལ། ས་ཡི་བདག་པོ་རྣམས་ཀྱིས་བྱ་དེ་བསྐུམས་ནས་མེ་ཏོག་ཁ་ཟུམ་པའི་ནང་དུ་བཙུག་སྟེ་ཁ་ལ་སྦྲང་རྩི་ནུ་བར་འདུག་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀྱིས་ཕྱིན་ཏེ་བུ་པང་དུ་བླང་ནས་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་ངོ་མཚར་རོ།།

རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཏི་དས་ཆུང་ངུས་དུས་ནས་ཟབ་ཚིག་སྨྲ་ནུས་པ་དང་། མེ་ཏོག་ཁ་ཟུམ་པར་སྡོད་པ་སོགས་བྱ་ནུས་ན་ཁྲི་ལ་བསྡད་དོ། །མི་རྣམས་ན་སོང་ངོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ཨཱུཏྟ་བུཏྟ་ལོག་གོ། །ཤིང་མི་བརྒྱད་པའི་ལེའུ་སྟེ་བརྒྱད་པའོ།། ‖

ལེའུ་དགུ་པ།

༄ དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨཱུཏྟ་བུཏྟ་ཉིན་གཅིག་ལ་ཕྱིན་ཏེ། ཤིང་མི་དེ་ལས་བི་ཀྲ་མི་ཏི་དས་འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་ཚུལ་བདག་ལ་ལེགས་པར་སློབས་ཤིག་ཟེར་བས། ཡང་ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། ཏི་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཏི་ད་དྲང་སྲོང་བྱིན་པའི་ས་ཡིས་མར་དང་དཀར་ཡོལ་ཚོང་བའི་ཆུང་མ་གཉིས་ལས་བུ་རེ་རེ་སྐྱེས་སོ། །གཅིག་གི་མིང་ནི་དཔལ་པོ་དང་། །གཅིག་གི་མིང་ནི་ཡོཏྟ་ཁ་ཞེས་མིང་གདགས་སོ། །དེ་གཉིས་སློབ་པ་ལེན་ནས་ཡོན་དན་སློབ་པས་ཡོཏྟ་ཁ་དེས་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཏི་ད་ལ་ཕྲག་དོག་གི་སེམས་སྐྱེས་ཏེ། དཔལ་པོ་ལ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་འདི་ནི་དམངས་རིགས་ལ་བྲམ་ཟེ་དྲང་སྲོང་གི་བྱིན་རླབས་ཀྱིས་བདག་ཅག་གསུམ་ནི་འདྲ་བ་ཡིན་ནོ། །འདི་ང་ཅག་ལས་མཆོག་ཏུ་གྱུར་རོ། །འདི་ལ་ང་ཅག་གཉིས་ཀྱིས་གནོད་པ་བྱེད་ནས་བདག་ཅག་གིས་ཤོ་རྒྱབ་སྟེ། གཅིག་གིས་ནི་རྒྱལ་པོར་འགྱུར་ལ། གཅིག་ནི་བློན་པོར་འགྱུར་ཞེས་ཟེར་བར། དཔལ་བུ་ན་རེ། ཡོཏྟ་ཁ་དེ་འདྲའི་གནོད་སེམས་ཡེ་མི་བསྐྱེད།

འདི་ཇི་རྒྱལ་པོ་ཉི་མ་དང་འདྲ་བར་གླིང་བཞི་གསལ་བར་ནུས་པའི་ཡོན་ཏན་དང་ལྡན་པའི་སྐྱེས་བུ་ཡིན། ང་ཅག་གཉིས་སྤྲིན་བུ་མེ་ཁྱེར་དང་འདྲ་བ་ཡིན་པས། འདི་བི་ཀྲ་མི་ཇི་ཏ་གངས་རིའི་སེངྒེ་དཀར་པོ་ལྟར་དཔག་ཏུ་མེད་པའི་མཐུ་སྟོབས་ཡོད། ང་ཅག་ཐྲིལ་པ་དང་འདྲ་བར་ཆུང་བ་ཡིན་པས་གནོད་སེམས་བསྐྱེད་པ་ཤིན་ཏུ་མི་འོས་ཟེར་བར། ཡོཏྟ་ཁེ་ཤིན་ཏུ་ཁྲོས་ཏེ་མཐུ་ཆེ་བས་དཔལ་པོ་འཁྲིད་ནས་ནགས་ཁྲོད་དུ་བཙེངས་ཏེ་དོར་རོ། །རྒྱལ་པོ་ལ་ཉ་གཅིག་སྤྲུལ་ནས་ནང་དུ་གཡུ་དང་རིན་པོ་ཆེ་སོགས་བླུགས་ཏེ་ཉིན་རེ་བཞིན་ཕུལ་ལོ། །ཉ་དེས་དུག་ལྷས་སྤྲུལ་པའོ། །ནང་གི་རིན་པོ་ཆེ་རྣམས་ཐམས་ཅད་རྫོ་རྡུ་ཡོད། རྟག་ཏུ་ཕྱིན་པས་ཁང་པ་གཅིག་བཀང་ངོ་། །ཡོཏྟ་ཁེ་འདི་སེམས་སོ། །དེ་འདྲའི་དུག་གིས་མི་ཉེན་པ་ཅི་ཡིན། ཐབས་ཞིག་གིས་གསོད་པར་སེམས་སོ།།

དེ་ནས་སློབ་མ་གཅིག་ལ་ན་རེ། ཁྱོད་སོང་ལ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཁྱོད་བདག་གི་སྦྱིན་བདག་ཡིན། ང་ཁྱོད་ཀྱི་བླ་མ་ཡིན་པས་མཚན་མོ་འདི་ཉིད་དུ་བདག་གི་ཁྱིམ་དུ་བྱོན་ན་ལེགས་ཞེས་སྐད་ཟེར་ནས་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོ་བྱོན་ཆོ་བཙུན་མོ་ན་རེ། གཅིག་གིས་འགྲོ་རུང་ངམ། ཡོཏྟ་ཁེ་དེ་ནི་མི་བཟང་པོ་དང་འདྲ་བར་ངག་འཇམ་ཀྱང་བསམ་པ་ནག་པོ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བདག་མཚན་མོ་དེ་ཉིད་དུ་མ་ཟད་རི་ཐང་དུ་ལོ་གསུམ་རེ་འགྲོ་ཆོ་སུ་དང་འགྲོགས་པ་ཡོད། རྒྱལ་པོ་འི་བཀའ་ནི་གཅིག་ལས་མ་འདའ་ཟེར་ནས་འགྲོ་འོ། །དེར་ཕྱིན་པའི་ལམ་དུ་མི་ཞིག་བས་དེ་བཟླ་བས། དཔལ་པོ་ཤིང་གཅིག་ལ་བཙེངས་ཏེ་འདུག་པ་མཐོང་ནས་ཁྱོད་ནི་སུས་བཙེངས་ཟེར་བར། དཔལ་པོ་ན་རེ། ཡོཏྟ་ཁེའི་རྒྱུ་མཚན་རྣམས་ཞིབ་པར་སྨྲས་ནས། ཡོཏྟ་ཁེ་དེས་ཁྱོད་ནི་ཆུའི་ཁར་སྒྲུགས་ཏེ་གནའ་བས་མཛལ་ནས་འདི་སྐད་དོ། །ཁྱོད་ནི་རྒྱལ་པོ་ཡིན་ན་ཡང་སྲིད་འཛིན་པ་ལ་མི་གཙང་བ་ཕོག་པས། ལྷ་མིའི་ཕོ་བྲང་བསྐོར་བའི་ཆེད་དུ་ཆུ་འདི་ལ་བཙུག་སྟེ་ལུས་བཀྲུས་ཟེར་ནས། འདིར་བཙུག་ཅེས་ཆུའི་ན་གློང་དུ་འཛུག་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་ཡོཏྟ་ཁེ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །ཁྱོད་ནི་ངོ་བོ་བཟང་བ་ལ་ཁྱོད་སྔར་དེར་བཙུག །བདག་ཕྱིས་འཛུག་ཟེར། འཛུག་ཆེ་ཆུའི་ཕ་རོལ་དུ་ཕོ་བྲང་དུ་ཕྱིན་ཏེ་ཁྱོད་མདུན་དུ་འགྲོ་ཟེར། དེའི་ཚེ་ན་བླ་མ་ཁྱོད་སྔར་བྱོན་ནས་བདག་རྗེས་སུ་འགྲོ་ཟེར། གལ་ཏེ་མདུན་དུ་འགྲོ་དགོས་ན་གསུམ་བལྟབས་བྱས་པའི་རལ་གྲི་ཡོད། དེ་ནི་ལེན་ནོ། །རལ་གྲི་དེ་ནི་མི་ལྟ་ཞིག །ཇོ་ལ་ཡང་མི་

ཐོགས་པ་ཡོད་དོ། །ཡང་ཕོ་བྲང་གི་ནང་དུ་འཇུག་ནས་ཁྱེད་ནི་སྤུར་ཕྱུག་འཚལ་ཞེར། བླ་མ་ཁྱེད་ནི་
སྤུར་ཕྱུག་འཚལ། བདག་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་པས་བསྟན་པའི་ཚུལ་ནི་ངེས་མི་ཤེས་པས། ཁྱེད་སྤུར་ཕྱུག་
འཚལ་ནས། བདག་ལ་བསླབ་སྟོན་ཞུས། བདག་ཁྱོད་ཀྱི་སྟོན་པ་ལྟར་ཕྱུག་བྱེད་ཞེར། རྒྱལ་ཁྱེད་
སྤུར་ཕྱུག་འཚལ་དགོས་ན་དེ་ནི་ཁྱོད་བཤད་དོ། །དེ་བས་ན་སྤུར་ཡོཏྟ་ཁེ་བཤད་དགོས་པ་ཡིན་ནོ།
ཡོཏྟ་ཁེ་མ་བཤད་ན་བསྟན་སྲིད་མི་འཕེལ་བ་དང་། དགོས་པ་ཐམས་ཅད་མ་བསླུབ་པས་དམ་ཆོག་
བཞིག་པས་བདག་ལ་ཐོ་འཚམ་མོ་ཞེར་བས། བི་ཀྲ་མི་ཧི་དས་ཐོས་པས་སྐྱོ་ཤས་སྐྱེས་དེ། ཕར་
སོང་བས་དྭལ་པོས་སྨྲས་པ་བཞིན་བྱས་སོ།།

དེ་དུས་སུ་རལ་གྲི་ངང་གིས་འཕྲུར་ནས་ཡོཏྟ་ཁེའི་མགོ་བོ་བཅད་དོ། །དེ་མ་ཐག་ཡོཏྟ་ཁེས་བྱུ་
ཆུང་ངུའི་རོ་ཞིག་ལ་འཇུག་གོ །རྒྱལ་པོས་ཕོ་བྲང་དུ་ལོག་ནས་དུག་ལྷས་སྒྲུབ་པའི་ཝ་དེ་ཉིད་བདུད་
རྫིར་བསྒྱུར་བ་དང་རྡོ་རྣམས་རིན་པོ་ཆེར་བསྒྱུར་བ་སོགས་བྱས་དེ་ཝ་དེ་ཉིད་ཀྱིས་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་
པ་ལས་རྡོ་རྣམས་སྦྱིན་པར་བདང་ངོ་། དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་དྲུང་དུ་ཁྱེའུ་མཛེས་པ་ཞིག་བྱུང་ནས་རྒྱལ་
པོས་གཅེས་སོ། །ཉིར་གཅིག་ལ་རྒྱལ་པོ་དང་ཁྱེའུ་གཉིས་ནགས་ཚལ་དུ་བྱོན་པ་ལ། ནགས་ཚལ་
དེར་ནེ་ཙོ་མང་པོ་ཞིག་ཚོགས་པར་དེ་ནས་ནེ་ཙོ་མང་པས་འགྲོགས་ནས་བཤད་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་མཐོང་
ནས་ཨས་སྐྱིང་ཇེ་འདི་ནེ་ཙོ་ཇི་ལྟར་སྨྲུག་བསྤུལ་ཅན་ཡིན་ནམ། སྐྱེན་ཙི་ཡིས་བཤད་དོ། ཡོངས་འགྲོ་
བ་འདི་ནི་སྨྲུག་བསྤུལ་ཅན་ཡིན་པས་དོན་བྱེད་པར་སེམས་སོ་ཞེས་ཞེར་ནས། བདག་གི་རོ་ནི་ཁྱོད་ཀྱིས་
བཅོལ། བདག་ནི་ནེ་ཙོ་འི་རོ་ལ་བཙུག་ནས་འགྲོ་བ་རྣམས་ལ་དད་གུས་སྐྱེས་ཞེས་ཞེར་ནས། འཕོ་བ་
གྲོང་འཇུག་གི་མན་ངག་གིས་ནེ་ཙོ་འི་རོ་ལ་འཇུག་པས་གསོས། ནེ་ཙོ་རྣམས་ཀྱི་ནང་དུ་སོང་ནས་ནེ་ཙོ་དེ་
རྣམས་ལ་ན་རེ། བདག་སྔོན་དུས་སུ་གནོད་སེམས་ཅན་ཡིན་ཏེ་ཇི་གཅིག་དང་འཕྲད་པས་ང་གསོས་ནས་
སྙིང་དང་ལྡན་པའི་སེམས་སྐྱེས་སོ། །དེ་བས་ན་ང་ལས་ཆོག་གསོན་ཅིག །སྤྱིར་འཇིག་རྟེན་གྱི་འགྲོ་
བ་ལ་རྟག་པ་མེད་པས། །མིར་སྐྱེས་ཕྱུག་ན་ཁེངས་སེམས་སྐྱེས། །ཆེན་པོ་རྣམས་ཀྱིས་དམའ་ལ་
བརྙས། །འཕོངས་གྱུར་ཆེ་ན་ཡིད་སྨོ་ཤི །ནད་ཕྱུག་གྱུར་ནས་སེམས་གདུང་བསྐྱེད། །ཉམས་
གྱུར་ཆེ་ན་བློ་གྲོས་རྨོངས། །འཕོ་འགྱུར་ཆེ་ན་མཐར་མེད་དུ། །སྐྱེས་ཆེ་བསྒྲིག་དང་བཤགས་བདུབ་

ཀྱི། །སྡུག་བསྔལ་ཉིན་རེར་དཔག་མེད་སྤྱོང་། །དུད་འགྲོར་སྐྱེས་ན་བཀོལ་སྤྱོད་དང་། །བཏིག་འཚོག་
བསད་ནས་ཟ་བ་དང་། །རང་རང་གཅིག་གཅིག་བསད་པ་ཡོད། །སེམས་ཅན་གང་ལ་བདེ་བ་མེད། །
བྱམས་པའི་སེམས་ཀྱིས་འགྲོ་ན་སངས་རྒྱས་ཡུལ་དུ་སྐྱེས། །བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་སེམས་ན་སངས་རྒྱས་
ཡུལ་ནི་བཞིག །ཀྱི་ཧུད་ནས་འཆི་ན་བའི་སྡུག་བསྔལ་གཏན་ནས་མེད། །སྤྱོང་འཚོལ་སྡུག་བསྔལ་
མེད་ཀྱང་གང་བསམ་ངང་གིས་བསྒྲུབ། །ཞེས་ཟེར་བ་ལ། ནེ་ཙོ་རྣམས་ན་རེ། དེ་ལྟར་གནས་
བཟང་པོར་སྐྱེས་ན་ལེགས་ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། ནེ་ཙོའི་རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དེ་འདྲའི་གནས་སུ་སྐྱེ་འདོད་ན།
དེ་ལྟར་བདག་ལ་གནང་བ་ཡོད། །དེ་འདྲའི་ལམ་ཐོབ་ཆོས་དེ་ནི། །དེ་ཡིས་བདག་ལ་ལེགས་པར་
བཤད། །དེ་ནི་སུས་ཀྱང་མ་སློབ་པའི། །དེ་འདྲའི་མར་ངག་བདག་ལ་ཡོད། །ཞེས་ཟེར་ནས།
ཡང་སྨྲས་པ། བདག་ལ་སློབ་དཔོན་དུ་བཟུང་ན་བདག་གིས་ཁྱོད་རྣམས་ལ་བཤད་དོ་ཟེར་བ་ལ། ནེ་ཙོ་
ན་རེ། ཁྱོད་ལ་སློབ་དཔོན་དུ་བཟུང་ནས་རྒྱལ་པོར་ཡང་བསྐོད་དོ་ཟེར་ནས། ཕྱོགས་ཕྱོགས་སུ་འཕུར་
ནས་ཤིང་ཏོག་སྣ་ཚོགས་བསྡུམས་ནས་རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་ལ་འབུལ་ནས་ང་ཅག་ལ་ཆོས་དེ་གསུང་དུ་གསོལ་ཟེར་
བ་ལ། བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ལམ་དུ་འཁྲིད་པའི་ཆོས་བཤད་པ་ལ། ནེ་ཙོ་རྣམས་དགའ་ལྡན་དུ་སོང་བར་
གྱུར་པ་དང་། སངས་རྒྱས་ཀྱི་ཞིང་དུ་འགྲོ་བའི་སེམས་བསྐྱེད་དོ། །བདག་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་དེ་འདྲའི་
རྫུ་འཕྲུལ་དང་ལྡན་པ་ཡིན་པས་ན་འདུག་རྒྱང་གི །དེ་ལྟར་འགྲོ་བ་ལ་ཕན་ནུས་པ་མེད་ན་ཕྱིར་སོང་ཟེར་
བར། རྒྱལ་པོ་ཨཱརྻ་བྲྀཧྶ་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་གཅིག་གིས་སྨྲས་པའི་ལེའུ་སྟེ་དགུ་པའོ།། །།

ལེའུ་བཅུ་པ།

༄ དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨཱརྻ་བྲྀཧྶ་ཡང་ཉིན་གཅིག་ལ་འོངས་ནས། སྔར་ཉིན་གཅིག་ལ་སྨྲས་པའི་
འགྲོ་མཇུག་ནས་སློས་ཤིག་ཟེར་བ་ལ། ཁྱོ་བདེན་རྣི་བི་ཀྲ་མི་ཏྲ་དའི་རོ་ལ་བཙུག་སྟེ་རང་གི་ལུས་
བཞག་ནས་རྒྱལ་པོའི་ལུས་སུ་བསྒྱུར་ཏེ་ཕོ་བྲང་དུ་འོངས་པ་ལ། བཙུན་མོས་མཐོང་ནས་ཨའི་ཁྱོག་
ནས་ཕྱིན་པ་ཡོད། ཁྱོད་ཀྱི་དཔལ་དང་གཟི་བརྗིད་འོད་དེ་སོགས་གང་དུ་ཐལ། དེ་རྣམས་མེད་པར་
འགྱུར་བའི་རྒྱུ་མཚན་ཅི་ཡིན་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོས་ང་ནག་ཁྲོད་དུ་ཕྱིན་པས་ལུས་བརྡེ་བ་ཡོད་དོ་ཟེར།

བཙུན་མོ་ན་རེ། ཁྱོད་འབྲང་བའི་མཛའ་བོ་བྲ་ཧྨ་དེ་ནི་ག་ན་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ནགས་
དེ་ལ་ནེ་ཙོ་མང་པོ་ཞིག་ཡོད་དེ། དེ་ལ་སློབ་དཔོན་དུ་འགྱུར་བ་ཡིན་སྐད། བཙུན་མོ་འདི་སེམས་ལ།
བློ་བུར་དུ་ཁྲེ་ཙུ་མཛེས་པ་ཞིག་བྱུང་ནས་རྒྱལ་པོ་འདི་ཡིད་འཕྲོག་པ་གཅེས་པ་ཆེ་བ་ཡོད། ཇེ་རྒྱལ་པོ་དེ་
ནི་འགྲོ་བ་ལ་གཅེས་པ་འཛིན་པ་སྟེ། དེ་ནེ་ཙོར་སྤྲུལ་ནས་ཆོས་འཆད་པ་ལ། འདི་ནི་རྒྱལ་པོ་འདི་རོ་ལ་
ཞུགས་ཏེ་སློབས་པ་ཡིན་ཅེས་བསམ་ནས་ཏྲ་ཞིང་ཀྱི་ཏུད་གདུངས་སོ། །རྒྱལ་པོས་དྲིས་པ། ཁྱོད་ཅིའི་
ཕྱིར་དུ་ཀྱི་ཏུད་བྱེད་དེ་ཞེས་དྲིས་པས། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཇེ་དེ་ནི་ཁྱོད་མ་ཡིན་དེ་ལ་ཚུལ་ཁྲིམས་ཀྱི་དྲི་
ངད་སོགས་མེད་པས་ཀྱི་ཏུད་ཆེན་པོ་བྱེད་དོ་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོ་དེས་ཡིད་སྨུག་ནས་སྨྲ་མི་ཕོད་པ་བསྡད་
པ་ལ། དེ་དུས་སུ་རྒྱལ་པྲན་རྣམས་ཀྱི་རེ་བཞིན་འོང་ནས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་བསྟན་སྲིད་གཉིས་ཀྱི་གནས་
ཚུལ་ལེགས་པར་སྨྲས་པར་བྱས་སོ། །ད་ལྟ་ཡང་བདེན་བརྫུན་ལ་མ་ལྟོས་པར་སྨྲས་ན་ཚུལ་མིན་གྱི་ཁྲིམས་
བྱས་པ་སོགས་ལ་བཙུན་མོ་སེམས་མི་བདེ་བར་བྱས་ནས་བཙུན་མོ་ན་རེ། འདི་འདྲའི་ཚུལ་མིན་གྱི་བྱས་
པ་བསྐྱེད་པས་འདི་ནི་ངེས་པར་མཛའ་བོ་བྲ་ཧྨ་ནི་ཡིན་ང་ལ་འདོད་ཅིང་ཆགས་པ་ནི་ཆེ་བ་ཡོད་ཟེར་ནས་བརྩེ་
བའི་སེམས་ཀྱིས་ཀྱི་ཏུད་དོ། །རྒྱལ་པོ་དེས་ནང་ན་འདི་སེམས་སོ། །ནེ་ཙོ་འདི་རྒྱལ་པོ་དེ་གལ་ཏེ་འོངས་
ན་བདག་ལ་གནོད་པ་ཡོད་པ་དང་བཙུན་མོ་འཕྲོག་པར་སེམས་ནས། དྲ་མཁན་ཚོགས་ནས་དེ་དག་ལ་
སྨྲས་པ། རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོས་སྣ་དྲངས་ནས་ནེ་ཙོ་ཀུན་བཟུང་ནས་སླེབས་ཡོང་ན་ཁྱེད་ཅག་ལ་གསེར་གྱི་དོང་
ཙེ་སྟོང་དང་ལྷ་བ་རྒྱས་བུ་དགའ་སྦྱིན་ནོ་ཟེར་བར། དེ་དག་དགའ་ནས་ང་ཅག་རི་བོ་གང་ལ་ལྷགས་ཟེར་
བ་ལ། མི་གཅིག་ཕོས་ནས་བཙུན་མོར་ཞུས་སོ། །བཙུན་མོས་ཞ་ལུ་བོས་ནས་རྒྱལ་པོ་བྲ་ཧྨ་ཡི་དགེ་
རྒྱས་པར་བསླད་པ་ལ་ཞ་ལུས་གསན་ནས་བཀྱལ་ལ། །སངས་ནས་རྒྱལ་པོ་བྲ་ཧྨ་ནི་ངེས་པར་ཡོང་ཁེ་ཡིན
ནོ་ཞེས་ཟེར་ནས། དྲ་མཁན་གྱི་ནང་དུ་སོང་ནས་དེ་དག་ལ་སྨྲས་པ། རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་སྐད་ཟེར་བ་ལ།
རྒྱལ་པོས་སྨྲས་པ་རྣམས་རྒྱས་པར་བསླད་དོ། །ཞ་ལུ་ན་རེ། བདག་གིས་གསེར་སྟོང་གསུམ་སྦྱིན་
ནོ་རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་བཟུང་ནས་ང་ལ་བྱིན་ཅིག་ཟེར་བ་ལ། དེ་དག་བཟུང་ནས་སྦྱིན་ཟེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་ནེ་
ཙོ་རང་གི་ལུས་ལ་བཅུག་སྐམ་ནས་འོང་པ་ལ་རོ་ཡང་མི་འདུག་པས། ནེ་ཙོས་འདི་སེམས་སོ། འགྲོ་
བར་ཕན་པར་བྱེད་པ་ལ་ཁྲུད་པར་མེད་པར་བསམ་ནས་ཕྱིར་ནེ་ཙོ་འི་ནང་དུ་སོང་ངོ་ ༎

དེ་ནས་ནེ་ཙོ་རྣམས་བསགས་ལ་ཟབ་ཆོས་འཆད་པར་འདུག་པ་ལ། གྲྭ་མཁན་རྣམས་ཙི་བོར་སློབས་ཏེ་ཤིང་ཏོག་བཟང་པོ་རྣམས་ལྷུང་ནས་དྲ་བདབ་སྟེ་ཉལ་བ་ལ། ནེ་ཙོ་གཅིག་འོངས་ནས་ཤིང་ཐོག་ལས་གཅིག་ཁྲེར་ནས་འཕུར་བས་གཞན་རྣམས་ཐོས་ནས། གཞན་རྣམས་ཙིངས་པར་སློབས་ནས་ཤིང་ཐོག་རྣམས་ལེན་ནས་རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་ལ་ཕུལ་སྙམ་ནས་ཤིང་ཏོག་འཕྲུ་བཞིན་པར་འགྲོ་བས་ཐམས་ཅད་དྲ་བར་ཚུད་དོ། །དེ་ལས་ལ་ལ་ནི་མཚམས་ལ་འཇུག །ལ་ལ་ནི་ཤིང་ཏོག་འཕྲུ་བར་བྱེད་དོ། །ཤིང་ཏོག་འཕྲུ་བ་རྣམས་དྲ་བར་ཚུད་པས། གཞན་རྣམས་བཙལ་བར་འགྲོ་བ་ལ་ཐམས་ཅད་འཇུག་གོ །དེ་ནས་གྲྭ་མཁན་ཡོངས་ནས་རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་ཡོད་དམ་ཞེས་དྲིས་པས། མེད་ཟེར་བས་གྲྭ་མཁན་དག་གིས་སྨྲས་པ། དེ་དག་གི་ནང་ན་རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་མེད་པ་ལ་ཕན་པ་མེད་དོ། །གང་ཡང་ན་རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་བཀུགས་ཏེ་བཟུང་ཟེར་ནས་སྔར་བཞིན་བསྡད་པས། རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་གཞན་རྣམས་མེད་པ་ལ་བཙལ་སྙམ་ནས་ཕྱིན་པས་བཀྱས་ཏེ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དགོས་པ་མེད་པའི་ཟས་ལ་ཞེན་ཆེ་ན། །རིན་ཆེན་ལྟ་བུའི་སྒྲོག་ལ་ཤོར་དུ་གྲོལ། །ཉམས་ཆུང་རྣམས་ཀྱི་ཕྱིར་དུ་ང་བཙུད་ནས། །དེ་རྣམས་སྒྲོག་ནི་སྒྲོལ་བས་པར་འགྱུར་བར་སེམས། །ཆོས་ཆོས་མེད་པར་དྲ་བར་རང་གིས་བཙུད། །གྲྭ་མཁན་དེ་དག་འོངས་པར་རྒྱལ་པོ་ནེ་ཙོ་ན་རེ། ནེ་ཙོ་མང་པོ་འཁྱེར་བས་ཕན་པ་མེད། །ནེ་ཙོ་ང་གཅིག་འཁྲིད་ན་ཤིན་ཏུ་འོས། །ཞེས་ཟེར་བར་གྲྭ་མཁན་དག་གིས་ང་ཅག་ལ་རྒྱལ་པོས་བུ་དགའ་མི་སྲིད་པ་ཤེས་སམ་ཟེར་རོ། །ཞ་ལུ་ལ་གཏད་ཟེར་ནས་སྟེར་རོ། །ཞ་ལུས་གསེར་ཁ་འཆམ་བཞིན་སྟེར་རོ། །ཞ་ལུ་དེས་ནེ་ཙོ་བཙུན་མོ་ལ་གཏད་པའོ། །དེ་དུས་སུ་ཡུག་གཅིག་བསད་ནས་སྐྲུམ་པར་བཙུག་སྟེ་ཁྲི་འོག་ཏུ་བཙུད་དེ་ཡོལ་བས་བཅད་དོ༎

དེ་ནས་བཙུན་མོས་སྐྱ་ཤས་སྐྱེས་ནས་ཁ་བྱབ་ཏུ་བཀྲལ་ལོ། །དེ་ནས་བཙུན་མ་ན་རེ། བདག་གི་རྗེ་འདྲ་ཡོན་ཏན་ཅན་ཡིན་ན་ཁྱོད་ཀྱི་བཙུན་མོར་འགྱུར་བ་ཡིན་ལ། དེ་འདྲ་མིན་ན་མི་རུང་ཟེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་ན་རེ། རྗེ་རིས་བདག་ནི་རྒྱལ་ཚབ་ཏུ་བཞུགས། བདག་གིས་དུད་འགྲོ་གཞན་གྱི་དོན་བྱེད་པར་འགྲོ་འོ་ཟེར་ནས་ནེ་ཙོ་ཞི་རི་ཞིག་ལ་བཙུག་ནས་སོང་ངོ་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་རིས་ཁྱོད་ནི་བཙུག་གམ། ཁྱོད་ནི་རང་འདོད་ཀྱིས་བཙུག་གམ་ཟེར་བས། བདག་རང་གིས་ཡོན་དན

དང་ལྡན་པས་བཙུག་གོ་ཟེར། རོ་ལ་བཙུག་པའི་མན་ངག་ནི་བདག་ལ་སྟོན་ཅིག་ཟེར་བ་ལ། བདག་ལ་རོ་ཞིག་འཁྱེར་ཅིག་ཟེར། བདག་གིས་རོ་ལ་བཙུག་ནུས་ན་ངའི་བཙུན་མོར་བྱེད་པ་ཡིན་ནམ་ཟེར། ང་བཙུན་མོར་བྱེད་ཁྱོད་ཀྱིས་ཕར་ཡོལ་བའི་ནང་དུ་ལུག་རོ་ཞིག་ཡོད་པས་དེར་བཙུག་ཟེར་བ་ལ། ཡོལ་བ་བསལ་ནས་རོ་ལ་བཙུག་གོ །རང་གི་ལུས་རྟེན་གྱི་དྲུང་དུ་བཞག་ནས་ལུག་རོ་ལ་བཙུག་པས་ལུག་གསོས་ཏེ་བཞེངས་ནས་འགྲོ་འོ། །དེའི་སྐབས་སུ་བཙུན་མོས་ནེ་ཙོའི་སྒོ་བཅད་པས་ལུས་རྐྱང་བ་ལ་བཙུག་གོ །དེ་ནས་བཙུན་མོས་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་གང་དུ་བྱོན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ནེ་ཙོ་མང་པོ་ཞིག་ཚོགས་ནས་གཅིག་བསད་པ་ལ་འཛུག་ནས་འགྲོ་ དོན་བྱེད་པ་ཡིན་ནོ། །ཡྟོུ་ཁའི་སེམས་ནི་ཤིན་དུ་བཙུག་གོ་ཞེས་བསམ་པར་འདུག་པ་ལ། དེ་ནས་ཡྟོུ་ཁིས་རི་ཡི་མདུན་དུ་འགྲོ་བའི་ཚེ་དེ་ལ་དྲང་སྲོང་གི་རོ་ཞིག་ཡོད་པ་ལ་ལུག་རོ་དོར་ནས་དྲང་སྲོང་གི་རོ་དེར་བཙུག་གོ །དེར་བསྒོམ་པ་བྱས་ཏེ་བསྡད་དོ།།

དེ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ཐུགས་བཙུག་སྟེ་དུང་འབུད་སོགས་བྱས་ཏེ་རྒྱལ་པོས་སྣ་དྲངས་ནས་བཙུན་མོ་དང་བློན་པོ་སོགས་འདུས་ཏེ་སླེབས་པ་ལ། དེ་དག་ལ་རྒྱལ་པོས་བཀའ་སྩལ་པ། སྤྱིར་སྦྱིན་པ་གཏོང་བ་ལ་ལུས་སྲོག་དང་རང་གི་བུ་དང་བུ་མོ་ཆུང་མ་སོགས་གཏང་བ་ལ་བར་ཆད་མ་བྱེད། བདག་གིས་དགོན་པར་འགྲོ་ནས་འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་པ་ལ་བགེགས་མ་བྱེད། ཞེས་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ལ་སོགས་པ་མང་པོས་བདུད་ནས་ཞུས་པ་བྱེད་པ་ལ། རྒྱལ་སྲིད་སྤྱངས་ན་འགལ་ཀྱེན་སྤུ་ཡིས་སེལ། །འགྲོ་བ་རྣམས་ཀུན་བདག་མེད་སྲུ་ལ་བརྟེན། །སྦྱིན་པ་གཏོང་བར་ངེད་རྣམས་བགེགས་མི་བྱེད། །ཞེས་ཞུས་པར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ང་ཡི་བཀའ་ལས་འདའ་བྱེད་དམ། །ཞེས་ཟེར་བ་ལ། ང་ཅག་ལ་ཁྱེད་ཀྱི་བཀའ་ལས་མི་འདའ་མོད་བཙོལ་བྱེད་ཟེར་བར། རྒྱ་མཚོར་འགྲོ་དུས་ཡས་ཕྱོགས་གླིང་ཆེན་པོའི། །དྲུང་དུ་རི་བོ་གཅིག་གི་མདུན་དུ་དྲང་སྲོང་གཅིག །དེར་ནི་ཕོ་ཉ་བཏང་སྟེ་སླེབས་ནས་སྦྱིན་པ་གཏོང་། །ཞེས་ན་མི་རྣམས་ན་རེ། ང་ཅག་དེར་ཕྱིན་ནས་སྦྱིན་པ་གཏོང་བར་མི་བྱེད་པར་འདེར་སླེབས་ན་འོས་པས་འགྲོ་སྟེ་དྲང་སྲོང་སྤྱན་འདྲེན་ནས་རྒྱལ་པོས་ཁྲི་བཤམས་ནས་བསྟོད་པར་རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཨེས་དྲང་སྲོང་སེམས་སྦྱོང་ངམ། ཁྱོད་ཀྱི་སེམས་ནི་བདག་གིས་ཆོམ་པར་བྱེད་དོ། །འདི་ནས་བཟུང་སྟེ་རྗེས་སུ་ཁྱེད་ལ། གནོད་པའི་སེམས་ནི་ངན་པ་སྤོངས། །ཐམས་ཅད་འགྲོ་ཀུན་དོན

སེམས་པས། །སྟོང་པ་ཉིད་ནི་སྒོམ་ནུས་ན། །སྐུར་དུ་བྱང་ཆུབ་འཐོབ་པར་འགྱུར། །ཞེས་ཟེར་ནས་ངའི་ཚབ་ཏུ་གནས་གཞིའི་བདག་པོར་འགྱུར། །བདག་གིས་གཞན་དུ་འགྲོ་ཟེར་བར། དྲང་སྲོང་དགའ་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་བཀའ་བཞིན་བྱས་སོ། དེ་དུས་སུ་དྲང་སྲོང་ཆེན་པོ་གཅིག་ཡོད་དོ། །དེ་ལ་བུ་གཅིག་ཡོད་པས་ཡོན་དན་སློབ་ཏུ་འཇུག་ཀྱང་མི་འདོད་པས། དྲང་སྲོང་ནད་ཀྱིས་བཏབ་ནས་འཆི་ཁར་ཕུག་པའི་ཚེ། བུས་ང་ལ་ཆོས་བསྟན་ཟེར་བར། དྲང་སྲོང་ན་རེ། མི་ཤི་བ་ལས་ཆོས་སློབ་བས་ཟེར་བར། ཡང་བསྐུར་བས་དྲང་སྲོང་འདས་ཁར། ཛད་པ་པོ་འི། དད་པ་པོ་འི། ཟེར་ནས་ཤི་སོང་ངོ་། པའི་གཤེགས་རྫོགས་རྣམས་བྱས་སོ། །དེ་ནས་བུ་དེ་ནི་གྲོང་ཚོག་ཏུ་འགྲོ་བ་ལ། ཛད་པ་པོ་འི། །དད་པ་པོ་འི་ཟེར་བ་ལ། མི་རྣམས་དྲང་སྲོང་གི་བུས་སྐྱི་བརྙོལ་སྨྱོན་པར་འགྱུར་ཟེར་ནས་མི་དགོས་སོ། །བུ་རེས་ཆོས་འདི་ནི་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་ལ་བཙོང་སླམ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་དའི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་ནས་མཛོད་ཁང་དུ་འཇུག་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ངས་ཆོས་བཙོང་ངོ་ཟེར་བར། མཛོད་སྲུང་ན་རེ། ཆོས་དེ་ནི་གང་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བུ་ན་རེ། ཛད་པ་པོ་འི། དད་པ་པོ་འི་ཟེར་བས། དེ་ཉིད་ན་རེ། དེ་འདྲའི་ཆོས་ཡེ་མི་འདུག་ཟེར། དེ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་བྱོན་པའི་ཚེ་དྲང་འབྱུང་སོགས་བྱས་དེ་བྱོན་པ་ལ། དྲང་སྲོང་གི་བུས་མཇལ་ཏེ་བདག་ཆོས་ནི་ཚོང་ངོ་ཟེར་བ་ལ། ཆོས་ཅི་ཡིན་ཞེས་པར་སྨྲ་སྨྲ་བརྗོད་དོ།།

རྒྱལ་པོས་ཅིས་ཉེར་ཞེས་པས་གསེར་སྟོད་གསུམ་གྱིས་ཚོང་ངོ་ཟེར་བར་དེ་བཞིན་བྱིན་ནོ། མཛོད་སྲུང་ན་རེ། །འདི་ནི་རྣལ་འབྱོར་པ་ཡིན་ནམ། རྒྱལ་པོས་མཁྱེན་ཏེ་བུ་དགའ་སྦྱིན་ནོ་ཟེར། དེ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་འགྲོ་བའི་དོན་དུ་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་བྱོན་དེ་གྲོང་ཁྱེར་ཞིག་ཏུ་ཕྱིན་ནོ།། གྲོང་ཁྱེར་དེ་ལ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ཞིག་ཡོད་དོ། །དེའི་ཡུལ་དུ་དྲང་སྲོང་ཆེན་པོ་གཅིག་ཡོད་དེ། དྲང་སྲོང་དེ་ལ་རྒྱལ་པོ་འི་སྲས་མོ་དང་། དམག་དཔོན་གྱི་བུ་མོ། དཔའ་བོ་འི་བུ་མོ། བློན་པོ་བློ་ལྡན་གྱི་བུ་མོ་བཞི་དྲང་སྲོང་གི་སློབ་མར་གྱུར་ཏོ། །བི་ཀྲ་མི་ཛེ་དས་དྲང་སྲོང་དེ་ལ་སླས་པ། ང་ནི་ཡོན་དན་སློབ་འཚལ་ལོ། །དྲང་སྲོང་གིས་ཁྱོད་ཀྱི་མིང་ཅི་ཡིན་ཟེར་བས། བདག་གི་མིང་ནི་ཛད་པ་པོ་འི། །དད་པ་པོ་འི་ཟེར་བས། དྲང་སྲོང་གིས་ཕོས་ནས་ངོ་མཚར་བའི་མིང་ངོ་། །སློད་པ་བཟང་བས་དྲང་སྲོང་ཤིན་ཏུ་དགའ་འོ། །རྒྱལ་པོ་ཞིག་ནད་བཏབ་པས་དྲང་སྲོང་དེ་སྨན་འདྲེན་པས། རང་གི་བུ་ལ་བསྟན་ཅིག་སླས་པ་ལ། བུ་མོ་

རྣམས་ལ་ཆོས་ཟབ་ལེགས་པར་སྟོན། །ཆགས་པའི་ཆོས་ནི་ནམ་ཡང་སླ་མི་བྱ། །ཆགས་པ་ཆེ་ན་
དམྱལ་བར་འཆེད་པར་འགྱུར། །ཐར་པའི་ལམ་ནི་ནམ་ཡང་མི་འཐོབ་པར། །དྲ་བར་ཆུད་པའི་བྱ་
ལྟར་གཡོ་མི་ནུས། །དེ་བས་བསླབ་ཚིག་དྲན་པར་བྱ་ཞེས་འགྲོ་འོ། །དེ་ནས་ཕྱིས་སུ་ཉིན་གཅིག་
ལ་བུ་རིས་བུ་མོ་རྣམས་ལ་བརྡེག་འཚོགས་བྱས་པ་ལ། བུ་མོ་རྣམས་ན་རེ། ང་ཅག་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་
བརྡེགས་བྱས་པ་ལ། བུ་ན་རེ། མཚན་མོ་འདི་ལ་རྒྱལ་པོ་འི་བུ་མོས་ཤིང་ཙན་དན་གྱི་རྩ་བར་འོང་།
དམག་དཔོན་གྱི་བུ་མོ་བྱང་ཆུབ་ཤིང་གི་རྩ་བར་འོང་། དཔའ་བློན་གྱི་བུ་མོ་མེ་ཏོག་གི་ཚལ་དུ་འོང་།
བློན་པོ་བློ་ལྡན་གྱི་བུ་མོ་ཤིང་ཏོག་ཅན་གྱི་ཤིང་དུ་འོང་ཟེར་ཏེ་ཁ་འཆམ་བྱས་སོ། །དེ་ནི་ཛད་པ་པོ་འོ་
དད་པ་པོ་འོ་ཐོས་ནས་བུའི་མ་ལ་འདི་སྐད་དོ། །ཁྱོད་ཀྱི་བུ་དེ་སློན་པ་མ་ཡིན་ནམ། སློན་པ་ཆེ་ན་
སློབ་དཔོན་གྱི་མིང་ནི་ཞན་པར་འགྲོ་ཟེར་བས། ཚུང་མས་སྨྱོན་ཅི་བྱུང་ཟེར་བས་བུའི་ངག་བཞིན་རྒྱས་
པར་སྨྲས་སོ། །ས་ནི་ཁྲེལ་དེ་ཇི་ལྟར་བྱ་ཟེར་བར། ཛད་ཟ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ན་རེ། ཁྱོད་བུ་ཡིན་
པར་སློ་ལེགས་པ་སློམ་ལ་བུ་མ་འཕྲོང་ཟེར། བུ་རིས་འོངས་ནས་བདག་ལ་ལྟོ་ཕྱིན་ཅིག་ངས་མཚན་མ་
ལ་གཞན་ཞིག་ཏུ་འགྲོ་འོ་ཟེར་བར། མས་འགྲོ་བ་བྱིན་ནས་སློ་ལེགས་པར་སློམ་སྟེ་སློ་ལྷུགས་བྱས་ནས་
འདུག་པ་ལ། བུས་སློ་འབྱེད་བྱས་པས་མ་ན་རེ། ཕྱིར་སོང་མི་དགོས་ཆོས་བྱེད་ན་འདིར་བསྡད་
ཟེར་བས། བུས་ཀྱི་རྟུད་བྱེད་པ་ལ། དེ་དུས་སུ་ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པའོ་ཕྱིར་བཏང་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་
བུ་མོ་འི་འོང་སར་ཉལ་བས། བུ་མོས་རྒྱན་གོས་སྣ་ཚོགས་ཀྱིས་བརྒྱན་པ་དང་། ལུས་ལ་སྦུགས་པའི་
དྲི་སོགས་ཁྱེར་ནས། སློབ་དཔོན་གྱི་བུ་བཞིས་ཤིག་ཟེར་བ་ལ། ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པའོ་ཨ་
ཟེར་ཟ་ལ་ངོ་ཤེས་ནས་སོང་ངོ་། །སློབ་དཔོན་གྱི་བུ་མཆེད་པ་ནད་པས་ཁྲུས། ཁྲིམ་ལ་ཁྲུས་ན་མི་
གཙང་བ་ཐོག་པས། མ་ནི་ང་བཟུང་ནས་ཕྱིར་སོང་ཟེར་བ་ལས། ཐོང་ནས་མས་བཟུང་བས་ཕྱུལ་
དེག་བྱས་དེ་སོང་བས་སྤྲར་བཅོལ་པའི་སར་ཕྱིན་པས་ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ཡོད་པས། དེ་ན་རེ། ཁྱོད་
ཇི་ལྟར་མི་གདུག་ཅན་ཡོད་དམ་བདག་གི་ཉལ་སར་ཅིས་ཡོངས་ཞེས་གཉིས་ཀ་འཐབ་ནས་སོང་ངོ་། །དེ་
ནས་ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོས་བུ་མོ་གཞན་གསུམ་གྱི་འཛོམས་སར་སྤྲར་ལྟར་ཉལ་བས་ཐམས་ཅད་
ལོག་གོ །དྲང་སྲོང་གི་བུ་སོ་སོར་སོང་པས་དགོས་པ་མི་འགྲུབ་པར་ཕྱིར་སོང་ངོ་། །དེ་དུས་སུ་རྒྱལ་

པོ་འི་བུ་མོས་ཁྲོ་ལ་གསེར་གྱིས་བརྒྱན་པ་ཡོད་དེ། དཔོན་པོ་འི་བུ་མོ་དངུལ་གྱིས་བརྒྱན་པ་དང་།།གཞན་
གཉིས་ཀྱིས་ཅི་འདྲོར་པས་བརྒྱན་པ་ཡོད་པས་ཐམས་ཅད་རོར་ནས་སོང་བས། ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་
པོ་འོ་ནས་ལེན་ནས་འབྲོག་དགོན་པ་ལ་སོང་བས། རྒྱལ་པོ་ལོག་ཆོས་ཅན་བློན་ནག་མིང་ཅན་ཞིག་གི་ཡུལ་
དུ་ཕྱིན་པས། རྒྱལ་པོ་དེས་རྒྱལ་པོ་ཆོས་བཞིན་སྐྱོང་བ་ཞིག་གི་བུ་མོ་སློང་བས། བུ་མོ་ན་རེ། བདག་རྒྱལ་
པོ་དེ་ལ་མི་ཕྱིན་ནོ། གལ་ཏེ་སྤྱིན་བྱེད་ན་ལུས་ནི་སྟོང་བཙིད་དོ་ཟེར་ནས་དམོད་པས། རྒྱལ་པོས་ཁྲིམས་
དེ་བུ་མོ་དེ་ཉིད་སྐད་འཚོང་བར་བཞག་གོ །དེ་ལ་མི་དུ་ཞིག་འོངས་པ་དེའི་གྲངས་ཀྱིས་དངུལ་ལེན་པའི་
ཁྲིམས་བཅས་སོ། དེའི་སྔོར་ཊ་ཞིག་བདགས་ཏེ་གཅིག་བརྡུང་ན་ཞོ་གང་གཅིག་བྱིན་ནོ། དེར་ཛད་པ་
པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ཕྱིན་ནས་ཊའི་ཡི་གེ་ཁྲིམས་པ་མཐོང་ནས་གྲངས་མེད་པར་མང་པོ་བརྡུངས་པས་རྒྱལ་པོས་
གསན་ནས་མི་མང་པོ་འཚོགས་སམ་སྙམ་ནས། བློན་པོ་གཅིག་བཙལ་ཏེ་མཐོང་བས་མི་གཅིག་ལས་མི་
འདུག་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། དེ་སྟོང་མི་དེ་སྤྲོན་པ་ཡིན་ནམ་ཟེར། བུ་མོ་དེ་ལ་གཡོག་པའི་
བུ་མོ་གཉིས་ཡོད་པས་རེས་མོས་གཡོག་བྱེད་དོ། །བུ་མོ་གཅིག་གིས་དགོང་མོ་དེར་བུ་མོ་འི་མལ་སྟན་
བཅོས་ལ་ཛད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ན་རེ། མལ་བཅོས་པའི་བུ་མོ་མལ་ནི་ཚུལ་བཞིན་དུ་བཅོས་ཟེར་
བར། བུ་མོས་བཙུན་མོ་ལ་ན་རེ། འདི་ཀུན་ཤེས་པའི་བློ་དང་ལྡན་པའི་མི་ཡོད་དམ། བཙུན་མོ་
ན་རེ། ཇི་ལྟ་ཡིན་ནམ། ཊ་མང་པོ་བརྡུང་བ་དང་། བྱད་གཟུགས་ལ་བལྟས་ན་ཐམས་པ་པ་མ་ཡིན་
ཟེར་བས། འོ་ན་ཕྱིར་ཤོག་ཟེར་ནས་འཁྲིད་འོངས་པས། རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་གཉིས་ཀས་བལྟས་
ནས་བཀོད་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་འི་སྐུ་ལས་འོད་དཀར་པོ་བྱུང་ནས་བཙུན་མོ་འི་སྙིང་གར་ཐིམ། བཙུན་
མོ་འི་སྐུ་ལས་འོད་དམར་པོ་བྱུང་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་ཐུགས་ཀར་ཐིམ་མོ། །རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་འི་འོད་
གཉིས་འདྲེས་པས་ཕོ་བྲང་གི་ནང་ཐམས་ཅད་འོད་ཀྱིས་གང་ངོ་། དེའི་ནང་པར་རྒྱལ་པོ་བློན་ནག་མཚན་
མོར་ཊ་མང་པོ་བརྡུངས་པས་མི་མང་པོ་ཡོད་སྙམ་ནས་རིན་ལེན་པར་མི་ཞིག་བཏང་བས། རྒྱལ་པོ་དང་
བཙུན་མོ་གཉིས་མཐོང་ནས་འཇིགས་ཤིང་ཟིལ་གྱིས་གནོན་ནས་སྨྲ་མི་ནུས་པར་ལོག་ནས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་
པ། དེ་ནི་གཟི་བརྗིད་དང་ལྡན་པ་འཇིགས་པའི་ཉམས་ཅན་ཞིག་སྐད་འཚོང་མ་དང་ལྷན་ཅིག་གནས་པ་ཡོད་
ཟེར་བར། རྒྱལ་པོས་བློན་པོ་ལྔ་ཙམ་ཀྱི་བསྐོར་ཕྱིན་པས་དེ་དག་མཐོང་ནས་བག་ཚ་ནས་ཕྱིར་ལོག་གོ།

རྒྱལ་པོ་ལ་སྨྲས་པས། རྒྱལ་པོ་སྨག་ནས་ལྷའམ་ཅི་ཡིན་ཟེར་ནས། དམག་རྣམས་འཕེད་དེ་བསྐོར་ནས་མཚོན་ཆ་རྣམས་ཐོགས་ཏེ་ཕྱིན་པས། མི་ཁྱོད་ཀྱིས་ཇི་ལྟ་བ་ཡིན་ཕྱིར་འཐོན་ཟེར་བས། བྲམ་མོ་གཞན་གཅིག་གིས་བྲམ་མོ་བཞིའི་གོས་སོགས་སྟེར་བ་ལ། རྒྱལ་རིས་གོས་དེ་རྣམས་མཐོང་ནས་འདི་ལྟ་བུའི་ནོར་ཆེན་པོ་དང་ལྡན་པའི་མི་ཡོད་དམ་ཞེས་རས་བྲམ་མོ་ལས་དྲིས་པས། བྲམ་མོ་ན་རེ། བྱད་གཟུགས་བཟང་ཞིང་འོད་དང་ལྡན་པ་ཞིག་ཡོད་དོ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བདག་རང་གིས་ཕྱིན་ཟེར་ནས་མདུན་དུ་ཐོན་པོས་མཚོན་ཐོགས་ཏེ་བཙུག་གོ །བི་ཀྲ་མི་ཛི་དས་ཤིན་ཏུ་ངོ་མཚར་བའི་འོད་འབར་བར་གདའ་བས། དཔོན་པོས་འཇིགས་ནས་བསྡད་འདུག་གོ །ཇེས་སུ་རྒྱལ་པོས་འཇུག་ནས་འོད་དང་གཟི་བརྗིད་ཀྱིས་མནར་ནས་ཅང་མི་སྨྲ་བར་འདུག་པ་ལ། ཇད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ན་རེ། དུག་ལྷས་ཟིན་པའི་ཆོས་ལོག་མཁན། །ཁྱོད་རྣམས་ངེས་པར་ཕུང་བ་བདེན། །ཆོས་བདེན་ཉམས་བྱེད་འགྲོ་རྣམས་སྐྱོད། ། །བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ཞེས་བྱ། ཟེར་བ་ལ་རྒྱལ་པོས་སྔ་དྲངས་དཔོན་བློན་སོགས་གུས་མདུད་དེ་ཕྱག་འཚལ་ནས། ཇི་ཁྱོད་ཀྱི་མཚན་ནི་ཐོས་པ་ཡིན། ཇི་ཡི་བཀའ་ལས་འདའ་བར་མི་བྱའོ། །ཞེས་ཞུས་ནས་ཕྱིར་ལོག་སྟེ་ཕོ་བྲང་དུ་ཚོགས་ནས། རྒྱལ་པོ་དེའི་དབང་དུ་བསྡུ་ཞེས་དཔོན་པོ་ལས་རྒྱལ་པོ་དྲིས་པས། དཔོན་པོ་སོགས་ན་རེ། བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་འདི་ལ་དགྲར་བཟུང་བ་ལྟ་ཞོག་མཐོང་བ་ཙམ་གྱིས་འདུད་དྲུས་པ་ལ། ། མི་མཐུན་པ་བསྐྱེད་ང་ཕར་ཞོག་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་རིས་དབང་དུ་བསྡུས་ཟེར་ནས། ཁྲི་གདན་བཀྲམས་ཏེ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་བཙུན་མོ་དང་བཅས་པ་སྤྱན་དྲངས་ནས་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱས་ཏེ་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ། རྒྱལ་པོ་འི་བཀའ་ལས་མི་འདའ་བས་བསྐོ་བར་བྱེད་དོ་ཟེར་བས་བི་ཀྲ་མི་ཛི་དས་གནང་ངོ་། འཕོ་བ་གྲོང་འཇུག་གི་མན་ངག་པོ་དི་སོ་དྲུག་བཤད་པས་མི་ཕྱེད་པའི་དད་གུས་དང་ལྡན་པས་བདེ་འགྲོར་སྐྱེས་པ་ཡང་མང་པོ་འབྱུང་ངོ་། །དེ་ནས་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ལ་གདུགས་དང་རྒྱལ་མཚན་ལ་སོགས་པས་བཀུར་བསྟི་བྱེད་དོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་རིས་སྤྱར་གྱི་རྒྱལ་པོ་ལ་འཕྲིན་ཡིག་བཏང་ནས་རྒྱལ་པོ་ཁྱོད་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་ནི་ངོ་ཤེས་སམ། ། ཁྱོད་ཀྱི་ས་ར་ཇད་པ་པོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་ཞེས་མཚན་གྲགས་སོ་སྐད་ཞེས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་བྲམ་མོ་ལས་དྲིས་པས། བྲམ་མོ་ན་རེ། སློབ་དཔོན་དྲང་སྲོང་གི་སློབ་མར་འདུག་པའི་ཇད་

པ་བོ་འོ་དད་པ་པོ་འོ་སྐད་པ་ནི་ཡིན་ན་ནི་བལྟ་བས་ཆོག་མི་ཤེས་པའི་གཟུགས་མཛེས་པ་ཞིག་ཡིན་ཟེར་
ནས་རྒྱ་མཚན་རྣམས་རྒྱལ་པོར་བསྐྱད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ཤིན་ཏུ་དགའ་ནས་ན་རེ། ཇོ་དེས་འདིར་སླེབ་པ་ནི་
བུ་མོ་བཞི་ཤེས་པ་ཡིན་ཟེར་ནས། རྒྱལ་པོས་སྐྱ་དྲངས་མི་མང་པོ་ཚོགས་ནས་བསུས་ད་པི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་
དང་བཙུན་མོ་གཉིས་སྤྱན་དྲངས་པ་ལ་ཉི་མའི་འོད་ལྟར་གསལ་བཞིན་འབར་བ་ལ་མི་རྣམས་ངོ་མཚར་དེ།
ཨའི་ཇོ་རྒྱལ་པོ་སྐད་པ་ནི་འདི་འདྲ་ལ་ཟེར་བ་ཡིན་ཞེས་སྨྲས་པར་བྱེད་ནས་ཕོ་བྲང་དུ་བྱོན་ནས་དགའ་སྟོན་
ཆེན་པོ་བྱས་དེ་མ་བུ་འཕྲད་པ་ལྟར་གྱུར་དོ། །དེ་ནས་འགྲོ་བ་མང་པོར་དོན་དཔག་ཏུ་མེད་པ་བྱེད་པ་ལ།
རྒྱལ་པོ་དགའ་ནས་འབྲུལ་བ་མང་པོ་དང་བཅས་དེ་སྟེར་གྱི་བུ་མོ་བཞི་ཕྲུལ་ལོ། དེ་ནས་པི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་
ཡབ་ཡུམ་གྱི་སར་བྱོན་པར་དགོངས་པ་ལ་སྟེར་པོ་ཉ་བདང་ནས་ཡབ་ཡུམ་ལ་ཞུས་པ་ལས། དེ་དག་ཤིན་
ཏུ་དགའ་ནས་མི་མང་པོ་དང་བཅས་དེ་བསུ་བ་ལ་མཆོད་རྫས་དཔག་ཏུ་མེད་པ་ཐོགས་ནས་སློབ་གར་དང་
བཅས་དེ་རྒྱལ་པོ་སོགས་བྱོན་ནས་བོས་དེ་ཕོ་བྲང་དུ་ཕེབས་པ་ལ་མཇལ་མ་ལྟག་ནས་ན་རེ། ཨས་ཇོ་
རྒྱལ་པོ་ངལ་ལམ་བསྐྱང་བ་བདེ་འམ་ལེགས་པར་བྱོན་ནམ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་སྨྲས་པ། མི་དགེ་
བཅུ་སྤངས་དགེ་བཅུའི་ཆོས་རྒྱས་མཐུས། །བདེ་མོ་ཀ་འདྲ་སླེབ་པས་ཁྱེད་བདེ་འམ། །ཞེས་ཟེར་
ནས་ཞག་བདུན་གྱི་བར་དུ་དགའ་སྟོན་བྱས་ནས་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་རྒྱས་པར་བྱེད་དོ། །ཇོ་རྒྱལ་
པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛེ་ད་ལྟར་ཡོན་ཏན་ཅན་ཡིན་ནམ་ཞེས་པར་རྒྱལ་པོ་ཨཛི་ཏྲཛི་སོང་ངོ་། །ཆོས་ལོག་མཁན་
འདུལ་བ་དང་། ཤིང་མི་བཅུ་བས་སྨྲས་པའི་ལེའུ་སྟེ་བཅུ་པའོ།། །།

ལེའུ་བཅུ་གཅིག་པ།

༄ དེ་ནས་སྔོན་གྱི་དུས་སུ་དགའ་ལྡན་གྱི་གནས་ལ་དྲང་སྲོང་གཉིས་ཡོད་དོ། །དྲང་སྲོང་དེ་
གཉིས་མཚམས་ལ་ཞུགས་པ་ཡོད་དོ། །དེའི་ཚེ་ན་འཛམ་བུ་གླིང་གི་འགྲོ་བ་ལ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་
པ་རྒྱས་པའི་གནས་ཞིག་ཡོད་དོ། །ཡུལ་དེ་ན་རྒྱལ་པོ་གཟི་བརྗིད་ཆེན་པོ་དང་ལྡན་པ་ཞིག་གནས་པ་དེས
བླ་མེད་པས་མཆོད་རྟེན་བཞེངས་ནས་སངས་རྒྱས་བྱང་སེམས་རྣམས་ལ་གསོལ་བ་བཏབ་པ་དང་། དབུལ་
ཕོངས་ལ་སྦྱིན་པ་གཏོང་བ་སོགས་བྱས་པ་དང་མཉམ་དུ་བློན་པོ་གཅིག་ཀུང་བླ་མེད་པས་གསོལ་བ་བཏབ་

པ་སོགས་བྱེད་དོ། །རྒྱལ་པོ་ལ་བཙུན་མོ་བརྒྱ་དང་བློན་པོ་བཞི་བཅུ་ཡོད་དོ། །ལྷའི་དྲང་སྲོང་གཉིས་ཀྱི་ཆུང་ངུས་རྒྱལ་པོ་ལ་བུ་མེད་པར་ཤེས་ནས། ཅིག་ཤོས་ལ་ན་རེ། འོག་འཛམ་གླིང་དུ་རྒྱལ་བློན་གཉིས་བུ་མེད་པས་དེར་འགྲོ་ནས་བུར་སྐྱེས་ཏེ་འགྲོ་དོན་བྱེད་པའི་དུས་ལ་བབ་བོ་ཟེར་བར། དྲང་སྲོང་ཆེན་པོ་ན་རེ། ངས་ཤེས་པ་ཡོད། ཁྱོད་ཤེས་པ་ལ་ངས་མི་ཤེས་སམ། ཁྱོད་བདག་གི་ཉེ་བར་སྐྱེས་ན་བདག་ལ་གནོད་པར་བྱེད་དོ། །ཁྱོད་གཞན་ཞིག་ཏུ་སྐྱེས་ན་ལེགས་སོ། །ལྷར་ཅིག་ཏུ་སྐྱེས་ན་བསྟན་པ་བཞིགས་པའི་འགྲོ་བར་འགྱུར་བའི་ཉེས་པ་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། དྲང་སྲོང་ཆུང་ངུ་ན་རེ། སངས་རྒྱས་ཀྱི་མདུན་དུ་འགྲོ་ནས་དམ་བཅའ་ནས་ཁྱོད་ཀྱི་དྲུང་དུ་འགྲོ་འོ་ཟེར་བ་ལ། ཆེན་པོས་གནང་ནས་དམ་བཅས་ནས། འོག་འཛམ་བུ་གླིང་དུ་རྒྱལ་བློན་གཉིས་ཀྱི་བུར་སྐྱེས་པ་ལ་ཁྱོད་ཀྱིས་བདག་སྡུག་བསྔལ་བར་འགྱུར་རོ་ཞེས་པ་ལ། ཆུང་ངུས་ན་རེ། ངས་གནོད་སེམས་བསྐྱེད་ན་ངའི་ལུས་ནི་སྟོང་དུ་གས་པར་གྱུར་ཅིག་ཅེས་བརྗོད་དོ། །སངས་རྒྱས་ཀྱི་བཀའ་སྩལ་པ། དྲང་སྲོང་འདིའི་ངག་བཞིན་བྱས་ན་ལེགས་སོ་གསུངས། ཆེན་པོ་ན་རེ། ཁྱོད་རྒྱལ་པོ་འི་བུ་རུ་སྐྱེ། ང་བློན་པོ་འི་བུར་སྐྱེ་འོ་ཟེར་ནས་ཤི་འཕོས་ཏེ་ཁ་འཆམ་བཞིན་སྐྱེས་སོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་དགའ་ནས་ལོ་བདུན་གྱི་བར་དུ་གཅེས་སྤྲས་བྱས་སོ། །ཉིན་རེ་བཞིན་སྟོན་མོ་བྱས་ཀྱང་ད་དུང་དགའ་སྟོན་ཆེན་པོ་བྱེད་པར་གྲགས་པས། བློན་པོས་སྟོན་མོ་འི་ཚས་བསྒྲམས་ཏེ་བུ་འཁྲིད་ནས་ཕྱིན་པས། རྒྱལ་པོ་འི་བུས་བློན་པོ་འི་བུ་མཐོང་ནས་ལག་པ་ནས་བཟུང་བ་སོགས་བྱས་པས་ཐམས་ཅད་ཡ་མཚར་ནོ།།

བློན་པོ་འི་བུ་ནི་ཕྱིར་མ་ལོག་པར་གཉིས་ཀས་ཡོན་ཏན་སྦྱོང་པས་ཡོན་ཏན་དང་ལྡན་ནོ། །ཆེར་བསྐྱེད་ཚེ་ཞབས་མཐོགས་རྩེད་མོ་བྱེད་པ་ལ་རྒྱལ་པོ་འི་བུས་ཞབས་མཐོགས་བྱེད་པ་ནི་ཕོ་བྲང་གི་རྒྱ་མཐོང་ནས་བཙུན་མོ་གཅེས་པའི་མགོ་ལ་ཕོག་པས་བཙུན་མོ་ཁྲོས་ཏེ་འདུག་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་འི་བུས་བློན་པོ་འི་བུ་ལ་ཁྱོད་ནི་སོང་ལ་ལེན་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་འི་བུ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་འི་བཙུན་མོ་འི་དྲུང་དུ་ངས་མི་འཇུག །ཁྱོད་ཀྱིས་བཙུག་ནས་ལེན་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་འི་བུས་བཙུག་ནས་ཞབས་མཐོ་ལེན་པ་ལ། བཙུན་མོས་གདོང་ལ་སེན་མོས་འབྲད་དེ་དུ་ཞིང་སྐྲ་སྤྱགས་འདོན་ནས་འཐབ་འཛིང་བྱས་ཏེ་ཕྱིར་འཁོར་ནོ། །རྒྱལ་པོས་སོང་ནས་ཅི་བྱུང་སྙམ་སྟེ་ཕྱིན་པས། བཙུན་མོས་བུ་འདི་ནི་བདག་ལ་ཕོ་འཚབ་མོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་

པོ་བྲོས་ཏེ་བྱ་འདི་ནི་དེར་མ་ཟད་བདག་ལ་ཡང་གནོད་པར་བྱེད་དོ། །བདག་གསོན་པར་ཡོད་པ་ལ་འདི་ལྟ་བུའི་ལས་བྱེད་པ་ནི་མི་འོས་པས་ཆད་པས་གཅོད་ནན་སོ་ཆུང་བས་མི་རུང་། སྤྲུགས་ན་འོས་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་གཅིག་ལ་བྱ་འདི་ནི་མིག་གིས་མི་མཐོང་རྣ་བས་མི་ཐོས་པའི་ཡུལ་དུ་བསྐྲད་དོ་ཟེར་ནས་གཏད་དོ།།

བློན་པོ་དེས་རྒྱལ་པོ་འི་བྱ་འཁྲིད་ནས་མི་མེད་པའི་སར་ཕྱིན་པའི་ཚེ་བློན་པོས་དེ་ལ་དེར་ནས་ཕྱིར་ལོག་པ་དང་བློན་པོ་རང་གི་བྱ་དང་བཅས་རང་གི་ཁྱིམ་དུ་སོང་ནས་སྟོན་མོ་སོགས་བྱས་ནས་མཚན་མོར་འགྲོ་བ་ལ། དེ་དག་ཉལ་བའི་རྗེས་སུ་བློན་པོ་འི་བུས་མཛོད་ཁང་དུ་བཙུག་པས་རིན་པོ་ཆེ་དང་ཞ་ཉེའི་སྣོད་གཉིས་བསྣམས་ནས་རྟ་ཞོན་ཏེ་མདའ་གཞུ་ཐེད་ལ་བདགས་ནས་རྒྱལ་བུ་སྐྱེགས་སུ་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་བུ་དང་འབྲང་པས་བློན་པོ་འི་བུ་སྐྱིབས་པར་དཀའ་ནས་མདའ་གཞུ་འདི་རྣམས་ཀྱིས་ཅི་བྱ་ཟེར་བས། ང་ཅག་སྐྱེས་བྱེད་པའི་ས་ཞིག་ལ་ཡོད། ང་ཅག་སྲོག་འཚོ་བའི་ཕྱིར་དུ་དགོས་ཟེར། རིན་ཆེན་སྣོད་དུ་ཆུས་བཀང་བསྣམས་ཏེ་ཆུ་དེ་ཉིད་མ་ཟད་པར་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་མ་ཟད་པ་ཉིད་དོ། །དེ་ནས་འབྲོག་དགོན་པ་ཞིག་ཏུ་ཕྱིན་པས། ཁང་བདལ་བ་ཞིག་ཏུ་སླེབ་ཁར་བཟའ་བཏུང་ཡོད་པ་ཡིན། དེ་མཐོང་ནས་དེར་བསྡད་པ་ལ། ཀློ་ཕྱོགས་སུ་རྒྱལ་པོ་དེ་ལ་བུ་མེད་དེ་བུ་མོ་གཅིག་ཡོད་དོ། དེས་ཉིན་རེ་བཞིན་དགེ་འདུན་ལ་མཆོད་པ་བྱས་ཏེ་བསྐུར་སྟི་བྱེད་དོ། ང་དྲོ་ནས་ཕྱིས་སུ་ནགས་ལ་འགྲོ་ནས་ཤིང་ཏོག་འཐུ་ནས་ཕ་མ་ལ་བཀུར་སྟི་བྱེད་དོ།།

དེ་དུས་སུ་བདུད་གླང་པོ་ཆེར་སྤྲུལ་ནས་ཚེས་བཅོ་ལྔའི་ཉིན་མོར་མི་རྣམས་ཟ་བ་ཡོད། ཉིན་གཅིག་ལ་དཔག་ཚད་སྟོང་ཕྲག་གཅིག་ལ་འགྲོ་ནུས་པ་ཞིག་འགྲོ་བཞིན་པར་བུ་མོ་ནགས་ཁྲོད་དུ་ཤིང་ཏོག་འཐུ་བཞིན་སོང་བ་དང་འཕྲད་དེ་བཟུང་ནས་སོང་ངོ་། །འཁྲིད་པའི་བུ་མོ་གཅིག་གིས་དབ་དོབ་དུ་འགྱུར་ནས་རྒྱལ་པོར་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་གཉིས་ཐོས་ནས་བརྒྱལ་ལོ། །དཔོན་བློན་སོགས་ཀྱིས་ཚོགས་ནས་ཙན་དན་གྱི་ཆུ་གཏོར་ནས་སད་པར་བྱེད་པའི་ཚེ། རྒྱལ་པོ་སངས་ནས་ན་རེ། ད་ཀྱི་ཕུད་བྱས་ཀྱང་མི་ཕན། དམག་འདུས་ནས་སྐྱེགས་སུ་འགྲོ་ཟེར་བར། དམག་སྐྱགས་པས་མ་ཕྱིན་པར་ལ་གཅིག་འགོར་ནས་ཕྱིར་ལོག་པ་ལ། རྒྱལ་བཙུན་གཉིས་ཤིན་དུ་སྨྲ་ངན་བྱས་ནས་རྒྱལ་པོ་ཉིད་ཀྱིས་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་གཅིག་ན་རེ། སྐགས་ན་མི་སླེབས་སླེབས་ནས་ཞོར་མི་ཡོང་བའི་སྟོབས་ཆེ་བས་སྐྱེགས

མི་ཡོང་། ད་བས་ཕྱོགས་ཕྱོགས་སུ་རྒྱལ་པོ་རྣམས་ལ་པོ་ཏ་བདང་ན་ལེགས་ཞེས་ཟེར། ཡང་ན་བྱང་སེམས་སྟོབས་ཆེ་བ་ཡོད་ན་དོན་བྱེད་པར་འགྱུར་རོ་ཞེས་ཞུས་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་གནང་ནས་ཕ་ཏ་བཏང་ངོ་༎ ༎རྒྱལ་པོ་ཡང་རུང་འབངས་ཀྱང་རུང་དོན་བྱེད་ནུས་ན་རྒྱལ་སྲིད་སྦྱིན་ཞེས་འཕྲིན་ཡིག་བཏང་ངོ་། པོ་ཏ་ཕྱིན་པས་བློན་པོ་འི་བུ་དང་མཇལ་བས་གང་དུ་འགྲོ་ཟེར་བས། པོ་ཏ་རྣམས་ངག་རྒྱས་པར་བསྐྱད་པ་ལ། བློན་པོ་འི་བུ་ན་རེ། ཁྱེད་རེར་ཕྱིན་ན་དེ་ལ་ཤང་པོ་རབ་མ་འདུག ༎འདི་ན་རྒྱལ་པོ་འི་བུ་ཡང་ཡོད་རེས་ནུས་པ་ཡིན་པོ་མཆར་པོ་ཡིན་ཟེར་བར། དེ་དག་ན་རེ། ཁྱེད་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་འདིར་འོངས་ཟེར་བར། བློན་པོ་འི་བུ་ན་རེ། རི་དྭགས་ཤོར་བ་དེད་པས་འཁྱམས་པ་ཡིན་ཟེར་བར། པོ་ཏ་རྣམས་ན་རེ། ང་ཅག་གིས་རྒྱལ་པོ་ལ་མཇལ་ནས་ཞིབ་པར་ཞུའོ་སྐུར་དུ་སོང་ཟེར་ནས་འགྲོ་བ་ལ་སྔར་ལྟར་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པས། གསན་ནས་ཤིན་དུ་དགའ་ནས་དེ་གཉིས་ཀྱི་མདུན་ནས་བསུས་ཏེ་མཇལ་ནས་སྨྲས་མོ་ནི་གླང་ཆེན་ཐུག་པ་འཁྱེར་བ་ནི་རྒྱས་པར་སྨྲས་སོ༎

བློན་པོ་འི་བུ་ར་རེ། ང་ཅག་གཉིས་ཀྱིས་སླགས་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཤིན་དུ་དགའ་ནས་ཕོ་བྲང་དུ་བཅུག་གོ ༎དེ་རས་དམག་དང་ཆས་རྣམས་ཇི་སྙེད་ཅིག་མཆིས་ཟེར་བས། དམག་མི་དགོས་འོ་གྲོལ་གཉིས་ཀྱིས་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་འི་ཐུགས་ལ་འདི་གཉིས་རྫུ་འཕྲུལ་དང་ལྡན་པ་ཡིན་ནམ་སེམས་ནས་བསྐུར་བསྟི་བྱེད་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་གོས་དང་། བློན་བུ་ལ་ཅོད་པན་བྱིན་ནོ། དེ་གཉིས་སོང་ནས་གླང་ཐུག་གི་རྗེས་ནི་ཤིང་དུ་སྡོང་གི་རྗེས་ལྟར་ཡོད་པས་རྗེས་སུ་སྙེགས་ཏེ་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་འགྲོ་བ་ལ་ཟས་རྣམས་ཟད་པས་རིན་པོ་ཆེའི་རི་བོ་ཞིག་མཐོང་ངོ་། ༎བློན་པོ་འི་བུ་ན་རེ། རི་དེར་ཕྱིན་ན་ཆུ་ཡོད་དོ་༎ ༎ཁྱོད་ལམ་དུ་འཐོན་བདག་གིས་རི་དེར་ཕྱིར་དོ་ཟེར་ནས་འགྲོ་འོ། ༎རི་དེར་སླེབས་ཁར་བླ་མ་ཨ་ཝ་དྷཱུ་ཏི་པ་ཞིག་བཞུགས་པ་ཡོད། བློན་པོ་འི་བུས་བླ་མ་ལ་ཕྱག་འཚལ་ནས་རྒྱ་མཚན་རྣམས་ཞུས་པར། བླ་མ་དེས་ཅིའང་མི་གསུང་བར་གདན་འོག་ནས་སྐུད་པ་རིང་པོ་ཞིག་བླངས་ནས་བྱིན། དེ་ནས་བླ་མ་དེས་མིག་ཕྱི་ལ་བལྟས་པས་ལམ་ཞིག་མཐོང་ངོ་། ༎བློན་བུས་ལམ་དེར་འགྲོ་བ་ལ་ཁྲོན་པ་ཞིག་མཐོང་། ཁྲོན་པ་མཐོང་ནས་རྒྱལ་བུ་བོས་ཏེ་ཁྲོན་པ་གཏིང་ཟབ་པས་ཆུ་ལེན་མི་རུང་བ་ལ། སྐུད་པས་ཞ་ཏི་སྣོད་དུ་བཏགས་ནས་ཁྲོན་པར་བཙུག་པས་སྟོང་དང་ལྔ་བརྒྱའི་འདོམ་ཙམ་ཡོད་དོ། ༎བློན་བུས་འགྲོ་

ཟེར་བར། རྒྱལ་བུས་འདིར་ཞག་ས་བུས་ན་ལེགས་ཟེར་བས། བློན་བུས་འདིར་ཞག་ས་བྱེད་མི་རུང་ཟེར་ནས་འགྲོ་འོ། །ཡང་རླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་སོང་བ་ལ། པནྡི་ཏན་གྱི་མཚོ་ལ་སླེབས་ཁར་བུང་རྒྱལ་ཀྱི་ཤིང་མང་པོ་སྐྱེས་པའི་རྫིང་བུ་ཡོད། སླང་ཐུག་གི་རྗེས་ནི་མང་པོ་ཡོད་དོ། །རིངས་པར་སྐྱོད་དུ་ཆུ་སླུགས་དེ་བཟུང་ནས་བྲག་ཞིག་གི་རྩ་བར་ཕྱིན་དེ་བྲག་གཅིག་གི་སྟེང་དུ་བསྡད་ནས་བལྟས་པས། སླང་ཐུག་དེས་ཧི་མ་ཤར་བའི་ཆེ་མཚོ་དེར་འོངས་པས། སྲས་མོ་ནི་གཉའ་ལ་ཞོན་པ་ཡོད། སླང་ཐུག་ཆུ་འཐུངས་ནས་ལོག་པ་ལ། བློན་བུས་རྗེས་སུ་འགྲོ་བས་སླང་ཐུག་དེས་ཤིང་ཙན་དན་གཅིག་གི་རྩ་བར་ཕྱིན་ནས་ཉལ་ལོ། །བློན་བུས་སྲས་མོ་མཐོང་ནས་རྡོ་བསྣམས་ནས་སླང་ཐུག་དེའི་དྲུང་དུ་ཕྱིན་པས་སྲས་མོ་དེས་བློན་བུ་མཐོང་ནས་བརྡས་ཤིང་ཁར་བཙེག་པ་པར་བརྡ་སྟོད་པས། བློན་བུས་ཤིང་ཁར་བཙེགས་ནས་བསྡད་པ་ལ། ། སླང་ཐུག་དེས་གཉིད་ལོག་པ་ལ་སྲས་མོ་འི་ལག་པ་བཀྲམ་པ་ལ། བློན་བུས་རྡོ་ཡང་ཕྱིར་པ་ར་སྲས་མོ་འི་བཞེངས་དེ་སྤྱི་བོར་རྡོ་བཞག་ནས་སླེབས་པ་ལ། བློན་བུ་འབབ་ནས་སྲས་མོ་འཁྲིད་དེ་སོང་ངོ་།།

རྒྱལ་བུའི་དྲུང་དུ་སླེབས་ཁར་རྒྱལ་བུས་ཤིང་ཐོག་འཕྱུ་རུ་འགྲོ་བ་ཡོད། བློན་བུ་ན་རེ། སྲས་མོ་སླེབས་ཡོང་པས་ད་ལྟ་ཡང་འགྲོ་ཟེར། ངས་ཤིང་ཏོག་འཕྱུ་ཟེར་བ་ལ། བློན་བུས་རིང་པར་འཕྱུ་ནས་ཕྱིན་དེ་འགྲོ་འོ། སྟར་ལྟར་རླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་སྟར་གྱི་ཁྲིར་པར་སླེབས་འོངས་དེ་ཆུ་ལེར་ནས་སོང་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུས་མ་མཉན་པར་འདིར་ཞག་ས་བྱེད་ཟེར་ནས་ཉལ་ལོ། །བློན་བུས་ཁྲིར་པར་མེལ་ཚེ་བྱས་དེ་མདའ་གཞུ་སྣོལ་དེ་འདུག་པ་ལ། རྒྱལ་བུ་སད་ནས་བཞེངས་དེ་ཁྱོད་ནི་བདག་གསོད་པའི་དགོས་པ་ཇི་ཨུ་ཡོད་ཟེར་བས། བློན་བུ་ན་རེ། བདག་ཁྱོད་ནི་གསོད་པ་མིན་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། སྲས་མོ་འདི་ནི་ཁྱོད་ཀྱིས་ལེན། ངས་ལེན་པ་འདྲ་བར་བསམས་ནས་གསོད་པར་སེམས་པ་ཇི་ཨུ་ཡོད་ཟེར། བློན་བུ་ན་རེ། ཁྲིར་པ་འདིའི་ནང་དུ་འདྲེ་ལྔ་བརྒྱ་ཡོད་མཚན་མོ་ཉིད་ལ་དཔག་ཚད་ཁྲི་ཕྲག་ཙམ་གྱི་སར་འགྲོ་ནས་འགྲོ་བ་རྣམས་ལ་གནོད་ཅིང་འཚེ་བས་བསྲུག་པར་བྱེད་པ་ཡོད། ཉིར་མོར་མཐོང་ན་མགོ་བོ་འགགས་པ་ཡོད་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། འདི་འདྲ་བ་ནི་ཤིན་དུ་རྩུབ་ཟེར་བ་ལ། བློན་བུས་བདག་སྟེར་དམ་ལ་བཏགས་པ་ཡོད། ཁྱོད་ཀྱིས་མེལ་ཚེ་བྱེད་ནས་བལྟ་ཟེར། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། གལ་དེ་

བྱུང་ན་ཁྱོད་ཀྱི་ཚིག་བཞིན་བྱེད། མ་བྱུང་ན་ང་ཅག་གཉིས་ཤིན་ཏུ་འཐབ་པ་ཡོད་ཟེར་ནས་ཁྲོན་པར་སེལ་ཆོ་བྱེད་དོ། །སློན་བུ་ཉལ་ལོ། །རྒྱལ་བུས་ཚིག་འཁྲུལ་སྨྲས་པ་ཡིན་པར་བསམས་ནས་ཉལ་ལོ། འདྲེ་རྣམས་བྱུང་ནས་སྲུས་མོ་འཁྲིད་ནས་ཁྲོན་པར་བཙུག་གོ །སློན་བུ་སད་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་སྲུས་མོ་ག་རེ་ཁྱོད་ལ་སེལ་ཆོ་ལེགས་པར་བྱེད་ཟེར་བ་མིན་ནམ། བདག་གིས་སྲུས་མོ་འདི་ཉིད་རྒྱལ་པོ་ལ་གཏད་ནས་རྒྱལ་སྲིད་ཁྱོད་ལ་སྦྱིན་ཅེས་སེམས་པ་ཡིན་ནོ། །ཁྱོད་སྐལ་པ་མེད་པའི་རྒྱལ་བུ་ཡིན་ནོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུས་ཅང་མི་སྨྲ་བར་གདའ། སློན་བུ་ན་རེ། བདག་སྐྱུད་པ་རེས་བདགས་ནས་འཇུག །ཆུའི་སྟེང་དུ་མེད་ན་འོག་ཏུ་འགྲོ །གལ་ཏེ་སྲུས་མོ་ཆུའི་ཁར་ཡོད་ན་ལན་གསུམ་འཐེན་ཟེར་ནས་བཙུག་གོ་སྲུས་མོ་དེ་འཁྱེར་ནས་ཁང་བུ་གཅིག་ཏུ་བསྡད་པ་ལ་སློན་བུས་ཐུ་བ་ནས་དྲངས་པས་སློན་བུ་མཐོང་ནས་སྐྱུད་པ་སྲུས་མོ་འི་ལག་པར་བདགས་པས་ལན་གསུམ་འཐེན་པས་ལེགས་པར་དྲངས་ཏེ་འཐོན་ནོ། །རྒྱལ་བུས་སློན་བུ་མ་འདོན་པར་ཁྲིན་པར་དོར་རོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་བུས་སྲུས་མོ་བདེགས་ཏེ་སྒུར་བར་སོང་ཟེར་ནས་སོང་ངོ་། སྲུས་མོ་དེ་ཉིད་སྐྱོ་ཤས་ཆེན་པོ་སྐྱེས་ཏེ་ངུ་ནས་སྨྲས་པ། བདུད་ཀྱི་ཡུལ་ནས་སྐྱོབས་པའི་སྐྱབས་གཅིག་པུ། །དེ་ཉིད་དྲིན་བཟོ་མེད་པར་ཁྲོན་པ་སྟོང་པར་དོར། །ཞེས་ངུ་བཞིན་འགྲོ་བ་ལ། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། བདག་གི་མཐུས་སློན་བུས་ཁྱོད་ནི་ལེན་པ་ཡིན། སློན་བུ་ཁྲིན་པར་དོར་བ་སོགས་སུ་ལའང་མ་སྨྲ་ཤིག་ཟེར་ནས་སོང་ངོ་། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་པ་ལ། རྒྱལ་བཙུན་གཉིས་སྲུས་མོ་མཐོང་ནས་ཉིན་མཚན་ཀུན་ཏུ་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གནས་སོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་སྲུས་མོ་གཉེར་ཟེར་བ་ལ། སྲུས་མོ་ན་རེ། སློངས་ཆེན་དུད་འགྲོ་བྱུང་ དུ་གཏམ་པས་མི་གཙང་བ་ཕོག་པ་ཡིན་པས་ཟླ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་བདག་མི་བསྡད་དོ། །ཁྲིམས་སྲུ་འདུག་ཟེར་ནས་མཚམས་ལ་བསྡད་དོ། །སློན་བུ་ཁྲོན་པར་གནས་པའི་ཚེ་ན། རྒྱ་གར་གྱི་ཡུལ་ནས་འོངས་པའི་ཨ་ཙ་ར་བདུན་པོ་འོངས་ནས་འདོམ་སྟོང་དང་ལྟེ་བརྒྱ་ཅམ་གྱི་སྐྱུད་པས་ཆུ་ལེན་པར་བྱེད་པ་ལ་སློན་བུས་སྐྱུད་པ་འཛིན་པས། ཨ་ཙ་ར་རྣམས་ན་རེ། འདྲེའམ་སྒྲུབམ་ཟེར་བར། སློན་བུས་ཇི་ལྟར་ཡིན་ཀྱང་ང་དྲངས་ཟེར་བས། དེ་དག་དྲངས་ཏེ་འཐོན་ནས་མི་ཡིན་ནམ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱ་མཚན་རྒྱས་པར་སྨྲས་པས། བརྩེ་ཞིང་བྱམས་པའི་དྲིན་ཅན་ཕན་པའི་བུ། །ཐུན་ཁྲོད་རྩ་བར་རྡོ་བ

དོར་བ་བཞིན། འཛམ་བུ་གླིང་གི་འགྲོ་བ་འདི་དག་ནི། །དེ་ལྟར་གནོད་སེམས་ཁོ་ན་བསྐྱེད་པ་ཡིན། ཞེས་ཟེར་ནས་ཨ་ཙ་ར་འདི་སློབ་རྣམས་ཀྱིས་མཆོད་རྟེན་བཞིག་གསོས་པའི་ཆེད་དུ་སློང་མོ་བྱེད་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བློན་བུས་ཕར་ཚུར་བལྟས་པས་རྒྱལ་པོ་ཉལ་བའི་སར་ས་སྦྱངས་ཞིག་མཐོང་བས་སྤུར་གྱི་རིན་པོ་ཆེ་ས་ལ་སྦས་པ་ཡོད་དོ། །དེ་ལེན་ནས་ཨ་ཙ་ར་རྣམས་ལ་ཕུལ་ལོ། །ཨ་ཙ་ར་དེ་དག་དགའ་ནས་སོང་ངོ་། །བློན་བུ་ལམ་དུ་འགོར་ནས་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་བུ་དེས་སྦས་མོ་མཚམས་ལ་སློད་སྐབས་སུ། རྒྱལ་བུས་བདག་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་ན་རུང་ངམ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། སྤུར་སྦས་པའི་ཚིག་ནི་ངས་དྲན་པ་ཡོད་ཟེར། རྒྱལ་པོ་དེས་རྒྱལ་པོའི་ཕྱོགས་བཞིའི་སྒོ་སྲུང་བའི་མི་ལ་ན་རེ། བྱད་གཟུགས་བཟང་བའི་མི་ཞིག་འོངས་ནས་སྤྲ་བརྗོད་སྦ་ཚོགས་སྤྲ་ན་བཟུང་ནས་བཅིངས་དེ་ང་ལ་ལབ་ཟེར་ཏེ་བདད་པ་ལ། བློན་བུ་སླེབས་པ་ལ་སྒོ་སྲུང་བ་དེས་རྒྱལ་བུས་སྤྲས་པར་བྱེད་པ་ནི་དེ་ཡིན་ཞེས་ནས་བཅིངས་དེ་རྒྱལ་བུར་སྤྲས་པ་ལ། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། བུ་དེ་ཉིད་ཀྱི་ཁང་པ་དང་ལག་པ་དང་མིག་ཡ་གཅིག་རྣམས་ཆགས་ཡོང་བྱེད་ནས་ཤིང་སྡོང་པོ་གཅིག་ཏུ་དོར་ཞེས་ཟེར་རོ། །ཤིང་དེ་ལ་ནི་རིན་པོ་ཆེ་ཡོད་པ་ཡིན། ཤིང་དེ་ལས་སྐྱེས་པའི་ཤིང་ཏོག་ཟོས་ན་ནད་གང་ཡང་ཕན་ངེས་སོ།།

ཤིང་དེ་ལ་གནོལ་བ་ཕོག་པས་ཤིང་ཤིན་ཏུ་བསྐམས་སོ། །ཤིང་སྲུང་བའི་མི་ལ་རྒྱལ་པོས་ཁྲིམས་ཕོག་པ་ལ་འབྲོས་ནས་སོང་ངོ་། གྲོས་དེ་ཕྱིན་པར་ཁྲང་བུ་གཅིག་ཡོད་པས་ཉིན་མོར་ཁྲང་བུར་ཉལ། མཚན་མོར་ཁྲིམ་དུ་སླེབ་པ་ཡོད། ཉིན་གཅིག་ལ་ཁྲང་བུ་ལས་འགོར་དེ་ཤིང་དེའི་ཕྱོགས་སུ་བལྟས་པས་གསལ་བར་མཐོང་བས་ཤིང་དེ་ནི་གསོས་སམ་སྐམ་ནས་མཚན་མོར་འཁྱམས་ནས་བལྟས་པས་རྔ་བར་བུ་ཞིག་ཉལ་བར་མཐོང་ནས། བུ་ཁྱོད་ཅིའི་སྐད་དུ་འདིར་ཉལ་ལམ་ཟེར་བ་ལ། བདག་རྒྱལ་པོའི་བུ་ལ་གནོད་པ་བྱེད་པའི་ཕྱིར་བདག་ཁྲིམས་ཀྱིས་བཅད་ནས་ཤིང་དྲུང་དུ་དོར་རོ། །མི་དེས་དྲིས་པ། ཤིང་གི་རྩ་བ་སྐམ་པ་ཡོད་དམ་ཟེར་བར། བུ་ན་རེ། ང་དོར་བའི་ཚེ་ན་སྐམ་པར་གྱུར་པ་ཡོད་དོ། །ད་ཡང་མེ་ཏོག་སྐྱེས་པར་གདའ་ཟེར་བར། མི་དེ་ན་རེ། ངས་ཤིང་འདི་ཉིད་བསྲུང་བ་ཡིན་པས་ཤིང་འདི་བསྐམས་པས་གསོད་པ་ལ་ཐུག་པའི་མི་ཡིན་ནོ། བདག་རང་གི་སྐལ་བ་ཡོད་པས་གསོས་པར་གདའ། བདག་ཁྲིམ་དུ་ཕྱིན་ནས་བུ་སྨད་ལ་སྤྲས་ནས་ཁྱོད་ལ་ལྟོ་བ་སྟེར་ཟེར་ནས་སོང་སྟེ་རྒྱ་མཚན་

བ་ཤད་པས། དེ་དག་དགའ་ནས་བཟའ་བཏུང་གྲ་ནོམ་པ་བྱིན་ནོ། །མི་དེ་ན་རེ། སྔར་ལྟར་སྐྱེས་ན་ང་ཅག་གཉིས་སྐྱིད་པ་ཡོད་དོ་ཟེར་ནས་ཁྱིམ་ཐབ་སོང་ངོ་། ཕྱིས་སུ་མཚན་གཅིག་ཏུ་སྐབས་ནས་ཤིང་རྟོག་སྐྱེས་སམ་ཞེས་དྲིས་པར། བློ་བུ་ན་རེ། ཤིང་རྟོག་ཡང་སྐྱེས་པར་གདའ། མི་ཁྱོད་རྒྱལ་པོའི་སྲས་མོ་ཤེས་སམ་ཟེར་བར། མི་དེ་ན་རེ། ངས་ཤེས་ངའི་བུ་མོ་གཅིག་སྲས་མོ་ལ་ཞམ་འབྲིང་བྱེད་པ་ཡིན། སྲས་མོ་དེ་ཉིད་ནི་གླང་ཐུག་གིས་འཁྱེར་བར་ཁྲིའུ་རྫུ་འཕྲུལ་དང་ལྡན་པ་ཞིག་ཡོང་ནས་གླང་ཐུག་གི་རྗེས་སུ་བརླག་སྟེ་སྐབས་ཡོང་པ་ལ། བུ་དེ་ལ་བྱིན་ནས་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་པར་ལབ་པ་ལ། སྲས་མོ་དེ་ཉིད་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་བར་དུ་བསྒྲིན་པ་ཐུས་ནས་རྗེས་སུ་རྒྱལ་སྲིད་འཛིན་པ་ཡོད་དོ། །བདག་གི་བུ་མོ་དག་ཏུ་དྭང་དུ་སྡོད་པ་ཞིག་ཡོད་ཟེར་བར། བློན་བུ་ན་རེ། ཤིང་རྟོག་དང་ལོ་མ་རེ་ལེན་ནས་ང་ལ་བྱིན་ཅིག་ཟེར་བས་བྱིན་པ་ལ། ལོ་མ་ལ་མཆིལ་མས་ཡི་གེ་བྲིས་རས་མི་དེ་ལ་སྐུར་པ། ཁྱོད་ཡི་གེ་འདི་བུ་མོ་ལ་བྱིན་རས་སྲས་མོ་ལ་གཏད་ངོ་ཟེར་བར། མི་དེས་བུ་མོ་ལ་བྱིན་པས་སྲས་མོས་མཐོང་ནས་ངོ་མཚར་ཆེ། ཤིང་ལས་ཤིང་ཐོག་སྐྱེས་པར་འདུག་ཟེར་ནས། ལོ་མ་ལ་མཆིལ་མས་ཡི་གེ་བྲིས་ནས་ཟས་རོ་བརྒྱ་དང་བཅས་ཏེ་ཤིང་དྭང་དུ་མི་ལུ་དང་འཕྲད་ན་དེ་ལ་བྱིན་ཅིག་ཟེར་ནས་ཕུལ། །ཡི་གེ་ནི་བུ་མོས་ཕ་ལ་བཏད་ནས་སྲས་མོས་ཚུ་བསོགས་སྐྱུས་སོ། །པ་ན་རེ། ཤིང་དེའི་དྭང་ན་ཁྲིམས་ཐོག་པའི་མི་ཞིག་འདུག་གོ །ངས་བརྗེ་བས་བཟའ་བཏུང་དག་ཏུ་བྱིན་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་ན་རེ། ཤིང་དེ་ཉིད་མི་དེ་དོར་བའི་ཚེ་ན་སྐྱེས་སམ། པ་ན་རེ། དེར་དུས་སུ་བསྐམས་པ་ཡོད། བུ་དོར་བ་ནས་ཤིང་རྟོག་སྐྱེས་ཟེར་བར། བུ་མོས་བློན་བུ་ཡིན་སྙམ་ནས་ལོག་གོ།།

དེ་ནས་བློན་བུས་ཡི་གེ་མཐོང་ནས། མི་དེ་ལ་བུ་ན་རེ། ཁྱོད་ནང་བར་ཉི་མ་ཤར་བའི་ཚེ་སྐབས་ཁྱོད་ཀྱི་སྟུག་བསྔལ་ཡང་སེལ་བར་བྱའོ་ཟེར་བར། དེ་དགའ་ནས་ངེས་པར་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཡིན་སྙམ་ནས་ཁྱིམ་ཐབ་སོང་ངོ་། །ནང་བར་སྐབས་ཚེ་ནམ་མཁར་འཇའ་ཚོན་སྣ་ལྔ་ཤར་བ་དང་ས་གཡོས་པ་ལ། གསེར་གྱི་ཤིང་རྟ་ལ་བསྟོད་པའི་བླ་མ་འཛིགས་ཤིང་དངངས་པའི་རྣམ་པ་ཅན་གཅིག་སྐབས་བྱུང་བ་ལ་དེ་དག་ཐམས་ཅད་བརྒྱལ་ལོ། །ཁྱིམ་བུ་དེར་གནས་པའི་མིས་ཞེད་ནས་ཡིབ་སམ་རྟེན་པ་ལ། བློན་བུ་ན་རེ། མ་འཛིགས་ཞེས་ཟེར་ནས་ས་སྦུར་གང་ལ་ཐུ་བཏབ་ནས་གཏོར་བ་ལ་

མི་དེས་འཇིགས་པ་མེད་པར་འདུག་གོ །བླ་མ་དེས་སླེབས་བྱུང་ནས་ཁྱོད་ལ་ནི་སྨུས་ཀང་ལག་ཆག་པ་
དང་མིག་ལོང་བ་སོགས་བྱས་པ་ཡིན། ངས་མི་དེའི་ཤ་ཟ་བ་དང་ཁྲག་འཐུང་བ་པགས་པས་སྐྱོད་བྱས་
པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བློན་བུ་ན་རེ། བདག་རང་གིས་ཞིང་འདི་ལ་བརྟགས་དེ་འགྲོ་བ་ལ་ལྷུང་ནས་
ཆག་གོ་ཟེར་བ་ལ། བླ་མ་དེས་ཡང་དྲིས་པས། ཅི་ཡང་མི་ཟེར་བར་བླ་མ་དེས་ན་རེ། ཇོ་
མཆོག་ཉིད་ཀྱིས་གཞན་སྐྱོན་སྨྲས། །རང་གི་སྐྱོན་རྣམས་དག་ཏུ་སྒྲོགས། །ཞེས་ཟེར་ནས་འཕྲེང་བ་ཕྱིན་
ནས་མེ་ཏོག་གཏོར་ཏེ་སྟེང་དུ་ནམ་གྱུར་ནག་པོ་བཞེངས་ཏེ། མི་དེའི་ངན་སེམས་ལ་ཕན་འདོགས་བྱེད་པས་
ཚེ་གཅིག་ཏུ་བྱང་ཆུབ་འཐོབ་པར་གྱུར་ཅིག་ཅེས་སྨོན་ལམ་བཏབ་ནས་འཇའ་ཡལ་བ་ལྟར་མི་སྣང་བར་གྱུར་
ཏོ། །བློན་བུ་ན་རེ། མི་དེ་ལ་ཁྱོད་ནང་པར་ཞིང་ཏོག་དང་ལོ་མ་ལ་ཡི་གེ་བྲིས་ནས་སྲས་མོ་ལ་གཏོང་
ཟེར་བ་ལ། , མི་དེ་དགའ་ནས་ན་རེ། ཁྱེད་ནི་སངས་རྒྱས་དངོས་ཡིན་འཇིགས་ཞིང་ཧྲམ་པའི་རྣམ་
པ་ཅན་གྱི་བླ་མ་འོངས་ནས་སྨུས་ཁྲིམས་བཅད་དོ་ཞེས་དྲིས་པ་ན་མི་སླུས་པར་འགྲོ་བ་ལ་གནོད་པར་འགྱུར་
བར་བསམས་ནས་མ་སླུས་པ་ཡིན་ནོ། །ཞིང་སྐམ་པོ་འདི་ཉིད་ལས་མེ་ཏོག་དང་ལོ་མ་རྣམས་ཁྱོད་ཀྱི་མཐུ་
ལས་བྱུང་བ་ཡིན་པས་ང་ལ་མ་གསང་བར་ཤོད་ཅིག་ཟེར་བར། བློན་བུ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་སོགས་
ཀྱིས་ཞིང་འདིར་ཐོན་ཚོ་རྒྱ་མཚར་ཡང་ཞེས་པ་ཡོད་དོ། །ཁྱོད་ཀྱིས་སྐྱེ་བ་སྔ་མར་སྡུག་བསྔལ་སྤྱོང་བ་
ལ་ངས་ཕན་འདོགས་པས་ད་ཁྱོད་ཀྱང་བདག་ལ་ཕན་ཐོགས་སོ་ཟེར། ཁྱོད་ཀྱང་འདི་ནས་བཟུང་སྟེ་དགེ་བ་
བཅུ་བྱས་ནས་དག་པའི་ཞིང་དུ་སྐྱེ་བར་གྱུར་ཅིག་ཟེར་བ་ལ། མི་དེ་དགའ་ནས་རིངས་པར་ཁྱིམ་དུ་སོང་
ནས་ཟས་བསྐུམས་ནས་བློན་བུ་ལ་སྐྱེར་ནས་དྲུང་དུ་ཉལ་ལོ། །ནང་པར་སྔ་བར་ལངས་ནས་ཞིང་ཏོག་
དང་ལོ་མ་བསྐུམས་ཏེ་སྲས་མོ་ལ་ཕྱིན་ཏོ།།

སྲས་མོ་ཞིང་ཏོག་རྣམས་དངུལ་གྱི་གཞོང་པར་བླུགས་ཏེ་མི་དེ་དང་ལྷན་དུ་སོང་བས། རྒྱལ་པོ་
ན་རེ། མཚམས་གྲོལ་ལམ་འདི་ནི་ཅི་ཡིན་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། མཚམས་གྲོལ་ལོ་འདི་ནི་རིན་
པོ་ཆེའི་ཞིང་ལས་མེ་ཏོག་དང་ལོ་མ་དང་ཞིང་ཏོག་རྣམས་སྐྱེས་པ་ཡིན་ནོ། །ཞིང་སྐྱུང་པའི་མི་ནི་ད་ལྟ་
ཕྱིས་ན་ཡོད་དོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་དགའ་ནས་ཞིང་ལས་དེ་དག་སྐྱེས་པ་ནི་ཁྱོད་ཀྱིས་མཚམས་བྱས་
པའི་མཐུ་ཡིན་ནོ། །ཞིང་སྐྱུང་པ་པོ་བོས་ནས་བྱ་དགའ་བྱིན་ནོ། །བུ་མོ་ན་རེ། ཞིང་འདི་ལ་

ཐམས་ཅད་ཚོགས་ནས་དགའ་སྟོན་བྱས་ན་ལེགས་ཟེར་བ་ལ། ཐམས་ཅད་གྲོས་མཐུན་བྱས་ནས་དགའ་སྟོན་བྱེད་པའི་ཚེ། ཤིང་སྐྱོང་བ་པོ་ལ་སྤྲུལ་མོས་ཟས་སྣ་ཚོགས་དང་གོས་སོགས་ བློན་བུ་ལ་གཏོང་ངོ༎ མི་རྣམས་ཕྱིས་ནས་བློན་བུ་ལ་སྤྲུལ་མོས་སྟེར། ཟས་དང་ཅིག་རྣམས་སྦྲུས་ནས་དེར་ཉལ་ལོ། །དེ་ནས་ནང་བར་རྒྱལ་བློན་སོགས་ཚོགས་ནས་ཤིང་དེའི་བུང་ཕྱོགས་སུ་ཕྱིན་པའི་ཚེ། མི་དེའི་དྲུང་དུ་རང་གི་མཐུ་ལས་བྱུང་བའི་རས་གུར་ཁྲམས་ར་ཅན་ཆེན་པོ་གསུམ་དང་ཆེ་ཆུང་བཅུ་གསུམ་ཡོད་པ་དང་རས་གུར་ཤིན་ཏུ་མང་པོ་བཀོད་པ་ལ་མི་རྣམས་ངོ་མཚར་ནས་ང་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་འཁོར་ལོ་ཆེན་པོ་ཅན་ཡིན་ནོ་ཟེར་ར། །རྒྱལ་བཙུན་འཁོན་ནས་གནས་ཁང་འདི་ཉིད་སུ་ཡི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། མི་གཅིག་ཀྱང་མི་ཤེས་པས་ལན་མ་སྨྲ་བས། སྤྲུལ་མོ་ན་རེ། རས་གུར་ལ་ང་ཅག་བཙུག་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་བཙུན་རྣམས་བཙུག་པས་བུ་གཅིག་པུ་ལས་གཞན་ཅི་ཡང་མི་འདུག་པས། སྤྲུལ་མོས་ལག་པ་བཟུང་དུ་བཞིན་རྐང་ལག་སོགས་ཆག་པ་ལ་སྨུག་བསྔལ་སྤྱོང་ངམ་ཟེར་བ་ལ། བུ་ན་རེ། བདག་མི་བདེ་བར་མེད་པར་བདེ་བར་ཉལ་ལོ་ཟེར་བ་ལ། སྤྲུལ་མོ་ན་རེ། བདེ་བར་འདུག་ཟེར་བ་ནི་བརྫུན་ནོ། རྐང་ལག་ཆག་པའི་མི་ལ་འཁོན་དུ་བཟུང་ངམ་ཟེར་བར་བྱ་ན་རེ། འཁོན་འཛིན་ཅི་ཡོད་ན་རྐང་ལག་ཆག་ན་ཆག གལ་ཏེ་མི་བཟུང་ན་དབང་པོ་རྣམས་སྐད་ཅིག་ཏུ་གསོས་པར་གྱུར་ཅིག་ཅེས་བརྗོད་མ་ཐག་ཏུ་སྔར་བཞིན་གསོས་སོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་བཙུན་ལ་ཕྱག་འཚལ་བས། རྒྱལ་བཙུན་སོགས་ཀ་ལས་དེ་བུ་འདི་སུ་ཡིན་ཟེར་བར། སྤྲུལ་མོས་རྒྱུ་མཚན་རྒྱས་པར་བཤད་པས། རྒྱལ་པོ་དེ་རྒྱལ་བུ་ལ་ཁྲོས་ཏེ་འདི་ནི་མོ་སྦྱོང་ཐུག་གཅིག་ཏུ་གཤགས་གཅོད་དོ་ཞེས་ཁྲིམས་ཆགས་པས། དཔོན་བློན་རྣམས་བཟུང་བས་བུ་ཤིན་ཏུ་འཛེགས་ནས་སྤྲུལ་མོ་ཞེས་སྨྲེར་དུ་བས་བློན་བྱས་ཐོས་ནས་རྒྱལ་པོར་གསོལ་བས་རྒྱལ་པོ་སོགས་ངོ་མཚར་བས། བློན་པོ་འི་བུ་འདི་ནི་སངས་རྒྱས་ཡིན་ནོ། །རྒྱལ་བུ་དེ་ནི་ངེས་པར་སེམས་ཅན་ལ་གནོད་པའི་བདུད་དངོས་ཡིན་ནོ་ཟེར་ནས། རྒྱལ་བུ་བསྐྲོད་པ་ལ་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་སྐྱེལ་ནས་དོར་རོ། །དེ་ནས་ཡུལ་ཁམས་ཐམས་ཅད་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གྱུར་ཏོ། །ང་ཅག་གི་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མ་ཨཱ་དི་ཏྱ་ནི་ལྟར་ཡོན་ཏན་ཅན་ཡིན་ཀྱང་མི་མཁྱེན་པའི་ཚུལ་གྱིས་མི་གནོད་པའི་ཁར་ཕན་པ་རྒྱ་ཆེར་མཛད་དོ། ཞེས་སྨྲས་པ་ལ་རྒྱལ་པོ་ཨཱ་རྱ་བུདྡྷི་སོགས་ཀྱིས་ངོ་མཚར་བྱས་ཏེ་ཕྱིར་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་བཅུ་གཅིག་པའི་ལེའུ་སྟེ་བཅུ་གཅིག་པའོ༎ ༎

ལེའུ་བཅུ་གཉིས་པ།

༄༅། དེ་ནས་ཡང་བཀྲ་ཤིས་པའི་ཉིན་མོ་གཅིག་ལ་སྔར་གྱི་འཕྲོ་བཅད་པའི་ལོ་རྒྱུས་ཞིག་སྒྲོས་ཤིག་ཟེར་བ་ལ། ཤིང་མི་གཅིག་ན་རེ། བློན་པོ་འདི་བུ་ལ་སྲས་མོ་དངུལ་རྒྱན་སྦྱོར་བར་སྨོན་མོ་བྱེད་པ་ལ། བློན་བུ་ན་རེ། ཆོ་འདི་ལ་ཆུང་མ་མི་ལེན་པར་དམ་བཅའ་བ་ཡོད་དོ། འཕགས་པ་སྤྱན་རས་གཟིགས་ཀྱི་དྲུང་དུ་བཤགས་པ་བྱེད་ནས་སློབས་ཟེར་བར། སྲས་མོ་དངུལ་རྒྱན་གྱིས་ན་རེ། ཁྱོད་དང་བདག་ལྷན་དུ་འགྲོ་ཟེར་བར། བློན་བུ་ན་རེ། བདག་གིས་གཅིག་པུར་འགྲོ་འོ་ཟེར་ནས་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་བུ་སོང་བའི་ལམ་དུ་ཞུགས་ནས་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་ཉིན་གསུམ་ཀྱིས་སོང་ངོ་། །རྒྱལ་བུས་ལྟོ་གོས་མེད་པར་ཉལ་བ་ལ། གློ་བུར་དུ་བློན་བུ་མཐོང་ནས་དགའ་བཞིན་སོང་ངོ་། །འགྲོ་བཞིན་པར་ཟླ་བ་གསུམ་གྱི་སར་ཕྱིན་པས་སྟོད་ཀྱི་ཆུ་ཟད་པས་ཁ་སྐོམ་བཞིན་དུ་འགྲོ་བ་ལ། བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཤིང་གཅིག་མཐོང་ངོ་། ། དེའི་དྲུང་དུ་ཕྱིན་པ་ལ་ཤིང་དེ་ནི་མཐོ་བ་དང་སྦོམ་ལ་འདོམ་ལྔ་བརྒྱ་ཙམ་ཡོད་དོ།། དེའི་གྲིབ་མར་བསྡད་པ་ལས་ཤིང་དེའི་ལོ་མ་ལ་བལྟས་པས་ལོ་མ་རེ་རེ་ལ་སངས་རྒྱས་སྟོང་གི་ཞིང་ཁམས་ཡོད་དོ། །དེ་ལ་བལྟ་ནས་ཡ་མཚན་ནས་འདུག་པ་ལ། ངང་པ་གཉིས་འཕུར་སོང་བ་མཐོང་ནས་བློན་བུས་བདག་གིས་ངང་པ་འདི་གཉིས་ཀྱི་རྗེས་སུ་འབྲང་ནས་ཆུ་ཚོལ་ལོ། །ཁྱོད་ཤིང་འདིར་སྡོད་ཅིག་ཟེར་ནས། བློན་བུ་འགྲོ་བས་ཞག་བཅུ་གཉིས་ལོན་ནས་བཀྲ་ཅན་གྱི་མཚོ་ལ་ཕྱིན་ནོ། །བློན་བུས་མཚོ་དེ་ལས་ཞ་ཏེ་སྣོད་དུ་ཆུ་བླུགས་ཏེ་ལེན་ནས་ཕྱིར་ལོག་པ་ལ། རྒྱལ་བུ་སྐོམ་ནས་ཤིང་དེ་ལ་བསྐོར་བར་འགྲོ་བ་ལ་ཁྲང་བུ་གཅིག་མཐོང་ནས་བཙུག་པར་ཆས་པ་ལ། བྱད་གཟུགས་ལེགས་པའི་བུ་མོ་ཞིག་ལག་པ་གཉིས་ན་གསེར་གྱི་གཞོང་པ་དང་དངུལ་གྱི་གཞོང་པ་གཉིས་བསྣམས་ནས་གཅིག་ལ་བཟའ་བཅའ་སྣ་ཚོགས་དང་གཅིག་ལ་སྨན་སྣ་ཚོགས་ཀྱིས་བཀང་བར་གདའ། དེའི་ཕར་ཞོག་ཏུ་སྲུ་དིག་གི་སྒོ་ཡོད་དོ། །དེ་ལ་ཙུག་ཁར་བུ་མོས་ཐོགས་པའི་གཞོང་པ་བཞག་ནས་བཟུང་བས་ཕྲུལ་ཧྲིག་སྟེ་བཙུག་པ་ལ། དེ་ནང་བལྟས་པས་ཚོག་མི་ཤེས་པ་འོད་དང་ལྡན་པའི་མཁའ་འགྲོ་མའི་སྐུ་བརྙན་ཞིག་ཡོད་པ་མཐོང་ནས་དངོས་ཡིན་སྙམས་ནས་ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ་ཕྱིར་འཐེང་ཟེར་ནས་འདུག་པ་ལ། བློན་བུ་སླེབས་པས་རྒྱལ་བུ་མེད་པ་ལ་བརྩལ་བས་ལམ་ནི་ཁྲང་བུར་སོང་བས་བུ་མོ་དེ་སྔར་བཞིན་འདུག་གོ །བློན་བུས་

དྲིས་པ། ཁྱོད་སྤུའི་བུ་མོ་ཡིན་གཞོང་པ་ནི་ཅི་ཡིན་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། བདག་ཁྱོད་ལ་བརྟགས་ན་མཚན་དང་ལྡན་པའི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པའི་སྐུ་དང་འདྲ་བ་ཡིན་ནོ། བདག་ནི་ས་ཡི་ལྷ་མོ་ཡིན་ནོ།། བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཤིང་འདི་ལ་བླ་བ་རེ་རེའི་ཆོས་གཉིས་ལ་སངས་རྒྱས་སྟོང་བྱོན་པ་ཡིན་ཤིང་དོག་འདི་ཉིད་ཀྱིས་དེ་དག་ལ་མཆོད་པ་བྱས་པ་ཡིན་ནོ།།

སྨན་འདི་དག་གིས འགྲོ་བ་ཀུན་གྱི་ནད་རྣམས་མེད་པར་གྱུར་ཅིག་ཞེས་བསྔོ་ནས་ཕུལ་བ་ཡིན་ནོ། ཇོ་ཁྱོད་གང་ནས་བྱོན་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། བདག་བློན་པོ་འི་བུ་ཡིན་ནོ། །རྒྱལ་བུའི་ལམ་ནི་ཁྲང་བུ་འདིར་བཙུག་པར་གནང་བ་ལ། དེ་གང་དུ་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་དེ་མི་མ་ཡིན་པའི་གཟུག་བརྙན་མཐོང་ནས་ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ་བཅང་བཅང་བྱེད་དོ། །ཁྱོད་ནི་བཙུག་ན་ཡི་མི་ཡོང་ཟེར་བར། རྒྱུ་མཚན་གང་ཡིན་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་ར་རེ། སངས་རྒྱས་འོད་དཔག་མེད་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ནས་རྒྱལ་པོ་འོད་ཀྱི་རྒྱལ་མཚར་ཞེས་བྱ་བ་ཞིག་གི་བུ་མོ་གསེར་གྱི་རྒྱར་ཅན་ཞིག་གསེར་གྱི་ཤིང་རྟ་ཅན་གསེར་གྱི་གདུགས་བདུན་བསྣམས་ཏེ་སླེབས་ནས་སངས་རྒྱས་སྟོང་འདི་ལ་ཕྱག་འཚལ་བ་ལ། དེའི་འོད་ནི་ས་ལ་ཕོག་པ་མཐོང་ནས་མཁའ་འགྲོ་མ་དངོས་ཡིན་སྙམ་མམ། དེ་ན་སངས་རྒྱས་ཀྱི་སྐུ་བི་ཤྭ་ཀརྨས་བཟོས་ནས་འདིར་བསྐྱལ་བ་ཡིན་ནོ། །དེ་འི་འོད་ནི་སུས་ཀྱང་བལྟ་མི་ནུས་པ་ཞིག་ཡོད་དོ།། དེ་ཉི་ལེན་ནུས་ན་བུ་ཁྱོད་ནི་བླངས་ན་བི་ཤྭ་ཀརྨས་ཤེས་པ་ཡོད་དོ། ཞེས་ཟེར་བ་ལ། ད་སྔ་གང་ན་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། ལྷ་བརྒྱ་བྱིན་གྱིས་སྤྱན་དྲངས་སངས་རྒྱས་ཀྱི་སྐུ་ལོ་བཅོ་བརྒྱད་ལོན་པ་འཛམ་གླིང་ན་མེད་པས་ལུགས་སྐུ་མ་ཞིག་བསྐྲུན་ཟེར་བ་ལྟར་བསྐྲུན་པོ། །དེ་ནས་བུ་རེས་བརྒྱ་བྱིན་གྱི་ཡུལ་དུ་ཕྱིན་པ་ལ། བི་ཤྭ་ཀརྨའི་གཡོག་མོ་གཅིག་གིས་འགྲོ་བ་ལ། ཨོ་རེ་ཨ་ནའི་མཁའ་འགྲོ་མ་ཞིག་འོངས་ནས་སྐུ་བསྐྲུན་པས་པན་པར་རེ་ནས་ཡོང་བ་ཡིན་ཟེར་ནས། བུ་མོ་ཆུ་ལེན་ནས་འགྲོ་བའི་ཚོ་འདོམ་གཅིག་ལས་མི་བལྟ་བར་འགྲོ་བ་ལ། དེ་ལས་བྱས་དྲིས་པ། འདུལ་འཛིན་པ་ལྷ་བུ་རིགས་བཟང་གི་བུ་མོ་ཁྱོད་སུ་ཡི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། ཇོ་རིགས་བཟང་ཀུན་ལྡན་གྱི་བུའི་བུ་མོ་བི་ཤྭ་ཀརྨའི་ཟས་དཔོན་ཡིན་ནོ་ཟེར་བར། བུ་ན་རེ། བདག་བི་ཤྭ་ཀརྨའི་བུ་ཡིན་བས་ཕ་དང་མཇལ་བར་སླེབས་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོས་དེ་ལྟར་སྨྲས་ལ། བི་ཤྭ་ཀརྨ་ན་རེ། བདག་ལ་སློབ་མ་ལས་གཞན་པའི་བུ་མེད་པས་འཛམ་བུ

གླིང་གི་ཡུལ་ནས་འདིར་སླེབས་ནུས་ན་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་ཡིན་པར་འདུག་པས་བཙུག་ཟེར། བློན་བྲ་བཙུག་ནས་རྒྱ་མཚོ་རྒྱས་པར་སླེབས་ལ། ཟི་ཤྲཱ་ཀམྨ་ན་རེ། བདག་སངས་རྒྱས་འོད་དཔག་མེད་དེའི་སྤྲིན་བདག་རྒྱལ་པོ་རྒྱལ་མཚན་གྱི་བུ་མོ་བྱང་ཆུབ་ཤིང་དྲུང་དུ་སངས་རྒྱས་སྟོང་ལ་ཕྱག་འཚལ་བར་ཕྱིན་པས་དེའི་འོད་ནི་ས་ལ་ཟླག་པ་ལ་འོད་དེ་མཐོང་ནས་དགེ་ཡོན་ལ་བཀོད་པ་ཡིན། རྒྱལ་བྲ་དེ་འདོན་པའི་ཐབས་ནི་ངས་མི་ཤེས། སྲས་མོ་གསེར་གྱི་རྒྱན་ཅན་དེ་ནི་སླེབས་ན་འདོན་པ་ཡོད་ཟེར་བ་ལ། བྲ་ཉིད་བལྟས་ན་མཚན་བཟང་དང་ལྡན་པ་ཡིན་པས་ཕྱག་འཚལ་ནས། བརྒྱ་བྱིན་གྱི་ཤཱཀྱ་སྦྲ་ནི་ལོ་བཅོ་བརྒྱད་ལོན་པའི་ལུགས་སྐུ་མ་ང་ལ་སྟེར་ཟེར་བ་ལ། འོ་ན་རུང་ཞེས་སྨྲས་ནས་ཐེག་བདུབ་སྟེ་སོང་ནས་སྐུ་ཞིག་བསྒྲུབས་ཏེ་བྱིན་པས་གླངས་སོ།།

བྲ་དེས་སུ་ཁ་ཕྲ་ཏིའི་ཡུལ་དུ་སོང་བ་ལ། བླ་མ་ཨ་བ་ཧྲ་ཏི་ལ་མཇལ་ཏེ་ཕྱག་འཚལ་ནས་རྒྱ་མཚན་ཞུས་པ་ལ། བླ་མ་ཨ་བ་ཧྲ་ཏིས་འཇུམ་པ་མཛད་ནས་རྡོ་ནག་བདུན་གནང་ངོ་། དེ་བསྣམས་ནས་སུ་ཁ་ཕྲ་ཏིའི་ཞིང་ཁམས་སུ་ཕྱིན་པ་ལ། བྲ་མོ་གཅིག་གིས་ཅན་དན་འཐུ་བ་དང་མཇལ་ནས་བྲ་མོ་ལས་དྲིས་པ༑ གསེར་གྱི་རྒྱན་ཅན་གྱི་སྲས་མོ་ག་ན་ཡོད་སེམས་མཇལ་རུང་ངམ་ཟེར་བ་ལ། བྲ་མོ་ན་རེ། སེམས་འཕྲད་པ་ཕར་ཞོག་མི་ཡི་མིང་མ་ཐོས་པར་གནས་སོ། །གལ་ཏེ་མི་པོ་འི་མིང་ཐོས་ནས་གནོལ་པར་བྱེད་ན་སྟོད་བདུན་གྱི་ཆུས་བཀྲུས་ཏེ་ཙན་དན་དང་གུ་གུལ་གྱིས་བདུག་ནས། ཉིན་ཞག་བདུན་གྱི་བར་མཚམས་ལ་འཇུག་པ་ཡིན། བདག་ནི་དེའི་མ་མའི་ཁྲིམ་ལ་གནས་པའི་བྲ་མོ་ཡིན་ནོ། །དེའི་བཟའ་བཏུང་བཅོ་བའི་ཤིང་འཐུ་བ་ཡིན་ནོ་ཟེར་བ་ལ། བདག་བཙུན་མོ་དེའི་སྐྱེ་བ་སྔ་མའི་བྲ་ཡིན་པས་འཕྲད་དགོས་ཟེར་བ་ལ། བཙུན་མོ་ན་རེ། ང་ཡི་སྐྱེ་བ་སྔ་མ་ལ་བྲ་ཡོད་པར་མི་ཤེས་ཀྱང་སྐྱེ་བ་མང་པོ་ཡོད་པས་འཕྲད་ཟེར་བར། བྲ་སླེབས་ནས་བྲ་ལ་མས་འདི་སྐད་དོ། །བདག་སྐྱེ་བ་སྔ་མར་བྲ་ཡོད་པ་ནི་མི་ཤེས། བྲ་ཁྱོད་ནི་མངོན་ཤེས་དང་ལྡན་པ་ཡིན་པས་ཁྱེད་ཤེས་པ་ཡིན་ཞེས་དགའ་ནས། ཟབ་ཆོས་ཞུས་པས་གསང་སྔགས་ཀྱི་ཐེག་པ་ཆགས་ཐོགས་མེད་པར་བཤད་པས་ཡ་མཚན་ནས་འདུག་པར། བྲ་ན་རེ། ཁྱོད་ཀྱི་བྲ་མོ་ལ་སེམས་འཕྲད་དམ་ཟེར་བར། སྟར་གྱི་བྲ་མོ་འི་ངག་བཞིན་སྨྲས་སོ།།

དེ་ནས་བྲ་དེས་གསེར་གྱི་མེ་ཏོག་གཅིག་ཕྱེད་ནས་གོས་བཅེམས་ཏེ་གོས་དེ་ནི་རིན་ཐང་དཔག་ཏུ་མེད་

པའི་གོས་ཡིན། དེ་ཉིད་གསེར་གྱི་སྒྲོམ་དུ་བཙུག་ནས་མ་མ་ལ་གཏད་པས་མ་མས་མཐོང་ནས་ངོ་མཚར་
སྐྱེས་ནས་ཐྲག་པ་གཉིས་ན་བུ་གཉིས་ཡོད་པས། བུ་འདི་གཉིས་ཅི་ཡིན་ཟེར་བས། བུ་ན་རེ། བུ་
གཅིག་ནི་ཕོ་ཁྲ་ཡིན། གཅིག་ནི་མོ་ཁྲ་ཡིན་ཟེར་ནས། བཙུན་མོ་ཁྲིད་ཀྱི་གསོས་པའི་མཁའ་འགྲོ་
མ་ལ་སྐྱེས་སྐྱེལ་ཟེར་ནས་འདི་སྐད་དོ། བདག་གི་སྐྱེ་བ་སྔ་མའི་བུ་འོང་ནས་ང་དང་འཕྲད་རེ་ཁྲིད་དང་
འཕྲད་སྐམ་ཀྱང་མི་རུང་ཟེར་ནས་སྐྱེས་འདི་ནི་བསྐྱེལ་བ་ཡིན་ཟེར། མས་བུའི་ངག་ཀྲུས་པར་བཤད་
པས་སྲས་མོ་དེས་ཐྲངས་ནས་འདི་ལྟ་བུའི་ངོ་མཚར་ཅན་གྱི་གོས་འཛམ་བུ་གླིང་ལ་ཡོད་དམ་ཟེར་ནས་གོས་
གྱོན་པ་ལ། སྲས་མོ་འི་འོད་དང་གོས་ཀྱི་འོད་གཉིས་འདྲེས་ནས་ཤིན་དུ་ལྷར་ནེར་གསལ་ལོ། །སྲས་
མོ་དེས་ན་རེ། བུ་ནི་ཅི་ལྟ་ཡིན་སྐད་ཟེར་བས། བུ་གཉིས་ནི་ཁྲ་ཕོ་མོ་ཡིན་སྐད་ཟེར་བ་ལ། གནོད་
པོག་ཟེར་ནས་གོས་སྣུར་བར་ཕྲུད་དེ་མ་ལ་འཚོག་སྒེ་སྐོད་བདུན་གྱི་རྩུས་བཀུས་དེ་སྤྲོས་ཀྱིས་བདུག་ནས་
མཆམས་ལ་འཇུག་གོ །མས་ཅུ་བཞིན་སློབས་པ་ལ་བུས་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་ཅུ་ཟེར་བ་ལ། བུ་ཁྲ་ཕོ་མོ་ཡིན་
ཟེར་བ་ལ་བརྗེག་གོ་ཟེར། བུས་ཨ་ཙུ་ཙི་ཟེར་ནས་ཚོར་མཁན་ལ་སོང་ནས་གསུམ་བརྒྱ་བརྩེགས་བྱེད་
པའི་རས་གུར་ཁྲམས་ར་ཅན། སྒོ་བཞི་བཅུ་ཅན་གྱི་རས་གུར་བཞི་བཅུ་རྩ་དགུ། ཟླ་གམ་ཞྭ་མོ་ཞེ་དགུ
རེ། འཕྲིང་བ་བཞི་དགུ་བཅས་ཡིན་ནས་སོང་ངོ་། །དེ་ནས་རིན་པོ་ཆེ་སོགས་ནོར་གྱི་རིགས་ཤིན་དུ་མང་
པོ་བསྣམས་ནས། ཕྱིད་ནི་མ་ལ་བྱིན་པས་དགའ་ཞིང་འདུག་གོ །དེ་ནས་སློང་བ་པོ་ཞིག་བྱུང་ནས་བུ་ན་
རེ། བདག་སློང་བ་པོ་གཅིག་ཕྱུ་ལ་བྱིན་མི་རུང་མང་པོ་ལ་བྱིན་ཟེར་བས། སློང་བ་པོ་ཞེ་དགུ་བྱུང་བ
ལ་བཙུན་པའི་གོས་ཚང་བར་བྱིན་ནས། ང་ཅག་རྣམས་དགོན་པར་སོང་ངོ་བདག་ཅག་ནི་མི་ལ་མི་བཤད་
ཟེར་ནས། སངས་རྒྱས་འོད་དཔག་མེད་ཀྱི་འོད་ཟེར་འཕྲོག་པའི་རིན་པོ་ཆེའི་རི་ཆེན་པོ་འི་རྩེར་རས་གུར་
ལྔ་བརྒྱ་སོགས་བཀོད་ནས་རས་གུར་གྱི་གཙོ་བོ་ལ་བུ་འདུག །གཞན་རས་གུར་ཞེ་དགུ་ལ་ཟླ་མ་ཞེ་
དགུ་སྡོད་ནས་ནོར་མང་པོས་གང་ནས་འདུག་པ་ལ། རི་དེ་ལ་འགྲོ་བ་མང་པོས་ཟླ་བའི་ཆོས་གཅིག་ལ་
ཕྱག་བསྐོར་བྱེད་པའི་ཚེ། སྔ་ན་མེད་པའི་གནས་མཛེས་པ་ཞིག་ཡོད་པས་མི་རྣམས་འོངས་པས། རྒྱལ་
བློན་སོགས་རིམ་གྱིས་ཐོས་ནས་ཕྱག་བསྐོར་བྱེད་པའི་ཚེ། ང་ཡི་གནས་འདི་ལ་མི་མོས་སླེབས་མི་ཡོང་
ངས་མིང་ནི་ཐོས་ན་བདག་ལ་གནོད་སྒྲིབ་ཕོག་པ་ཡིན་པས་ཡེ་མི་ཚོག་ཞེས་ཟེར་བ་ལ། གལ་ཏེ་གྲིབ་

ཕོག་ན་སྟོད་ཞེ་དཀྱུའི་རྩུས་ཕྲུས་ཏེ་བསངས་དང་དྲི་བཟང་གིས་བྲུག་ནས་ཞག་ཞེ་དཀྱུར་མཚམས་ལ་འཇུག
པ་ཡིན། བདག་གི་ཕྲུས་སོགས་དེ་དང་འཕྲད་ན་སུས་ཀྱང་ཕྱག་བསྐོར་བྱེད་པའི་ལོང་མེད་ཞེས་ཟེར་བཙོལ
ལོ། །དེ་ནས་བླ་མ་ཡ་མཚན་ཅན་ཞིག་ནམ་མཁའ་ནས་འོང་བ་ལ་ཐོས་ནས་རྒྱལ་བློན་སོགས་འོངས་པ
ལ་མཆོད་རྫས་དཔག་ཏུ་མེད་པ་ཐོགས་ནས་བླ་མ་ངོ་མཚར་ཅན་ཞིག་ནམ་མཁའ་ནས་ཕེབས་པ་སློབ་མ་དང
བཅས་པ་འདུག་པ་ལ། རྒྱལ་པོས་ཞུས་པ། གང་ནས་བྱོན། གང་དུ་ཕེབས་ཟེར་བ་ལ། བླ་མས
བདག་དགའ་ལྡན་ནས་འོངས་འགྲོ་བ་ཀུན་ལ་ཕན་དོ་ཟེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཟབ་ཅན་སྐུར་དུ
འགྲོལ་བའི་ཆོས་ནི་འཆད་ཟེར་བ་ལ། བླ་མས་ཆོས་ནི་ལེགས་པར་བསྟན་ཏོ།།

དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་ཉིན་རེ་བཞིན་འགྲོ་བ་ལ། བཙུན་མོས་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་ཉིན་རེ་རེ་གང་དུ
སོང་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། རིན་ཆེན་རི་ལ་བླ་མ་ཆེན་པོ་ཞིག་ཡོད་པས་དེར་འགྲོ་ཟེར་རོ། །
བཙུན་མོ་ན་རེ། བདག་གིས་ཕྱག་འཚལ་དུ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བླ་མ་ལ་མི་མོས་ཕྱག་མི
ཚུང་སྐད་ཟེར་བ་ལ་བཙུན་མོ་ན་རེ། སངས་རྒྱས་ཀྱིས་འགྲོ་བ་ཀུན་ལ་བརྩེ་བར་མཛད་པ་ལ། མི
མོར་མི་བརྩེ་བ་ནི་སངས་རྒྱས་གང་གི་ཚུལ་ཡིན་ནས་བདག་གིས་ཕྱག་བགྱིད་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ན་རེ།
དེ་ལྟར་ཡིན་ནོ་ཟེར། བཙུན་མོ་ན་རེ། མི་རུང་བའི་ཚུལ་མེད་དོ། །བདག་གིས་ཀྱང་འགྲོ་ཟེར
བ་ལ། རྒྱལ་པོས་བློན་པོ་ཞིག་ལ་ཁྲིད་སོང་ལ་བླ་མ་ལ་ཞུས་ཤིག་ཟེར་བ་ལ། བློན་པོ་ཕྱིན་ནས་གཟིམ
འགག་ལ་སྨྲས་པས། ཕྱག་བྱེད་པའི་ཚུལ་མེད་དོ་ཟེར་ནས་ཁྲིམས་པ་ལ། བློན་པོ་སླག་ནས་ཁྱིམ་ལ
ཕྱིར་པས། རྒྱལ་པོས་བཙུན་མོ་ལ་སྨྲས་པས། བཙུན་མོ་ན་རེ། མི་མོས་དགེ་བ་མི་བྱེད་ན་འགྲོ
ཀུན་སྐྱིད་པ་མེད་དོ། །སངས་རྒྱས་ལ་ཕྱག་མི་འཚལ་ན་ཕྱིས་སུ་འགྱོད་པར་དཀའ་བ་ཡིན། །ད་ལྟ
འཆི་འཕོས་ནས་པོ་ཏ་སྐྱེས་ནས་ཕྱག་བགྱིད་ཟེར་ནས་སྐུར་དུ་མཚམས་ལ་འཇུག་པར་ཆས་པ་ལ། སྲས
མོས་གསན་ནས་ཨ་མ་འཕོས་པའི་རྒྱུ་ཅི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། ཨ་མས་བླ་མའི་རྒྱ་མཚན་རྒྱས་པར་བཤད
པས། སྲས་མོ་དེས་རྒྱལ་པོ་ལ་སྨྲས་པ། སྔོན་དུས་སུ་ཛེ་ལྷ་བུའི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་རྣམས
བུད་མེད་ནི་འཛིན་པ་ཡོད། ཡབ་ལྷ་རྒྱལ་པོ་གསན་པར་བྱེད་པ་ཡོད་དམ་ཟེར་བར། རྒྱལ་པོ་ན་རེ།
འདས་མ་འོངས་ད་ལྟར་བའི་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་རྣམས་ཀྱི་ཚུལ་ནི་བདག་གིས་མ་གསན། ཇི་འདྲའི

ཚུལ་ཞི་ན་ལྟར་ཡིན་ནོ་ཟེར་བ་ལ། ཨ་མ་དང་འདྲ་བར་འཆི་འཕོས་ཏེ་ལུས་གཅིག་འགྲོབ་ནས་ཕྱག་འཚལ་བྱེད་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་ཤིན་ཏུ་འཛིགས་ནས་བཙུན་མོ་དང་སྲས་མོ་རྣམས་དང་ངེས་པར་འབྲལ་ལོ་སྐམ་ནས་ཁྱེད་རྣམས་ད་དུང་སྡོད་ཅིག །བླ་མ་ལ་བདག་ཞུའོ་ཟེར་ནས་སོང་བ་ལ། བླ་མས་དྲུང་དུ་སླེབས་ཕྱག་འཚལ་ནས་སླུས་པ། བཙུན་མོ་དང་སྲས་མོ་རྣམས་ཕྱག་མ་འཚལ་ན་ངེས་པར་འཆི་འཕོས་པ་ཡོད་དེ་ཟེར་བར། བླ་མ་ན་རེ། ངེས་པར་འཆི་ན་བཙུན་མོ་དང་སྲས་མོ་རྣམས་ཕྱག་འཚོལ་གཞན་རྣམས་པར་ཞོག་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་པོ་དགའ་ནས་དེ་གཉིས་ཕྱག་འཚལ་དུ་ཕྱིན་ནོ། །དེས་གཟིམ་འགག་པ་ལ་སླུས་པ། བཙུན་མོ་སོགས་སྔོན་དུ་བཏང་ནས་སྲས་མོ་ རྗེས་སུ་བཙུག་ཟེར། རྒྱལ་པོ་སོགས་སྔོན་དུ་བཙུག་ནས་དེ་དག་གི་རྗེས་སུ་སྲས་མོ་འཇུག་པར་སྒོ་ཀུན་ཁེགས་ཏེ་བླ་མའི་དྲུང་དུ་སླེབས་ནས་ཕྱག་བྱེད་པའི་ཁར་བླ་མས་སྲས་མོ་འི་སྐྲ་ནས་བཟུང་སྟེ་འགྲམ་ལ་ཐལ་ལྕག་བརྒྱབ་པ་ལ། སྲས་མོ་ན་རེ། ཨའི་བླ་མ་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་བྲུས་ཟེར་བར། བླ་མ་ན་རེ། མཁའ་འགྲོ་མ་གང་གི་ཚུལ་དུ་མི་ཕོ་འི་མིང་ཐོས་ན་གནོལ་པ་ཡོད། མ་དང་མཁའ་འགྲོས་འགྲོ་བ་རྣམས་ཀྱི་དོན་མཐའ་དག་བསྒྲུབ་པ་ལ། ཁྱོད་ཀྱིས་ཅི་བྱས་པའི་བུ་མོ་ཡིན་ནམ་ཟེར་བར། བུ་མོ་ན་རེ། བླ་མའི་ཚིག་བདེན་ན་ཡང་བུ་མོ་བདག་རྒྱལ་པོ་བཞིས་སྐྱོང་བ་ཡོད། ཕོ་སྐྱེས་རྣམས་བདག་མཐོང་ན་ཆགས་སེམས་སྐྱེས་པས་ཕོ་ཡི་མིང་ཙམ་ཡང་མ་གསན་པར་སེམས་པ་ཡོད་ཟེར་བར། བླ་མ་ན་རེ། དེ་ལྟ་ཡིན་ན་བདག་གི་སྦྱིན་བདག་རྒྱལ་པོ་དཔལ་ཞེས་བྱ་བ་ཡོད་དོ། དེའི་བུ་དོན་གྲུབ་ཅེས་བྱ་བ་ཡོད་པས་དེའི་བཙུན་མོར་བྱ་བའི་ཆེད་དུ་སོང་ཟེར་བ་ལ། ཁྱོད་ཀྱི་ངག་བཞིན་བྱེད་པ་ཡིན་ནོ་ཟེར། བླ་མ་ན་རེ། བདག་འཛམ་བུའི་གླིང་དུ་སོང་ནས་མི་ཡི་ཆུང་མར་འགྱུར་བ་རྨིས་སྐད་ཞེས་རྒྱལ་པོར་ཞུས་ཤིག་ཟེར་རོ། །བུ་མོས་རྨི་ལམ་རྨིས་པ་བཞིན་དུ་རྒྱལ་པོར་ཞུས་པས། རྒྱལ་པོས་རྨི་ལམ་འདི་ནི་ལྟས་ངན་གྱི་རྨི་ལམ་ཡིན་ནམ། འོན་ཀྱང་བླ་མ་ལ་ཞུ་སྐམ་ནས་ཕྱིན་ཏེ་བླ་མ་ལ་ཞུས་པས། བླ་མ་ན་རེ། འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་པའི་དུས་ལ་བབས་པ་ཡིན་པས་ཤར་ཕྱོགས་ན་རྒྱལ་པོ་དཔལ་གྱི་བུ་ལ་ཆུང་མ་མེད་པས་དེ་ལ་བཙུན་མོ་བྱེད་པ་ཡིན་ཟེར་བ་ལ། དེ་ལྟ་བུའི་ཡུལ་དབེན་པར་སྲུས་ཕྱིན་ཟེར་བ་ལ། བླ་མ་ན་རེ། རང་ཉིད་ཀྱང་འགྲོ་བའི་དོན་ལ་རེར་སོང་ངོ་། །དེ་ལ་སྟེར་བ་ཡིན་ན་ང་དང་ལྷན་དུ་འགྲོ་ཡི་ཟེར་བ་ལ། ནོར་རྫས་དང་

བཅས་ཏེ་བུ་མོ་དེར་གཏོང་ངོ་༎

བླ་མས་སོང་ནས་བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཞིང་ལ་ཕྱིན་པ་ལ། བླ་མས་བུ་མོ་ལ་ན་རེ། བདག་གི་རྒྱལ་བུ་རིས་བྱང་ཆུབ་ཞིང་གི་དྲུང་དུ་སངས་རྒྱས་སྟོང་གི་སྤྱན་སྔར་ཕྱག་འཚལ་བྱེད་ནས་བི་ཤྭ་ཀརྨས་བཟློས་པའི་ཁྲོད་ཀྱི་ལུས་བརྙན་མཐོང་ནས་ཁྲང་བུ་ནས་མི་ཐོན་པས་ཁྲོད་ནི་བཙལ་ནས་རྙེད་དོ་ཟེར་བ་ལ། བུ་མ་ན་རེ། འོད་ཀྱི་མདོག་ལ་ཆགས་ན་ཞིར་དུ་རྫོངས་པ་ཡོད་དེ་ཟེར་བ་ལ། བླ་མ་ན་རེ། བདག་དེའི་བློན་པོ་འི་བུ་ཡིན་ནོ་ཞེས་རྒྱ་མཚན་ཞིབ་པར་བཤད་པས། ཁྲོད་རྒྱལ་བུ་ལ་སོང་ནས་འགྲོ་བའི་དོན་བྱེད་ན་རང་གཞན་གཉིས་ཀའི་དོན་བསྒྲུབ་བོ་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་ན་རེ། བདག་གིས་དེ་ལ་ཆུང་མར་འགྱུར་ན་སྡུག་བསྔལ་སྤྱོང་བར་འགྱུར་རོ། ང་ལ་མ་ཁྲེལ་ན་རྗེ་ཉིད་ཀྱིས་མ་བླངས་སམ་ཟེར་བ་ལ། བུ་ན་རེ། བདག་གིས་སྐྱེ་བ་འདི་ལ་ཆུང་མ་མ་བླངས་པར་བྱང་ཆུབ་སྤྱོད་པ་སྤྱད་པ་ཡིན་ནོ༎

ཁྱད་པར་དུ་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་སྒོམ་པ་ཡིན་ནོ། །བདག་རྒྱལ་པོ་གཅིག་གི་སྐྱེ་བ་ལེན་ནས་ཆུང་མར་བྱའོ་ཟེར་བ་ལ། བུ་མོ་དེས་ཞིར་དུ་ཡི་མུག་ནས་མི་འདོད་བཞིན་དུ་དེ་ལྟར་བྱས་སོ་ཞེས་ཟེར་ནས། མི་འདོད་བཞིན་དུ་ཁྲང་བུར་འགྲོ་བས་བུ་མོས་ཅིའི་ཕྱིར་དུ་རྗེ་ཁྱེའུའི་ཐབས་མཁས་ལ་ཐུག་ནས་ཡོངས་པ་ཡིན་ནམ་ཞེས་ཟེར་རོ། །བུ་དེ་སུ་རིག་གི་སློ་འི་པར་ཉ་གཟུགས་བརྙན་གྱི་ལག་ནས་བཟུང་སྟེ་འདོར་རོ་ཟེར་བཞིན་པར། སྲུས་མོས་བུའི་ལག་པ་ནས་བཟུང་བ་ལ། སྲུས་མོ་ལ་མཐོང་ནས་སྲུས་མོ་འི་ལག་པ་ནས་བཟུང་སྟེ་གདན་མི་ཉར་བས། སྲུས་མོས་འདི་ལས་ཐབས་གང་གིས་འབྲལ་ལོ་སྙམ་ནས་སེམས་གདུང་སྟེ་འདུག་གོ །དེ་ནས་སྲུས་མོས་འཁྲིད་པའི་མི་རྣམས་ལ་དགའ་སྟོར་བྱས་ཏེ་ལོག་པའི་རྗེས་སུ་རྒྱལ་པོ་སོགས་སློབས་སྟོན་མོ་བྱས་པ་དང་། དབུལ་པོ་ངས་ལ་སྦྱིར་པ་གཏོང་བ་སོགས་བྱས་ནས། བློན་བྱུས་བྱང་ཆུབ་ཀྱི་ཞིང་དྲུང་དུ་བཞུགས་པ་ལ། ངང་པ་ཕོ་མོ་གཉིས་འོངས་ནས་ངང་པ་ཕོ་ནི་མོ་ལ་ན་རེ། བློན་བུ་དེ་འི་མཐུས་རྒྱལ་བུ་སྐྱིད་ཀྱང་བསམ་པ་ཐག་པོས་སྐྱིད་ཀྱང་དོན་མེད་དོ་ཟེར་བ་ལ། ངང་མོ་ན་རེ། ཅི་འི་ཕྱིར་དུ་སྡུག་གམ། ངང་ཕོ་ན་རེ། རྒྱལ་པོ་གཟི་བརྗིད་ཅན་གྱི་སྲུས་མོ་བླངས་ཀྱང་སྲུས་མོ་འི་ཡབ་ཀྱིས་ཞེས་ན་བཙུན་མོ་ཉིད་ཀྱིས་དུག་སྦྱིན་པ་ཡོད། དེ་ནི་ཟོས་ན་ངེས་པར་འཆི་ཟེར་བ་ལ། ངང་མོ་ན་རེ། དེ་ལ་ཐབས་མེད་དམ་ཟེར་བར། དེ་ཤེས་པའི་མིས་འབོ་ན་སྐྱོན་ཅི་ཡོད་ཟེར་བར།

ངང་མོ་ན་རེ། སྡུག་བསྔལ་གཞན་ཡོད་དམ་ཟེར་བར་བསུ་བ་འོང་བ་ལ་ཧ་དཀར་པོ་དང་གོས་དང་ཤག་ཕྲུག
དང་གཞུ་སྦྱིར་བ་ཡོད། ཧ་ཞོན་ན་འབྲུག་འགྱུར་གོས་ཤག་ཕྲུག་ནི་གནམ་ལྕགས་སུ་འགྱུར་ནས་འཆིའོ།།
དེའི་ཕར་ན་བཙུག་པའི་མཚོན་ཆར་འགྱུར་ནས་བསད་པའོ། །བྲག་ལ་ཉལ་བས་མཚན་མོར་གཉིད
ལོག་པ་ལ་གདུག་སྦྲུལ་བྱུང་ནས་རྒྱལ་བུ་འདི་ནི་ཟའོ། །ངང་མོ་ན་རེ། མིས་དེ་ནི་ཛི་ལྷ་བུ་ཤི་བྱེད་ཟེར
བར། དེ་ནི་ཤེས་ནས་རྡོ་ཕ་བོང་དུ་འགྱུར་ན་གསོས་སོ། །སྨྲས་འདི་ལས་བུ་སྐྱེས་ན་བསད་ནས་ཁྲག
འཐུང་ངོ་ཟེར་ནས་འཕུར་སོང་ངོ་། །བློན་པོ་སེམས་པ་འདི་ནི་ཐབས་གང་གིས་སྐྱིད་སྙམ་ནས་རྒྱལ
བུ་དང་སྲས་མོ་གཉིས་བསད་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་ས་མཚམས་བྱས་ནས། རང་གི་རྒྱལ་པོ་གཟི་བརྗིད་ཅན་ལ
གདད་ནས་ཕྱིན་པས། རྒྱལ་བཙུན་ལ་ཞུས་པ།།

བདག་འཕགས་པ་སྤྱན་རས་གཟིགས་ལ་ཕྱག་འཚལ་ནས་མཚམས་ལ་འཛུག་ནས་གྲོལ་དེ་སྲས་མོ
སྐྱང་པར་བྱེད་པར་འོངས་སོ་ཟེར་བ་ལ། རྒྱལ་བཙུན་གཉིས་སྲས་མོ་སྐྱེར་རོ། བུ་ན་རེ། བདག
བུ་མོ་རང་གི་ཕ་མར་ཞུས་དེ་བློངས་སྐམས་ནས་སློང་བས། སྲས་མོ་སྐྱེར་བ་ལ་རྒྱ་མཚན་རྣམས་སྨྲས
མོ་ལ་རྒྱས་པར་བསྐྱད་ནས་རྒྱལ་བུ་ལ་སྐྱེར་རོ། །རྒྱལ་པོ་སྤྱར་ནི་འཇིགས་ནས་ཚོད་ན་མི་ཚུགས་དུག
གིས་ཚུགས་སོ་སྐམ་ནས་སྐྱེར་བ་ལ་ལེགས་སོ་ཟེར་རོ། །ཕོ་ཉ་སོང་བའི་རྗེས་སུ་དུག་ནི་ཆུ་ལ་བཏབ
པས་ཆུ་བསྐོལ་ལོ། །ཕོ་ཉ་སླེབས་པ་ལས་སླེབས་པ་ལ། ཡང་ཧ་དཀར་པོ་དང་གོས་དང་གཞུ་རྣམས
སྐྱེར་བ་ལ་བློན་བུས་དགའ་སྟོན་བྱས་སོ། །དེ་ནས་ཧ་དེ་ཤིང་ལ་བདགས་དེ་གོས་ནི་གྲོན་ཤག་ཕྲུགས་ཀྱིད
ལ་བདགས་པ་ལ་ཧ་དེ་ནི་འབྲུག་གྱུར། ཤག་ཕྲུགས་ནི་གནམ་ཐོག་ཏུ་གྱུར། གོས་ནི་མེའི་ཕུང་པོར
གྱུར་ནས་ཤིང་དེ་ནི་ཚ་བ་ནས་བརྡུག་གོ །དེ་ནས་རྒྱལ་བུ་དང་སྲས་མོ་གཉིས་འབྲོས་སོ། །བློན་བུས
སྒོ་རྣམས་གསོལ་དེ་བྱས་པ་ལ། རྒྱལ་བུ་སྒོར་བཙུག་པ་ལ་སྒོ་དེ་ཉིད་རྡོར་གྱུར་ནས་མནན་པ་ལ་སྲས
མོ་ཞེས་འབོད་ང་ལ། བློན་བུས་འདྲེན་ནོ། བློན་བུས་འདི་སྐད་ཅེས་སེམས་སོ། །འདི་ནི་འཇིགས
པ་ལས་སྐྱོབས་སོ། །མཚམས་དེ་ནི་འཇིགས་པ་བྱུང་བས་དེ་ལས་སྐྱོབ་སྙམ་ནས་བསྡད་པ་ལ། སྦྲུལ
ཆེན་པོ་ཞིག་བྱུང་ནས་མེད་པར་བྱས་ཁར་ཤེས་རབ་ཀྱི་རལ་གྲིས་བསད་དོ། སྦྲུལ་ཁྲག་རྒྱལ་བུའི་མཆུ
ལ་ཕོག་པས། བློན་བུས་དུག་ཁབ་སྙམ་ནས་ཁྲག་འཕྱི་བས་སད་ནས་ཁྱོད་ནི་ང་གསོད་པའི་དགོས་པ

ཅི་ཡོད་ཟེར་ནས་འཐབ་རྩོད་བྱས་པ་ལ། བློན་བྱས་ན་རེ། ཁྱོད་ཉིད་ར་རྩ་འགྱུར་བར་དོགས་ནས་མི་
སྨྲས་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུས་ཐོས་ནས་རལ་གྲི་བརྒྱབ་བོ། བློན་བུས་ཁྱོད་ཀྱི་ལག་ཏུ་གསོད་པ་ལས་
རྡོ་ནག་ཏུ་འགྱུར་བ་ལེགས་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། རྡོ་བར་འགྱུར་ན་གསོ་བའི་ཐབས་ཡོད་དམ་
ཟེར་བར། བློན་བུ་ན་རེ། ཁྱོད་ཀྱི་བཙུན་མོར་ཁྲག་བྲུག་ན་སོས་ཟེར་བར། རྒྱལ་བུས་ཁྱོད་ནི་
རྡོར་འགྱུར་བ་ནི་གང་ཟེར་བར། བློན་བུ་ན་རེ། སྤྲུལ་ཉིད་ཁྱོད་མེད་པའི་ཁར་བསད་པ་ནི་བདེན་པ་
ཡིན་ཟེར་ནས་རྡོ་རྩ་གྱུར་ཏོ། །དེའི་ནང་བར་བཙུན་མོ་འོངས་ནས་བློན་བུ་གང་དུ་འགྲོ་ཟེར་བར། རྒྱལ་
བུ་ན་རེ། གཡོ་ཅན་རང་གི་ཁྱིམ་དུ་སོང་ཟེར་བར། རྡོ་འདི་ནི་ཅི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ་སྔར་ཡོད་པའི་
རྡོ་ཡིན་ཟེར། སྤྲུལ་འདི་ཅི་ཡིན་ཟེར་བ་ལ་མཚན་མོ་ཉིད་ལ་སྤྲུལ་འོངས་པས་ངས་བསད་པ་ཡིན་ཟེར་
བ་ལ། བློན་བུ་མི་འོངས་པས་གང་དུ་སོང་ཟེར་བ་ལ། དགོས་པ་ཞིག་གི་ཆེད་དུ་གཞན་དུ་འགྲོ་ཟེར་
བར། སྲས་མོ་སྨྲེ་སྔགས་བྱས་ནས་རྒྱལ་བུ་མི་བདང་བར་བཅང་ནས་བསྡད་པ་ལ། རྒྱལ་བུ་ཐར་བའི་
ཐབས་མེད་པར་གྱུར་ནས་རྒྱ་མཚན་ཞིབ་པར་སྨྲས་པས། བཙུན་མོ་གཉིས་ཀྱིས་རྒྱལ་བུས་བསད་པ་ཤེས་
ནས་བཙུན་མོ་གསེར་གྱི་རྒྱན་ཅན་གྱིས་སྨྲས་མ་ཡིན་པས་བུ་བཙའ་ནས་བསད་ལ་རྡོ་ནག་ཏུ་བྲུག་པས་བློན་
བུ་གསོས་སོ།།

གསོས་ནས་དགའ་ལྡན་ནས་བདུད་རྩི་སྨན་ཡོངས་ནས་བུ་ཆུང་ངུ་གསོས ལ་བདག་གིས་རྒྱལ་བུ་
འདི་དང་འབྲལ་ལོ་ཟེར་ནས་ནམ་མཁའ་ལ་འཕུར་སོང་ནས་ཀླུང་གི་དཀྱིལ་འཁོར་ལ་འདུག་གོ ། བཙུན་
མོ་གཉིས་བུ་བང་ནས་འཕུར་སོང་ནས་དེར་བསྡད་དོ། ། རྒྱལ་བུ་ཁང་སྟེང་དུ་འཛེག་སྟེ་བལྟ་བར་སོང་
ནས་ལྕུང་སྟེ་ཀང་པ་ཆག་ནས་ཉལ་བ་ལ། རྒྱལ་བུ་རང་གི་ཡབ་རྒྱལ་པོ་འོངས་ནས་མིག་གཉིས་བཀོ་ནས་
ཀང་ལག་རྣམས་ཆག་རས་འདམ་རྫབ་ཀྱི་ནང་དུ་དོར་རོ། ། སྲས་མོ་སྨུག་བསྒྲལ་ལས་སྐྱོབ་ཞེས་འབོད་པས་
གསེར་གྱི་རྒྱན་ཅན་གྱིས་འགྲོ་བ་སྐྱོབས་པའི་མཁའ་འགྲོ་མ་ཡིན་པས་ཕྱུ་བདབ་ནས་གསོས་སོ། ། ཡང་
ཡབ་རྒྱལ་པོས་མཐོང་ནས་བསྐྲད་དོ། ། ལམ་ཞིག་ཏུ་སོང་བ་ལ་བློན་བུས་མདུན་དུ་ནི་གསེར་སྤྲུངས་བྱས་
པས་རྒྱལ་བུས་གསེར་གྱི་ཐད་དུ་འགྲོ་ནས་སླེབས་ཁར་ངས་མིག་ལོང་བྱེད་ཟེར་ནས་འགྲོ་བས་མི་མཐོང་ངོ།།
བློན་བུས་སྲས་མོ་ཁྱོད་ནི་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་རྒྱས་པའི་དུས་ལ་བབས་བ་ཡིན་པས། གསེར་གྱི་

ཀྲུན་ཅན་ཁྲོད་ རི་བ་མ་ལ་ཡའི་མདུན་ཕྱོགས་སུ་སང་ལ་སངས་རྒྱས་ཀྱི་བསྟན་པ་སྐྱོང་བའི་རྒྱལ་པོ་འི་སྲས་
མར་སྐྱེས་ནས་འགྲོ་དོན་བྱེད་དོ། །དངུལ་གྱི་ཀྲུན་ཅན་ཁྲོད་མ་ལ་ཡའི་བྱང་ཕྱོགས་སུ་དེ་ལྟར་དོན་བྱེད་
དོ་ཟེར་བ་ལ། གསེར་གྱི་ཀྲུན་ཅན་གྱིས་ན་རེ། བདག་ནི་ཁྱེད་ཀྱི་ནུ་བོར་སྐྱེའོ་ཟེར། དེ་ནས་སྲས་མོ་
གཉིས་ཤི་འཕོས་སོ། །བུ་ནི་མཚམས་ལ་འཇུག་གོ །བློན་བུས་རྒྱལ་བུ་སྡུག་བསྔལ་ལས་སྐྱོབས་
པའི་ཆེད་དུ་རང་གིས་བླ་ཤན་ཞིག་ཏུ་སྤྲུལ་ནས་རྒྱལ་བུའི་ཉེ་འདབས་སུ་ཕྱིན་ནས་མདུན་དུ་བཞུགས་པ་ལ།
རྒྱལ་བུ་སྐྱབས་ནས་ཕྱག་འཚལ་ནས་འདུག་པ་ལ། བླ་མ་ལགས། གང་ནས་བྱོན་གང་དུ་ཕེབས་ཞུས་
པར། བླ་མ་ན་རེ། འཁོར་བའི་སྡུག་བསྔལ་ལས་འཇིགས་ནས་མི་མེད་པའི་ནགས་ཁྲོད་དུ་བསམ་
གཏན་བསྒོམ་པར་འགྲོ་ཟེར་བས། རྒྱལ་བུ་ན་རེ། བདག་སློབ་མར་འགྱུར་ནས་འགྲོགས་པས་
བདག་ལ་སྒོམ་པ་འབོགས་གནང་ཞུས་པར། སྒོམ་པ་འོགས་བསླབ་བྱ་རྣམས་ལེགས་པར་གདམས་
ནས་འཁྲིད་པ་ལ། རི་བོ་གཅིག་ལ་གནས་པའི་གཙུག་ལག་ཁང་ཞིག་མཐོང་ནས་བླ་མ་དེར་བྱོན་ལགས་
སམ་ཞུ་བ་ལ། བླ་མ་ན་རེ། དེར་ཕྱིན་པའི་དགོས་པ་ནི་ཅི་འགྲུབ། སློབ་མས། ང་ཅག་ལ་
ལྟོ་དགོས་པས་སློང་མོ་བྱེད་ཟེར། བླ་མས། འོ་ན་ངས་ཕྱག་འཚལ་བྱེད་པར་ཡོང་། ཁྱོད་འདི་
ན་སྡོད་ཟེར་ནས་སོང་བས། བླ་མའི་ཞབས་ལ་ཧོ་ཐོགས་དེ་མ་རུ་སོང་། དེ་སྐབས་སློབ་མས་གསེར་
གྱི་དོང་ཙེ་གཅིག་རྙེད་དེ་དགའ་བཞིན་འདུག་པ་ལ། བླ་མའི་ཞབས་ལ་ཁྲག་ཆགས་པ་མཐོང་ནས་དེ་ལ་
ཕྱག་འཚལ་བའི་དགོས་པ་ཅི་ཡོད། བདག་གིས་རྙེད་པའི་གསེར་གྱི་དོང་ཙེས་ཚོག་གོ་ཟེར་ན་མཐོང་ངོ།།
དེ་ནས་ཡང་གཙུག་ལག་ཁང་གཅིག་མཐོང་སྟེ་སྐྱབས་ཁར་དུང་འབྲུད་པས། སློབ་མ་ན་རེ། བདག་
ནི་འགྲོ་ཟེར་ནས་ཕྱིན་དགོན་པར་བཙུག་གྲལ་ལ་འཁོད་པས་དེ་འི་སྐྲ་སྐྲན་པར་སྒྲ་བས། རྒྱལ་བློན་དང་
དགེ་འདུན་རྣམས་ཀྱིས་ཤ་ལས་དེ་མཆོག་ཏུ་ཡ་མཚན་པར་གྱུར་ཏོ། །དེ་ལ་འབུལ་ནོར་མང་པོ་བྱུང་བས་
རྙེད་པ་ཆེར་རྙེད་དོ། །དེ་ནས་སློབ་མས་བླ་མ་ལ། ཁྱོད་ནི་བདག་གི་སློབ་མར་འོས། བདག་ནི་
ཁྱོད་ཀྱི་བླ་མར་འོས་པ་ཡིན་ཟེར་བས། འོ་ན་ཏུང་ཟེར་ནས་སློབ་མའི་ཚུལ་དུ་བསྡད་པའི་ཚེ། མཚན་
མོ་ཅིག་ལ་ཁོ་ན་རེ། རྒྱལ་པོས་ང་ལ་དོ་ནུབ་ཤོག་ཟེར་བས་ང་འགྲོ་ཟེར་བ་ལ། བླ་མ་ན་རེ། དེར་
ཕྱིན་པའི་དགོས་པ་མེད་ཟེར་བ་ལ་མ་ཉན་པར་སོང་ངོ་། །དེ་རྒྱལ་པོ་འི་བཙུན་མོ་ཆུང་བའི་གནས་སུ

སོང་སྟེ་སྒོ་ལྕགས་ཤིག་སྟེ་བཙུན་མོ་བརྒྱ་ནས་ཕྱིར་ལོག་པས། བླ་མས་འདི་ཅི་ཡིན་དྲིས་པས། ཁོ་ནས་ཅི་ཡང་མི་སླ་བར་སྨུར་དུ་འགྲོ་ཟེར་ནས་སོང་ངོ་། །སློབ་མ་དེས་བཙུན་མོ་ཁྲར་དེ་འགྲོ་བ་ལ་བཙུན་མོ་སད་དེ་འོ་དོད་འབོད་བྱེད་བྱེད་པ་ལས་ཁོ་འི་མགུལ་དུ་ཞོན་ནས་མགུལ་བར་གཤང་གཅི་འདོར་རོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་ཤེས་ནས་སྐེགས་དེ་བཙུན་མོ་ཐོབ། སློབ་མ་དེ་བཟུང་ནས་སྲོག་ཉ་མ་ཆད་ཙམ་དུ་བརྡེག་གོ། །བླ་མས་ལྡགས་བདབ་སྟེ་གསོས་ནས་འགྲོ་འོ། །དེ་ནས་དགོན་པ་གཅིག་ལས་སྟེར་བཞིན་གསེར་དངུལ་ལས་བྱས་པའི་མཆོད་རྟེན་གཉིས་བརྒྱ་བས་དགེ་འདུན་རྣམས་ཤེས་ཤིང་སྐེགས་པས་བླ་སློབ་དེ་གཉིས་མཐོང་བས་བཟུང་སྟེ་གཡེངས་པས་བླ་མའི་འཁྲར་ནང་ནས་གསེར་གྱི་མཆོད་རྟེན་རྙེད། སློབ་མའི་ཁྲར་ནས་དངུལ་གྱི་མཆོད་རྟེན་རྙེད་པས། དེ་གཉིས་བཟུང་ནས་མ་བདང་བ་ལ། སློབ་མས། ངས་བརྐུས་པ་ཡིན་ངའི་ལུས་ཞིག་སྟེ་སྡོང་པར་གྱུར་ཅིག་ཞེས་པ་དང་། བླ་མས། ངས་ངེས་པར་བརྐུས་པ་ཡིན་ན་ངའི་ལུས་འདི་རང་བཞིན་དུ་གནས་པར་གྱུར་ཅིག །གལ་ཏེ་མ་བརྐུས་པ་ཡིན་ན་འོད་ཀྱི་རང་བཞིན་ཅན་དུ་བཞུ་ནས་གསེར་གྱི་མཆོད་རྟེན་འདི་ལ་ཐིམ་པར་གྱུར་ཅིག་ཅེས་དམོད་པས་སློབ་མའི་ལུས་སྡོང་པར་གྱུར། བླ་མའི་སྐུ་འོད་ཟེར་སྣ་ཚོགས་པར་གྱུར་ཏེ་མཆོད་རྟེན་ལ་ཐིམ་པས། དེ་དག་ཡ་མཚན་དུ་གྱུར་ཏེ་སློབ་མ་དེ་འདྲེ་དངོས་སོ། །བླ་མ་འདི་སངས་རྒྱས་དངོས་ཡིན་ནོ་ཞེས་ཟེར་ནས་ཕྱིར་ལོག་གོ །མཆོད་རྟེན་དེ་བསྐལ་པ་སྟོང་གི་ངར་དུ་མི་གཞིག་པའི་རང་བཞིན་ཅན་དུ་གྱུར་པས་ར་ཛ་གྲི་ཧའི་དགོན་པར་རྟེན་གྱི་གཙོ་བོར་བཞུགས་སུ་གསོལ་ལོ། །དགའ་ལྡན་གྱི་གནས་འཕོ་བའི་དྲུང་སྐྱོང་གཉིས་ཀྱི་ལོ་རྒྱུས་ཤིང་མི་བཅུ་གཉིས་པས་སྨྲས་པའི་ལེའུ་སྟེ་བཅུ་གཉིས་པའོ།། ||

ལེའུ་བཅུ་གསུམ་པ།

༄ དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཨཛྫི་བུཛྫིས་ཡང་ཁྲི་ལ་བསྐྱོད་པར་ཆས་པ་ལ། ཤིང་མི་གཅིག་གིས་རྒྱལ་པོ་ཁྲོད་ཕྱིར་ལོག །འདུག་མི་རུང་། ངས་རྒྱལ་པོ་བི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏའི་བརྗོད་ཀྱི། ཉོན་ཅིག་ཟེར་ནས། སྔོན་རྒྱལ་པོ་ཉི་མ་ཞེས་བྱ་བ་ལ་བཙུན་མོ་མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་ཞིག་ཡོད་དོ། །བཙུན་མོ་དེ་ལས་མ་གྲད་དའི་མདོག་ཅན་གྱི་ཁྱེའུ་དང་བུ་མོ་གཉིས་བཙས་སོ། །ཁྱེའུ་དེའི་ན་བ་གཉིས་གཡུ་དང་

འདྲ་བས་གཡུའི་ན་ཅན་རྒྱལ་བུ་ཞེས་མིང་གདགས་སོ། །རྒྱལ་པོ་དང་བཙུན་མོ་གཉིས་ཀྱིས་དེ་གཉིས་ལ་ཤིན་ཏུ་གཅེས་ཤིང་བརྩེ་བར་བྱེད་དོ། ཕྱིས་བཙུན་མོ་འདི་ཏུད་གཟུགས་ཇེ་དམན་དུ་འགྲོ་བ་ལ་ཡི་སྨུག་སྟེ་རྒྱལ་པོས་བཙུན་མོ་ལ་ཁྱོད་ཀྱི་བྱད་མདོག་སྔར་ལས་ཇེ་དམན་དུ་འགྲོ་བས་ཁྱོད་ཀྱི་ལུས་ལ་ནད་ཕོག་གམ་ཅི་ཉེས་ཅེས་དྲིས་པས། བཙུན་མོ་ན་རེ། ཀྱེ་རྒྱལ་པོ་མཁྱེན་མཁྱེན། བདག་གི་ལུས་ལ་ནད་ཙུང་ཟད་ཀྱང་མེད། འོན་ཀྱང་འགྲོ་བ་གང་ཡང་སྐྱེ་བའི་ཐ་མ་འཆི་བ་ཡིན་པས་ངའི་རྗེས་སུ་དྲིན་ཅན་གྱི་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ཀྱིས་ཕྲུ་གུ་གཉིས་སྡུག་བསྔལ་བར་འགྱུར་བ་ལ་བསམས་ཏེ་ཉིན་རེ་བཞིན་སེམས་སྐྱོང་ཤིང་གདུང་བས་ནད་དངོས་དྲག་པོ་ཐེབས་པ་ལས་ལྷག་པའི་སེམས་ཚོར་སྡུག་བསྔལ་དཔག་ཏུ་མེད་པས་ཤིན་ཏུ་མནར་བར་གྱུར་དོ་ཟེར་བས། རྒྱལ་པོས། ཀྱེ་ནད་གཅེས་པའི་བཙུན་མོ་གསོན་ཅིག །མ་ལ་བུ་ཕྲུ་གཉིས་པོ་ལ་ང་ཅག་མིག་འབྲས་ལས་ཀྱང་ཤིན་ཏུ་གཅེས་ཡོད་ལ་ཁྱུ་བུ་ཅག་ལས་གང་སྔར་འདས་ན་ཕྱིས་ལུས་པ་གང་ཡིན་པ་དེ་ནི་བུ་ཕྲུ་གཉིས་ལ་ཆེས་ཤིན་ཏུ་གཅེས་ན་སྡུག་བསྔལ་སྐྱོང་བའི་ཚུལ་ནི་ག་ལ་ཡོད། ཞེས་ཟེར་རོ།།

དུས་རེ་ཞིག་ན་སྙིང་ལྷར་གཅེས་པའི་བཙུན་མོ་ནི་འཁོར་བའི་ཆོས་ཉིད་འཛིན་པ་ལ། ཐམས་ཅད་ཀུན་གྱི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་དང་། །གཅེར་བས་སྐྱོང་བའི་དཔོན་བློན་ཆེ་ཆུང་དང་། །འབངས་ཆབ་མང་དང་མངའ་འོག་ལ་སོགས་པ། །སྐྱར་ནི་འགྲོ་ཀུན་སྡུག་བསྔལ་ལ་སྤྱོར་རོ། །ཞེས་ལོ་གསུམ་གྱི་བར་སྐྱ་ངན་བྱེད་པ་ལ། །དེ་སྐབས་དཔོན་བློན་ཆེ་ཆུང་སོགས་ཀུན་གྱིས་ཤེས་ནས། ཐམས་ཅད་གཙོར་བྱེད་བློན་པོ་སྤྲུལ་པ་དང་། །ཤར་ཕྱོགས་གཙོར་བྱེད་བློན་པོ་མཛངས་པ་སོགས་ཚོགས་ནས་བགྲོས་པས། ཤར་ཕྱོགས་བསྐོས་པའི་བློན་པོ་མཛངས་པ་ན་རེ། རྙེད་པར་དཀའ་བའི་བསྟན་སྲིད་རིན་ཆེན་ལྷ་བུ་རྣམ་གཉིས་ཤིན་ཏུ་རྒྱས་པར་བྱེད་པོ་མི་དབང་རྒྱལ་པོ་འདི་ནི་ཤིན་ཏུ་སྐྱོ་ཤས་ཆེན་པོས་རྟག་ཏུ་མནར་བཞིན་པར་ཡོད་པས་དགོས་པ་ཅི། དེའི་ཕྱིར་ཐམས་ཅད་འཚོགས་ཏེ་ཇོར་པ་བྱས་ན་རྒྱལ་པོའི་སྐྱོ་སེང་ཡང་འདྲ་སྐམ་ཟེར། འོན་ཀྱང་ཁྱེད་རྣམས་ཀྱིས་ཇི་ལྟར་བྱས་ན་དྲག་དུ་དགོངས་ཞེས་སྨྲས་པ་ལ། གཡས་ཕྱོགས་མི་འཚོ་བ་བསྐོས་པའི་སྤྲུལ་པ་བློན་པོ་ན་རེ། འོ་སྐོལ་མ་ལ་རྒྱལ་བློན་འབངས་སོགས་ཀུན་གྱི་སེམས་མཐུན་ཕྱིར་དུ་གྲོས་བྱེད་པ་ལགས་ན་ང་གཅིག་པུས་འདའ་མི་ནུས་པས་ཐབས་མེད་དོ་ཞེས་ཟེར་ནས་ཀུན་གྱིས་ཇོན་པ་བྱེད་པར་གྲོས་འདེབས་ཏེ། རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པས་རྒྱལ་པོ་དགའ་སྟེ་ཇོན་པ་བྱས་སོ། །གཡས་ཀྱི་

བློན་པོ་གཡས་དང་། གཡོན་གྱི་བློན་པོ་གཡོན་ཕྱོགས་སུ་འགྲོ་བ་ལ། གཡས་བློན་གྱི་ལོགས་ཤིག་ཏུ་བུད་མེད་གཞོན་ནུ་མ་འདུག་པ་མཐོང་ནས་སྙིང་ལ་མདའ་ཕོག་པ་ལྟ་བུར་གྱུར་ཏེ་ཕྱིར་བལྟས་ཏེ་སོང་ངོ་། དེའི་རྗེས་སུ་རྒྱལ་པོ་འོངས་པས། བུད་མེད་གཡོ་ཅན་དེའི་ལུས་ལ་འོད་ཐོན་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་མིག་ལམ་དུ་ཕོག་པས་རྒྱལ་པོ་དེའི་བསམས་པ་ལ་མི་འདིའི་འོད་ངོ་མཚར་ངོ་སྐམ་སྡེ་རིམ་གྱིས་གཡོ་ལྡན་མོ་དེའི་གམ་དུ་སོང་བ་དང་། བྲག་ཁྲང་གཅིག་གི་ནང་དུ་བལྟས་པས། བུད་མེད་གཞོན་ནུ་མ་མཛེས་ཤིང་ཤིན་ཏུ་ཡིད་འཕྲོག་པ་ལྟ་བུ་ཡོད་པ་ལ། ལྷས་བདག་ལ་སྐལ་བའི་ཉལ་ལྡན་བཙུན་མོ་ཕེབས་པ་འདྲ་ཞེས་དགའ་ནས་བླངས་ཏེ་ཕོ་བྲང་དུ་སོང་ངོ་། རྒྱལ་པོ་ཕོ་བྲང་དུ་ཕྱིན་པའི་རྗེས་སུ་ཤིན་དུ་གཅེས་པའི་བཙུན་མོ་དང་བུ་ག་རྣམས་ཐམས་ཅད་བརྗེད་དོ། །སྒྱུལ་པའི་བློན་པོ་བཟང་པོ་བློ་གྲོས་ཅན་དེས་བུ་ག་གཉིས་བདུད་མོ་འི་ལག་ཏུ་ཤོར་བར་རྟོགས་ནས་ཁོང་རྣམས་ལ་མ་ཚོར་བར་ཕོ་བྲང་ཞིག་ཏུ་སྦྲས་ཏེ་ཕྱིར་མ་ཐོན་པར་གཞུག་གོ། དུས་རེ་ཞིག་ན་གནོད་སེམས་ཅན་འདུད་མོ་དེ་པོ་བྲང་གི་ཕྱི་ལོགས་ཤིག་ཏུ་སྡོད་པའི་ཚེ། དཀོན་པའི་བུ་ཆུང་གཉིས་སྐྱོ་སེང་བའི་ཕྱིར་ཚོགས་ཏེ་རྩེད་མོ་བྱེད་ཅིང་ཕར་ཚུར་འགྲོ་བས། འདྲེ་དངོས་བདུད་མོ་དེ་ཡི་མིག་ལམ་ཕོག་པ་ཡིས། །ཚོགས་འཁྲིད་བྱེད་པའི་མི་རྣམས་མ་ལུས་བསྐུས། །བདུད་མོས་ཡང་ཡང་བརྟེག་ཅིང་ནན་གྱིས་དྲིས་པ་ལ། དེར་ཚོགས་མི་ལམ་ཐ་ཤལ་གཅིག་ཙམ་ལ། །དེ་གཉིས་བདེན་སྨྲས་བསམ་པ་ཡི་མེད་ཀྱང་། །བདུད་མོ་འི་མཚར་ངག་གཟི་ཆེན་དུག་ཆེན་གྱིས། །རང་དབང་མེད་པར་རྒྱུས་པར་སྨྲས་ཟེར་དོ།།

དེ་ནས་སྡིག་ཅན་བདུད་མོ་དེས་བུ་གཉིས་ཀྱི་རྒྱུ་མཚན་རྣམས་ལེགས་པར་ཤེས་ནས་བདུད་མོས། ཁ་ལ་མཚལ་དང་ཚོན་སེར་གཉིས་འགོས་པས། །ཁ་སྦུབ་འཁྱིལ་ཞིང་སྐྲུགས་ཏེ་ཉལ་བར་བྱེད། གཙང་ནད་ཤིན་ཏུ་ལྡང་བའི་རྣམ་འགྱུར་གྱིས། །ནད་ཚབས་ཆེན་པོས་མནར་བའི་སྐྱུ་བྲེད་བྱེད། དེ་ལ་རྒྱལ་པོ་སོགས་ཀུན་གྱིས་ན་ལས་དེ་ཡི་སྨུག་བྱེད་ཅིང་སྨན་དཔྱད་སོགས་གང་ཅི་བྱས་ཀྱང་ཕན་པ་མེད་ཐོག་བདུད་མོས་ཁ་ནས་སྐྱི་ངག་སྨ་ཚོགས་འདོན་དོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས། བཙུན་མོ་ལ་ཁྱེད་སྟེར་ནད་འདི་ལྟ་བུས་ཐེབས་པ་ཡོད་དམ། ཡོད་ན་སྨན་གང་གིས་ཕན། ནད་ཀྱི་རྒྱུ་ནི་ཤིན་ཏུ་ལྡང་ངམ་ཞེས་དྲིས་པས། བཙུན་མོ་ན་རེ། དྲིན་ཅན་མི་ཡི་དབང་པོ་ཁྱེད་ཉིད་ལས། །ད་ལྟ་རིང་དུ་འགྱུར་བའི་དུས་ལ་བབས། །ཐབས་

མེད་གཤིན་རྗེ་འི་ལག་ཏུ་ངེས་པར་འགྲོ ། འཇིགས་པའི་ནད་ཆེན་འདི་ལས་སྐྱོབ་པའི་སྨན། ། སྐྱབས་
བྱེད་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་ལ་མཆིས་ལགས་ལ། ། ཞུ་ཡང་མི་གསོལ་དེ་བས་མ་ཞུས་དཀའ། ། ཞེས་སྨྲས་
པས༑ རྒྱལ་པོས་དགའ་སྟེ་བཞེངས་བྱེད་ནས། ། ཀྱེ་ནུད་སྒྲོག་ལས་ལྷག་པར་གཅེས། ། མཛེས་
པའི་བཙུན་མོ་ཁྱོད་ཉིད་ཀྱི། ། གཅེས་པའི་སྒྲོག་ནི་སྐྱོབ་ཕྱིར་བདག ། ནོར་ཕྱུགས་ལ་སོགས་མཁོ་
དགུའི་རྫས། ། འཕངས་པ་མེད་པར་སྦྱིན་དགོས་སོ། ། མ་གསང་སྨྲུར་དུ་སྨྲོས་ཤིག་དང་། ། ཅེས་
པས༑ བཙུན་མོ་དགའ་ཞིང་ཕྱག་འཚལ་ནས། ། བདག་གི་སྡུག་བསྔལ་སེལ་བའི་སྨན། ། འགྲོ་
བའི་མགོན་པོ་རྒྱལ་པོ་ཆེ། ། གསོལ་ན་ཁྱེད་ཀྱི་བུ་གཉིས་ཀྱི། ། ལྕེ་སྙིང་སྟོལ་ན་ངེས་པར་འཚོ༎
འཚོ་ན་ངེད་གཉིས་སྐྱིད་པར་ངེས། ། གཞན་དུ་གསོས་སྨན་ཅི་ཡང་མེད། ། ཟེར་ནས་སྨྲེ་འདོན་ཁ་བྱབ་
བརྒྱལ༑ ། རྒྱལ་པོས་རིངས་པར་དབ་དོབ་ནས། ། མངའ་འབངས་འཁྲིད་པའི་ཁྲུ་གཉིས་ལ། གཅེས་
པའི་བུ་གཉིས་ལྕེ་སྙིང་བླངས། ། འཇོམ་པ་མེད་པར་སྨུར་དུ་བསད། ། ལྕེ་སྙིང་ཟོས་ན་ངེས་པར་
གསོས༑ ། ཟེར་བས་ཁྲུ་གཉིས་ལ་ཙུར་སོང་། ། བུ་གཉིས་འཁྲིད་ནས་རྒྱ་མཚོ་འི་འགྲམ། ། ཕྱིན་
ཏེ་བསད་པར་བརྩམས་པ་ལ། ། བུ་གཉིས་ཤེས་ནས་འོ་དོད་འབོད། ། སྒྱུ་ངན་བྱེད་པའི་སྨྲ་ཆེན་
སྒྲོགས༑ ། རེ་ཆེ་བློ་བུར་མཚོ་དཀྱིལ་ནས། ། ལུས་ཆེན་ཉ་དཀར་གཅིག་བྱུང་སྟེ། ། མི་གཉིས་དེ་
ལ་སྐྱིགས་ཏེ་སླས། ། སྔོངས་ཆེན་ངར་བའི་མི་གཉིས་ཁྲོད་བུ་འདི་གཉིས་ལ་གནོད་པ་མ་བྱེད་ཅིག ། གལ་
ཏེ་བྱེད་ན་ངས་ཁྱེད་རང་རྣམས་ཀྱི་རིགས་བརྒྱུད་མཐའ་དག་བརླག་པར་ནི་གདོན་མི་ཟ་ཟེར་ནས། བདུད་
ངན་མོ་ལ་འདི་བྱིན་ཅིག་ཅེས་ལྕེ་སྙིང་གཞན་སྟེར་ནས་ལོག་གོ༎

དེ་ནས་ཁྲུ་གཉིས་ཀྱིས་བདུད་མོ་ལ་ལྕེ་སྙིང་འདི་ཡིན་ཞེས་ཕུལ་བས་ཟོས་ཏེ་ནད་གསོས་སོ། ། བཙུན་
མོ་ཡང་སྡུ་ན་མེད་པའི་བྱད་གཟུགས་དང་ལྡན་པར་གྱུར་ཏོ། ། དེའི་ཕྱིར་རྒྱལ་པོ་ཡང་ཤིན་ཏུ་དགའ་
བས་སྐྱིད་ཅིང་འདུག་གོ ། དུས་ཕྱིས་སུ་གདུག་ཅན་བདུད་མོ་དེས་བུ་གཉིས་མ་བསད་པར་སྤྲས་པར་མཐོང་
ནས་ཡང་དྲིས་པ། སྔར་བུ་གཉིས་ཀྱི་ལྕེ་དང་སྙིང་ཟོས་ལ་ད་ལྟ་ཡང་བུ་གཉིས་ལུས་སམ་ཞེས་པས། ཤན་
ངན་འཁྲིད་པའི་མོ་ན་རེ། ། སྔར་གྱི་བུ་ལས་ལྷག་པ་མིན། ། གཡོ་ཅན་ཁྲུ་གཉིས་ཁྱོད་ཉིད་ལ། ། ཐ་མལ་
ཉ་ཡི་ལྕེ་སྙིང་གཉིས། ། བྱིན་ཏེ་བུ་གཉིས་སྦས་པ་ཡིན། ། ཟེར་བས་སྔར་བཞིན་ནད་ཚབས་ཐེབས་སོ༎

ཀྱི་ནད་བྱུས་ཤིང་སྨྲེ་ངག་འདོན་བཞིན་ཉལ་བ་ལ། རྒྱལ་པོས་ཤིན་དུ་གདུང་ཞིང་ཡི་སྨུག་སྟེ་བཙུན་མོ
མཛའ་བོ་ཁྱེད་ལ་ནད་བདབ་བམ། ཞེས་དྲིས་པ་ལ། སྦྱོལ་མཛད་རྒྱལ་པོས་མཁྱེན་ཅིང་ལེགས་གསོལ་
བའི༑ །ལྷེ་སྙིང་ཁྱོད་ཀྱི་བུ་ཡི་ལྷེ་སྙིང་མིན། །ཉ་ཡི་ལྷེ་སྙིང་བསྲུས་ཏེ་སྟེར་བའི་ཕྱིར། །ཤི་བར་
ཐུག་གོ་རྒྱལ་དབང་མཁྱེན་པར་མཛོད། །ཞེས་ཟེར་ནས་ངུ་བར་བྱེད་དོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་དེས་ཤིན་ཏུ་
ཁྲོས་ཏེ་ཉེ་གནས་པ་རྣམས་ལ་མི་ངན་པ་དེ་གཉིས་སྔར་དུ་འཁྲིད་ཤོག་ཅེས་བསྒོ་བས་མི་གཉིས་འོངས་པ་
ལ༑ ཁྱོད་གཉིས་པོས་བདག་གི་སྲོག་ལས་ཀྱང་ལྷག་པར་གཅེས་པའི་བཙུན་མོ་འི་ནད་ཀྱི་གསོས་སྨན་དུ་
བདག་གི་བུ་གཉིས་ཀྱི་ལྷེ་སྙིང་ལོངས་ཁྱེར་ཤོག་ཟེར་བ་ལ། མ་ཁྱེར་བར་འདི་ཡིར་ཞེས་ཉའི་ལྷེ་སྙིང་གིས་
བསླུས་པའི་རྒྱུ་མཚན་ཅི་ཟེར་བས། ཁྱེ་གཉིས་འཇིགས་ཏེ་ཉ་ཡིས་སླུས་པའི་རྒྱུ་མཚན་རྣམས་རྒྱས་པར་
བཤད་ཀྱང་མ་འཇོམ་པར་དེ་གཉིས་ལ་ཡང་མི་གཉིས་བསྟན་ཏེ་ཁྱོད་བཞི་པོས་བུ་འདི་གཉིས་མཚོ་འགྲམ་
ནས་ཕྱོགས་གཞན་དུ་བསད་ལ་ལྷེ་སྙིང་རྣམས་སྔར་དུ་ལོངས་ལ་ཤོག་དང་ཟེར་བས། བཞི་པོ་དེས་རི་
ཆེན་པོ་འི་རྩར་ཁྲིད་དེ་བསད་པར་བརྩམས་པ་ལ། བུ་དེ་གཉིས་ཀྱིས་ཕན་ཚུན་བདག་སྟོར་གསོད་
བདག་སྟོར་གསོད་ཞེས་པའི་སྨྲ་ཆེར་བྱུང་སྟེ་ངུ་བས། བྲག་གི་གསེབ་ནས་སྤྲུལ་ཆེན་པོ་ཁྲ་བོ་ཞིག་བྱུང་
སྟེ༑ མི་བཞི་པོ་ལ་སྨྲས་པ། སྡིག་ཅན་ངན་པའི་མི་བཞི་ཁྱོད། །བརྩེ་མེད་བུ་གཉིས་བསད་པ་ན༎
སྡིག་རྒྱས་མཐར་མེད་དམྱལ་བར་ལྷུང་། །གང་གིས་གསོད་པ་དེ་ལ་ངེས། །རིགས་བརྒྱུད་གཅོད་པར་
གདོན་མི་ཟ། །སྙིང་རྗེ་བུ་གཉིས་གསོད་མི་དགོས། །བུ་གཉིས་ཁྱེད་ཀྱང་གཞན་དུ་འགྲོ། །གདུག་
ཅན་བདུད་མོར་ཁྱི་འདི་ཡི། །ལྷེ་སྙིང་འདི་དག་སྦྱིན་པར་བྱ། །ཞེས་ཟེར་བས་དེ་བཞིན་བྱས་ཏེ་ཕྱིར་
པ་ལས་བདུད་མོ་འི་ནད་གསོས་པ་ལྟར་གྱུར་ཏོ༎

དེ་ནས་བུ་དེ་གཉིས་ལམ་དུ་འཐུག་ནས་འཁྲུམས་ཤིང་འགྲོ་བ་ལ། ནུ་བོ་ནི་སྐོམ་མིང་པོས་ཆུ་འཚོལ་
དུ་འགྲོ་བས་ཆུ་མི་རྙེད་པར་ལོག་པས་ནུ་བོ་བརྒྱལ་ལོ། །མིང་པོས་དེའི་སྤྲངས་གསར་བ་ཞིག་རྙེད་ནས
ངས་ཁ་བ་བླངས་ཏེ་ལག་མཐིལ་དུ་བླུགས་ཏེ་ནུ་བོ་ལ་བྱིན་པར་བསམས་ནས་འོངས་བས། ནུ་བོ་སངས་
ཏེ་གཅིག་ཤོས་འཚོལ་ཏེ་འཁྲུམས་སོང་བས་བུབ་སར་མི་འདུག་གོ །མིང་པོས་བཙལ་ཀྱང་མ་རྙེད་པར་
དབྱེའོ༑ །ནུ་བོ་དེ་ནི་འཁྲུམས་སོང་སོང་ནས་གནས་ཆེན་པོ་ཞིག་ཏུ་ཕྱིན་ཏོ། །དེར་ཁྲིམས་གཅིག་ལ་འཐུག་

པས་སེམས་སྐྲམས་པའི་གན་པོ་ཞིག་ཡོད་པ་དེས་བྱ་དེ་མཐོང་ནས་ཞེ་ས་དང་བཅས་ཏེ་བཟའ་བཏུང་མང་པོ་སྦྱེར་དེར་གནས་སོ། །དེ་སྐབས་ཡུལ་དེ་འི་རྒྱལ་པོ་འདས་ནས་རྒྱལ་ཚབ་ཏུ་བཞུགས་པའི་བུ་མེད་པས། ཡུལ་མི་རྣམས་ཚོགས་ནས་གླང་པོ་ཆེ་བློ་ལྡན་གྱི་སྣ་ལ་གསེར་གྱི་བུམ་པ་བདུད་རྩིས་གང་བ་བཏགས་ནས་མི་རྒྱལ་པོར་འོས་པ་མཁས་ཤིང་བློ་དང་ལྡན་པ་གང་ལ་བུམ་པ་བཞག་པ་དེ་ཉིད་རྒྱལ་ཚབ་ཏུ་དབང་བསྐུར་རོ་ཞེས་གྲོས་མཐུན་བྱེད་དོ། །དེ་ནས་གན་པོ་འི་བསམ་པ་ལ་བྱ་འདི་ཉིད་འཁྲིད་ནས་འགྲོ་སྙམ་ཡང་། ཡང་སེམས་པ། དེ་དག་བྱ་འདི་ཉིད་བདག་གི་བུ་མིན་པར་ཤེས་ན་བདག་ལ་སྐྱོན་ཚུགས་ཡོང་སྙམ་ནས་བྱ་དེ་ཉིད་ཤིང་ཁོང་སྟོང་ཞིག་གི་ནང་དུ་སྦས་བསྡད་པ་ལ། བློན་པོ་སོགས་ཀུན་གྱིས་གླང་ཆེན་གྱི་སྣ་ལ་གསེར་བུམ་པ་བཏགས་ཏེ་བཏང་བས། གླང་ཆེན་དེ་མི་ཚོགས་རྣམས་ལ་ལན་གསུམ་བསྐོར་ནས་གང་ལ་ཡང་མ་བཞག་པར་ཤིང་ཁོང་སྟོང་དེ་འི་སྟེང་དུ་བཞག་གོ །ཚོགས་པ་དེ་དག་གིས་ཡ་མཚན་དུ་གྱུར་ཏེ། ཨོ་མའོ་གླང་ཆེན་འདི་ནི་རྨོངས་པའམ། མི་མང་པོ་ལས་འཕྲོལ་ཏེ་ཤིང་སྟེང་དུ་བཞག་པ་ནི་ཅི་ཡིན་ཟེར་ཏེ་ཡང་བསྐྱར་བས་སྔར་བཞིན་བཞག་གོ །དེ་ནས་གན་པོ་ན་རེ། ཨོ་ཨེ་གླང་ཆེན་བློ་ལྡན་འདི་སྤྲ་མོ་ནས་ད་ལྟའི་བར་དུ་ཡེ་མ་འཁྲུལ་པས་ཤིང་འདི་ལ་ངེས་པར་རྒྱུས་ཞིག་ཡོད་འདྲ། བརྟགས་པ་བྱའི་ཟེར་ནས་ཐམས་ཅད་ཕྱིན་ཏེ་བལྟས་པས། དེ་འི་ནང་དུ་ཁྱེའུ་མཛེས་ཤིང་ཡིད་དུ་འོང་བ་མཚན་ལྡན་རྣ་བ་གཉིས་གཡུ་ཡིས་བརྒྱན་པ་འདྲ་བ་ཞིག་ཡོད་པ་ལ། མི་དེ་རྣམས་ངོ་མཚར་དུ་གྱུར་ཅིང་འདི་ཉིད་རེད་ང་ཚོ་ལ་ལྷས་སྤྲུལ་ལགས་ཀྱི་མ་ལ་འོ་སྐོལ་གྱི་བདག་པོར་གྱུར་པའི་ཁྱེའུ་འདི་རང་ཡིན་འདྲ་སྙམ་ནས་ཐམས་ཅད་དགར་ནས་ཀུན་གྱིས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོར་མངའ་གསོལ་ལོ། །ཡུལ་དེ་འི་ཆབ་འབངས་ཐམས་ཅད་ཀྱང་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གནས་སོ། རེ་ཞིག་གི་ཚེ་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་འི་ཐུད་གཟུགས་རིམ་གྱིས་ཉམས་པར་འགྱུར་བ་ལ། བཙུན་མོ་དང་བློན་པོ་སོགས་ཀྱིས་ཚོགས་ཏེ་དེ་འི་རྒྱུ་མཚན་དྲི་དགོས་ཞེས་པན་ཚུན་མཐུན་པས་དེ་དག་གི་ནང་ནས་བློན་པོ་རྣམས་ཀྱིས་རྒྱལ་པོ་ལ་ཞུས་པ།།

ཨེམ། རྐྱེད་དཀའི་ཡིད་བཞིན་ནོར་འདྲའི་རྒྱལ་པོ་རིན་པོ་ཆེ། །སྲིད་སྐྱོང་ཆེན་པོ་མངའ་གསོལ་ཕྱིན་ཆད་དུ། །མངའ་འབངས་མང་དང་བདག་སོགས་འགྲོ་བ་རྣམས། །འགྱུར་མེད་དགའ་བདེ་ཆེན་པོས་སྐྱིད་ལགས་ལ། །སྔོན་ཆད་ཕྱུལ་བྱུང་མཛེས་པའི་ཐུད་གཟུགས་ནི། །གསལ་བའི་ཉི་ཟླ་ལྟ་

བྱུར་མཛེས་ཤིང་སྡུག །སྒྲོ་བྱུར་མདོག་ནི་འགྱུར་ཞིང་ཉམས་པ་དང་། །འགྲོད་ཅིང་ཡི་གུག་ལྟ་
བུའི་རྣམ་འགྱུར་མཛད། །གཅེས་པའི་བཙུན་དང་བདག་སོགས་འབངས་ཐམས་ཅད། །སྐྱིད་པོར་
གནས་བཞིན་ཞལ་མདོག་འགྱུར་འདི་འདྲ། །ངེས་པར་ལུས་སམ་སེམས་ལ་འགལ་རྐྱེན་ཡོག་པ་འདྲ།
རྒྱུ་མཚན་གསལ་པོར་བཀའ་ལན་གནང་བར་གསོལ། །ཞེས་ཞུས་པས་རྒྱལ་པོ་ན་རེ། ཚོགས་པ་དེ་
དང་ཁྱེད་ཅག་སྙན་གསོར་ཅིག །རིན་ཆེན་གཏེར་དང་ནོར་རྫས་ལ་སོགས་ལ། །གདུང་སེམས་སྐྱེད་
པས་སེམས་སྡུག་གཅིག་ཀྱང་མེད། །ལུས་ལ་གཙོང་ནད་ཐེབས་པས་སྡུག་པའང་མིན། །འདི་ཡི་
རྒྱུ་རྣམས་ཁྱེད་ལ་ཀུན་གསོལ་ལོ། །ཅེས་ཟེར་ནས་འདི་སྐད་དུ། ཀྭ་ཡེ་ཉོན་དང་དྲིན་ཅན་ཕ་མ་ལས།
མཛའ་བའི་མིང་པོ་ནུ་བོ་གཉིས་སྐྱེས་ཡོད། །དེ་ནས་མ་ལགས་འཁོར་བའི་ཆོས་ཉིད་འཛིན། །ངེད་
གཉིས་མ་ལས་བྲིས་པའི་དུས་སུ་ལུས། །ཕ་ལགས་གདུག་ཅན་བདུད་མོ་འི་དབང་དུ་སོང་། །བདུད་
མོ་འི་གཡོ་ལང་ངེད་གཉིད་གསོད་འདོད་ནས། །ཁྲུ་གཉིས་བོས་ཏེ་གཉིས་མཚོ་འགྲམ་དུ། །བསད་
ནས་ལྟེ་སྙིང་ལོང་ལ་ཁྱེར་ཤོག་ཅེས། །བསྐོས་པ་པ་དེ་བཞིན་བཙམས་ཚེ་མཚོ་རང་ནས། །ཉ་དཀར་
ལུས་ཆེན་བྱུང་སྟེ་ཐོག་པ་ཡིས། །ཉ་ཡི་ལྟེ་སྙིང་སྟར་ཞིང་ངེད་གཉིས་སྲུས། །དེ་བཞིན་བྱས་པས་
རེ་ཞིག་བདེ་བར་བསྡད། །མི་རིང་ཞིག་ན་ཚོར་བས་བདུད་མོ་ཁྲོས། །ཤིན་དུ་འཁྲུགས་པས་སྐྱར་
ཡང་མི་བཞི་ལ། །རི་རྒྱང་འགྲོ་ནས་དེ་གཉིས་སྲུང་དུ་བསད། །ལྟེ་སྙིང་འཁྱེར་ཤོག་ལ་སོགས་
སྔར་བཞིན་ནས། །སྐྱོབ་བྱེད་སྤྲུལ་གྲུས་བྲག་གསེབ་ནས་ཐོན་ཏེ། །གསོད་བྱེད་མི་བཞི་དེ་ལས་
འཕྲོག་པར་བྱེད། །མི་བཞི་དེ་ལ་ཁྱི་ཡི་ལྟེ་སྙིང་སྟེར། །དེ་དག་གིས་ཀྱང་སྤྲུལ་གྱི་ཁ་ལ་ཉན། དེ་
ནས་ངེད་གཉིས་ལམ་དུ་འཇུག་ཅིང་འཁྲུམས་པས་ཤིན་དུ་སྐོམ། །ང་བཀྲལ་བས་མིང་པོས་མ་བཟོད་
པར་ཆུ་འཚོལ་དུ་འགྲོ། དེ་བར་ངས་སངས་དེ་བལྟས་པས་ང་མིང་པོ་མེ་འདུག་པས་མིང་པོ་འཚོལ་
དུ་སོང་། མིང་པོས་ཆུ་བཙལ་ཀྱང་མ་རྙེད་པས་ཐབས་བརྟགས་ཤིང་ལོག་ཁར་རྟའི་སྤྲངས་གསར་རྙེད་
ནས་འདིའི་ཁ་བ་སླུག་པར་བྱའི་བསམ་སྡེ་ཕྱིན་པས་བྱབ་ས་དེར་ནུ་བོ་མེད་པས་མིང་པོས་ཀྱང་ནུ་བོ་ཚོལ་
དེ་འགྲོ། དེ་ལྟར་ངེད་གཉིས་བྲལ་དེ་དབྱེའོ།།

དེ་ནས་ངས་འཁྲུམས་འཁྲུམས་ནས་ཡུལ་འདི་ཉིད་དུ་འོངས་སོ། །རིན་ཆེན་གསེར་དངུལ་ནོར་

གཏེར་དང་། །རྒྱལ་བློན་འབངས་འཁོར་མང་པ་བཅས། །ནུ་ཞོས་འཚོ་བའི་མ་བཙུན་མོ། །ལྷག་
པར་མིང་པོ་རྟག་ཏུ་སེམས། །འདི་ཉིད་ལུས་ལ་ནད་ཐེབས་བཞིན། །གདུང་སེམས་སྐྱེས་ནས་ཀྱི་
ཀུད་བྱེད། །བློན་པོ་ལ་སོགས་འདིར་ཚོགས་ལ། །འདི་ལྟར་གྱུར་ཞེས་ཚང་བར་སྨྲས། བཙུན་
མོ་དང་དཔོན་བློན་སོགས་ཀྱིས་འདི་སྐད་ཞུས། ས་དབང་རྒྱལ་པོ་སེམས་བདེར་བཞུགས་མཛོད་དང་།།
དང་པོ་ཉིད་ནས་རྒྱལ་པོའི་བུར་གྱུར་ཀྱང་། །གཅིག་པུ་མིང་པོ་ཙམ་དང་འགྲོགས་པར་བྱེད། །ད་
ལྟ་གཅིག་པུ་ལུས་པ་སྙིང་རེ་རྗེ། །འོན་ཀྱང་མགྱོགས་པའི་གླང་ཆེན་ཞོན་བྱེད་ནས། །ཕྱོགས་དང་
མཚམས་བཞིར་ལེགས་པར་འཚོལ་ན་ནི། །གཅེས་པའི་མིང་པོ་དེ་ནི་རྙེད་པར་ནུས། །ས་སྐྱོང་ཀུན་
ཏུ་སྨུལ་ཀྱང་ཅིས་མི་རྙེད། །ཟེར་ནས་གླང་ཆེན་ཞོན་པོ་ཉ་མང་པོས་ཕྱོགས་ཕྱོགས་སུ་ལ་ཉུར་འཚོལ་
བས་ཡེ་མ་རྙེད་དོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོས་ཤིན་ཏུ་ཡི་མུག་པའི་ཁར་སྐྱེང་དུ་བྱོན་ནས་ཕྱོགས་ཕྱོགས་སུ་
བལྟས་པ་ལས་ལྷོ་ཕྱོགས་ནས་མི་གཅིག་འོང་གིན་ཡོད་པ་མཐོང་བས། རྒྱལ་པ་དགོས་པ་སྐྱེས་ནས་
རྒྱངས་པར་བཞེངས་དེ་ཕྱོགས་དེར་ཕེབས་པས་དེ་ཉིད་མིང་པོ་ཡིན་ལ། མིང་པོ་དང་ནུ་བོ་གཉིས་འཕྲད་
ནས་དུས་པའི་མཆི་མ་རྒྱ་གར་ན་རྫིང་བུ་གཅིག་ཡོད་དོ། སངས་དེ་ནུ་བོས་མིང་པོ་ལ་བལྟས་པས་གོས་
ནི་ལུས་དང་འབྲར། ཞྭ་ནི་སྐྲ་དང་འབྲར་བ་ཡོད་དོ། །མིང་པོས་ནུ་བོ་ལ་འདི་སྐད་ཞུས། གཞིན་
རྗེའི་ཡུལ་ཐར་ཐོན་ཕྱིན་ཆད། །མིང་པོ་ནུ་བོ་ང་ཅག་གཉིས། །འདི་དེ་རྟ་ནི་སྨུལ་ཞིང་འཁྲུམས།།
རིན་ཆེན་སྒྲོག་ནི་མ་བྲལ་བར། །དེ་རིང་ནུ་བོ་ཁྱོད་དང་མཇལ། །མ་མཇལ་བར་དུ་དུང་དུང་འཚོལ།།
ཡུལ་འདིར་ད་ལྟ་ཕྲད་པ་ནི། །སྔོན་བྱས་བསོད་ནམས་འབྲས་བུ་ཡིན། །ཞེས་ཟེར་ནས་མིང་པོ་དེ་
ནུ་བོ་དང་མཉམ་དུ་ཕོ་བྲང་དུ་བྱོན་ཁྲུས་སོགས་བྱས་ཤིང་གོས་གསར་པ་སོགས་བགོས་རྒྱན་སྣ་ཚོགས་པས་
བརྒྱན་ཅིང་གནས་དེ་ཐམས་ཅད་བདེ་ཞིང་སྐྱིད་པར་གྱུར་ཏོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོས་འཁོར་རྣམས་ལ་
བཀའ་སྩལ་པ། འཚོལ་ཞིང་སེམས་པའི་མཛའ་བོ་མིང་པོ་མཇལ། །སྔོན་གྱི་སྨོན་ལམ་ཤིན་ཏུ་སྟོབས་
ཆེ་བས། །དྲིན་ཅན་རིན་ཆེན་ལྷ་བུའི་ཡབ་རྒྱལ་ནི། །འཕྲུལ་ནས་བདུད་མོ་འི་མན་ངག་ལ་མནལ་
ཉལ། །ད་ལྟ་དེ་ཉིད་འདུལ་བའི་དུས་ལ་བབས། །དེ་བས་ཡབ་རྒྱལ་གནས་སུ་ད་འགྲོ་དགོས།།
གསུངས་པས་བློན་འབངས་སོགས་ཀྱིས་མགྲིན་གཅིག་ཏུ། །ས་སྐྱོང་དབང་བའི་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་ལགས།།

འཇིགས་པའི་བདུད་མོ་གདུལ་བར་བྱོན་པའི་ཚེ། །དཔའ་བོ་དམག་ཆེན་སྟོབས་ལྡན་དཔུང་གི་ཚོགས།།
ཇི་སྙེད་དགོས་པ་དེ་སྙེད་ཕྲུལ་ཞེས་ཞུས། །རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བདུད་མོ་གཞོམ་ཚེ་ང་ལ་དམག་མི་དགོས།།
དྲིན་ཅན་ཡབ་ཀྱི་སྐུ་དྲིན་བཟོ་ཆེད་དུ། །ད་ལྟ་བདག་ནི་གཅིག་པུ་འགྲོ་དགོས་སོ། །གསུངས་ནས་
ཐེག་བཞེད་བྱས་དེ་ཆས་སོ། །ཡུལ་རིང་ཕྱིན་དེ་གཡས་ཀྱི་དཔོན་སྤྲུལ་པའི་བློན་པོ་འི་ཁྱིམ་དུ་ཕེབས་
པས། བློ་ལྡན་སྤྲུལ་པའི་བློན་པོས་བསུས་ནས་ཏུ་བཞིན་དུ་འདི་སྐད་གསོལ། སྒྲོག་དང་སྒྲིང་ལས་ཀྱང་
ལྷག་པའི། །མཛའ་བའི་ཁྱེའུ་ཁྱེད་ཉིད་ཀྱི། །དྲིན་ཅན་ཡབ་རྒྱལ་དེ་ཉིད་ནི། །གར་ངན་བདུད་མོས་
མནན་ཅིང་ཉལ། །ཐབས་མེད་དེ་ཡི་དབང་དུ་གྱུར། །རིན་ཆེན་གསེར་ལས་ཀྱང་ལྷག་པའི། །བུ་
གུ་ཁྱེད་གཉིས་བདེ་ལགས་སམ། །ཀྱི་མ་ཡབ་ཇོ་ཇེ་ལྟར་བློ་གྲོས་སྐྱོངས། །ཐབས་མེད་བདུད་མོ་འི་
དབང་དུ་གྱུར་ནས་ནི། །རིན་ཆེན་སྒྲོག་ནི་སང་ནང་ངེས་པ་མེད། །དྲིན་ཆེན་རྒྱལ་བུ་རིངས་པར་
བྱོན་སོང་ནས། །སྒྲོག་ནི་གཅོད་བྱེད་བདུད་མོ་དེ་ཉིད་ནི། །སྔ་བར་ལངས་དེ་ཕྱོགས་བཞིར་རྫོང་
པར་བྱེད། །དགོང་ཁར་སླེབས་ནས་མི་ཧི་ཤུ་ཟོས་སོ།།
དེ་ནས་ཁྱིམ་དུ་བཅུག་ནས་ཇབས་རྣ་ཆེན་པོ་འཁྱེར་ཤིག་ཟེར་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་ལྟོ་བར་བཏབ་ནས་
འཇིབ་བོ། །ཡང་ཇབས་རྣ་ཆུང་ངུ་འཁྱེར་ཤོག་ཟེར་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་ཨོལ་གོང་དུ་བཏབ་ནས་འཇིབས་
སོ། །དེ་བས་ན་རྒྱལ་པོ་འི་ལྟོ་བ་ནི་ཁྱིམ་ཙམ། མགོ་བོ་ནི་སྒྲ་ང་ཙམ། ཇུས་ངར་ནི་འཇག་མ་
ཙམ། མགྲིན་པ་ནི་སྐུད་པ་ཙམ་དུ་གྱུར་རོ། །ད་ལྟ་ཡང་སྒྲོག་ཡོད་མེད་ཀྱི་མཚམས་སུ་ཉལ་བ་ཡོད་
དོ། །ཞེས་ཚང་བར་སྨྲས་པ་ལས་རྒྱལ་བུ་རིངས་པར་ཕྱིན་ཟེར་བས། སྤྲུལ་པའི་བློན་པོས་ཡང་
གསོལ་བ། རྒྱལ་བུ་ལགས། སླེབས་པའི་དུས་ནི་ད་མི་ཡོང་། དགོས་པའི་ཚེས་ནི་སླེབས་ཕྱིན་
ཟེར་ནས་བལ་གྱིས་གང་བའི་སྣོད་ཆེན་བསྐུར་རོ། །དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་འི་དྲུང་དུ་ཕྱིན་པས་བློན་པོས་སྨྲས་
པ་ལས་ལྷག་པར་ཉམས་ཡོད་དོ། །ཡབ་རྒྱལ་པོས་མཐོང་ནས་ཨེ་ཨེ་ཁྱོད་ནི་གསོན་པོར་ཡོད་དམ། ཟེར་
བས། རྒྱལ་བུས་ཡབ་ཇི་རྒྱལ་པོ་ཁྱེད་བདེ་པོ་ཡིན་ནམ། ཟེར་བ་ལ་རྒྱལ་པོ་ན་རེ། བདག་གི་
སྒྲོག་ནི་མ་ཆད་ཙམ་ཡིན་པས་སྒྲོག་སྐྱོབ་ཟེར། དེ་ནས་བདུད་མོ་དགོངས་མོར་ཡོང་ས་ནས་སྔར་མི་ཧི་ཤུ
ཟོས་ནས་ཕྱིས་སུ་རྒྱལ་པོ་འི་དྲུང་དུ་འོངས་ནས་ཇབས་རྣ་འཁྱེར་ཤོག་ཟེར་བ་ལ། བདུད་མོ་རེས་རྒྱལ་

བྲ་མཐོང་ཞིང་ཁྲོམས་དེ་བདུད་མོ་འི་ཁོག་སྟོང་ཉིད་ཀྱིས་རྒྱལ་པོ་ཉིད་མེད་ཁར་རྒྱལ་པོ་འི་མདུན་དུ་བཞག་
པའི་བལ་མེད་དོ། །རྒྱལ་བུས་རལ་གྲིས་བདུད་མོ་འི་མགོ་བཅད་དོ། །འབངས་རྣམས་ཀྱིས་བྱུད་ཤིང་
ཆེན་པོ་བསམགས་ནས་དེ འི་རོ་སྲེགས་པར་བྱས་སོ། དེ་ནས་རྒྱལ་པོ་སོགས་ཚབ་འབངས་ཐམས་ཅད་
བདེ་ཞིང་སྐྱིད་ནས་ཡབ་རང་གི་སྲིད་དང་། རང་དབང་བའི་རྒྱལ་སྲིད་གཉིས་ལེགས་པར་བསྐྱངས་ནས་
བསྟན་དང་འགྲོ་བའི་དོན་དབྱར་གྱི་མཚོ་ལྟར་འཕེལ་ཞིང་རྒྱས་ནས་དགེ་བ་ཁོ་ན་བྱེད་པས་ཕལ་ཆེར་བདེ་
འགྲོ་མཐོ་རིས་སུ་སྐྱེས་པ་ཤིན་ཏུ་མང་པོ་བྱུང་ངོ་། །དེ་ལྟར་པི་ཀྲ་མི་ཛི་ཏ་བཞིན་དུ་བསོད་ནམས་
ཆེན་པོ་དང་ལྡན་ན་གསེར་གྱི་ཁྲི་ཆེན་པོ་འདི་ལ་བཞུགས་པར་འོས་པ་ཡིན་ལ། ཁྱོད་ང་མཚར་ཅན་གྱི་
རྒྱལ་པོ་འདི་ལྟ་བུ་མ་ཡིན་ན་ཁྲི་འདི་ལ་བཞུགས་པར་ཡེ་མི་རུང་ངོ་། །ཞེས་སྨྲས་པ་ལ་རྒྱལ་པོ་ཨ་ཛི་
བྲྀ་འཛིགས་ཤིང་སྐྲག་ནས་ཐམས་ཅད་ཀ་ལས་ཏེ་ཡ་མཚན་ཞིང་ངོ་མཚར་བའི་སྒོ་ནས་བསྟོད་ཅིང་བསྔགས་
པས་ཐམས་ཅད་དགའ་ནས་ཕྱིར་ལོག་ནས་སོང་ངོ་། །ཤིང་མི་བཅུ་གསུམ་པས་སྨྲས་པའི་ལོ་རྒྱུས་ཏེ་
ལེའུ་བཅུ་གསུམ་པའོ།། ཀྵྃ ॥ ॥

• • •